अब तक का सबसे डरावना उपन्यास

ओझा

उपन्यास

चालीसवीं वर्षगांठ संस्करण

विलियम पीटर ब्लैटी

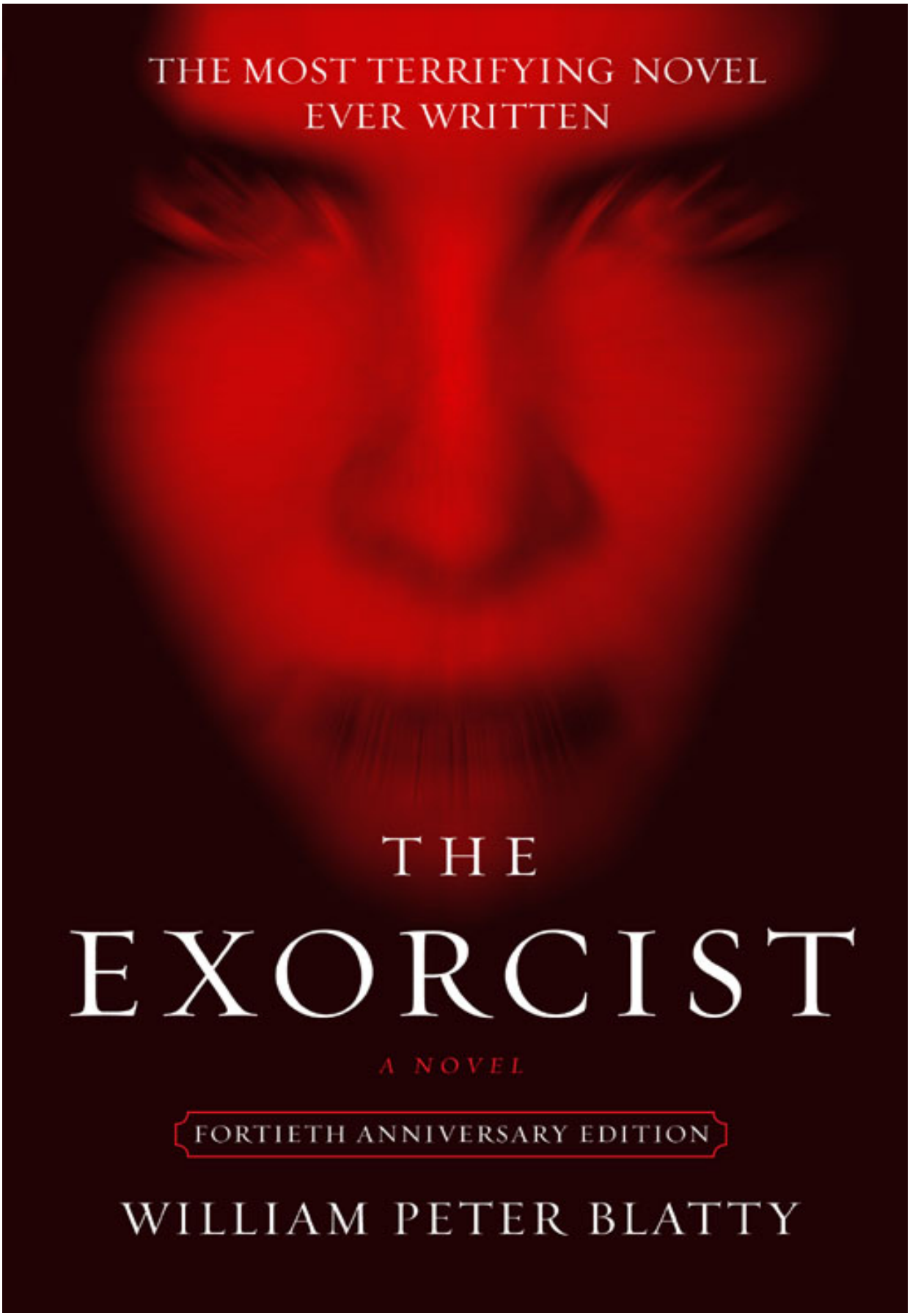
THE MOST TERRIFYING NOVEL
EVER WRITTEN
THE
EXORCIST
A NOVEL
FORTIETH ANNIVERSARY EDITION
WILLIAM PETER BLATTY

Table of Contents

समर्पण
सूक्ति
विषयसूची
प्रस्तावना
भाग 1: शुरुआत
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
भाग II: किनारा
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
भाग III: रसातल
अध्याय एक
अध्याय दो
भाग IV: और मेरी पुकार तुझ तक पहुंचे...
अध्याय एक
उपसंहार
लेखक के बारे में
नोट्स
प्रशंसा
अन्य रचनाएँ
क्रेडिट
कॉपीराइट
प्रकाशक के बारे में

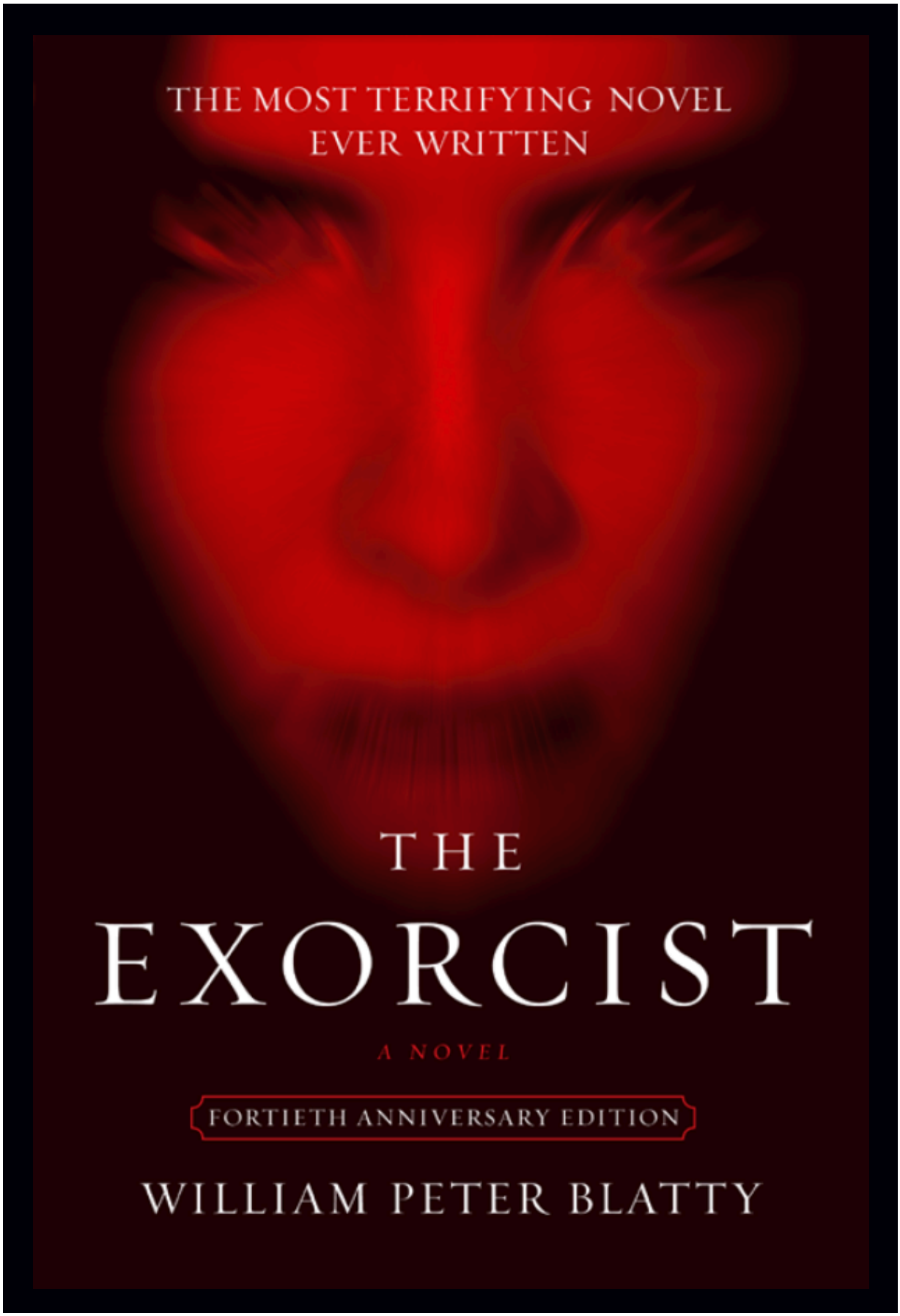
THE MOST TERRIFYING NOVEL
EVER WRITTEN
THE
EXORCIST
A NOVEL
FORTIETH ANNIVERSARY EDITION
WILLIAM PETER BLATTY

40वीं वर्षगांठ संस्करण

विलियम पीटर ब्लैटी

HARPER

NEW YORK • LONDON • TORONTO • SYDNEY

जूली के लिए

और जब यीशु किनारे पर उतरे, तो शहर का एक आदमी उनसे मिला जो दुष्ट आत्माओं से ग्रसित था... कई बार दुष्ट आत्माओं ने उसे जकड़ लिया था और वह जंजीरों में जकड़ा हुआ था... लेकिन वह बंधनों को तोड़ देता था... और यीशु ने उससे पूछा, "तुम्हारा नाम क्या है?" और उसने उत्तर दिया, "लेगियन।"

—लूका 8:27–30

जेम्स टोरेलो: जैक्सन उस मांस टांगने वाले हुक पर लटका हुआ था। वह इतना भारी था कि उसने हुक को मोड़ दिया। मरने से तीन दिन पहले तक वह उसी हुक पर लटका रहा।
फ्रैंक बुसिएरी (हंसते हुए): जैकी, तुम्हें उस आदमी को देखना चाहिए था। वह हाथी जैसा था, और जब जिमी ने उसे बिजली के डंडे से मारा...
टोरेलो (उत्साह से): जैकी, वो उस हुक पर छटपटा रहा था। हमने उसे पानी से झटका दिया ताकि हुक का झटका और तेज़ हो जाए, और वो चीख रहा है...
—विलियम जैक्सन की हत्या से संबंधित कोसा नोस्ट्रा के टेलीफोन वार्तालाप की एफबीआई द्वारा की गई जासूसी का अंश
कम्युनिस्टों ने जो कुछ किया, उसका कोई और स्पष्टीकरण नहीं है। जैसे उस पादरी की कहानी, जिसके सिर में आठ कीलें ठोंकी गई थीं... और फिर सात छोटे लड़के और उनका शिक्षक। वे प्रार्थना कर रहे थे, तभी सैनिक आ गए। एक सैनिक ने संगीन

निकाली और शिक्षक की जीभ काट दी। दूसरे ने चॉपस्टिक से उन सातों छोटे लड़कों के कान में छेद कर दिए। ऐसे मामलों से कैसे निपटा जाए?
—डॉ. टॉम डूले
डाचाऊ
Auschwitz
बुचेनवाल्ड

अंतर्वस्तु

प्रस्तावना

‡ मैं ‡
शुरुआत

अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय

‡ II ‡
किनारा

अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह

‡ III ‡
खाई

अध्याय एक
अध्याय दो

‡ IV ‡
और मेरी पुकार तुझ तक पहुंचे...

अध्याय एक
उपसंहार
लेखक के बारे में
नोट्स
प्रशंसा
अन्य रचनाएँ
क्रेडिट
कॉपीराइट
प्रकाशक के बारे में

प्रस्तावना

उत्तरी इराक...

सूरज की चिलचिलाती धूप से बूढ़े आदमी के माथे से पसीने की बूँदें निकल रही थीं, फिर भी उसने गर्म मीठी चाय के गिलास को हाथों से इस तरह पकड़ रखा था मानो उन्हें गर्म कर रहा हो। वह उस पूर्वाभास को भुला नहीं पा रहा था। वह ठंडी गीली पत्तियों की तरह उसकी पीठ से चिपका हुआ था।

खुदाई खत्म हो चुकी थी। टीले की परत दर परत छानबीन की जा चुकी थी, उसके भीतरी हिस्सों की जांच की गई, उन पर निशान लगाए गए और उन्हें भेज दिया गया: मनके और लटकन; नक्काशीदार मूर्तियां; लिंग की मूर्तियां; गेरू से रंगे हुए पत्थर के ओखली; चमकीले बर्तन। कुछ भी असाधारण नहीं था। एक असीरियन हाथीदांत का शौचालय बॉक्स। और मनुष्य। मनुष्य की हड्डियां। ब्रह्मांडीय पीड़ा के भंगुर अवशेष, जिन्होंने कभी उसे यह सोचने पर मजबूर किया था कि क्या पदार्थ लूसिफ़र है जो अपने ईश्वर की ओर वापस जा रहा है। और फिर भी अब वह बेहतर जानता था। मुलेठी और इमली की सुगंध ने उसकी निगाहें खसखस से ढकी पहाड़ियों की ओर खींच लीं; सरकंडों से भरे मैदानों की ओर; उबड़-खाबड़, पत्थरों से भरी सड़क की ओर जो सीधे भय में डूबती जा रही थी। उत्तर-पश्चिम में मोसुल था; पूर्व में एरबिल; दक्षिण में बगदाद और किरकुक और नबूकदनेज़र की धधकती भट्टी। सड़क किनारे स्थित सुनसान चायखाने के सामने मेज के नीचे पैर सरकाकर वह अपने बूटों और खाकी पैंट पर लगे घास के धब्बों को घूरने लगा। उसने चाय की चुस्की ली। खुदाई खत्म हो चुकी थी। अब क्या शुरू हो रहा था? उसने इस विचार को मिट्टी की तरह झाड़ दिया, जैसे कोई नई खोज हो, लेकिन वह इसे नाम नहीं दे सका।

चायखाने के भीतर से किसी की हांफती हुई आवाज आई: मुरझाया हुआ मालिक घिसटता हुआ उसकी ओर बढ़ा, रूसी निर्मित जूतों से धूल उड़ाता हुआ, जिन्हें उसने चप्पलों की तरह पहना हुआ था, कराहती हुई पीठ उसकी एड़ियों के नीचे दबी हुई थीं। उसकी गहरी परछाई मेज पर फैल गई।

“Kaman chay, chawaga?”

खाकी वर्दी पहने उस आदमी ने सिर हिलाया और नीचे अपने बिना फीतों वाले, धूल से सने जूतों को घूरने लगा, जो जीवन के दर्द की धूल से मोटे तौर पर ढके हुए थे। उसने धीरे से सोचा, ये ब्रह्मांड का सार है: पदार्थ; फिर भी अंततः आत्मा। आत्मा और जूते उसके लिए एक अधिक मौलिक तत्व के पहलू मात्र थे, एक ऐसा तत्व जो आदिम और पूरी तरह से भिन्न था।

परछाईं हिली। कुर्द व्यक्ति किसी पुराने कर्ज की तरह इंतज़ार कर रहा था। खाकी वर्दी पहने बूढ़े ने ऊपर देखा, उसकी आँखें नमी से फीकी पड़ गई थीं, मानो पुतलियों पर अंडे के छिलके की झिल्ली चिपका दी गई हो। ग्लूकोमा। एक समय था जब वह इस आदमी से प्यार नहीं कर सकता था। उसने अपना बटुआ निकाला और उसमें पड़े फटे-पुराने सिक्कों में से एक सिक्का ढूँढा: कुछ दीनार; एक इराकी ड्राइविंग लाइसेंस; एक फीका पड़ा प्लास्टिक का कैथोलिक कैलेंडर कार्ड जो बारह साल पुराना था। उसके पीछे लिखा था: गरीबों को जो हम देते हैं, वही हम मरने पर अपने साथ ले जाते हैं। उसने अपनी चाय का भुगतान किया और उदासी के रंग की टूटी-फूटी मेज पर पचास फिल्स की टिप छोड़ दी।

वह अपनी जीप की ओर बढ़ा। चाबी के इग्नेशन में लगने की हल्की सी आवाज़ सन्नाटे में गूंज उठी। एक पल के लिए वह रुका और उदास निगाहों से दूर तक देखता रहा। दूर आसमान में, उमस भरी गर्मी में झिलमिलाता हुआ, मानो आकाश में तैरता हुआ कोई द्वीप हो, एरबिल का विशाल शहर दिखाई दे रहा था, जिसकी टूटी-फूटी छतें बादलों में किसी मलबे और कीचड़ से सनी हुई आशीर्वाद की तरह टिकी हुई थीं।
पत्तियाँ उसकी पीठ की त्वचा से और भी कसकर चिपक गईं।
किसी चीज का इंतजार हो रहा था।
“अल्लाह मा’क, चावागा।”
सड़े हुए दांत। कुर्द मुस्कुरा रहा था, विदाई का इशारा कर रहा था। खाकी वर्दी पहने उस आदमी ने अपने भीतर गर्माहट खोजने की कोशिश की और हाथ हिलाकर एक बनावटी मुस्कान दी। जैसे ही उसने नज़रें हटाईं, उसकी मुस्कान फीकी पड़ गई। उसने इंजन चालू किया, एक संकरे, टेढ़े-मेढ़े यू-आकार के मोड़ पर मुड़ा और मोसुल की ओर चल पड़ा। कुर्द देखता रहा, जीप की रफ्तार बढ़ते देख उसके दिल में एक अजीब सी बेचैनी छा गई। आखिर क्या चला गया था? उस अजनबी की मौजूदगी में उसने क्या महसूस किया था? उसे याद आया, कुछ सुरक्षा जैसा; एक सुरक्षित और गहरी संतुष्टि का एहसास। अब वह एहसास तेज़ रफ्तार जीप के साथ दूर होता चला गया। वह अजीब तरह से अकेला महसूस कर रहा था।
छह बजकर दस मिनट तक सावधानीपूर्वक की गई सूची तैयार हो गई थी। मोसुल के पुरातत्व विभाग के क्यूरेटर, एक अरब नागरिक, जिनके गाल लटके हुए थे, अपनी मेज पर रखे बहीखाते में अंतिम प्रविष्टि सावधानीपूर्वक लिख रहे थे। एक पल के लिए वे रुके और स्याही में कलम डुबोते हुए अपने मित्र की ओर देखा। खाकी वर्दी पहने वह व्यक्ति विचारों में खोया हुआ लग रहा था। वह एक मेज के पास खड़ा था, हाथ जेब में डाले, अतीत की किसी धुंधली, टैग लगी हुई धुंधली सी याद को टकटकी लगाए हुए। क्यूरेटर कुछ क्षणों तक उत्सुकता से, बिना हिले-डुले, उसे देखता रहा, फिर प्रविष्टि पर लौट आया और दृढ़, बहुत छोटी और साफ लिखावट में लिखने लगा, अंत में उसने आह भरी और कलम नीचे रखकर समय देखा। बगदाद जाने वाली ट्रेन आठ बजे थी। उसने पृष्ठ को पोंछा और चाय पेश की।
खाकी वर्दी पहने उस आदमी की नज़रें अब भी मेज पर रखी किसी चीज़ पर टिकी थीं, उसने अपना सिर हिलाया। अरब उसे देखता रहा, मानो थोड़ा परेशान हो। हवा में क्या था? हवा में कुछ तो था। वह उठा और पास गया; तभी उसे अपनी गर्दन के पिछले हिस्से में हल्की सी झनझनी महसूस हुई जब उसका दोस्त आखिरकार हिला, और उसने झुककर एक तावीज उठाया और उसे ध्यान से अपने हाथ में थाम लिया। यह दक्षिण-पश्चिम हवा के प्रतीक, राक्षस पज़ूज़ू का हरे पत्थर का बना सिर था। इसका अधिकार क्षेत्र बीमारी और रोग था। सिर में छेद था। ताबीज के मालिक ने इसे ढाल की तरह पहना था।
"बुराई के खिलाफ़ बुराई," क्यूरेटर ने धीमी आवाज़ में कहा, और फ्रेंच वैज्ञानिक पत्रिका से खुद को हवा दे रहा था, जिसके कवर पर जैतून के तेल का एक अंगूठे का निशान धब्बा लगा हुआ था।
उसका दोस्त टस से मस नहीं हुआ; उसने कोई टिप्पणी नहीं की। क्यूरेटर ने अपना सिर एक तरफ झुकाया। "क्या कुछ गड़बड़ है?" उसने पूछा।
कोई जवाब नहीं।

“फादर मोरेन?”
खाकी वर्दी पहने वह आदमी अब भी मानो अनसुना कर रहा था, ताबीज में मग्न था, जो उसकी आखिरी खोज थी। एक पल बाद उसने उसे नीचे रख दिया, फिर अरब की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा। क्या उसने कुछ कहा था?
“नहीं, पिताजी। कुछ नहीं।”
उन्होंने धीरे से विदाई ली।
दरवाजे पर पहुंचकर क्यूरेटर ने उस बूढ़े आदमी का हाथ और भी दृढ़ता से पकड़ लिया।
मेरे दिल में एक ही ख्वाहिश है: कि तुम मत जाओ।
उसके दोस्त ने चाय के संदर्भ में, समय के संदर्भ में, और कुछ किए जाने वाले काम के संदर्भ में धीरे से उत्तर दिया।
“नहीं, नहीं, नहीं! मेरा मतलब घर से था!”
खाकी वर्दी पहने उस व्यक्ति की निगाहें अरब के मुंह के कोने में अटके उबले हुए चने के एक छोटे से दाने पर टिकी थीं; फिर भी उसकी निगाहें कहीं दूर थीं। "घर," उसने दोहराया।
उस शब्द में अंत की ध्वनि थी।
अरब क्यूरेटर ने तुरंत आश्चर्य जताते हुए कहा, "अमेरिका।"
खाकी वर्दी पहने उस व्यक्ति ने दूसरे की चिंता भरी निगाहों से देखा। उसे इस आदमी से प्यार करने में कभी कोई कठिनाई नहीं हुई थी। "अलविदा," उसने धीरे से कहा; फिर जल्दी से मुड़ा और गलियों के बढ़ते अंधेरे में कदम रखा, अपने घर की ओर चल पड़ा, जिसकी दूरी मानो अनिश्चित सी लग रही थी।
“एक साल बाद मिलते हैं!” क्यूरेटर ने दरवाजे से उसे आवाज़ दी। लेकिन खाकी वर्दी पहने उस आदमी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अरबवासी उसकी घटती हुई आकृति को देखता रहा, जब वह एक संकरी गली को तिरछे पार कर रहा था और तेज़ी से आती हुई एक ड्रोश्की (छोटी बस) से टकराते-टकराते बचा। उस ड्रोश्की में एक मोटी-सी बूढ़ी अरब महिला बैठी थी, जिसका चेहरा काले लेस के घूंघट के पीछे छिपा था, जो उसके ऊपर कफ़न की तरह ढीला-ढाला लिपटा हुआ था। उसने अंदाज़ा लगाया कि वह किसी अपॉइंटमेंट के लिए जल्दी में थी। जल्द ही उसका जल्दी में जाता हुआ दोस्त उसकी नज़रों से ओझल हो गया।
खाकी वर्दी पहने वह व्यक्ति विवश होकर चलने लगा। शहर से बाहर निकलकर वह शहर के बाहरी इलाके में पहुंचा और तेजी से कदमों से टाइग्रिस नदी पार की, लेकिन खंडहरों के पास पहुंचते ही उसने अपनी गति धीमी कर दी, क्योंकि हर कदम के साथ उसका पूर्वाभास और भी पुख्ता और भयानक रूप लेने लगा था।
फिर भी उसे जानना ही था। उसे तैयारी करनी ही होगी।
खोसर नदी पर बने लकड़ी के तख्ते पर उसका भार पड़ने से चरमराहट की आवाज़ आई। और फिर वह वहाँ पहुँच गया, उस टीले पर खड़ा था जहाँ कभी पंद्रह द्वारों वाला शहर नीनवे जगमगाता था, जो अश्शूरियों के खूंखार गढ़ के रूप में जाना जाता था। अब वह शहर अपने नियति के खूनी धूल में लिपटा पड़ा था। और फिर भी वह यहीं था, हवा में अब भी उसकी मौजूदगी थी, उस दूसरे की मौजूदगी जिसने उसके सपनों को तहस-नहस कर दिया था।

खाकी वस्त्र पहने वह व्यक्ति खंडहरों में घूम रहा था। नाबू का मंदिर। इश्तारा का मंदिर। वह कंपन का विश्लेषण कर रहा था। अशुरबनिपाल के महल के पास रुका और वहाँ खड़ी चूना पत्थर की विशाल मूर्ति को देखने लगा। फटे हुए पंख और नुकीले पंजे। एक उभरा हुआ, मोटा लिंग और एक जंगली मुस्कान से तना हुआ मुँह। राक्षस पज़ूज़ू।
अचानक खाकी वर्दी पहने वह आदमी लड़खड़ा गया।
उसने अपना सिर झुकाया।
वह जानता था।
यह होना ही था।
वह धूल और तेज़ी से घटती परछाइयों को घूर रहा था। सूरज ढलने लगा था और उसे शहर के बाहरी किनारों पर मंडराते जंगली कुत्तों के झुंडों की हल्की-हल्की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। तभी एक ठंडी हवा चलने लगी, उसने अपनी कमीज़ की आस्तीनें नीचे कीं और बटन लगा लिए। हवा का स्रोत दक्षिण-पश्चिम था।
वह मोसुल और अपने काफिले की ओर तेजी से बढ़ा, उसका दिल इस ठंडे विश्वास से जकड़ा हुआ था कि जल्द ही उसका पीछा एक ऐसे प्राचीन शत्रु द्वारा किया जाएगा जिसका चेहरा उसने कभी नहीं देखा था।
लेकिन वह उसका नाम जानता था।

शुरुआत

अध्याय एक

जैसे अंधों की आँखों में धुंधली सी दिखाई देने वाली सूर्य विस्फोट की क्षणिक चमक, वैसे ही उस भयावह घटना की शुरुआत लगभग अनसुनी सी गुज़र गई; दरअसल, उसके बाद की चीखों में वह भुला दी गई और शायद उस भयावह घटना से उसका कोई संबंध ही नहीं था। इसका आकलन करना कठिन था।
यह मकान किराए का था। उदास और तंग। वाशिंगटन डी.सी. के जॉर्जटाउन इलाके में ईंटों से बना औपनिवेशिक शैली का मकान, जिस पर लताएँ लिपटी हुई थीं। सड़क के उस पार जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय का कैंपस था; पीछे की ओर एक खुड़ी ढलान व्यस्त एम स्ट्रीट की ओर तेज़ी से गिरती थी और उसके ठीक आगे पोटोमैक नदी थी। 1 अप्रैल की सुबह, मकान में सन्नाटा पसरा हुआ था। क्रिस मैकनील बिस्तर पर लेटी

अगले दिन की शूटिंग के लिए अपने संवाद दोहरा रही थीं; उनकी बेटी रीगन हॉल में सो रही थी; और नीचे पेंट्री से सटे एक कमरे में अधेड़ उम्र के नौकर विली और कार्ल सो रहे थे। लगभग 12:25 बजे, क्रिस ने हैरानी से भौंहें चढ़ाकर अपनी स्क्रिप्ट से नज़रें उठाईं। उन्हें खटखटाने की आवाज़ें सुनाई दीं। वे अजीब थीं। दबी हुई। गहरी। लयबद्ध रूप से गुच्छेदार। किसी मृत व्यक्ति द्वारा टाइप किया गया कोई रहस्यमय कोड। मज़ेदार।

एक पल के लिए उसने सुना, फिर अनसुना कर दिया; लेकिन खटखटाहट जारी रहने के कारण वह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रही थी। उसने स्क्रिप्ट को बिस्तर पर पटक दिया।

हे भगवान! यह बात मुझे बहुत परेशान करती है!

वह जांच करने के लिए उठी।

वह गलियारे में गई और चारों ओर देखा। खटखटाहट की आवाजें रीगन के बेडरूम से आती हुई प्रतीत हो रही थीं।

वह क्या कर रही है?

वह गलियारे में दबे पांव आगे बढ़ी और अचानक खटखटाहट की आवाजें तेज हो गईं, और जैसे ही उसने दरवाजे पर धक्का दिया और कमरे में कदम रखा, वे अचानक बंद हो गईं।

आखिर चल क्या रहा है?

उसकी ग्यारह साल की प्यारी बेटी एक बड़े गोल आँखों वाले पांडा के भरवां खिलौने से लिपटकर सो रही थी। पूकी। सालों के दुलार और गर्म, गीले चुंबनों से उसका चेहरा पीला पड़ गया था।

क्रिस धीरे से उसके बिस्तर के पास गया, झुककर फुसफुसाया, "रैग्स? तुम जाग रही हो?"

नियमित साँस लेना। भारी। गहरी।

क्रिस ने कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई। हॉल से आती हल्की रोशनी रीगन की पेंटिंग्स और मूर्तियों पर, और साथ ही कई अन्य भरवां जानवरों पर, धुंधली और बिखरी हुई सी पड़ रही थी।

ठीक है, रैग्स। तुम्हारी बूढ़ी माँ का पिछवाड़ा घिसट रहा है। चलो, बोलो! बोलो "अप्रैल फूल!"

फिर भी क्रिस अच्छी तरह जानती थी कि ऐसे खेल उसके स्वभाव के विपरीत थे। बच्ची शर्मीली और संकोची थी। तो फिर चालबाज़ कौन था? क्या कोई सुस्त दिमाग हीटिंग या प्लंबिंग पाइपों की खड़खड़ाहट को एक नियम में ढाल रहा था? एक बार भूटान के पहाड़ों में, उसने घंटों एक बौद्ध भिक्षु को ध्यान में जमीन पर बैठे देखा था। अंत में, उसे लगा कि उसने उसे हवा में उड़ते हुए देखा है, हालाँकि जब वह किसी को यह कहानी सुनाती थी, तो हमेशा "शायद" जोड़ देती थी। और शायद अब उसका दिमाग, उसने सोचा, भ्रम का वह अथक कथाकार, उन खड़खड़ाहटों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा था।

बकवास! मैंने सुना!

अचानक ही उसने छत की ओर एक सरसरी नजर डाली।

ये लो! हल्के-हल्के निशान।

हे भगवान! अटारी में चूहे! चूहे!

उसने आह भरी। बस, यही है। बड़ी-बड़ी पूंछें। धड़ाम, धड़ाम! उसे अजीब सी राहत महसूस हुई। और फिर उसे ठंड का एहसास हुआ। कमरा। एकदम बर्फीला था।
क्रिस दबे पांव खिड़की के पास गई और उसे देखा। बंद थी। फिर उसने रेडिएटर को छुआ। गर्म था।
सच में?
असमंजस में पड़कर वह बिस्तर के पास गई और रीगन के गाल को हाथ से छुआ। वह गाल एकदम चिकना था और उस पर हल्का पसीना आ रहा था।
मुझे लगता है मैं बीमार हूँ!
क्रिस ने अपनी बेटी की ओर देखा, उसकी उठी हुई नाक और झाइयों वाले चेहरे को देखा, और एक तीव्र, स्नेहपूर्ण आवेग में आकर बिस्तर पर झुककर उसके गाल पर चुंबन किया। "मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ," उसने फुसफुसाते हुए कहा। इसके बाद वह अपने कमरे, अपने बिस्तर और अपनी स्क्रिप्ट की ओर लौट गई।
कुछ समय तक क्रिस सोचती रही। फिल्म 'मिस्टर स्मिथ गोज़ टू वाशिंगटन' की म्यूजिकल कॉमेडी रीमेक थी। इसमें कैंपस विद्रोहों से संबंधित एक उपकथा जोड़ी गई थी। क्रिस मुख्य भूमिका में थी। वह एक मनोविज्ञान शिक्षिका का किरदार निभा रही थी जो विद्रोहियों का साथ देती है। और उसे यह किरदार बिल्कुल पसंद नहीं आया। "यह सब बकवास है!" उसने सोचा। "यह बेवकूफी है!" उसका दिमाग, भले ही अभी तक शिक्षित नहीं था, नारों को सच नहीं मानता था, और एक जिज्ञासु चिड़िया की तरह वह शब्दों के जाल में छिपे तथ्य को खोजने के लिए लगातार खोजती रहती थी। इसलिए विद्रोहियों का मकसद उसे समझ नहीं आया। लेकिन ऐसा क्यों? अब वह सोचने लगी। "पीढ़ी का अंतर? यह सब बकवास है; मैं बत्तीस साल की हूँ। यह बस बेवकूफी है, बस इतना ही, यह एक...!"
शांत हो जाओ। बस एक हफ्ता और बचा है।
उन्होंने हॉलीवुड में आंतरिक दृश्यों की शूटिंग पूरी कर ली थी और अब केवल जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के परिसर में कुछ बाहरी दृश्यों की शूटिंग बाकी थी, जो कल से शुरू होगी।
भारी पलकें। उसे नींद आ रही थी। उसने एक ऐसे पन्ने को पलटा जो अजीब तरह से फटा हुआ था। उसके ब्रिटिश निर्देशक, बर्क डेनिंग्स। जब वह विशेष रूप से तनाव में होते थे, तो कांपते, फड़फड़ाते हाथों से स्क्रिप्ट के सबसे सुविधाजनक पन्ने के किनारे से एक पतली पट्टी फाड़ लेते थे और फिर उसे धीरे-धीरे, इंच-इंच करके चबाते थे, जब तक कि वह उनके मुंह में एक गीली गेंद की तरह न बन जाए।
क्रिस ने सोचा, "पागल बर्क!"
उसने जम्हाई को छुपाया, फिर प्यार से अपनी स्क्रिप्ट के किनारे पर नज़र डाली। पन्ने कुतरे हुए लग रहे थे। उसे चूहों की याद आ गई। उसने सोचा, ये छोटे बदमाश तो वाकई लय में चलते हैं। उसने मन ही मन तय किया कि सुबह कार्ल से उनके लिए जाल बिछाने को कहेगी।
उंगलियां ढीली पड़ गईं। पर्ची हाथ से फिसल गई। उसने उसे गिरने दिया। बेवकूफी, उसने सोचा। यह बेवकूफी है। एक लड़खड़ाता हाथ बिजली के स्विच की ओर बढ़ा। मिल गया। उसने आह भरी, और कुछ देर के लिए वह स्थिर हो गई, लगभग सो गई; और फिर उसने आलस से अपने कंबल को एक पैर से हटा दिया।

बहुत गर्मी! हद से ज़्यादा गर्मी! उसने एक बार फिर रीगन के कमरे की रहस्यमयी ठंडक के बारे में सोचा और उसके मन में 1940 के दशक के दिग्गज गैंगस्टर फिल्म स्टार एडवर्ड जी. रॉबिन्सन के साथ एक फिल्म में काम करने की याद कौंध गई। वह सोच रही थी कि उनके साथ हर सीन में वह ठंड से कांपने के कगार पर क्यों रहती थी, जब तक कि उसे यह एहसास नहीं हुआ कि वह चालाक बूढ़ा कलाकार उसकी मुख्य रोशनी में खड़ा हो रहा था। अब उसके चेहरे पर हल्की सी हैरानी भरी मुस्कान थी, और खिड़की के शीशों पर ओस की बूँदें धीरे से चिपकी हुई थीं। क्रिस सो गई। और उसने मौत के बारे में एक भयानक सपना देखा, मौत मानो मौत के बारे में अभी तक किसी ने सुना ही न हो, जबकि कुछ बज रहा था, वह हांफ रही थी, घुल रही थी, शून्य में फिसल रही थी, बार-बार सोच रही थी, मैं नहीं रहूंगी, मैं मर जाऊंगी, मैं नहीं रहूंगी, और हमेशा-हमेशा के लिए, ओह, पापा, उन्हें ऐसा मत करने दो, ओह, उन्हें ऐसा मत करने दो, मुझे हमेशा के लिए कुछ भी न बनने दो और पिघलते हुए, बिखरते हुए, बजते हुए, बजते हुए—
फ़ोन!
उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, हाथ फोन पर था और पेट में कोई वज़न नहीं था; मानो उसका शरीर बिल्कुल खाली हो गया हो और उसका फोन बज रहा हो।
उसने जवाब दिया। सहायक निर्देशक।
"छह बजे मेकअप क्लास में, हनी।"
"सही।"
आप कैसा महसूस कर रहे हैं?
"जैसे मैं अभी-अभी सोने गया था।"
एडी ने हंसते हुए कहा, "फिर मिलेंगे।"
“हां, बिल्कुल।”
क्रिस ने फोन रख दिया और कुछ पल के लिए बिना हिले-डुले बैठी रही, सपने के बारे में सोचती रही। सपना? जागते हुए आधे-अधूरे मन से चल रहे विचार जैसा: वह भयानक स्पष्टता। खोपड़ी की चमक। अस्तित्वहीनता। अपरिवर्तनीय। वह इसकी कल्पना भी नहीं कर सकती थी।
हे भगवान! ऐसा हो ही नहीं सकता!
निराश होकर उसने अपना सिर झुका लिया।
लेकिन यह है।
वह दबे पांव बाथरूम में गई, एक बाथरोब पहना, फिर जल्दी से पुरानी चीड़ की सीढ़ियों से उतरकर रसोई में पहुंची, जहां वह तड़पते हुए बेकन की दुनिया में खो गई।
"अहा, सुप्रभात, श्रीमती मैकनील!"
भूरे बालों वाली, उदास विली, संतरे निचोड़ रही थी, उसकी आँखों के नीचे नीले धब्बे थे। लहजे की हल्की सी झलक। स्विस। कार्ल की तरह। उसने कागज़ के तौलिये से हाथ पोंछे और चूल्हे की ओर बढ़ने लगी।
“मैं ले आती हूँ, विली।” क्रिस, जो हमेशा संवेदनशील थी, ने नौकरानी का थका हुआ चेहरा देख लिया था। जैसे ही विली ने कराहते हुए सिंक की ओर मुड़ा, अभिनेत्री ने कॉफ़ी डाली और नाश्ते के कोने में बैठ गई। वहाँ अपनी प्लेट को देखते हुए, उसने सफेदी के बीच रखे एक गुलाबी लाल गुलाब को प्यार से मुस्कुरा दिया। रीगन। वह परी। कई सुबह, जब क्रिस काम पर होती थी, रीगन चुपचाप बिस्तर से उठकर रसोई

में आती, अपनी माँ की खाली प्लेट पर एक फूल रखती और फिर नींद से भरी आँखों से वापस सो जाती। उस खास सुबह, क्रिस ने अफ़सोस के साथ अपना सिर हिलाया जब उसे याद आया कि उसने उसका नाम गोनेरिल रखने के बारे में सोचा था। हाँ। बिल्कुल। सबसे बुरे के लिए तैयार हो जाओ। क्रिस उस याद पर हल्की सी मुस्कुराई। उसने अपनी कॉफ़ी की चुस्की ली और जैसे ही उसकी नज़र फिर से गुलाब पर पड़ी, उसका चेहरा कुछ पल के लिए उदास हो गया, उसकी हरी आँखें एक अनाथ बच्चे की तरह दुखी लग रही थीं। उसे एक और फूल याद आया। एक बेटा। जेमी। उनकी मृत्यु बहुत पहले तीन वर्ष की आयु में हो गई थी, जब क्रिस बहुत छोटी थी और ब्रॉडवे पर एक अनजान कोरस गर्ल थी। उसने कसम खाई थी कि वह फिर कभी खुद को जेमी की तरह, उसके पिता हॉवर्ड मैकनील की तरह किसी को नहीं सौंपेगी; और जैसे ही उसकी गर्म, काली कॉफी की भाप में मृत्यु का सपना धुंधलाने लगा, उसने गुलाब और अपने विचारों से अपनी नज़रें हटाईं, तभी विली जूस लेकर आया और उसे उसके सामने रख दिया।
क्रिस को चूहे याद आ गए।
“कार्ल कहाँ है?”
“मैं यहीं हूँ, महोदया!”
वह रसोई के दरवाजे से फुर्ती से अंदर आया। दबंग लेकिन विनम्र, उसने शेविंग करते समय ठुड्डी पर लगे कट को पोंछने के लिए टिशू पेपर का एक टुकड़ा दबा रखा था।
"जी?" गठीले बदन और लंबे कद का वह व्यक्ति चमकती आँखों, बाज जैसी नाक और गंजे सिर के साथ मेज के पास खड़ा था।
"अरे कार्ल, हमारे अटारी में चूहे हैं। बेहतर होगा कि हम कुछ चूहे पकड़ने के जाल ले आएं।"
“क्या यहाँ चूहे हैं?”
"मैंने बस इतना कहा कि।"
लेकिन अटारी साफ है।
"अच्छा, ठीक है, हमारे पास साफ-सुथरे चूहे हैं!"
"कोई चूहे नहीं।"
"कार्ल, मैंने उन्हें कल रात सुना था।"
"शायद प्लंबिंग का काम हो," कार्ल ने पूछा; "शायद तख्तों का काम हो।"
"शायद चूहे हों! क्या तुम वो चूहे पकड़ने के जाल खरीदोगे और बहस करना बंद करोगे?"
तेजी से जाते हुए कार्ल ने कहा, "हाँ! मैं अब जाता हूँ!"
“नहीं, अभी नहीं, कार्ल! सारी दुकानें बंद हैं!”
“वे बंद हैं!” विली ने उसे पुकारते हुए ताना मारा।
लेकिन वह जा चुका था।
क्रिस और विली ने एक-दूसरे को देखा, और फिर सिर हिलाकर विली बेकन पकाने में लग गई। क्रिस ने अपनी कॉफ़ी की चुस्की ली। अजीब। अजीब आदमी, उसने सोचा। विली की तरह, मेहनती; बहुत वफ़ादार, बहुत समझदार। फिर भी उसके बारे में कुछ ऐसा था जो उसे थोड़ा बेचैन कर रहा था। क्या था वो? वो हल्का सा घमंड? नहीं। कुछ और। पर वह समझ नहीं पा रही थी। नौकरानियाँ लगभग छह साल से उसके साथ थीं, फिर भी कार्ल एक मुखौटा था—एक बोलता, साँस लेता, अनसुलझा चित्रलिपि जो

लड़खड़ाते पैरों से उसके काम करता था। मुखौटे के पीछे, हालांकि, कुछ हलचल थी; वह उसकी अंतरात्मा की तरह टिक-टिक सुन सकती थी। सामने का दरवाज़ा चरमराते हुए खुला, फिर बंद हो गया। "वे बंद हैं," विली ने बुदबुदाया।
क्रिस ने बेकन का एक टुकड़ा खाया, फिर अपने कमरे में लौट आई, जहाँ उसने अपनी पोशाक का स्वेटर और स्कर्ट पहनी। उसने आईने में देखा और गंभीरता से अपने छोटे लाल बालों को घूरने लगी, जो हमेशा बिखरे हुए लगते थे; अपने छोटे, साफ-सुथरे चेहरे पर उभरे हुए तिलों को देखा; और फिर आँखें टेढ़ी करके मूर्खतापूर्ण ढंग से मुस्कुराते हुए बोली, "ओह, हाय, पड़ोस की प्यारी बच्ची! क्या मैं तुम्हारे पति से बात कर सकती हूँ? तुम्हारे प्रेमी से? तुम्हारे दलाल से? ओह, तुम्हारा दलाल तो कंगाल है? मुश्किल है!" उसने खुद पर जीभ मारी। फिर निराश हो गई। "अरे, हे भगवान, क्या ज़िंदगी है!" उसने अपने विग का डिब्बा उठाया, लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरी और रंगीन, पेड़ों से सजी सड़क पर चल पड़ी।
एक पल के लिए वह घर के बाहर रुकी, सुबह की ताज़ी हवा में साँस ली, जागते जीवन की धीमी-धीमी आवाज़ों को महसूस किया। उसने अपनी दाहिनी ओर उदास निगाह डाली, जहाँ घर के बगल में पुरानी पत्थर की सीढ़ियाँ नीचे एम स्ट्रीट की ओर तेज़ी से गिर रही थीं, और उससे थोड़ा आगे पुराने कार बार्न के ऊपरी प्रवेश द्वार पर प्राचीन ईंटों से बने रोकोको बुर्ज और भूमध्यसागरीय टाइलों वाली छत थी। मज़ा आ रहा है। कितना मज़ेदार इलाका है, उसने सोचा। धत् तेरे की, मैं यहीं क्यों नहीं रुक जाती? घर क्यों नहीं खरीद लेती? जीना क्यों नहीं शुरू कर देती? जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय परिसर की टावर घड़ी की एक गहरी, गूंजती हुई घंटी बजने लगी। मटमैली भूरी नदी की सतह पर उदासी भरी गूंज उठी और अभिनेत्री के थके हुए दिल में उतर गई। वह अपने काम की ओर, उस भयानक दिखावे और धूल के भूसे से भरे, बनावटी नकली रूप की ओर चल पड़ी।
जैसे ही वह कैंपस के मुख्य द्वार से अंदर दाखिल हुई, उसका अवसाद कम होने लगा; फिर दक्षिणी परिधि की दीवार के पास ड्राइववे के किनारे कतार में बने ट्रेलर ड्रेसिंग रूमों को देखकर उसका अवसाद और भी कम हो गया; और सुबह 8 बजे और दिन के पहले शॉट तक, वह लगभग पहले जैसी हो गई थी: उसने स्क्रिप्ट को लेकर बहस शुरू कर दी।
"अरे बर्क? ज़रा इस चीज़ को देख लो यार?"
“ओह, आपके पास स्क्रिप्ट है, मैं देख रही हूँ! कितना अच्छा!” निर्देशक बर्क डेनिंग्स, चुस्त और चंचल, और शरारत से चमकती अपनी बाईं आँख को फड़कते हुए, कांपती उंगलियों से अपनी स्क्रिप्ट के एक पन्ने से एक पतली पट्टी को बड़ी कुशलता से काटते हुए खिलखिलाकर बोलीं, “मुझे लगता है मैं थोड़ा सा खा लूँगी।”
वे विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने बने खुले मैदान में खड़े थे और फिल्म के अतिरिक्त कलाकारों, अभिनेताओं और मुख्य दल के बीचोंबीच जमा थे, जबकि इधर-उधर कुछ दर्शक लॉन में बिखरे हुए थे, जिनमें ज्यादातर जेसुइट संकाय के सदस्य थे। ऊबे हुए कैमरामैन ने डेली वैरायटी अखबार उठाया, तभी डेनिंग्स ने अखबार को अपने मुंह में डाला और खिलखिलाकर हंसने लगा, उसकी सांसों से सुबह की पहली जिन की हल्की सी गंध आ रही थी।
"ओह, हाँ, मुझे बहुत खुशी है कि आपको स्क्रिप्ट मिल गई है!"

पचास वर्ष की आयु का एक चालाक, दुबला-पतला आदमी, वह एक आकर्षक रूप से व्यापक ब्रिटिश लहजे में बोलता था जो इतना संक्षिप्त और सटीक था कि यह सबसे भद्दी गालियों को भी सुरुचिपूर्ण बना देता था, और जब वह शराब पीता था, तो वह हमेशा ठहाके लगाने की कगार पर लगता था; ऐसा लगता था कि वह लगातार अपनी संयम बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है।
“तो अब बताओ, मेरे प्यारे। क्या बात है? क्या परेशानी है?”
स्क्रिप्ट में वर्णित काल्पनिक कॉलेज के डीन को छात्रों की एक सभा को संबोधित करते हुए संभावित धरने को रोकने का प्रयास करना था। इसके बाद क्रिस दौड़कर एस्प्लेनेड की सीढ़ियों पर चढ़ता, डीन से लाउडस्पीकर छीन लेता और फिर मुख्य प्रशासनिक भवन की ओर इशारा करते हुए चिल्लाता, "चलो इसे गिरा देते हैं!"
"इसका कोई मतलब नहीं बनता," क्रिस ने उससे कहा।
"खैर, यह बिल्कुल स्पष्ट है," डेनिंग्स ने झूठ बोला।
"ओह, ऐसा है? अच्छा, तो मुझे समझाओ, बर्की-वर्की। आखिर वे इमारत को क्यों गिरा रहे हैं? किसलिए? तुम्हारा क्या विचार है?"
"क्या तुम मुझे ऊपर भेज रहे हो?"
नहीं, मैं पूछ रहा हूँ कि ‘किसलिए?’
क्योंकि यह वहाँ है, प्रिय!
“स्क्रिप्ट में?”
नहीं, मैदान पर!
"अरे, बर्क, ऐसा तो वो करती ही नहीं। उसका स्वभाव ही ऐसा नहीं है। वो ऐसा कभी नहीं करेगी।"
"वह होगा।"
नहीं, वह ऐसा नहीं करेगी।
“क्या हम लेखक को बुलाएँ? मुझे लगता है कि वह पेरिस में हैं!”
"छिप रहे हो?"
“लानत है!”
उसने शब्द को बड़ी कुशलता से बोला, आटे जैसे मुलायम चेहरे पर उसकी लोमड़ी जैसी आँखें चमक रही थीं, और शब्द गॉथिक मीनारों की तरह कुरकुरा होकर ऊपर उठ रहा था। क्रिस हंसते-हंसते अपने कंधों पर गिर पड़ा। "ओह, बर्क, तुम तो बिल्कुल असंभव हो!"
“हाँ।” उन्होंने यह बात सीज़र की तरह विनम्रता से कही, जैसे वह ताज को तीन बार ठुकराए जाने की खबरों की पुष्टि कर रहे हों। “तो अब, क्या हम आगे बढ़ें?”
क्रिस ने उसकी बात नहीं सुनी। यह देखने के लिए कि क्या उसने अपशब्द सुने हैं, उसने दर्शकों के घेरे के बीच खड़े चालीस वर्षीय एक जेसुइट पादरी की ओर दबे स्वर में, शर्मिंदगी से भरी नज़र डाली। उसका चेहरा गहरा, खुरदुरा था। किसी मुक्केबाज़ जैसा। थोड़ा धंसा हुआ। उसकी आँखों में कुछ उदासी, कुछ शोक, फिर भी गर्मजोशी और दिलासा था, जब उसकी नज़रें क्रिस की आँखों से मिलीं और उसने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। उसने वह शब्द सुन लिया था। उसने अपनी घड़ी देखी और वहाँ से हट गया।
“तो चलिए शुरू करते हैं?”
क्रिस ने अचानक मुड़कर कहा, "हाँ, ज़रूर, बर्क। चलो करते हैं।"

"धन्यवाद स्वर्ग।"
"नहीं रुको!"
“हे भगवान!”
उसने दृश्य के टैग को लेकर शिकायत की। उसे लगा कि दृश्य का चरम बिंदु उसके संवाद से ही प्राप्त हो गया, न कि उसके तुरंत बाद इमारत के दरवाजे से बाहर भागने से।
“इससे कुछ फायदा नहीं होता,” क्रिस ने कहा। “यह बेवकूफी है।”
“हाँ, बिल्कुल, प्रिय, बिल्कुल,” बर्क ने ईमानदारी से सहमति जताई। “लेकिन, कटर चाहता है कि हम ऐसा करें,” उसने आगे कहा, “तो बस, हम यहीं हैं। समझे?”
नहीं, मैं नहीं करता।
“नहीं, बिल्कुल नहीं, डार्लिंग, क्योंकि तुम बिल्कुल सही हो, यह बेवकूफी है। देखो, इसके ठीक बाद वाला दृश्य”—डेनिंग्स हँसी—“खैर, क्योंकि यह जेड के दरवाजे से अंदर आने से शुरू होता है, इसलिए अगर इससे पहले वाला दृश्य तुम्हारे दरवाजे से बाहर निकलने के साथ खत्म होता है, तो एडिटर को नामांकन मिलने का पूरा भरोसा होता है।”
क्या तुम मजाक कर रहे हो?
“ओह, मैं तुमसे सहमत हूँ, प्रिये। ये तो बिलकुल ही घटिया, घिनौना और पागलपन भरा है! लेकिन अब क्यों न हम इसे शूट कर लें और मुझे यकीन है कि मैं इसे आखिरी कट से काट दूँगा। ये एक स्वादिष्ट नाश्ता बनेगा।”
क्रिस हँसा और सहमत हो गया। बर्क ने कटर की ओर देखा, जो समय बर्बाद करने वाली बहसों में लिप्त रहने के लिए जाना जाता था और अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए प्रसिद्ध था। वह कैमरामैन के साथ व्यस्त था। निर्देशक ने राहत की साँस ली।
सीढ़ियों के नीचे लॉन में लाइटें जलने का इंतज़ार करते हुए, क्रिस ने डेनिंग्स की ओर देखा, जिसने एक बेचारे कर्मचारी पर गाली-गलौज की और फिर संतुष्टि से चमक उठा। ऐसा लग रहा था मानो वह अपनी सनक में मग्न हो। लेकिन क्रिस जानता था कि शराब के नशे में वह अचानक गुस्से से फट सकता है, और अगर ऐसा सुबह तीन या चार बजे होता, तो वह शायद बड़े लोगों को फोन करके मामूली बातों पर उन्हें बुरी तरह से गालियां देता। क्रिस को एक स्टूडियो प्रमुख याद आया, जिसने स्क्रीनिंग के दौरान हल्के से टिप्पणी की थी कि डेनिंग्स की कमीज़ की कफ़ थोड़ी फटी हुई लग रही है। इस पर डेनिंग्स ने उसे लगभग 3 बजे जगाकर "बेशर्म" कहा और बताया कि स्टूडियो का संस्थापक, जिसका पिता "शायद मनोरोगी था!" और 'द विज़ार्ड ऑफ ओज़' की शूटिंग के दौरान उसने "जूडी गारलैंड को बार-बार गलत तरीके से छुआ था", फिर अगले दिन वह भूलने का नाटक करता और उन लोगों द्वारा किए गए कारनामों का विस्तार से वर्णन किए जाने पर सूक्ष्म रूप से आनंदित होता जिन्हें उसने नाराज किया था। हालांकि, अगर उसे उचित लगता, तो वह याद भी रख लेता। क्रिस मुस्कुराई और सिर हिलाते हुए उसे याद आया कि कैसे उसने शराब के नशे में अपने स्टूडियो के दफ्तरों को तहस-नहस कर दिया था, और कैसे बाद में, जब स्टूडियो के प्रोडक्शन हेड ने उसे बिल और तोड़फोड़ की पोलरॉइड तस्वीरें दिखाईं, तो उसने उन्हें "स्पष्ट रूप से नकली" कहकर खारिज कर दिया क्योंकि "नुकसान इससे कहीं ज्यादा था!" क्रिस को विश्वास नहीं था कि वह शराबी था या एक गंभीर समस्या वाला शराबी,

बल्कि वह शराब पीता था और बेकाबू व्यवहार करता था क्योंकि उससे यही उम्मीद की जाती थी: वह अपनी छवि के अनुरूप जी रहा था।
आह, खैर, उसने सोचा; मुझे लगता है कि यह एक प्रकार की अमरता है।
वह मुड़ी और पीछे मुड़कर उस जेसुइट पादरी को ढूंढने लगी जिसने बर्क के अपशब्द बोलने पर मुस्कुराया था। वह दूर जा रहा था, सिर झुकाए उदास, मानो बारिश की तलाश में अकेला काला बादल हो। उसे पादरी कभी पसंद नहीं थे। इतने आश्वस्त। इतने निश्चिंत। और फिर भी यह वाला...
“क्या तुम तैयार हो, क्रिस?”
"तैयार।"
“ठीक है, बिलकुल शांत रहो!” सहायक निर्देशक ने चिल्लाकर कहा।
"फिल्म चालू करो," बर्क ने आदेश दिया।
“लुढ़क रहा है!”
"रफ़्तार!"
अब कार्रवाई करो!
क्रिस सीढ़ियों पर दौड़ पड़ी, कलाकार उसका उत्साह बढ़ा रहे थे और डेनिंग्स उसे देख रहा था, सोच रहा था कि उसके मन में क्या चल रहा है। उसने बहस बहुत जल्दी छोड़ दी थी। उसने संवाद प्रशिक्षक की ओर एक अर्थपूर्ण नज़र डाली, जो तुरंत उसके पास आया और एक बूढ़े वेदी सेवक की तरह, जो किसी गंभीर प्रार्थना सभा में अपने पुजारी को प्रार्थना पुस्तक सौंपता है, उसने अपनी खुली पटकथा उसे सौंप दी।
उन्होंने रुक-रुक कर निकलने वाली धूप में ही काम किया था, और चार बजे तक आसमान अंधेरा हो गया था और घने बादलों से भर गया था।
“बर्क, रोशनी कम होती जा रही है,” सहायक इंजीनियर ने चिंता से कहा।
"हां, वे पूरी दुनिया में फैल रहे हैं।"
डेनिंग्स के निर्देश पर सहायक निदेशक ने कंपनी को उस दिन के लिए छुट्टी दे दी और अब क्रिस घर की ओर चल रही थी, उसकी नज़रें फुटपाथ पर टिकी थीं और वह बहुत थकी हुई महसूस कर रही थी। छत्तीसवीं और ओ के कोने पर वह एक उम्रदराज़ इतालवी किराने की दुकान के क्लर्क के लिए ऑटोग्राफ देने के लिए रुकी, जिसने उसे अपनी दुकान के दरवाजे से आवाज़ दी थी। उसने एक भूरे कागज़ के थैले पर अपना नाम और "हार्दिक शुभकामनाएँ" लिखा। एन स्ट्रीट पर सड़क पार करने से पहले एक कार के गुजरने का इंतजार करते हुए, उसने सड़क के उस पार एक कैथोलिक चर्च की ओर तिरछी नज़र डाली। पवित्र नाम का कोई चर्च। जेसुइट्स द्वारा संचालित। उसने सुना था कि जॉन एफ. कैनेडी ने जैकी से वहीं शादी की थी और वहीं पूजा-अर्चना की थी। उसने इसकी कल्पना करने की कोशिश की: जॉन एफ. कैनेडी मन्नत की रोशनी और धर्मपरायण, झुर्रियों वाली महिलाओं के बीच; जॉन एफ. कैनेडी प्रार्थना में सिर झुकाए; मुझे विश्वास है... रूसियों के साथ सुलह; मुझे विश्वास है, मुझे विश्वास है... माला की झंकार के बीच अपोलो चतुर्थ; मुझे पुनरुत्थान और शाश्वत जीवन में विश्वास है—
बस। यही है असली बात। यहीं तो है असली आकर्षण।
क्रिस ने देखा कि गुंथर बियर का एक ट्रक लड़खड़ाती हुई, गर्म और गीली आवाज़ों के साथ पथरीली सड़क पर धीरे-धीरे गुजर रहा था।
वह सड़क पार कर गई, और जैसे ही वह ओ स्ट्रीट पर चलते हुए होली ट्रिनिटी ग्रेड स्कूल के सभागार के पास से गुजरी, तभी उसके पीछे से एक पादरी तेजी से गुजरा,

जिसके हाथ नायलॉन के विंडब्रेकर की जेबों में थे। युवा। बेहद तनावग्रस्त। दाढ़ी बनवाने की ज़रूरत थी। आगे जाकर उसने दाईं ओर मुड़कर एक ऐसे रास्ते पर चलना शुरू किया जो चर्च के पीछे एक आंगन की ओर खुलता था।
क्रिस रास्ते के किनारे रुक गया, उत्सुकता से उसे देखता रहा। वह एक सफेद फ्रेम वाली झोपड़ी की ओर जाता हुआ प्रतीत हुआ। एक पुराना जालीदार दरवाजा चरमराते हुए खुला और एक और पादरी बाहर आया। उसने युवक की ओर संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया और नज़रें झुकाए हुए तेज़ी से उस दरवाजे की ओर बढ़ा जो गिरजाघर की ओर जाता था। एक बार फिर झोपड़ी का दरवाजा अंदर से खुला। एक और पादरी। यह कैसा लग रहा था—अरे, यह वही है! हाँ, वही जो बर्क के "फकिंग" कहने पर मुस्कुरा रहा था! लेकिन अब वह गंभीर दिख रहा था, चुपचाप नए आने वाले का अभिवादन करते हुए, अपना हाथ उसके कंधे पर इस तरह रखा जैसे कोमल और कुछ हद तक अभिभावक जैसा भाव हो। वह उसे अंदर ले गया और जालीदार दरवाजा धीमी, हल्की चरमराहट के साथ बंद हो गया।
क्रिस अपनी जूतों को घूर रही थी। वह असमंजस में थी। आखिर यह सब क्या है? वह सोच रही थी कि क्या जेसुइट लोग पाप स्वीकार करते हैं।
हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दी। उसने आकाश की ओर देखा। क्या बारिश होगी? ... पुनरुत्थान और शाश्वत जीवन...
हाँ। हाँ, ज़रूर। अगले मंगलवार को। दूर से बिजली कड़कने की आवाज़ आई। हमें फ़ोन मत करना, बच्चे, हम तुम्हें फ़ोन करेंगे।
उसने अपने कोट का कॉलर ऊपर खींचा और धीरे-धीरे आगे बढ़ गई।
उसे उम्मीद थी कि खूब बारिश होगी।
एक मिनट बाद वह घर पहुँच गई। वह दौड़कर बाथरूम में गई। उसके बाद वह रसोई में चली गई।
"हाय क्रिस, कैसा रहा?"
मेज पर बैठी बीस साल की एक खूबसूरत गोरी लड़की। शेरोन स्पेंसर। एकदम नई। ओरेगन से। पिछले तीन सालों से वह रीगन की ट्यूटर और क्रिस की सोशल सेक्रेटरी थी।
“ओह, वही घिसा-पिटा मैसेज।” क्रिस टेबल की ओर बढ़ा और मैसेज छांटने लगा।
“कुछ रोमांचक है क्या?”
"क्या आप अगले सप्ताह व्हाइट हाउस में रात का खाना खाना चाहेंगे?"
"अरे, मुझे नहीं पता, मार्टी; तुम क्या करना चाहते हो?"
"मिठाई खाने से बीमार पड़ जाना।"
“रैग्स कहाँ है?”
नीचे बच्चों के कमरे में।
“क्या कर रहे हो?”
“मूर्तिकला। मुझे लगता है कि वह एक पक्षी बना रही है। यह तुम्हारे लिए है।”
“हाँ, मुझे एक चाहिए,” क्रिस ने धीरे से कहा। वह चूल्हे के पास गई और एक कप गर्म कॉफी डाली। “क्या तुम उस डिनर के बारे में मज़ाक कर रही थी?” उसने पूछा।
“नहीं, बिलकुल नहीं,” शेरोन ने जवाब दिया। “आज गुरुवार है।”
"बड़ी डिनर पार्टी?"
"नहीं, मुझे लगता है कि इसमें सिर्फ पांच या छह लोग हैं।"

वाह, क्या बात है!
वह खुश तो थी, लेकिन उसे आश्चर्य नहीं हुआ। हर कोई उसकी संगति चाहता था: टैक्सी चालक; कवि; प्रोफेसर; राजा। आखिर उन्हें उसमें क्या पसंद था? जीवन?
क्रिस मेज पर बैठ गया। "पाठ कैसा रहा?"
शेरोन ने frowning हुए सिगरेट जलाई। "गणित में आज फिर से बुरा हाल हो गया।"
“सच में? यह तो अजीब बात है।”
"हां, मुझे पता है; यह उसका पसंदीदा विषय है।"
“ओह, ये नया गणित! हे भगवान! अगर मैं बस के लिए खुले पैसे न दे पाऊं तो...”
"हाय मम्मी!"
अपनी पतली-दुबली भुजाएँ फैलाए, क्रिस की नन्ही बेटी दौड़ती हुई दरवाजे से अपनी माँ की ओर आई। लाल रंग की दो चोटियाँ। झाइयों से भरा एक कोमल, चमकता हुआ चेहरा।
“हाय, बदबूदार!” क्रिस मुस्कुराते हुए उसे गले लगा लिया और उसके गुलाबी गाल पर बड़े प्यार से चुंबन किया; वह अपने प्यार के सैलाब को रोक नहीं पाई। “मम्म-मम्म-मम्म!” और चुंबन। फिर उसने रीगन को गोद में उठाया और उत्सुक आँखों से उसका चेहरा निहारा। “तो आज तुमने क्या किया? कुछ मज़ेदार हुआ?”
"ओह, सामान।"
“तो किस तरह की चीजें? अच्छी चीजें? हैं?”
“ओह, मुझे देखने दो।” वह अपनी माँ के घुटनों से सटकर धीरे-धीरे आगे-पीछे झूल रही थी। “हाँ, बिल्कुल, मैंने पढ़ाई की है।”
"अहां।"
और मैंने पेंटिंग बनाई।
तुम क्या पेंट कर रहे हो?
“ओह, अच्छा, फूल, तुम्हें पता है। डेज़ी? सिर्फ़ गुलाबी। और फिर—ओह, हाँ! यह घोड़ा!” वह अचानक उत्साहित हो गई, आँखें चौड़ी हो गईं। “एक आदमी के पास घोड़ा था, तुम्हें पता है, नदी के किनारे? हम टहल रहे थे, देखो माँ, और फिर यह घोड़ा आया, वह बहुत सुंदर था! ओह, माँ, तुम्हें उसे देखना चाहिए था, और उस आदमी ने मुझे उस पर बैठने दिया! सच में! मतलब, लगभग एक मिनट के लिए!”
क्रिस ने शरारती मुस्कान के साथ शेरोन की ओर देखा। "खुद?" शेरोन ने भौंह उठाकर पूछा। फिल्म की शूटिंग के लिए वाशिंगटन जाने के बाद, गोरी सेक्रेटरी, जो अब लगभग परिवार का ही हिस्सा बन चुकी थी, घर में ऊपर के एक अतिरिक्त बेडरूम में रहती थी। जब तक कि उसकी मुलाकात पास के एक अस्तबल में उस "घुड़सवार" से नहीं हुई, तब क्रिस ने फैसला किया कि शेरोन को अकेले रहने के लिए एक जगह चाहिए, और उसे एक महंगे होटल के सुइट में ठहरा दिया और बिल का भुगतान करने पर जोर दिया।
"हां, स्वयं," शेरोन ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया।
“वह एक भूरा घोड़ा था!” रीगन ने कहा। “माँ, क्या हम घोड़ा नहीं ले सकते? मतलब, क्या हम ले सकते हैं?”
"देखते हैं, जान।"
मुझे यह कब मिल सकता है?
“देखते हैं। तुमने जो पक्षी बनाया था, वह कहाँ है?”

पहले तो रीगन का चेहरा भावहीन सा हो गया, फिर वह शेरोन की ओर मुड़ी और दांतों में लगे ब्रेसेस से भरे मुंह और शरमाते हुए हल्के से चिढ़कर बोली, "तुमने बता दिया!" फिर अपनी माँ की ओर मुड़कर हँसते हुए बोली, "यह तो सरप्राइज होना था।"
"तुम्हारा मतलब है...?"
"बिल्कुल तुम्हारी मनचाही लंबी और मजेदार नाक के साथ!"
“ओह, रैग्स, तुम कितनी प्यारी हो। क्या मैं इसे देख सकती हूँ?”
“नहीं, मुझे अभी भी इसे पेंट करना है। माँ, खाना कब बनेगा?”
"भूखा?"
"मैं भूख से मरा जा रहा हूं।"
“अरे, अभी तो पाँच भी नहीं बजे हैं। दोपहर का खाना कब था?” क्रिस ने शेरोन से पूछा।
“ओह, लगभग बारह,” शेरोन ने उत्तर दिया।
“विली और कार्ल कब वापस आ रहे हैं?”
क्रिस ने उन्हें दोपहर की छुट्टी दे दी थी।
“मुझे लगता है सात,” शेरोन ने कहा।
“मम्मी, क्या हम हॉट शॉप नहीं जा सकते?” रीगन ने विनती की। “क्या हम जा सकते हैं?”
क्रिस ने अपनी बेटी का हाथ उठाया; प्यार से मुस्कुराई, उसे चूमा, फिर जवाब दिया, "ऊपर जाओ और कपड़े पहन लो, फिर हम चलेंगे।"
"ओह मैं तुमसे प्यार करता हूं!"
रीगन कमरे से भाग गई।
“हनी, नई ड्रेस पहनो!” क्रिस ने उसके पीछे से आवाज़ लगाई।
"क्या तुम दोबारा ग्यारह साल की होना चाहोगी?" शैरन ने सोचा।
"मुझे पता नहीं।"
अपना मेल उठाते हुए, क्रिस ने लिखे हुए प्रशंसा पत्रों को छांटना शुरू किया। "अब मेरे पास जो दिमाग है, उसके साथ? सारी यादें?"
"ज़रूर।"
"कोई सौदा नहीं।"
"इस पर विचार।"
क्रिस ने चिट्ठियाँ नीचे रख दीं और अपने एजेंट एडवर्ड जारिस के कवर लेटर के साथ स्क्रिप्ट उठा ली, जो सामने की तरफ बड़े करीने से क्लिप से चिपका हुआ था। "मुझे लगा था कि मैंने उनसे कहा था कि कुछ समय के लिए स्क्रिप्ट नहीं भेजूँगी।"
“तुम्हें इसे पढ़ना चाहिए,” शेरोन ने कहा।
"अरे हां?"
"हां, मैंने इसे आज सुबह पढ़ा।"
"बहुत अच्छा?"
"मुझे लगता है कि वो ठीक है।"
और मुझे एक ऐसी नन का किरदार निभाने का मौका मिल रहा है जिसे पता चलता है कि वह लेस्बियन है, है ना?
"नहीं, आपको कुछ भी खेलने को नहीं मिलेगा।"

“अरे यार, फिल्में तो पहले से भी बेहतर हो गई हैं! शेरोन, तुम किस बारे में बात कर रही हो? ये मुस्कुराहट किस लिए है?”
"वे चाहते हैं कि आप निर्देशन करें," शैरन ने अपनी सिगरेट के धुएं के साथ शरमाते हुए कहा।
"क्या?"
"पत्र पढ़ो।"
"हे भगवान, शार, तुम मजाक कर रही हो!"
क्रिस ने चिट्ठी पर झपट्टा मारा, उसकी आँखें शब्दों को लालच से पढ़ रही थीं: "...नई पटकथा... एक त्रिपक्षीय रचना... स्टूडियो सर स्टीफन मूर को चाहता है... भूमिका स्वीकार करने के लिए बशर्ते..."
मैं उनके सेगमेंट का निर्देशन करता हूँ!
क्रिस ने अपनी बाहें ऊपर उछालीं और खुशी से कर्कश, तीखी चीख निकाली। फिर दोनों हाथों से उसने चिट्ठी को अपने सीने से लगा लिया। “ओह, स्टीव, तुम तो फरिश्ते हो, तुम्हें याद था!” अफ्रीका में शूटिंग के दौरान, नशे में धुत होकर कैंप की कुर्सियों पर बैठकर दिन के लाल और सुनहरे अंत को देखते हुए। “अरे, ये धंधा तो बकवास है! अभिनेता के लिए ये बेकार है, स्टीव!” “ओह, मुझे ये पसंद है।” “ये बेकार है! क्या तुम्हें नहीं पता इस धंधे में असली चीज़ क्या है? निर्देशन। तब तुमने कुछ किया होगा, कुछ ऐसा जो तुम्हारा अपना हो; मेरा मतलब है, कुछ ऐसा जो ज़िंदा रहे!” “तो फिर करो, प्रिय! करो!” “ओह, मैंने कोशिश की है, स्टीव। मैंने कोशिश की है; वे इसे नहीं मानेंगे।” “क्यों नहीं?” “अरे, चलो भी, तुम जानते हो क्यों: उन्हें नहीं लगता कि मैं ये कर सकती हूँ।” “खैर, मुझे लगता है कि तुम कर सकती हो।”
प्यारी मुस्कान। हार्दिक यादें। प्रिय स्टीव...
“माँ, मुझे ड्रेस नहीं मिल रही!” रीगन ने सीढ़ियों से पुकारा।
“अलमारी में!” क्रिस ने जवाब दिया।
मैंने देखा!
“मैं एक पल में आती हूँ!” क्रिस ने पुकारा। उसने स्क्रिप्ट के पन्ने पलटे और फिर रुक गई, मुरझाए हुए चेहरे के साथ बुदबुदाई, “मुझे लगता है यह बकवास ही होगी।”
“अरे नहीं, क्रिस! नहीं! मुझे तो यह बहुत अच्छा लगता है!”
"ओह, आपको लगा कि साइको को लाफ ट्रैक की ज़रूरत थी।"
“मम्मी?”
"मैं आ रहा हूँ!"
"शार, क्या तुम्हारी कोई डेट है?"
"हाँ।"
क्रिस ने मेल की ओर इशारा करते हुए कहा, "ठीक है, आप जाइए। हम ये सब काम सुबह निपटा लेंगे।"
शेरोन उठ खड़ी हुई।
“ओह, नहीं, रुकिए,” क्रिस ने बात सुधारते हुए कहा। “नहीं, मुझे माफ़ करना, आज रात एक पत्र भेजना है।”
“ओह, ठीक है।” शैरन ने अपना डिक्टेशन पैड उठाया।
अधीरता भरी कराह। "माँ!"

क्रिस ने एक गहरी सांस ली, खड़ा हुआ और बोला, "एक मिनट में वापस आता हूँ," लेकिन फिर हिचकिचाया जब उसने देखा कि शेरोन अपनी घड़ी में समय देख रही है। क्रिस ने कहा, "क्या?"
"अरे वाह, क्रिस, अब मेरे लिए ध्यान करने का समय आ गया है।"
क्रिस ने स्नेह और झुंझलाहट से उसे गौर से देखा। पिछले छह महीनों में, उसने अपनी सेक्रेटरी को "शांति की खोज करने वाली" बनते देखा था। इसकी शुरुआत लॉस एंजिल्स में आत्म-सम्मोहन से हुई, जो बाद में बौद्ध मंत्रों के जाप में तब्दील हो गई। पिछले कुछ हफ्तों से जब शैरन ऊपर वाले कमरे में रह रही थी, घर में अगरबत्ती की तेज़ गंध फैली रहती थी, और "नाम म्योहो रेंगे क्यो" ("देखो, क्रिस, बस यही जपती रहो, और तुम्हारी इच्छा पूरी हो जाएगी, तुम्हें सब कुछ मिल जाएगा...") की नीरस गूंज अजीब और बेसुध समय पर सुनाई देती थी, आमतौर पर तब जब क्रिस अपने डायलॉग याद कर रही होती थी। एक बार शैरन ने उदारता से अपनी मालकिन से कहा, "आप टीवी चला सकती हैं। कोई बात नहीं। मैं शोरगुल में भी जाप कर सकती हूँ।"
अब यह ट्रान्सेंडेंटल मेडिटेशन था।
"क्या तुम्हें सच में लगता है कि इस तरह की चीजें तुम्हारे लिए कुछ अच्छा करेंगी, शार?"
"इससे मुझे मन की शांति मिलती है," शेरोन ने जवाब दिया।
“ठीक है,” क्रिस ने भावहीनता से टिप्पणी की, और फिर मुड़कर धीरे से “नाम म्योहो रेंगे क्यो” कहते हुए दूर जाने लगा।
“इसे पंद्रह-बीस मिनट तक जारी रखो,” शेरोन ने उसे पुकारा। “हो सकता है कि यह तुम्हारे लिए काम कर जाए।”
क्रिस रुकी और सोच-विचार करके जवाब देने लगी। फिर उसने अपना इरादा बदल दिया। वह ऊपर रीगन के बेडरूम में गई और सीधे अलमारी की ओर बढ़ी। रीगन कमरे के बीचोंबीच खड़ी छत को घूर रही थी।
“तो क्या चल रहा है?” क्रिस ने रीगन से पूछा, जब वह अलमारी में ड्रेस ढूंढ रही थी। यह हल्के नीले रंग की सूती ड्रेस थी। उसने इसे एक हफ्ते पहले खरीदा था और उसे याद था कि उसने इसे इसी अलमारी में टांगा था।
"अजीब आवाजें," रीगन ने कहा।
“हां, मुझे पता है। हमारे दोस्त हैं।”
रीगन ने उसकी ओर देखा। "हं?"
“गिलहरियाँ, बेटा; अटारी में गिलहरियाँ।” उसकी बेटी चूहों से बहुत डरती थी। यहाँ तक कि चूहे भी उसे परेशान कर देते थे।
उस ड्रेस की तलाश निष्फल साबित हुई।
“देखो माँ, यह वहाँ नहीं है।”
“हां, मैं समझ गया। शायद सफाई करते समय विली ने इसे उठा लिया होगा।”
"वह चला गया।"
"हाँ, ठीक है, नेवी यूनिफॉर्म पहन लो। यह बहुत सुंदर है।"
जॉर्जटाउन के एक आर्ट-हाउस सिनेमा में शर्ली टेंपल की फ़िल्म 'वी विली विंकी' का मैटिनी शो देखने के बाद, वे की ब्रिज से नदी पार करके रॉसलिन, वर्जीनिया के हॉट शॉप गए, जहाँ क्रिस ने सलाद खाया जबकि रीगन ने सूप, दो खमीर वाले ब्रेड, फ्राइड चिकन, स्ट्रॉबेरी शेक और चॉकलेट आइसक्रीम से सजी ब्लूबेरी पाई खाई। क्रिस ने

सोचा, वह इसे कहाँ रखती है? अपनी कलाई में? बच्ची एक क्षणभंगुर आशा की तरह दुबली-पतली थी।
क्रिस ने अपनी कॉफी के ऊपर सिगरेट जलाई और अपनी दाहिनी ओर की खिड़की से जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के ऊंचे शिखरों को देखा। फिर उसने अपनी गंभीर और उदास निगाहें पोटोमैक नदी की शांत सतह पर टिका दीं, जो नीचे बहने वाली खतरनाक रूप से तेज और शक्तिशाली धाराओं का जरा भी संकेत नहीं दे रही थी। क्रिस ने थोड़ा सा संतुलन बदला। शाम की कोमल, सुखदायक रोशनी में, नदी, अपनी सरासर शांति और स्थिरता के साथ, अचानक उसे कुछ योजना बनाते हुए प्रतीत हुई। और प्रतीक्षा कर रहे हैं।
“मुझे खाना बहुत अच्छा लगा, माँ।”
क्रिस ने रीगन की खुश मुस्कान की ओर देखा, और जैसा कि पहले भी कई बार हो चुका था, उसने एक बार फिर वही अनचाहा दर्द महसूस किया जो कभी-कभी अचानक उसके चेहरे पर हॉवर्ड की छवि देखकर होता था। उसे अक्सर लगता था कि यह रोशनी का कोण है। उसने अपनी नज़र रीगन की प्लेट पर डाली।
"क्या तुम वो पाई यहीं छोड़ दोगे?"
रीगन ने अपनी नज़रें नीचे कर लीं। "माँ, मैंने थोड़ी देर पहले कुछ कैंडी खाई थी।"
क्रिस ने अपनी सिगरेट बुझाई और मुस्कुराई।
"चलो, रैग्स, घर चलते हैं।"
वे सात बजने से पहले ही लौट आए। विली और कार्ल पहले ही वापस आ चुके थे। रीगन अपनी माँ के लिए मूर्ति पूरी करने की जल्दी में तहखाने के खेल के कमरे की ओर दौड़ी। क्रिस स्क्रिप्ट लेने के लिए रसोई की ओर गई। उसने देखा कि विली कॉफी बना रहा था; मोटे दाने वाली, खुली हुई केतली में। वह चिड़चिड़ी और उदास लग रही थी।
"हाय विली, कैसा रहा? खूब मज़ा आया?"
“मत पूछो।” विली ने बर्तन में उबलते हुए पानी में एक अंडे का छिलका और एक चुटकी नमक डाला। विली ने बताया कि वे फिल्म देखने गए थे। वह बीटल्स देखना चाहती थी, लेकिन कार्ल ने मोजार्ट पर बनी एक आर्ट-हाउस फिल्म देखने की ज़िद की। “बकवास,” उसने आंच धीमी करते हुए गुस्से से कहा। “वो बेवकूफ!”
“माफ़ करना।” क्रिस ने स्क्रिप्ट को अपनी बगल में दबा लिया। “ओह, विली, क्या तुमने वो ड्रेस देखी है जो मैंने पिछले हफ्ते रैग्स के लिए ली थी? वो नीली सूती ड्रेस?”
"हां, मैंने इसे आज सुबह उसकी अलमारी में देखा।"
आपने इसे कहाँ रखा है?
"ये वहां है।"
"क्या आपने सफाई करते समय गलती से इसे उठा लिया?"
"ये वहां है।"
"सफाई के साथ?"
"अलमारी में।"
“नहीं, ऐसा नहीं है। मैंने देखा है।”
कुछ बोलने ही वाली थी कि विली ने अपने होंठ कस लिए और तेवर चढ़ा लिए। कार्ल अंदर आ गया था।
"शुभ संध्या महोदया।"

वह पानी का गिलास लेने के लिए सिंक के पास गया।
“क्या तुमने वो जाल बिछाए थे?” क्रिस ने पूछा।
"कोई चूहे नहीं।"
"क्या आपने इन्हें सेट किया था?"
"मैंने उन्हें रखा तो था, लेकिन अटारी साफ है।"
"कार्ल, बताओ फिल्म कैसी थी?"
“रोमांचक,” उसने कहा। उसकी आवाज़ का लहजा, उसके चेहरे की तरह, एक दृढ़ भावहीनता लिए हुए था।
बीटल्स द्वारा मशहूर किए गए एक गाने को गुनगुनाते हुए, क्रिस रसोई से बाहर निकलने लगा, लेकिन फिर अचानक मुड़ गया।
बस एक और मौका!
"क्या तुम्हें जाल बिछाने में कोई परेशानी हुई, कार्ल?"
कार्ल ने उसकी ओर पीठ करके कहा, "नहीं, मैडम। कोई परेशानी नहीं है।"
"सुबह छह बजे?"
“रात भर खुला रहने वाला बाजार।”
क्रिस ने धीरे से अपना हाथ माथे पर मारा, कुछ पल के लिए कार्ल की पीठ को घूरा और फिर रसोई से बाहर निकलने के लिए मुड़ गई, धीरे से बुदबुदाते हुए बोली, "धत् तेरे की!"
एक लंबे और आरामदायक स्नान के बाद, क्रिस अपने बेडरूम में स्थित अलमारी में अपना बाथरोब लेने गई और वहाँ उसे रीगन की गुम हुई ड्रेस मिली। वह अलमारी के फ़र्श पर ढेर की तरह पड़ी हुई थी।
क्रिस ने उसे उठा लिया। उस पर अभी भी खरीद के टैग लगे हुए थे।
यह यहाँ क्या कर रहा है?
क्रिस ने पीछे मुड़कर सोचने की कोशिश की, फिर उसे याद आया कि जिस दिन उसने वह ड्रेस खरीदी थी, उसी दिन उसने अपने लिए दो-तीन चीजें भी खरीदी थीं।
उसने सोचा, उसने उन सबको एक साथ रख दिया होगा।
क्रिस ड्रेस को रीगन के बेडरूम में ले गई, उसे हैंगर पर टांगा और रीगन की अलमारी में कपड़ों के रैक पर रख दिया। कमर पर हाथ रखकर क्रिस ने रीगन के कपड़ों का जायज़ा लिया। वाह! बढ़िया कपड़े। हाँ, रैग्स, इधर देखो, उधर उस पापा की तरफ मत देखो जो कभी चिट्ठी नहीं लिखते और न ही फोन करते हैं।
अलमारी से मुड़ते समय क्रिस का पैर एक दराज के निचले हिस्से से टकरा गया। हे भगवान! कितना दर्द हो रहा है! पैर उठाकर पैर की उंगली को सहलाते हुए क्रिस ने देखा कि दराज लगभग तीन फीट खिसक गया था।
इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि मैं उससे टकरा गया। विली ने ज़रूर वैक्यूम क्लीनर चलाया होगा।
वह अपने एजेंट से स्क्रिप्ट लेकर अध्ययन कक्ष में चली गई।
बड़े-बड़े खिड़कियों वाले विशाल लिविंग रूम से बिल्कुल अलग, जहाँ से पोटोमैक नदी पर बने की ब्रिज का नज़ारा वर्जीनिया के तट तक दिखता था, स्टडी रूम में एक दबी हुई सी खामोशी का एहसास था; मानो अमीर चाचाओं के बीच कुछ राज़ छिपे हों: ईंटों से बना एक ऊंचा फायरप्लेस, चेरीवुड की पैनलिंग और मज़बूत लकड़ी के क्रॉस-क्रॉस बीम, जो किसी पुराने पुल से तराशे हुए लगते थे। कमरे में बीते ज़माने की कुछ

झलकियाँ थीं - एक आधुनिक दिखने वाला बार, जिसके चारों ओर स्वेड और क्रोम की कुर्सियाँ लगी थीं, और एक मुलायम सोफे पर रंग-बिरंगे मैरीमेको तकिए, जहाँ क्रिस अपने एजेंट की स्क्रिप्ट लेकर आराम से लेट गई। स्क्रिप्ट के पन्नों के बीच उसका पत्र फंसा हुआ था। उसने उसे निकालकर फिर से पढ़ा। आस्था, आशा और दानः तीन अलग-अलग हिस्सों वाली एक फिल्म, हर हिस्से में अलग कलाकार और निर्देशक। उसका हिस्सा होगा "आशा"। उसे शीर्षक पसंद आया। शायद नीरस हो, उसने सोचा; लेकिन परिष्कृत। शायद वे इसे बदलकर कुछ "सद्गुणों का झंकार" रख देंगे।
दरवाजे की घंटी बजी। बर्क डेनिंग्स। एक अकेला आदमी, वह अक्सर आता-जाता रहता था। क्रिस ने उदास मुस्कान के साथ सिर हिलाया, जब उसने उसे कार्ल पर अपशब्द बोलते सुना, जिससे वह घृणा करता प्रतीत होता था और जिसे वह लगातार चिढ़ाता रहता था।
"जी हां, नमस्कार, एक ड्रिंक कहां है!" उसने चिढ़कर कमरे में प्रवेश करते हुए और अपनी झुर्रीदार रेनकोट की जेबों में हाथ डाले हुए नज़रें झुकाकर बार की ओर बढ़ते हुए कहा।
वह एक बार स्टूल पर बैठा हुआ था, उसका चेहरा चिड़चिड़ा, इधर-उधर देखता हुआ और कुछ हद तक निराश लग रहा था।
“फिर से शिकार की तलाश में निकले हो?” क्रिस ने पूछा।
“तुम्हारा मतलब क्या है?” डेनिंग्स ने नाक सिकोड़ते हुए कहा।
“तुम्हारा चेहरा कुछ ऐसा ही है।” उसने ये पहले भी देखा था जब वे लॉज़ेन में एक फिल्म पर साथ काम कर रहे थे। वहाँ उनकी पहली रात, जिनेवा झील के किनारे एक शांत होटल में, क्रिस को नींद नहीं आ रही थी। सुबह 5 बजे के कुछ देर बाद, वह बिस्तर से उठी और कपड़े पहनकर कॉफी या किसी के साथ की तलाश में लॉबी में चली गई। हॉल में लिफ्ट का इंतज़ार करते हुए, उसने खिड़की से झाँका और निर्देशक को झील के किनारे अकड़कर चलते देखा, फरवरी की कड़ाके की ठंड से बचने के लिए उसने अपने हाथ कोट की जेबों में डाल रखे थे। जब तक वह लॉबी पहुँची, वह होटल में प्रवेश कर रहा था। “यहाँ कोई वेश्या नहीं!” उसने गुस्से से कहा और क्रिस की तरफ देखे बिना ही तेज़ी से उसके पास से गुज़र गया, फिर एक लिफ्ट में चढ़ गया जो उसे सीधे उसके फ्लोर, उसके कमरे और बिस्तर तक ले गई। जब क्रिस ने बाद में मज़ाक में इस घटना का ज़िक्र किया, तो निर्देशक भड़क उठा और उस पर “घोर भ्रम” फैलाने का आरोप लगाया, जिस पर लोग “सिर्फ इसलिए विश्वास कर लेंगे क्योंकि तुम एक स्टार हो!” उन्होंने उसे "पूरी तरह से पागल" भी कहा था, लेकिन फिर उसकी भावनाओं को शांत करने के प्रयास में उन्होंने बड़े प्यार से कहा कि "शायद" उसने किसी को देखा हो और गलती से उन्हें डेनिंग्स समझ लिया हो। उन्होंने सहज भाव से स्वीकार किया, "ऐसा होना असंभव नहीं है; मेरी परदादी स्विस थीं।"
क्रिस बार के पीछे चला गया और उसे उस घटना की याद दिला दी।
“हाँ, बर्क, ये देखो। तुमने अब तक कितने जिन और टॉनिक पी लिए हैं?”
“अरे, अब इतनी बेवकूफी मत करो!” डेनिंग्स झल्लाकर बोली। “दरअसल, मैंने पूरी शाम चाय पार्टी में बिताई है, वो भी फैकल्टी की चाय पार्टी में!”
क्रिस ने अपनी बाहें मोड़ीं और उन्हें बार पर टिका दिया। "तुम कहाँ थे?" उसने संदेह भरे लहजे में कहा।
"ओह, हाँ, आगे बढ़ो; मुस्कुराओ!"

"क्या तुम जेसुइट्स के साथ चाय पार्टी में खूब शराब पीकर नशे में धुत हो गए थे?"
"नहीं, जेसुइट लोग संयमी थे।"
“क्या वे शराब नहीं पीते?”
“क्या तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है? उन्होंने तो हद ही कर दी! मैंने अपनी पूरी जिंदगी में ऐसी क्षमता कभी नहीं देखी!”
"अरे, शांत रहो, बर्क! रीगन तुम्हें सुन सकती है!"
“जी हां, रेगन,” डेनिंग्स ने अपनी आवाज धीमी करते हुए फुसफुसाते हुए कहा। “बिल्कुल! अब मेरी ड्रिंक कहां है?”
असहमति जताते हुए हल्के से सिर हिलाते हुए, क्रिस सीधी खड़ी हुई और एक बोतल और एक गिलास लेने के लिए हाथ बढ़ाया। "क्या तुम मुझे बताओगी कि तुम फैकल्टी टी पार्टी में क्या कर रही थीं?"
“ये सब तो जनसंपर्क का काम है; ये तो तुम्हें करना चाहिए। मतलब, हे भगवान, हमने तो उनके मैदान का क्या हाल कर दिया है!” निर्देशक ने बड़ी श्रद्धा से कहा। “अरे हाँ, हँस लो! हाँ, बस यही तो तुम कर सकते हो, और थोड़ा सा पिछवाड़ा दिखाना!”
मैं यहाँ बस मासूमियत से मुस्कुरा रहा हूँ।
"खैर, अब किसी को तो अच्छा प्रदर्शन करना ही था।"
क्रिस ने हाथ बढ़ाया और डेनिंग्स की बाईं पलक के ऊपर बने निशान पर हल्के से उंगली फेर दी। यह निशान डेनिंग्स की पिछली फिल्म के दमदार एक्शन-एडवेंचर स्टार चक डैरेन द्वारा फिल्म की शूटिंग के आखिरी दिन किए गए एक जोरदार प्रहार का परिणाम था। क्रिस ने स्नेहपूर्वक कहा, "यह सफेद पड़ रहा है।"
डेनिंग्स की भौंहें गुस्से से तन गईं। "मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि वह फिर कभी किसी भी बड़ी लीग में काम न करे। मैंने पहले ही सबको बता दिया है।"
"अरे, बर्क, बस इतना ही। सिर्फ इसके लिए?"
“वो आदमी पागल है, जान! वो बिलकुल सनकी और खतरनाक है! हे भगवान, वो तो उस बूढ़े कुत्ते की तरह है जो हमेशा धूप में शांति से सोता रहता है और फिर एक दिन अचानक उठकर किसी के पैर पर बेरहमी से काट लेता है!”
और बेशक, आपके घर की बत्तियाँ बुझाने का उससे कोई लेना-देना नहीं था कि आपने कलाकारों और क्रू के सामने उससे कहा था कि उसका अभिनय 'सुमो कुश्ती के स्तर के आसपास एक घिनौनी शर्मिंदगी' था?
“डार्लिंग, ये तो भद्दा शब्द है,” डेनिंग्स ने विनम्रता से उसे डांटते हुए उसके हाथों से जिन और टॉनिक का गिलास ले लिया। “मेरी प्यारी, मेरे लिए ‘गाली’ कहना तो ठीक है, लेकिन अमेरिका की चहेती के लिए नहीं। पर अब बताओ, कैसी हो मेरी नन्ही नाचने-गाने वाली मिनी-नोवा?”
क्रिस ने कंधे उचकाते हुए और उदास चेहरे के साथ जवाब दिया, और झुककर अपनी बाहों को मोड़कर बार के ऊपर अपना वजन टिका दिया।
"बताओ ना, मेरी जान, क्या तुम उदास हो?"
"मुझे पता नहीं।"
अपने चाचा को बता दो।
“धत् तेरे की, मुझे लगता है मुझे एक ड्रिंक लेनी चाहिए।” क्रिस अचानक सीधा खड़ा हुआ और वोदका की बोतल और गिलास लेने के लिए हाथ बढ़ाया।

“ओह, हॉ, बहुत बाढ़िया! शानदार विचार! तो फिर, क्या बात है, मेरी प्यारी? क्या गड़बड़ है?”
“क्या तुमने कभी मरने के बारे में सोचा है?” क्रिस ने पूछा।
डेनिंग्स ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "आपने 'मरना' कहा?"
“हाँ, मरना। क्या तुमने कभी सच में इसके बारे में सोचा है, बर्क? इसका क्या मतलब है? इसका असल मतलब क्या है?”
उसने गिलास में वोदका डाली।
अब थोड़ी बेचैनी से भरी आवाज़ में डेनिंग्स ने कर्कश स्वर में कहा, "नहीं, प्रिय, मैं ऐसा नहीं सोचती! मैं इसके बारे में सोचती भी नहीं, बस कर देती हूँ। भला मरने की बात क्यों उठाऊँ!"
क्रिस ने कंधे उचकाए और अपने गिलास में एक बर्फ का टुकड़ा डाला। “पता नहीं। मैं आज सुबह इसके बारे में सोच रही थी। खैर, सोच तो नहीं रही थी, पर जागते ही मैंने सपना देखा और बर्क, उससे मुझे कंपकंपी छूट गई, मुझे बहुत बुरा लगा; इसका मतलब क्या है। मतलब, अंत, बर्क, सचमुच का भयानक अंत, ऐसा लगा जैसे मैंने मरने के बारे में कभी सुना ही न हो!” उसने बगल में देखा और सिर हिलाया। “अरे बाप रे, मैं तो डर ही गई थी! मुझे ऐसा लगा जैसे मैं डेढ़ सौ मिलियन मील प्रति घंटे की रफ्तार से इस दुनिया से गिर रही हूँ।” क्रिस ने गिलास अपने होठों तक उठाया। “मुझे लगता है मैं इसे बिना कुछ मिलाए पीऊँगी,” उसने धीरे से कहा। उसने एक घूंट लिया।
“अरे, बकवास है,” डेनिंग्स ने नाक सिकोड़ते हुए कहा। “मौत तो सुकून देती है।”
क्रिस ने गिलास नीचे रख दिया। "यह मेरे लिए नहीं है।"
"आओ, तुम अपने पीछे छोड़े गए कार्यों के माध्यम से या अपने बच्चों के माध्यम से जीवित रहते हो।"
“अरे, ये तो बिलकुल बकवास है! मेरे बच्चे मैं नहीं हूँ!”
“हाँ, भगवान का शुक्र है। एक ही काफी है।”
क्रिस आगे झुकी, उसका गिलास कमर तक था और उसके नन्हे से चेहरे पर चिंता की एक तीखी लकीर थी। "मतलब, सोचो तो सही, बर्क! अस्तित्व में न होना! हमेशा-हमेशा के लिए अस्तित्व में न होना..."
“अरे, अब बस करो! ये बकवास बंद करो और अगले हफ्ते फैकल्टी टी पार्टी में अपने बेहद प्यारे, मेकअप से सजे लंबे पैरों को दिखाने के बारे में सोचो! शायद वो पादरी तुम्हें दिलासा दे सकें!”
डेनिंग्स ने अपना गिलास बार पर पटक दिया। "एक और पीते हैं!"
"मुझे तो पता ही नहीं था कि वे शराब पीते हैं?"
“खैर, तुम बेवकूफ हो,” निर्देशक ने चिढ़कर कहा।
क्रिस ने उसे गौर से देखा। क्या वह ऐसे मोड़ पर पहुँच गया था जहाँ से लौटना नामुमकिन था? या फिर उसने सचमुच उसकी किसी संवेदनशील नस को छू लिया था?
“क्या वे पाप स्वीकार करने जाते हैं?” उसने पूछा।
"कौन?"
“पुजारी।”
“मुझे कैसे पता चलेगा!” डेनिंग्स भड़क उठे।
“अच्छा, क्या तुमने मुझे एक बार नहीं बताया था कि तुमने पढ़ाई की थी—”

डेनिंग्स ने अपना खुला हाथ बार पर पटकते हुए उसे बीच में ही रोक दिया और चिल्लाते हुए कहा, "अरे, आखिर ड्रिंक कहां है?"
मैं आपके लिए कॉफी क्यों न लाऊं?
“मूर्खता मत करो, प्रिय! मुझे एक पेय चाहिए!”
आपको कॉफी मिल रही है।
“अरे, चलो, बत्तखों,” डेनिंग्स ने अचानक कोमल स्वर में कहा। “चलते-चलते एक और पी लो?”
“लिंकन हाईवे?”
“ये तो बहुत बुरा है, जान। सचमुच। ये तुम्हारे जैसा नहीं है।” मुंह फुलाते हुए डेनिंग्स ने अपना गिलास आगे बढ़ाया। “दया का गुण जबरदस्ती नहीं मिलता,” उसने स्वर में कहा; “नहीं, ये स्वर्ग से ऐसे बरसता है जैसे गॉर्डन की ड्राई जिन, तो चलो अब, बस एक और मैं चलता हूँ, ये मेरा वादा है।”
"क्या यह सचमुच का है?"
“सम्मान की शपथ और मरने की आशा!”
क्रिस ने उसे गौर से देखा, और फिर सिर हिलाते हुए जिन की बोतल उठा ली। "हाँ, वे पादरी लोग," उसने अनमने ढंग से कहा और डेनिंग्स के गिलास में जिन डालते हुए बोली; "शायद मुझे उनमें से एक-दो को बुला लेना चाहिए।"
“वे कभी नहीं जाएंगे,” डेनिंग्स गुर्राया, उसकी आँखें लाल हो गईं और अचानक और भी छोटी हो गईं, मानो हर आँख एक अलग, खास नरक हो; “वे तो साले लुटेरे हैं!” क्रिस ने टॉनिक की बोतल उठाकर डालने की कोशिश की, लेकिन डेनिंग्स ने चिढ़कर उसे रोक दिया। “नहीं, भगवान के लिए, सीधा डालो, क्या तुम्हें कभी याद नहीं रहता? तीसरा वाला हमेशा सीधा ही होता है!” क्रिस ने उसे अपना गिलास उठाते, जिन गटकते और फिर गिलास वापस रखते हुए देखा, और सिर झुकाकर उसमें देखते हुए बुदबुदाया, “बेवकूफ कुतिया!”
क्रिस ने उसे संदेह भरी निगाहों से देखा। हाँ, वह भड़कने लगा है। उसने पादरियों के विषय से हटकर निर्देशन के लिए मिले प्रस्ताव पर बात शुरू कर दी।
“वाह, बहुत बढ़िया,” डेनिंग्स ने अपने गिलास में देखते हुए कहा। “शाबाश!”
सच कहूं तो, इससे मुझे थोड़ा डर लगता है।
डेनिंग्स ने तुरंत उसकी ओर देखा, उनका चेहरा अब सौम्य और पिता तुल्य था। "बकवास!" उन्होंने कहा। "देखो, मेरी जान, निर्देशन में सबसे मुश्किल बात यह दिखाना है कि यह काम वाकई मुश्किल है। जब मैंने पहली बार यह काम शुरू किया था, तब मुझे कुछ भी पता नहीं था, लेकिन देखो, मैं यहाँ हूँ। इसमें कोई जादू नहीं है, प्रिय, बस कड़ी मेहनत है और शूटिंग शुरू करने के दिन से ही यह एहसास बना रहता है कि तुमने साइबेरियाई बाघ की पूंछ पकड़ रखी है।"
“हाँ, मुझे पता है, बर्क, लेकिन अब जब यह सच हो गया है, अब जब उन्होंने मुझे मौका दिया है, तो मुझे यकीन नहीं है कि मैं अपनी दादी को सड़क पार भी करा पाऊँगा। मतलब, ये सब तकनीकी बातें!”
अरे, अब घबराओ मत! ये सब फालतू की बातें अपने एडिटर, सिनेमैटोग्राफर और स्क्रिप्ट सुपरवाइजर पर छोड़ दो। अच्छे वाले हायर कर लो, और मैं वादा करती हूँ, वे तुम्हें पूरी फिल्म में मुस्कुराने पर मजबूर कर देंगे। ज़रूरी है कलाकारों को संभालना,

उनके अभिनय को देखना, और इसमें तुम कमाल की हो, मेरी प्यारी; तुम न सिर्फ उन्हें बता सकती हो कि तुम्हें क्या चाहिए, बल्कि उन्हें दिखा भी सकती हो।
क्रिस को संदेह हुआ। "खैर, फिर भी," उसने कहा।
“अभी भी क्या?”
"ठीक है, तकनीकी चीजें। मेरा मतलब है, मुझे इसे समझना होगा।"
“अच्छा, उदाहरण के तौर पर। अपने गुरु को एक उदाहरण दीजिए।”
वहाँ से, और लगभग एक घंटे तक, क्रिस ने प्रख्यात निर्देशक से हर छोटी से छोटी बात की तह तक पूछताछ की। फिल्म निर्देशन की तकनीकी बारीकियां कई ग्रंथों में उपलब्ध थीं, लेकिन पढ़ने से क्रिस का धैर्य अक्सर टूट जाता था। इसलिए, उन्होंने लोगों को पढ़ना शुरू किया। स्वभाव से जिज्ञासु होने के कारण, वह उनसे हर बात निचोड़ लेती थीं। लेकिन किताबें निचोड़ी नहीं जा सकती थीं। किताबें सतही होती थीं। वे "इसलिए" और "स्पष्ट रूप से" तब भी कह देती थीं जब बात बिल्कुल स्पष्ट नहीं होती थी, और उनके घुमा-फिराकर कहे गए शब्दों को कभी चुनौती नहीं दी जा सकती थी; उन्हें कभी भी चतुराई से यह कहकर रोका नहीं जा सकता था, "अरे, रुकिए। मैं नासमझ हूँ। क्या आप मुझे यह फिर से बता सकते हैं?" किताबों को कभी बांधा नहीं जा सकता था, न ही उन्हें हिलाया-डुलाया जा सकता था, न ही उनका विश्लेषण किया जा सकता था।
किताबें कार्ल जैसी थीं।
अंत में डेनिंग्स खिलखिलाते हुए बोला, "डार्लिंग, तुम्हें बस एक शानदार कटर की ज़रूरत है; मेरा मतलब है एक ऐसा कटर जो दरवाजों को अच्छी तरह जानता हो।"
वह पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक और हंसमुख हो गया था, और ऐसा लग रहा था कि वह खतरे से बाहर निकल चुका है। तभी कार्ल की आवाज सुनाई दी।
क्षमा कीजिए। क्या आप कुछ चाहती हैं, महोदया?
वह अध्ययन कक्ष के खुले दरवाजे पर ध्यानपूर्वक खड़ा था।
“अरे, नमस्कार, थॉर्नडाइक!” डेनिंग्स ने हंसते हुए उनका अभिवादन किया। “या आपका नाम हेनरिक है?” उन्होंने पूछा। “मुझे आपका नाम ठीक से याद नहीं आ रहा है।”
“जी हां, मेरा नाम कार्ल है।”
“जी हां, बिल्कुल। मैं भूल गया था। मुझे बताओ, कार्ल, तुम्ने गेस्टापो के लिए जनसंपर्क का काम किया था या सामुदायिक संबंध का? मुझे लगता है दोनों में फर्क है।”
कार्ल ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, "दोनों में से कोई नहीं, महोदय। मैं स्विस हूँ।"
निर्देशक ठहाका लगाते हुए बोला, "अरे हाँ, बिल्कुल, कार्ल! सही कहा! तुम स्विस हो! और मुझे लगता है कि तुम कभी गोएबल्स के साथ बॉलिंग खेलने नहीं गए!"
“बस करो, बर्क!” क्रिस ने डांटते हुए कहा।
"या फिर रुडोल्फ हेस के साथ उड़ान भरी थी?" डेनिंग्स ने आगे पूछा।
कार्ल का व्यवहार शांत और अविचलित था, उसने अपनी नजर क्रिस की ओर घुमाई और उससे बेपरवाही से पूछा, "मैडम की क्या इच्छा है?"
बर्क, कॉफी कैसी रहेगी? क्या कहते हो?
“अरे, छोड़ो!” निर्देशक ने आक्रामक लहजे में कहा, अचानक बार से उठकर सिर झुकाए और मुट्ठी भींचे कमरे से बाहर निकल गया। कुछ ही देर बाद सामने का

दरवाजा ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनाई दी। भावहीन होकर क्रिस ने कार्ल की ओर मुड़कर बेजान स्वर में कहा, “सभी फोन अनप्लग कर दो।”
जी जी महोदया। और कुछ?
"अच्छा, ठीक है, शायद थोड़ी कैफीन-मुक्त कॉफी ले लें।"
मैं इसे लाता हूँ।
“रैग्स कहाँ है?”
“प्लेरूम में नीचे। क्या मैं उसे बुलाऊं?”
“हाँ, सोने का समय हो गया है। अरे नहीं, ज़रा रुको, कार्ल! नहीं, कोई बात नहीं। मैं खुद नीचे जा रही हूँ।” उसे चिड़िया की याद आ गई और वह तहखाने की सीढ़ियों की ओर चल पड़ी। “वापस आकर मैं डिकैफ़ कॉफ़ी पी लूँगी।”
जी महोदया। जैसा आप चाहें।
और एक बार फिर, मैं श्री डेनिंग्स की ओर से माफी मांगता हूं।
मैं इस पर ध्यान नहीं देता।
क्रिस रुका और थोड़ा पीछे मुड़ा। "हाँ, मुझे पता है। यही बात उसे पागल कर रही है।"
पीछे मुड़कर, क्रिस घर के प्रवेश कक्ष की ओर चला, तहखाने की सीढ़ियों का दरवाजा खोला और नीचे उतरने लगा। "अरे, बदबूदार! नीचे क्या कर रहे हो? क्या तुमने मेरे लिए वह पक्षी तैयार कर लिया है?"
“ओह, जी हां, मां! आओ और देखो! नीचे आ जाओ! सब काम पूरा हो गया है!”
बच्चों के खेलने का कमरा लकड़ी के पैनल से बना था और उसे चमकीले ढंग से सजाया गया था। उसमें कई तरह के स्टैंड थे। चित्रकारी थी। एक फोनोग्राफ था। खेल खेलने के लिए मेजें और मूर्तिकला के लिए एक मेज थी। पिछले किराएदार के किशोर बेटे की पार्टी से बची हुई लाल और सफेद झालरें भी लगी हुई थीं।
“ओह, प्यारी, ये तो बहुत बढ़िया है!” क्रिस ने कहा जब रीगन ने बड़े ही शान से उसे वो मूर्ति थमा दी। पूरी तरह से सूखी न होने के कारण, ये एक “चिंता पक्षी” जैसी दिखती थी और नारंगी रंग से रंगी हुई थी, सिवाय चोंच के, जिस पर हरे और सफेद रंग की धारियाँ बनी हुई थीं। सिर पर पंखों का एक गुच्छा चिपकाया गया था।
"क्या तुम्हें यह सच में पसंद आया?" रीगन ने चौड़ी मुस्कान के साथ पूछा।
"ओह, प्रिये, मुझे पता है, सचमुच पता है। क्या तुमने इसका कोई नाम रखा है?"
रीगन ने सिर हिलाया। "नहीं, अभी नहीं।"
"अच्छा वाला कौन सा है?"
"मुझे नहीं पता," रीगन ने अपने हाथों की हथेलियों को ऊपर उठाते हुए और कंधे उचकाते हुए जवाब दिया।
क्रिस ने अपने नाखूनों को दांतों पर हल्के से थपथपाते हुए, सोच-विचार करते हुए अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "देखने दो, देखने दो," उसने धीरे से कहा, सोचते हुए, फिर अचानक उसकी आँखें चमक उठीं और बोलीं, "अरे, 'डंबबर्ड' कैसा रहेगा? हाँ? क्या सोचते हो? बस वही पुराना 'डंबबर्ड'!"
अपने दांतों पर लगे ब्रेसेस को छिपाने के लिए सहज रूप से एक हाथ से अपना मुंह ढकते हुए, रीगन खिलखिलाकर हंसी और जोर से अपना सिर हिलाया।
“ठीक है, ‘डंबबर्ड’ की जीत पक्की है!” क्रिस ने मूर्ति को हवा में लहराते हुए विजयी भाव से घोषणा की। मूर्ति को नीचे रखते हुए उसने कहा, “मैं इसे कुछ देर यहीं सूखने के लिए छोड़ दूंगी और फिर इसे अपने कमरे में रख दूंगी।”

क्रिस कुछ ही फीट दूर एक गेम टेबल पर चिड़िया रख रही थी, तभी उसकी नज़र वहाँ ओइजा बोर्ड पर पड़ी। वह भूल ही गई थी कि उसके पास यह है। दूसरों के बारे में जानने की उत्सुकता के साथ-साथ खुद के बारे में भी जानने की उत्सुकता के कारण, उसने इसे शायद अपने अवचेतन मन के सुराग पाने के लिए खरीदा था। हालाँकि, यह कारगर नहीं हुआ, उसने इसे एक-दो बार शैरन के साथ और एक बार डेनिंग्स के साथ इस्तेमाल किया था। डेनिंग्स ने जानबूझकर प्लास्टिक के तख्ते को इस तरह घुमाया था ("क्या तुम इसे घुमा रही हो, डकी? क्या तुम?") कि सारे "आत्माओं के संदेश" अश्लील हो गए थे, और फिर बाद में उसने इसका दोष "बदमाश आत्माओं" पर डाल दिया था!
“क्या तुम ओइजा बोर्ड से खेल रही थी, रैग्स, हनी?”
"अरे हाँ।"
“तुम्हें पता है कैसे?”
“अच्छा, ठीक है। मैं आपको दिखाता हूँ।”
रीगन बोर्ड के समक्ष बैठने के लिए आगे बढ़ रहे थे।
"अच्छा, मुझे लगता है कि तुम्हें दो लोगों की ज़रूरत है, प्रिये।"
“नहीं, माँ, ऐसा नहीं है; मैं तो इसे हर समय करता हूँ।”
क्रिस कुर्सी खींचकर बैठ गया। "चलो, हम दोनों खेलते हैं, ठीक है?"
एक झिझक। और फिर, "ठीक है।" बच्ची ने अपनी उंगलियों को प्लानचेट के ऊपर हल्के से रखा हुआ था और जैसे ही क्रिस ने अपनी उंगलियों को रखने के लिए हाथ बढ़ाया, प्लानचेट तेजी से बोर्ड पर 'नहीं' के निशान वाली जगह पर चला गया।
क्रिस ने शरारती मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा। “ ‘माँ, मैं इसे खुद करना पसंद करूँगा’? क्या यही बात है? आप नहीं चाहतीं कि मैं खेलूँ?”
“नहीं, मैं करता हूँ! कैप्टन हाउडी ने ‘नहीं’ कहा था।”
“कौन सा कप्तान?”
"कैप्टन हाउडी।"
"हनी, कैप्टन हाउडी कौन है?"
"अरे, आपको पता ही है: मैं सवाल पूछता हूँ और वो जवाब देता है।"
"अरे हां?"
वह बहुत अच्छे इंसान हैं।
क्रिस ने माथे पर शिकन न आने देने की कोशिश की, क्योंकि उसे एक हल्की सी चिंता सताने लगी थी। रीगन अपने पिता से बहुत प्यार करती थी, फिर भी उसने अपने माता-पिता के तलाक पर कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाई थी। शायद रीगन अपने कमरे में रोई हो; कौन जानता है? लेकिन क्रिस को डर था कि उसकी बेटी अपने गुस्से और दुख दोनों को दबा रही है और एक दिन यह बांध टूट जाएगा और उसकी भावनाएं किसी अनजाने और हानिकारक रूप में फूट पड़ेंगी। क्रिस ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। एक काल्पनिक साथी। यह ठीक नहीं लग रहा था। और "हाउडी" नाम क्यों? हॉवर्ड के लिए? उसके पिता के लिए? काफी मिलता-जुलता।
"तो फिर तुम एक बेवकूफ पक्षी का नाम भी नहीं सोच पाए, और फिर तुमने मुझे 'कैप्टन हाउडी' जैसा नाम दे दिया? रैग्स, तुम उसे ऐसा क्यों बुलाते हो?"
रीगन खिलखिलाकर हंस पड़ी। "क्योंकि उसका नाम ही यही है, ज़ाहिर है।"
“कौन कहता है?”
"ठीक है, वो।"

"ओह, ठीक है, बिल्कुल।"
"बिल्कुल।"
और वह तुमसे और क्या कहता है?
"सामग्री।"
“कौन सी चीजें?”
रीगन ने कंधे उचकाए और दूसरी तरफ देखने लगी। "पता नहीं। बस यूं ही बातें।"
"उदाहरण के लिए।"
रीगन पीछे मुड़ी और बोली, "ठीक है, तो मैं तुम्हें दिखाती हूँ। मैं उससे कुछ सवाल पूछूँगी।"
"अच्छा विचार।"
दिल के आकार के बेज रंग के प्लास्टिक के तख्ते पर दोनों हाथों की उंगलियां टिकाकर, रीगन ने एकाग्रता से अपनी आंखें कसकर बंद कर लीं। "कैप्टन हाउडी, क्या आपको नहीं लगता कि मेरी माँ सुंदर हैं?" उसने पूछा।
पांच सेकंड बीत गए। फिर दस।
“कैप्टन हाउडी?”
कोई हलचल नहीं हुई। क्रिस हैरान रह गई। उसे उम्मीद थी कि उसकी बेटी प्लानचेट को 'हाँ' लिखे सेक्शन पर खिसकाएगी। अब क्या? वह घबरा गई। क्या कोई अवचेतन दुश्मनी है? क्या वह अपने पिता को खोने के लिए मुझे दोषी ठहरा रही है? मतलब, ये क्या?
रीगन ने आंखें खोलीं और सख्त लहजे में बोली, "कैप्टन हाउडी, यह शिष्टाचार के विरुद्ध है," उसने फटकार लगाई।
"हनी, शायद वो सो रहा हो," क्रिस ने कहा।
"क्या तुम्हें लगता है?"
मुझे लगता है कि आपको सो जाना चाहिए।
“आह्ह्ह्ह, माँ!”
क्रिस खड़ा हो गया। "हाँ, चलो, जान। उठो! कैप्टन हाउडी को शुभ रात्रि कहो।"
“नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगी। वह एक घटिया इंसान है,” रीगन ने रूठते हुए बुदबुदाया।
वह उठी और क्रिस के पीछे सीढ़ियों से ऊपर चली गई।
क्रिस ने उसे बिस्तर पर लिटाया और फिर बिस्तर के किनारे बैठ गया। "डार्लिंग, रविवार को छुट्टी है। कुछ करना चाहोगी?"
“हाँ, माँ। जैसे क्या?”
जब वे पहली बार वाशिंगटन आए थे, तो क्रिस ने रीगन के लिए खेलने वाले दोस्त ढूंढने की कोशिश की थी। उसे केवल एक ही दोस्त मिली थी, जूडी नाम की बारह साल की लड़की। लेकिन जूडी का परिवार ईस्टर की छुट्टियों में बाहर गया हुआ था, और क्रिस को अब चिंता थी कि रीगन को अपनी उम्र के साथियों की कमी खल सकती है।
क्रिस ने कंधे उचकाए। "ओह, खैर, मुझे नहीं पता," उसने कहा। "कुछ तो। क्या हम शहर में घूमकर स्मारक वगैरह देखें? अरे, चेरी के फूल, रेग्स! हाँ, इस साल वे जल्दी खिल गए हैं! क्या तुम उन्हें देखना चाहोगी?"
“ओह, हाँ, माँ!”
“अच्छा, ठीक है! और फिर कल रात एक फिल्म!?”
"ओह मैं तुमसे प्यार करता हूं!"

रीगन ने अपनी मां को गले लगाया और क्रिस ने भी उसे और भी जोश से गले लगाते हुए फुसफुसाया, "ओह, प्यारी, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।"
"अगर आप चाहें तो मिस्टर डेनिंग्स को ला सकते हैं।"
क्रिस गले लगने के बाद पीछे हट गया और रीगन की ओर हैरानी से देखते हुए बोला, "मिस्टर डेनिंग्स?"
“जी हां, मां। कोई बात नहीं।”
“अरे नहीं, ऐसा नहीं है!” क्रिस हंसते हुए बोला। “हनी, मैं मिस्टर डेनिंग्स को क्यों लाना चाहूंगा?”
"अच्छा, तुम्हें वो पसंद है, है ना?"
"ओह, हाँ, मुझे वो पसंद है, जान। क्या तुम्हें नहीं?"
रीगन ने दूसरी ओर देखते हुए कोई जवाब नहीं दिया। उसकी माँ ने चिंता से उसकी ओर देखा। "बेटी, क्या हो रहा है?" क्रिस ने पूछा।
“आप उससे शादी करने वाली हैं ना, मम्मी?”
यह एक प्रश्न से अधिक एक निराशाजनक तथ्य का बयान था।
क्रिस खिलखिलाकर हंस पड़ा। "अरे, मेरी जान, बिलकुल नहीं! तुम ये क्या कह रही हो? मिस्टर डेनिंग्स? तुम्हें ये ख्याल कहां से आया?"
"लेकिन तुमने कहा था कि तुम उसे पसंद करते हो।"
मुझे पिज्जा पसंद है, लेकिन मैं कभी किसी पिज्जा से शादी नहीं करूंगी! रीगन, वो मेरा दोस्त है, बस एक पुराना सनकी दोस्त!
"क्या तुम उसे पापा की तरह पसंद नहीं करती?"
“मैं तुम्हारे पापा से बहुत प्यार करती हूँ, बेटा; मैं हमेशा तुम्हारे पापा से प्यार करती रहूँगी। मिस्टर डेनिंग्स यहाँ अक्सर आते हैं क्योंकि वो अकेले हैं, बस इतना ही; वो बस एक अकेले, मजाकिया दोस्त हैं।”
मैंने सुना है...
“तुमने क्या सुना? किससे सुना?”
आँखों में संदेह की हल्की-सी झलक; झिझक; फिर कंधे उचकाकर बात को टाल देना। "मुझे नहीं पता," रीगन ने आह भरी। "मैंने बस सोचा था।"
"खैर, यह बेवकूफी है, इसलिए इसे भूल जाओ।"
"ठीक है।"
"अब सो जाओ।"
मुझे नींद नहीं आ रही है। क्या मैं पढ़ सकता हूँ?
"हाँ, मैंने तुम्हारे लिए जो नई किताब लाई है, उसे पढ़ो।"
"धन्यवाद, मम्मी।"
शुभ रात्रि, प्रिय। चैन से सो जाओ।
"शुभ रात्रि।"
क्रिस ने दरवाजे से उसे एक चुंबन दिया और दरवाजा बंद कर दिया, फिर सीढ़ियों से उतरकर उसके स्टडी रूम में चली गई। बच्चे! इन्हें ये विचार कहाँ से आते हैं! उसने सोचा कि क्या रीगन ने डेनिंग्स को अपने तलाक के आवेदन से किसी तरह जोड़ा है। हॉवर्ड यही चाहता था। लंबे समय तक अलगाव। एक सुपरस्टार के पति के रूप में अहंकार का टूटना। उसे कोई और मिल गया था। लेकिन रीगन को यह नहीं पता था, उसे सिर्फ इतना पता था कि क्रिस ने ही तलाक का आवेदन दिया था। अरे, ये सब

शौकिया मनोवैज्ञानिक विश्लेषण बंद करो और उसके साथ थोड़ा और समय बिताने की कोशिश करो। सच में!
अध्ययन कक्ष में, क्रिस "होप" नामक कविता पढ़ने के लिए बैठ गई थी, तभी आधे रास्ते में उसे कदमों की आहट सुनाई दी और उसने ऊपर देखा तो रीगन नींद में उसकी ओर आ रही थी और अपनी आंख के कोने पर उंगली रगड़ रही थी।
"अरे, प्यारी! क्या हुआ?"
“मम्मी, ये बहुत अजीब आवाजें आ रही हैं।”
“आपके कमरे में?”
"हां, मेरे कमरे में। ऐसा लगता है जैसे कोई दस्तक दे रहा हो और मुझे नींद नहीं आ रही है।"
आखिर वो जाल हैं कहाँ!
"प्रिय, मेरे बेडरूम में सो जाओ और मैं देख लूंगी कि क्या बात है।"
क्रिस रीगन को मास्टर बेडरूम में ले गया और उसे कंबल ओढ़ा रहा था तभी रीगन ने पूछा, "क्या मैं सोने से पहले थोड़ी देर टीवी देख सकती हूँ?"
“तुम्हारी किताब कहाँ है?”
मुझे यह नहीं मिल रहा है। क्या मैं इसे देख सकता हूँ?
"ओह, ठीक है, मुझे लगता है ऐसा ही है। ज़रूर।"
क्रिस ने बेडसाइड टेबल से रिमोट उठाया और एक चैनल लगाया। "क्या आवाज़ काफी है?"
“जी माँ। धन्यवाद।”
क्रिस ने रिमोट को बिस्तर पर रख दिया।
“ठीक है, बेटा; बस इसे तब तक देखो जब तक तुम्हें नींद न आ जाए? ठीक है? फिर इसे बंद कर देना।”
क्रिस ने लाइट बंद की और फिर हॉल में चली गई, जहाँ वह अटारी की ओर जाने वाली संकरी, हरे रंग की कालीन वाली सीढ़ियों पर चढ़ी, दरवाजा खोला, लाइट स्विच को टटोला, उसे पाया, चालू किया और फिर अधूरी अटारी में प्रवेश किया, जहाँ उसने कुछ कदम चले और फिर रुक गई और धीरे-धीरे चारों ओर देखा। प्रेस की कतरनें और बक्सों में रखे पत्र चीड़ की लकड़ी के फर्श पर करीने से रखे थे। उसे और कुछ नहीं दिखा। सिवाय चूहे पकड़ने के जालों के। छह जाल। चारा लगा हुआ। फिर भी वह जगह बिल्कुल साफ-सुथरी लग रही थी। हवा भी साफ और ठंडी महक रही थी। अटारी में हीटिंग की व्यवस्था नहीं थी। कोई पाइप नहीं, कोई रेडिएटर नहीं, छत में प्रवेश के लिए कोई छोटे छेद नहीं थे। क्रिस ने एक कदम आगे बढ़ाया।
"यहां कुछ नहीं है!" उसके पीछे से एक आवाज आई।
क्रिस एकदम चौंक गई। "हे भगवान!" वह हांफते हुए बोली, तेज़ी से मुड़ी और अपने धड़कते दिल पर हाथ रख लिया। "हे भगवान, कार्ल, ऐसा मत करो!"
वह अटारी की ओर जाने वाली सीढ़ियों पर दो पायदान नीचे खड़ा था।
"मुझे बहुत खेद है। लेकिन देखिए, महोदया? सब कुछ साफ है।"
अभी भी थोड़ी सांस फूल रही थी, क्रिस ने कमजोर आवाज में कहा, "कार्ल, मेरे साथ यह जानकारी साझा करने के लिए धन्यवाद। हाँ, यह साफ है। धन्यवाद। यह बहुत बढ़िया है।"
"मैडम, शायद बिल्ली बेहतर रहेगी।"

"बिल्ली किसलिए बेहतर है?"
चूहों को पकड़ने के लिए।
जवाब का इंतज़ार किए बिना, कार्ल सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा और जल्द ही क्रिस की नज़रों से ओझल हो गया। कुछ देर तक वह खुले दरवाज़े को देखती रही, सोचती रही कि क्या कार्ल ने जानबूझकर बदतमीज़ी की थी। उसे पक्का पता नहीं था। वह फिर मुड़ी, खटखटाहट की आवाज़ का कारण ढूंढने के लिए। उसने तिरछी छत की ओर देखा। सड़क पर विशाल पेड़ थे, जिनमें से ज़्यादातर टेढ़े-मेढ़े और लताओं से लिपटे हुए थे, और उनमें से एक विशाल बासवुड पेड़ की शाखाएँ घर के सामने के एक तिहाई हिस्से को हल्के से छू रही थीं। क्या ये गिलहरियाँ थीं? क्रिस ने सोचा। ज़रूर होंगी। या शायद सिर्फ़ शाखाएँ ही हों। पिछली कुछ रातें हवादार रही थीं।
"शायद बिल्ली बेहतर है।"
क्रिस ने पीछे मुड़कर फिर से दरवाजे की ओर देखा। "कितने चालाक हो, कार्ल?" उसने मन ही मन सोचा। फिर अचानक उसका चेहरा शरारती हो गया। वह रीगन के बेडरूम में गई, कुछ उठाया, उसे अटारी में वापस ले आई और एक मिनट बाद बेडरूम में लौट आई। रीगन सो रही थी। क्रिस उसे उसके कमरे में ले गई, उसे बिस्तर पर लिटाया, फिर अपने बेडरूम में वापस चली गई, जहाँ उसने टेलीविजन बंद किया और सो गई।
उस रात घर में खास तौर पर सन्नाटा था।
अगली सुबह नाश्ता करते समय, क्रिस ने कार्ल को लापरवाही से बताया कि रात के दौरान उसे लगा कि उसने चूहों को पकड़ने वाले जालों में से एक के बंद होने की आवाज सुनी थी।
“चलकर देखना चाहोगे?” क्रिस ने कॉफी की चुस्की लेते हुए और वॉशिंगटन पोस्ट में मग्न होने का नाटक करते हुए कहा, जबकि कार्ल बिना कुछ कहे मामले की छानबीन करने के लिए अटारी में चला गया। कुछ मिनट बाद जब वह लौट रहा था, तो क्रिस दूसरी मंजिल के हॉल में उससे मिली। उसकी निगाहें सीधे आगे की ओर थीं, वह बिना किसी भाव के स्थिर भाव से चल रहा था, उसके हाथों में मिकी माउस की बड़ी गुड़िया थी जिसका मुंह उसने एक पिंजरे से निकाला था। जब वे दोनों एक-दूसरे के पास से गुजरे, तो क्रिस ने उसे धीरे से कहते सुना, “कोई तो बहुत मज़ेदार है।”
क्रिस अपने बेडरूम में दाखिल हुई, और काम पर जाने के लिए कपड़े पहनने से पहले जब उसने अपना बाथरोब उतारा, तो उसने धीरे से बुदबुदाया, "हाँ, शायद बिल्ली बेहतर है... बहुत बेहतर।"
जब वह मुस्कुराई, तो उसका पूरा चेहरा झुर्रियों से भर गया।
उस दिन शूटिंग सुचारू रूप से चली। सुबह बाद में, शेरोन सेट पर आईं और दृश्यों के बीच के ब्रेक के दौरान, अपने पोर्टेबल ड्रेसिंग रूम में, उन्होंने और क्रिस ने कुछ व्यावसायिक मामलों पर चर्चा की: अपने एजेंट को एक पत्र (वह स्क्रिप्ट पर विचार करेंगी); व्हाइट हाउस को स्वीकृति पत्र; हॉवर्ड को एक तार जिसमें उन्हें रीगन के जन्मदिन पर फोन करने की याद दिलाई गई थी; अपने बिजनेस मैनेजर को फोन करके पूछा कि क्या वह एक साल की छुट्टी ले सकती हैं; और फिर 23 अप्रैल को होने वाली डिनर पार्टी की योजना बनाई।
शाम के समय, क्रिस रीगन को फिल्म दिखाने ले गया, और अगले दिन वे क्रिस की लाल जगुआर एक्सकेई में दर्शनीय स्थलों की सैर पर निकले। कैपिटल बिल्डिंग,

लिंकन मेमोरियल, चेरी ब्लॉसम के फूल। कुछ खाने के लिए रुके। फिर नदी पार करके आर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान और अज्ञात सैनिक की समाधि पर गए, जहाँ रीगन गंभीर हो गई, जबकि बाद में, जॉन एफ. कैनेडी की कब्र पर, वह कुछ उदास और गुमसुम सी लग रही थी। उसने कुछ देर तक "शाश्वत लौ" को देखा, और फिर चुपचाप अपनी माँ का हाथ थामते हुए, भावहीन स्वर में कहा, "माँ, लोगों को मरना क्यों पड़ता है?"
इस सवाल ने उसकी माँ के दिल को झकझोर दिया। ओह, रैग्स, तुम भी? तुम भी? ओह, नहीं! फिर भी वह उसे क्या बता सकती थी? झूठ? नहीं, वह ऐसा नहीं कर सकती थी। उसने अपनी बेटी के ऊपर उठे चेहरे को देखा, उसकी आँखों में आँसू भर आए थे। क्या रीगन ने उसके मन की बात जान ली थी? उसने पहले भी कई बार ऐसा किया था। "बेटी, लोग थक जाते हैं," उसने रीगन से प्यार से कहा।
“भगवान उन्हें ऐसा करने की अनुमति क्यों देते हैं?”
अपनी बेटी की ओर देखते हुए क्रिस चुप रही। असमंजस में। परेशान। नास्तिक होने के नाते, उसने रीगन को कभी धर्म के बारे में नहीं सिखाया था। उसे लगता था कि ऐसा करना बेईमानी होगी। "तुम्हें भगवान के बारे में कौन बता रहा है?" उसने पूछा।
“शेरोन।”
"ओह।"
उसे उससे बात करनी होगी।
“माँ, भगवान हमें थकने क्यों देते हैं?”
उन संवेदनशील आँखों में दर्द को देखते हुए, क्रिस ने हार मान ली; वह उसे यह नहीं बता सकी कि वह वास्तव में क्या मानती थी। जो कि कुछ भी नहीं था। "खैर, कुछ समय बाद भगवान को हमारी याद सताने लगती है, रैग्स। वह हमें वापस चाहता है।"
रीगन एकदम चुप हो गई। घर वापस आते समय पूरी यात्रा में वह बिल्कुल शांत रही, उसका यह मनोभाव उस दिन के बाकी समय और फिर, चिंताजनक रूप से, पूरे सोमवार तक बना रहा।
मंगलवार को, रीगन के जन्मदिन पर, अजीब सी खामोशी और उदासी का माहौल कुछ टूटता हुआ सा लगा। क्रिस उसे शूटिंग के लिए अपने साथ ले गया, और जब शूटिंग का दिन खत्म हुआ, तो बारह जलती हुई मोमबत्तियों वाला एक बड़ा सा केक लाया गया, और फिल्म के कलाकारों और क्रू ने "हैप्पी बर्थडे" गाया। हमेशा शांत और सौम्य स्वभाव के डेनिंग्स ने लाइटें दोबारा चालू करवाईं और इसे ज़ोर-ज़ोर से "स्क्रीन टेस्ट" कहते हुए, रीगन के मोमबत्तियाँ बुझाने और केक काटने का दृश्य फिल्माया, और फिर वादा किया कि वह उसे स्टार बना देगा। रीगन खुश और उत्साहित लग रही थी। लेकिन रात के खाने और तोहफे खोलने के बाद, माहौल फीका पड़ गया। हॉवर्ड की तरफ से कोई खबर नहीं थी। क्रिस ने रोम में उसे फोन किया, और उसके होटल के एक क्लर्क ने बताया कि वह कई दिनों से वहाँ नहीं आया है और उसने कोई फॉरवर्डिंग नंबर भी नहीं छोड़ा है। वह कहीं किसी नौका पर था।
क्रिस ने बहाने बनाए।
रीगन ने दबी हुई आवाज़ में सिर हिलाया और अपनी माँ के हॉट शॉप में शेक पीने जाने के सुझाव को ठुकरा दिया। बिना कुछ कहे, वह तहखाने के खेल के कमरे में चली गई और सोने के समय तक वहीं रही।

अगली सुबह जब क्रिस ने अपनी आंखें खोलीं, तो उसने रीगन को अपने साथ बिस्तर पर पाया, जो आधी नींद में थी।
“अरे वाह... रीगन, तुम यहाँ क्या कर रही हो?” क्रिस ने हंसते हुए कहा।
“माँ, मेरा बिस्तर हिल रहा था।”
“अरे, तुम पागल हो!” क्रिस ने उसे चूमा और कंबल ऊपर खींच दिया। “सो जाओ। अभी बहुत जल्दी है।”
जो सुबह जैसा दिख रहा था, वह अंतहीन रात की शुरुआत थी।

अध्याय दो

वह सुनसान सबवे प्लेटफॉर्म के किनारे खड़ा था, किसी ट्रेन की गड़गड़ाहट सुनने का इंतज़ार कर रहा था जो उसके अंदर के उस दर्द को शांत कर दे जो हमेशा उसके साथ रहता था। उसकी धड़कन की तरह। जो सिर्फ़ खामोशी में सुनाई देती थी। उसने अपना बैग दूसरे हाथ में लिया और सुरंग की ओर देखने लगा। रोशनी के बिंदु। वे अंधेरे में निराशा के मार्गदर्शक की तरह फैले हुए थे।
खांसी की आवाज। उसने बाईं ओर देखा। भूरे बालों वाला एक लाचार आदमी, अपने पेशाब के गड्ढे में जमीन पर बेसुध पड़ा था, उठ बैठा था, उसकी पीली आँखें टूटे-फूटे, उदास चेहरे वाले पुजारी पर टिकी हुई थीं।
पुजारी ने नज़रें फेर लीं। वह आएगा। वह गिड़गिड़ाएगा। क्या आप एक बूढ़े वेदी सेवक की मदद कर सकते हैं, फादर? क्या आप करेंगे? उल्टी से सना हाथ कंधे पर दबा हुआ था। जेब में पवित्र पदक ढूँढ़ने के लिए हाथ-पैर मारना। हज़ारों पापों की दुर्गंध से भरी साँस, जिसमें शराब, लहसुन और बासी नश्वर पापों की गंध एक साथ निकल रही थी, और दम घोंट रही थी... दम घोंट रही थी...
पुजारी ने परित्यक्त व्यक्ति को उठते हुए सुना।
मत आओ!
कदमों की आहट सुनाई दी।
हे भगवान, मुझे अकेला छोड़ दो!
"हाय, फद्दाह।"
वह सिहर उठा। लड़खड़ा गया। करवट नहीं ले सका। दुर्गंध और खाली आँखों में फिर से मसीह को ढूँढ़ने की उसकी इच्छा अपूरणीय थी; उस मसीह को जो मवाद और खून से लथपथ मल से बना था, उस मसीह को जो हो ही नहीं सकता था। अनमने भाव से उसने अपने कोट की आस्तीन को टटोला, मानो किसी अदृश्य शोक की लकीर को महसूस कर रहा हो। उसे धुंधला सा एक और मसीह याद आया।
मैं कैथोलिक हूँ, पिताजी!
आती हुई ट्रेन की हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दी। फिर लड़खड़ाने की आवाज़ आई। पादरी ने मुड़कर देखा। वह भिखारी लड़खड़ा रहा था, बेहोश होने ही वाला था, और एक झटके में पादरी उसके पास पहुँचा; उसे पकड़ा; और दीवार से लगी बेंच तक घसीट कर ले गया।
“मैं कैथोलिक हूँ,” उस परित्यक्त व्यक्ति ने बुदबुदाते हुए कहा। “मैं कैथोलिक हूँ।”
पुजारी ने उसे नीचे उतारा; उसे सीधा लिटाया; उसकी ट्रेन देखी। उसने झटपट अपने बटुए से एक डॉलर निकाला और उसे उस बेघर आदमी की जैकेट की जेब में रख दिया। फिर उसे लगा कि कहीं वह डॉलर खो न जाए। उसने डॉलर निकाला, उसे

पेशाब से भीगी हुई अपनी पतलून की जेब में ठूंस दिया, फिर अपना बैग उठाया और ट्रेन में चढ़ गया। वह एक कोने में बैठ गया और ट्रेन के आखिरी स्टेशन तक सोने का नाटक करता रहा। स्टेशन पर पहुँचकर वह सड़क पर उतरा और फोर्डहम विश्वविद्यालय के लिए लंबी पैदल यात्रा शुरू की। वह डॉलर तो उसकी टैक्सी के लिए था।

जब वह आगंतुकों के लिए बने छात्रावास में पहुँचा, तो उसने रजिस्टर में अपना नाम दर्ज कराया। उसने लिखा, डेमियन कैरस। फिर उसने रजिस्टर को ध्यान से देखा। कुछ गड़बड़ थी। थके हुए मन से उसने याद किया और उसमें "एस.जे." जोड़ दिया, जो सोसाइटी ऑफ जीसस का संक्षिप्त रूप था। उसने वीगल हॉल में एक कमरा लिया और एक घंटे बाद आखिरकार उसे नींद आ गई।

अगले दिन उन्होंने अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन की एक बैठक में भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में उन्होंने "आध्यात्मिक विकास के मनोवैज्ञानिक पहलू" शीर्षक पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया और दिन के अंत में उन्होंने कुछ अन्य मनोचिकित्सकों के साथ कुछ पेय और भोजन का आनंद लिया। बिल उन्होंने ही चुकाया। वे उनसे जल्दी निकल गए। उन्हें अपनी माँ से मिलना था।

सबवे स्टेशन से वह मैनहट्टन की ईस्ट ट्वेंटी-फर्स्ट स्ट्रीट पर स्थित जर्जर भूरे पत्थर की इमारत तक पैदल गया। गहरे रंग के ओक के दरवाजे तक जाने वाली सीढ़ियों पर रुककर उसने बरामदे में बैठे बच्चों को देखा। बिखरे बालों वाले, फटे-पुराने कपड़े पहने हुए। बेघर। उसे बेदखली, अपमान, सातवीं कक्षा की प्रेमिका के साथ घर लौटना और गली के कोने पर कूड़ेदान में उम्मीद से कुछ ढूंढती अपनी माँ से मिलना याद आया। कैरस धीरे-धीरे सीढ़ियाँ चढ़ने लगा। उसे खाना पकने जैसी गंध आई। गर्म, नम, सड़ी हुई मीठी गंध जैसी। उसे अपनी माँ की सहेली, श्रीमती चोइरेली के छोटे से अपार्टमेंट में अठारह बिल्लियों के साथ बिताए पल याद आए। उसने रेलिंग को कसकर पकड़ा और चढ़ना शुरू किया, अचानक आई थकावट से वह बेहाल हो गया, जो उसे पता था कि अपराधबोध के कारण थी। उसे उसे कभी नहीं छोड़ना चाहिए था। अकेले नहीं। चौथी मंजिल पर पहुँचकर उसने अपनी जेब से चाबी निकाली और ताले में डाली: 4C, उसकी माँ का अपार्टमेंट। उसने दरवाजा ऐसे खोला जैसे कोई गहरा घाव हो।

उसका अभिवादन आनंदमय था। एक चीख। एक चुंबन। वह जल्दी से कॉफ़ी बनाने चली गई। सांवला रंग। छोटी, टेढ़ी-मेढ़ी टांगें। वह रसोई में बैठा उसकी बातें सुनता रहा, मैली दीवारें और गंदा फर्श उसकी हड्डियों तक समा रहा था। अपार्टमेंट एक झोपड़ी जैसा था। सामाजिक सुरक्षा और हर महीने उसके भाई से मिलने वाले कुछ डॉलर।

वह मेज पर बैठ गई। श्रीमती यह। अंकल वह। अभी भी आप्रवासी लहजे में। उसने उन आँखों से नज़रें बचाईं जो दुख के कुएँ थीं, वे आँखें जो दिनों से खिड़की से बाहर घूरती रहती थीं।

मुझे उसे कभी नहीं छोड़ना चाहिए था।

वह न तो अंग्रेज़ी पढ़ सकती थी और न ही लिख सकती थी, इसलिए बाद में उसने उसके लिए कुछ पत्र लिखे, और उसके बाद वह एक खटखटखट करते प्लास्टिक के रेडियो के ट्यूनर की मरम्मत करने में जुट गया। उसकी दुनिया। समाचार। मेयर लिंडसे।

वह बाथरूम में गया। टाइलों पर पौला पड़ा अखबार फैला हुआ था। बाथटब और सिंक पर जंग के धब्बे थे। फ़र्श पर एक पुराना कोर्सेट पड़ा था। ये उसके जीवन के उद्देश्य के बीज थे। इन्हीं से निकलकर वह प्रेम की ओर भागा था, लेकिन अब प्रेम ठंडा पड़ चुका था, और रात में उसे अपने हृदय के कक्षों में एक खोई हुई और धीमी सी रोती हुई हवा की तरह सीटी बजती सुनाई देती थी।
पौने ग्यारह बजे उसने उसे अलविदा कहते हुए चूमा और वादा किया कि वह जितनी जल्दी हो सकेगा वापस आ जाएगा।
वह रेडियो पर समाचार सुनते हुए चला गया।
वीगल हॉल स्थित अपने कमरे में वापस आकर, कैरस ने मैरीलैंड प्रांत के जेसुइट प्रमुख को पत्र लिखने के बारे में सोचा। उन्होंने पहले भी उनसे इस विषय पर चर्चा की थी: अपनी माँ के करीब रहने के लिए न्यूयॉर्क प्रांत में तबादला करने का अनुरोध; अध्यापन पद और परामर्श संबंधी कर्तव्यों से मुक्ति का अनुरोध। परामर्श संबंधी अनुरोध करते समय उन्होंने कार्य के लिए अपनी "अयोग्यता" का हवाला दिया था।
मैरीलैंड के प्रांतीय अधिकारी ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के अपने वार्षिक निरीक्षण दौरे के दौरान उनसे इस मुद्दे पर बात की थी। यह दौरा सेना के महानिरीक्षक के समान था, जिसमें शिकायत करने वालों को गोपनीय सुनवाई का अवसर दिया जाता था। डेमियन कैरस की माँ के मामले पर प्रांतीय अधिकारी ने सहमति जताते हुए अपनी सहानुभूति व्यक्त की; लेकिन उनका मानना था कि जेसुइट की "अयोग्यता" का प्रश्न कैरस के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाता। फिर भी, कैरस ने इस मामले को आगे बढ़ाया और जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष टॉम बर्मिंघम से संपर्क किया। “टॉम, यह सिर्फ़ मनोचिकित्सा का मामला नहीं है। आप जानते हैं। उनकी कुछ समस्याएँ उनके पेशे, उनके जीवन के अर्थ से जुड़ी होती हैं। टॉम, इसमें हमेशा यौन संबंध ही शामिल नहीं होते, यह उनकी आस्था से भी जुड़ा होता है, और मैं इसे सहन नहीं कर सकता। यह बहुत ज़्यादा है। मुझे इससे बाहर निकलना है।”
"समस्या क्या है?"
“टॉम, मुझे लगता है कि मैंने अपना विश्वास खो दिया है।”
बर्मिंघम ने उससे उसके संदेह के कारणों के बारे में पूछताछ नहीं की। जिसके लिए कैरस आभारी था। वह जानता था कि उसके जवाब बेतुके लगते। दांतों से भोजन फाड़ने और फिर शौच करने की ज़रूरत। मेरी माँ के नौ प्रथम शुक्रवार। बदबूदार मोज़ें। थैलिडोमाइड से पीड़ित बच्चे। अखबार में एक खबर जिसमें एक युवा वेदी सेवक बस स्टॉप पर इंतज़ार कर रहा था; अजनबियों ने उस पर हमला किया; केरोसिन छिड़का; आग लगा दी। नहीं। नहीं, बहुत भावुक। अस्पष्ट। अस्तित्ववादी। ईश्वर का मौन तर्क पर अधिक आधारित था। दुनिया में बुराई थी और इसका अधिकांश हिस्सा संदेह से, अच्छे इरादे वाले मनुष्यों के बीच एक ईमानदार भ्रम से उत्पन्न हुआ था। क्या एक तर्कसंगत ईश्वर इसे समाप्त करने से इनकार करेगा? क्या वह अंततः स्वयं को प्रकट नहीं करेगा? क्या वह बोलेगा नहीं?
“हे प्रभु, हमें एक संकेत दीजिए...”
सुदूर अतीत में लाज़रस के पुनरुत्थान की घटना धुंधली सी थी।
अब जीवित किसी ने भी उसकी हंसी नहीं सुनी थी।
तो फिर एक साइनबोर्ड क्यों नहीं?

कई बार कैरस को यह तीव्र इच्छा होती थी कि वह मसीह के साथ रहे, उन्हें देखे, उन्हें स्पर्श करे, उनकी आँखों में झाँके। हे मेरे ईश्वर, मुझे आपको देखने दो! मुझे आपको जानने दो! सपनों में आओ!
उस तीव्र लालसा ने उसे पूरी तरह से जकड़ लिया था।
अब वह कागज़ पर कलम लिए मेज पर बैठा था। शायद समय ने प्रांतीय अधिकारी को चुप नहीं कराया था। शायद कैरस ने सोचा, वह समझ गया था कि अंततः आस्था प्रेम का विषय है।
बर्मिंघम ने अनुरोधों पर विचार करने और प्रांतीय परिषद को प्रभावित करने का वादा किया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया था। कैरस ने पत्र लिखा और सोने चला गया।
वह सुबह 5 बजे सुस्ती से जागा, वीगल हॉल के चैपल में जाकर प्रार्थना सभा के लिए पवित्र रोटी (होस्ट) ली, फिर अपने कमरे में लौट आया। “ ‘एट क्लैमोर मेउस एड ते वेनियाट,’ ” उसने धीमी, व्यथित आवाज़ में प्रार्थना की: “ ‘हे प्रभु, मेरी पुकार तुझ तक पहुँचने दे...’ ” उसने पवित्र रोटी को उठाया, उस आनंद की पीड़ा से जो कभी उसे इससे प्राप्त हुआ था; हर सुबह की तरह, उसे फिर से दूर से, अनजाने में, एक बिछड़े हुए प्रेम की झलक का दर्द महसूस हुआ। उसने पवित्र रोटी को प्याले के ऊपर तोड़ दिया। “ ‘मैं तुम्हें शांति देता हूँ। मैं तुम्हें अपनी शांति प्रदान करता हूँ।’ ” उसने पवित्र रोटी को अपने मुँह में रखा और निराशा के कागज़ जैसे स्वाद को निगल लिया। प्रार्थना सभा समाप्त होने पर, उसने ध्यान से प्याले को चमकाया और फिर उसे अपने बैग में रख लिया। वह दर्द को काले सूटकेस में लिए वाशिंगटन वापस जाने वाली सात बजकर दस मिनट की ट्रेन के लिए दौड़ पड़ा।

अध्याय तीन

11 अप्रैल की सुबह-सुबह, क्रिस ने लॉस एंजिल्स में अपने डॉक्टर को फोन करके रीगन के लिए एक स्थानीय मनोचिकित्सक के पास रेफरल देने का अनुरोध किया।
“अरे? क्या हुआ?”
क्रिस ने बताया। रीगन के जन्मदिन के अगले दिन से—और हॉवर्ड के फोन न करने के बाद—उसने अपनी बेटी के व्यवहार और स्वभाव में अचानक और नाटकीय बदलाव देखा। नींद न आना। झगड़ालू स्वभाव। गुस्से के दौरे। चीजों को लात मारना। फेंकना। चीखना। खाना न खाना। इसके अलावा, उसकी ऊर्जा असामान्य लग रही थी। वह लगातार हिलती-डुलती, छूती, घूमती, थपथपाती, दौड़ती और कूदती रहती थी। पढ़ाई में पिछड़ रही थी। काल्पनिक खेल साथी। ध्यान खींचने के लिए अजीबोगरीब हरकतें।
“जैसे कि क्या?” चिकित्सक ने पूछा।
क्रिस ने खटखटाहट की आवाज़ों से शुरुआत की। जिस रात उसने अटारी की जाँच की थी, उसके बाद उसने दो बार फिर से ये आवाज़ें सुनीं, और दोनों ही बार उसने देखा कि रीगन कमरे में मौजूद थी और क्रिस के प्रवेश करते ही खटखटाहट बंद हो जाती थी। दूसरी बात, उसने क्रिस को बताया, रीगन कमरे में चीज़ें "खो देती" थी: एक ड्रेस; उसका टूथब्रश; किताबें; उसके जूते। वह शिकायत करती थी कि "कोई उसका फर्नीचर इधर-उधर कर रहा है"। आखिरकार, व्हाइट हाउस में डिनर के बाद अगली सुबह, क्रिस ने कार्ल को रीगन के बेडरूम में एक अलमारी को कमरे के बीचोंबीच से उठाकर उसकी जगह पर रखते हुए देखा। जब क्रिस ने उससे पूछा कि वह क्या कर

रहा है, तो उसने अपना वही पुराना जवाब दोहराया, "कोई शरारती है," और आगे कुछ भी बताने से इनकार कर दिया; लेकिन कुछ ही समय बाद, क्रिस ने रीगन को रसोई में यह शिकायत करते हुए पाया कि जब वह सो रही थी, तब रात में किसी ने उसका सारा फर्नीचर इधर-उधर कर दिया था, और क्रिस ने बताया कि यही वह घटना थी जिसने आखिरकार उसके संदेह को पुख्ता कर दिया। यह स्पष्ट था कि यह सब उसकी बेटी ही कर रही थी।
“तुम्हारा मतलब है नींद में चलना? क्या वो नींद में ही ऐसा कर रही है?”
“नहीं, मार्क, वह जागते समय ऐसा करती है। ध्यान आकर्षित करने के लिए।”
क्रिस ने हिलते हुए बिस्तर का जिक्र किया, जो दो बार और हुआ था, और हर बार रीगन ने अपनी मां के साथ सोने की जिद की थी।
"खैर, यह शारीरिक समस्या हो सकती है," आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ ने अनुमान लगाया।
“नहीं, मार्क, मैंने यह नहीं कहा कि बिस्तर हिल रहा था; मैंने तो यह कहा था कि रीगन ने कहा था कि वह हिल रहा था।”
क्या आपको पता है कि ऐसा नहीं था?
"नहीं वाकई में नहीं।"
"शायद ये क्लोनिक ऐंठन हो सकती है," उसने धीरे से कहा।
"वह क्या था?"
“क्लोनिक ऐंठन। क्या बुखार है?”
“नहीं। सुनो, तुम क्या सोचते हो?” क्रिस ने उससे पूछा। “क्या मुझे उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाना चाहिए या क्या?”
“क्रिस, तुमने उसकी स्कूल की पढ़ाई का जिक्र किया था। गणित में उसकी क्या स्थिति है?”
"क्यों?"
“वह कैसी है?” उसने बार-बार पूछा।
“बिल्कुल सड़ा हुआ। मेरा मतलब है, अचानक से सड़ा हुआ।”
"अच्छा ऐसा है।"
“तुमने क्यों पूछा?” क्रिस ने दोहराया।
"खैर, यह इस सिंड्रोम का ही एक हिस्सा है।"
“सिंड्रोम? किस चीज़ का सिंड्रोम?”
“कुछ गंभीर नहीं है। मैं फोन पर इसके बारे में अंदाज़ा लगाना पसंद नहीं करूंगा। क्या आपके पास पेंसिल है?”
वह उसे वाशिंगटन के एक आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ का नाम देना चाहता था।
“मार्क, क्या तुम यहाँ आकर खुद उसकी जाँच नहीं कर सकते?” वह जेमी और उसके लंबे समय से चले आ रहे संक्रमण को याद कर रही थी। उस समय क्रिस के डॉक्टर ने एक नई, व्यापक प्रभाव वाली एंटीबायोटिक दवा लिखी थी। पास की एक दवा की दुकान पर दवा दोबारा भरवाते समय फार्मासिस्ट थोड़ा संशय में था। “मैं आपको डराना नहीं चाहता, महोदया, लेकिन यह... यह अभी बाज़ार में नई है, और जॉर्जिया में पता चला है कि इससे छोटे लड़कों में एप्लास्टिक एनीमिया हो रहा है।” जेमी। चला गया। मर गया। तब से, क्रिस ने कभी डॉक्टरों पर भरोसा नहीं किया। केवल मार्क पर, और उसमें भी सालों लग गए। “मार्क, क्या तुम नहीं कर सकते?”

“नहीं, मैं नहीं कर सकता, लेकिन चिंता मत करो। मैं जिस आदमी की सिफारिश कर रहा हूँ, वह बहुत ही प्रतिभाशाली है। वह सबसे अच्छा है। अब एक पेंसिल ले आओ।”
कुछ देर हिचकिचाने के बाद, "मेरे पास एक है। उसका नाम क्या है?"
उसने उसे लिख लिया और फिर टेलीफोन नंबर भी लिख लिया।
“उन्हें फोन करके उसकी जांच करवा लें और फिर उनसे कहें कि वे मुझे फोन करें,” आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ ने सलाह दी। “और फिलहाल मनोचिकित्सक के बारे में भूल जाइए।”
"क्या आपको यकीन है?"
उन्होंने मनोदैहिक रोगों को पहचानने में आम जनता की तत्परता पर तीखी टिप्पणी की, जबकि वे इसके विपरीत को पहचानने में विफल रहते हैं: कि शरीर की बीमारी अक्सर मानसिक बीमारी का कारण होती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए पूछा, “अब आप क्या कहेंगे, मान लीजिए कि आप मेरे आंतरिक चिकित्सक हैं, और मैं आपसे कहूँ कि मुझे सिरदर्द, बार-बार आने वाले बुरे सपने, मतली, अनिद्रा और धुंधली दृष्टि की समस्या है; और साथ ही मैं आम तौर पर बेचैन महसूस करता हूँ और अपनी नौकरी को लेकर बहुत चिंतित हूँ? क्या आप कहेंगे कि मैं न्यूरोटिक हूँ?”
"मुझसे पूछना ठीक नहीं है, मार्क; मुझे पता है कि तुम बहुत ज्यादा सोचते हो और घबराते हो।"
“क्रिस, मैंने आपको जो लक्षण बताए हैं, वे मस्तिष्क ट्यूमर के लक्षणों के समान हैं। पहले शरीर की जांच करवाएं। उसके बाद देखेंगे।”
क्रिस ने डॉक्टर को फोन किया और उसी दोपहर का अपॉइंटमेंट ले लिया। अब उसका समय पूरी तरह से उसका अपना था। शूटिंग खत्म हो चुकी थी, कम से कम उसके लिए। बर्क डेनिंग्स ने अपना काम जारी रखा, और "सेकंड यूनिट" के काम की देखरेख करते रहे। यह एक विशेष दल था जो कम महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग कर रहा था, जिनमें ज्यादातर शहर के विभिन्न बाहरी दृश्यों के हेलीकॉप्टर शॉट्स, स्टंट वर्क और मुख्य अभिनेताओं के बिना वाले दृश्य शामिल थे। लेकिन डेनिंग्स चाहते थे कि हर एक चीज़ एकदम सही हो।
डॉक्टर आर्लिंगटन में थे। सैमुअल क्लेन। जब रीगन जांच कक्ष में नाराज़गी से बैठी थी, क्लेन ने उसकी माँ को अपने कार्यालय में बैठाया और संक्षिप्त रूप से उसकी समस्या का विवरण लिया। उसने उन्हें अपनी परेशानी बताई। उन्होंने सुना; सिर हिलाया; और विस्तार से नोट्स बनाए। जब उसने बिस्तर के हिलने का ज़िक्र किया, तो वे संदेह से भौंहें चढ़ाते हुए दिखे, लेकिन क्रिस ने अपनी बात जारी रखी:
"मार्क को ऐसा लग रहा था कि रीगन का गणित में कमजोर प्रदर्शन कुछ खास मायने रखता है। आखिर ऐसा क्यों था?"
"तुम्हारा मतलब स्कूल के काम से है?"
“हाँ, स्कूल का काम, लेकिन खासकर गणित। इसका क्या मतलब है?”
"ठीक है, श्रीमती मैकनील, जब तक मैं उसे देख न लूं, तब तक इंतजार कीजिए।"
इसके बाद उन्होंने कुछ देर के लिए खुद को अलग कर लिया और रीगन की पूरी जांच की, जिसमें उनके मूत्र और रक्त के नमूने लेना शामिल था। मूत्र का नमूना उनके यकृत और गुर्दे की कार्यप्रणाली की जांच के लिए था; रक्त का नमूना कई जांचों के लिए था: मधुमेह; थायरॉइड की कार्यप्रणाली; एनीमिया की संभावना का पता लगाने के लिए

लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या और रक्त संबंधी असामान्य बीमारियों का पता लगाने के लिए श्वेत रक्त कोशिकाओं की संख्या।
जब उनका काम समाप्त हो गया, तो क्लेन बैठकर रीगन से बातें करने लगे, उनके हाव-भाव का अवलोकन किया, और फिर अपने कार्यालय लौटकर एक पर्ची लिखने लगे। पर्ची लिखते हुए उन्होंने क्रिस से कहा, "ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अतिगतिशील व्यवहार विकार है।"
“क्या?”
“तंत्रिका संबंधी विकार। कम से कम हमें तो यही लगता है। हमें अभी तक ठीक से पता नहीं है कि यह कैसे काम करता है, लेकिन यह अक्सर किशोरावस्था के शुरुआती दौर में देखा जाता है। उसमें इसके सभी लक्षण दिखाई देते हैं: अति सक्रियता; गुस्सा; गणित में उसका प्रदर्शन।”
“हाँ, गणित। गणित क्यों?”
“इससे एकाग्रता पर असर पड़ता है।” उसने नीले रंग के छोटे पैड से पर्ची फाड़कर क्रिस को दे दी। उसने कहा, “यह रिटालिन की पर्ची है।”
"क्या?"
“मिथाइलफेनिडेट।”
"ओह, हाँ, वह।"
“दिन में दो बार दस मिलीग्राम। मैं सुबह आठ बजे और दोपहर दो बजे एक गोली लेने की सलाह दूंगा।”
क्रिस प्रिस्क्रिप्शन को ध्यान से देख रहा था।
“ये क्या है? कोई ट्रैंक्विलाइज़र?”
“एक उत्तेजक पदार्थ।”
“एक उत्तेजक पदार्थ? वह इस समय नशे में चूर है!”
क्लेन ने समझाया, "उसकी हालत वैसी नहीं है जैसी दिखती है। यह एक तरह की अतिप्रतिक्रिया है, अवसाद के प्रति एक अतिप्रतिक्रिया है।"
"अवसाद?"
क्लेन ने सिर हिलाया।
"अवसाद," क्रिस ने सोचते हुए बगल में और फर्श की ओर देखते हुए दोहराया।
"अच्छा, आपने उसके पिता का जिक्र किया था।"
क्रिस ने ऊपर देखा। "क्या आपको लगता है कि मुझे उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाना चाहिए, डॉक्टर साहब?"
“नहीं, ऐसा नहीं है। मैं रिटालिन के असर को देखना चाहूँगा। मुझे सच में लगता है कि यही सही समाधान है। चलिए दो-तीन हफ्ते इंतजार करते हैं।”
"तो आपको लगता है कि यह सब घबराहट की वजह से है।"
मुझे ऐसा ही संदेह है।
और वो झूठ जो वो बोलती आ रही है? क्या इससे वो सब बंद हो जाएगा?
उसके जवाब ने उसे हैरान कर दिया। उसने उससे पूछा कि क्या उसने कभी रीगन को गाली देते या अपशब्दों का प्रयोग करते देखा है।
“मज़ाकिया सवाल है। नहीं, कभी नहीं।”
"देखिए, यह उसके झूठ बोलने जैसी ही बात है—आपके बताए अनुसार यह असामान्य है, लेकिन तंत्रिका संबंधी कुछ विकारों में ऐसा हो सकता है—"

“एक मिनट रुको,” क्रिस ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “तुम्हें यह ख्याल कहाँ से आया कि वह अपशब्दों का इस्तेमाल करती है? मेरा मतलब है, क्या तुम यही कह रहे थे या मैंने गलत समझा?”
क्लेन ने कुछ क्षण तक उत्सुकता से उसकी ओर देखा, फिर सावधानीपूर्वक कहा, "हाँ, मैं कहूँगी कि वह अपशब्दों का प्रयोग करती है। क्या आपको इसकी जानकारी नहीं थी?"
मुझे अभी तक इसकी जानकारी नहीं है! आप किस बारे में बात कर रहे हैं?
"खैर, जब मैं उसकी जांच कर रही थी, तब उसने काफी हंगामा मचा दिया, श्रीमती मैकनील।"
“क्या आप मजाक कर रहे हैं, डॉक्टर? मतलब क्या?”
क्लेन ने टालमटोल भरा चेहरा बनाया। "ठीक है, बस इतना कह सकते हैं कि उसकी शब्दावली काफी विस्तृत है।"
“अच्छा, जैसे क्या? मतलब, मुझे एक उदाहरण दीजिए!”
क्लेन ने कंधे उचका दिए।
“तुम्हारा मतलब ‘शिट’ है? या ‘फक’?”
क्लेन ने राहत की सांस ली। "हां, उसने उन शब्दों का इस्तेमाल किया था," उसने कहा। और उसने क्या कहा? मेरा मतलब है, विशेष रूप से।
"खैर, विशेष रूप से, श्रीमती मैकनील ने मुझे सलाह दी थी कि मैं अपनी गंदी उंगलियां उसकी योनि से दूर रखूं।"
क्रिस सदमे से हांफने लगा। "उसने ये शब्द इस्तेमाल किए?"
"खैर, यह कोई असामान्य बात नहीं है, श्रीमती मैकनील, और आपको इसके बारे में बिल्कुल भी चिंता नहीं करनी चाहिए। जैसा कि मैंने कहा, यह सिंड्रोम का ही एक हिस्सा है।"
क्रिस अपने जूतों की ओर देखते हुए सिर हिला रही थी। उसने धीरे से कहा, "इस पर विश्वास करना बहुत मुश्किल है।"
"देखिए, मुझे शक है कि उसे खुद भी समझ में आया होगा कि वह क्या कह रही थी।"
“हाँ, शायद,” क्रिस ने धीरे से कहा। “ऐसा हो सकता है।”
क्लेन ने उसे सलाह दी, "रिटालिन लेकर देखो, फिर देखते हैं क्या होता है। और मैं दो हफ्ते बाद फिर से उसकी जांच करना चाहूंगा।"
उन्होंने अपनी मेज पर रखे कैलेंडर पर नजर डाली। "चलिए देखते हैं; चलिए इसे बुधवार, सत्ताईस तारीख मान लेते हैं। क्या यह सुविधाजनक रहेगा?"
“हाँ, ठीक है।” उदास और मायूस होकर क्रिस अपनी कुर्सी से उठी, पर्ची उठाई और उसे मोड़कर अपने कोट की जेब में रख लिया। “हाँ, ज़रूर। सत्ताईस तारीख ठीक रहेगी।”
हॉल में जाने वाला दरवाजा खोलते हुए क्लेन ने उससे कहा, "मैं आपका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।"
अपनी तर्जनी उंगली होंठों पर दबाए, सिर झुकाए, क्रिस दरवाजे पर रुकी रही, जैसे किसी सोच में डूबी हो। उसने डॉक्टर की ओर देखा। "डॉक्टर साहब, आपको क्या लगता है कि किसी मनोचिकित्सक से सलाह लेना ठीक नहीं होगा?"
“मुझे नहीं पता। लेकिन सबसे अच्छा स्पष्टीकरण हमेशा सबसे सरल होता है। चलिए इंतज़ार करते हैं। देखते हैं क्या होता है।” क्लेन ने हौसला बढ़ाते हुए मुस्कुराते हुए

कहा, “चिंता मत करो।”
"कैसे?"
जब क्रिस उसे घर ले जा रही थी, तो रीगन ने पूछा कि डॉक्टर ने उसे क्या बताया था।
उन्होंने बस इतना कहा कि तुम घबराए हुए हो।
"बस इतना ही?"
"बस इतना ही।"
क्रिस ने उसकी भाषा के बारे में बात न करने का फैसला किया था।
बर्क। उसने यह बर्क से ही सीखा होगा।
लेकिन बाद में क्रिस ने इस बारे में शेरोन से बात की और पूछा कि क्या उसने कभी रीगन को इस तरह की अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना है।
“हे भगवान, नहीं,” शैरन ने थोड़ा चौंकते हुए कहा। “नहीं, कभी नहीं। मेरा मतलब है, हाल ही में भी नहीं। लेकिन आपको पता है, मुझे लगता है कि उसकी कला शिक्षिका ने इस बारे में कुछ टिप्पणी की थी।”
"तुम्हारा मतलब हाल ही में है, शेरोन?"
“पिछले हफ्ते। लेकिन वो औरत बहुत नखरे वाली है। मुझे लगा कि शायद रीगन ने ‘धिक्कार है’ या ‘बकवास’ जैसा कुछ कहा होगा। मतलब, कुछ ऐसा ही।”
"वैसे, क्या तुमने रैग्स से धर्म के बारे में बात की है, शार?"
शेरोन का चेहरा लाल हो गया।
“हाँ, थोड़ा-बहुत; बस इतना ही। मतलब, इससे बचना मुश्किल है। क्रिस, वो इतने सारे सवाल पूछती है, और—खैर...” उसने बेबसी से कंधे उचका दिए। “बस मुश्किल है। मतलब, मैं बिना कोई बड़ा झूठ बोले कैसे जवाब दूँ?”
उसे कई विकल्प दें।
अपनी तयशुदा डिनर पार्टी से पहले के दिनों में, क्रिस ने रीगन के रिटालिन की खुराक लेने का पूरा ध्यान रखा। लेकिन पार्टी की रात तक, उसे रीगन की हालत में कोई खास सुधार नज़र नहीं आया। दरअसल, धीरे-धीरे बिगड़ती हालत के कुछ संकेत दिखने लगे थे: भूलने की आदत बढ़ना; अस्त-व्यस्त रहना; और एक बार जी मिचलाना। ध्यान खींचने के लिए क्रिस ने पहले वाले तरीके तो नहीं अपनाए, लेकिन एक नया तरीका अपनाया: रीगन के बेडरूम में एक अजीब सी बदबू आने की शिकायतें। रीगन के कहने पर, क्रिस ने एक दिन कमरे में सूंघा और उसे कुछ भी नहीं मिला।
"तुम्हें इसकी गंध नहीं आ रही?" रीगन ने हैरानी से पूछा।
"तुम्हारा मतलब है, तुम्हें अभी इसकी गंध आ रही है?"
“ओह, ठीक है, ज़रूर!”
"इसकी गंध कैसी है, बेबी?"
रीगन ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "अच्छा, जैसे कुछ जलने जैसा।"
"अरे हां?"
क्रिस ने एक बार फिर सूंघा, इस बार और गहराई से।
क्या तुम्हें इसकी गंध नहीं आ रही?
“ओह, हाँ, अब मुझे समझ आ गया। क्यों न हम थोड़ी देर के लिए खिड़की खोल दें, ताकि थोड़ी ताज़ी हवा अंदर आ जाए।”
दरअसल, क्रिस को कुछ भी गंध नहीं आई थी, लेकिन उसने ठान लिया था कि वह कम से कम डॉक्टर से मिलने तक इंतज़ार करेगी। वह कई अन्य चिंताओं में भी डूबी हुई

थी। एक तो डिनर पार्टी की तैयारियों से जुड़ी थी। दूसरी स्क्रिप्ट से संबंधित थी। हालाँकि वह निर्देशन की संभावना को लेकर अभी भी उत्साहित थी, लेकिन स्वाभाविक सावधानी ने उसे तुरंत निर्णय लेने से रोक रखा था। इस बीच, उसका एजेंट उसे रोज़ाना फ़ोन कर रहा था। उसने उसे बताया कि उसने स्क्रिप्ट डेनिंग्स को राय के लिए दे दी है, और उम्मीद जताई कि वह उसे पढ़ रहा होगा, खा नहीं रहा होगा।
क्रिस की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण चिंता दो वित्तीय उपक्रमों की विफलता थी: पूर्व भुगतान किए गए ब्याज का उपयोग करके परिवर्तनीय डिबेंचर की खरीद; और दक्षिणी लीबिया में एक तेल-अनाज परियोजना में निवेश। दोनों ही उपक्रम भारी कर के दायरे में आने वाली आय को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शुरू किए गए थे। लेकिन इससे भी बुरी स्थिति उत्पन्न हो गई: कुएं सूख गए और बढ़ती ब्याज दरों ने बांडों की बिकवाली को बढ़ावा दिया। इन्हीं समस्याओं पर चर्चा करने के लिए उसका निराशावादी व्यापार प्रबंधक शहर आया। वह गुरुवार को पहुंचा। क्रिस ने शुक्रवार तक उससे योजना बनाने और समझाने का काम करवाया, अंततः उसने एक ऐसी कार्ययोजना पर निर्णय लिया जिसे प्रबंधक ने उचित समझा, हालांकि जब उसने फरारी खरीदने का विषय उठाया तो प्रबंधक ने नाराजगी व्यक्त की।
"आपका मतलब है, एक नया वाला?"
“क्यों नहीं? आपको पता है, मैंने एक बार एक तस्वीर में ऐसी ही गाड़ी चलाई थी। अगर हम फैक्ट्री को लिखें और उन्हें याद दिलाएं, तो शायद वे हमें कोई डील दे दें। आपको नहीं लगता?”
मैनेजर सहमत नहीं था। और उसने चेतावनी दी कि वह इस तरह की खरीदारी को नासमझी भरा मानता है।
“बेन, मैंने पिछले साल आठ लाख से ज़्यादा कमाए और तुम कह रहे हो कि मैं एक कार भी नहीं खरीद सकता! क्या तुम्हें नहीं लगता कि यह हास्यास्पद है? सारा पैसा कहाँ चला गया?”
उसने उसे याद दिलाया कि उसकी अधिकांश धनराशि आश्रय गृहों में जमा है। फिर उसने उसकी आय पर पड़ने वाले विभिन्न खर्चों की सूची दी: संघीय आयकर; राज्य कर; भविष्य की आय पर अनुमानित कर; संपत्ति कर; उसके एजेंट, उसे और उसके प्रचारक को दिए जाने वाले कमीशन जो उसकी आय का बीस प्रतिशत थे; मोशन पिक्चर वेलफेयर फंड में सवा एक प्रतिशत; फैशन के अनुसार कपड़ों पर होने वाला खर्च; विली, कार्ल, शेरोन और लॉस एंजिल्स स्थित घर के केयरटेकर का वेतन; विभिन्न यात्रा खर्च; और अंत में, उसके मासिक खर्च।
“क्या आप इस साल एक और तस्वीर खिंचवाएंगी?” उसने उससे पूछा।
क्रिस ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। क्या मुझे ऐसा करना ही पड़ेगा?"
"हां, मुझे लगता है कि शायद आपको ऐसा करना चाहिए।"
अपनी कोहनियों को घुटनों पर टिकाए, क्रिस ने अपने उदास चेहरे को दोनों हाथों से थाम रखा था और बिज़नेस मैनेजर को चिड़चिड़ेपन से देखते हुए उससे पूछा, "होंडा के बारे में क्या ख्याल है?"
उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।
बाद में उसी शाम, क्रिस ने अपनी सारी चिंताओं को एक तरफ रखने की कोशिश की; उसने खुद को अगली रात की पार्टी की तैयारियों में व्यस्त रखने की कोशिश की।

“चलिए बैठकर खाने की बजाय करी बुफे का इंतजाम करते हैं,” उसने विली और कार्ल से कहा। “हम लिविंग रूम के कोने में एक टेबल लगा सकते हैं। ठीक है?”
“बहुत बढ़िया, मैडम,” कार्ल ने तुरंत जवाब दिया।
“तो विली, तुम्हारा क्या ख्याल है? मिठाई के लिए ताज़ा फलों का सलाद?”
“जी हां, बहुत बढ़िया, मैडम!” कार्ल ने जवाब दिया।
"धन्यवाद, विली।"
उसने कई दिलचस्प लोगों को आमंत्रित किया था। बर्क ("होश में आना, धिक्कार है!") और दूसरी यूनिट के युवा निर्देशक के अलावा, उसे एक सीनेटर (और उनकी पत्नी); एक अपोलो अंतरिक्ष यात्री (और उनकी पत्नी); जॉर्जटाउन के दो जेसुइट; उसके पड़ोसी; और मैरी जो पेरिन और एलेन क्लीरी के आने की उम्मीद थी।
मैरी जो पेरिन वाशिंगटन की एक मोटी और सफ़ेद बालों वाली ज्योतिषी थीं। क्रिस उनसे व्हाइट हाउस के डिनर में मिली थीं और उन्हें बहुत पसंद किया था। उन्हें उम्मीद थी कि वह गंभीर और सख्त स्वभाव की होंगी, लेकिन क्रिस ने उनसे कहा, "आप बिल्कुल भी वैसी नहीं हैं!" इसके बजाय, वह हंसमुख, मिलनसार और सरल स्वभाव की थीं। एलेन क्लीरी विदेश विभाग की एक अधेड़ उम्र की सचिव थीं, जिन्होंने क्रिस के रूस दौरे के दौरान मॉस्को स्थित अमेरिकी दूतावास में काम किया था। उन्होंने क्रिस को उनकी यात्रा के दौरान आई कई कठिनाइयों और परेशानियों से बचाने के लिए काफी प्रयास और मेहनत की थी, जिनमें से एक मुख्य कारण लाल बालों वाली अभिनेत्री का बेबाक स्वभाव था। क्रिस ने वर्षों तक उन्हें स्नेह से याद रखा और वाशिंगटन आने पर उनसे मिलने का प्रयास किया।
"अरे, शार, कौन-कौन से पुजारी आ रहे हैं?"
“मुझे अभी पक्का पता नहीं है। मैंने कॉलेज के अध्यक्ष और डीन को आमंत्रित किया था, लेकिन मुझे लगता है कि अध्यक्ष किसी और को भेज रहे हैं। उनके सचिव ने आज सुबह मुझे फोन करके बताया कि उन्हें शहर से बाहर जाना पड़ सकता है।”
"वह किसे भेज रहा है?" क्रिस ने सावधानीपूर्वक रुचि दिखाते हुए पूछा।
“देखने दीजिए।” शेरोन ने चिट्ठियों के टुकड़ों को खंगाला। “हाँ, ये रहा। ये उनके सहायक हैं, फादर जोसेफ डायर।”
"ओह।"
क्रिस निराश लग रहा था।
“रेग्स कहाँ है?” उसने पूछा।
नीचे।
“पता है, शायद तुम्हें अपना टाइपराइटर वहीं रखना शुरू कर देना चाहिए; क्या आपको ऐसा नहीं लगता? मेरा मतलब है, इससे तुम टाइप करते समय उसे देख पाओगे। ठीक है? मुझे उसका इतना अकेला रहना पसंद नहीं है।”
"अच्छा विचार।"
ठीक है, बाद में मिलते हैं। घर जाओ, शार। ध्यान करो। घोड़ों के साथ खेलो।
योजना और तैयारियों के समाप्त होने पर, क्रिस एक बार फिर रीगन की ओर चिंतित विचारों में खो गई। उसने टेलीविजन देखने की कोशिश की। लेकिन ध्यान केंद्रित नहीं कर पाई। बेचैनी महसूस हुई। घर में एक अजीब सा सन्नाटा छाया हुआ था। मानो सन्नाटा छा गया हो। धूल का भारीपन महसूस हो रहा हो।
आधी रात तक घर के सभी लोग सो चुके थे।

उस रात कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

चौथा अध्याय

उन्होंने हल्के हरे रंग की मेज़बान की पोशाक पहनी थी, जिसमें लंबी, घंटी के आकार की आस्तीनें और पैंट थे, और उन्होंने अपने मेहमानों का स्वागत किया। उनके जूते आरामदायक थे और शाम के प्रति उनकी आशा को दर्शाते थे।
सबसे पहले मशहूर ज्योतिषी मैरी जो पेरिन अपने किशोर बेटे रॉबर्ट के साथ पहुंचीं, और सबसे आखिर में गुलाबी चेहरे वाले फादर डायर आए। वे युवा और छोटे कद के थे, और स्टील के फ्रेम वाले चश्मे के पीछे उनकी आंखों में शरारत झलक रही थी। दरवाजे पर उन्होंने देरी के लिए माफी मांगी। उन्होंने क्रिस से भावहीनता से कहा, "सही टाई नहीं मिल रही थी।" क्रिस ने उन्हें खाली निगाहों से देखा, फिर खिलखिलाकर हंस पड़ी। दिन भर की उनकी उदासी दूर होने लगी।
पेय पदार्थों ने अपना असर दिखाया। पौने दस बजे तक, सभी लोग बैठक कक्ष में इधर-उधर फैलकर जीवंत बातचीत के बीच अपना भोजन कर रहे थे।
क्रिस ने गरमागरम बुफे से अपनी प्लेट भरी और श्रीमती पेरिन को कमरे में ढूंढने लगी। वहीं, जेसुइट डीन फादर वैगनर के साथ सोफे पर बैठी थीं। क्रिस ने उनसे थोड़ी देर बात की थी। उनके सिर पर बाल नहीं थे, झाइयां थीं और उनका व्यवहार रूखा और सौम्य था। क्रिस सोफे की ओर बढ़ी और कॉफी टेबल के सामने फर्श पर बैठ गई, तभी उस ज्योतिषी ने खिलखिलाकर हंस दिया।
"अरे, चलो भी, मैरी जो!" डीन ने मुस्कुराते हुए कहा, और करी का एक टुकड़ा अपने मुंह में डाला।
“हाँ, चलो,” क्रिस ने भी यही बात दोहराई।
“ओह, हाय! शानदार करी!” डीन ने कहा।
"ज्यादा गर्मी तो नहीं है?"
“बिल्कुल नहीं; यह एकदम सही है। मैरी जो मुझे बता रही थी कि पहले एक जेसुइट थे जो एक माध्यम भी थे।”
“और वह मेरी बात पर विश्वास नहीं करता!” ज्योतिषी ने हंसते हुए कहा।
“अरे, गलती की बात है,” डीन ने सुधार करते हुए कहा। “मैंने बस इतना कहा था कि इस पर विश्वास करना मुश्किल है।”
“तुम्हारा मतलब मीडियम मीडियम है?” क्रिस ने पूछा।
“क्यों न ज़रूर,” मैरी जो ने कहा। “अरे, वो तो हवा में भी उड़ सकता था!”
“ओह, मैं तो हर सुबह यही करता हूँ,” जेसुइट ने धीमी आवाज़ में कहा।
“क्या आपका मतलब है कि वह आत्माओं को बुलाने का अनुष्ठान करता था?” क्रिस ने श्रीमती पेरिन से पूछा।
“जी हां,” उसने जवाब दिया। “वह उन्नीसवीं सदी में बहुत प्रसिद्ध थे। वास्तव में, वह शायद अपने समय के इकलौते अध्यात्मवादी थे जिन पर कभी धोखाधड़ी का आरोप नहीं लगा।”
"जैसा कि मैंने कहा, वह जेसुइट नहीं थे," डीन ने टिप्पणी की।
“अरे बाप रे, वो तो वाकई कमाल का था!” उस ज्योतिषी ने हंसते हुए कहा। “जब वो बाईस साल का हुआ, तो उसने जेसुइट्स में शामिल होकर वादा किया कि वो अब कभी माध्यम का काम नहीं करेगा, लेकिन उन्होंने उसे फ्रांस से निकाल दिया”—वो

और भी ज़ोर से हंसी—“तुइलरीज़ में उसके द्वारा आयोजित एक séance के ठीक बाद। क्या आप जानते हैं उसने क्या किया? séance के बीच में उसने महारानी से कहा कि एक आत्मा बालक के हाथ उसे छूने वाले हैं जो पूरी तरह से प्रकट होने वाला है, और जब उन्होंने अचानक सारी बत्तियां जला दीं”—वो ठहाका लगाते हुए बोली—“तो उन्होंने उसे महारानी की बांह पर नंगे पैर बैठे हुए पकड़ लिया! अब, कल्पना कीजिए?”
जेसुइट ने मुस्कुराते हुए अपनी प्लेट नीचे रखी। "अब क्षमादान पर छूट मांगने मत आना, मैरी जो।"
"अरे, छोड़ो भी, हर परिवार में एक बिगड़ा हुआ सदस्य तो होता ही है।"
"हम मेडिसी पोप्स के साथ अपनी सीमा पार कर रहे थे।"
“पता है, मुझे एक बार ऐसा अनुभव हुआ था,” क्रिस ने कहना शुरू किया।
लेकिन डीन ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "क्या आप इसे पश्चाताप का विषय बना रहे हैं?"
क्रिस मुस्कुराया और बोला, "नहीं, मैं कैथोलिक नहीं हूँ।"
"अच्छा, वैसे तो जेसुइट भी नहीं हैं," पेरिन ने मुस्कुराते हुए मजाक में कहा।
“डोमिनिकन बदनामी,” डीन ने पलटवार किया। फिर क्रिस से उन्होंने कहा, “मुझे माफ करना, मेरे प्यारे। तुम क्या कह रहे थे?”
"वैसे, मुझे याद है कि मैंने एक बार भूटान में किसी को हवा में उड़ते हुए देखा था।"
उसने पूरी कहानी सुनाई।
“क्या आपको लगता है कि यह संभव है?” उसने बात खत्म करते हुए कहा। “मेरा मतलब है, सचमुच?”
“कौन जानता है?” जेसुइट डीन ने जवाब दिया। उन्होंने कंधे उचकाते हुए कहा, “गुरुत्वाकर्षण क्या है, कौन जानता है। या पदार्थ क्या है, यह भी कौन जानता है।”
"क्या आप मेरी राय जानना चाहेंगे?" श्रीमती पेरिन ने बीच में ही कहा।
“नहीं, मैरी जो,” डीन ने उससे कहा। “मैंने गरीबी की प्रतिज्ञा ली है।”
“मैंने भी,” क्रिस ने बुदबुदाते हुए कहा।
“यह क्या था?” डीन ने आगे झुकते हुए पूछा।
“अरे, कुछ नहीं। सुनो, मुझे तुमसे कुछ पूछना था। क्या तुम उस छोटे से घर को जानती हो जो उस चर्च के पीछे है?” उसने उस दिशा की ओर इशारा किया।
“पवित्र त्रिमूर्ति?” उसने पूछा।
“हां, ठीक है। अच्छा, वहां अंदर क्या होता है?”
"अच्छा, ठीक है, यहीं पर वे ब्लैक मास कहते हैं," श्रीमती पेरिन ने कहा।
“कौन सा अश्वेत?”
"काला पिंड।"
“यह क्या है?”
डीन ने कहा, "वह मजाक कर रही है।"
“हाँ, मुझे पता है,” क्रिस ने कहा, “लेकिन मैं बेवकूफ हूँ। मेरा मतलब है, ब्लैक मास क्या होता है?”
“खैर, असल में, यह कैथोलिक मास का घोर अपमान है,” डीन ने समझाया। “इसका संबंध शैतान की पूजा से है।”
“हे भगवान! आपका मतलब है, सचमुच ऐसी कोई चीज होती है?”

“मैं सच में कुछ नहीं कह सकता। हालांकि मैंने एक बार एक आंकड़ा सुना था कि पेरिस शहर में हर साल लगभग पचास हजार ब्लैक मास आयोजित किए जाते हैं।”
“तुम्हारा मतलब अभी?” क्रिस ने आश्चर्य से पूछा।
मैंने बस ऐसे ही सुना है।
"हां, बिल्कुल, जेसुइट गुप्त सेवा से," श्रीमती पेरिन ने ट्वीट किया।
“बिल्कुल नहीं,” डीन ने कहा। “मेरे अंदर की आवाज़ों ने मुझे बताया।”
महिलाएं हंस पड़ीं।
क्रिस ने कहा, "आप जानते हैं, लॉस एंजिल्स में, आप जादू-टोने से जुड़े पंथों के बारे में बहुत सारी कहानियां सुनते हैं। मैंने अक्सर सोचा है कि क्या यह सच है।"
“खैर, जैसा कि मैंने कहा, मुझे नहीं पता,” डीन ने कहा। “लेकिन मैं आपको बताता हूँ कि शायद कौन जानता हो—जो डायर। जो कहाँ है?”
डीन ने चारों ओर देखा।
“ओह, उधर,” उसने दूसरे पादरी की ओर इशारा करते हुए कहा, जो बुफे में उनकी तरफ पीठ करके खड़ा था और अपनी प्लेट में दूसरी बार खाना भर रहा था। “हे, जो?”
युवा पादरी मुड़ा, उसका चेहरा भावहीन था। "आपने बुलाया था, महान डीन?"
डीन ने उंगलियों से इशारा किया।
"बस एक सेकंड," डायर ने जवाब दिया और करी और सलाद पर अपना हमला जारी रखने के लिए वापस मुड़ गया।
“पुजारी वर्ग में वही इकलौता बौना है,” डीन ने स्नेह से कहा। उन्होंने अपनी शराब की चुस्की ली। “पिछले हफ्ते होली ट्रिनिटी में अपवित्रता के कुछ मामले सामने आए थे, और जो ने उनमें से एक के बारे में कहा कि वह उसे ब्लैक मास में की जाने वाली कुछ बातों की याद दिलाता है, इसलिए मुझे लगता है कि उसे इस विषय में कुछ जानकारी होगी।”
“चर्च में क्या हुआ?” मैरी जो पेरिन ने पूछा।
“ओह, यह तो वाकई बहुत घिनौना है,” डीन ने कहा।
"चलो, हम सब अपना खाना खा चुके हैं।"
“नहीं, कृपया। यह बहुत ज्यादा है,” उसने संकोच जताते हुए कहा।
"ओह अब छोड़िए भी!"
“क्या मतलब, तुम मेरे मन की बात नहीं पढ़ सकती, मैरी जो?” उसने उससे पूछा।
“ओह, मैं जा सकती हूँ,” उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, “लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि मैं उस परम पवित्र स्थान में प्रवेश करने के योग्य हूँ!”
"खैर, यह वाकई बहुत बुरा है," डीन ने कहा।
उन्होंने अपवित्रता की घटनाओं का वर्णन किया। पहली घटना में, चर्च के बुजुर्ग सेवक ने वेदी के कपड़े पर, पवित्रस्थान के ठीक सामने, मानव मल का ढेर पाया था।
“ओह, ये तो वाकई घिनौना है।” श्रीमती पेरिन ने मुंह बनाया।
“खैर, दूसरा तो और भी बुरा है,” डीन ने टिप्पणी की; फिर उन्होंने अप्रत्यक्ष शब्दों और एक-दो व्यंजनाओं का प्रयोग करते हुए समझाया कि कैसे मिट्टी से तराशी गई एक विशाल लिंग आकृति वेदी के बाईं ओर ईसा मसीह की मूर्ति से मजबूती से चिपकी हुई पाई गई थी।
“काफी बीमार?” उसने निष्कर्ष निकाला।

क्रिस ने गौर किया कि ज्योतिषी सचमुच परेशान लग रही थी जब उसने कहा, "बस बहुत हो गया। मुझे खेद है कि मैंने पूछा। चलिए विषय बदलते हैं।"
“नहीं, मैं तो मंत्रमुग्ध हूँ,” क्रिस ने कहा।
“जी हां, बिल्कुल। मैं एक दिलचस्प इंसान हूं,” एक आवाज़ आई।
यह डायर था। एक हाथ में खाने से भरी प्लेट लिए, वह क्रिस के ऊपर झुका हुआ था और गंभीर स्वर में बोला, "सुनो, मुझे बस एक मिनट दो, फिर मैं वापस आता हूँ। मुझे लगता है कि मुझे वहाँ अंतरिक्ष यात्री के साथ कुछ काम करना है।"
“जैसे क्या?” डीन ने पूछा।
डायर ने अपने चश्मे के पीछे से भावहीन निगाहों से उसे देखते हुए उत्तर दिया, "चंद्रमा पर पहला मिशनरी?"
डायर को छोड़कर बाकी सभी लोग खिलखिलाकर हंस पड़े।
उनकी हास्य शैली भावहीन प्रस्तुति पर आधारित थी।
श्रीमती पेरिन ने कहा, "आपका आकार बिल्कुल सही है। आपको नाक के ऊपरी हिस्से में रखा जा सकता है।"
“नहीं, मैं नहीं,” युवा पादरी ने गंभीरता से उसे सुधारते हुए कहा। “मैं एमोरी के लिए इसे ठीक करने की कोशिश कर रहा था,” उसने डीन से धीरे से कहा, फिर महिलाओं की ओर मुड़कर समझाया। “वह हमारे कैंपस के अनुशासन विभाग के डीन हैं। वहाँ कोई नहीं है और उन्हें यही पसंद है। उन्हें शांति पसंद है।”
अभी भी भावहीन मुद्रा में, डायर ने कमरे के दूसरी ओर अंतरिक्ष यात्री की ओर देखा।
"माफ़ कीजिए," उसने कहा और चला गया।
श्रीमती पेरिन ने कहा, "मैं उसे पसंद करती हूँ।"
“मैं भी,” क्रिस ने सहमति जताई। फिर वह डीन की ओर मुड़ी। “आपने मुझे उस कुटिया में क्या होता है, यह नहीं बताया,” उसने उन्हें याद दिलाया। “कोई बड़ा रहस्य? वह पादरी कौन है जिसे मैं वहाँ बार-बार देखती हूँ? कुछ सांवला सा? मुक्केबाज जैसा दिखता है? क्या आप जानते हैं कि मैं किसकी बात कर रही हूँ?”
डीन ने सिर झुकाते हुए सहमति में सिर हिलाया। "फादर कैरस," उन्होंने धीमी आवाज़ में और थोड़ी उदासी के साथ कहा। उन्होंने अपना वाइन ग्लास नीचे रखा और उसे डंडी से घुमाकर देखा। "बेचारे, कल रात उन्हें बहुत ज़ोर का झटका लगा।"
“ओह, क्या?” क्रिस ने पूछा।
"उनकी मां का निधन हो गया।"
क्रिस को एक रहस्यमय दुःख का अहसास हुआ जिसे वह समझा नहीं सकती थी।
"ओह, मुझे बहुत खेद है," उसने धीरे से कहा।
“लगता है वो इस बात से बहुत दुखी है,” जेसुइट ने आगे कहा। “लगता है वो अकेली रह रही थी, और मुझे लगता है कि उसे मिलने से कई दिन पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।”
"ओह, कितना भयानक है," श्रीमती पेरिन ने धीरे से कहा।
“उसे किसने पाया?” क्रिस ने थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए पूछा।
“उसके अपार्टमेंट बिल्डिंग का सुपरिंटेंडेंट। मुझे लगता है कि अगर... पड़ोसियों ने उसके रेडियो के लगातार बजते रहने की शिकायत न की होती, तो वे उसे अब तक भी न ढूंढ पाते।”
“यह तो बहुत दुखद है,” क्रिस ने धीमी आवाज़ में कहा।

"क्षमा कीजिए, महोदया।"
क्रिस ने कार्ल की ओर देखा। वह एक ट्रे पकड़े हुए था जिस पर शराब और पतले आकार के कॉर्डियल गिलास रखे थे।
"ज़रूर, इसे यहीं रख दो, कार्ल; ठीक रहेगा।"
क्रिस हमेशा अपने मेहमानों को खुद ही शराब परोसती थी। उसे लगता था कि इससे एक अपनापन जुड़ जाता है, जो अन्यथा शायद नहीं मिलता। "चलिए देखते हैं, मैं आप दोनों से शुरू करती हूँ," उसने डीन और श्रीमती पेरिन से कहा। उसने उन्हें शराब परोसी, फिर वह कमरे में इधर-उधर घूमकर हर मेहमान से ऑर्डर लेने और उनके लिए शराब लाने लगी। जब तक वह सभी का चक्कर लगा चुकी थी, तब तक डायर और अंतरिक्ष यात्री को छोड़कर, जो कुछ ज़्यादा ही मोटे लग रहे थे, बाकी सभी के समूह नए-नए कॉम्बिनेशन में बँट चुके थे। "नहीं, मैं सच में पुजारी नहीं हूँ," क्रिस ने डायर को गंभीरता से कहते सुना, उसका हाथ अंतरिक्ष यात्री के हँसते हुए कंधे पर था। "मैं तो असल में एक बेहद आधुनिक रब्बी हूँ।"
क्रिस एलेन क्लीरी के साथ खड़ी होकर मॉस्को के दिनों को याद कर रही थी, तभी उसने रसोई से एक जानी-पहचानी, कर्कश आवाज गुस्से में गूंजती हुई सुनी।
हे भगवान! बर्क!
वह किसी पर अपशब्दों की बौछार कर रहा था।
क्रिस ने बहाना बनाकर जल्दी से रसोई में चली गई, जहां डेनिंग्स कार्ल पर बुरी तरह से चिल्ला रहा था जबकि शेरोन उसे चुप कराने की व्यर्थ कोशिश कर रही थी।
“बर्क!” क्रिस चिल्लाया। “बस करो!”
निर्देशक ने उसकी बात अनसुनी कर दी और अपना क्रोध जारी रखा, उसके मुंह के कोने लार से झागदार हो गए थे, जबकि कार्ल चुपचाप बाहें मोड़े और भावहीन चेहरे के साथ सिंक के सहारे खड़ा रहा, उसकी आंखें डेनिंग्स पर अविचलित रूप से टिकी हुई थीं।
“कार्ल!” क्रिस गुस्से से बोला। “क्या तुम यहाँ से जाओगे? निकल जाओ! क्या तुम्हें उसकी हालत दिखाई नहीं दे रही?”
लेकिन स्विस नागरिक तब तक टस से मस नहीं हुए जब तक कि क्रिस ने उन्हें दरवाजे की ओर धकेलना शुरू नहीं कर दिया।
“नाज़ी पिग!” डेनिंग्स ने कार्ल की पीठ की ओर चिल्लाते हुए कहा, फिर क्रिस की ओर सौहार्दपूर्वक मुड़ा और अपने हाथों को आपस में रगड़ते हुए धीरे से पूछा, “तो फिर, मिठाई में क्या है?”
"मिठाई?"
क्रिस ने अपनी हथेली के पिछले हिस्से से अपने माथे पर थपथपाया।
“खैर, मुझे भूख लगी है,” डेनिंग्स ने चिढ़कर कहा।
क्रिस ने शेरोन की ओर मुड़कर कहा, “इसे खाना खिलाओ! मुझे रीगन को सुलाना है। और भगवान के लिए, बर्क, क्या तुम तमीज़ से पेश आओगे? बाहर पादरी लोग हैं!”
डेनिंग्स ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं और उनकी आँखों में अचानक और मानो सच्ची दिलचस्पी झलकने लगी। "ओह, तुमने भी यह देखा?" उन्होंने बिना किसी छल के पूछा। क्रिस ने अपना सिर ऊपर उठाया, गहरी साँस ली, "बस हो गया!" और रसोई से बाहर निकल गई।

वह रेगन को देखने के लिए तहखाने के खेल के कमरे में गई, जहाँ उसकी बेटी ने पूरा दिन बिताया था, और उसे ओइजा बोर्ड से खेलते हुए पाया। वह उदास, खोई-खोई सी लग रही थी; अलग-थलग। खैर, कम से कम वह झगड़ालू तो नहीं है, क्रिस ने सोचा, और उसका ध्यान भटकाने की उम्मीद में, वह रेगन को बैठक में ले आई और मेहमानों से उसका परिचय कराने लगी।
“ओह, कितनी प्यारी है वो!” सीनेटर की पत्नी ने कहा।
रीगन का व्यवहार अजीब तरह से अच्छा था, सिवाय श्रीमती पेरिन के, जिनसे उसने बात करने या हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। लेकिन उस ज्योतिषी ने इसे मज़ाक बना दिया। "जानती है मैं नकली हूँ," उसने मुस्कुराते हुए और क्रिस की ओर आँख मारते हुए कहा। फिर, उत्सुकता से जाँच-पड़ताल करते हुए, वह आगे बढ़ी और रीगन का हाथ हल्के से दबाया, मानो उसकी नब्ज़ जाँच रही हो। रीगन ने झट से उसे झटक दिया और गुस्से से घूरने लगी।
"ओह, प्यारी, वह बहुत थकी हुई होगी," श्रीमती पेरिन ने लापरवाही से कहा; फिर भी वह रीगन को एक ऐसी गहन एकाग्रता और चिंता के साथ घूरती रहीं जिसे वह समझा नहीं सकती थीं।
“उसे थोड़ी तबीयत खराब लग रही है,” क्रिस ने माफी मांगते हुए धीरे से कहा। उसने रीगन की तरफ देखा। “है ना, हनी?”
रीगन ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने अपनी नज़रें ज़मीन पर टिकाए रखीं।
सीनेटर और श्रीमती पेरिन के बेटे रॉबर्ट के अलावा रीगन से मिलने के लिए कोई नहीं बचा था, और क्रिस ने उनसे न मिलना ही बेहतर समझा। उसने रीगन को बिस्तर पर ले जाकर उसे कंबल ओढ़ा दिया।
“क्या तुम्हें लगता है कि तुम सो पाओगे?” क्रिस ने पूछा।
“मुझे नहीं पता,” रीगन ने स्वप्निल स्वर में उत्तर दिया। वह एक तरफ करवट लेकर दीवार को घूर रही थी, मानो किसी दूर की सोच में डूबी हो।
"क्या आप चाहेंगे कि मैं थोड़ी देर के लिए आपको पढ़कर सुनाऊं?"
सिर हिलाना।
“ठीक है, तो फिर। सोने की कोशिश करो।”
क्रिस ने झुककर उसे चूमा, फिर दरवाजे की ओर चलकर लाइट का स्विच ऑन किया। शुभ रात्रि, मेरे प्यारे।
क्रिस लगभग दरवाजे से बाहर ही निकल रही थी कि रीगन ने उसे बहुत धीमी आवाज़ में पुकारा: “माँ, मुझे क्या हो गया है?” उसकी आवाज़ बहुत दबी हुई थी। उसका स्वर इतना निराशाजनक और उसकी हालत के हिसाब से बिल्कुल बेतुका था। एक पल के लिए क्रिस हिल गई और उलझन में पड़ गई। लेकिन जल्दी ही उसने खुद को संभाला।
“ठीक है, जैसा मैंने कहा था, रेग्स; ये घबराहट है। तुम्हें बस कुछ हफ्तों के लिए ये गोलियां लेनी हैं और मुझे पता है तुम बिल्कुल ठीक हो जाओगी। अब सोने की कोशिश करो, बेटा, ठीक है?”
कोई जवाब नहीं मिला। क्रिस इंतजार करता रहा।
“ठीक है?” उसने दोहराया।
“ठीक है,” रीगन ने फुसफुसाते हुए कहा।
क्रिस ने अचानक अपनी बांह पर रोंगटे खड़े होते देखे। उसने उसे रगड़ा और चारों ओर देखा। हे भगवान, इस कमरे में कितनी ठंड है! ये ठंडी हवा कहाँ से आ रही है?

वह खिड़की के पास गई और किनारों पर जॉच की। कुछ नहीं मिला। रोगन की ओर मुड़ी। "क्या तुम्हें गर्मी लग रही है, बेबी?"
कोई जवाब नहीं।
क्रिस बिस्तर के पास गई। "क्या तुम सो रही हो?" उसने फुसफुसाते हुए पूछा।
आंखें बंद करें। गहरी सांस लें।
क्रिस दबे पांव कमरे से बाहर निकल गया।
हॉल से उसे गाने की आवाज़ सुनाई दी, और जैसे ही वह सीढ़ियों से नीचे उतरी, उसने देखा कि युवा फादर डायर बैठक कक्ष की खिड़की के पास पियानो बजा रहे थे और अपने चारों ओर एकत्रित लोगों के समूह का नेतृत्व करते हुए हर्षोल्लास से गीत गा रहे थे। जैसे ही वह बैठक कक्ष में दाखिल हुई, वे लोग "टिल वी मीट अगेन" गाना समाप्त कर चुके थे।
क्रिस समूह में शामिल होने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन सीनेटर और उनकी पत्नी ने उसे तुरंत रोक लिया, जिन्होंने अपने कोट अपनी बाहों पर रखे हुए थे और वे थोड़े घबराए हुए लग रहे थे।
“क्या तुम इतनी जल्दी जा रहे हो?” क्रिस ने पूछा।
“ओह, मुझे सच में बहुत खेद है, और मेरी प्यारी, हमारी शाम बहुत अच्छी गुज़री,” सीनेटर ने भावुक होकर कहा। “लेकिन बेचारी मार्था को सिरदर्द हो गया है।”
“ओह, मुझे बहुत खेद है, लेकिन मुझे बहुत बुरा लग रहा है,” सीनेटर की पत्नी ने कराहते हुए कहा। “क्या आप हमें माफ़ करेंगे, क्रिस? पार्टी बहुत ही शानदार रही।”
"मुझे बहुत दुख है कि आपको जाना पड़ रहा है," क्रिस ने उनसे कहा।
जब वह दंपति को दरवाजे तक छोड़ने गई, तो क्रिस को पृष्ठभूमि में फादर डायर की आवाज सुनाई दी, जो पूछ रहे थे, "क्या किसी और को 'आई विल बेट यू आर सॉरी नाउ, टोक्यो रोज़' के बोल पता हैं?" लिविंग रूम में वापस जाते समय, शेरोन चुपचाप स्टडी रूम से बाहर निकल गई।
“बर्क कहाँ है?” क्रिस ने उससे पूछा।
“अंदर,” शेरोन ने अध्ययन कक्ष की ओर इशारा करते हुए जवाब दिया। “वह सो रहा है। वैसे, सीनेटर ने तुमसे क्या कहा? कुछ भी?”
नहीं, वे अभी-अभी चले गए।
"बस अछे से रहो।"
"शार, तुम्हारा क्या मतलब है? हार्पूनिंग क्या होती है?"
“ओह, बर्क,” शैरन ने आह भरी। संभले स्वर में उसने सीनेटर और डेनिंग्स के बीच हुई एक मुलाकात का वर्णन किया। डेनिंग्स ने डेनिंग्स से यूं ही कहा था कि “मेरी जिन में कोई अजनबी बाल तैरता हुआ सा लग रहा है।” फिर डेनिंग्स ने सीनेटर की पत्नी की ओर मुड़कर कुछ आरोप भरे लहजे में कहा, “मैंने तो अपनी जिंदगी में कभी ऐसा नहीं देखा! क्या आपने देखा है?”
शेरोन ने जब यह बताया कि सीनेटर की शर्मिंदगी भरी प्रतिक्रिया ने क्रिस तरह से डेनिंग्स के एक सनकी गुस्से को भड़का दिया था, तो क्रिस चौंक गई और फिर खिलखिलाकर हंस पड़ी और अपनी आँखें घुमा लीं। डेनिंग्स ने राजनेताओं के अस्तित्व के लिए अपनी "असीम कृतज्ञता" व्यक्त की थी, क्योंकि उनके बिना तुलना करने के लिए "यह आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता कि राजनेता कौन हैं, आप समझ रहे हैं?" और जब सीनेटर गुस्से में दूर चले गए, तो निर्देशक ने शेरोन की ओर मुड़कर गर्व

से कहा, "देखा? मैंने गाली नहीं दी। क्या आप सहमत नहीं हैं कि मैंने स्थिति को शालीनता से संभाला?"
क्रिस अपनी हंसी नहीं रोक पाई। "अच्छा, ठीक है, उसे सोने दो। लेकिन बेहतर होगा कि तुम वहीं रहो, कहीं वो जाग न जाए," उसने कहा। "क्या तुम्हें कोई आपत्ति है?"
"नहीं बिल्कुल नहीं।"
बैठक कक्ष में, मैरी जो पेरिन एक कोने की कुर्सी पर अकेली बैठी थीं। वह कुछ सोच में डूबी हुई और परेशान लग रही थीं। क्रिस उनके पास बैठने ही वाली थीं, लेकिन फिर उन्होंने अपना इरादा बदल लिया और डायर और पियानो की ओर चल पड़ीं। डायर ने अपने सुर बजाना रोक दिया और उनका अभिवादन करने के लिए ऊपर देखा। उन्होंने कहा, "जी, युवती, तो आज हम आपको क्या भेंट कर सकते हैं? संयोग से, आज हमारे यहाँ नौ दिनों की प्रार्थनाओं पर एक विशेष ऑफर चल रहा है।"
क्रिस आसपास जमा हुए अन्य लोगों के साथ खिलखिलाकर हंस पड़ी। उसने कहा, "मैंने सोचा कि मुझे पता चल जाए कि ब्लैक मास में क्या होता है। फादर वैगनर ने कहा था कि आप इस विषय की विशेषज्ञ हैं।"
पियानो के पास बैठे सभी लोग उत्सुकता से चुप हो गए।
“नहीं, ऐसा नहीं है,” डायर ने कुछ तारों को हल्के से छूते हुए कहा। “आपने ब्लैक मास का ज़िक्र क्यों किया?”
“ओह, खैर, हममें से कुछ लोग पहले बात कर रहे थे—खैर... उन चीजों के बारे में जो उन्हें होली ट्रिनिटी चर्च में मिलीं, और—”
"ओह, आपका मतलब अपवित्रता से है?" डायर ने बीच में ही टोकते हुए कहा।
अंतरिक्ष यात्री ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "अरे, कोई हमें समझा सकता है कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं? मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है।"
“मैं भी,” एलेन क्लीरी ने कहा।
डायर ने पियानो से अपने हाथ हटाए और उनकी ओर देखा।
उन्होंने बताया, "दरअसल, उन्हें सड़क के उस पार स्थित चर्च में कुछ अपवित्रता के निशान मिले हैं।"
"अच्छा, जैसे क्या?" अंतरिक्ष यात्री ने पूछा।
“छोड़ो इसे,” फादर डायर ने उसे सलाह दी। “चलो बस कुछ अपशब्द बोल देते हैं और बात यहीं खत्म कर देते हैं।”
क्रिस ने पूछा, "फादर वैगनर ने कहा कि आपने उनसे कहा था कि यह ब्लैक मास जैसा था, इसलिए मुझे आश्चर्य हुआ कि उन आयोजनों में क्या होता था।"
“ओह, मुझे सच में ज्यादा कुछ नहीं पता,” डायर ने कहा। “दरअसल, मुझे जो कुछ भी पता है, वह मैंने कैंपस में मौजूद एक और जेब से सुना है।”
“जेब क्या होता है?” क्रिस ने पूछा।
"जेसुइट का संक्षिप्त रूप। फादर कैरस, वह इस तरह के सभी मामलों में हमारे विशेषज्ञ हैं।"
क्रिस अचानक सतर्क हो गया। "ओह, होली ट्रिनिटी के सांवले रंग के पादरी?"
“क्या तुम उसे जानती हो?” डायर ने उससे पूछा।
नहीं, मैंने बस उनके बारे में सुना था, बस इतना ही।
"खैर, मुझे लगता है कि उन्होंने एक बार इस पर एक शोध पत्र लिखा था। मतलब, मनोरोग के दृष्टिकोण से।"

“तुम्हारा क्या मतलब है?” क्रिस ने पूछा।
“तुम्हारा क्या मतलब है, तुम्हारा क्या मतलब है?”
"क्या आप मुझे बता रहे हैं कि वह एक मनोचिकित्सक है?"
"ओह, ठीक है। अरे, मुझे खेद है। मैंने तो यही मान लिया था कि आपको पता होगा।"
“सुनो, कोई मुझे कुछ बताओ!” अंतरिक्ष यात्री ने सौम्य भाव से पूछा। “ब्लैक मास में आखिर क्या होता है?”
डायर ने कंधे उचकाते हुए कहा, "चलिए बस इतना कह देते हैं कि ये विकृतियाँ हैं। अश्लीलताएँ हैं। ईशनिंदाएँ हैं। यह मास की एक घिनौनी नकल है जहाँ वे ईश्वर के बजाय शैतान की पूजा करते थे और कभी-कभी मानव बलि भी चढ़ाते थे।"
एलेन क्लीरी ने हल्की सी मुस्कान दी, सिर हिलाया और यह कहते हुए चली गईं, "यह मेरे लिए बहुत ही डरावना होता जा रहा है।"
क्रिस ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। "लेकिन आपको यह कैसे पता चला?" उसने उस युवा जेसुइट से पूछा। "अगर ब्लैक मास जैसी कोई चीज होती भी है, तो कौन कह सकता है कि वहां क्या होता था?"
डायर ने कहा, "खैर, मुझे लगता है कि उन्हें इसका अधिकांश हिस्सा उन लोगों से मिला जो पकड़े गए और फिर उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।"
“अरे, रहने दो,” डीन ने कहा। वह चुपचाप समूह में शामिल हो गया था। “वो इकबालिया बयान बेकार थे, जो। उन्हें यातना देकर हासिल किया गया था।”
"नहीं, केवल घमंडी लोग," डायर ने बेपरवाही से कहा।
हल्की घबराहट भरी हंसी की एक लहर दौड़ गई। डीन ने अपनी घड़ी देखी। "खैर, मुझे अब जाना चाहिए," उन्होंने क्रिस से कहा। "मुझे डाहलग्रेन चैपल में शाम छह बजे की प्रार्थना सभा में जाना है।"
“मेरे पास बैंजो है, मास,” डायर ने मुस्कुराते हुए कहा। फिर उनकी आँखों में हैरानी झलक रही थी, जब उनकी नज़र क्रिस के पीछे कमरे में एक जगह पर पड़ी, और अचानक वे गंभीर हो गए। “अच्छा, अब मुझे लगता है कि हमारे पास एक मेहमान हैं, श्रीमती मैकनील,” उन्होंने सिर हिलाते हुए चेतावनी दी।
क्रिस मुड़ा और रीगन को नाइटगाउन में कालीन पर पेशाब करते देख चौंक गया। रीगन अंतरिक्ष यात्री को घूरते हुए, बेजान आँखों और निर्जीव स्वर में बोली, "तुम ऊपर जाकर मर जाओगे।"
“ओह, मेरी बच्ची!” क्रिस चिल्लाई और अपनी बेटी की ओर बाहें फैलाते हुए दौड़ पड़ी। “ओह, रैग्स, मेरी प्यारी! आओ, मेरी जान! आओ! चलो ऊपर चलते हैं!”
उसने रीगन का हाथ पकड़ा और उसे ले जाते हुए उसने पीछे मुड़कर उस पीली पड़ चुकी अंतरिक्ष यात्री को देखा। "ओह, मुझे बहुत अफ़सोस है!" क्रिस ने कांपती हुई आवाज़ में माफ़ी मांगी। "वह बीमार थी, वह नींद में चल रही होगी! उसे पता नहीं था कि वह क्या कह रही है!"
"अरे, शायद हमें चलना चाहिए," उसने डायर को किसी से कहते हुए सुना।
“नहीं, नहीं, रुको!” क्रिस ने जवाब दिया। “कोई बात नहीं! मैं बस एक मिनट में वापस आता हूँ!”
क्रिस रसोई के खुले दरवाजे के पास रुका और विली को निर्देश दिया कि दाग मिटने से पहले कालीन को साफ कर दे। फिर वह रीगन को ऊपर उसके बाथरूम में ले गया, उसे नहलाया और उसकी नाइटगाउन बदल दी। "बेटी, तुमने ऐसा क्यों कहा?" क्रिस

ने उससे बार-बार पूछा, लेकिन रीगन को समझ नहीं आया और खाली निगाहों से घूरते हुए, वह कुछ अस्पष्ट शब्द बुदबुदाती रही।
क्रिस ने उसे बिस्तर पर लिटाया, और लगभग तुरंत ही रीगन सो गई। क्रिस कुछ देर तक उसकी सांसों की आवाज़ सुनता रहा, और फिर चुपचाप कमरे से बाहर निकल गया।
सीढ़ियों के नीचे पहुँचते ही उसकी मुलाकात शेरोन और दूसरी यूनिट के युवा निर्देशक से हुई, जो डेनिंग्स को स्टडी रूम से बाहर निकालने में मदद कर रहे थे। उन्होंने एक टैक्सी बुलाई थी और वे उसे जॉर्जटाउन इन में स्थित उसके सुइट तक वापस ले जाने वाले थे।
“आराम से,” क्रिस ने सलाह दी जब वे घर से निकले, डेनिंग्स उनके बीच में था और उसका एक हाथ उन दोनों के कंधों पर था। लगभग बेहोश सा डेनिंग्स बुदबुदाया, “भाड़ में जाए,” और फिर कोहरे में गायब हो गया और इंतज़ार कर रही टैक्सी में बैठ गया।
क्रिस लिविंग रूम में लौट आई, जहाँ बचे हुए मेहमानों ने रीगन की बीमारी के बारे में क्रिस द्वारा दी गई संक्षिप्त जानकारी पर सहानुभूति व्यक्त की। जब उसने खटखटाहट और अन्य "ध्यान खींचने वाली" घटनाओं का जिक्र किया, तो उसने देखा कि वह तांत्रिक उसे घूर रही थी। एक पल क्रिस ने उसकी ओर देखा, यह उम्मीद करते हुए कि वह कुछ कहेगी, लेकिन पेरिन ने कुछ नहीं कहा और क्रिस ने अपनी बात जारी रखी।
"क्या वह नींद में अक्सर चलती है?" डायर ने पूछा।
“नहीं, आज रात पहली बार हुआ है। या कम से कम, जहाँ तक मुझे पता है, पहली बार हुआ है, इसलिए मुझे लगता है कि यह अतिसक्रियता की वजह से है। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”
“ओह, मुझे सच में नहीं पता,” पादरी ने कहा। “मैंने सुना है कि किशोरावस्था में नींद में चलना आम बात है, सिवाय इसके कि—” यहाँ आकर उन्होंने कंधे उचकाए और बात अधूरी छोड़ दी। “मुझे नहीं पता। बेहतर होगा कि आप अपने डॉक्टर से पूछ लें।”
पूरी बातचीत के दौरान, श्रीमती पेरिन चुपचाप बैठी रहीं और बैठक कक्ष में जलती हुई अंगीठी की लपटों को देखती रहीं; क्रिस ने गौर किया कि अंतरिक्ष यात्री भी उतने ही शांत थे, जो अपनी ड्रिंक में नीचे देखते हुए कभी-कभार हल्की सी आवाज़ निकालते थे, मानो रुचि और ध्यान का संकेत दे रहे हों। उन्हें इसी साल चंद्रमा की यात्रा पर जाना था।
“खैर, मुझे वह प्रार्थना सभा करनी है,” डीन ने उठते हुए कहा। इससे सभी लोग प्रस्थान करने लगे। सभी खड़े हो गए और भोजन और शाम के लिए आभार व्यक्त किया।
दरवाजे पर, फादर डायर ने क्रिस का हाथ पकड़ा और उसकी आँखों में गौर से देखते हुए पूछा, "क्या आपको लगता है कि आपकी किसी फिल्म में एक ऐसे छोटे कद के पादरी के लिए कोई भूमिका है जो पियानो बजा सकता हो?"
“अच्छा, अगर नहीं है तो,” क्रिस हंसते हुए बोला, “तो मैं आपके लिए एक लिखवा दूंगा, पिताजी!”
क्रिस ने उसे स्नेहपूर्ण और प्यार भरी शुभ रात्रि कही।
सबसे आखिर में मैरी जो पेरिन और उनका बेटा निकले। क्रिस ने उनसे दरवाजे पर ही कुछ हल्की-फुल्की बातें करके उन्हें रोक लिया। उसे लग रहा था कि उस ज्योतिषी के मन में कुछ चल रहा है, पर वह उसे छुपा रही है। उनके जाने में देरी करने के लिए,

क्रिस ने रीगन के लगातार ओइजा बोर्ड के इस्तेमाल और कैप्टन हाउडी के प्रांते उसके जुनून के बारे में उसकी राय पूछी। "क्या आपको लगता है कि इसमें कोई नुकसान है?" उसने पूछा।
क्रिस को उम्मीद थी कि श्रीमती पेरिन बिना किसी औपचारिकता के चली जाएंगी, लेकिन जब उन्होंने भौंहें चढ़ाकर दरवाजे की ओर देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गया। ऐसा लग रहा था जैसे वह कुछ सोच रही हों, और इसी मुद्रा में वह बाहर निकलीं और अपने बेटे के पास गईं, जो सीढ़ियों पर उनका इंतजार कर रहा था।
जब अंततः उसने अपना सिर उठाया, तो उसकी आंखें अंधेरे में थीं।
“मैं इसे उससे छीन लूंगी,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
उसने अपने बेटे को कार की चाबी देते हुए कहा, "बॉबी, कार स्टार्ट करो। बहुत ठंड है।"
उसने चाबियां लीं, क्रिस से शर्माते हुए कहा कि उसने उसकी सभी फिल्मों में उसे पसंद किया है, और फिर सड़क के किनारे खड़ी एक पुरानी, खस्ताहाल मस्टैंग की ओर तेजी से चल पड़ा।
उसकी मां की आंखें अभी भी छाया में थीं।
“मुझे नहीं पता आप मेरे बारे में क्या सोचते हैं,” उसने शांत और धीमी आवाज़ में कहा। “बहुत से लोग मुझे अध्यात्मवाद से जोड़ते हैं। लेकिन यह गलत है। हाँ, मुझे लगता है कि मुझमें एक खास क्षमता है,” उसने आगे कहा, “लेकिन यह तंत्र-मंत्र नहीं है। वास्तव में, मुझे यह बिल्कुल स्वाभाविक लगता है। कैथोलिक होने के नाते, मेरा मानना है कि हम सभी दो दुनियाओं में रहते हैं। जिस दुनिया के बारे में हम सचेत हैं, वह समय में है, लेकिन कभी-कभी मुझ जैसे किसी विलक्षण व्यक्ति को दूसरी दुनिया से एक झलक मिलती है, और वह दुनिया, मुझे लगता है, अनंत काल में है, जहाँ समय का कोई अस्तित्व नहीं है और इसलिए भविष्य और अतीत दोनों ही वर्तमान हैं। इसलिए कभी-कभी जब मुझे उस दूसरी दुनिया में झुनझुनी महसूस होती है, तो मुझे लगता है कि मैं भविष्य देख रही हूँ। हालाँकि कौन जानता है,” उसने कहा। “शायद नहीं।” उसने कंधे उचकाए। “खैर, जो भी हो। लेकिन अब तंत्र-मंत्र की बात...” वह रुकी, सोच-समझकर अपने शब्दों का चुनाव करते हुए। “जादू-टोना एक अलग ही चीज़ है। मैं उससे दूर ही रहा हूँ। मुझे लगता है कि उसमें हाथ आज़माना खतरनाक हो सकता है। और इसमें ओइजा बोर्ड से खेलना भी शामिल है।”
अब तक क्रिस उसे अत्यंत समझदार महिला समझती थी। फिर भी, उसके व्यवहार में कुछ ऐसा था जिससे क्रिस को एक अजीब सी आशंका होने लगी। उसने उस आशंका को दूर करने की कोशिश की।
“अरे, मैरी जो,” क्रिस ने मुस्कुराते हुए कहा। “क्या तुम्हें नहीं पता कि वो ओइजा बोर्ड कैसे काम करते हैं? ये तो बस किसी व्यक्ति का अवचेतन मन है, बस इतना ही।”
“हाँ, शायद,” पेरिन ने जवाब दिया। “शायद। यह सब महज़ एक संकेत हो सकता है। लेकिन मैंने आत्माओं से संपर्क करने, ओइजा बोर्ड वगैरह के बारे में जितनी भी कहानियाँ सुनी हैं, क्रिस, उन सब में हमेशा किसी न किसी तरह के द्वार खुलने का संकेत मिलता है। ओह, मुझे पता है कि तुम आत्माओं की दुनिया में विश्वास नहीं करते, क्रिस। लेकिन मैं करता हूँ। और अगर मैं सही हूँ, तो शायद इन दोनों दुनियाओं के बीच का पुल वही है जिसका तुमने अभी ज़िक्र किया, अवचेतन मन। मुझे बस इतना पता है

के चीज़ें घटित होती हुई प्रतीत होती हैं। और, मेरे प्रिय, दुनिया भर में ऐसे पागलखाने भरे पड़े हैं जहाँ तंत्र-मंत्र में रुचि रखने वाले लोग भर्ती हैं।"
"अरे, तुम मजाक कर रही हो, मैरी जो। मतलब, क्या तुम मजाक नहीं कर रही हो?"
सन्नाटा छा गया। फिर अंधेरे से एक धीमी आवाज़ गूंजने लगी। "उन्नीस सौ इक्कीस में बवेरिया में एक परिवार था। मुझे उनका नाम याद नहीं है, लेकिन उसमें ग्यारह लोग थे। मुझे लगता है कि आप अखबारों में देख सकते हैं। एक प्रेतात्मा से संपर्क करने की कोशिश के कुछ ही समय बाद, वे अपना मानसिक संतुलन खो बैठे। सभी ग्यारह। उन्होंने अपने घर में आग लगा दी, और जब वे फर्नीचर जला चुके, तो उन्होंने अपनी छोटी बेटी के तीन महीने के बच्चे को जलाना शुरू कर दिया। और तभी पड़ोसियों ने अंदर घुसकर उन्हें रोका।"
उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, "पूरे परिवार को पागलखाने में भर्ती करा दिया गया था।"
"अरे बाप रे!" क्रिस ने कैप्टन हाउडी के बारे में सोचते हुए गहरी सांस ली, जिसका चेहरा अब भयावह लग रहा था। मानसिक बीमारी। क्या यही बात थी? कुछ तो गड़बड़ है। "मुझे पता था कि मुझे रेग्स को मनोचिकित्सक के पास ले जाना चाहिए था!"
"अरे, भगवान के लिए!" श्रीमती पेरिन रोशनी में आगे बढ़ते हुए बोलीं। "मेरी चिंता मत करो; बस अपने डॉक्टर की बात सुनो।" उनकी आवाज़ में दिलासा देने की कोशिश थी, लेकिन क्रिस को उसमें विश्वास की कमी महसूस हुई। "भविष्य के बारे में तो मुझे सब पता है," पेरिन मुस्कुराते हुए बोलीं, "लेकिन वर्तमान में मैं बिल्कुल बेबस हूँ।" वह अपने पर्स में टटोल रही थीं। "तो फिर, मेरे चश्मे कहाँ हैं? देखो? मैंने उन्हें कहीं रख कर भूल गए। ओह, ये रहे।" उन्हें अपने कोट की जेब में मिल गए। "प्यारा घर," उन्होंने चश्मा पहनते हुए और घर के ऊपरी हिस्से की ओर देखते हुए कहा। "इससे गर्माहट का एहसास होता है।"
"कितनी राहत मिली!" क्रिस ने कहा। "एक पल के लिए तो मुझे लगा कि तुम मुझे बताने वाले हो कि घर में भूत-प्रेत हैं!"
श्रीमती पेरिन ने बिना मुस्कुराए उसकी ओर देखा।
"मैं तुम्हें ऐसी बात क्यों बताऊंगी?" उसने पूछा।
क्रिस अपनी एक दोस्त के बारे में सोच रही थी, जो बेवर्ली हिल्स की एक मशहूर अभिनेत्री थी और जिसने अपना घर इसलिए बेच दिया था क्योंकि उसका मानना था कि उसमें भूत-प्रेत का वास है। क्रिस ने फीकी मुस्कान के साथ कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। बस मज़ाक कर रही थी।"
श्रीमती पेरिन ने शांत स्वर में उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "यह एक अच्छा, दोस्ताना घर है। मैं यहाँ पहले भी आ चुकी हूँ, तुम्हें पता है; कई बार।"
"क्या सचमुच?"
"हाँ, यह मेरे एक दोस्त का था, जो नौसेना में एडमिरल थे। मुझे उनसे कभी-कभार चिट्ठियाँ मिलती हैं। बेचारे, उन्हें फिर से ड्यूटी पर भेज दिया गया है। मुझे नहीं पता कि मुझे उनकी याद आ रही है या इस घर की।" वह मुस्कुराई। "लेकिन शायद आप मुझे फिर से आमंत्रित करेंगे।"
"मैरी जो, मैं तुम्हें वापस पाकर बहुत खुश होऊंगा। मैं सचमुच ऐसा कह रहा हूं। तुम एक दिलचस्प इंसान हो। सुनो, मुझे फोन करना। क्या तुम मुझे अगले हफ्ते फोन करोगी?"

"जी हां, मैं यह जानना चाहूंगा कि आपकी बेटी कैसी है।"
"नंबर मिल गया?"
"मैं करता हूं।"
क्रिस ने सोचा, आखिर क्या गड़बड़ थी?
ज्योतिषी के लहजे में कुछ गड़बड़ थी।
“शुभ रात्रि,” श्रीमती पेरिन ने कहा, “और एक शानदार शाम के लिए फिर से धन्यवाद।”
और इससे पहले कि क्रिस उन्हें जवाब दे पाता, वह ज्योतिषी तेज़ी से सड़क पर आगे बढ़ गई।
क्रिस उसे देखती रही और फिर भारी थकान महसूस होने पर धीरे से सामने का दरवाजा बंद कर दिया। उसने सोचा, वाकई एक अजीब रात थी; कुछ खास रात।
वह बैठक में गई और विली के पास खड़ी हो गई, जो पेशाब के दाग के पास घुटनों के बल बैठा था। वह कालीन की सतह को साफ कर रही थी।
“मैंने सफेद सिरका लगाया,” विली ने बुदबुदाते हुए कहा। “दो बार।”
“बाहर आ रहे हो?”
“शायद अभी। मुझे नहीं पता। हम देखेंगे।”
"नहीं, सूखने से पहले आप सही-सही नहीं बता सकते।"
हाँ, ये तो कमाल है, ज़बरदस्त। ये तो शानदार बात है। जूडास प्रीस्ट, बच्चे, सो जाओ!
“चलो, अभी इसे छोड़ दो, विली। सो जाओ।”
नहीं, मैं इसे पूरा करता हूँ।
ठीक है, फिर। और धन्यवाद। शुभ रात्रि।
शुभ रात्रि, महोदया।
क्रिस थके हुए कदमों से सीढ़ियाँ चढ़ने लगी। "वाह, विली, करी बहुत बढ़िया थी! सबको बहुत पसंद आई।"
"आप का धन्यवाद मैडम।"
क्रिस ने रीगन को देखा तो वो अभी भी सो रही थी। तभी उसे ओइजा बोर्ड याद आया। क्या उसे इसे छुपा देना चाहिए? या फेंक देना चाहिए? अरे बाप रे, पेरिन तो ऐसी चीजों के मामले में बहुत ही घटिया है। फिर भी क्रिस जानती थी कि वो काल्पनिक साथी कुछ अजीब और अस्वस्थकर था। हाँ, शायद मुझे इसे फेंक देना चाहिए।
फिर भी, वह झिझक रही थी। बिस्तर के पास खड़ी होकर रीगन को देखते हुए, उसे एक घटना याद आई जब उसकी बेटी तीन साल की थी, वह रात जब हॉवर्ड ने तय किया था कि अब वह अपनी बोतल से दूध पीने के लिए बहुत बड़ी हो गई है, जिस पर वह निर्भर हो गई थी। उस रात उसने उससे बोतल छीन ली थी, और रीगन सुबह चार बजे तक चीखती रही, फिर कई दिनों तक उसका व्यवहार बहुत तनावपूर्ण रहा। क्रिस को अब भी वैसी ही प्रतिक्रिया का डर था। बेहतर होगा कि मैं किसी मनोचिकित्सक से इस बारे में बात कर लूँ। इसके अलावा, उसने सोचा कि रिटालिन का असर अभी शुरू भी नहीं हुआ है, इसलिए अंत में उसने इंतजार करने और देखने का फैसला किया।
क्रिस अपने कमरे में गई, थकी हुई सी बिस्तर पर लेट गई और लगभग तुरंत सो गई। फिर रीगन की चीख सुनकर उसकी नींद खुल गई। “माँ, इधर आओ! जल्दी इधर आओ, मुझे डर लग रहा है!”
मैं आ रहा हूँ, रेग्स! मैं आ रहा हूँ!

क्रिस दौड़कर रीगन के बेडरूम की ओर भागा। वह सिसक रही थी। रो रही थी। बिस्तर के स्प्रिंग तेजी से ऊपर-नीचे हिल रहे थे।
“ओह, मेरी जान, क्या हुआ?” क्रिस ने हैरानी से कहा।
उसने लाइट जला दी।
हे सर्वशक्तिमान मसीह!
आंसुओं से भीगा चेहरा, भय से विकृत, रीगन अपनी संकीर्ण चारपाई के किनारों को कसकर पकड़े पीठ के बल लेटी हुई थी। “माँ, यह क्यों हिल रहा है?” वह रोई। “इसे रोक दो! ओह, मैं डर गई हूँ! इसे रोक दो! माँ, कृपया इसे रोक दो!”
बिस्तर का गद्दा बुरी तरह से आगे-पीछे कांप रहा था।

किनारा

नींद में, वह दर्द जिसे भुलाया नहीं जा सकता, बूंद-बूंद करके दिल पर गिरता है, जब तक कि हमारी अपनी निराशा में, हमारी इच्छा के विरुद्ध, ईश्वर की भयानक कृपा से ज्ञान प्राप्त नहीं हो जाता।

—एस्किलस

अध्याय एक

वे उसे एक भीड़भाड़ वाले कब्रिस्तान में ले गए जहाँ कब्रों पर लिखे पत्थर साँस लेने के लिए तड़प रहे थे।
वह प्रार्थना सभा उसके जीवन की तरह ही अकेली थी। ब्रुकलिन से आए उसके भाई। कोने पर वह दुकानदार जिसने उसे उधार दिया था। उन्हें उसे बिना खिड़कियों वाली अंधेरी दुनिया में नीचे उतारते हुए देखकर, डेमियन कैरस उस दुख से फूट-फूट कर रोया जिसे उसने बहुत पहले खो दिया था।
“आह, डिम्मी, डिम्मी...”
एक चाचा ने उसके कंधे पर हाथ रखा हुआ है।
"कोई बात नहीं, वो अब स्वर्ग में है, डिम्मी। वो खुश है।"
हे भगवान, ऐसा ही हो! हे भगवान! हे कृपा! हे भगवान, ऐसा ही हो!
वे कार में इंतजार करते रहे जबकि वह कब्र के पास कुछ देर रुका रहा। वह उसे अकेले देखने का ख्याल भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था।

पोंसेल्वोनेया स्टेशन जाते समय, उसने अपने चाचाओं को टूटी-फूटी, आप्रवासी लहजे में अपनी बीमारियों के बारे में बात करते हुए सुना।
“... एम्फीसेमा ... धूम्रपान छोड़ना होगा ... मैं पिछले साल लगभग मर ही गया था, तुम्हें पता है ना?”
क्रोध की लहरें उसके होठों से फूटने को बेताब थीं, लेकिन उसने उन्हें रोक लिया और शर्म महसूस की। उसने खिड़की से बाहर देखा: वे होम रिलीफ स्टेशन के पास से गुज़र रहे थे, जहाँ कड़ाके की ठंड में शनिवार की सुबह वह दूध और आलू के बोरे लेने जाती थी, जबकि वह अपने बिस्तर पर लेटा रहता था; सेंट्रल पार्क चिड़ियाघर, जहाँ वह गर्मियों में उसे छोड़कर प्लाज़ा के सामने फव्वारे के पास भीख माँगती थी। होटल के पास से गुज़रते हुए, कैरस फूट-फूटकर रोने लगा, और फिर उसने उन यादों को अपने गले में दबा लिया, जो चुभते पछतावे की नमी से भीगी हुई थीं। उसने सोचा कि प्यार ने इस दूरी का इंतज़ार क्यों किया, उस पल का इंतज़ार क्यों किया जब उसे छूने की ज़रूरत नहीं थी, जब संपर्क और मानवीय समर्पण की सीमाएँ उसके बटुए में रखे एक छपे हुए प्रार्थना कार्ड जितनी छोटी हो गई थीं: स्मृति में... वह जानता था। यह दुःख पुराना था।
वे जॉर्जटाउन में रात के खाने के समय पहुँच गए, लेकिन उन्हें भूख नहीं थी। वे अपनी कुटिया में इधर-उधर टहलते रहे। उनके कुछ जेसुइट मित्र सांत्वना देने आए। वे थोड़ी देर रुके और प्रार्थना करने का वादा किया।
दस बजने के कुछ ही देर बाद, जो डायर स्कॉच की एक बोतल लेकर आया। उसने गर्व से उसे दिखाते हुए कहा: "चिवस रीगल!"
"इसके लिए पैसे कहाँ से मिले—क्या तुमने दान पेटी से लिए?"
"बदतमीज़ी मत करो, ऐसा करना मेरी गरीबी की प्रतिज्ञा तोड़ने जैसा होगा।"
"तो फिर आपको यह कहाँ से मिला?"
मैंने इसे चुराया है।
कैरास मुस्कुराया और अपना सिर हिलाते हुए एक गिलास और एक पीतल का कॉफी मग लाया और उन्हें अपने छोटे से बाथरूम के सिंक में धोया।
“मुझे आप पर विश्वास है,” उसने कर्कश आवाज में कहा।
मैंने इससे बड़ा विश्वास कभी नहीं देखा।
कैरास को जानी-पहचानी पीड़ा का एक तेज झटका लगा। उसने उसे झटक दिया और डायर के पास लौट आया, जो अपनी चारपाई पर बैठा स्कॉच की बोतल का ढक्कन खोल रहा था। वह उसके बगल में बैठ गया।
"क्या आप मुझे अभी या बाद में बरी करना चाहेंगे?" डायर ने पूछा।
"बस डाल दो और हम एक दूसरे को माफ कर देंगे।"
डायर ने गिलास और कप में खूब सारा पेय डाला। "कॉलेज के अध्यक्षों को शराब नहीं पीनी चाहिए," उसने धीरे से कहा। "यह एक बुरा उदाहरण पेश करता है। मुझे लगता है कि मैंने उसे एक भयानक प्रलोभन से बचा लिया है।"
कैरास ने स्कॉच पी ली, लेकिन कहानी नहीं सुनी। वह राष्ट्रपति के तौर-तरीकों को अच्छी तरह जानता था। चतुराई और संवेदनशीलता से भरपूर, वह हमेशा अप्रत्यक्ष रूप से अपनी बात कहता था। वह जानता था कि डायर एक मित्र के रूप में आया था, लेकिन साथ ही राष्ट्रपति के निजी दूत के रूप में भी।

डायर कैरस के लिए अच्छा था; उसे हंसाता था; पार्टी और क्रेस मैकनील के बारे में बातें करता था; जेसुइट अनुशासन प्रमुख के बारे में नए-नए किस्से सुनाता था। वह बहुत कम पीता था लेकिन लगातार कैरस का गिलास भरता रहता था, और जब उसे लगा कि कैरस को नींद आ रही है, तो वह पलंग से उठकर कैरस को लेटने के लिए कहता था, जबकि वह डेस्क पर बैठा रहता था और तब तक बातें करता रहता था जब तक कैरस की आंखें बंद नहीं हो जातीं और उसकी बातें अस्पष्ट फुसफुसाहट में बदल जाती थीं।
डायर खड़ा हुआ, कैरस के जूतों के फीते खोले और उन्हें उतार दिया।
“अब मेरे जूते भी चुराओगे?” कैरस ने भारी आवाज में बुदबुदाया।
“नहीं, मैं तो कपड़ों की सिलवटें देखकर भविष्य बताता हूँ। अब चुप रहो और सो जाओ।”
"तुम एक जेसुइट बिल्ली चोर हो।"
डायर हल्के से हँसा और अलमारी से एक कोट निकालकर उसे ओढ़ा दिया। “सुनो, इस जगह के बिलों की चिंता किसी को तो करनी ही पड़ेगी। तुम सब लोग तो बस एम स्ट्रीट पर शराबियों के लिए माला खड़काते रहते हो।”
कैरास ने कोई जवाब नहीं दिया। उसकी सांसें नियमित और गहरी थीं। डायर चुपचाप दरवाजे की ओर बढ़ा और बत्ती बुझा दी।
“चोरी करना पाप है,” कैरस ने अंधेरे में बुदबुदाते हुए कहा।
“मेरी गलती है,” डायर ने धीरे से कहा।
कुछ देर इंतजार करने के बाद, आखिरकार उसने सोचा कि कैरस सो रहा है। वह झोपड़ी से निकल गया।
आधी रात को कैरस रोते हुए जाग उठा। उसने अपनी माँ का सपना देखा था। मैनहट्टन में एक ऊँची खिड़की पर खड़े होकर उसने देखा कि उसकी माँ सड़क के उस पार एक सबवे स्टेशन से निकल रही है। वह एक भूरे रंग के कागज़ के शॉपिंग बैग के साथ फुटपाथ पर खड़ी थी और उसका नाम पुकारते हुए उसे ढूंढ रही थी। कैरस ने हाथ हिलाया। लेकिन उसने उसे नहीं देखा। वह सड़क पर भटकती रही। बसें। ट्रक। unfriendly भीड़। वह डरती जा रही थी। वह वापस सबवे में गई और नीचे उतरने लगी। कैरस घबरा गया, सड़क पर भागा और रोने लगा, उसका नाम पुकारते हुए; क्योंकि वह उसे ढूंढ नहीं पा रहा था; क्योंकि वह उसे ज़मीन के नीचे सुरंगों के जाल में असहाय और हैरान-परेशान देख रहा था।
उसने अपने रोने के थमने का इंतज़ार किया, फिर स्कॉच की बोतल ढूंढी। चारपाई पर बैठकर वह अंधेरे में ही पीता रहा। आंसू लगातार बहते रहे। वे रुक ही नहीं रहे थे। यह दुःख उसे बचपन की याद दिला रहा था।
उसे अपने चाचा का फोन कॉल याद आया:
“डिम्मी, सूजन की वजह से उसके दिमाग पर असर पड़ा है। वो किसी डॉक्टर को अपने पास नहीं आने देती। बस चीखती रहती है। डिम्मी, वो तो रेडियो से भी बात करती है। मुझे लगता है उसे बेलव्यू अस्पताल ले जाना पड़ेगा, डिम्मी। कोई आम अस्पताल उसे बर्दाश्त नहीं करेगा। मुझे लगता है दो महीने में वो बिल्कुल ठीक हो जाएगी; फिर हम उसे दोबारा ले आएंगे। ठीक है? सुनो, डिम्मी, हमने पहले ही कर दिया है। उन्होंने उसे इंजेक्शन लगाया और फिर आज सुबह एम्बुलेंस में ले गए। हम तुम्हें परेशान नहीं करना चाहते थे, लेकिन कोर्ट में सुनवाई होने वाली है और तुम्हें

कागज़ात पर हस्ताक्षर करने होंगे। क्या? प्राइवेट अस्पताल? डिम्मी, इसके लिए किसके पास पैसे हैं? तुम्हारे पास?"
कैरास को याद नहीं था कि वह कब सो गया था।
वह गहरी बेहोशी की हालत में जागा, हानि की याद उसके दिमाग से खून सुखा रही थी। वह लड़खड़ाते हुए बाथरूम गया; नहाया; दाढ़ी बनाई; और पादरी का वस्त्र पहना। समय था पांच बजकर पैंतीस मिनट। उसने होली ट्रिनिटी का दरवाजा खोला, अपने वस्त्र पहने और बाईं ओर की वेदी पर प्रार्थना में भाग लिया।
"हे प्रभु...," उसने घोर निराशा के साथ प्रार्थना की: "हे मेरी सेविका, मेरी कैरस को याद रखना..."
पवित्रस्थान के द्वार पर उसने बेलेव्यू रिसीविंग में कार्यरत नर्स का चेहरा देखा; और एकांतवास कक्ष से आती चीखें फिर से सुनीं।
"तुम उसके बेटे हो?"
"हाँ, मैं डेमियन कर्रास हूँ।"
"खैर, मैं वहां नहीं जाऊंगा। वह बहुत गुस्से में है।"
उसने बंदरगाह से उस बिना खिड़की वाले कमरे को देखा, जिसकी छत से एक नंगा बल्ब लटक रहा था; गद्देदार दीवारें थीं; और उस पलंग के अलावा कोई फर्नीचर नहीं था जिस पर वह बड़बड़ा रही थी।
"...हे प्रभु, हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप उसे विश्राम, प्रकाश और शांति का स्थान प्रदान करें..."
जैसे ही उसने उसे देखा और उसकी निगाहों से उसकी निगाहें मिलीं, वह अचानक चुप हो गई; फिर बिस्तर से उठी और धीरे-धीरे छोटे, गोल, कांच के अवलोकन द्वार की ओर बढ़ी, उसके चेहरे पर हैरानी और दुख के भाव थे।
"तुम ऐसा क्यों कर रहे हो, डिम्मी? क्यों?"
उसकी आंखें मेमने की आंखों से भी अधिक कोमल थीं।
"अग्नस देई...," कैरस ने सिर झुकाते हुए और मुट्ठी से अपनी छाती पीटते हुए धीरे से कहा। "हे ईश्वर के मेमने, जो संसार के पापों को दूर करते हो, उसे शांति प्रदान करो..."
कुछ क्षण बाद, जब उसने अपनी आँखें बंद कीं और पवित्र रोटी को ऊपर उठाया, तो उसने सुनवाई कक्ष में अपनी माँ को देखा, उसके छोटे हाथ उसकी गोद में कोमल भाव से जुड़े हुए थे, उसका चेहरा शांत और भ्रमित था क्योंकि न्यायाधीश उसे बेलेव्यू के मनोचिकित्सक की रिपोर्ट समझा रहे थे।
"क्या तुम यह समझ गई, मैरी?"
उसने सिर हिलाया; अपना मुंह नहीं खोला; उन्होंने उसके नकली दांत निकाल लिए थे।
"तो, इस बारे में तुम्हारा क्या कहना है, मैरी?"
उसने गर्व से जवाब दिया, "मेरा बेटा, वह मेरी तरफ से बोलता है।"
कैरास के होठों से एक व्यथित कराह निकली जब उसने पवित्र रोटी के ऊपर अपना सिर झुकाया। उसने अपनी छाती पर ऐसे हाथ मारा मानो वह बीते वर्षों को वापस मोड़ना चाहता हो, और बुदबुदाया, "हे प्रभु, मैं कुछ भी नहीं हूँ। बस एक शब्द कह दीजिए और मेरी आत्मा को शांति मिल जाएगी।"
तर्क और ज्ञान दोनों के विपरीत, उसने प्रार्थना की कि कोई तो उसकी प्रार्थना सुनेगा। उन्हें ऐसा नहीं लगता था।
प्रार्थना सभा के बाद, वह झोपड़ी में लौट आया और सोने की कोशिश करने लगा।

असफल।
बाद में सुबह, एक युवा पादरी, जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था, अचानक वहाँ आ गया। उसने दरवाजा खटखटाया और खुले दरवाजे से अंदर झाँका। "क्या आप व्यस्त हैं? क्या मैं आपसे थोड़ी देर मिल सकता हूँ?"
आँखों में बेचैन बोझ; आवाज में मार्मिक विनती।
एक पल के लिए कैरस को उससे नफरत हो गई।
“अंदर आओ,” उसने कोमल स्वर में कहा। और मन ही मन अपने उस हिस्से पर क्रोधित हो रहा था जो अक्सर उसे किसी की विनती के सामने बेबस कर देता था; जिसे वह वश में नहीं कर पाता था; जो उसके भीतर एक रस्सी की तरह लिपटा रहता था, किसी की ज़रूरत के समय मदद के लिए हमेशा तैयार। यह उसे कभी चैन नहीं लेने देता था। नींद में भी नहीं। उसके सपनों के किनारे अक्सर किसी संकट में पड़े व्यक्ति की धीमी, दूर से आती हुई पुकार जैसी आवाज़ सुनाई देती थी, और जागने के बाद कई मिनट तक उसे किसी अधूरे कर्तव्य की चिंता सताती रहती थी।
युवा पादरी झिझक रहा था; लड़खड़ा रहा था; शर्मीला लग रहा था। कैरस ने धैर्यपूर्वक उसका मार्गदर्शन किया। सिगरेट पेश की। इंस्टेंट कॉफी दी। फिर रुचि का भाव दिखाते हुए उस उदास युवा आगंतुक ने धीरे-धीरे अपनी एक जानी-पहचानी समस्या बताई: पादरियों का भयानक अकेलापन।
कैरास को समुदाय में जिन चिंताओं का सामना करना पड़ा, उनमें से यह चिंता हाल ही में सबसे अधिक प्रचलित हो गई थी। अपने परिवारों और महिलाओं से अलग-थलग पड़े कई जेसुइट पादरी साथी पादरियों के प्रति स्नेह व्यक्त करने से भी डरते थे; गहरे और प्रेमपूर्ण मित्रता बनाने से भी कतराते थे।
“जैसे कि मैं किसी दूसरे आदमी के कंधे पर हाथ रखना चाहती हूँ, लेकिन तुरंत ही मुझे डर लगता है कि कहीं वो मुझे समलैंगिक न समझे। मतलब, आपने ऐसी कई कहानियाँ सुनी होंगी कि बहुत से समलैंगिक लोग पादरी बनने की ओर आकर्षित होते हैं। इसलिए मैं ऐसा नहीं करती। मैं किसी के कमरे में सिर्फ़ रिकॉर्ड सुनने, बात करने या सिगरेट पीने के लिए भी नहीं जाती। ऐसा नहीं है कि मुझे उससे डर लगता है; बस मुझे इस बात की चिंता रहती है कि कहीं वो मेरे बारे में परेशान न हो जाए।”
कैरास ने महसूस किया कि युवा पादरी का भार धीरे-धीरे हटकर उस पर आ रहा है। उसने इसे होने दिया; उसने उसे बोलने दिया। वह जानता था कि वह बार-बार उसके पास लौटकर अकेलेपन से राहत पाएगा, कैरास को अपना मित्र बनाएगा, और जब उसे एहसास होगा कि उसने बिना किसी भय और संदेह के ऐसा किया है, तो शायद वह दूसरों के बीच भी मित्रता स्थापित कर लेगा।
थकते-हारते कैरस खुद को निजी दुख में डूबता हुआ पाया। उसने उस पट्टिका पर नज़र डाली जो किसी ने उसे पिछली क्रिसमस पर दी थी: मेरा भाई दुखी है। मैं उसके दर्द में भागीदार हूँ। मैं उसमें ईश्वर से मिलता हूँ। एक असफल मुलाकात। उसने खुद को दोषी ठहराया। उसने अपने भाई की पीड़ा के रास्तों का नक्शा तो बना लिया था, पर कभी उन पर चला नहीं था; या कम से कम उसे ऐसा ही लगता था। उसे लगा कि जो दर्द वह महसूस कर रहा है, वह उसका अपना है।
अंततः आगंतुक ने अपनी घड़ी देखी। कैंपस के भोजनालय में दोपहर के भोजन का समय हो गया था। वह उठा और जैसे ही वह जाने लगा, उसकी नज़र कैरस की मेज पर रखे एक नए उपन्यास के कवर पर पड़ी।

“ओह, तुम्हारे पास शैडोज़ हैं,” उसने कहा।
“क्या तुमने इसे पढ़ा है?” कैरस ने पूछा।
युवा पादरी ने सिर हिलाया। "नहीं, मैंने नहीं देखा है। क्या मुझे देखना चाहिए?"
“मुझे नहीं पता। मैंने इसे अभी-अभी खत्म किया है और मुझे बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि मैं इसे पूरी तरह समझ पाया हूँ,” कैरस ने झूठ बोला। उसने किताब उठाई और मुझे दे दी। “क्या तुम इसे अपने साथ ले जाना चाहोगे? तुम्हें पता है, मैं किसी और की राय सुनना चाहता हूँ।”
“अच्छा, ठीक है,” जेसुइट ने कवर के भीतरी हिस्से पर लगी प्रति की जाँच करते हुए कहा। “मैं इसे कुछ दिनों में आपको वापस भेजने की कोशिश करूँगा।”
उनका मूड पहले से बेहतर लग रहा था।
जैसे ही युवा पादरी के जाने पर जालीदार दरवाज़े की चरमराहट सुनाई दी, कैरस को राहत और शांति का अनुभव हुआ। उसने अपनी प्रार्थना पुस्तक उठाई और आंगन में कदम रखा, जहाँ वह धीरे-धीरे टहलते हुए अपनी दैनिक प्रार्थनाएँ करने लगा।
दोपहर में, उनके पास एक और आगंतुक आया, होली ट्रिनिटी चर्च के बुजुर्ग पादरी, जो डेस्क के पास एक कुर्सी पर बैठ गए और कैरस की मां के निधन पर शोक व्यक्त किया।
"मैंने उसके लिए दो प्रार्थना सभाएं कीं, डेमियन, और तुम्हारे लिए भी एक," उसने मधुर आयरिश लहजे में हांफते हुए कहा।
“आपने बहुत अच्छा काम किया, पिताजी। बहुत-बहुत धन्यवाद।”
“उसकी उम्र कितनी थी?”
"सत्तर।"
"वाह, यह तो बहुत अच्छी उम्र है।"
कैरास को हल्का सा गुस्सा आया। ओह, सच में?
उसकी निगाह पादरी द्वारा लाए गए एक वेदी कार्ड पर पड़ी। प्रार्थना सभा में इस्तेमाल होने वाले तीन कार्डों में से एक, यह कार्ड प्लास्टिक से ढका हुआ था और इस पर पादरी द्वारा पढ़ी जाने वाली प्रार्थनाओं का एक अंश अंकित था। कैरस को आश्चर्य हुआ कि पादरी इसे क्यों लाए थे। इसका जवाब जल्द ही मिल गया।
“खैर, डेमियन, आज यहाँ फिर से ऐसी ही एक घटना घटी है। चर्च में, तुम्हें पता है। एक और अपवित्रता।”
चर्च के बाईं ओर स्थित वेदी पर वर्जिन मैरी की मूर्ति पर रंग चढ़ा दिया गया था और उसे एक वेश्या जैसा बना दिया गया था, पादरी ने उसे बताया। फिर उसने वेदी का कार्ड कैरस को सौंप दिया। “और फिर यह कार्ड सुबह के मध्य में मिला, ठीक आपके न्यूयॉर्क जाने के बाद। क्या यह शनिवार था? हाँ। हाँ, था। अच्छा, इसे देख लीजिए। मैंने अभी-अभी एक पुलिस सार्जेंट से बात की है, और—अरे, छोड़िए। डेमियन, कृपया इस कार्ड को देख लीजिए?”
जब कैरस कार्ड की जांच कर रहा था, तब पादरी ने बताया कि किसी ने मूल कार्ड और उसके कवर के बीच एक टाइप किया हुआ पन्ना डाल दिया था। नकली पाठ में कुछ काट-छांट और कई टाइपिंग की गलतियाँ थीं, लेकिन वह धाराप्रवाह और समझने योग्य लैटिन भाषा में था और उसमें मैरी मैग्डलीन और पवित्र कुंवारी मरियम के बीच एक काल्पनिक समलैंगिक संबंध का सजीव और कामुक वर्णन था।

“बस करो, अब तुम्हें इसे पूरा पढ़ने की ज़रूरत नहीं है,” पादरी ने काउंसिल झट से वापस फेंकते हुए कहा, मानो उसे डर हो कि कहीं यह पाप का कारण न बन जाए। “वाह, यह तो बहुत बढ़िया लैटिन है; मतलब, इसमें एक खास अंदाज़ है, चर्च वाली लैटिन शैली। खैर, सार्जेंट का कहना है कि उसने एक मनोवैज्ञानिक से बात की है, और उसका कहना है कि वह व्यक्ति यह सब कर रहा है—खैर, वह एक पादरी हो सकता है, जानते हो, एक बहुत बीमार पादरी। क्या वह सही हो सकता है?”
कैरास ने कुछ देर सोचा। फिर सिर हिलाया। “हाँ। हाँ, ऐसा हो सकता है। शायद, पूरी तरह से नींद में चलने की अवस्था में विद्रोह का प्रदर्शन कर रहा हो। मुझे नहीं पता। लेकिन ऐसा हो सकता है। ज़रूर। शायद ऐसा ही हो।”
"क्या आप किसी उम्मीदवार के बारे में सोच सकते हैं, डेमियन?"
मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही है।
“अच्छा, अब देर-सवेर वे आकर तुमसे मिलेंगे, है ना? मेरा मतलब है, कैंपस में जो बीमार हैं, अगर कोई हैं तो। क्या तुम किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हो, डेमियन? मतलब, उस तरह की बीमारी वाले किसी को।”
“नहीं, पिताजी, मैं ऐसा नहीं करता।”
नहीं। नहीं, मुझे नहीं लगा था कि तुम मुझे बताओगे।
“नहीं, मैं ऐसा नहीं करूँगा, लेकिन इसके अलावा, पिताजी, नींद में चलना कई तरह के संघर्षों को सुलझाने का एक तरीका है, और आमतौर पर इसका समाधान प्रतीकात्मक होता है। इसलिए मुझे सच में पता नहीं होगा। और अगर वह नींद में चलने वाला व्यक्ति है, तो शायद उसे अपने किए का बिल्कुल भी पता नहीं होगा, यहाँ तक कि उसे खुद भी कुछ पता नहीं होगा।”
“अगर तुम उसे बता दो तो क्या होगा?” पादरी ने चतुराई से पूछा। उसने हल्के से अपने कान की लोब को खींचा, जो उसकी आदत थी, जैसा कि कैरस ने देखा था, जब भी वह खुद को चालाक समझता था।
“मैं ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं जानता जो इस विवरण से मेल खाता हो,” कैरस ने कहा।
“जी हाँ, मैं समझ गया। खैर, जैसा मैंने सोचा था, वैसा ही है।” पादरी खड़ा हुआ और दरवाजे की ओर बढ़ने लगा। “जानते हो तुम लोग कैसे हो? बिल्कुल पुजारियों जैसे!”
कैरास के हल्के से हंसने पर पादरी वापस आया और उसने वेदी का कार्ड अपनी मेज पर रख दिया। "मुझे लगता है कि तुम इसका अध्ययन कर सकते हो, है ना? करो," उसने कहा और मुड़कर फिर से जाने लगा, उम्र के कारण उसके कंधे झुके हुए थे।
“क्या उन्होंने उंगलियों के निशान की जांच की?” कैरस ने उससे पूछा।
बुजुर्ग पादरी रुक गए और पीछे मुड़कर देखने लगे। “ओह, मुझे तो शक है। आखिर हम किसी अपराधी का पीछा तो नहीं कर रहे हैं, है ना? ज़्यादा संभावना यही है कि कोई मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति हो। डेमियन, तुम्हारा क्या ख्याल है? क्या तुम्हें लगता है कि वह चर्च का ही कोई सदस्य हो सकता है? मुझे अब लग रहा है कि शायद ऐसा ही हो। नहीं, वह कोई पादरी नहीं था, बिलकुल नहीं; वह चर्च के सदस्यों में से ही कोई था।” वह फिर से अपने कान की लोब खींचने लगे। “क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता?”
मुझे नहीं पता, पिताजी।
नहीं। नहीं, मुझे नहीं लगा था कि तुम मुझे बताओगे।
उसी दिन बाद में, कैरस को परामर्शदाता के पद से मुक्त कर दिया गया और उन्हें जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के मेडिकल स्कूल में मनोचिकित्सा के व्याख्याता के रूप में

नियुक्त किया गया। उन्हें आराम करने का आदेश दिया गया था।

अध्याय दो

डॉ. क्लेन की जांच मेज़ पर रीगन पीठ के बल लेटी हुई थी, उसके हाथ और पैर बाहर की ओर मुड़े हुए थे। क्लेन ने उसके पैर को दोनों हाथों में लेकर टखने की ओर मोड़ा, उसे वहीं तनाव में रखा और फिर अचानक छोड़ दिया। पैर सामान्य स्थिति में आ गया। उन्होंने यह प्रक्रिया कई बार दोहराई, लेकिन परिणाम में कोई बदलाव नहीं आया। वे असंतुष्ट प्रतीत हुए। जब रीगन अचानक उठ बैठी और उनके चेहरे पर थूक दिया, तो उन्होंने एक नर्स को कमरे में ही रहने का निर्देश दिया और क्रिस से बात करने के लिए अपने कार्यालय लौट गए।

यह 26 अप्रैल की बात है। वह रविवार और सोमवार दोनों दिन शहर से बाहर थे और क्रिस ने पार्टी में हुई घटना और उसके बाद बिस्तर के हिलने-डुलने के बारे में बताने के लिए आज सुबह तक उनसे संपर्क नहीं किया था।

"क्या यह सचमुच हिल रहा था?"

यह बहुत मार्मिक था।

"कितनी देर के लिए?"

“मुझे नहीं पता। शायद दस, शायद पंद्रह सेकंड। मतलब, मैंने बस इतना ही देखा। फिर वो एकदम अकड़ गई और बिस्तर गीला कर दिया। या शायद उसने पहले भी गीला किया हो। मुझे नहीं पता। लेकिन फिर अचानक वो गहरी नींद में सो गई और अगली दोपहर तक नहीं उठी।”

क्लेन सोच-विचार करते हुए अपने कार्यालय में दाखिल हुए।

“तो फिर क्या बात है?” क्रिस ने पूछा। उसकी आवाज़ में चिंता थी।

जब वह पहली बार आई थी, तो उसने यह संदेह जताया था कि बिस्तर का हिलना मांसपेशियों के बार-बार कसने और शिथिल होने से होने वाले क्लोनिक संकुचन के कारण हो सकता है। उसने उसे बताया था कि इस स्थिति का दीर्घकालिक रूप क्लोनस कहलाता है, जो अक्सर मस्तिष्क में किसी क्षति का संकेत होता है।

“खैर, जांच नेगेटिव आई,” उन्होंने कहा, फिर प्रक्रिया का वर्णन करते हुए बताया कि क्लोनस में पैर को बारी-बारी से मोड़ने और छोड़ने से क्लोनिक संकुचन की एक श्रृंखला शुरू हो जाती है। लेकिन अपनी डेस्क पर बैठे क्लेन अब भी चिंतित लग रहे थे।

“क्या वह कभी गिरी है?” उन्होंने पूछा।

“जैसे सिर पर?”

"पूर्ण रूप से हाँ।"

"नहीं, जहाँ तक मुझे पता है, ऐसा नहीं है।"

“बचपन की बीमारियाँ?”

"बस वही आम बीमारियां: खसरा, गलसुआ और चिकन पॉक्स।"

"क्या हम इतिहास को नींद में चलते हुए सुना रहे हैं?"

“अब तक नहीं।”

“अब? वह पार्टी में नींद में चल रही थी?”

“हाँ, ठीक है; मुझे लगा मैंने आपको बताया था। उसे अभी भी नहीं पता कि उसने उस रात क्या किया था। और भी कई बातें हैं जो उसे याद नहीं हैं।”

रीगन सो रही थी। हॉवर्ड का विदेश से फोन आया।

“रैग्स कैसा है?”
"उनके जन्मदिन पर कॉल करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।"
“मैं एक नौका पर फंस गया था। अब भगवान के लिए, मुझे अकेला छोड़ दो! होटल पहुंचते ही मैंने उसे फोन किया!”
"ओह, हाँ, ज़रूर।"
“उसने तुम्हें नहीं बताया?”
“क्या तुमने उससे बात की?”
“हाँ। इसीलिए मैंने सोचा कि बेहतर होगा कि मैं तुम्हें फोन कर लूँ। क्रिस, उसके साथ आखिर क्या हो रहा है?”
"आपका क्या मतलब है?"
"उसने मुझे 'गाली' दी और फोन काट दिया।"
क्लेन को घटना का ब्यौरा देते हुए क्रिस ने बताया कि जब रीगन आखिरकार जाग उठी, तो उसे न तो टेलीफोन कॉल की और न ही रात के खाने के दौरान जो कुछ हुआ था उसकी कोई याद थी।
"तो शायद वह फर्नीचर को इधर-उधर ले जाने के बारे में झूठ नहीं बोल रही थी," क्लेन ने अनुमान लगाया।
मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही है।
"खैर, उसने इसे खुद ही हिलाया, मान लीजिए, लेकिन शायद स्वचालित अवस्था में। यह एक तरह की समाधि अवस्था है। व्यक्ति को पता नहीं होता या उसे याद नहीं रहता कि वह क्या कर रहा है।"
लेकिन उसके कमरे में सागौन की लकड़ी से बनी एक बहुत बड़ी भारी अलमारी है। उसका वजन आधा टन होगा। मेरा मतलब है, वह उसे कैसे हिला सकती थी?
"रोग विज्ञान में असाधारण शक्ति काफी आम बात है।"
"अरे, सच में? ऐसा क्यों?"
क्लेन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "कौन जानता है। अब, आपने जो बताया है उसके अलावा," उन्होंने आगे कहा, "क्या आपने कोई और अजीब व्यवहार देखा है?"
"खैर, वह बहुत लापरवाह हो गई है।"
“अजीबोगरीब,” क्लेन ने दोहराया।
डॉक्टर साहब, रीगन के लिए यह तो अजीब बात है। अरे, एक मिनट रुकिए! रुकिए! हाँ, एक बात है: आपको याद है वो ओइजा बोर्ड जिससे वो खेल रही थी? कैप्टन हाउडी?
आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ ने सिर हिलाया। "काल्पनिक साथी।"
अब वह उसे सुन सकती है।
डॉक्टर आगे की ओर झुके, अपनी बाहों को डेस्क पर मोड़ लिया, उनकी आँखें सिकुड़ी हुई थीं, उनका हावभाव सतर्क था। "क्या वह उसे सुन सकती है?"
“हाँ। कल सुबह, मैंने उसे अपने बेडरूम में हाउडी से बात करते हुए सुना। मतलब, वह बात करती और फिर रुक जाती, जैसे कि वह ओइजा बोर्ड से खेल रही हो, लेकिन जब मैंने कमरे में झाँका, तो वहाँ कोई ओइजा बोर्ड नहीं था; बस रैग्स था; और वह अपना सिर हिला रही थी, डॉक्टर, जैसे कि वह उसकी बातों से सहमत हो रही हो।”
क्या उसने उसे देखा था?

मुझे ऐसा नहीं लगता। उसने अपना सिर एक तरफ झुका रखा था, जैसा कि वह रिकॉर्ड सुनते समय करती है।
डॉक्टर ने सोच-समझकर सिर हिलाया। “जी हाँ। जी हाँ, मैं समझ गया। क्या उसे ऐसी कोई और घटना दिखाई देती है? क्या उसे कुछ दिखाई देता है? क्या उसे कुछ गंध आती है?”
“हां, बदबू,” क्रिस को याद आया। “उसे अपने बेडरूम में लगातार कुछ बुरी बदबू आ रही है।”
"क्या कुछ जल रहा है?"
“अरे हाँ, बिल्कुल सही! आपको कैसे पता चला?”
“खैर, यह कभी-कभी मस्तिष्क की रासायनिक-विद्युत गतिविधि में गड़बड़ी का लक्षण होता है। आपकी बेटी के मामले में, यह मस्तिष्क के टेम्पोरल लोब में है।” उन्होंने अपनी तर्जनी उंगली खोपड़ी के अगले हिस्से पर रखी। “यहाँ, मस्तिष्क के आगे वाले भाग में। यह दुर्लभ है, लेकिन इससे अजीबोगरीब मतिभ्रम होते हैं और आमतौर पर दौरे से ठीक पहले होते हैं। मुझे लगता है कि इसीलिए इसे अक्सर सिज़ोफ्रेनिया समझ लिया जाता है; लेकिन यह सिज़ोफ्रेनिया नहीं है: यह टेम्पोरल लोब में घाव के कारण होता है। चूंकि क्लोनस की जांच निर्णायक नहीं थी, इसलिए मुझे लगता है कि मैं उसका ईईजी (इलेक्ट्रोएन्सेफेलोग्राफ) करवाना चाहूंगा। इससे हमें उसकी मस्तिष्क तरंगों का पैटर्न पता चलेगा। यह असामान्य कार्यप्रणाली का एक अच्छा परीक्षण है।”
"लेकिन आपको लगता है कि बस इतना ही है, है ना? टेम्पोरल लोब?"
"जी हां, श्रीमती मैकनील, उनमें यह सिंड्रोम है। उदाहरण के लिए, अव्यवस्था; झगड़ालू स्वभाव; सामाजिक रूप से शर्मनाक व्यवहार; स्वचालित क्रियाएं; और हां, वे दौरे जिनसे बिस्तर हिल जाता है। आमतौर पर, इसके बाद या तो बिस्तर गीला हो जाता है या उल्टी होती है, या दोनों, और फिर वे बहुत गहरी नींद सो जाती हैं।"
“क्या तुम अभी उसका परीक्षण करना चाहते हो?” क्रिस ने पूछा।
"हाँ, मुझे लगता है कि हमें इसे तुरंत करना चाहिए, लेकिन उसे बेहोश करने की ज़रूरत होगी। अगर वह हिलती-डुलती है या झटका खाती है तो परिणाम व्यर्थ हो जाएँगे, इसलिए क्या मैं उसे लगभग पच्चीस मिलीग्राम लिब्रियम दे सकता हूँ?"
"हे यीशु, आपको जो करना है करो," घबराए हुए क्रिस ने उससे कहा।
वह उसके साथ जांच कक्ष तक गई, और जब रीगन ने उसे इंजेक्शन लगाने की तैयारी करते देखा, तो वह चीख पड़ी और गालियों की बौछार से पूरा माहौल भर दिया।
“ओह, प्यारी, ये तो तुम्हारी मदद के लिए है!” क्रिस ने विनती की। उसने रीगन को स्थिर पकड़े रखा जबकि क्लेन ने इंजेक्शन लगाया।
“मैं वापस आता हूँ,” क्लेन ने कहा, और जब एक नर्स ईईजी उपकरण को कमरे में लेकर आई, तो वह दूसरे मरीज़ को देखने चले गए। थोड़ी देर बाद जब वह लौटे, तो लिब्रियम का असर अभी तक नहीं हुआ था। क्लेन हैरान दिखे। “यह तो काफी तेज़ खुराक थी,” उन्होंने क्रिस से कहा।
उन्होंने पच्चीस मिलीग्राम का एक और इंजेक्शन लगाया; चले गए; वापस आए और रीगन को अब शांत और आज्ञाकारी पाकर, उन्होंने उसके सिर पर खारे पानी से भरे इलेक्ट्रोड लगाए। उन्होंने क्रिस को समझाया, "हमने दोनों तरफ चार-चार इलेक्ट्रोड लगाए हैं। इससे हम मस्तिष्क के बाएं और दाएं हिस्से से तरंग तरंगें ले सकते हैं और फिर उनकी तुलना कर सकते हैं। क्यों? दरअसल, अंतर महत्वपूर्ण हो सकता है।

उदाहरण के लिए, मेरे पास एक मरीज था जिसे मतिभ्रम होता था। उसे चीजें दिखाई देती थीं और सुनाई देती थीं। मैंने उसकी मस्तिष्क तरंगों के बाएं और दाएं हिस्से की रीडिंग की तुलना करने पर एक विसंगति पाई और पता चला कि वास्तव में वह व्यक्ति अपने सिर के केवल एक तरफ ही मतिभ्रम कर रहा था।"
“यह तो अविश्वसनीय है!” क्रिस ने आश्चर्य व्यक्त किया।
“बिल्कुल। बाईं आंख और कान सामान्य रूप से काम कर रहे थे; केवल दाईं ओर से ही दृश्य और ध्वनियाँ सुनाई दे रही थीं। अच्छा, चलिए अब देखते हैं,” क्लेन ने ईईजी मशीन चालू करते हुए कहा और फिर फ्लोरोसेंट स्क्रीन पर दिख रही तरंगों की ओर इशारा किया। “अब ये दोनों तरफ की तरंगें हैं,” उन्होंने समझाया। “अब मैं नुकीली तरंगों की तलाश कर रहा हूँ”—उन्होंने अपनी तर्जनी उंगली से हवा में एक पैटर्न बनाया—“खासकर बहुत अधिक आयाम वाली तरंगें जो प्रति सेकंड चार से आठ की दर से आ रही हों। अगर वे मौजूद हैं, तो यह टेम्पोरल लोब की समस्या है।”
उन्होंने मस्तिष्क तरंगों के पैटर्न का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया, लेकिन उन्हें कोई अनियमित लय, कोई तीव्र उभार या चपटे गुंबद नहीं मिले। और जब उन्होंने तुलनात्मक रीडिंग लीं, तो परिणाम भी नकारात्मक ही आए। क्लेन ने माथे पर शिकन डाली। उन्हें समझ नहीं आ रहा था। उन्होंने प्रक्रिया दोहराई।
और कोई बदलाव नहीं पाया गया।
क्लेन रीगन की देखभाल के लिए एक नर्स को लेकर आए और उसकी माँ के साथ अपने कार्यालय लौट गए। क्रिस बैठ गया और बोला, "ठीक है, तो क्या बात है?"
गहरी सोच में डूबे, सीने पर हाथ बांधे, क्लेन अपनी डेस्क के किनारे पर बैठे थे। उन्होंने कहा, "ईईजी से तो यह साबित हो जाता कि उसे यह बीमारी थी, लेकिन अनियमित धड़कन का न होना मुझे यह पक्के तौर पर साबित नहीं करता कि उसे यह बीमारी नहीं है। यह हिस्टीरिया भी हो सकता है, लेकिन उसके दौरे से पहले और बाद का पैटर्न बहुत ही चौंकाने वाला था।"
क्रिस ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "आप जानते हैं, डॉक्टर साहब, आप बार-बार यही कह रहे हैं—'ऐंठन'। इस बीमारी का सही नाम क्या है?"
"खैर, यह कोई बीमारी नहीं है," क्लेन ने गंभीर और शांत स्वर में कहा।
"तो फिर, आप इसे क्या कहते हैं, डॉक्टर? मेरा मतलब है, बिल्कुल स्पष्ट रूप से।"
"आप इसे मिर्गी के रूप में जानते हैं।"
“हे भगवान!”
“अब, इसे रोकिए,” क्लेन ने शांत करते हुए कहा। “मैं समझ सकता हूँ कि आम जनता की तरह मिर्गी के बारे में आपकी धारणा भी अतिरंजित है और शायद काफी हद तक मिथक पर आधारित है।”
"क्या यह वंशानुगत नहीं है?" क्रिस ने मुंह बनाते हुए कहा।
“यह एक मिथक है,” क्लेन ने शांत भाव से उससे कहा। “कम से कम, ज़्यादातर डॉक्टर तो यही सोचते हैं। देखो, लगभग किसी को भी दौरे पड़ सकते हैं। दरअसल, हममें से ज़्यादातर लोग दौरे सहने की अच्छी-खासी क्षमता के साथ पैदा होते हैं; कुछ कम क्षमता के साथ; इसलिए तुम और मिर्गी के मरीज़ में अंतर सिर्फ़ मात्रा का है। बस इतना ही। मात्रा का अंतर। यह कोई बीमारी नहीं है।”
"तो फिर यह क्या है, एक भयानक मतिभ्रम?"

“यह एक विकार है: एक नियंत्रणीय विकार। और इसके कई प्रकार हैं, श्रीमती मैकनील। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि आप अभी यहाँ बैठी हैं और एक पल के लिए आप एकदम सुन्न हो जाती हैं, और मेरी कुछ बातें आपको समझ नहीं आतीं। तो, यह एक प्रकार की मिर्गी है। यह एक वास्तविक मिर्गी का दौरा है।”
“जी हाँ, ठीक है, यह रीगन नहीं है, डॉक्टर साहब। मुझे विश्वास नहीं हो रहा। और यह सब अचानक कैसे हो रहा है?”
“देखिए, आप सही कह रहे हैं। मेरा मतलब है, हमें अभी भी यकीन नहीं है कि उसे यही बीमारी है, और मैं मानता हूँ कि शायद आप शुरू में सही थे; बहुत संभव है कि यह मनोदैहिक हो। लेकिन मुझे इस पर संदेह है। और आपके सवाल का जवाब देने के लिए, मस्तिष्क के कार्य में कई तरह के बदलाव मिर्गी के रोगी में ऐंठन पैदा कर सकते हैं: चिंता; थकान; भावनात्मक तनाव; यहाँ तक कि किसी वाद्य यंत्र का कोई विशेष स्वर भी। मेरे पास एक मरीज़ था जिसे घर से बस एक ब्लॉक दूर बस में बैठने के अलावा कभी दौरा नहीं पड़ता था। खैर, हमने आखिरकार पता लगा लिया कि इसका कारण क्या था: बस की खिड़की में सफेद स्लेट की बाड़ से परावर्तित होने वाली टिमटिमाती रोशनी। अब दिन के किसी और समय, या अगर बस अलग गति से चल रही होती, तो उसे दौरा नहीं पड़ता। उसके मस्तिष्क में एक घाव, एक निशान था जो बचपन की किसी बीमारी के कारण हुआ था। आपकी बेटी के मामले में, निशान आगे की ओर होगा—टेम्पोरल लोब में—और जब यह एक निश्चित तरंग दैर्ध्य और आवधिकता के एक विशेष विद्युत आवेग से टकराता है, तो यह एक मिर्गी का दौरा पैदा करता है।” लोब के भीतर एक विशेष केंद्र से असामान्य प्रतिक्रियाओं का विस्फोट। क्या आप देख रहे हैं?
“मैं आपकी बात मान लेता हूँ,” क्रिस ने उदास होकर आह भरी। “लेकिन मैं आपको सच बताऊँ, डॉक्टर साहब: मुझे समझ नहीं आ रहा कि उसका पूरा व्यक्तित्व कैसे बदल गया होगा।”
"टेम्पोरल लोब में यह बेहद आम है और दिनों या हफ्तों तक भी रह सकता है। विनाशकारी, यहाँ तक कि आपराधिक व्यवहार भी देखने को मिलता है। दरअसल, इसमें इतना बड़ा बदलाव आता है कि दो-तीन सौ साल पहले टेम्पोरल लोब विकार से पीड़ित लोगों को अक्सर शैतान के वश में माना जाता था।"
वे क्या थे?
"किसी शैतान ने मुझ पर कब्ज़ा कर लिया है। मतलब, कुछ-कुछ अंधविश्वासों पर आधारित 'स्प्लिट पर्सनैलिटी' जैसा।"
आंखें बंद करके क्रिस ने अपना माथा मुट्ठी पर टिका लिया। "सुनो, मुझे कुछ अच्छी बात बताओ," उसने धीमी, भारी आवाज़ में कहा।
“खैर, घबराइए मत। अगर यह सिर्फ एक घाव है, तो एक तरह से वह भाग्यशाली है। तब तो हमें बस निशान हटाना होगा।”
वाह, बढ़िया!
“या फिर यह मस्तिष्क पर दबाव के कारण भी हो सकता है। देखिए, मैं उसके सिर की कुछ एक्स-रे करवाना चाहता हूँ। यहाँ इमारत में एक रेडियोलॉजिस्ट हैं, और शायद मैं उनसे आपको तुरंत एक्स-रे करवाने के लिए कह सकूँ। क्या मैं उन्हें फोन करूँ?”
“अरे हाँ, चलो शुरू करते हैं; इसे करते हैं।”

क्लेन ने फोन करके अपॉइंटमेंट तय किया। उन्होंने बताया कि वे उसे तुरंत भर्ती कर लेंगे। उन्होंने फोन रखा और पर्ची लिखने लगे। “दूसरी मंजिल पर कमरा नंबर इक्कीस। फिर मैं शायद आपको कल या गुरुवार को फोन करूंगा। मैं चाहता हूं कि इस मामले में एक न्यूरोलॉजिस्ट भी शामिल हों। इस बीच, मैं उसे रिटालिन देना बंद कर रहा हूं। चलिए कुछ समय के लिए उसे लिब्रियम देकर देखते हैं।”
उसने पैड से नुस्खे का पर्चा फाड़कर मुझे दे दिया। “श्रीमती मैकनील, मैं कोशिश करूंगा कि आप उसके पास ही रहें। अगर ये बेहोशी जैसी हालत है, तो उसके लिए खुद को नुकसान पहुंचाना हमेशा संभव है। क्या आपका कमरा उसके कमरे के पास है?”
"हाँ यह है।"
“ठीक है। भूतल?”
नहीं, दूसरा।
"उसके बेडरूम में बड़ी-बड़ी खिड़कियाँ?"
“अच्छा, पहला सवाल। मामला क्या है?”
“खैर, मैं इसे बंद रखने की कोशिश करूँगा, यहाँ तक कि शायद इस पर ताला भी लगवा दूँगा। बेहोशी की हालत में वह इसमें से गिर सकती है। मेरे साथ एक बार ऐसा हुआ था—”
“धैर्यवान,” क्रिस ने एक हल्की सी व्यंग्यात्मक, थकी हुई मुस्कान के साथ बात समाप्त की।
क्लेन मुस्कुराया। "मुझे लगता है कि मेरे पास उनमें से बहुत सारे हैं, है ना?"
"हां, दो-चार।"
उसने अपना चेहरा हाथ पर टिकाया और सोच-विचार करते हुए आगे झुक गई। "पता है, अभी-अभी मेरे दिमाग में एक और बात आई।"
और वह क्या था?
"अच्छा, जैसे दौरे के बाद, आप कह रहे थे कि वह तुरंत गहरी नींद में सो जाती थी। जैसे शनिवार की रात को। मतलब, क्या आपने ऐसा नहीं कहा था?"
“हाँ, बिल्कुल।” क्लेन ने सिर हिलाया। “हाँ, मैंने किया।”
"तो फिर, उन सभी मौकों पर जब उसने कहा कि उसका बिस्तर हिल रहा था, तो वह हमेशा पूरी तरह से जाग रही थी, ऐसा क्यों था?"
आपने मुझे यह नहीं बताया था।
“खैर, बात कुछ ऐसी ही थी। वह ठीक लग रही थी। वह मेरे कमरे में आई और फिर मेरे साथ बिस्तर पर आने के लिए कहा।”
“क्या बिस्तर गीला करने की समस्या है? उल्टी होने की समस्या है?”
क्रिस ने सिर हिलाया। "वह ठीक थी।"
क्लेन ने भौंहें चढ़ाईं और धीरे से अपने होंठ चबाए। "चलो, उन एक्स-रे को देखते हैं," उसने आखिरकार उससे कहा।
थकावट और सुन्नता महसूस करते हुए, क्रिस रीगन को रेडियोलॉजिस्ट के पास ले गई; एक्स-रे लेते समय उसके पास ही रही; और फिर उसे घर ले आई। दूसरे इंजेक्शन के बाद से वह अजीब तरह से चुप थी, और क्रिस ने अब उससे बातचीत शुरू करने की कोशिश की।
"क्या तुम मोनोपोली या कुछ और खेलना चाहोगी, प्रिये?"

अपना सिर हल्का सा हिलाते हुए, रीगन ने अपनी माँ को ऐसी धुंधली आँखों से देखा जो मानो अनंत दूरी में खोई हुई थीं। "मुझे बहुत नींद आ रही है," उसने कहा। उसकी आवाज़ उसकी आँखों से निकली हुई थी। फिर, मुड़कर, वह सीढ़ियाँ चढ़कर अपने बेडरूम में चली गई।
चिंता से उसे देखते हुए, क्रिस ने सोचा, "ज़रूर लिब्रियम का असर होगा।"
फिर अंत में उसने एक गहरी सांस ली और रसोई में चली गई। उसने कॉफी डाली और शैरन के साथ नाश्ते की मेज़ पर बैठ गई।
“कैसा रहा?” शेरोन ने उससे पूछा।
हे भगवान!
क्रिस ने पर्ची मेज पर रख दी। "बेहतर होगा कि फोन करके दवा ले लूँ," उसने कहा, और फिर डॉक्टर की सलाह बताई। "अगर मैं व्यस्त हूँ या बाहर हूँ, तो तुम उसका अच्छे से ध्यान रखना, शार? क्लेन ने मुझे बताया था कि—" अचानक उसे कुछ याद आया। "मुझे याद आया।"
क्रिस मेज से उठी और रीगन के बेडरूम में गई, जहाँ उसने उसे चादर ओढ़कर सोते हुए पाया। क्रिस खिड़की के पास गई, कुंडी कसी और फिर नीचे देखने लगी। घर के एक तरफ से खुलती हुई खिड़की से सीधे नीचे एम स्ट्रीट तक जाती हुई खतरनाक सीढ़ियाँ दिखाई दे रही थीं।
अरे यार, मुझे तुरंत किसी ताला बनाने वाले को बुलाना चाहिए!
क्रिस रसोई में वापस गई और उस काम को उस सूची में जोड़ दिया जिस पर शेरोन काम कर रही थी, विली को रात के खाने का मेनू दिया और उस फिल्म के बारे में अपने एजेंट के फोन का जवाब दिया जिसे निर्देशित करने के लिए उसे कहा गया था।
“पटकथा के बारे में क्या?” वह जानना चाहता था।
“हाँ, बहुत बढ़िया, एड; चलो करते हैं। यह कब होगा?”
"ठीक है, आपका सेगमेंट जुलाई में है, इसलिए आपको अभी से तैयारी शुरू करनी होगी।"
"आपका मतलब अभी से है?"
“मतलब, अब। ये एक्टिंग नहीं है, क्रिस। इसमें आपको प्री-प्रोडक्शन के कई कामों में शामिल होना पड़ता है। आपको सेट डिज़ाइनर, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर, मेकअप आर्टिस्ट, प्रोड्यूसर के साथ काम करना होता है। आपको कैमरामैन और एडिटर चुनना होता है और अपने शॉट्स प्लान करने होते हैं। अरे क्रिस, आपको तो पता ही है ये सब क्या होता है।”
“ओह, धिक्कार है!” क्रिस ने हताशा से कहा।
"तुम्हारे पास समस्या है?"
“हां, मुझे पता है, एड। यह रीगन है। वह बहुत बीमार है।”
"अरे, मुझे माफ कर दो, बच्चे।"
"ज़रूर।"
“क्रिस, क्या बात है?”
“उन्हें अभी पता नहीं है। मैं कुछ परीक्षणों के नतीजों का इंतजार कर रही हूँ। सुनो, एड, मैं उसे छोड़कर नहीं जा सकती।”
तो फिर उसे छोड़ने के लिए कौन कहता है?

“नहीं, तुम समझते नहीं हो, एड। मुझे उसके साथ घर पर रहना है। उसे मेरे ध्यान की ज़रूरत है। देखो, मैं इसे समझा नहीं सकती, एड, यह बहुत जटिल है, तो क्यों न हम इसे कुछ समय के लिए टाल दें?”
“हम ऐसा नहीं कर सकते। क्रिस, वे क्रिसमस के दौरान म्यूजिक हॉल के लिए कोशिश करना चाहते हैं, और मुझे लगता है कि वे अभी इसके लिए बहुत जोर लगा रहे हैं।”
अरे यार, एड, वे दो हफ्ते इंतजार कर सकते हैं! अब जल्दी करो!
“देखो, तुम मुझे निर्देशन करने की इच्छा जताते हुए काफी समय से परेशान कर रहे हो, और अब अचानक से—”
“हाँ, मुझे पता है, मुझे पता है। हाँ, मैं इसे चाहती हूँ, एड, मैं इसे बहुत बुरी तरह चाहती हूँ, लेकिन आपको उन्हें बताना होगा कि मुझे थोड़ा और समय चाहिए।”
“और अगर मैंने ऐसा किया, तो सब गड़बड़ हो जाएगा। ये मेरी राय है। देखो, उन्हें वैसे भी तुम्हारी ज़रूरत नहीं है, ये कोई नई बात नहीं है। वे ये सब सिर्फ़ मूर के लिए कर रहे हैं, और मुझे लगता है कि अगर वे अब उसके पास जाकर कहें कि वो अभी पूरी तरह से तय नहीं कर पाई है कि वो ये करना चाहती है या नहीं, तो उसे बचने का मौका मिल जाएगा। देखो, तुम जो चाहो करो। मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। जब तक ये हिट नहीं होती, इसमें कोई पैसा नहीं है। लेकिन अगर तुम ये करना चाहती हो, तो मैं तुमसे कह रहा हूँ: अगर मैं इसे टालने के लिए कहूँ, तो मुझे लगता है कि सब गड़बड़ हो जाएगा। अब, मैं उन्हें क्या कहूँ?”
क्रिस ने आह भरी। "अरे यार!"
"हां, मुझे पता है कि यह आसान नहीं है।"
“नहीं, ऐसा नहीं है। ठीक है, सुनो एड, शायद अगर—” क्रिस ने सोचा। फिर उसने अपना सिर हिलाया। “छोड़ो एड। उन्हें बस इंतज़ार करना होगा,” उसने कहा। “कुछ नहीं किया जा सकता।”
"अपने निर्णय।"
मुझे बताना कि वे क्या कहते हैं।
“बिल्कुल। इस बीच, आपकी बेटी के लिए मुझे खेद है।”
"धन्यवाद, एड।"
"अपना ध्यान रखना।"
"आप भी।"
क्रिस ने निराशा की हालत में फोन रख दिया, सिगरेट जलाई और फिर शेरोन से कहा, "वैसे, मैंने हॉवर्ड से बात की थी, क्या मैंने तुम्हें बताया था?"
"ओह, कब? क्या आपने उसे रीगन के बारे में बताया था?"
"हां, मैंने उससे कहा था कि उसे उससे मिलने आना चाहिए।"
क्या वह आ रहा है?
“मुझे नहीं पता। मुझे ऐसा नहीं लगता,” क्रिस ने जवाब दिया।
"आपको लगेगा कि वह कोशिश करेगा।"
“हाँ, मुझे पता है।” क्रिस ने आह भरी। “लेकिन तुम्हें उसकी परेशानी समझनी होगी, शार।”
"आपका क्या मतलब है?"
“ओह, ये सारा ‘मिस्टर क्रिस मैकनील’ वाला मामला! रैग्स भी इसमें शामिल थी। वो तो अंदर थी और वो बाहर। हमेशा मैं और रैग्स साथ में मैगज़ीन के कवर पर होती थीं;

लेआउट में भी हम साथ होते थे; माँ-बेटी, जुड़वाँ बहनें।" उसने उदास होकर अपनी सिगरेट की राख उंगली से झाड़ी। "अरे यार, कौन जाने। सब कुछ उलझा हुआ है, गड़बड़ है। लेकिन उसके साथ समय बिताना मुश्किल है, शार; मैं बस नहीं कर सकती।" उसने शैरन की कोहनी के पास रखी किताब की ओर हाथ बढ़ाया। "तो तुम क्या पढ़ रही हो?"
"ओह, मैं भूल ही गई थी। यह आपके लिए है। श्रीमती पेरिन इसे यहाँ छोड़ गई थीं।"
"वह यहाँ थी?"
"हां, आज सुबह ही। उसने कहा कि उसे खेद है कि वह आपसे नहीं मिल पाई और वह शहर से बाहर जा रही है, लेकिन वापस आते ही वह आपको फोन करेगी।"
क्रिस ने सिर हिलाया और किताब के शीर्षक पर एक नज़र डाली: शैतान की पूजा और संबंधित गुप्त घटनाओं का अध्ययन। उसने किताब खोली और उसमें एक हाथ से लिखा हुआ नोट पाया:
प्रिय क्रिस:
मैं संयोगवश जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय पुस्तकालय के पुस्तक भंडार से गुज़रा और आपके लिए यह पुस्तक ले आया। इसमें ब्लैक मास के बारे में कुछ अध्याय हैं। वैसे तो आपको इसे पूरा पढ़ना चाहिए; मुझे लगता है कि आपको इसके अन्य भाग विशेष रूप से रोचक लगेंगे। जल्द ही मिलते हैं।
मैरी जो
"प्यारी महिला," क्रिस ने कहा।
"हां वह है।"
क्रिस ने किताब के पन्ने पलटे। "ब्लैक मास के बारे में क्या खबर है? काफी खौफनाक है क्या?"
"मुझे नहीं पता," शेरोन ने उत्तर दिया। "मैंने इसे पढ़ा नहीं है।"
"क्या आपके गुरु ने आपको ऐसा करने से मना किया था?"
शेरोन ने अंगड़ाई ली। "ओह, ये सब चीजें मुझे बिल्कुल पसंद नहीं हैं।"
"अरे, सच में? तो फिर तुम्हारे 'जीसस कॉम्प्लेक्स' का क्या हुआ?"
"ओह अब छोड़िए भी!"
क्रिस ने किताब को मेज पर सरकाते हुए शेरोन की ओर बढ़ा दिया। "लो, इसे पढ़ो और मुझे बताओ कि आगे क्या होता है।"
और बुरे सपने आते हैं?
आपको क्या लगता है कि आपको किस काम के लिए वेतन मिलता है?
"फेंक रहा।"
"मैं ये खुद कर सकती हूँ," क्रिस ने शाम का अखबार उठाते हुए बुदबुदाया। "तुम्हें बस अपने बिजनेस मैनेजर की सलाह माननी है और फिर एक हफ्ते तक खून की उल्टी होती रहेगी।" क्रिस ने अचानक अखबार एक तरफ रख दिया। "शार, रेडियो चला दो? खबरें सुन लो।"
शेरोन ने क्रिस के साथ घर पर रात का खाना खाया और फिर डेट पर चली गई। वह किताब लाना भूल गई। क्रिस ने उसे मेज पर देखा और उसे पढ़ने का सोचा, लेकिन आखिर में उसे बहुत थकान महसूस हुई। उसने किताब मेज पर ही छोड़ दी और ऊपर चली गई। उसने रीगन को देखा, जो कंबल ओढ़े सो रही थी और ऐसा लग रहा था जैसे पूरी रात सोई हो। फिर उसने खिड़की दोबारा देखी। वह बंद थी। कमरे से निकलते

समय, क्रिस ने दरवाजा खुला छोड़ दिया और उस रात बिस्तर पर जाने से पहले उसने अपना दरवाजा भी खुला ही रखा। उसने टीवी पर एक फिल्म का कुछ हिस्सा देखा और फिर सो गई। अगली सुबह शैतान की पूजा वाली किताब रहस्यमय तरीके से मेज से गायब हो गई थी। किसी ने ध्यान नहीं दिया।

अध्याय तीन

सलाहकार न्यूरोलॉजिस्ट ने एक्स-रे दोबारा लगाए और उन गड्ढों को खोजने लगे जो खोपड़ी को देखकर ऐसा प्रतीत होता था मानो उसे तांबे की तरह छोटे हथौड़े से पीटा गया हो। डॉ. क्लेन उनके पीछे हाथ बांधे खड़े थे। दोनों ने घावों और तरल पदार्थों के जमाव की जाँच की थी; पीनियल ग्रंथि के संभावित विस्थापन की भी। अब वे ल्यूकेनशैडल खोपड़ी की जाँच कर रहे थे, जो कि लंबे समय तक मस्तिष्क में दबाव रहने का संकेत देने वाले विशिष्ट गड्ढे होते हैं। उन्हें वह नहीं मिला। तारीख थी गुरुवार, 28 अप्रैल।

परामर्श देने वाले न्यूरोलॉजिस्ट ने अपना चश्मा उतारा और उसे सावधानीपूर्वक अपनी जैकेट की बाईं जेब में रख लिया। “वहाँ कुछ भी नहीं है, सैम। मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।”

क्लेन ने फर्श की ओर देखते हुए भौंहें चढ़ाईं और अपना सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, "ऐसा होना संभव नहीं है।"

"क्या आप एक और श्रृंखला चलाना चाहते हैं?"

मुझे ऐसा नहीं लगता। मुझे लगता है मैं एक एलपी (लिटिल मूवी) बनाने की कोशिश करूंगा।

"अच्छा विचार।"

"इस बीच, मैं चाहूंगा कि आप उससे मिलें।"

"आज का दिन कैसा रहा?"

“अच्छा, मैं—” टेलीफोन की घंटी बजी। “माफ़ कीजिए।” उसने टेलीफोन उठाया। “जी?”

"मिसेज मैकनील का फोन आया है। उनका कहना है कि मामला अत्यावश्यक है।"

“कौन सी पंक्ति?”

वह तीन पर है।

उन्होंने एक्सटेंशन बटन दबाया। "डॉ. क्लेन बोल रहे हैं।"

क्रिस की आवाज़ व्याकुल थी और वह उन्माद की कगार पर थी।

“अरे बाप रे, डॉक्टर साहब, ये तो रेगन है! क्या आप तुरंत आ सकते हैं?”

"तो फिर क्या गड़बड़ है?"

“मुझे नहीं पता, डॉक्टर साहब, मैं इसका वर्णन नहीं कर सकती! कृपया तुरंत आ जाइए! अभी आइए!”

"मैं रास्ते में हूं!"

उसने फोन काट दिया और रिसेप्शनिस्ट को घंटी बजाई। “सुसान, ड्रेसनर से कहो कि मेरी अपॉइंटमेंट बुक कर ले।” उसने फोन रख दिया और जैकेट उतारने लगा। “ये रही वो, डिक,” उसने कहा। “आना चाहते हो? बस पुल के उस पार ही है।”

"मेरे पास लगभग एक घंटा है।"

"ठीक है, चलिए चलते हैं।"

कुछ ही मिनटों में वे वहाँ पहुँच गए, और दरवाज़े पर, जहाँ डरी हुई सी शरॉन ने उनका स्वागत किया, उन्हें रीगन के बेडरूम से कराहने और चीखने की आवाज़ें सुनाई दीं। "मैं शरॉन स्पेंसर हूँ," उसने उनसे कहा। "अंदर आ जाइए। वह ऊपर है।"
शेरोन उन्हें रीगन के बेडरूम के दरवाजे तक ले गई, फिर उसे थोड़ा सा खोलकर अंदर से आवाज़ लगाई, "क्रिस, डॉक्टरों!"
क्रिस तुरंत दरवाजे पर आई, उसका चेहरा डर से सिकुड़ा हुआ था। "हे भगवान, अंदर आ जाओ!" उसने कांपती हुई आवाज में कहा। "अंदर आओ और देखो कि वह क्या कर रही है!"
“ये डॉक्टर हैं—”
प्रस्तावना के बीच में ही, क्लेन की नज़र रीगन पर पड़ी और वह रुक गया। चीखती-चिल्लाती और बेसुध होकर हाथ-पैर पटकती हुई, उसका शरीर मानो बिस्तर के ऊपर हवा में उछला और फिर ज़ोर से गद्दे पर पटक दिया गया। यह सब तेज़ी से, बार-बार हो रहा था।
“ओह, माँ, उसे रोको!” रीगन चीख रही थी। “उसे रोको! वह मुझे मारना चाहता है! उसे रोको! उसे रोको! माँ!”
“ओह, मेरी जान!” क्रिस सिसकते हुए बोली और उसने मुट्ठी मुंह पर रखकर उसे काट लिया। उसने क्लेन की ओर गिड़गिड़ाती नज़र से देखा। “क्या हो रहा है, डॉक्टर साहब? क्या बात है?”
क्लेन ने अपना सिर हिलाया, उसकी निगाहें रीगन पर टिकी हुई थीं, क्योंकि यह घटना जारी थी। वह हर बार लगभग एक फुट ऊपर उठती और फिर ज़ोर से साँस छोड़ते हुए गिर जाती, मानो किसी अदृश्य हाथों ने उसे उठाकर नीचे फेंक दिया हो। क्रिस ने अपने दोनों हाथ अपने मुंह पर रखे और घबराकर देखती रही, क्योंकि अचानक ऊपर-नीचे की हरकतें रुक गईं और रीगन बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगी, उसकी आँखें ऊपर की ओर घूम गईं, जिससे केवल पुतलियाँ ही दिखाई दे रही थीं। "ओह, वह मुझे जला रहा है... मुझे जला रहा है!" वह कराह रही थी, और उसके पैर तेज़ी से आपस में उलझने और खुलने लगे।
डॉक्टर बिस्तर के दोनों ओर खड़े होकर करीब आ गए, और रीगन अभी भी छटपटा रही थी और झटके खा रही थी, उसने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया, जिससे उसका सूजा हुआ, फूला हुआ गला दिखाई दिया, और वह अस्पष्ट स्वर में बुदबुदाई: "... नोवोनमाई ... नोवोनमाई..."
क्लेन ने उसकी नब्ज़ जाँचने के लिए हाथ नीचे किया।
“अब देखते हैं कि परेशानी क्या है, प्रिय,” उसने नरमी से कहा।
और अचानक ही वह कमरे में लड़खड़ाता हुआ चला गया, रीगन के हाथ के एक जोरदार प्रहार से वह पीछे की ओर गिर पड़ा, क्योंकि रीगन अचानक उठ बैठी थी और उसका चेहरा भयानक क्रोध से विकृत हो गया था।
“यह सुअरनी मेरी है!” उसने कर्कश और शक्तिशाली आवाज में चिल्लाते हुए कहा। “यह मेरी है! इससे दूर रहो! यह मेरी है!”
उसके गले से एक कर्कश हंसी फूट पड़ी, और फिर वह पीठ के बल गिर पड़ी जैसे किसी ने उसे धक्का दिया हो। उसने अपनी नाइटगाउन ऊपर खींची, जिससे उसके गुप्तांग दिख गए। "मुझे चोदो! मुझे चोदो!" वह डॉक्टरों पर चिल्लाई, और दोनों हाथों से बेतहाशा हस्तमैथुन करने लगी। कुछ ही क्षण बाद, क्रिस सिसकते हुए कमरे से भाग

गया, ठीक उसी समय जब रीगन ने अपनी उंगलियां अपने होठों पर रखीं और उन्हें चाटा।
सदमे में टकटकी लगाए देखते हुए, क्लेन फिर से बिस्तर के पास पहुंची, इस बार सावधानी से, क्योंकि रीगन खुद को गले लगाती हुई प्रतीत हुई, उसकी बाहें मुड़ी हुई थीं और उसके हाथ उन्हें सहला रहे थे।
“आह, हाँ, मेरी मोती...,” वह अपनी उस अजीब सी कर्कश आवाज़ में गुनगुनाई और दोनों आँखें बंद कर लीं, मानो परमानंद में हो। “मेरी बच्ची... मेरा फूल... मेरी मोती...” फिर वह करवटें बदलने लगी, निरर्थक शब्द बार-बार बुदबुदाती रही, जब तक कि अचानक वह असहाय भय से आँखें फाड़कर बैठ नहीं गई।
वह बिल्ली की तरह म्याऊं करने लगी।
फिर भौंका।
फिर उसने हिनहिनाया।
फिर, कमर झुकाकर, वह तेज़ी से और ज़ोर-ज़ोर से गोल-गोल घूमने लगी। उसकी साँस फूलने लगी। “ओह, उसे रोको!” वह रोते हुए बोली। “प्लीज़, उसे रोको! दर्द हो रहा है! उसे रोको! उसे रोको! मैं साँस नहीं ले पा रही हूँ!”
क्लेन ने काफी कुछ देख लिया था। वह अपना मेडिकल बैग खिड़की के पास ले आया और जल्दी से इंजेक्शन तैयार करने लगा।
न्यूरोलॉजिस्ट बिस्तर के पास ही खड़े रहे और उन्होंने देखा कि रीगन किसी धक्के से पीछे की ओर गिर पड़ीं, उनकी आँखें ऊपर की ओर घूम गईं और शरीर इधर-उधर लुढ़कने लगा। वे कर्कश स्वर में तेज़ी से कुछ बुदबुदाने लगीं। न्यूरोलॉजिस्ट झुककर उनकी बात समझने की कोशिश करने लगे। तभी उन्होंने क्लेन को इशारा करते देखा और तुरंत उठकर उनके पास चले गए।
“मैं उसे लिब्रियम दे रहा हूँ,” क्लेन ने खिड़की की रोशनी में सिरिंज पकड़े हुए सावधानी से उससे कहा। “लेकिन आपको उसे पकड़ना होगा।”
न्यूरोलॉजिस्ट ने सिर हिलाया, लेकिन वे कुछ व्यथित से लग रहे थे, उन्होंने अपना सिर एक तरफ झुका लिया मानो वे बिस्तर से आ रही बड़बड़ाहट सुन रहे हों।
“वह क्या कह रही है?” क्लेन ने फुसफुसाते हुए पूछा।
“मुझे नहीं पता। बस निरर्थक बातें। बेमतलब के शब्द।” फिर भी उनकी अपनी व्याख्या से उन्हें संतुष्टि नहीं मिली। “लेकिन वो इसे ऐसे बोलती है जैसे इसका कोई मतलब हो। इसमें लय है।”
क्लेन ने बिस्तर की ओर इशारा किया और दोनों ओर से चुपचाप आदमी पास आ गए। उनके आते ही, पीड़ा से तड़पती बच्ची अकड़ गई, मानो उसे ऐंठन हो रही हो, और बिस्तर के पास रुके डॉक्टर मुड़कर एक-दूसरे को अर्थपूर्ण ढंग से देखने लगे। फिर उन्होंने रीगन की ओर देखा, जो अपने शरीर को एक असंभव स्थिति में ऊपर की ओर मोड़ने लगी, उसे धनुष की तरह पीछे की ओर झुकाते हुए, यहाँ तक कि उसके सिर का माथा उसके पैरों को छू गया। वह दर्द से चीख रही थी।
डॉक्टरों ने हैरानी और संदेह भरी निगाहों से एक-दूसरे को देखा। तभी क्लेन ने न्यूरोलॉजिस्ट को इशारा किया, लेकिन इससे पहले कि कंसल्टेंट उसे पकड़ पाता, रीगन बेहोश होकर गिर पड़ी और बिस्तर गीला कर दिया।
क्लेन झुककर उसकी पलकें ऊपर उठाईं। उसकी नब्ज़ जाँची। "वह थोड़ी देर बेहोश रहेगी," उसने धीरे से कहा। "मुझे लगता है उसे दौरा पड़ा है। क्या आपको भी ऐसा ही

लगता है?"
"हां मुझे ऐसा लगता है।"
"चलिए, कुछ बीमा करवा लेते हैं।"
उन्होंने कुशलतापूर्वक इंजेक्शन लगाया।
"अच्छा, आपका क्या विचार है?" क्लेन ने छेद पर कीटाणुरहित टेप का एक गोला दबाते हुए पूछा।
“टेम्पोरल लोब। हाँ, शायद सिज़ोफ्रेनिया की संभावना हो सकती है, सैम, लेकिन इसकी शुरुआत बहुत अचानक हुई है। उसे पहले कभी यह बीमारी नहीं हुई है, है ना?”
नहीं, उसने ऐसा नहीं किया है।
“न्यूरास्थेनिया?”
क्लेन ने अपना सिर हिलाया।
"तो शायद उन्माद की स्थिति?"
"मैंने इस बारे में सोचा है," क्लेन ने कहा।
“बिल्कुल। वैसे तो, अपने शरीर को इस तरह जानबूझकर मरोड़ने के लिए उसे सनकी ही होना पड़ेगा, है ना?” उसने सिर हिलाया। “नहीं, मुझे लगता है यह मानसिक विकार है, सैम—उसकी ताकत; उसका वहम; उसके मतिभ्रम। सिज़ोफ्रेनिया, ठीक है; ये लक्षण इसमें आते हैं। लेकिन टेम्पोरल लोब में ऐंठन भी शामिल हो सकती है। लेकिन एक बात मुझे परेशान कर रही है...” वह उलझन भरी भौंहों के साथ चुप हो गया।
“यह क्या है?”
“खैर, मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन मुझे लगा कि मैंने अलगाव के संकेत सुने: ‘मेरा मोती’... ‘मेरा बच्चा’... ‘मेरा फूल’... ‘सूअर’। मुझे ऐसा लगा जैसे वह अपने बारे में बात कर रही हो। क्या आपको भी ऐसा ही लगा, या मैं कुछ ज़्यादा ही सोच रही हूँ?”
सवाल पर विचार करते हुए, क्लेन ने अपनी उंगली से अपने निचले होंठ को सहलाया और फिर जवाब दिया, "सच कहूँ तो, उस समय तो मुझे यह ख्याल ही नहीं आया था, लेकिन अब जब आपने इस ओर ध्यान दिलाया है..." उन्होंने गले से एक आवाज़ निकाली और सोचने लगे। "हो सकता है," उन्होंने कहा। "हाँ। मुझे लगता है हो सकता है।" फिर उन्होंने इस विचार को खारिज कर दिया। "ठीक है, मैं अभी उसके बाहर रहने के दौरान एक एलपी रिकॉर्ड कर लेता हूँ और फिर शायद हमें कुछ पता चल जाए। ठीक रहेगा?"
न्यूरोलॉजिस्ट ने सिर हिलाया।
क्लेन ने अपने मेडिकल बैग में इधर-उधर देखा, एक गोली मिली और जैसे ही उसने उसे अपनी जेब में रखा, उसने न्यूरोलॉजिस्ट से पूछा, "क्या आप रुक सकते हैं?"
न्यूरोलॉजिस्ट ने अपनी घड़ी देखी। "हाँ, ज़रूर।"
चलिए मां से बात करते हैं।
वे कमरे से बाहर निकले और गलियारे में प्रवेश कर गए।
सिर झुकाए, क्रिस और शेरोन सीढ़ियों के किनारे रेलिंग से टेक लगाकर खड़ी थीं। जैसे ही डॉक्टर उनके पास पहुँचे, क्रिस ने गीले और गोल रुमाल से अपनी नाक पोंछी। रोने के कारण उसकी आँखें लाल और छोटी हो गई थीं।
क्लेन ने उससे कहा, "वह सो रही है और उसे बहुत ज़्यादा बेहोशी की दवा दी गई है। वह शायद कल तक सोती रहेगी।"

धीरे से सिर हिलाते हुए, क्रिस ने कमजोर आवाज में जवाब दिया, "यह अच्छा है... देखिए, मुझे इतना बचकाना व्यवहार करने के लिए खेद है।"
“तुम बिल्कुल ठीक हो,” क्लेन ने उसे आश्वस्त किया। “यह एक भयावह अनुभव है। वैसे, मैं डॉ. रिचर्ड कोलमैन हूँ।”
क्रिस ने उदास मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा। "आने के लिए धन्यवाद।"
“डॉ. कोलमैन एक न्यूरोलॉजिस्ट हैं।”
"ओह, हाँ? तो आपको क्या लगता है?" उसने एक आदमी से दूसरे आदमी की ओर देखते हुए पूछा।
“ठीक है, हमें अब भी लगता है कि यह टेम्पोरल लोब है,” क्लेन ने उत्तर दिया, “और—”
“हे भगवान, तुम ये सब क्या बक रही हो!” क्रिस अचानक भड़क उठी। “वो पागलों जैसी हरकतें कर रही है, जैसे उसमें दोहरी पर्सनैलिटी हो गई हो! मतलब—” और फिर, “ओह!” उसने दर्द भरी आवाज़ में धीरे से कहा, और अचानक खुद को संभालते हुए अपना माथा हाथ में रख लिया। “लगता है मैं बहुत परेशान थी,” उसने क्लेन की तरफ थकी हुई नज़र से देखते हुए धीरे से कहा। “मुझे माफ़ करना,” उसने कहा। “तुम क्या कह रहीं थी?”
न्यूरोलॉजिस्ट ने जवाब दिया। उन्होंने विनम्रता से कहा, “श्रीमती मैकनील, चिकित्सा इतिहास में स्प्लिट पर्सनैलिटी के सौ से अधिक प्रमाणित मामले नहीं हैं। यह एक बहुत ही दुर्लभ स्थिति है। मुझे पता है कि आप तुरंत मनोचिकित्सा की ओर रुख करने के लिए उत्सुक होंगे, लेकिन कोई भी जिम्मेदार मनोचिकित्सक पहले शारीरिक लक्षणों की जांच करेगा। यही सबसे सुरक्षित तरीका है।”
अच्छा, तो फिर आगे क्या?
"कमर पर थपथपाहट," कोलमैन ने कहा।
"तुम्हारा मतलब स्पाइनल इंजरी से है?" क्रिस ने चिंता भरी नज़रों से उससे पूछा।
उन्होंने सिर हिलाया। “एक्स-रे और ईईजी में जो चीज़ें नज़र नहीं आईं, वे शायद यहाँ पता चल जाएँ। कम से कम, इससे कुछ अन्य संभावनाएँ तो खत्म हो जाएँगी। मैं अभी, यहीं, जब वह सो रही है, यह करना चाहता हूँ। मैं उसे लोकल एनेस्थीसिया तो दूँगा ही, लेकिन मैं हलचल को खत्म करने की कोशिश कर रहा हूँ।”
"सुनो, वह बिस्तर से ऐसे कैसे कूद सकती है?" क्रिस ने अविश्वास से आंखें सिकोड़ते हुए पूछा।
"खैर, मुझे लगता है कि हमने इस बारे में पहले भी चर्चा की थी," क्लेन ने कहा। "रोग संबंधी स्थितियां असामान्य ताकत और त्वरित मोटर प्रदर्शन को प्रेरित कर सकती हैं।"
लेकिन आपने कहा था कि आपको इसका कारण नहीं पता।
“खैर, ऐसा लगता है कि इसका संबंध प्रेरणा से है,” कोलमैन ने जवाब दिया। “लेकिन इसके अलावा हमें कुछ खास पता नहीं है।”
“अच्छा, अब स्पाइनल सर्जरी के बारे में क्या?” क्लेन ने क्रिस से पूछा। “क्या हम इसके साथ आगे बढ़ सकते हैं?”
अचानक निराश होकर क्रिस फर्श की ओर देखने लगी। "ठीक है," उसने धीरे से कहा। "जो भी करना पड़े करो। बस उसे ठीक कर दो।"
“क्या मैं आपका फ़ोन इस्तेमाल कर सकता हूँ?” क्लेन ने पूछा।
“हाँ, ज़रूर। चलो। अध्ययन कक्ष में एक है।”

“ओह, वैसे तो,” क्लेन ने कहा जब क्रिस उन्हें आगे ले जाने के लिए मुड़ा, “उसके बिस्तर की चादरें बदलने की जरूरत है।”
तेजी से वहां से हटते हुए, शेरोन ने फुर्ती से कहा, "मैं इसे अभी कर दूंगी।"
“क्या मैं आपके लिए कॉफी बना दूं?” क्रिस ने पूछा जब डॉक्टर उसके पीछे सीढ़ियों से नीचे आ रहे थे। “मैंने सफाई कर्मचारियों को दोपहर की छुट्टी दे दी है, इसलिए इंस्टेंट कॉफी ही ठीक रहेगी।”
उन्होंने मना कर दिया।
"मुझे लगता है कि आपने अभी तक वह खिड़की ठीक नहीं की है," क्लेन ने टिप्पणी की।
“नहीं, हमने फ़ोन किया था,” क्रिस ने उसे बताया। “वे कल ताला लगाने वाले शटर लेकर आ रहे हैं।”
वे अध्ययन कक्ष में दाखिल हुए, जहाँ क्लेन ने अपने कार्यालय में फ़ोन किया और एक सहायक को घर पर आवश्यक उपकरण और दवाइयाँ पहुँचाने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया, “और रीढ़ की हड्डी की जाँच के लिए प्रयोगशाला तैयार करो। मैं खुद जाँच करूँगा।”
कॉल खत्म होने के बाद, क्लेन ने क्रिस से पूछा कि रीगन से आखिरी बार मिलने के बाद से क्या हुआ था।
“चलिए देखते हैं, पिछले मंगलवार को,” क्रिस सोचने लगी—“नहीं, मंगलवार को तो कुछ हुआ ही नहीं; वो सीधे बिस्तर पर चली गई और अगली सुबह देर तक सोती रही, और—अरे नहीं, रुकिए,” उसने बात सुधारी। “नहीं, ऐसा नहीं था। सही कहा। विली ने बताया था कि उसने उसे सुबह-सुबह रसोई में सुना था। मुझे याद है कि मुझे खुशी हुई थी कि उसकी भूख वापस आ गई थी। लेकिन फिर वो वापस बिस्तर पर चली गई, शायद, क्योंकि वो बाकी दिन वहीं सोती रही।”
“क्या वह सो रही थी?” क्लेन ने उससे पूछा।
“नहीं, मुझे लगता है वो पढ़ रही थी। खैर, मुझे थोड़ा अच्छा लगने लगा था। मतलब, ऐसा लग रहा था जैसे लिब्रियम ही उसके लिए सबसे सही दवा थी। वो थोड़ी खोई-खोई सी लग रही थी, और इससे मुझे थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर भी काफी सुधार हुआ था। फिर कल रात, फिर कुछ नहीं,” क्रिस ने आगे कहा। “फिर आज सुबह से शुरू हो गया। अरे बाप रे, शुरू हो गया!”
क्रिस ने बताया कि वह रसोई में बैठी थी, तभी रीगन चीखती हुई सीढ़ियों से नीचे उसकी ओर भागी और अपनी कुर्सी के पीछे दुबक कर क्रिस की बाहों को कसकर पकड़ लिया। उसने डरी हुई तेज़ आवाज़ में बताया कि कैप्टन हाउडी उसका पीछा कर रहा था; उसे नोच रहा था; मुक्के मार रहा था; धक्का दे रहा था; गालियाँ दे रहा था; और जान से मारने की धमकी दे रहा था। अंत में उसने रसोई के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए चीखकर कहा, "वह रहा!" फिर वह ज़मीन पर गिर पड़ी, उसका शरीर ऐंठन से काँप रहा था, वह हाँफ रही थी, रो रही थी और कह रही थी कि हाउडी उसे लात मार रहा है। फिर अचानक, क्रिस ने डॉक्टरों को बताया, रीगन रसोई के बीच में खड़ी हो गई, अपनी बाहें फैलाकर तेज़ी से "लट्टू की तरह" घूमने लगी, लगभग एक मिनट तक ऐसा करती रही, जब तक कि वह थककर ज़मीन पर गिर नहीं गई।
“और फिर अचानक,” क्रिस ने परेशान होकर कहा, “मैंने देखा कि उसकी आँखों में नफ़रत थी, नफ़रत, और उसने मुझसे कहा... उसने मुझे... ओह, हे भगवान!”

क्रिस फूट-फूटकर रोने लगा।
क्लेन बार की ओर बढ़ा, नल से एक गिलास पानी भरा और क्रिस की ओर वापस चल दिया। रोना बंद हो चुका था।
"अरे यार, सिगरेट कहाँ है?" उसने कांपती हुई आवाज़ में आह भरी और उंगली के पोर से अपनी आँखों को पोंछा।
क्लेन ने उसे पानी और एक छोटी हरी गोली दी।
“इसके बजाय यह आजमाएं,” उन्होंने सलाह दी।
"क्या यह एक ट्रैंक्विलाइज़र है?"
"हाँ।"
मुझे डबल चाहिए।
एक ही काफी है।
क्रिस ने नज़रें फेर लीं और फीकी मुस्कान के साथ बोला, "खूब खर्चीला है।"
उसने गोली निगल ली और फिर खाली गिलास डॉक्टर को दे दिया। "धन्यवाद," उसने धीरे से कहा, फिर कांपती उंगलियों पर अपना माथा टिकाकर धीरे से सिर हिलाया।
"हाँ, तभी से शुरू हुआ था," उसने उदास स्वर में कहा। "वो सब कुछ। ऐसा लग रहा था जैसे वो कोई और ही हो।"
"शायद कैप्टन हाउडी की तरह?" कोलमैन ने पूछा।
क्रिस ने हैरानी से उसकी ओर देखा। वह उसे बहुत ध्यान से घूर रहा था। "तुम्हारा क्या मतलब है?" उसने पूछा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे नहीं पता। बस एक सवाल था।"
उसने अनमने ढंग से अपनी निगाहें चिमनी की ओर घुमाईं। "मुझे नहीं पता," उसने उदास स्वर में कहा। "बस कोई। कोई और।"
कुछ पल सन्नाटा छा गया। फिर कोलमैन खड़े हो गए। उन्होंने बताया कि उनकी एक और अपॉइंटमेंट है, और कुछ अस्पष्ट रूप से आश्वस्त करने वाले बयान देने के बाद उन्होंने अलविदा कहा।
क्लेन उसे दरवाजे तक ले गया। "तुम चीनी की जाँच करोगे?" कोलमैन ने उससे पूछा।
नहीं, मैं रॉसलिन गांव का बेवकूफ हूं।
कोलमैन ने हल्की सी मुस्कान दी। “मैं खुद भी इस बारे में थोड़ा परेशान हूँ,” उन्होंने कहा। वे सोच में डूबे हुए दूसरी ओर देखने लगे और अपने होंठों और ठोड़ी को अंगूठे और उंगलियों से सहलाने लगे। “अजीब मामला है,” वे धीरे से सोचने लगे। “बहुत अजीब।” वे क्लेन की ओर मुड़े। “जो भी पता चले, मुझे बताना।”
“तुम घर पर होगे?”
“हां, मैं करूँगा। एक कॉल कर देना, ठीक है?”
"ठीक है।"
कोलमैन ने हाथ हिलाया और चला गया।
कुछ देर बाद जब उपकरण पहुंचे, तो क्लेन ने नोवोकेन से रीगन की रीढ़ की हड्डी को सुन्न कर दिया, और क्रिस और शेरोन के देखते हुए, उन्होंने मैनोमीटर पर सावधानीपूर्वक नज़र रखते हुए रीढ़ की हड्डी का तरल पदार्थ निकाला। "दबाव सामान्य है," उन्होंने धीरे से कहा। काम पूरा होने पर, वे खिड़की की रोशनी में यह देखने गए कि तरल पदार्थ साफ है या धुंधला। वह साफ था।
उसने तरल पदार्थ से भरी नलियों को अपने बैग में रख लिया।

"मुझे संदेह है कि वह ऐसा करेगी," क्लेन ने कहा, "लेकिन अगर वह आधी रात को जाग जाती है और हंगामा करती है, तो आप उसे बेहोश करने के लिए यहां एक नर्स को बुलाना चाहेंगे।"
“क्या मैं इसे खुद नहीं कर सकता?” क्रिस ने पूछा।
“नर्स क्यों नहीं?”
क्रिस ने कंधे उचका दिए। वह डॉक्टरों और नर्सों पर अपने अविश्वास का ज़िक्र नहीं करना चाहती थी। उसने सीधे-सादे शब्दों में कहा, "मैं इसे खुद ही करना ज़्यादा पसंद करूंगी।"
“इंजेक्शन लगाना थोड़ा मुश्किल काम है,” क्लेन ने चेतावनी देते हुए कहा। “हवा का बुलबुला बहुत खतरनाक हो सकता है।”
“ओह, मुझे पता है कि यह कैसे करना है,” शेरोन ने बीच में कहा। “मेरी माँ ओरेगन में एक नर्सिंग होम चलाती थीं।”
“ओह, क्या तुम ऐसा करोगी, शार?” क्रिस ने उससे पूछा। “क्या तुम आज रात यहीं रुकोगी?”
"ठीक है, आज रात के बाद भी," क्लेन ने कहा। "उसकी हालत कैसी रहती है, इसके आधार पर उसे नसों के जरिए भोजन देने की आवश्यकता पड़ सकती है।"
“क्या आप मुझे यह करना सिखा सकते हैं?” क्रिस ने उससे पूछा। वह उसे चिंता से देख रही थी। “मुझे यह करना ही है।”
क्लेन ने सिर हिलाया और कहा, "ज़रूर। ज़रूर। लगता है मैं कर सकता हूँ।"
उन्होंने घुलनशील थोराज़ीन और डिस्पोजेबल सिरिंजों का एक प्रिस्क्रिप्शन लिखा और क्रिस को दे दिया। "इसे तुरंत भरवा लो।"
क्रिस ने इसे शेरोन को सौंप दिया। “शार, मेरे लिए इसका इंतज़ाम कर दोगी? बस फ़ोन कर दो, वे इसे भेज देंगे। मैं डॉक्टर के साथ जाना चाहता हूँ जब वो ये टेस्ट करेंगे।”
क्रिस मुड़ा और डॉक्टर की ओर उदास निगाहों से देखा। “क्या आपको कोई आपत्ति है?”
क्लेन ने उसकी आँखों में तनाव, बेबसी और उलझन का भाव देखा। उसने कहा, "हाँ, बिल्कुल। मैं समझता हूँ कि तुम कैसा महसूस कर रही हो। जब मैं अपनी कार के बारे में मैकेनिक से बात करता हूँ तो मुझे भी ऐसा ही महसूस होता है।"
क्रिस बिना कुछ बोले उसे देखता रहा।
वे ठीक शाम 6:18 बजे घर से निकले।
रॉसलिन मेडिकल बिल्डिंग में स्थित अपनी प्रयोगशाला में, क्लेन ने कई परीक्षण किए। सबसे पहले उन्होंने प्रोटीन की मात्रा का विश्लेषण किया।
सामान्य।
फिर रक्त कोशिकाओं की गिनती की जाती है।
क्लेन ने समझाया, "बहुत ज़्यादा लाल रंग का मतलब रक्तस्राव है। और बहुत ज़्यादा सफ़ेद रंग का मतलब संक्रमण है।" वह विशेष रूप से फंगल संक्रमण की तलाश कर रहे थे, जो अक्सर दीर्घकालिक विचित्र व्यवहार का कारण होता है।
और फिर से कुछ भी याद नहीं आया।
अंत में, क्लेन ने तरल पदार्थ में शर्करा की मात्रा का परीक्षण किया।
“ऐसा क्यों?” क्रिस ने पूछा।

“ठीक है,” उसने उससे कहा, “रीढ़ की हड्डी में शकरा की मात्रा रक्त में शकरा की मात्रा का दो-तिहाई होनी चाहिए। यदि यह अनुपात इससे काफी कम है, तो इसका मतलब है कि कोई ऐसी बीमारी है जिसमें बैक्टीरिया रीढ़ की हड्डी के तरल पदार्थ में मौजूद शर्करा को खा जाते हैं, और यदि ऐसा है, तो यह आपकी बेटी के लक्षणों का कारण हो सकता है।”
लेकिन वह उसे ढूंढने में असफल रहा।
क्रिस ने अपनी बाहें मोड़ लीं और सिर हिलाया। "देखो, हम फिर से यहीं आ गए हैं," उसने उदास स्वर में कहा।
कुछ देर तक क्लेन सोच में डूबा रहा। फिर आखिरकार उसने मुड़कर क्रिस की ओर देखा। "क्या तुम अपने घर में कोई नशीली दवा रखती हो?" उसने उससे पूछा।
“हं?”
“एम्फ़ेटामाइन? एलएसडी?”
क्रिस ने सिर हिलाकर कहा, "नहीं। देखो, मैं तुम्हें बता दूंगी। नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।"
क्लेन ने सिर हिलाया, अपने जूतों की ओर देखा, फिर गंभीर भाव से क्रिस की ओर देखते हुए उससे कहा, "मुझे लगता है कि अब हमें एक मनोचिकित्सक की तलाश शुरू कर देनी चाहिए।"
क्रिस ठीक शाम 7:21 बजे घर लौटी और दरवाजे पर खड़ी होकर उसने पुकारा, "शेरोन?"
कोई जवाब नहीं मिला। शेरोन वहां नहीं थी।
क्रिस ऊपर रीगन के बेडरूम में गई और उसे गहरी नींद में सोता हुआ पाया, उसके कंबल में ज़रा भी हलचल नहीं थी। क्रिस ने कमरे में पेशाब की गंध महसूस की। उसने बिस्तर से खिड़की की ओर देखा। हे भगवान! खिड़की खुली हुई थी! उसने सोचा कि शैरन ने कमरे में हवा आने के लिए खिड़की खोली होगी। लेकिन अब वह कहाँ थी? वह कहाँ चली गई? क्रिस खिड़की के पास गई, उसे नीचे खींचकर बंद कर दिया और ताला लगा दिया, फिर वापस नीचे चली गई, तभी विली सामने के दरवाजे से अंदर आया।
“हाय विली। आज खूब मजा आया?”
"खरीदारी, महोदया। फिल्में।"
“कार्ल कहाँ है, विली?”
विली ने इस्तीफ़ा देने का इशारा किया।
“इस बार वो मुझे अकेले ही बीटल्स का कॉन्सर्ट देखने देगा।”
"अच्छा काम!"
जी जी मैडम।
विली ने दो उंगलियां उठाकर "V" का चिन्ह बनाया, जो विजय का प्रतीक है।
समय शाम 7:35 था।
सुबह 8:01 बजे, जब क्रिस अपने एजेंट से फोन पर बात करते हुए स्टडी रूम में थी, तभी उसने सामने का दरवाजा खुलते और बंद होते सुना, ऊँची एड़ी के जूतों की आहट सुनाई दी, फिर उसने देखा कि शेरोन कई पैकेट हाथों में लिए स्टडी रूम में दाखिल हुई, जिन्हें उसने फर्श पर रख दिया। शेरोन फिर एक आरामदायक कुर्सी पर बैठ गई और क्रिस के बात करते रहने का इंतजार करने लगी।
जब उसने बोलना समाप्त कर लिया तो क्रिस ने पूछा, "तुम कहाँ थीं?"
"अरे, क्या उसने तुम्हें नहीं बताया?"

"अरे, मुझे किसने नहीं बताया?"
“बर्क। क्या वह यहाँ नहीं है?”
“क्या वह यहाँ था?”
"तुम्हारा मतलब है कि जब तुम घर पहुँची तो वह वहाँ नहीं था?"
“सुनो, शुरू से शुरू करो,” क्रिस ने कहा।
“अरे, वो पागल!” शैरन ने सिर हिलाते हुए कहा। “दवा बेचने वाला दवा नहीं पहुँचा सका, इसलिए जब बर्क आया, तो मैंने सोचा, ठीक है, वो रीगन के साथ यहीं रुक सकता है, मैं थोराज़ीन लेने जाती हूँ।” उसने फिर सिर हिलाया। “मुझे पहले ही समझ जाना चाहिए था।”
“हाँ, तुम्हें खरीदना चाहिए था। तो तुमने क्या खरीदा?”
"खैर, चूंकि मुझे लगा कि मेरे पास समय है, इसलिए मैं गया और रीगन के बिस्तर के लिए एक रबर की चादर खरीद लाया।"
"क्या तुमने खाया?"
नहीं, मैंने सोचा कि मैं एक सैंडविच बना लूँ। क्या आप एक लेना चाहेंगे?
"अच्छा विचार।"
“तो टेस्ट के नतीजे क्या आए?” शैरन ने रसोई की ओर जाते हुए पूछा। “सभी नेगेटिव आए,” क्रिस ने नम स्वर में उत्तर दिया। “मुझे किसी मनोचिकित्सक से मिलना पड़ेगा।”
सैंडविच और कॉफी के बाद, शेरोन ने क्रिस को इंजेक्शन लगाने का तरीका सिखाया। उन्होंने समझाया, “दो मुख्य बातें: पहली, यह सुनिश्चित करना कि इंजेक्शन में हवा के बुलबुले न हों, और दूसरी, यह कि आपने किसी नस को न छू लिया हो। देखिए, थोड़ा सा तरल पदार्थ ऐसे खींचिए”—वह करके दिखा रही थीं—“और देखिए कि सिरिंज में खून है या नहीं।”
कुछ देर तक क्रिस ने एक अंगूर पर इस प्रक्रिया का अभ्यास किया और वह इसमें निपुण होता हुआ प्रतीत हुआ। तभी 9:28 बजे दरवाजे की घंटी बजी। विली ने दरवाजा खोला। कार्ल था। रसोई से होते हुए अपने कमरे की ओर जाते हुए उसने शुभ संध्या का अभिवादन किया और कहा कि वह अपनी चाबी लेना भूल गया था।
“मुझे विश्वास नहीं हो रहा,” क्रिस ने शेरोन से कहा। “यह पहली बार है जब उसने अपनी गलती स्वीकार की है।”
उन्होंने शाम का समय अध्ययन कक्ष में टेलीविजन देखते हुए बिताया।
11:46 बजे, शेरोन ने फोन उठाया, कहा, "थोड़ी देर रुकिए," और फिर रिसीवर क्रिस को देते हुए कहा, "चक।"
दूसरी यूनिट के युवा निर्देशक। उनकी आवाज गंभीर लग रही थी।
"क्या तुमने खबर सुनी है, क्रिस?"
"नहीं क्या?"
"खैर, यह बुरा है।"
"खराब?"
बर्क की मौत हो गई है।
वह नशे में था। वह लड़खड़ा गया। घर के बगल में बनी सीढ़ियों की खड़ी ढलान से नीचे गिर गया, जहाँ एम स्ट्रीट पर गुजर रहे एक राहगीर ने उसे अनंत अंधेरे में गिरते हुए देखा। गर्दन टूट गई। यह खून से लथपथ, क्षत-विक्षत दृश्य, उसका अंतिम पड़ाव था।

जैसे ही क्रिस के हाथों से टेलीफोन गिरा, वह चुपचाप रोने लगी और फिर लड़खड़ाते हुए खड़ी हुई। शेरोन दौड़कर उसके पास गई, उसे संभाला, फोन रखा और फिर उसे सोफे पर ले गई। "क्रिस, क्या हुआ? क्या परेशानी है?"
बर्क की मौत हो गई!
“हे भगवान, क्रिस! नहीं! क्या हुआ?”
लेकिन क्रिस ने अपना सिर हिलाया। वह कुछ बोल नहीं सकी। वह रोने लगी।
फिर, कुछ देर बाद, वे बातें करते रहे। घंटों तक। क्रिस शराब पीती रही। डेनिंग्स को याद करती रही। कभी हँसती, कभी रोती। “हे भगवान,” वह बार-बार आहें भरती रही। “बेचारा पागल बूढ़ा बर्क... बेचारा बर्क...”
उसे बार-बार मौत का सपना आता रहता था।
सुबह पांच बजे के कुछ ही देर बाद, क्रिस बार के पीछे उदास खड़ी थी, कोहनियाँ टिकाए, सिर झुकाए और आँखों में उदासी लिए, वह शेरोन के रसोई से बर्फ की ट्रे लेकर लौटने का इंतज़ार कर रही थी। तभी उसे शेरोन के आने की आहट सुनाई दी।
"मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा," शेरोन ने स्टडी रूम में प्रवेश करते हुए कहा।
क्रिस ने ऊपर देखा। फिर बगल में देखा। और वहीं जम गया।
शैरन के ठीक पीछे, मकड़ी की तरह तेजी से सरकती हुई, रेगन थी, जिसका शरीर धनुष की तरह पीछे की ओर झुका हुआ था और उसका सिर लगभग उसके पैरों को छू रहा था। वह अपनी जीभ को तेजी से मुंह के अंदर और बाहर कर रही थी, साथ ही फुफकार रही थी और कोबरा की तरह अपने सिर को बहुत हल्के से आगे-पीछे हिला रही थी।
क्रिस सुन्न होकर घूरते हुए बोला, "शेरोन?"
शेरोन रुक गई। रीगन भी रुक गई। शेरोन ने मुड़कर देखा तो उसे कुछ नहीं दिखा। फिर चीखते हुए वह दूर हट गई क्योंकि उसे महसूस हुआ कि रीगन की जीभ उसकी टखने पर रेंग रही है।
क्रिस ने अपना हाथ अपने गाल पर रख लिया, उसका चेहरा पीला पड़ गया था।
“उस डॉक्टर को बुलाओ और उसे बिस्तर से उठाओ! उसे अभी लाओ!”
शेरोन जहाँ भी जाती, रीगन उसके पीछे-पीछे जाती।

चौथा अध्याय

शुक्रवार, 29 अप्रैल। क्रिस बेडरूम के बाहर हॉल में इंतज़ार कर रहा था, जबकि डॉ. क्लेन और एक जाने-माने न्यूरोसाइकियाट्रिस्ट लगभग आधे घंटे तक रीगन की गहन जाँच कर रहे थे। वह छटपटा रही थी, चक्कर लगा रही थी, अपने बाल नोच रही थी और कभी-कभी मुँह बनाकर अपने कानों पर हाथ रख रही थी, मानो किसी अचानक और तेज़ आवाज़ को दबा रही हो। वह अपशब्द बोल रही थी। दर्द से चीख रही थी। फिर अंत में उसने अपना चेहरा बिस्तर पर नीचे की ओर कर लिया और अपने पैरों को पेट के नीचे मोड़कर धीरे-धीरे अस्पष्ट रूप से कराहने लगी।
मनोचिकित्सक ने क्लेन को अपने पास आने का इशारा किया। "चलो इसे शांत करने वाली दवा देते हैं," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "शायद मैं इससे बात कर सकूँ।"
आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञ ने सिर हिलाया और 50 मिलीग्राम थोराज़ीन का इंजेक्शन तैयार किया। हालांकि, जब डॉक्टर बिस्तर के पास पहुंचे, तो रीगन को उनकी मौजूदगी का एहसास हो गया और वह झट से करवट बदल ली। जैसे ही

न्यूरोसाइकियाट्रिस्ट ने उसे पकड़ने की कोशिश की, वह भयंकर क्रोध में चीखी। उसने उसे काट लिया। उससे लड़ाई की। उसे दूर धकेल दिया। कार्ल को मदद के लिए बुलाए जाने पर ही वे रीगन को इतनी देर तक शांत रख पाए कि क्लेन इंजेक्शन लगा सके।
खुराक अपर्याप्त साबित हुई और पचास मिलीग्राम का एक और इंजेक्शन लगाया गया। वे इंतजार करते रहे। और जल्द ही रीगन शांत हो गई। फिर सपनों में खोई रहने लगी। फिर अचानक घबराहट से डॉक्टरों को घूरने लगी। "माँ कहाँ है? मुझे माँ चाहिए!" उसने रोते हुए और डरते हुए कहा।
न्यूरोसाइकियाट्रिस्ट के इशारे पर क्लेन कमरे से बाहर निकल गया।
“तुम्हारी माँ बस एक पल में आ रही हैं, प्यारी,” मनोचिकित्सक ने रीगन को दिलासा देते हुए कहा। वह बिस्तर पर बैठ गया और उसके सिर पर हाथ फेरा। “चिंता मत करो, सब ठीक है, प्यारी। मैं डॉक्टर हूँ।”
मुझे मेरी माँ चाहिए!
“तुम्हारी माँ आ रही है। वो आ रही है। क्या तुम्हें दर्द हो रहा है, बेटा?”
जब रीगन के चेहरे से आंसू बहने लगे, तो उसने सिर हिलाया।
"बताओ कहाँ, प्रिये। कहाँ दर्द हो रहा है?"
“हर जगह दर्द हो रहा है!” रीगन ने सिसकते हुए कहा।
"ओह मेरे बच्चे!"
"माँ!"
क्रिस दौड़कर बिस्तर के पास गई और उसे गले लगा लिया। उसे चूमा। उसे दिलासा दिया और शांत किया। फिर क्रिस खुद खुशी से भावुक हो गई और उसकी आँखों में आँसू आ गए। "ओह, तुम वापस आ गई, रैग्स! तुम वापस आ गई! सच में तुम ही हो!"
“ओह, माँ, उसने मुझे चोट पहुँचाई!” रीगन ने सिसकते हुए अपनी माँ से कहा। “प्लीज़ उसे मुझे चोट पहुँचाना बंद करने के लिए कहो! ठीक है, माँ? प्लीज़?”
क्रिस ने हैरानी से उसकी ओर देखा, फिर अपनी आँखों में विनती और सवाल लिए डॉक्टरों की ओर मुड़ी और उनसे पूछा, "क्या? क्या हुआ?"
मनोचिकित्सक ने नरमी से कहा, "उसे बहुत अधिक बेहोशी की दवा दी गई है।"
“आपका मतलब यह है कि—”
उसने तुरंत उसकी बात काटते हुए कहा, "देखेंगे।"
उसने रीगन की ओर मुड़कर कहा, "क्या तुम मुझे बता सकती हो कि क्या हुआ है, प्रिय?"
“मुझे नहीं पता!” रीगन ने रोते हुए जवाब दिया। “मुझे नहीं पता! मुझे नहीं पता कि वह ऐसा क्यों करता है! वह तो पहले हमेशा मेरा दोस्त था!”
“वो कौन है?”
“कैप्टन हाउडी! और फिर उसके बाद ऐसा लगता है जैसे कोई और मेरे अंदर है! मुझसे काम करवा रहा है!”
“कैप्टन हाउडी?”
"मुझें नहीं पता!"
"एक व्यक्ति?"
रीगन ने सिर हिलाया।
"मुझे बताओ कौन?"

"मुझें नहीं पता!"
“अच्छा, तो चलिए कुछ करते हैं, रीगन। क्यों न हम एक छोटा सा खेल खेलें?” उसने जैकेट की जेब में हाथ डाला और चांदी की चेन से जुड़ा एक चमकदार गोल गहना निकाला। “क्या तुमने कभी ऐसी फिल्में देखी हैं जिनमें कोई सम्मोहित हो जाता है?” उसने पूछा।
आँखें चौड़ी करके, रीगन ने गंभीरता से सिर हिलाया।
“अच्छा, मैं सम्मोहन विशेषज्ञ हूँ, रीगन। ओह, जी हाँ, सच में! मैं लोगों को अक्सर सम्मोहित करता हूँ। सचमुच! हाँ, अगर वे मुझे ऐसा करने दें तो। अब मुझे लगता है कि अगर मैं तुम्हें सम्मोहित करूँ, रीगन, तो इससे तुम्हें ठीक होने में मदद मिलेगी। हाँ, तुम्हारे अंदर का वो इंसान बाहर आ जाएगा। क्या तुम सम्मोहित होना चाहोगी? देखो, तुम्हारी माँ यहीं तुम्हारे बगल में है।”
रीगन ने क्रिस की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि से देखा।
“आगे बढ़ो, प्यारी, करो,” क्रिस ने उसे प्रोत्साहित किया। “कोशिश करो।”
रीगन ने मनोचिकित्सक की ओर मुड़कर सिर हिलाया। "ठीक है," उसने धीरे से कहा। "लेकिन बस थोड़ा सा।"
मनोचिकित्सक मुस्कुराया, फिर पीछे से आ रही मिट्टी के बर्तन के टूटने की आवाज़ की ओर देखा। एक नाज़ुक फूलदान उस दराज़ के ऊपर से ज़मीन पर गिर गया था, जिस पर क्लेन ने अपना हाथ टिका रखा था। उसने अपने हाथ को देखा और फिर अचरज भरे भाव से टूटे हुए बर्तनों को देखा, फिर उन्हें उठाने के लिए झुका।
“कोई बात नहीं, डॉक्टर साहब, विली इसे ले आएगा,” क्रिस ने उनसे कहा।
“क्या आप मेरे लिए ये शटर बंद कर देंगे, सैम?” मनोचिकित्सक ने पूछा। “और पर्दे भी खींच देंगे?”
जब कमरा अंधेरा हो गया, तो मनोचिकित्सक ने अपनी उंगलियों में जंजीर को पकड़ा और उसे सहजता से आगे-पीछे झुलाने लगा। उसने उस पर एक पेनलाइट की रोशनी डाली। वह चमक उठी।
उसने सम्मोहक अनुष्ठान का जाप शुरू किया: "अब इसे देखो, रीगन, देखते रहो, और जल्द ही तुम महसूस करोगी कि तुम्हारी पलकें भारी होती जा रही हैं..."
कुछ ही समय में, रीगन मानो समाधि जैसी अवस्था में चली गई।
“बेहद आसानी से प्रभावित हो जाती हो,” मनोचिकित्सक ने धीरे से कहा। फिर उन्होंने पूछा, “क्या तुम आराम से हो, रीगन?”
“हां,” रीगन ने धीमी और फुसफुसाती आवाज में जवाब दिया।
“रेगन, तुम्हारी उम्र कितनी है?”
"बारह।"
क्या तुम्हारे अंदर कोई है?
"कभी-कभी।"
"कब?"
“अलग समय था।”
“क्या यह कोई व्यक्ति है?”
"हाँ।"
"कौन है भाई?"
"मुझें नहीं पता।"

“कैप्टन हाउडो?”
"मुझें नहीं पता।"
“एक आदमी?”
"मुझें नहीं पता।"
लेकिन वह वहां है।
"हां, कभी-कभी।"
"अब?"
"मुझें नहीं पता।"
"अगर मैं उससे पूछूं कि मुझे क्या बताना है, तो क्या आप उसे जवाब देने देंगे?"
"नहीं!"
"क्यों नहीं?"
"मुझे डर लग रहा है!"
"किस?"
"मुझें नहीं पता!"
“अगर वो मुझसे बात करेगा, रीगन, तो मुझे लगता है वो तुम्हें छोड़ देगा। क्या तुम चाहती हो कि वो तुम्हें छोड़ दे?”
"हाँ।"
“तो उसे बोलने दो। क्या तुम उसे बोलने दोगे?”
काफी देर तक सन्नाटा रहा। और फिर अंत में, "हाँ।"
“मैं अभी रीगन के भीतर मौजूद व्यक्ति से बात कर रहा हूँ,” मनोचिकित्सक ने दृढ़ता से कहा। “अगर तुम वहाँ हो, तो तुम भी सम्मोहित हो और तुम्हें मेरे सभी सवालों के जवाब देने होंगे।” एक पल के लिए वह रुका ताकि यह बात रीगन के रक्त में समा जाए। फिर उसने दोहराया: “अगर तुम वहाँ हो, तो तुम सम्मोहित हो और तुम्हें मेरे सभी सवालों के जवाब देने होंगे। आगे आओ और अभी मुझे जवाब दो। क्या तुम वहाँ हो?”
सन्नाटा छा गया। तभी कुछ अजीब हुआ: रीगन की सांसें अचानक दुर्गंधयुक्त हो गईं। वह गाढ़ी और तेज़ थी, मानो कोई धारा बह रही हो। मनोचिकित्सक ने दो फीट की दूरी से ही उसे सूंघ लिया। उसने रीगन के चेहरे पर टॉर्च की रोशनी डाली और क्रिस ने हैरानी और सदमे से अपनी सांस रोक ली, क्योंकि रीगन के चेहरे के भाव एक क्रूर मुखौटे में बदल गए, उसके होंठ विपरीत दिशाओं में खिंच गए, और उसकी सूजी हुई जीभ भेड़िये की तरह उसके मुंह से बाहर लटक रही थी।
मनोचिकित्सक ने पूछा, "क्या आप ही वह व्यक्ति हैं जो रीगन में हैं?"
रीगन ने सिर हिलाया।
"आप कौन हैं?"
“नाउनमाई,” उसने कर्कश स्वर में उत्तर दिया।
"यह आपका नाम है?"
एक और सहमति।
“तुम पुरुष हो?”
उसने कहा, "बोलो।"
“क्या आपने जवाब दिया?”
"कहना।"
"अगर आपका जवाब 'हां' है, तो अपना सिर हिलाएं।"

रीगन ने सिर हिलाया।
क्या आप किसी विदेशी भाषा में बात कर रहे हैं?
"कहना।"
"आप कहां से आए हैं?"
"कुत्ता।"
"तुम कहते हो कि तुम कुत्ते की संतान हो?"
“डॉगमॉर्फमोसियन,” रीगन ने उत्तर दिया।
मनोचिकित्सक कुछ देर रुके, और सोचने के बाद उन्होंने दूसरा तरीका आजमाने का फैसला किया। “अब जब मैं आपसे सवाल पूछूंगा, तो आप सिर हिलाकर जवाब देंगे: ‘हाँ’ के लिए सिर हिलाना, और ‘नहीं’ के लिए सिर हिलाना। क्या आप इसे समझते हैं?”
रीगन ने सिर हिलाया।
“क्या तुम्हारे जवाबों का कोई मतलब था?” उसने उससे पूछा। हाँ।
“क्या आप वह व्यक्ति हैं जिसे रीगन जानती है?” नहीं।
“क्या उसे इसके बारे में पता है?” नहीं।
“क्या तुम उसके द्वारा गढ़े गए पात्र हो?” नहीं।
“तुम सच में हो?” हाँ।
“रीगन का हिस्सा?” नहीं।
“क्या आप कभी रीगन का हिस्सा थे?” नहीं।
“क्या तुम उसे पसंद करते हो?” नहीं।
“उसे नापसंद करते हो?” हाँ।
“क्या तुम उससे नफरत करते हो?” हाँ।
“उसके किसी काम की वजह से?” हाँ।
“क्या आप उसके माता-पिता के तलाक के लिए उसे दोषी मानते हैं?” नहीं।
“क्या इसका उसके माता-पिता से कुछ लेना-देना है?” नहीं।
“किसी दोस्त के साथ?” नहीं।
लेकिन तुम उससे नफरत करते हो। हां।
“क्या आप रीगन को दंडित कर रहे हैं?” हाँ।
“क्या तुम उसे नुकसान पहुंचाना चाहते हो?” हां।
“उसे मारने के लिए?” हाँ।
“अगर वह मर गई, तो क्या तुम भी नहीं मर जाओगे?” नहीं।
जवाब ने उसे बेचैन कर दिया और वह सोच में डूब गया। जैसे ही उसने करवट बदली, पलंग के स्प्रिंग चरमरा उठे। घुटन भरी खामोशी में, रीगन की सांसें खरखरी और कर्कश थीं, मानो किसी सड़ी-गली धौंकनी से आ रही हों। यहीं। फिर भी दूर। और भयावह।
जैसे ही उसने दोबारा उस भयानक, विकृत चेहरे पर अपनी नज़र उठाई, मनोचिकित्सक की आँखों में अटकलों की चमक आ गई और उसने पूछा, "क्या वह ऐसा कुछ कर सकती है जिससे आप उसे छोड़ दें?" हाँ।
“क्या आप मुझे बता सकते हैं कि यह क्या है?” हाँ।
“क्या तुम मुझे बताओगे?” नहीं।
"लेकिन-"

अचानक मनोचिकित्सक दर्द से कराह उठा, जब उसे भयानक आवेश्वास के साथ एहसास हुआ कि रीगन ने उसके अंडकोष को लोहे के पंजे की तरह जकड़े हुए हाथ से दबा रखा था। आँखें फाड़कर घूरते हुए, उसने खुद को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। "सैम! सैम, मेरी मदद करो!" वह दर्द से कराह उठा।
अराजकता।
क्रिस लाइट स्विच की ओर छलांग लगा रहा है।
डॉ. क्लेन आगे की ओर दौड़ रहे हैं।
रीगन ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया, राक्षसी ढंग से खिलखिलाई, फिर भेड़िये की तरह दहाड़ने लगी।
क्रिस ने लाइट स्विच पर हाथ मारा, फिर वह मुड़ी और उसे एक धीमी गति के भयानक सपने की धुंधली, दानेदार काली-सफेद फिल्म दिखाई दी: रीगन और डॉक्टर बिस्तर पर कराह रहे थे, उनके हाथ-पैर आपस में उलझे हुए थे, चेहरे पर दर्द के भाव, हांफना और गालियां, चीखना-चिल्लाना और वह भयानक हंसी गूंज रही थी; रीगन सूअर की तरह ऊँ-ऊँ कर गुर्रा रही थी, रीगन घोड़े की तरह हिनहिना रही थी, और फिर फिल्म और भी तेज गति से चलने लगी, पलंग बुरी तरह हिलने लगा और इधर-उधर कांपने लगा, रीगन की आंखें ऊपर की ओर घूम गईं और उसने डर से चीख मारी, उसकी रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से से खून से लथपथ चीख निकली।
रीगन लड़खड़ाकर गिर पड़ी और बेहोश हो गई।
कमरे से कोई अनकही चीज निकल गई।
कुछ पल सन्नाटे में, कोई नहीं हिला। फिर धीरे-धीरे और सावधानी से, डॉक्टर उठे। वे खड़े हुए और रीगन को निहारते रहे, कुछ बोल नहीं पाए। फिर क्लेन, भावहीन होकर, बिस्तर के पास गए, रीगन की नब्ज़ जाँची और संतुष्ट होकर धीरे से और नरमी से उसका कंबल ऊपर खींच दिया, और फिर क्रिस और मनोचिकित्सक को इशारा किया। वे कमरे से निकलकर अध्ययन कक्ष में चले गए, जहाँ कुछ देर तक कोई नहीं बोला। क्रिस सोफे पर बैठी थी, और क्लेन और मनोचिकित्सक उसके पास आमने-सामने कुर्सियों पर बैठे थे। मनोचिकित्सक सोच में डूबे हुए थे, अपने होंठ दबाते हुए कॉफी टेबल को बेजान निगाहों से घूर रहे थे, फिर अंत में आह भरी और क्रिस की ओर देखा, जब क्रिस ने अपनी थकी हुई निगाहें उनकी ओर घुमाईं। "आखिर चल क्या रहा है?" उसने थकी हुई, हताश फुसफुसाहट में पूछा।
क्या आपने वह भाषा पहचानी जो वह बोल रही थी?
क्रिस ने अपना सिर हिलाया।
क्या आपके कोई धार्मिक विश्वास हैं?
नहीं, मैं नहीं करता।
"और तुम्हारी बेटी?"
"नहीं।"
वहां से मनोचिकित्सक ने रीगन के मनोवैज्ञानिक इतिहास से संबंधित प्रश्नों की एक लंबी श्रृंखला पूछी, और जब अंत में उन्होंने पूछना समाप्त किया, तो वे परेशान प्रतीत हुए।
“क्या हुआ?” क्रिस ने उससे पूछा, उसकी मुट्ठी में जकड़े हुए रूमाल पर उसकी उंगलियां बार-बार कस रही थीं और ढीली हो रही थीं। “डॉक्टर साहब, इसे क्या हुआ है?”

मनोचिकित्सक ने टालमटोल भरा लहजा अपनाया। उन्होंने कहा, "खैर, यह कुछ हद तक उलझन भरा है। और सच कहूं तो, इतनी संक्षिप्त जांच के बाद निदान करने का प्रयास करना मेरे लिए सरासर गैरजिम्मेदाराना होगा।"
“खैर, आपको कुछ तो अंदाजा होगा ही,” क्रिस ने जोर देकर कहा।
अपनी भौंहों को सहलाते हुए और नीचे देखते हुए, मनोचिकित्सक ने एक आह भरी, फिर नरमी दिखाते हुए ऊपर देखा और कहा, "ठीक है। मुझे पता है कि आप काफी चिंतित हैं, इसलिए मैं कुछ धारणाओं का जिक्र करूंगा। लेकिन वे अभी अस्थायी हैं, ठीक है?"
क्रिस आगे झुकी और तनाव भरे स्वर में सिर हिलाया। "हाँ, ठीक है। तो ये क्या हैं?" उसकी उंगलियाँ उसकी गोद में रखे रूमाल से खेलने लगीं, मानो उसके किनारे की सिलाई को लिनेन की माला के मोतियों की तरह गिन रही हों।
“सबसे पहले तो,” मनोचिकित्सक ने उससे कहा, “यह बहुत ही असंभव है कि वह नाटक कर रही हो। है ना, सैम?” क्लेन सहमति में सिर हिला रही थी। “हमें कई कारणों से ऐसा लगता है,” मनोचिकित्सक ने आगे कहा। “उदाहरण के लिए, असामान्य और दर्दनाक शारीरिक ऐंठन; और सबसे नाटकीय रूप से, मुझे लगता है, उसके चेहरे के भावों में आया बदलाव जब हम उस तथाकथित व्यक्ति से बात कर रहे थे जिसे वह अपने अंदर मानती है। इस तरह का मानसिक प्रभाव तभी संभव है जब वह उस व्यक्ति पर विश्वास करती हो। क्या तुम समझ रही हो?”
“हाँ, मुझे लगता है,” क्रिस ने जवाब दिया; “सिवाय एक बात के जो मुझे समझ नहीं आती, वो ये है कि ये दूसरा व्यक्ति कहाँ से आता है। मतलब, ‘स्प्लिट पर्सनैलिटी’ के बारे में तो बहुत कुछ सुनने को मिलता है, लेकिन मुझे आज तक इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला।”
“खैर, और कोई भी नहीं जानता। हम ‘चेतना’, ‘मन’, ‘व्यक्तित्व’ जैसी अवधारणाओं का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन वास्तव में हम यह नहीं जानते कि वे क्या हैं। इसलिए जब मैं बहु व्यक्तित्व या विभाजित व्यक्तित्व जैसी किसी चीज़ के बारे में बात करना शुरू करता हूँ, तो हमारे पास केवल कुछ सिद्धांत हैं जो जवाब देने के बजाय और अधिक प्रश्न खड़े करते हैं। फ्रायड का मानना था कि कुछ विचार और भावनाएँ चेतन मन द्वारा किसी तरह दबा दी जाती हैं, लेकिन व्यक्ति के अवचेतन में जीवित रहती हैं; वास्तव में काफी मजबूत रहती हैं, और विभिन्न मनोरोग लक्षणों के माध्यम से अभिव्यक्ति की तलाश करती रहती हैं। अब जब यह दमित—या इसे वियोगित पदार्थ कहें, वियोग शब्द चेतना की मुख्यधारा से अलग होने का संकेत देता है। क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?”
"हाँ, आगे बढ़ो।"
“ठीक है। जब इस प्रकार की सामग्री पर्याप्त रूप से मजबूत होती है, या जब व्यक्ति का व्यक्तित्व अव्यवस्थित और कमजोर होता है, तो परिणाम सिज़ोफ्रेनिक मनोविकृति हो सकता है। अब यह वही नहीं है,” उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, “द्वि-व्यक्तित्व। सिज़ोफ्रेनिया का अर्थ है व्यक्तित्व का बिखर जाना। लेकिन जब विखंडित सामग्री इतनी मजबूत होती है कि किसी तरह जुड़ जाती है, किसी तरह व्यक्ति के अवचेतन में व्यवस्थित हो जाती है—तो, यह कभी-कभी एक स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में कार्य करने लगती है; दूसरे शब्दों में, शारीरिक कार्यों पर नियंत्रण कर लेती है।”
"और आपको क्या लगता है कि रीगन के साथ यही हो रहा है?"

“खैर, यह तो सिर्फ एक सिद्धांत है। कई अन्य सिद्धांत भी हैं, जिनमें से कुछ में अचेतनता में पलायन, किसी संघर्ष या भावनात्मक समस्या से बचने की धारणा शामिल है। आपकी बेटी को सिज़ोफ्रेनिया का कोई इतिहास नहीं है और ईईजी में मस्तिष्क तरंगों का वह पैटर्न नहीं दिखा जो आमतौर पर इसके साथ होता है। इसलिए हमारे पास हिस्टीरिया की संभावना ही बचती है।”
"मैंने पिछले हफ्ते दान दिया था," क्रिस ने धीमी आवाज़ में कहा।
चिंतित मनोचिकित्सक ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, “हिस्टीरिया एक प्रकार का न्यूरोसिस है जिसमें भावनात्मक गड़बड़ी शारीरिक विकारों में बदल जाती है। इसके कुछ रूपों में, अलगाव होता है। उदाहरण के लिए, साइकोएस्थेनिया में, व्यक्ति अपने कार्यों के प्रति सचेत नहीं रहता, लेकिन वह स्वयं को कार्य करते हुए देखता है और अपने कार्यों का श्रेय किसी और को देता है। हालाँकि, द्वितीय व्यक्तित्व के बारे में उनका विचार अस्पष्ट है, जबकि रीगन का विचार स्पष्ट प्रतीत होता है। इसलिए हम उस स्थिति पर आते हैं जिसे फ्रायड हिस्टीरिया का 'रूपांतरण' रूप कहते थे, जो अपराधबोध और दंडित होने की आवश्यकता की अचेतन भावनाओं से उत्पन्न होता है। यहाँ अलगाव सर्वोपरि है, यहाँ तक कि बहु व्यक्तित्व भी। और इस सिंड्रोम में मिर्गी जैसे दौरे, मतिभ्रम और असामान्य शारीरिक उत्तेजना भी शामिल हो सकती है।”
क्रिस ध्यान से सुन रही थी, समझने की कोशिश में उसकी आँखें और चेहरा तनाव से सिकुड़ गए थे। "हाँ, यह तो रीगन से काफी मिलता-जुलता लगता है," उसने कहा। "क्या आपको नहीं लगता? खैर, अपराधबोध को छोड़कर। मेरा मतलब है, उसे किस बात का अपराधबोध होगा?"
“खैर, एक घिसा-पिटा जवाब तलाक हो सकता है। बच्चे अक्सर महसूस करते हैं कि उन्हें ठुकरा दिया गया है और कभी-कभी वे अपने माता-पिता में से किसी एक के चले जाने की पूरी ज़िम्मेदारी खुद पर ले लेते हैं, इसलिए आपकी बेटी के मामले में यह बात लागू हो सकती है। यहाँ मैं मृत्यु भय (थानाटोफोबिया) के लक्षणों के बारे में सोच रहा हूँ—लोगों की मृत्यु के विचार से होने वाला एक गहरा और मानसिक अवसाद।” क्रिस की निगाहें और तीखी हो गईं। मनोचिकित्सक ने आगे कहा, “बच्चों में, आप पाएंगे कि यह पारिवारिक तनाव से संबंधित अपराधबोध के साथ जुड़ा होता है, अक्सर माता-पिता को खोने के डर से। यह क्रोध और तीव्र निराशा पैदा करता है। इसके अलावा, इस प्रकार के हिस्टीरिया में अपराधबोध का चेतन मन को पता होना ज़रूरी नहीं है। यह वह अपराधबोध भी हो सकता है जिसे हम 'अनावश्यक' कहते हैं, जिसका अर्थ है कि इसका किसी विशेष चीज़ से कोई संबंध नहीं है।”
तो ये मौत का डर...
"मृत्यु भय।"
“हाँ, आपने जो कहा वो सही है। क्या यह कोई वंशानुगत चीज़ है?”
सवाल के बारे में अपनी जिज्ञासा को छिपाने के लिए थोड़ा सा एक तरफ देखते हुए, मनोचिकित्सक ने कहा, "नहीं। नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।"
क्रिस ने अपना सिर नीचे झुकाया और हिलाया। "मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा," उसने कहा; "मैं उलझन में हूँ।" उसने ऊपर देखा, उसकी भौंहों पर हल्की झुर्रियाँ पड़ गई थीं। "मेरा मतलब है, यह नया व्यक्तित्व कहाँ से आया?"
मनोचिकित्सक उसकी ओर मुड़ा। उसने कहा, “खैर, यह तो बस एक अनुमान है, लेकिन अगर मान लें कि यह अपराधबोध से उपजी रूपांतरण उन्माद है, तो दूसरा

व्यक्तित्व केवल दंड देने वाला सूत्र है। अगर रीगन खुद ऐसा करती, तो इसका मतलब होता कि वह अपने अपराधबोध को पहचान लेती। लेकिन वह उस पहचान से बचना चाहती है। इसलिए, यह एक दूसरा व्यक्तित्व है।"
"बस इतना ही? आपको क्या लगता है कि उसके पास बस इतना ही है?"
"जैसा कि मैंने कहा, मुझे नहीं पता।" मनोचिकित्सक अपने शब्दों को इतनी सावधानी से चुन रहे थे मानो किसी तालाब पर गोल, चपटे पत्थरों को उछाल रहे हों। "उसकी उम्र की बच्ची के लिए एक नए व्यक्तित्व के घटकों को एक साथ जोड़ना और व्यवस्थित करना काफी असाधारण है। और कुछ—खैर, कुछ और बातें भी हैं जो हैरान करने वाली हैं। उदाहरण के लिए, ओइजा बोर्ड के साथ उसका प्रदर्शन अत्यधिक सुझावशीलता का संकेत देता है; और फिर भी जाहिर तौर पर मैंने उसे कभी सम्मोहित नहीं किया।" उन्होंने कंधे उचकाए। "हो सकता है उसने विरोध किया हो। लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात," उन्होंने कहा, "नए व्यक्तित्व की स्पष्ट परिपक्वता है। यह बिल्कुल भी बारह साल की बच्ची नहीं है। यह बहुत बड़ी है। और फिर वह जिस भाषा में बात कर रही थी..." उनकी आवाज धीमी हो गई, क्योंकि वे सोच में डूबे हुए अंगीठी को घूर रहे थे। "बेशक, एक ऐसी ही अवस्था होती है," उन्होंने कहा, "लेकिन हम उसके बारे में ज्यादा नहीं जानते।"
"यह क्या है?"
मनोचिकित्सक ने उसकी ओर मुड़कर कहा, "यह एक प्रकार का नींद में चलने जैसा है, जिसमें व्यक्ति अचानक ऐसे ज्ञान या कौशल प्रकट कर देता है जो उसने पहले कभी नहीं सीखे होते, और जिसमें दूसरे व्यक्तित्व का उद्देश्य—" वह रुक गया। "यह बेहद जटिल है," उसने फिर कहा, "और मैंने इसे हद से ज़्यादा सरल बना दिया है।" उसने क्रिस को अनावश्यक रूप से परेशान करने के डर से अपना कथन पूरा नहीं किया था: वह कहना चाहता था कि दूसरे व्यक्तित्व का उद्देश्य पहले व्यक्तित्व को नष्ट करना है।
तो अंत में निष्कर्ष क्या निकलता है?
"थोड़ा टेढ़ा-मेढ़ा सा है। उसे विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा गहन जांच की आवश्यकता है: नैदानिक वातावरण में दो या तीन सप्ताह का गहन अध्ययन; डेटन में बैरिंगर क्लिनिक जैसी कोई जगह।"
क्रिस ने मुंह फेर लिया और नीचे देखने लगा।
"क्या यह कोई समस्या है?" मनोचिकित्सक ने उससे पूछा।
उसने अपना सिर हिलाया और धीरे से उदास स्वर में कहा, "नहीं, मैंने बस 'आशा' खो दी है, बस इतना ही।"
मुझे आपकी बात समझ नहीं आई।
"लंबी कहानी है।"
मनोचिकित्सक ने बैरिंगर क्लिनिक को फोन किया। वे अगले दिन रीगन को लेने के लिए सहमत हो गए। डॉक्टर चले गए।
क्रिस ने डेनिंग्स की यादों के दर्द को किसी तरह दबा लिया; उसने फिर से मौत, उस कीड़े, उस खालीपन, उस असहनीय अकेलेपन, उस खामोशी, उस सन्नाटे और उस अंधेरे के बारे में सोचा जो ज़मीन के नीचे उसका इंतज़ार कर रहा था: नहीं, कोई हलचल नहीं; कोई साँस नहीं; कुछ भी नहीं। बहुत ज़्यादा... बहुत ज़्यादा। क्रिस ने अपना सिर नीचे झुकाया और थोड़ी देर रोई। फिर उसने अपना सिर रख लिया।

यात्रा की तैयारी में, क्रिस अपने बेडरूम में खड़ी होकर डेटन में पहनने के लिए एक छलावरण वाली विग चुन रही थी, तभी कार्ल खुले दरवाजे पर आ गया। उसने क्रिस को बताया कि कोई उससे मिलने आया है।
"कौन?"
“जासूस।”
“जासूस? और वो मुझसे मिलना चाहता है?”
जी जी मैडम।
कार्ल अंदर आया और क्रिस को एक बिजनेस कार्ड दिया। उस पर लिखा था, विलियम एफ. किंडरमैन, लेफ्टिनेंट ऑफ डिटेक्टिव्स। ये शब्द अलंकृत, उभरे हुए ट्यूडर फॉन्ट में छपे थे, जो शायद किसी प्राचीन वस्तुओं के व्यापारी द्वारा चुने गए हों। एक कोने में छोटे अक्षरों में लिखा था, जैसे किसी उपेक्षित रिश्तेदार ने लिखा हो, हत्या विभाग।
क्रिस ने संदेह भरी निगाहों से कार्ल की ओर देखा। "क्या उसके पास कुछ ऐसा है जो स्क्रिप्ट हो सकती है? जैसे कोई बड़ा लिफाफा या कुछ और?"
क्रिस को यह पता चल गया था कि दुनिया में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसके पास कोई उपन्यास, पटकथा या दोनों का विचार किसी दराज या दिमाग में छिपा न हो। ऐसा लगता था जैसे वह उन्हें उसी तरह आकर्षित करती थी जैसे पुजारी व्यभिचारियों और शराबियों को आकर्षित करते हैं।
कार्ल ने सिर हिलाया। "नहीं, मैडम।"
जासूस साहब, क्या इसका बर्क से कोई संबंध था?
क्रिस ने उसे प्रवेश कक्ष में धंसा हुआ पाया, उसकी ढीली और सिकुड़ी हुई टोपी का किनारा उसकी छोटी मोटी उंगलियों में जकड़ा हुआ था, जिनके नाखूनों पर हाल ही में मैनीक्योर की चमक थी। साठ के आसपास का वह मोटा-ताज़ा व्यक्ति था, जिसके गाल साबुन से चमक रहे थे। उसने सिकुड़ी हुई, ढीली-ढाली पैंट पहनी हुई थी, जिसके ऊपर एक बड़ा सा ग्रे ट्वीड ओवरकोट था जो लंबा, ढीला और पुराने ज़माने का लग रहा था। जैसे ही क्रिस उसके पास पहुँची, जासूस ने कर्कश, फुसफुसाती आवाज़ में उससे कहा, "मिस मैकनील, मैं इस चेहरे को किसी भी पहचान परेड में पहचान लूँगा।"
“क्या मैं उनमें से एक में हूँ?” क्रिस ने पूछा।
“अरे बाप रे! अरे नहीं, नहीं! बिलकुल नहीं! नहीं, यह तो बिल्कुल रोज़ का काम है,” उसने उसे आश्वस्त करते हुए कहा। “देखो, तुम व्यस्त हो? तो कल आ जाओ। जी हाँ, मैं कल फिर आऊँगा।”
वह जाने के लिए मुड़ रहा था, तभी क्रिस ने घबराकर पूछा, “क्या बात है? क्या यह बर्क है? बर्क डेनिंग्स?” जासूस की सहज और बेफिक्र अदा ने क्रिस की बेचैनी और बढ़ा दी। वह मुड़ा और फिर उसकी ओर देखा, नम भूरी आँखों से उदास निगाहों से घूर रहा था, जो किनारों से झुकी हुई थीं और मानो बीते समय को ही निहार रही हों। “कितनी बड़ी अफ़सोस की बात है,” उसने कहा। “बहुत अफ़सोस।”
“क्या उसकी हत्या हुई थी?” क्रिस ने उससे सीधे-सीधे पूछा। “मतलब, तुम हत्या के मामलों के पुलिस अधिकारी हो। क्या इसीलिए तुम यहाँ हो? क्या बर्क की हत्या हुई थी?”
“नहीं, जैसा कि मैंने आपको बताया, यह तो रोज़ाना का काम है,” जासूस ने दोहराया। “आप जानते हैं, इतना महत्वपूर्ण व्यक्ति, हम इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते थे। हम नहीं कर सकते थे,” उसने बेबसी भरे चेहरे और कंधे उचकाते हुए कहा। “कम से कम

एक-दो सवाल तो पूछने ही चाहिए थे। क्या वह गिरा था? क्या उसे धक्का दिया गया था?" ये सवाल पूछते हुए वह अपना सिर इधर-उधर झुका रहा था और हथेली बाहर की ओर करके हाथ ऊपर उठाए हुए था। फिर उसने कंधे उचकाए और धीमी, भारी आवाज़ में फुसफुसाया, "कौन जानता है?"
क्या उसे लूटा गया था?
"नहीं, लूट नहीं हुई, मिस मैकनील, कभी नहीं हुई; लेकिन ऐसे समय में मकसद की ज़रूरत ही किसे है?" जासूस के हाथ लगातार हिल रहे थे, मानो किसी ऊबे हुए कठपुतली नचाने वाले की उंगलियों से बने ढीले-ढाले दस्ताने हों। "आजकल तो हत्यारे के लिए मकसद एक बोझ है, शायद एक रुकावट भी।" उसने अपना सिर हिलाया। "ये ड्रग्स," उसने विलाप किया। "ये सारे ड्रग्स।" उसने अपनी उंगलियों के सिरों से अपनी छाती पर थपथपाया। "मान लीजिए, मैं एक पिता हूँ, और जब मैं ये सब देखता हूँ, तो मेरा दिल टूट जाता है। सच में। क्या आपके बच्चे हैं?"
"हां, एक।"
"बेटा या बेटी?"
"एक बेटी।"
"भगवान उस पर कृपा करें।"
"देखो, अध्ययन कक्ष में आ जाओ," क्रिस ने उससे कहा और आगे-आगे चलने लगी, वह यह सुनने के लिए बेहद उत्सुक थी कि डेनिंग्स के बारे में उसे क्या कहना है।
"मिस मैकनील, क्या मैं आपसे किसी काम के लिए संपर्क कर सकती हूँ?"
क्रिस रुकी और उसकी ओर मुड़ी, उसके चेहरे पर धुंधली और थकी हुई उम्मीद थी कि वह अपने बच्चों के लिए उसका ऑटोग्राफ चाहता है। यह कभी उनके लिए नहीं था। यह हमेशा उनके बच्चों के लिए था। "हाँ, ज़रूर," उसने अपनी अधीरता को छिपाने की कोशिश करते हुए सौहार्दपूर्वक कहा।
जासूस ने थोड़ा मुंह बनाते हुए इशारा किया। "मेरा पेट खराब है," उसने कहा। "क्या आपके पास कैल्सी का पानी है? अगर कोई परेशानी हो तो कोई बात नहीं।"
"नहीं, कोई परेशानी नहीं," क्रिस ने हल्की, बनावटी मुस्कान के साथ जवाब दिया। "अध्ययन कक्ष में जाकर बैठ जाइए।" क्रिस ने इशारा किया, फिर मुड़कर रसोई की ओर चल पड़ी। "मुझे लगता है फ्रिज में एक बोतल है," उसने कहा।
"नहीं, मैं रसोई में आता हूँ," जासूस ने लड़खड़ाते हुए चलते हुए कहा। "हाँ, मुझे आपको परेशान करने में बुरा लग रहा है।"
इसमें कोई परेशानी नहीं है।
"नहीं, सच में, आप व्यस्त हैं, मैं आ जाऊँगा। आपके बच्चे हैं?" जासूस ने चलते हुए पूछा। "नहीं, जी हाँ," उसने तुरंत अपनी बात सुधारी। "हाँ, एक बेटी है। आपने बताया था। बिल्कुल सही। बस एक ही। और उसकी उम्र कितनी है?"
वह अभी बारह साल की हुई है।
"अरे, तो आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। नहीं, अभी नहीं। लेकिन बाद में, सावधान रहना।" वह अपना सिर हिला रहा था। "जब आप दिन-रात इतनी बीमारियाँ देखेंगे। अविश्वसनीय! अकल्पनीय! पागलपन! आपको पता है, मैंने कुछ दिन पहले—या शायद कुछ हफ़्ते पहले, मुझे याद नहीं—अपनी पत्नी को देखा और कहा, मैरी, दुनिया—पूरी दुनिया"—उसने अपने हाथों को एक वैश्विक संकेत में उठाया—"एक बड़े मानसिक आघात से गुज़र रही है।"

वे रसोइ में दाखिल हुए, जहाँ कार्ल एक ओवन के अंदरूनी हिस्से की सफाइ और पॉलिश कर रहा था। उसने न तो मुड़कर देखा और न ही उनकी उपस्थिति पर कोई प्रतिक्रिया दी।
“यह तो वाकई बहुत शर्मनाक है,” जासूस हांफते हुए बोला जब क्रिस ने फ्रिज का दरवाजा खोला; फिर भी उसकी निगाहें कार्ल पर टिकी थीं, मानो कोई छोटा, काला पक्षी झील के ऊपर से नीचे उड़ रहा हो, और कार्ल ने नौकर के सिर के पिछले हिस्से को तेज़ी से और सवालिया निगाहों से देखा। “मैं एक मशहूर फिल्म स्टार से मिला,” उसने आगे कहा, “और मैंने उनसे कैल्सो का पानी मांगा। यह तो बस एक मज़ाक था।”
क्रिस को बोतल मिल गई थी और वह उसे खोलने के लिए किसी उपकरण की तलाश कर रहा था।
उसने कहा, "बर्फ?"
"अरे नहीं, सादा। सादा ही ठीक है।"
क्रिस ने बोतल खोली, एक गिलास ढूंढा और उसमें बुलबुले वाला कैल्सो पानी डाला।
“तुम्हें याद है तुमने ‘एंजल’ नाम की एक फिल्म बनाई थी?” जासूस ने थोड़ी सी यादों भरी मुस्कान के साथ पूछा। “मैंने वो फिल्म छह बार देखी थी,” उसने कहा।
"अगर आप हत्यारे की तलाश कर रहे थे, तो निर्देशक को गिरफ्तार कर लीजिए।"
“अरे नहीं, नहीं, यह बहुत बढ़िया था—सचमुच—मुझे बहुत अच्छा लगा! बस एक छोटी सी—”
“चलो, हम यहाँ बैठ सकते हैं,” क्रिस ने बीच में ही टोकते हुए कहा। वह खिड़की वाले नाश्ते के कोने की ओर इशारा कर रही थी। वहाँ पॉलिश की हुई पाइन की मेज और फूलों के पैटर्न से ढके हुए कुशन थे।
“जी हां, बिल्कुल,” जासूस ने जवाब दिया।
वे बैठ गए, और क्रिस ने उसे कैल्सो का पानी दिया।
“ओह, जी हाँ, धन्यवाद,” उन्होंने कहा।
“कोई बात नहीं। आपका मतलब क्या था?”
“ओह, खैर, फिल्म तो वाकई बहुत अच्छी थी। दिल को छू लेने वाली। लेकिन शायद एक छोटी सी बात,” जासूस ने हिम्मत करके कहा, “एक छोटी सी, लगभग नगण्य सी कमी। और कृपया मुझ पर विश्वास करें, ऐसे मामलों में मैं तो बस एक आम आदमी हूँ। ठीक है? मैं तो बस दर्शक हूँ। मुझे क्या पता? हालांकि, मुझे ऐसा लगा कि कुछ दृश्यों में संगीत कुछ बाधा डाल रहा था। बहुत ज्यादा दखलअंदाजी कर रहा था।” जासूस की बात में जोश भर गया और क्रिस ने बेचैनी से हिलने-डुलने से खुद को रोकने की कोशिश की। “यह मुझे बार-बार याद दिला रहा था कि यह एक फिल्म है। आप जानते हैं? जैसे ये सारे फैंसी कैमरा एंगल। बहुत ध्यान भटकाने वाले। वैसे, संगीत—क्या संगीतकार ने इसे मेंडेलसन से चुराया है?”
क्रिस ने मेज पर अपनी उंगलियों से हल्के-हल्के थपथपाना शुरू किया था, लेकिन अचानक रुक गई। यह किस तरह का जासूस है? उसने सोचा; और वह लगातार कार्ल की ओर क्यों देख रहा है?
“हम इसे चोरी नहीं कहते, हम इसे श्रद्धांजलि कहते हैं,” क्रिस ने हल्की मुस्कान के साथ कहा, “लेकिन मुझे खुशी है कि आपको तस्वीर पसंद आई। इसे पी लो,” उसने कैल्सो पानी के गिलास की ओर इशारा करते हुए कहा। “यह जल्दी ही बेस्वाद हो जाता है।”
“जी हां, बिल्कुल। मैं बहुत ज्यादा बोलता हूं। मुझे माफ कर दीजिए।”

जैसे टोस्ट करते हुए गिलास उठाते हुए, मोटे-ताज़े जासूस ने उसका सारा पेय पी लिया, उसकी छोटी उंगली शालीनता से हवा में उठी हुई थी। "आह, अच्छा, बढ़िया है," उसने साँस छोड़ते हुए कहा। गिलास नीचे रखते ही उसकी नज़र रीगन की चिड़िया की मूर्ति पर पड़ी। अब वह मेज़ के बीचोंबीच रखी थी, उसकी लंबी चोंच नमक और काली मिर्च के डिब्बों के ऊपर व्यंग्यपूर्ण ढंग से तैर रही थी। "कितनी अनोखी है," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "कितनी प्यारी है।" उसने क्रिस की ओर देखा। "और कलाकार कौन है?"
"मेरी बेटी।"
"बहुत अच्छा।"
“देखिए, मुझे ऐसा करना अच्छा नहीं लगता—”
“जी हां, मुझे पता है। आप बहुत व्यस्त हैं। सुनिए, एक-दो सवाल और बात खत्म। दरअसल, सिर्फ एक सवाल, बस इतना ही, और फिर मैं चलता हूं।” वह अपनी घड़ी पर नज़र डाल रहे थे, मानो किसी ज़रूरी काम के लिए जल्दी में हों। “क्योंकि बेचारे श्री डेनिंग्स,” उन्होंने शुरू किया, “इस इलाके में अपनी फ़िल्म की शूटिंग पूरी कर चुके थे, तो हमें लगा कि शायद दुर्घटना वाली रात वह किसी से मिलने गए हों। अब, आपके अलावा, क्या इस इलाके में उनके कोई दोस्त थे?”
“ओह, वह उस रात यहीं था,” क्रिस ने उसे बताया।
“ओह, सच में?” जासूस की भौंहें तन गईं। “दुर्घटना के समय के आसपास?” उसने पूछा।
"जब यह हुआ?"
शाम सात बजकर पांच मिनट पर।
"हां मुझे ऐसा लगता है।"
“ठीक है, तो बात पक्की हो गई।” जासूस ने सिर हिलाया और कुर्सी पर थोड़ा घूमा, मानो उठने की तैयारी कर रहा हो। “वह नशे में था, घर से निकल रहा था, सीढ़ियों से गिर गया। जी हाँ, बात पक्की हो गई। बिल्कुल। लेकिन सुनो, बस रिकॉर्ड के लिए, क्या तुम मुझे अंदाज़ा बता सकते हो कि वह घर से किस समय निकला था?”
क्रिस ने अपना सिर एक तरफ झुकाकर उसे हल्के आश्चर्य से देखा। वह सच्चाई को ऐसे टटोल रहा था जैसे कोई थका हुआ कुंवारा आदमी बाज़ार में सब्ज़ियाँ और फल कुरेद रहा हो। "मुझे नहीं पता," उसने जवाब दिया। "मैंने उसे नहीं देखा।"
जासूस असमंजस में दिख रहा था। "मुझे समझ नहीं आ रहा।"
"जब मैं बाहर थी, तब वह आया और चला गया। मैं रॉसलिन में एक डॉक्टर के क्लिनिक में थी।"
जासूस ने सिर हिलाया। "अच्छा, मैं समझ गया। जी हाँ, बिल्कुल। लेकिन फिर आपको कैसे पता चला कि वह यहाँ था?"
“ओह, ठीक है, शेरोन ने कहा—”
“शेरोन?” उसने बीच में ही टोकते हुए कहा।
“शेरोन स्पेंसर। वह मेरी सचिव हैं।”
"ओह।"
“जब बर्क यहाँ आया था, तब वह यहीं थी। वह—”
“क्या वह उससे मिलने आया था?”
नहीं, वह मुझसे मिलने आया था।
जी हाँ, कृपया जारी रखिए। मुझे बीच में टोकने के लिए क्षमा करें।

"मेरी बेटी बीमार थी और शेरोन उसे यहीं छोड़कर कुछ दवाइयां लेने गई थी और जब मैं घर लौटा तो बर्क जा चुका था।"
“और वो कितने बजे का समय था, कृपया? आपको याद है ना?”
क्रिस ने कंधे उचकाए और होंठ सिकोड़े। "शायद सात बजकर पंद्रह मिनट के आसपास; सात बजकर साढ़े सात बजे।"
“और आप घर से किस समय निकले थे?”
"लगभग छह से पंद्रह।"
"और मिस स्पेंसर कितने बजे निकली थीं?"
"मुझें नहीं पता।"
"मिस स्पेंसर के जाने और आपके लौटने के बीच, आपकी बेटी के अलावा मिस्टर डेनिंग्स के साथ घर में कौन था?"
"किसी को भी नहीं।"
“कोई नहीं? उसने एक बीमार बच्चे को अकेला छोड़ दिया?”
क्रिस ने सिर हिलाया, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था।
“कोई नौकर नहीं?”
नहीं, विली और कार्ल तो—”
"कौन हैं वे?"
क्रिस को अचानक लगा जैसे उसके पैरों तले ज़मीन खिसक रही हो, क्योंकि प्यार भरी बातचीत अचानक एक कठोर पूछताछ में बदल गई थी। "अच्छा, कार्ल वहीं है।" क्रिस ने सिर हिलाकर इशारा किया, उसकी नज़र नौकर की पीठ पर टिकी हुई थी जो ओवन को साफ़ और पॉलिश कर रहा था। "और विली उसकी पत्नी है," क्रिस ने कहा। "ये मेरे घर के नौकर हैं।" पॉलिश। पॉलिश। क्यों? ओवन को पिछली रात अच्छी तरह से साफ़ और पॉलिश किया गया था। "उन्होंने दोपहर की छुट्टी ले ली थी," क्रिस ने आगे कहा, "और जब मैं घर लौटी तो वे अभी तक वापस नहीं आए थे। लेकिन फिर विली..." क्रिस रुक गई, उसकी आँखें अभी भी कार्ल की पीठ पर टिकी हुई थीं।
“विली, क्या?” जासूस ने उत्सुकता से पूछा।
क्रिस उसकी ओर मुड़ी और कंधे उचकाते हुए बोली, "ओह, खैर, कुछ नहीं।" उसने सिगरेट निकाली। किंडरमैन ने उसे जलाया। उसने पूछा, "तो फिर सिर्फ आपकी बेटी को ही पता होगा कि बर्क डेनिंग्स घर से कब निकला?"
"क्या यह सचमुच एक दुर्घटना थी?"
“ओह, बिल्कुल। यह तो रोज़ की बात है, मिस मैकनील। बिलकुल। आपके दोस्त डेनिंग्स के साथ लूटपाट नहीं हुई थी, तो फिर मकसद क्या हो सकता है?”
क्रिस ने उदास स्वर में कहा, "बर्क लोगों को गुस्सा दिला सकता था। शायद सीढ़ियों के ऊपर किसी ने उसे ज़ोर से घूंसा मार दिया हो।"
“इस पक्षी का कोई नाम है क्या? मुझे याद नहीं आ रहा। कुछ तो होगा।” जासूस रीगन की मूर्ति को छू रहा था। क्रिस की टकटकी भरी निगाहों को देखकर उसने अपना हाथ हटा लिया और थोड़ा शर्मिंदा सा दिखने लगा। “माफ़ कीजिए, आप व्यस्त हैं। चलिए, एक मिनट में काम खत्म। अब आपकी बेटी—उसे पता होगा कि मिस्टर डेनिंग्स कब गए थे?”
“नहीं, वह ऐसा नहीं करती। उसे बहुत अधिक बेहोशी की दवा दी गई थी।”

“अरे, बहुत दुख की बात है।” जासूस की पलकें चिंता से झुक गईं। “क्या यह गंभीर मामला है?” उसने पूछा।
"हां, मुझे लगता है कि ऐसा ही है।"
“क्या मैं पूछ सकता हूँ...?” उन्होंने एक नज़ाकत भरे इशारे में अपना हाथ उठाया।
हमें अभी भी नहीं पता।
“हवा के झोंकों से सावधान रहना,” जासूस ने गंभीरता से कहा। “सर्दियों में जब घर गर्म होता है, तो हवा का झोंका बैक्टीरिया के लिए किसी जादुई कालीन जैसा होता है। मेरी माँ यही कहा करती थीं। शायद यह कोई लोककथा हो। शायद। मुझे नहीं पता। लेकिन सीधे शब्दों में कहूँ तो, मेरे लिए मिथक किसी शानदार फ्रांसीसी रेस्तरां के मेनू की तरह है: यह एक ऐसे तथ्य को छिपाने का आकर्षक, जटिल तरीका है जिसे आप शायद ही कभी स्वीकार करेंगे, जैसे कि शायद वे लीमा बीन्स जो आपको हर बार बर्गर स्टेक ऑर्डर करने पर दी जाती हैं।”
क्रिस को लगा कि वह सहज महसूस कर रही है। उस अजीबोगरीब, घरेलू माहौल ने उसे आराम दिया था। वह भ्रमित सा दिखने वाला, हानिरहित सेंट बर्नार्ड कुत्ता लौट आया था।
“क्या ये उसका कमरा है, मिस मैकनील? आपकी बेटी का बेडरूम?” जासूस छत की ओर इशारा कर रहा था। “वो कमरा जिसमें वो बड़ी सी खिड़की है जो उन सीढ़ियों की ओर खुलती है?”
क्रिस ने सिर हिलाया। "हाँ, यह रीगन का है।"
"खिड़की बंद रखो, वह ठीक हो जाएगी।"
कुछ पल पहले तक तनावपूर्ण माहौल में डूबी क्रिस को अब अपनी हंसी रोकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। "हां, मैं करूंगी," उसने कहा; "दरअसल, यह हमेशा बंद ही रहता है।"
“हाँ, ‘बचाव का एक छोटा सा उपाय;’” जासूस ने उपदेशात्मक लहजे में कहा। वह अपने कोट की भीतरी जेब में अपना मोटा हाथ डाल ही रहा था कि उसकी नज़र क्रिस की उंगलियों पर पड़ी जो फिर से मेज पर हल्के से थपथपा रही थीं। “अरे हाँ, तुम व्यस्त हो,” उसने कहा। “खैर, काम खत्म हो गया। बस रिकॉर्ड के लिए एक नोट—रोज़मर्रा का काम—हमारा काम पूरा हो गया।” उसने अपने कोट की जेब से साइरानो डी बर्जरैक के हाई स्कूल के एक नाटक का मुड़ा हुआ माइमोग्राफ किया हुआ कार्यक्रम निकाला और अब वह बाहरी जेब में टटोल रहा था, जहाँ से उसने नंबर 2 पेंसिल का एक छोटा सा पीला टुकड़ा निकाला, जिसकी नोक देखकर लग रहा था जैसे उसे चाकू या कैंची से तराशा गया हो; फिर, नाटक के कार्यक्रम को मेज पर दबाकर उसकी सिलवटें हटाते हुए, उसने पेंसिल के टुकड़े को उसके ऊपर रखा और हांफते हुए कहा, “बस एक-दो नाम, और कुछ नहीं। अब ये है स्पेंसर, c से शुरू होने वाला नाम?”
“हां, एक सी।”
“एक सी,” जासूस ने कार्यक्रम के हाशिये पर नाम लिखते हुए दोहराया। “और नौकर? जोसेफ और विली...?”
नहीं, ये कार्ल और विली एंगस्ट्रॉम हैं।
“कार्ल। जी हाँ, सही सुना आपने; कार्ल एंगस्ट्रॉम।” उन्होंने गहरे, मोटे अक्षरों में नाम लिखे। “अब मुझे याद आ रहा है,” उन्होंने प्रोग्राम में खाली जगह ढूंढते हुए भारी

आवाज़ में कहा। “अरे नहीं, रुकिए! मैं भूल ही गया! हाँ, नौकरानियाँ। आपने कहा था कि वे किस समय घर पहुँचती हैं?”
“मैंने नहीं बताया। कार्ल, तुम कल रात कितने बजे घर आए थे?” क्रिस ने उसे पुकारा। स्विस नागरिक ने अपना सिर घुमाया, मानो उसका चेहरा भावहीन हो। “मैं ठीक साढ़े नौ बजे घर आ गया था।”
“ओह, हाँ, सही कहा। आप अपनी चाबी भूल गए थे।” उसने अपनी नज़रें वापस जासूस की ओर घुमाईं। “मुझे याद है कि जब मैंने उसे दरवाज़े की घंटी बजाते सुना तो मैंने रसोई में लगी घड़ी की ओर देखा था।”
“क्या तुमने कोई अच्छी फिल्म देखी?” जासूस ने कार्ल से पूछा। “मैं समीक्षाओं पर भरोसा नहीं करता,” उसने क्रिस से दबे स्वर में कहा। “मेरे लिए तो लोगों की राय मायने रखती है, दर्शकों की।”
"पॉल स्कोफील्ड, लीयर में," कार्ल ने जासूस को सूचित किया।
अरे, मैंने वो देखा! बहुत बढ़िया था!
“मैं इसे जेमिनी थिएटर में देखता हूँ,” कार्ल ने आगे कहा। “शाम छह बजे वाला शो। फिर उसके तुरंत बाद मैं थिएटर के सामने से बस लेता हूँ और—”
“प्लीज़, इसकी बिल्कुल ज़रूरत नहीं है,” जासूस ने हाथ ऊपर उठाते हुए, हथेली बाहर की ओर करके विरोध जताया। “नहीं, नहीं, प्लीज़!”
मुझे कोई आपत्ति नहीं है।
"यदि आप जोर दे रहे हैं।"
मैं विस्कॉन्सिन एवेन्यू और एम स्ट्रीट पर उतरता हूँ। नौ बजकर बीस मिनट, मुझे लगता है। और फिर मैं पैदल घर जाता हूँ।
“देखिए, आपको मुझे बताने की ज़रूरत नहीं थी,” जासूस ने उससे कहा, “लेकिन फिर भी, धन्यवाद, यह बहुत अच्छा लगा। वैसे, आपको फिल्म कैसी लगी?”
"यह अच्छा था।"
“हाँ, मैंने भी यही सोचा था। असाधारण। अच्छा, अब...” वह क्रिस की ओर मुड़ा और कार्यक्रम पर लिखने लगा। “मैंने आपका समय बर्बाद किया, लेकिन मुझे काम करना है। यही इस सब का दुखद पहलू है। ओह, एक पल रुकिए और हम खत्म कर देंगे,” उसने तसल्ली भरे लहजे में कहा, फिर “दुखद... दुखद...,” उसने हाशिये में कुछ शब्द लिखते हुए कहा। “बर्क डेनिंग्स कितने प्रतिभाशाली थे। और मुझे यकीन है कि वे लोगों को अच्छी तरह जानते थे: उन्हें कैसे संभालना है। इतने सारे लोग थे जो उन्हें अच्छा या बुरा दिखा सकते थे—जैसे कैमरामैन, साउंडमैन, संगीतकार, और हाँ, मुझे माफ़ करना, कलाकार भी। अगर मैं गलत हूँ तो कृपया मुझे सुधारें, लेकिन मुझे लगता है कि आजकल एक महत्वपूर्ण निर्देशक को कलाकारों के साथ लगभग एक मनोवैज्ञानिक की तरह व्यवहार करना पड़ता है। क्या मैं गलत हूँ?”
"नहीं, आप नहीं हैं क्योंकि हम सभी असुरक्षित हैं।"
"यहां तक कि आप?"
“ज़्यादातर मेरी वजह से। लेकिन बर्क इसमें माहिर था, आपका मनोबल बनाए रखने में।” क्रिस ने संकोच से कंधे उचकाए। “लेकिन ज़ाहिर है, उसका स्वभाव बहुत ही प्यारा था।”
जासूस ने कार्यक्रम को फिर से व्यवस्थित किया। “अच्छा, ठीक है, शायद बड़े लोगों के मामले में ऐसा हो। उनके जैसे कद के लोग।” वह एक बार फिर कुछ लिख रहा था।

“लेकिन असली बात तो छोटे लोग हैं, वे लोग जो छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, अगर वे उन्हें ठीक से न संभालें तो वे बड़ी बातें बन सकती हैं। क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”
क्रिस ने अपने नाखूनों को देखा और सिर हिलाया। उसने कहा, "जब बर्क अपना आपा खो देता था, तो वह कभी भेदभाव नहीं करता था। लेकिन वह केवल शराब के नशे में ही क्रूर हो जाता था।"
“ठीक है, काम खत्म हो गया। हो गया।” किंडरमैन आखिरी काम पूरा कर ही रहा था कि अचानक उसे कुछ याद आया। “अरे नहीं, रुकिए। एंगस्ट्रॉम्स। क्या वे दोनों एक साथ आए थे?”
“नहीं, विली बीटल्स की फिल्म देखने गई थी,” कार्ल के जवाब देने के लिए सिर घुमाते ही क्रिस ने कहा। “वह मेरे आने के कुछ मिनट बाद ही अंदर आई थी।”
“ओह, अच्छा, मैंने ये क्यों पूछा?” किंडरमैन ने कहा। “इसका किसी बात से कोई लेना-देना नहीं है।” उसने प्रोग्राम को मोड़कर पेंसिल के साथ अपने कोट की अंदरूनी जेब में रख लिया। “ठीक है, बस हो गया,” उसने संतुष्टि से कहा। “जब मैं ऑफिस वापस आऊंगा, तो मुझे ज़रूर कुछ याद आ जाएगा जो शायद मुझे पूछना चाहिए था। हाँ, मेरे साथ तो ऐसा हमेशा होता है। खैर, कोई बात नहीं,” उसने कहा; “मैं तुम्हें कॉल कर सकता हूँ।” वह खड़ा हुआ और क्रिस भी उसके साथ खड़ी हो गई। “मैं कुछ हफ़्तों के लिए शहर से बाहर जा रही हूँ,” उसने कहा। “बात बाद में भी हो सकती है,” जासूस ने उसे भरोसा दिलाया। “बात बाद में हो सकती है।” वह मुस्कुराते हुए प्यार से मूर्ति को देख रहा था। “आह, कितनी प्यारी है, सच में बहुत प्यारी।” वह झुका और उसे उठाकर अपने अंगूठे से चिड़िया की चोंच पर सहलाने लगा, फिर उसे मेज पर वापस रख दिया और जाने लगा। “क्या तुम्हारे पास कोई अच्छा डॉक्टर है?” जासूस ने पूछा जब क्रिस उसके साथ सामने के दरवाजे की ओर जा रही थी। “मेरा मतलब आपकी बेटी के लिए।” “खैर, मेरे पास तो पहले से ही बहुत सारी हैं,” क्रिस ने उदास होकर कहा। “खैर, मैं उसे एक ऐसे क्लिनिक में भर्ती करा रहा हूँ जो आपके जैसा ही काम करने में माहिर है, बस यहाँ वायरस का इलाज करता है।”
"उम्मीद है कि वे इसमें काफी बेहतर होंगे, मिस मैकनील। यह क्लिनिक शहर से बाहर है?"
“हां, यह ओहियो में है।”
"यह बेहतर है?"
"हम देखेंगे।"
उसे सेना में भर्ती होने से दूर रखो।
वे घर के मुख्य द्वार पर पहुँच गए थे। “खैर, मैं तो यही कहूँगा कि आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा,” जासूस ने दोनों हाथों से अपनी टोपी का किनारा पकड़ते हुए गंभीरता से कहा; “लेकिन इन परिस्थितियों में...” उसने अपना सिर थोड़ा झुकाया और हिलाया, फिर ऊपर देखा। “मुझे बहुत अफ़सोस है।”
अपनी बाहों को अपनी छाती पर मोड़े हुए, क्रिस ने अपना सिर नीचे झुकाया और धीरे से कहा, "धन्यवाद। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"
दरवाजा खोलकर जासूस बाहर निकला, अपनी टोपी पहनी और क्रिस की ओर मुड़कर देखा। "अच्छा, तुम्हारी बेटी के लिए शुभकामनाएं," उसने कहा।
क्रिस ने फीकी मुस्कान के साथ कहा, "दुनिया में आपको शुभकामनाएँ।"

जासूस ने स्नेह और उदासी भरे भाव से सिर हिलाया, फिर अपनी दाहिनी ओर मुड़ा और हाँफते हुए धीरे-धीरे सड़क पर आगे बढ़ गया। क्रिस उसे कोने के पास खड़ी पुलिस की गाड़ी की ओर लड़खड़ाते हुए देखती रही। अचानक दक्षिण से तेज़ हवा का झोंका आया और उसके लंबे, ढीले कोट का निचला हिस्सा फड़फड़ाने लगा, जिससे उसने अपना हाथ अपनी टोपी पर रख लिया। क्रिस ने अपनी नज़रें नीचे कर लीं और दरवाज़ा बंद कर लिया।
जब किंडरमैन पुलिस की गाड़ी के यात्री वाले हिस्से में दाखिल हुआ, तो उसने पीछे मुड़कर घर की ओर देखा और उसे लगा जैसे रीगन की खिड़की पर कुछ हलचल हुई हो, एक फुर्तीली आकृति तेज़ी से एक तरफ़ हटकर नज़र से ओझल हो गई हो। उसे पक्का यकीन नहीं था। उसने उसे बस हल्के से देखा था और इतनी तेज़ी से कि वह लगभग अचेतन सा लग रहा था। वह देखता रहा और उसने देखा कि खिड़की के शटर खुले हुए थे। अजीब। क्रिस ने उसे बताया था कि वे हमेशा बंद रहते हैं। कुछ देर तक जासूस देखता रहा। कोई दिखाई नहीं दिया। उलझन भरी भौंहों के साथ, जासूस ने नीचे देखा और अपना सिर हिलाया, फिर उसने पुलिस की गाड़ी का ग्लव बॉक्स खोला, एक पेननाइफ और एक सबूतों का लिफाफा निकाला, और चाकू के सबसे छोटे ब्लेड को खोलकर, उसने अपना अंगूठा लिफाफे के अंदर डाला और अपने नाखून के नीचे से हरे रंग की मिट्टी के सूक्ष्म टुकड़े निकाले, जिन्हें उसने चुपके से रीगन की मूर्ति से खुरच कर निकाला था। काम पूरा होने पर, उसने लिफाफे को सील किया और उसे अपने कोट की अंदरूनी जेब में रख लिया। “ठीक है,” उसने अपने ड्राइवर से कहा, “चलो चलते हैं।” वे सड़क के किनारे से आगे बढ़े और प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट पर गाड़ी चलाते हुए, किंडरमैन ने ड्राइवर को चेतावनी दी, “आराम से चलाओ,” क्योंकि उसने आगे बढ़ते ट्रैफिक को देखा। फिर अपना सिर नीचे करके, उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और थकी हुई उंगलियों से अपनी नाक के पुल को पकड़ते हुए, निराशा से कहा, “हे भगवान, यह कैसी दुनिया है। कैसा जीवन है।”
उसी शाम, जब डॉ. क्लेन रेगन को डेटन, ओहियो की यात्रा के दौरान शांत रखने के लिए 50 मिलीग्राम स्पैरिन का इंजेक्शन लगा रहे थे, किंडरमैन अपने कार्यालय में अपनी हथेलियों को डेस्क पर सपाट रखकर सोच में डूबे बैठे थे और उलझाने वाले डेटा के टुकड़ों को टटोल रहे थे। कमरे में केवल एक पुराने डेस्क लैंप की पतली रोशनी थी जो बिखरी हुई रिपोर्टों के ढेर पर तेज़ी से चमक रही थी। उनका मानना था कि इससे उन्हें अपनी एकाग्रता को केंद्रित करने में मदद मिलती है। अंधेरे में उनकी सांसें भारी और नाक से निकलती हुई थीं; उनकी नज़रें इधर-उधर भटकती रहीं, फिर उन्होंने एक गहरी सांस ली और अपनी आँखें बंद कर लीं। "मानसिक सफाई!" उन्होंने खुद को निर्देश दिया, जैसा कि वे हमेशा तब करते थे जब वे एक नए दृष्टिकोण के लिए अपने दिमाग को साफ करना चाहते थे। "बिल्कुल सब कुछ हटाओ!" फिर उन्होंने अपनी आँखें खोलीं और डेनिंग्स पर पैथोलॉजिस्ट की रिपोर्ट का फिर से अध्ययन किया।
रीढ़ की हड्डी का फटना, खोपड़ी और गर्दन में फ्रैक्चर, साथ ही कई चोटें, घाव और खरोंच; गर्दन की त्वचा का खिंचाव; गर्दन की त्वचा पर नील पड़ना; गर्दन की प्लेटिस्मा, स्टर्नोमास्टॉइड, स्प्लेनियस, ट्रेपेज़ियस और विभिन्न छोटी मांसपेशियों का फटना, रीढ़ की हड्डी और कशेरुकाओं में फ्रैक्चर और आगे और पीछे दोनों स्पाइनस लिगामेंट्स का फटना...

उसने खिड़की से शहर के अंधेरे में देखा। कैपिटल के गुंबद की रोशनी इस बात का संकेत दे रही थी कि कांग्रेस देर तक काम कर रही है, और एक बार फिर जासूस ने अपनी आँखें बंद कर लीं, उसे डेनिंग्स की मृत्यु वाली रात को रात 11:55 बजे जिला रोग विशेषज्ञ के साथ हुई बातचीत याद आ गई।
"क्या यह पतझड़ के मौसम में हो सकता था?"
"खैर, इसकी संभावना बहुत कम है। स्टर्नोमास्टॉइड और ट्रेपेज़ियस मांसपेशियां ही इसे रोकने के लिए काफी हैं। इसके अलावा, गर्दन की रीढ़ की हड्डी के विभिन्न जोड़ और हड्डियों को आपस में जोड़ने वाले स्नायुबंधन भी हैं, जिन्हें पार करना पड़ता है।"
लेकिन सीधे शब्दों में कहें तो, क्या यह संभव है?
“हाँ। वह आदमी नशे में था और उसकी मांसपेशियां निस्संदेह कुछ शिथिल थीं। शायद अगर शुरुआती टक्कर की ताकत काफी ज़्यादा होती और—”
"शायद तीस-चालीस फीट गिरने के बाद वह ज़मीन पर गिरा होगा?"
"हाँ, ऐसा हो सकता है; और अगर टक्कर के तुरंत बाद उसका सिर किसी चीज़ में फंस जाए—दूसरे शब्दों में, अगर सिर और शरीर के एक इकाई के रूप में सामान्य घूर्णन में तत्काल कोई बाधा उत्पन्न हो जाए—तो शायद—मैं कह रहा हूँ, बस शायद—आपको यह परिणाम मिल सकता है।"
"क्या कोई दूसरा इंसान ऐसा कर सकता था?"
"हां, लेकिन इसके लिए उसे असाधारण रूप से शक्तिशाली व्यक्ति होना पड़ेगा।"
किंडरमैन ने डेनिंग्स की मृत्यु के समय कार्ल एंगस्ट्रॉम के ठिकाने के बारे में उसकी कहानी की जाँच की थी। शो का समय मेल खाता था, साथ ही उस रात डी.सी. ट्रांजिट बस का शेड्यूल भी। इसके अलावा, जिस बस में कार्ल ने थिएटर के सामने से चढ़ने का दावा किया था, उसका ड्राइवर विस्कॉन्सिन और एम पर ड्यूटी से उतर गया था, जहाँ कार्ल ने बताया था कि वह लगभग सवा नौ बजे उतरा था। ड्राइवर बदल गया था, और ड्यूटी से उतरे ड्राइवर ने ट्रांसफर पॉइंट पर अपने पहुँचने का समय दर्ज किया था: ठीक नौ बजकर अठारह मिनट। फिर भी किंडरमैन की मेज़ पर 27 अगस्त, 1963 को एंगस्ट्रॉम के खिलाफ एक गंभीर अपराध का मामला दर्ज था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उसने बेवर्ली हिल्स में एक डॉक्टर के घर से कई महीनों की अवधि में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ चुराए थे, जहाँ वह और विली उस समय कार्यरत थे।
...जन्म 20 अप्रैल, 1921 को ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में हुआ। विवाह विली (नी ब्राउन) से 7 सितंबर, 1941 को हुआ। बेटी, एल्विरा, का जन्म 11 जनवरी, 1943 को न्यूयॉर्क शहर में हुआ, वर्तमान पता अज्ञात है। प्रतिवादी...
जासूस को बाकी बातें समझ में नहीं आईं:
जिस डॉक्टर की गवाही को अभियोजन की सफलता के लिए अनिवार्य माना जाता था, उसने अचानक और बिना किसी स्पष्टीकरण के आरोप वापस ले लिए। उसने ऐसा क्यों किया? और चूंकि एंगस्ट्रॉम्स को क्रिस मैकनील ने केवल दो महीने बाद ही काम पर रख लिया था, इसलिए डॉक्टर ने उनके बारे में अनुकूल सिफारिश दी थी।
वह ऐसा क्यों करेगा?
इंगस्ट्रॉम ने निश्चित रूप से ड्रग्स चुराई थी, फिर भी आरोप लगने के समय की गई चिकित्सा जांच में इस बात का जरा सा भी संकेत नहीं मिला कि वह व्यक्ति नशे का आदी था, या यहां तक कि ड्रग्स का सेवन करता था।
क्यों नहीं?

आँखें बंद किए हुए हो, जासूस ने धीरे से लुईस कैरोल की कविता "जैबरवॉकी" की शुरुआती पंक्तियाँ पढ़ीं: " 'टूस ब्रिलिग एंड द स्लिथी टोव्स डिड जायर एंड गिम्बल इन द वेबे...' " यह किंडरमैन की दिमाग को साफ़ करने की एक और तरकीब थी, और जब उसने पाठ समाप्त किया, तो उसने अपनी आँखें खोलीं और कैपिटल रोटंडा पर अपनी निगाहें गड़ा दीं। वह अपने दिमाग को खाली रखने की कोशिश कर रहा था, हालाँकि, हमेशा की तरह, उसे यह काम असंभव लगा। आह भरते हुए, उसने होली ट्रिनिटी में हाल ही में हुई अपवित्रता पर पुलिस मनोवैज्ञानिक की रिपोर्ट पर नज़र डाली: "... मूर्ति ... लिंग ... मानव मल ... डेमियन कैरस," जिसे उसने लाल रंग से रेखांकित किया था। पूर्ण सन्नाटे में उसकी साँसें हल्की सीटी बजा रही थीं, उसने जादू-टोने पर एक विद्वतापूर्ण पुस्तक उठाई और उस पृष्ठ को खोला जिसे उसने पेपर क्लिप से चिह्नित किया था:
ब्लैक मास... शैतान की पूजा का एक रूप है, जिसमें मुख्य रूप से (1) समुदाय में बुराई करने के लिए उकसाना ("उपदेश"), (2) शैतान के साथ संभोग (कहा जाता है कि यह दर्दनाक होता है, शैतान के लिंग को हमेशा "बर्फीला ठंडा" बताया जाता है), और (3) कई तरह के अपवित्र कृत्य शामिल होते हैं जो मुख्य रूप से यौन प्रकृति के होते हैं। उदाहरण के लिए, असामान्य आकार के पवित्र प्रसाद (आटा, मल, मासिक धर्म के रक्त और मवाद से बने) तैयार किए जाते थे, जिन्हें चीरकर कृत्रिम योनि के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। पुजारी इन योनियों से क्रूरतापूर्वक संभोग करते हुए चिल्लाते थे कि वे ईश्वर की माता कुंवारी का बलात्कार कर रहे हैं या वे ईसा मसीह के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बना रहे हैं। इस प्रथा के एक अन्य उदाहरण में, ईसा मसीह की एक मूर्ति को एक लड़की की योनि में गहराई तक डाला जाता था, जबकि उसके गुदा में पवित्र प्रसाद डाला जाता था, जिसे पुजारी अपशब्द चिल्लाते हुए कुचल देता था और लड़की के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाता था। ईसा मसीह और कुंवारी मरियम की आदमकद मूर्तियाँ भी इस अनुष्ठान में अक्सर शामिल होती थीं। उदाहरण के लिए, वर्जिन मैरी की छवि—जिसे आमतौर पर एक व्यभिचारी, वेश्या जैसी आकृति देने के लिए चित्रित किया जाता था—में स्तन होते थे जिन्हें उपासक चूसते थे और एक योनि भी होती थी जिसमें लिंग डाला जा सकता था। ईसा मसीह की मूर्तियों में पुरुषों और महिलाओं दोनों द्वारा मुख मैथुन के लिए, और महिलाओं की योनि और पुरुषों के गुदा में डालने के लिए भी लिंग होता था। कभी-कभी, मूर्ति के बजाय, एक मानव आकृति को सूली पर बांध दिया जाता था और उसे मूर्ति के स्थान पर कार्य करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, और उसके वीर्य के निकलने पर उसे एक अपवित्र रूप से पवित्र किए गए प्याले में एकत्र किया जाता था और पवित्र भोज बनाने में उपयोग किया जाता था, जिसे मल से ढकी वेदी पर पवित्र किया जाना था। यह—
किंडरमैन ने पन्ने पलटे और अनुष्ठानिक हत्या से संबंधित रेखांकित अनुच्छेद पर पहुंचे। वह धीरे-धीरे पढ़ते हुए अपनी तर्जनी उंगली के पोर को कुतर रहे थे। पढ़ने के बाद उन्होंने पन्ने पर भौंहें चढ़ाईं और सिर हिलाया, फिर उदास निगाह से लैंप की ओर देखा। उन्होंने लैंप बंद किया और अपने कार्यालय से बाहर निकल गए।
वह मुर्दाघर तक गाड़ी चलाकर गया।
जब किंडरमैन उसके पास पहुंचा, तो काउंटर पर बैठा युवा कर्मचारी राई ब्रेड पर हैम और पनीर का सैंडविच खा रहा था और क्रॉसवर्ड पहेली से गिरे टुकड़ों को झाड़ रहा था।

"डीनेंग्स," जासूस ने कर्कश स्वर में कहा।
कर्मचारी ने सिर हिलाया, जल्दी से पाँच अक्षरों का एक क्षैतिज पत्र भरा, फिर अपना सैंडविच लेकर उठा और गलियारे में आगे बढ़ गया। "इधर आइए," उसने संक्षिप्त स्वर में कहा। किंडरमैन टोपी हाथ में लिए उसके पीछे-पीछे चला, जीरा और सुरसों की हल्की सी खुशबू का पीछा करते हुए, रेफ्रिजरेटेड लॉकरों की कतारों तक पहुँचा, और फिर उस अंधकारमय अलमारी तक पहुँचा जिसका इस्तेमाल दृष्टिहीन आँखों के रिकॉर्ड रखने के लिए किया जाता था।
वे लॉकर नंबर 32 के पास रुके। भावहीन कर्मचारी ने लॉकर बाहर निकाला। उसने अपने सैंडविच का एक टुकड़ा खाया और मेयोनेज़ से सना हुआ एक छोटा सा टुकड़ा हल्के से धूसर चादर पर गिर गया। किंडरमैन देखता रहा, और फिर धीरे-धीरे और नरमी से उसने चादर हटाई और वह दृश्य देखा जिसे वह स्वीकार नहीं कर पा रहा था: डेनिंग्स का सिर पूरी तरह से पीछे की ओर मुड़ा हुआ था।

अध्याय पाँच

जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय परिसर की गर्म, हरी-भरी घाटी में, डेमियन कैरस खाकी शॉर्ट्स और पसीने से भीगी सूती टी-शर्ट पहने, राख से ढके अंडाकार ट्रैक पर अकेले जॉगिंग कर रहे थे। आगे एक छोटी पहाड़ी पर, खगोलीय वेधशाला का चूने जैसा सफेद गुंबद उनके कदमों की धड़कन से स्पंदित हो रहा था, जबकि उनके पीछे मेडिकल स्कूल बिखरी हुई मिट्टी और चिंताओं के टुकड़ों के साथ दूर होता जा रहा था। अपने कर्तव्यों से मुक्त होने के बाद से, वह प्रतिदिन यहाँ आते थे, मीलों का चक्कर लगाते और नींद का पीछा करते। वह लगभग नींद पा चुके थे; लगभग उस दुख को कम कर चुके थे जिसने उनके दिल को एक गहरे दर्द की तरह जकड़ रखा था। जब वह थककर गिरने की कगार तक दौड़ते थे, तो वह जकड़न काफी ढीली हो जाती थी और कभी-कभी गायब भी हो जाती थी। कुछ समय के लिए।
बीस चक्कर।
हाँ, बेहतर। बहुत बेहतर। दो और।
मजबूत, तंदुरुस्त और दमकती टांगों की मांसपेशियों के साथ, जिनमें खून का संचार हो रहा था और जो एक लंबे, शेर जैसी शान से लहरा रही थीं, कैरस एक मोड़ पर मुड़ा, तभी उसने देखा कि उसके बगल में एक बेंच पर कोई बैठा है, जहाँ उसने अपना तौलिया, स्वेटसूट जैकेट और पैंट बिछा रखी थी। वह एक मोटे, अधेड़ उम्र के आदमी थे, जिन्होंने ढीला-ढाला ओवरकोट और गद्दीदार, कुचली हुई फेल्ट की टोपी पहन रखी थी। ऐसा लग रहा था जैसे वह उसे देख रहे हों। क्या वह सच में देख रहे थे? हाँ। कैरस के गुजरते ही उनकी निगाहें हमेशा उसका पीछा करती रहीं।
पुजारी ने अपनी गति बढ़ा दी, अंतिम चरण में ज़ोरदार कदमों से दौड़ते हुए, फिर बिना देखे बेंच के पास से गुज़रते हुए हांफते और हांफते हुए धीरे-धीरे चलने लगे, दोनों मुट्ठियाँ उनकी धड़कती कमर पर हल्के से दबी हुई थीं। उनकी मांसल छाती और कंधों के हिलने से उनकी टी-शर्ट खिंच गई, जिससे सामने की ओर स्टेंसिल से लिखे गए शब्द 'दार्शनिक' विकृत हो गए। कभी काले अक्षरों में लिखे गए ये शब्द अब बार-बार धोने से धुंधले पड़ गए थे।
ओवरकोट पहने हुए व्यक्ति खड़ा हुआ और उसकी ओर बढ़ने लगा।
“फादर कैरस?” किंडरमैन ने कर्कश आवाज में उन्हें पुकारा।

पुजारी ने मुड़कर संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया, धूप में आँखें सिकोड़ते हुए हत्या के जासूस के आने का इंतज़ार किया, फिर उसे अपने साथ आने का इशारा किया और फिर से चलने लगा। "क्या आपको कोई आपत्ति है? मुझे ऐंठन हो जाएगी," उसने हाँफते हुए कहा।
“बिल्कुल नहीं,” जासूस ने जवाब दिया और अपने कोट की जेबों में हाथ डालते हुए, उत्साहहीनता भरे लहजे में सिर हिलाया। पार्किंग से पैदल चलकर आने से वह थक गया था।
“क्या हम पहले मिल चुके हैं?” जेसुइट ने पूछा।
“नहीं, फ़ादर। नहीं, हमने नहीं देखा। लेकिन उन्होंने कहा कि आप मुक्केबाज जैसे दिखते हैं; छात्रावास में कोई पादरी था; मुझे याद नहीं आ रहा।” वह अपना बटुआ निकाल रहा था। “मुझे नाम याद रखने में बहुत दिक्कत होती है।”
और तुम्हारा क्या है?
“लेफ्टिनेंट विलियम एफ. किंडरमैन, पिता।” उन्होंने अपना पहचान पत्र दिखाया। “हत्या।”
“सच में?” कैरस ने चमकती हुई मासूमियत भरी उत्सुकता से बैज और पहचान पत्र को देखा। चेहरा लाल और पसीने से तर था, फिर भी उसमें मासूमियत की झलक थी। उसने जासूस की ओर मुड़कर कहा, “यह सब किस बारे में है?”
“अरे, आपको पता है, फ़ादर?” जेसुइट के सख्त चेहरे को देखते हुए किंडरमैन ने अचानक कुछ पता चलने के भाव से जवाब दिया। “सच में, आप एक बॉक्सर जैसे दिखते हैं! माफ कीजिएगा, लेकिन आपकी आंख के ठीक ऊपर वह निशान?” वह इशारा कर रहे थे। “बिल्कुल मार्लन ब्रैंडो जैसा दिखता है, 'ऑन द वॉटरफ्रंट' में, फादर; जी हां, बिल्कुल मार्लन ब्रैंडो जैसा! उन्होंने उसे एक निशान दिया था”—वह अपनी आंख के कोने को खींचते हुए समझा रहे थे—“जिससे उसकी आंख थोड़ी बंद, थोड़ी सपने में खोई हुई, थोड़ी उदास सी लगती थी। खैर, आप बिल्कुल वैसे ही हैं,” उन्होंने निष्कर्ष निकाला; “मार्लन ब्रैंडो। लोग आपसे ऐसा कहते हैं, फ़ादर?”
"क्या लोग आपसे कहते हैं कि आप पॉल न्यूमैन जैसे दिखते हैं?"
“हमेशा। और यकीन मानिए, इस शरीर के अंदर, मिस्टर न्यूमैन बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बहुत भीड़ है। इसके अंदर क्लार्क गैबल भी हैं।”
हल्की मुस्कान के साथ, कैरस ने थोड़ा सा सिर हिलाया और दूसरी तरफ देखने लगा।
"क्या तुमने कभी बॉक्सिंग की है?" जासूस ने उससे पूछा।
"ओह, थोड़ा सा।"
“कहाँ? कॉलेज में? या यहीं शहर में?”
नहीं, न्यूयॉर्क में।
“अरे हाँ, मैंने यही सोचा था! गोल्डन ग्लव्स! क्या मैं सही हूँ?”
“तुम अभी-अभी कप्तान बने हो,” कैरस ने तिरछी मुस्कान के साथ उससे कहा। “तो अब, मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ, लेफ्टिनेंट?”
“धीरे चलो।” जासूस ने अपने गले की ओर इशारा किया। “एम्फीसेमा।”
ओह, मुझे माफ़ करना। हाँ, ज़रूर।
"क्या आप धूम्रपान करते हैं?"
"हा करता हु।"
आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

“सुनेए, यह सब किस बारे में है? क्या हम सीधे मुद्दे पर आ सकते हैं, लॉफ्टेनेंट?”
जी हाँ, बिल्कुल; मैं विषय से भटक गया था। वैसे, आप व्यस्त हैं? क्या मैं आपको परेशान तो नहीं कर रहा हूँ?
कैरास ने आँखों में हैरानी भरी मुस्कान लिए किंडरमैन की ओर तिरछी नज़र डाली। "किस बात में दखल दे रहे हो?"
"खैर, शायद मन ही मन प्रार्थना कर लें।"
“मुझे लगता है कि तुम जल्द ही कप्तान बनने वाले हो, तुम्हें पता है ना?”
“पिताजी, मुझे क्षमा कीजिए। क्या मुझसे कुछ छूट गया?”
कैरास ने सिर हिलाया। "मुझे शक है कि तुम कभी किसी चीज को मिस करते हो।"
“पिताजी, आपका क्या मतलब है? क्या?”
किंडरमैन ने उन्हें रोक दिया और भ्रमित दिखने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन जेसुइट की सिकुड़ी हुई आँखों को देखकर, उन्होंने अपना सिर नीचे कर लिया और अफसोस भरी हंसी हंसे। "अरे, खैर, बिल्कुल... एक मनोचिकित्सक। मैं किसे बेवकूफ बना रहा हूँ? देखिए, यह मेरी आदत है, फादर। भावुकता—यह किंडरमैन का तरीका है। ठीक है, मैं रुकता हूं और आपको सीधे-सीधे बताता हूँ कि यह सब क्या है।"
“ये अपवित्रताएं हैं,” कैरस ने कहा।
"तो मैंने अपनी भावुकता को व्यर्थ कर दिया," जासूस ने धीमी आवाज़ में कहा।
"क्षमा मांगना।"
“कोई बात नहीं, फादर; मैं इसके लायक था। हाँ, चर्च में जो कुछ हुआ,” उसने पुष्टि की।
“यह सही है। शायद इससे भी कुछ ज़्यादा, फादर।”
"तुम्हारा मतलब हत्या से है?"
"हाँ, मुझे फिर से लात मारो, फादर कैरस। मुझे इसमें मज़ा आता है।"
कैरास ने कंधे उचकाते हुए कहा, "अच्छा, ठीक है, हत्या विभाग।"
"कोई बात नहीं, मार्लन ब्रैंडो। लोग कहते हैं कि पादरी होने के बावजूद आप थोड़े अक्खड़नुमा हैं?"
“मेरी गलती है,” कैरस ने धीरे से कहा। हालांकि वह मुस्कुरा रहा था, उसे इस बात का अफसोस था कि शायद उसने जासूस के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाई थी। उसका ऐसा कोई इरादा नहीं था। और अब उसे उलझन में दिखने का मौका पाकर खुशी हो रही थी। “क्या संबंध है?” उसने अपनी भौंहें सिकोड़ते हुए कहा; “मुझे समझ नहीं आ रहा।”
किंडरमैन ने अपना चेहरा पादरी के और करीब किया। "सुनिए, फादर, क्या हम इसे अपने बीच ही रख सकते हैं? गोपनीय? जैसे कि कोई स्वीकारोक्ति का मामला हो?"
“जी हां, बिल्कुल,” कैरस ने जवाब दिया। “क्या बात है?”
“आप जानते हैं ना, यहाँ फिल्म बना रहे निर्देशक? बर्क डेनिंग्स?”
"हां, मैंने उसे आसपास देखा है।"
“आपने उसे देखा है,” जासूस ने सिर हिलाते हुए कहा। “और आपको यह भी पता है कि उसकी मौत कैसे हुई?”
कैरास ने कंधे उचकाते हुए कहा, "खैर, अखबारों की बात है..."
"यह तो बस इसका एक हिस्सा है।"
"ओह?"
“हां, थोड़ा-बहुत। बस थोड़ा-बहुत। सुनो, तुम जादू-टोने के बारे में क्या जानते हो?”

कैरास ने हैरानी से मुंह बनाया। "क्या?"
"सुनो, धैर्य रखो; मैं किसी बात की ओर बढ़ रहा हूँ।"
"ऐसा ही हो।"
“तो फिर, जादू टोना—क्या आप इस विषय से परिचित हैं? जादू टोना करने के दृष्टिकोण से, पिताजी, शिकार करने के दृष्टिकोण से नहीं।”
कैरास मुस्कुराया। "हाँ, मैंने एक बार इस पर एक शोध पत्र लिखा था। मनोरोग के दृष्टिकोण से।"
“अरे, सच में? अरे वाह! बहुत बढ़िया! ये तो बोनस है, फादर ब्रैंडो! आप मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा मदद कर सकते हैं। अब सुनिए...” जैसे ही वे एक मोड़ पर पहुँचे और एक बेंच के पास आए, उन्होंने ऊपर हाथ बढ़ाकर जेसुइट का हाथ पकड़ लिया। “ठीक है, मैं तो एक आम आदमी हूँ और ज़्यादा पढ़ा-लिखा नहीं हूँ। मतलब, औपचारिक रूप से, फादर। लेकिन मैं पढ़ता हूँ। देखिए, मुझे पता है कि खुद के दम पर कामयाब होने वालों के बारे में क्या कहा जाता है, कि वे अकुशल मज़दूरी के भयानक उदाहरण होते हैं। लेकिन जहाँ तक मेरी बात है—मैं साफ़-साफ़ कहूँगा—मुझे ज़रा भी शर्म नहीं है। बिलकुल भी नहीं, मैं—” अचानक उन्होंने अपनी बात रोक दी और नीचे देखते हुए अपना सिर हिलाया। “भावुकता,” वे कराह उठे। “मैं इसे रोक नहीं पा रहा हूँ।” उन्होंने ऊपर देखा। “देखिए, मुझे माफ़ कीजिए; आप व्यस्त हैं।”
"हां, मैं प्रार्थना कर रहा हूं।"
जेसुइट की बोलने की शैली नीरस और भावहीन थी, इसलिए जासूस अचानक रुक गया। "क्या आप सच कह रहे हैं?" उसने पूछा; और फिर उसने खुद ही अपने सवाल का जवाब दे दिया। "नहीं।" वह फिर से आगे की ओर मुड़ा और वे चलने लगे। "देखिए, मैं सीधे मुद्दे पर आता हूँ। अपवित्रता की घटनाओं के बारे में," किंडरमैन ने कहा। "क्या ये आपको जादू-टोने से जुड़ी किसी चीज़ की याद दिलाती हैं?"
"हां, शायद। ब्लैक मास में इस्तेमाल होने वाले कुछ अनुष्ठान।"
“बहुत बढ़िया। और अब डेनिंग्स के बारे में—क्या आपने पढ़ा कि उनकी मृत्यु कैसे हुई?”
"हां, 'हिचकॉक स्टेप्स' से गिरने पर।"
ठीक है, मैं आपको बता देता हूँ, और कृपया इसे गोपनीय रखें!
"बिल्कुल।"
जासूस को अचानक पीड़ा का अनुभव हुआ जब उसे एहसास हुआ कि कैरस का बेंच पर आराम करने का कोई इरादा नहीं था। वह रुक गया और पादरी भी उसके साथ रुक गया।
“क्या आपको कोई आपत्ति है?” उसने उदास स्वर में पूछा।
"क्या?"
“क्या हम रुक सकते हैं? शायद बैठ सकते हैं?”
“ओह, ज़रूर।” वे बेंच की ओर वापस बढ़ने लगे।
“तुम्हें ऐंठन नहीं होगी?”
नहीं, मैं अब ठीक हूँ।
“क्या आपको यकीन है?”
"हां मुझे यकीन है।"

किंडरमैन ने गहरी संतुष्टि की सांस लेते हुए अपने दर्द से भरे भारी शरीर को बेंच पर टिकाया। "आह, हाँ, बेहतर, बहुत बेहतर," उन्होंने कहा। "जीवन पूरी तरह से अंधकारमय नहीं है।"
“तो ठीक है, अब: बर्क डेनिंग्स। उनके बारे में क्या ख्याल है?”
जासूस ने अपने जूतों की ओर देखा। “अरे हाँ, डेनिंग्स, बर्क डेनिंग्स, बर्क डेनिंग्स...” उसने ऊपर देखा और कैरस की ओर नज़र डाली, जो अपने तौलिए के एक कोने से माथे से पसीना पोंछ रहा था। “बर्क डेनिंग्स, भले आदमी,” जासूस ने शांत और स्थिर स्वर में कहा, “ठीक सवा सात बजे के पाँच मिनट पर उन सीढ़ियों के नीचे मिला था, उसका सिर पूरी तरह से पीछे की ओर मुड़ा हुआ था।”
बेसबॉल मैदान से, जहाँ विश्वविद्यालय की टीम अभ्यास कर रही थी, तीखी चीखें धीमी आवाज़ में सुनाई दे रही थीं। कैरस ने तौलिया नीचे रखा और लेफ्टिनेंट की स्थिर निगाहों में देखता रहा। "क्या यह पतझड़ में नहीं हुआ था?"
किंडरमैन ने कंधे उचकाते हुए कहा, "हाँ, यह संभव है।"
"लेकिन इसकी संभावना कम है," पुजारी ने उदास स्वर में कहा।
तो जादू टोना के संदर्भ में आपके मन में क्या आता है?
सोच में डूबे हुए कैरस किंडरमैन के बगल वाली बेंच पर बैठ गए। “कहा जाता है कि इसी तरह राक्षस चुड़ैलों की गर्दन तोड़ते थे।” उन्होंने जासूस की ओर मुड़कर कहा, “या कम से कम, यही मिथक है।”
“क्या यह एक मिथक है?”
“हाँ, ठीक है,” पुजारी ने जवाब दिया, “हालाँकि, मुझे लगता है कि लोग इस तरह मरते थे—शायद किसी जादूगरनी समूह के सदस्य जो या तो अलग हो गए थे या जिन्होंने अपने राज़ खोल दिए थे।” उन्होंने नज़रें घुमाईं। “मुझे नहीं पता। यह सिर्फ़ एक अनुमान है।” उन्होंने जासूस की ओर देखा। “लेकिन मुझे पता है कि यह शैतानी हत्यारों की एक खास पहचान थी।”
“बिल्कुल सही, फ़ादर कैरस! बिल्कुल सही! मुझे लंदन में हुई एक हत्या से यह संबंध याद आ गया। और यह तो अभी की बात है, फादर; मतलब, सिर्फ चार-पांच साल पहले की। मुझे याद है मैंने इसे अखबारों में पढ़ा था।”
"हां, मैंने भी वह पढ़ा था, लेकिन मुझे लगता है कि वह एक अफवाह निकली।"
“हाँ, सच है। लेकिन इस मामले में, कम से कम, आप शायद चर्च की घटनाओं और उससे कुछ संबंध देख सकते हैं। हो सकता है कोई पागल हो, फादर; हो सकता है किसी के मन में चर्च के प्रति द्वेष हो; शायद कोई अचेतन विद्रोह हो।”
झुके हुए, हाथों को आपस में जोड़े हुए, पुजारी ने जासूस की ओर ध्यान से देखते हुए अपना सिर घुमाया। "आप क्या कह रहे हैं? एक बीमार पुजारी?" उसने कहा। "यही आपका संदेह है?"
"सुनिए, आप मनोचिकित्सक हैं। आप ही बताइए।"
कैरास ने अपना सिर घुमाया और दूसरी ओर देखने लगा। "खैर, ज़ाहिर है, ये अपवित्रताएं स्पष्ट रूप से मनोरोग का संकेत हैं," उसने मन ही मन सोचा, "और अगर डेनिंग्स की हत्या हुई है - तो मेरा अनुमान है कि हत्यारा भी मनोरोगी ही होगा।"
और शायद उन्हें जादू-टोने का कुछ ज्ञान भी था?
सोच में डूबे कैरस ने सिर हिलाया। "हाँ, शायद।"

तो फिर इस शर्त को कौन पूरा करता है, जो आस-पड़ोस में रहता हो और जिसकी रात में चर्च तक पहुंच हो?
कैरास मुड़ा और किंडरमैन की आँखों में देखता रहा; फिर बल्ले से गेंद टकराने की आवाज़ सुनकर वह वापस मुड़ा और एक दुबले-पतले राइट फील्डर को कैच लेते हुए देखने लगा। "बीमार पादरी," उसने बुदबुदाया। "शायद ऐसा ही हो।"
“सुनिए, फादर, यह आपके लिए कठिन है—कृपया!—मैं समझता हूँ। लेकिन यहाँ परिसर में मौजूद पुजारियों के लिए, आप मनोचिकित्सक हैं, है ना?”
कैरास ने उसकी ओर मुड़कर कहा, "नहीं। मेरा कार्यभार बदल गया है।"
"अरे, सच में? साल के बीच में?"
“यही आदेश है।”
फिर भी, आपको पता होता कि उस समय कौन बीमार था और कौन नहीं, है ना? मेरा मतलब है, इस तरह की बीमारी के बारे में आपको पता होता।
“नहीं, ज़रूरी नहीं, लेफ्टिनेंट। बिलकुल नहीं। अगर मैंने ऐसा किया भी तो यह महज़ एक संयोग होगा। मैं मनोविश्लेषक नहीं हूँ। मैं तो बस परामर्श देता हूँ। और वैसे भी, मुझे ऐसा कोई व्यक्ति नहीं पता जो इस विवरण से मेल खाता हो।”
किंडरमैन ने अपना जबड़ा ऊपर उठाया। "अहा, हाँ," उसने कहा, "डॉक्टरों की नैतिकता। अगर आपको पता होता, तो आप बताते नहीं।"
नहीं, शायद मैं ऐसा नहीं करूंगा।
“वैसे तो—और मैं इसका ज़िक्र बस यूँ ही कर रहा हूँ—इस नैतिकता को आजकल गैरकानूनी माना जाता है। आपको छोटी-मोटी बातों से परेशान नहीं करना चाहता, पिताजी, लेकिन हाल ही में कैलिफ़ोर्निया के एक मनोचिकित्सक को एक मरीज़ के बारे में जो कुछ भी पता था, उसे पुलिस को न बताने के लिए जेल भेज दिया गया।”
"क्या यह धमकी है?"
“घबराहट भरी बातें मत करो। यह महज़ एक सामान्य टिप्पणी है।”
कैरास खड़ा हुआ और उसने जासूस की ओर नीचे देखा।
उन्होंने व्यंग्यपूर्वक कहा, "मैं जज को हमेशा बता सकता था कि यह इकबालिया बयान का मामला है," और फिर जोड़ा, "स्पष्ट रूप से कहें तो।"
जासूस ने उसे हताशा से देखा। “क्या आप व्यापार करना चाहते हैं, पिताजी?” उसने उससे पूछा, और फिर बेसबॉल अभ्यास मैदान की ओर देखने लगा। “‘पिताजी’? कौन से ‘पिताजी’?” वह हांफते हुए बोला; “आप एक यहूदी हैं जो यहूदी होने का दिखावा कर रहे हैं, लेकिन मैं आपको बता दूं, आपने इसे कुछ ज्यादा ही कर दिया है।”
बेंच से उठते हुए कैरस मुस्कुराया।
“हाँ, हँसो,” जासूस ने गुस्से से कैरस की ओर देखते हुए कहा। “जी, मजे करो, फादर; जितना चाहो हँस लो।” लेकिन फिर वह मुस्कुराया, मानो शरारती मुस्कान के साथ खुद पर खुश हो रहा हो, और कैरस की ओर देखकर बोला, “मुझे याद आया। पुलिसवाला बनने की प्रवेश परीक्षा? जब मैंने परीक्षा दी थी, तो एक सवाल था, ‘रेबीज क्या है और आप इसके लिए क्या करेंगे?’ और किसी ने जवाब दिया था, ‘रेबीज यहूदी पुजारी हैं और मैं उनके लिए हर संभव कोशिश करूँगा।’” किंडरमैन ने हाथ उठाकर कहा, “सच में! ऐसा हुआ था! भगवान की कसम!”
कैरास ने मुस्कुराते हुए उससे कहा, "चलो, मैं तुम्हें तुम्हारी कार तक छोड़ देता हूँ। क्या तुमने पार्किंग में गाड़ी खड़ी कर दी है?"

जासूस ने अनिच्छा से उसकी ओर देखा। "तो क्या हमारा काम खत्म हो गया?" उसने निराशा से पूछा।
पुजारी ने बेंच पर एक पैर रखा और घुटने पर बांह टिकाकर झुक गए। उन्होंने कहा, "देखिए, मैं कुछ छुपा नहीं रहा हूँ। सच में। अगर मुझे आपके द्वारा खोजे जा रहे पुजारी जैसे किसी पुजारी के बारे में पता होता, तो कम से कम मैं आपको बता देता कि ऐसा कोई व्यक्ति है, बिना उसका नाम बताए। फिर मैं प्रांतीय प्रमुख को इसकी सूचना दे देता। लेकिन मुझे ऐसे किसी व्यक्ति के बारे में नहीं पता जो आपके द्वारा खोजे जा रहे व्यक्ति के आस-पास भी आता हो।"
"खैर," किंडरमैन ने नीचे देखते हुए और अपने हाथ फिर से कोट की जेबों में डालते हुए कहा; "मैंने तो कभी सोचा ही नहीं था कि वह कोई पादरी होगा। सच में नहीं।" उसने ऊपर देखा और निचले कैंपस पार्किंग लॉट की ओर सिर से इशारा किया। "मेरी गाड़ी वहाँ खड़ी है," उसने कहा। वह खड़ा हुआ और वे मुख्य कैंपस की इमारतों की ओर जाने वाले रास्ते पर चलने लगे। "मुझे जो शक है," जासूस ने आगे कहा, "अगर मैंने ज़ोर से कहा तो तुम मुझे पागल कहोगे। मुझे नहीं पता," उसने सिर हिलाते हुए कहा। "मुझे नहीं पता। ये सारे क्लब और ये पंथ जहाँ बिना किसी कारण के हत्याएँ होती हैं—ये सब देखकर मन में तरह-तरह के विचार आने लगते हैं। ज़माने के साथ चलने के लिए, आजकल," उसने विलाप करते हुए कहा, "लगता है थोड़ा सा विक्षिप्त होना पड़ता है।" वह कैरस की ओर मुड़ा। "तुम्हारी कमीज़ पर वह क्या है?" उसने जेसुइट की छाती की ओर इशारा करते हुए पूछा।
"आपका क्या मतलब है?"
"टी-शर्ट पर। वहाँ लिखा हुआ है। 'दार्शनिक।' 'यह क्या है?'"
"ओह, मैंने एक साल मैरीलैंड के वुडस्टॉक सेमिनरी में कुछ कोर्स किए थे," कैरस ने उसे बताया। "मैं निचली श्रेणी की बेसबॉल टीम में खेलता था और हमें 'दार्शनिक' कहा जाता था।"
"अच्छा, मैं समझ गया। और उच्च वर्ग की टीम?"
"धर्मशास्त्री।"
हल्की सी मुस्कान के साथ, जासूस ने अपनी निगाहें रास्ते पर झुका लीं। "तीन धर्मशास्त्री, दो दार्शनिक," उसने मन ही मन सोचा।
नहीं, तीन दार्शनिक, दो धर्मशास्त्री।
"हां, बिल्कुल, मेरा कहने का यही मतलब था।"
"बिल्कुल।"
"अजीब बातें हैं," जासूस ने उदास स्वर में कहा; "बहुत अजीब। सुनिए, पिताजी," उसने कैरस की ओर मुड़ते हुए कहा। "सुनिए, डॉक्टर। क्या मैं पागल हो रहा हूँ, या हो सकता है कि इस जिले में अभी इसी वक्त कोई चुड़ैलों का समूह सक्रिय हो? आज ही के आज।"
"अरे, रहने दो," कैरस ने उपहास उड़ाते हुए कहा।
"अहा! तो फिर ऐसा हो सकता है!"
" 'तो फिर ऐसा हो सकता है'? कैसा रहेगा वो?"
"ठीक है, फादर, मैं डॉक्टर बनूँगा," जासूस ने आक्रामक अंदाज़ में कहा और अपनी तर्जनी उंगली से हवा में इशारा किया। "आपने मना नहीं किया, बल्कि फिर से अकड़ दिखाई। ये तो बचाव का तरीका है। शायद आपको डर है कि आप भोले-भाले दिखेंगे:

एक अंधविश्वासी पादरी, तर्कवादी किंडरमैन के सामने, जो साक्षात तर्क युग का प्रतीक है और अब आपके बगल में चल रहा है! ठीक है, अब मेरी आँखों में देखो और बताओ कि मैं गलत हूँ! चलो, देखो! देखो! तुम ऐसा नहीं कर सकते!"
कैरास ने अपना सिर घुमाकर जासूस की ओर देखा, अब उसके चेहरे पर संदेह और सम्मान का भाव बढ़ रहा था। "वाह, यह तो बहुत ही समझदारी भरा कदम है," उसने उससे कहा। "बहुत बढ़िया!"
"ठीक है," किंडरमैन ने कहा। "तो मैं आपसे फिर पूछता हूँ: क्या इस जिले में चुड़ैलों के समूह हो सकते हैं?"
कैरास ने अपना ध्यान रास्ते की ओर घुमाया और सोच में डूब गया। उसने कहा, "वैसे, मुझे तो ठीक से पता नहीं, लेकिन यूरोप में कुछ ऐसे शहर हैं जहाँ ब्लैक मास आयोजित किए जाते हैं।"
"आपका मतलब आज से है?"
"ओह, हाँ, आज ही। दरअसल, यूरोप में शैतान पूजा का केंद्र इटली के ट्यूरिन शहर में है। अजीब बात है।"
"ऐसा किस लिए?"
"वहीं पर ईसा मसीह का कफ़न रखा हुआ है।"
"क्या आप पुराने ज़माने की तरह शैतान की पूजा की बात कर रहे हैं, फादर? देखिए, मैंने उन सब चीज़ों के बारे में पढ़ा है, जैसे कि यौन संबंध, मूर्ति पूजा और न जाने क्या-क्या। वैसे, मैं आपको घृणा दिलाने का इरादा नहीं रखता, लेकिन क्या वे सब सच में ऐसा करते थे? क्या यह सचमुच होता था?"
"मुझें नहीं पता।"
"तो यह तो बस आपकी राय है, फादर। कोई बात नहीं। मैंने कोई 'वायर' नहीं पहना है।"
कैरास ने जासूस की ओर एक फीकी, व्यंग्यात्मक मुस्कान बिखेरी और फिर अपनी नज़र वापस रास्ते पर टिका दी। "ठीक है, तो फिर," उसने कहा। "मुझे लगता है कि यह सच है, या यूँ कहूँ कि मुझे ऐसा संदेह है, और मेरा अधिकांश तर्क मानसिक विकृति पर आधारित है। हाँ, ठीक है। काला जादू। ऐसा होता है। लेकिन जो भी ये सब करता है, वह एक बहुत ही विक्षिप्त इंसान होता है, और एक बहुत ही खास तरह से विक्षिप्त। दरअसल, इस तरह की विक्षिप्तता का एक चिकित्सकीय नाम है; इसे शैतानवाद कहते हैं—यानी ऐसे लोग जिन्हें किसी भी प्रकार का यौन सुख तब तक नहीं मिल सकता जब तक कि वह किसी ईशनिंदापूर्ण कार्य से जुड़ा न हो। और इसलिए मुझे लगता है—"
"आपका मतलब 'संदिग्ध' है।"
"हां, मुझे संदेह है कि ब्लैक मास का इस्तेमाल सिर्फ औचित्य के रूप में किया गया था।"
"प्रयोग किया जाता है।"
"था भी था और है भी।"
"था भी और है भी," जासूस ने रूखेपन से दोहराया। "और उस विकार का मनोरोग संबंधी नाम क्या है जिसमें व्यक्ति को हमेशा अपनी बात मनवानी होती है?"
"कार्रास्मानिया," पुजारी ने मुस्कुराते हुए कहा।
"धन्यवाद। विचित्र और अनोखी चीजों के बारे में मेरे विशाल ज्ञान भंडार में यह पहले एक कमी थी। इस बीच, कृपया मुझे क्षमा करें, लेकिन यीशु और मरियम की मूर्तियों से

संबंधित बातें?”
उनका क्या होगा?
“क्या ये सच हैं?”
“खैर, मुझे लगता है कि एक पुलिसकर्मी होने के नाते आपको इसमें दिलचस्पी हो सकती है।” उनकी विद्वत्तापूर्ण रुचि जागृत हुई और जोश से भर उठी, जेसुइट पादरी का व्यवहार थोड़ा उत्तेजित हो गया। “पेरिस पुलिस के रिकॉर्ड में अभी भी पास के एक मठ के दो भिक्षुओं का मामला दर्ज है—चलिए देखते हैं...” याद करने की कोशिश करते हुए उन्होंने अपने सिर के पीछे खुजली की। “हाँ, शायद क्रेपी वाला,” उन्होंने अंत में कहा। पादरी ने कंधे उचका दिए। “ठीक है, जो भी हो। पास का कोई कस्बा। खैर, भिक्षु एक सराय में गए और तीन लोगों के लिए बिस्तर की मांग को लेकर अड़ियल हो गए—वे दोनों और उनके साथ लाई गई पवित्र वर्जिन मैरी की आदमकद मूर्ति।”
"अरे, यह तो चौंकाने वाली बात है," किंडरमैन ने राहत की सांस लेते हुए कहा।
"सच में। लेकिन यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आपने जो पढ़ा है वह तथ्यों पर आधारित है।"
“अच्छा, यौन संबंध की बात हो सकती है, ये तो मैं समझ सकता हूँ; लेकिन ये तो बिलकुल अलग कहानी है। छोड़ो। लेकिन अब रस्मों के नाम पर होने वाली हत्याओं की बात, फादर? क्या ये सच है? अरे बाप रे! नवजात शिशुओं के खून का इस्तेमाल?” जासूस जादू-टोने की किताब में पढ़ी किसी और बात का ज़िक्र कर रहा था, जिसमें बताया गया था कि ब्लैक मास में पदच्युत पादरी कभी-कभी नवजात शिशु की कलाई काट देता था ताकि खून एक प्याले में बह जाए और बाद में उसे पवित्र किया जाता था और पवित्र भोज के रूप में ग्रहण किया जाता था। “ये तो बिलकुल वैसी ही कहानियाँ हैं जो यहूदियों के बारे में सुनाई जाती थीं,” जासूस ने आगे कहा। “कि कैसे वे ईसाई बच्चों को चुराकर उनका खून पीते थे। देखिए, मुझे माफ़ कीजिएगा, लेकिन ये सारी कहानियाँ आपके लोगों ने ही सुनाई थीं।”
"अगर हमने ऐसा किया हो, तो मुझे माफ कर दीजिएगा।"
“जाओ और फिर कभी पाप मत करो। तुम्हें क्षमा मिल चुकी है।”
किसी दर्द की धुंधली सी याद की तरह, कुछ अंधेरा, कुछ उदास, पुजारी की खाली निगाहों के बीच से तेज़ी से गुज़र गया। उसने अपना सिर घुमाया और आगे देखा। "हाँ, ठीक है।"
"आप कह रहे थे?"
“खैर, मुझे रस्मों के नाम पर होने वाली हत्याओं के बारे में सच में कुछ नहीं पता,” कैरस ने कहा; “मुझे इसके बारे में ज़रा भी जानकारी नहीं है। लेकिन मुझे इतना ज़रूर पता है कि स्विट्ज़रलैंड में एक दाई ने एक बार तीस-चालीस बच्चों की हत्या करने की बात कबूल की थी, जिनका इस्तेमाल ब्लैक मास में किया जाता था। खैर, शायद उसे यातना देकर यह बात मनवाई गई हो,” उसने कंधे उचकाते हुए कहा। “लेकिन उसने तो बड़ी ही विश्वसनीय कहानी सुनाई। उसने बताया कि कैसे वह एक लंबी, पतली सुई अपनी आस्तीन में छिपा लेती थी, ताकि जब वह बच्चे को जन्म दे रही हो, तो वह सुई निकालकर बच्चे के सिर के ऊपरी हिस्से में चुभो दे और फिर सुई को वापस छिपा ले। कोई निशान नहीं,” कैरस ने किंडरमैन की ओर देखते हुए कहा। “बच्चा मरा हुआ सा लगता था। आपने सुना है कि यूरोपीय कैथोलिकों में दाइयों के प्रति कितना पूर्वाग्रह हुआ करता था? बस, यहीं से इसकी शुरुआत हुई।”

हे भगवान!
“हाँ, इस सदी में पागलपन का बोलबाला नहीं है। लेकिन—”
“एक मिनट रुकिए, ज़रा रुकिए!” जासूस ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “ये कहानियाँ —जैसा कि आपने कहा, शायद उन लोगों ने सुनाई थीं जिन्हें यातनाएँ दी गई थीं, सही कहा ना? इसलिए ये मूलतः अविश्वसनीय हैं। उन्होंने इकबालिया बयान पर हस्ताक्षर किए और बाद में, प्रभावशाली लोगों, धर्मनिष्ठ लोगों और विरोधियों ने उसमें मनगढ़ंत बातें जोड़ दीं। मेरा मतलब है, उस समय तो बंदी प्रत्यक्षीकरण का कोई अधिकार नहीं था, है ना? ‘मेरे लोगों को जाने दो’ जैसा कोई आदेश नहीं था।”
"बिल्कुल सही, लेकिन फिर बहुत से इकबालिया बयान स्वेच्छा से दिए गए थे।"
"तो भला कौन स्वेच्छा से ऐसी चीजें करेगा?"
"निस्संदेह वे लोग मानसिक रूप से विक्षिप्त थे।"
“वाह, एक और विश्वसनीय स्रोत!”
"अच्छा, वैसे तो आप शायद इस बारे में भी सही हैं, लेफ्टिनेंट। मैं तो बस बहस के लिए तर्क दे रहा हूँ।"
आप इसे बहुत अच्छे से करते हैं।
“देखिए, एक बात जो हम अक्सर भूल जाते हैं, वह यह है कि जो लोग इस तरह की बातें कबूल करने के लिए मानसिक रूप से विक्षिप्त होते हैं, वे शायद ऐसा करने के लिए भी मानसिक रूप से विक्षिप्त हों। उदाहरण के लिए, वेयरवुल्फ के बारे में मिथकों को ही ले लीजिए। ठीक है, ये बेतुके हैं: कोई भी खुद को भेड़िये में नहीं बदल सकता। लेकिन क्या होगा अगर कोई व्यक्ति इतना विक्षिप्त हो कि वह न केवल खुद को वेयरवुल्फ समझता हो, बल्कि उसी तरह व्यवहार भी करता हो?”
“यह सिद्धांत है, हे पिता जी, या तथ्य?”
“यह सच है। उदाहरण के लिए, विलियम स्टम्पफ नाम का एक व्यक्ति था। या शायद उसका पहला नाम कार्ल था। मुझे याद नहीं आ रहा। खैर, सोलहवीं शताब्दी का एक जर्मन व्यक्ति। वह खुद को वेयरवोल्फ समझता था और उसने शायद बीस या तीस छोटे बच्चों की हत्या कर दी थी।”
“आपका मतलब है, उसने—उद्धरण चिह्नों में, पिताजी—इसे स्वीकार किया?”
"हां, उसने ऐसा किया और मुझे लगता है कि उसका कबूलनामा सही था। जब उसे पकड़ा गया, तो वह अपनी दो जवान बहुओं का दिमाग खा रहा था।"
अप्रैल की हल्की, साफ धूप में चमकते बेसबॉल अभ्यास मैदान से, बातचीत और बल्ले से गेंद टकराने की गूंज सुनाई दे रही थी। "चलो, प्राइस, दौड़ लगाते हैं, चलो, गेंद को बाहर निकालते हैं!"
वे पार्किंग स्थल पर आ गए थे, और कुछ देर तक चुपचाप चलते रहे, फिर जब वे पुलिस की गाड़ी के पास पहुँचे, तो जासूस ने उदास और गंभीर नज़र से पादरी की ओर देखा।
"तो मैं क्या ढूंढ रहा हूँ, फादर?" उसने उनसे पूछा।
"शायद कोई नशेड़ी मनोरोगी हो," कैरस ने जवाब दिया।
सड़क की ओर देखते हुए जासूस ने कुछ सोचा और फिर चुपचाप सिर हिलाया। "जी हाँ, ठीक है, पिताजी। हाँ। शायद ऐसा ही हो।" उसने ऊपर देखा, उसका चेहरा अब प्रसन्न था। "सुनिए पिताजी, आप कहाँ जा रहे हैं? क्या आपको लिफ्ट चाहिए?"
"नहीं, धन्यवाद, लेफ्टिनेंट। यह बस थोड़ी दूर पैदल चलना है।"

“छोड़ो ये सब! मजे करो!” जासूस ने कैरस को इशारा करते हुए कहा और उसे कार की पिछली सीट पर बैठने को कहा। “फिर तुम अपने सभी दोस्तों को बता सकते हो कि तुम पुलिस की गाड़ी में घूमे थे। मैं इस बात की गवाही देने के लिए एक सर्टिफिकेट पर साइन कर दूंगा। वे तुमसे ईर्ष्या करेंगे। चलो, अब बैठो!”
सिर हिलाते हुए और उदास सी मुस्कान के साथ पादरी ने कहा, "ठीक है," और कार की पिछली सीट पर बैठ गए, जबकि जासूस उनके बगल में दूसरी तरफ से आकर बैठ गया। "बहुत बढ़िया," जासूस ने थोड़ी साँस फूलते हुए कहा। "और हाँ, आदरणीय पादरी जी, कोई भी सैर छोटी नहीं होती। नहीं, बिलकुल नहीं!" वह गाड़ी चला रहे पुलिसवाले की ओर मुड़ा और बोला, "अवंती!"
“कहाँ जाना है, महोदय?”
"छत्तीसवीं स्ट्रीट और प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट के आधे रास्ते पर, सड़क के बाईं ओर।"
जैसे ही ड्राइवर ने सिर हिलाया और पुलिस की गाड़ी को पार्किंग से बाहर निकालने लगा, कैरस ने जासूस की ओर हल्के से सवालिया निगाह से देखा। "आपको कैसे पता कि मैं कहाँ रहता हूँ?" उसने कहा।
“क्या यह जेसुइट्स का छात्रावास नहीं है? आप जेसुइट नहीं हैं?”
कैरास ने अपना सिर घुमाया और धीरे-धीरे कैंपस के मुख्य द्वार की ओर बढ़ रही पुलिस गाड़ी की विंडशील्ड से बाहर देखने लगा। "हाँ, बिल्कुल," उसने धीमी आवाज़ में कहा। उसने कुछ ही दिन पहले होली ट्रिनिटी के आंगन वाले अपने पुराने ठिकाने से अपना कमरा रेजिडेंस हॉल में स्थानांतरित किया था, इस उम्मीद में कि इससे उन लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा जिन्हें उसने परामर्श दिया था, ताकि वे उससे मदद मांगते रहें।
"क्या आपको फिल्में पसंद हैं, फादर कैरस?"
"हा करता हु।"
"क्या आपने पॉल स्कोफील्ड के साथ 'लियर' देखी है?"
नहीं, मैंने नहीं किया है।
मैंने इसे देखा है। मुझे छूट मिल जाती है।
"तुम्हारे के लिए अच्छा है।"
मुझे तो बेहतरीन शो के पास मिल जाते हैं, लेकिन मिसेज के. बहुत जल्दी थक जाती हैं। वो कभी नहीं जातीं।
"यह बहुत बुरा है।"
"हां, मुझे अकेले जाना पसंद नहीं है। आप जानते हैं, बाद में मुझे फिल्मों के बारे में बात करना, चर्चा करना और आलोचना करना अच्छा लगता है।"
चुपचाप कैरस ने सिर हिलाया, फिर अपनी बड़ी और मजबूत हथेलियों को देखा जिन्हें उसने अपने पैरों के बीच दबा रखा था। कुछ पल बीत गए। फिर किंडरमैन ने उदास स्वर में पूछा, "क्या आप कभी मेरे साथ फिल्म देखना चाहेंगे? यह मुफ़्त है।"
“हां, मुझे पता है। आपको पास मिलते हैं।”
"क्या आप चाहेंगे?"
“जैसा कि एलवुड पी. डाउड ने हार्वे में कहा है, ‘कब?’”
“ओह, मैं आपको फोन करूंगा!” जासूस के चेहरे पर खुशी झलक रही थी।
“ठीक है, ऐसा करो। मुझे अच्छा लगेगा।”

वे कैंपस के मुख्य द्वार से बाहर निकले, प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट पर दाएँ मुड़े और फिर बाएँ मुड़कर छात्रावास पहुँचे और गाड़ी खड़ी कर दी। कैरस ने अपनी तरफ का दरवाज़ा थोड़ा खोला और जासूस की ओर देखते हुए कहा, "लिफ्ट देने के लिए धन्यवाद," गाड़ी से बाहर निकला, दरवाज़ा बंद किया और खुली खिड़की के चौखट पर अपनी बाहें टिकाते हुए कहा, "मुझे खेद है कि मैं आपकी ज़्यादा मदद नहीं कर सका।"
“नहीं, आप ही थे,” जासूस ने कहा। “और धन्यवाद। इस बीच, मैं एक फिल्म के बारे में फ़ोन करूंगा, सच में करूंगा।”
“मैं आगे की ओर देखूंगा,” कैरस ने कहा। “अपना ख्याल रखना।”
मैं करूँगा। और तुम भी।
कैरास कार से पीछे हटा, सीधा खड़ा हुआ, मुड़ा और जाने ही वाला था कि उसने सुना, "पिताजी, रुकिए!"
कैरास मुड़ा और उसने किंडरमैन को कार से बाहर निकलते और उसे अपने पास आने का इशारा करते देखा। कैरास उसके पास गया और फुटपाथ पर किंडरमैन से मिला। "सुनिए, फादर, मैं भूल गया था," जासूस ने उससे कहा। "कार्ड के बारे में तो मैं बिल्कुल भूल ही गया था। आपको पता है, वह कार्ड जिस पर लैटिन में कुछ लिखा था? वही जो चर्च में मिला था?"
"हां, वेदी का कार्ड।"
“जो भी हो। क्या यह अभी भी मौजूद है?”
“हाँ, मेरे कमरे में है। मैं लैटिन भाषा देख रहा था, लेकिन अब मेरा काम हो गया है। क्या आपको चाहिए?”
“इससे कुछ पता चल सकता है। हाँ। क्या मैं इसे ले सकता हूँ?”
“ज़रूर। ज़रा रुकिए, मैं अभी आपके लिए ले आता हूँ।”
मैं आभारी हूँ।
किंडरमैन पुलिस की गाड़ी से टेक लगाकर इंतजार कर रहा था, तभी जेसुइट तेजी से अपने भूतल के कमरे में गया, कार्ड ढूंढा, उसे एक मनीला लिफाफे में रखा, वापस सड़क पर आया और लिफाफा किंडरमैन को सौंप दिया।
"हेयर यू गो।"
“पिताजी, धन्यवाद,” किंडरमैन ने लिफाफा उठाते हुए कहा। “मुझे लगता है इस पर कुछ उंगलियों के निशान हो सकते हैं।” फिर उसने थोड़ी हैरानी के साथ कैरस की ओर देखा। “अरे! क्या तुम कार्ड को छू रहे थे, किर्क डगलस, जैसे जासूसी कहानी में अपनी भूमिका दोहरा रहे हो? दस्ताने नहीं पहने? नंगे हाथों से?”
मैं अपना अपराध स्वीकार करता हूँ।
“और बिना किसी स्पष्टीकरण के,” किंडरमैन बड़बड़ाया। सिर हिलाते हुए और कैरस को निराशा से देखते हुए उसने कहा, “आप फादर ब्राउन तो नहीं हैं। कोई बात नहीं, शायद हमें इससे कुछ मिल जाए।” फिर उसने लिफाफा ऊपर उठाया। “वैसे, आपने इसका अध्ययन किया है, आप कहते हैं?”
कर्रास ने सिर हिलाया। "हाँ मैंने किया।"
और आपका निष्कर्ष? मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ।
“मैं कुछ नहीं कह सकता,” कैरस ने उससे कहा, “सिवाय इसके कि मकसद कुछ भी हो सकता है—कैथोलिक धर्म से नफरत, शायद। कौन जानता है? लेकिन इतना तो तय है कि जिसने भी यह किया है वह मानसिक रूप से बहुत परेशान है।”

"आपको कैसे पता चला कि वह एक पुरुष था?"
कैरास ने कंधे उचकाए और दूसरी तरफ देखने लगा, उसकी निगाहें सड़क के पत्थरों पर सरपट दौड़ते हुए एक गनथर बियर ट्रक पर टिक गईं। "खैर, मुझे नहीं पता," उसने कहा।
"और यह कोई किशोर बदमाश तो नहीं हो सकता?"
“नहीं, ऐसा नहीं हो सकता।” कैरस ने किंडरमैन की ओर मुड़कर फिर कहा, “यह लैटिन भाषा की वजह से है।”
“लैटिन? ओह, आपका मतलब वेदी पर लिखे कार्ड से है।”
“जी हाँ। लेफ्टिनेंट, लैटिन भाषा त्रुटिहीन है, और उससे भी बढ़कर, इसकी एक विशिष्ट शैली है जो अत्यंत व्यक्तिगत है।”
"ऐसा है?"
“बिल्कुल सही। ऐसा लगता है जैसे इसे लिखने वाला लैटिन भाषा में सोच सकता है।”
“क्या पुजारी ऐसा कर सकते हैं?”
“अरे, रहने दो!” कैरस ने उपहास उड़ाया।
"बस सवाल का जवाब दे दीजिए, फादर पैरानोइया।"
कैरास ने अपनी निगाहें किंडरमैन की ओर घुमाईं और कुछ देर रुककर स्वीकार किया, "ठीक है, हाँ। हमारे प्रशिक्षण में एक ऐसा मोड़ आता है जब हम ऐसा करते हैं—कम से कम जेसुइट्स और शायद कुछ अन्य संप्रदाय भी। मैरीलैंड के वुडस्टॉक सेमिनरी में, हमारे दर्शनशास्त्र के पाठ्यक्रम लैटिन में पढ़ाए जाते हैं।"
"ऐसा क्यों?"
"विचारों की सटीकता के लिए। यह उन बारीकियों और सूक्ष्म भेदों को व्यक्त करता है जिन्हें अंग्रेजी नहीं संभाल सकती।"
"ओह समझा।"
अचानक गंभीर होते हुए, तीव्र निगाहों से देखते हुए, पादरी ने अपना चेहरा जासूस के करीब लाकर कहा, "देखिए, लेफ्टिनेंट, क्या मैं आपको बता सकता हूँ कि मेरे विचार से यह किसने किया है?"
जासूस की भौंहें जिज्ञासा से तन गईं।
“हाँ, कौन!”
“डोमिनिकन लोग। जाओ, उनसे पंगा लो।”
कैरास मुस्कुराया, और जैसे ही वह मुड़कर जाने लगा, जासूस ने उसके पीछे से आवाज़ लगाई, "मैंने झूठ बोला! तुम साल माइनियो जैसे दिखते हो!"
कैरास मुस्कुराते हुए और दोस्ताना अंदाज़ में हाथ हिलाते हुए मुड़ा और फिर छात्रावास का दरवाज़ा खोलकर अंदर चला गया। वहीं बाहर फुटपाथ पर जासूस बिना हिले-डुले खड़ा रहा, अटकलबाज़ी में घूरते हुए बुदबुदाया, "वह पानी में डूबे हुए ट्यूनिंग फोर्क की तरह गुनगुना रहा है।" कुछ और पल तक वह छात्रावास के प्रवेश द्वार को सोच-विचार करते हुए देखता रहा। फिर अचानक मुड़ा और पुलिस कार का दाहिना सामने वाला दरवाज़ा खोलकर यात्री सीट पर बैठ गया, दरवाज़ा बंद किया और ड्राइवर से कहा, "मुख्यालय वापस चलो। जल्दी करो। कानून तोड़ो।"
जेसुइट छात्रावास में कैरस का नया कमरा सादा था: एक दीवार में बनी किताबों की अलमारी, एक सिंगल बेड, दो आरामदायक कुर्सियाँ, और एक मेज जिसके साथ सीधी पीठ वाली लकड़ी की कुर्सी थी। मेज पर उनकी माँ की एक पुरानी तस्वीर रखी थी,

और उनके बिस्तर के ऊपर दीवार पर, मौन फटकार के रूप में, कांस्य रंग का धातु का क्रूस लटका हुआ था। कैरस के लिए, वह छोटा सा कमरा ही काफी था। उन्हें चीजों की ज्यादा परवाह नहीं थी; बस इतना कि उनके पास जो कुछ भी था, वह साफ-सुथरा हो।
उसने तेज़ी से नहाया, सफ़ेद टी-शर्ट और खाकी पैंट पहनी, फिर पुजारियों के भोजन कक्ष में रात के खाने के लिए चला गया, जहाँ उसकी नज़र गुलाबी गालों वाले डायर पर पड़ी। एक फीकी स्लूपी स्वेटशर्ट पहने, वह एक कोने में मेज पर अकेला बैठा था। कैरस उसके पास जाकर बैठ गया।
"हाय, डेमियन।"
"हे, जो।"
अपनी कुर्सी के सामने खड़े होकर, कैरस ने खुद को आशीर्वाद दिया और अपनी आँखें बंद कर लीं, साथ ही धीमी आवाज़ में जल्दी से प्रार्थना बुदबुदाई, फिर मेज पर बैठ गई और अपनी गोद में एक नैपकिन बिछा लिया।
“लोफर कैसा है?” डायर ने उससे पूछा।
“तुम्हारा क्या मतलब है? मैं काम कर रहा हूँ।”
"हफ्ते में एक लेक्चर?"
"गुणवत्ता ही मायने रखती है। रात के खाने में क्या है?"
क्या तुम्हें इसकी गंध नहीं आ रही?
कैरास ने मुंह बनाया। "अरे बाप रे, क्या आज गर्मी का दिन है?"
नॉकवुर्स्ट और सॉरक्रॉट।
“मात्रा ही मायने रखती है,” डायर ने कहा; फिर, जब कैरस ने दूध का जग लेने के लिए हाथ बढ़ाया, तो युवा पादरी ने धीरे से चेतावनी दी, “मैं ऐसा नहीं करूँगा,” और साथ ही वह गेहूं की रोटी के एक टुकड़े पर मक्खन लगा रहा था। “ये बुलबुले देखो? ये तो नमक हैं।”
“मुझे इसकी ज़रूरत है।” जैसे ही कैरस ने अपना गिलास भरने के लिए उसे ऊपर उठाया, उसने किसी के कुर्सी खींचने की आवाज़ सुनी, जो उसे पीछे खींचकर मेज पर उनके साथ आकर बैठ गया।
“आखिरकार मैंने वह किताब पढ़ ही ली,” नवागंतुक ने उत्साह से कहा।
कैरस ने ऊपर देखा और तुरंत निराशा महसूस की, उसे नरम कुचलने वाला भार, सीसे का दबाव, हड्डी का दबाव महसूस हुआ, जब उसने उस युवा पादरी को पहचाना जो हाल ही में परामर्श के लिए उसके पास आया था, वह जो दोस्त नहीं बना पाता था।
“ओह, और आपको यह कैसा लगा?” कैरस ने दिलचस्पी से पूछा। उसने दूध का जग ऐसे नीचे रख दिया मानो वह किसी अधूरी प्रार्थना की पुस्तिका हो।
युवा पादरी बातें करते रहे और आधे घंटे बाद, डायर मेजों पर चढ़कर हँसी से पूरे भोजनालय को गुंजायमान कर रहे थे। कैरस ने अपनी घड़ी देखी। उन्होंने युवा पादरी से पूछा, "क्या आप जैकेट लेकर सड़क पार चलना चाहेंगे?" "अगर हो सके तो मुझे हर रात सूर्यास्त देखना अच्छा लगता है।"
जल्द ही वे सीढ़ियों के शीर्ष पर एक रेलिंग से टिक गए, जो एम स्ट्रीट की ओर तेज़ी से नीचे उतरती थीं। दिन ढल रहा था। डूबते सूरज की चमकीली किरणें पश्चिमी आकाश के बादलों पर शानदार ढंग से चमक रही थीं, फिर नदी के गहरे होते पानी पर सुनहरे और सिंदूरी धब्बों के रूप में बिखर गईं। एक बार कैरस ने इसी दृश्य में ईश्वर से

मुलाकात की थी। बहुत समय पहले। एक बिछड़े प्रेमी की तरह, वह अब भी उस मुलाकात को याद रखता था।
इसे निहारते हुए युवा पादरी ने कहा, "कितना सुंदर है। सचमुच।"
"हां यह है।"
कैंपस टावर की घड़ी ने ज़ोरदार आवाज़ के साथ समय बताया: शाम के 7:00 बज गए।
7:23 बजे, लेफ्टिनेंट किंडरमैन एक स्पेक्ट्रोग्राफिक विश्लेषण पर विचार कर रहे थे जिसमें दिखाया गया था कि रीगन की मूर्ति का रंग वर्जिन मैरी की अपवित्र मूर्ति से खुरच कर निकाले गए रंग के नमूने से मेल खाता है, और 8:47 बजे, शहर के उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक झुग्गी बस्ती में, भावहीन कार्ल एंगस्ट्रॉम चूहों से भरी एक इमारत से बाहर निकले, तीन ब्लॉक दक्षिण की ओर चलकर एक बस स्टॉप पर पहुँचे जहाँ वे एक मिनट तक अकेले, भावहीन होकर इंतज़ार करते रहे, फिर अपने दोनों हाथों से एक लैम्पपोस्ट को पकड़ लिया और आँसुओं से व्याकुल होकर उस पर गिर पड़े।
उस समय लेफ्टिनेंट किंडरमैन सिनेमा देखने गए हुए थे।

अध्याय छह

बुधवार, 11 मई को वे घर लौट आए। उन्होंने रीगन को सुलाया, खिड़कियों पर ताला लगाया और उसके बेडरूम और बाथरूम से सारे शीशे हटा दिए।
“...होश में रहने के क्षण धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं, और अब दौरे के दौरान उसकी चेतना पूरी तरह से गायब हो जाती है, मुझे डर है। यह नया है और इससे वास्तविक हिस्टीरिया की संभावना खत्म हो जाती है। इस बीच, परमानसिक घटनाओं से संबंधित एक-दो लक्षण दिखाई देने लगे हैं...”
डॉ. क्लेन आए और क्रिस और शेरोन ने उन्हें रेगन कोमा की अवस्था में सस्टाजेन फीडिंग देने की सही प्रक्रिया समझाई। उन्होंने नासोगैस्ट्रिक ट्यूब डाली। "पहले..."
क्रिस ने खुद को मजबूर किया कि वह देखे, फिर भी अपनी बेटी का चेहरा न देख पाए; डॉक्टर के कहे शब्दों को पकड़ ले और क्लिनिक में सुने गए अन्य शब्दों को दरकिनार कर दे।
"श्रीमती मैकनील, आपने यहाँ 'कोई धर्म नहीं' कहा है। क्या यह सही है? क्या यहाँ बिल्कुल भी धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी?"
"अच्छा, ठीक है, शायद बस 'भगवान'। मतलब, सामान्य तौर पर। क्यों?"
“खैर, पहली बात तो यह है कि उसकी अधिकांश बकवास—जब वह बेतुकी बातें नहीं कर रही होती—धार्मिक विषयों से भरी होती है। अब आपको क्या लगता है कि उसे यह सब कहाँ से मिला होगा?”
"अच्छा, पहले मुझे एक उदाहरण दीजिए।"
"ठीक है, तो उदाहरण के लिए: 'यीशु और मरियम, उनसठ'।"
क्लेन ने ट्यूब को रीगन के पेट में डाला। "पहले यह जांच लें कि कहीं उसके फेफड़ों में तरल पदार्थ तो नहीं चला गया है," उसने निर्देश दिया और सस्टाजेन के प्रवाह को रोकने के लिए ट्यूब को दबा दिया। "अगर..."
“...यह एक प्रकार का विकार है जो अब बहुत कम देखने को मिलता है, सिवाय आदिम संस्कृतियों के। इसे हम सोमनाम्बुलीफॉर्म पज़ेशन कहते हैं। सच कहें तो, इसके बारे में हमें ज़्यादा कुछ नहीं पता, सिवाय इसके कि यह किसी संघर्ष या अपराधबोध से शुरू

होता है और अंततः रोगी को यह भ्रम हो जाता है कि उसके शरीर में किसी अलौकिक शक्ति, यानी किसी आत्मा ने प्रवेश कर लिया है। पुराने समय में, जब शैतान में विश्वास काफी प्रबल था, तो आत्मा को अपने वश में करने वाली इकाई आमतौर पर एक दानव होती थी। हालांकि, अपेक्षाकृत आधुनिक मामलों में, यह ज्यादातर किसी मृत व्यक्ति की आत्मा होती है, अक्सर कोई ऐसा व्यक्ति जिसे रोगी जानता या देखा हो और जिसकी आवाज, हाव-भाव और कभी-कभी चेहरे की बनावट की नकल वह अचेतन रूप से कर सकता है।"
डॉ. क्लेन के उदास चेहरे के साथ घर से चले जाने के बाद, क्रिस ने बेवर्ली हिल्स में अपने एजेंट को फोन किया और बेजान स्वर में बताया कि वह "होप" का निर्देशन बिल्कुल नहीं करेंगी। फिर उन्होंने श्रीमती पेरिन को फोन किया। वह घर पर नहीं थीं। क्रिस ने बढ़ते डर के साथ फोन रख दिया। वह बेचैनी से सोचने लगीं कि आखिर कौन उनकी मदद कर सकता है? क्या कोई है? कुछ भी? क्या?
"...मृत आत्माओं के मामलों से निपटना आसान होता है; ऐसे मामलों में अक्सर क्रोध, अतिसक्रियता और शारीरिक उत्तेजना देखने को नहीं मिलती। हालांकि, नींद में चलने जैसी प्रेतबाधा के दूसरे मुख्य प्रकार में, नई आत्मा हमेशा द्वेषपूर्ण और पहली आत्मा के प्रति शत्रुतापूर्ण होती है। वास्तव में, इसका प्राथमिक उद्देश्य उसे नुकसान पहुंचाना और कभी-कभी तो उसे मार डालना भी होता है।"
प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट स्थित घर में बांधने वाली पट्टियों का एक सेट पहुंचाया गया था और क्रिस उदास और थकी हुई खड़ी देख रही थी, जबकि कार्ल उन्हें पहले रीगन के बिस्तर पर और फिर उसकी कलाई पर लगा रहा था। जैसे ही क्रिस ने रीगन के सिर के नीचे तकिया रखने की कोशिश में उसे हिलाया, स्विस व्यक्ति सीधा खड़ा हुआ और बच्ची के बुरी तरह घायल चेहरे को दया भरी नजरों से देखा। "क्या वह ठीक हो जाएगी?" उसने पूछा।
क्रिस ने कोई जवाब नहीं दिया। जब कार्ल बोल रहा था, उसने रीगन के तकिए के नीचे से एक वस्तु निकाली और उसे हैरानी भरी निगाहों से देखने लगी। फिर उसकी नज़र कार्ल पर पड़ी और उसने सख्ती से उससे पूछा, "कार्ल, यह क्रूस यहाँ किसने रखा?"
"यह सिंड्रोम किसी संघर्ष, किसी अपराधबोध की अभिव्यक्ति मात्र है, इसलिए हम इसे समझने और पता लगाने की कोशिश करते हैं कि यह क्या है। ऐसे मामलों में सबसे अच्छा तरीका सम्मोहन चिकित्सा है; हालांकि, हम उसे सम्मोहित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए हमने नार्कोसिंथेसिस का प्रयास किया, लेकिन लगता है कि यह भी एक असफल प्रयास है।"
तो अब आगे क्या होगा?
"ज्यादातर समय ही लगेगा। हमें बस कोशिश करते रहना होगा और उम्मीद करनी होगी कि कुछ बदलाव हो। फिलहाल, उसे अस्पताल में भर्ती कराना होगा।"
क्रिस ने शेरोन को रसोई में मेज पर अपना टाइपराइटर सेट करते हुए पाया। वह उसे अभी-अभी तहखाने के खेल के कमरे से ऊपर लाई थी। विली स्टू बनाने के लिए सिंक में गाजर काट रहा था।
अपनी आवाज में तनाव और चिंता का भाव लिए क्रिस ने पूछा, "क्या तुमने ही उसके तकिए के नीचे क्रूस रखा था, शार?"
शेरोन असमंजस में दिखी। "तुम्हारा क्या मतलब है?"
"तुमने नहीं किया?"

“क्रिस, मुझे तो पता ही नहीं कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो! देखो, मैंने तुम्हें पहले भी बताया था, क्रिस, मैंने तुम्हें हवाई जहाज में भी बताया था, मैंने रैग्स से धर्म के बारे में बस इतना ही कहा है कि ‘भगवान ने दुनिया बनाई’ और शायद कुछ और बातें—”
“ठीक है, शेरोन, ठीक है। मैं तुम्हारी बात पर विश्वास करता हूँ, लेकिन—”
"मैं तो इसे नहीं रखूंगा!" विली ने बचाव करते हुए गुर्राते हुए कहा।
“धत् तेरे की, किसी ने इसे वहाँ रख दिया!” क्रिस अचानक भड़क उठी। फिर वह कार्ल की ओर मुड़ी, जो रसोई में घुसकर फ्रिज का दरवाजा खोल चुका था। “कार्ल!” उसने उसे तीखी आवाज में पुकारा।
“जी मैडम,” कार्ल ने बिना पीछे मुड़े शांत भाव से जवाब दिया। वह बर्फ के टुकड़ों को एक तौलिए में लपेट रहा था।
“अच्छा, मैं तुमसे एक बार फिर पूछ रही हूँ,” क्रिस ने कर्कश स्वर में कहा, उसकी आवाज काँप रही थी और तीखी होने की कगार पर थी: “क्या तुमने वह घिनौना क्रूस रीगन के तकिए के नीचे रखा था?”
“नहीं, महोदया। मैं नहीं। मैं ऐसा नहीं करता,” कार्ल ने तौलिये में एक और बर्फ का टुकड़ा डालते हुए जवाब दिया।
“वो घटिया क्रॉस खुद चलकर वहाँ नहीं आ गया, धिक्कार है!” क्रिस चीखते हुए विली और शेरोन की ओर मुड़ी। “अब तुम दोनों में से कौन झूठ बोल रहा है? बताओ!”
कार्ल ने अपना काम रोक दिया और क्रिस को देखने के लिए मुड़ा। उसके अचानक गुस्से ने कमरे को स्तब्ध कर दिया था, और अब वह अचानक एक कुर्सी पर बैठ गई और कांपते हाथों में सिर रखकर फूट-फूटकर रोने लगी। "ओह, मुझे माफ़ करना, मुझे नहीं पता मैं क्या कर रही हूँ!" रोते हुए उसने कांपती हुई आवाज़ में कहा। "हे भगवान, मुझे नहीं पता!"
विली और कार्ल चुपचाप खड़े देखते रहे, तभी शेरोन क्रिस के पीछे आई और अपने हाथों से उसके गले और कंधों को सहलाने लगी। "अरे, ठीक है। कोई बात नहीं।"
क्रिस ने अपनी आस्तीन के पिछले हिस्से से अपना चेहरा पोंछा। "हाँ, मुझे लगता है कि जिसने भी यह किया"—उसने अपनी जेब से एक रुमाल निकाला और अपनी नाक पोंछी, फिर बोली—"जिसने भी यह किया, वह केवल मदद करने की कोशिश कर रहा था।"
“देखो, मैं तुम्हें फिर से बता रहा हूँ और तुम्हें इस पर विश्वास करना ही होगा, मैं उसे पागलखाने में नहीं डालने वाला!”
“मैडम, यह कोई—”
“मुझे परवाह नहीं कि तुम इसे क्या कहते हो! बिलकुल नहीं! मैं उसे अपनी नजरों से ओझल नहीं होने दूँगा!”
मुझे बहुत खेद है। हम सभी को खेद है।
“हाँ, ज़रूर। हे भगवान, अस्सी-आठ डॉक्टर और तुम अपनी सारी बकवास से मुझे बस इतना ही बता सकते हो...!”
क्रिस ने नीले रंग के गॉलोइसेस ब्लॉन्ड्स सिगरेट के पैकेट से सेलोफेन फाड़ा, जो एक आयातित फ्रांसीसी सिगरेट थी। उसने कुछ गहरे कश लिए और जल्दी से उसे ऐशट्रे में बुझाकर रीगन को देखने के लिए ऊपर चली गई। जब उसने दरवाज़ा खोला, तो शयनकक्ष के अंधेरे में, उसने रीगन के बिस्तर के पास एक पुरुष को सीधी पीठ वाली लकड़ी की कुर्सी पर बैठे देखा, उसकी बांह फैली हुई थी और उसका हाथ रीगन के

माथे पर था। क्रिस पास गई। वह काल था। जब क्रिस बिस्तर के पास पहुँची, तो उसने न तो उसकी ओर देखा और न ही कुछ बोला, बल्कि उसकी निगाहें बच्ची के चेहरे पर टिकी रहीं। रीगन के माथे पर रखे हाथ में कुछ था। यह क्या था? तभी उसने देखा कि यह एक बर्फ की पट्टी थी।
आश्चर्यचकित और भावुक होकर, क्रिस ने उस गंभीर स्विस व्यक्ति को स्नेह भरी नज़रों से देखा, जो उसने बहुत पहले खो दी थीं; लेकिन जब उसने न तो कोई प्रतिक्रिया दी और न ही उसकी उपस्थिति को स्वीकार किया, तो वह मुँह फेरकर चुपचाप कमरे से बाहर चली गई। वह रसोई में गई, नाश्ते के कोने में बैठ गई, कॉफ़ी पी और कुछ देर तक सोच में डूबी रही, तभी अचानक उसे प्रेरणा मिली और वह तेज़ी से चेरीवुड पैनल वाले अध्ययन कक्ष की ओर चल पड़ी।
"भूत-प्रेत का साया हिस्टीरिया से कुछ हद तक मिलता-जुलता है, क्योंकि इस सिंड्रोम की उत्पत्ति लगभग हमेशा आत्म-अनुभूति से होती है। आपकी बेटी को भूत-प्रेत के साये के बारे में पता हो सकता है, वह इस पर विश्वास करती हो, और शायद इसके कुछ लक्षणों से भी परिचित हो, इसलिए अब उसका अवचेतन मन इस सिंड्रोम को उत्पन्न कर रहा है। समझ रहे हैं? अब अगर यह बात पक्के तौर पर साबित हो जाती है, और फिर भी आप अस्पताल में भर्ती होने के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो आप मेरे द्वारा सुझाए गए एक उपाय को आजमा सकते हैं। मुझे लगता है कि इससे ठीक होने की संभावना बहुत कम है, लेकिन फिर भी एक संभावना तो है।"
अरे, बताओ तो सही! आखिर है क्या?!
"क्या आपने कभी भूत भगाने के बारे में सुना है, श्रीमती मैकनील?"
क्रिस अध्ययन कक्ष में रखी किताबों से अपरिचित थी—वे घर के साथ आए फर्नीचर का हिस्सा थीं—और अब वह ध्यानपूर्वक उनके शीर्षकों को देख रही थी।
“यह एक शैलीबद्ध अनुष्ठान है जो लगभग अप्रचलित हो चुका है, जिसमें रब्बी और पुजारी बुरी आत्मा को भगाने की कोशिश करते थे। केवल कैथोलिक ही हैं जिन्होंने इसे अभी तक नहीं छोड़ा है, लेकिन वे इसे एक तरह की शर्मिंदगी के रूप में छिपाकर रखते हैं। लेकिन जो व्यक्ति वास्तव में मानता है कि उस पर बुरी आत्मा का साया है, उसके लिए मुझे कहना होगा कि यह अनुष्ठान काफी प्रभावशाली है, और वास्तव में यह काम करता था, हालांकि उस कारण से नहीं जो वे सोचते थे; यह पूरी तरह से सुझाव की शक्ति थी। पीड़ित का बुरी आत्मा के साये में विश्वास ही इसका कारण बनता था, और ठीक उसी तरह भूत भगाने की शक्ति में उसका विश्वास इसे गायब कर सकता है। यह—मैं देख रहा हूँ कि आप भौंहें चढ़ा रहे हैं। खैर, बिल्कुल; मुझे पता है कि यह दूर की कौड़ी लग रही है। तो चलिए मैं आपको कुछ ऐसा ही बताता हूँ जो हम जानते हैं कि एक तथ्य है। इसका संबंध ऑस्ट्रेलियाई आदिवासियों से है। वे आश्वस्त हैं कि यदि कोई जादूगर दूर से उन पर 'मृत्यु किरण' फेंकता है, तो वे निश्चित रूप से मर जाएंगे। और तथ्य बात यही है कि वे ऐसा करते हैं! वे बस लेट जाते हैं और धीरे-धीरे मर जाते हैं! और ज्यादातर मामलों में, उन्हें बचाने वाली एकमात्र चीज एक समान प्रकार का सुझाव होता है: किसी अन्य जादूगर द्वारा छोड़ी गई एक प्रतिकारक 'किरण'।
"क्या आप मुझसे कह रहे हैं कि मैं अपनी बेटी को किसी तांत्रिक के पास ले जाऊं?"
“आखिरी उपाय के तौर पर, हताशा में—हाँ, बिल्कुल। मेरा मतलब यही है। उसे किसी कैथोलिक पादरी के पास ले जाओ। मुझे पता है, यह सलाह थोड़ी अटपटी है, और शायद थोड़ी खतरनाक भी, जब तक कि हम यह पक्का न कर लें कि क्या आपकी बेटी

को भूत-प्रेत के बारे में, और खासकर झाड़-फूंक के बारे में, उसके लक्षण दिखने से पहले कुछ भी पता था या नहीं। क्या आपको लगता है कि उसने कहीं पढ़ा होगा?"
"नहीं।"
"क्या आपने इस विषय पर कोई फिल्म देखी है? रेडियो पर कुछ सुना है? टीवी पर?"
"नहीं।"
"शायद सुसमाचार पढ़ें? नया नियम?"
"नहीं, उसने नहीं किया है। आप क्यों पूछ रहे हैं?"
उनमें प्रेतबाधा और ईसा मसीह द्वारा भूत भगाने की कई घटनाएं दर्ज हैं। वास्तव में, लक्षणों का वर्णन आज के प्रेतबाधा में पाए जाने वाले लक्षणों के समान ही है, इसलिए —"
"देखो, ये बिल्कुल भी ठीक नहीं है। ठीक है? इसे भूल जाओ! मुझे बस इतना ही चाहिए कि उसके पिता को पता चल जाए कि मैंने फोन किया है...!"
क्रिस की उंगलियां एक किताब से दूसरी किताब पर घूमती रहीं, खोजती रहीं लेकिन अब तक कुछ नहीं मिला, तभी अचानक—अरे रुको! उसकी नज़र तेज़ी से नीचे वाले शेल्फ पर रखे एक शीर्षक पर पड़ी। यह जादू-टोने पर लिखी वह किताब थी जो मैरी जो पेरिन ने उसे भेजी थी। क्रिस ने उसे उठाया और झटपट विषय-सूची पर हाथ फेरते हुए धीरे-धीरे सूची पर आगे बढ़ी, तभी अचानक रुक गई और सोचने लगी, मिल गई! मिल गई! उसके मन में एक हल्की सी सनसनी दौड़ गई। क्या बैरिंगर के डॉक्टर सही थे? क्या यही वह किताब थी? क्या रीगन ने आत्म-सुझाव के ज़रिए इस किताब के पन्नों से अपनी बीमारी और अपने लक्षण पा लिए थे?
एक अध्याय का शीर्षक था "अधिकार की अवस्थाएँ"।
क्रिस रसोई में गया जहाँ शेरोन एक नोटबुक पर हाथ रखकर अपनी हस्तलिपि पढ़ रही थी और साथ ही एक पत्र टाइप कर रही थी। क्रिस ने नोटबुक को ऊपर उठाते हुए पूछा, "क्या तुमने इसे कभी पढ़ा है, शेरोन?"
अभी टाइप करते हुए ही शेरोन ने पूछा, "क्या पढ़ना है?"
"यह किताब जादू टोने के बारे में है।"
शेरोन ने टाइप करना बंद कर दिया, क्रिस और किताब की ओर देखा, कहा, "नहीं, मैंने नहीं किया है," और अपने काम में वापस लग गई।
"क्या आपने इसे कभी नहीं देखा? क्या आपने इसे कभी अध्ययन कक्ष में किताबों की अलमारी में नहीं रखा?"
"नहीं।"
"विली कहाँ है?"
"बाजार मे।"
क्रिस ने सिर हिलाया और चुपचाप सोच-विचार करते हुए खड़ा रहा, फिर ऊपर रीगन के बेडरूम में चला गया, जहाँ कार्ल अभी भी अपनी बेटी के बिस्तर के पास पहरा दे रहा था।
"कार्ल!"
जी जी मैडम।
क्रिस ने किताब को ऊपर उठाते हुए पूछा, "क्या यह किताब आपको कहीं पड़ी मिली थी और फिर आपने इसे अध्ययन कक्ष में बाकी किताबों के साथ रख दिया?"

घर के नौकर ने भावहीन होकर क्रिस की ओर देखा, अपनी नज़र किताब पर डाली और फिर वापस क्रिस पर। “नहीं, महोदया,” उसने कहा; “मैं नहीं।” फिर उसने अपनी नज़र रीगन की ओर मोड़ ली।
ठीक है, तो शायद विली।
क्रिस रसोई में वापस आई, मेज पर बैठ गई और प्रेतबाधा पर आधारित अध्याय वाली किताब खोलकर, वह प्रासंगिक जानकारी खोजने लगी, ऐसी कोई भी जानकारी जो बैरिंगर क्लिनिक के डॉक्टरों के अनुसार रीगन के लक्षणों का कारण हो सकती थी।
और उसे पा लिया।
भूत-प्रेतों में प्रचलित विश्वास से ही प्रेतबाधा (पॉज़ेशन) नामक घटना का जन्म हुआ, जिसमें कई लोग मानते थे कि उनके शारीरिक और मानसिक कार्यों पर किसी भूत-प्रेत (उस समय के संदर्भ में यह सबसे आम था) या किसी मृत व्यक्ति की आत्मा का कब्ज़ा हो गया है और वे उसे नियंत्रित कर रहे हैं। इतिहास का कोई भी काल या दुनिया का कोई भी हिस्सा ऐसा नहीं है जहाँ इस घटना की रिपोर्ट न की गई हो, और वह भी लगभग लगातार, फिर भी इसकी पर्याप्त व्याख्या अभी तक नहीं हो पाई है। 1921 में पहली बार प्रकाशित टाउगॉट ओस्टर्रेच के निर्णायक अध्ययन के बाद से, मनोचिकित्सा में हुई प्रगति के बावजूद, इस विषय में ज्ञान का भंडार बहुत कम ही बढ़ा है।
क्रिस ने भौंहें चढ़ाईं। क्या पूरी तरह से समझाया नहीं गया? बैरिंगर के डॉक्टरों से उसकी धारणा अलग थी।
जो ज्ञात है वह यह है कि विभिन्न समयों पर, विभिन्न लोगों में इतने बड़े परिवर्तन हुए हैं कि उनके आसपास के लोगों को ऐसा लगता है जैसे वे किसी दूसरे व्यक्ति से मिल रहे हों। न केवल आवाज, हाव-भाव, चेहरे के भाव और विशिष्ट चाल-चलन कभी-कभी बदल जाते हैं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति स्वयं को मूल व्यक्ति से पूरी तरह अलग समझने लगता है और उसका अपना एक नाम—चाहे मानवीय हो या दैत्य—और अपना एक अलग इतिहास होने का दावा करता है। मलय द्वीपसमूह में, जहाँ आज भी प्रेतबाधा एक आम घटना है, किसी मृत व्यक्ति की प्रेतबाधा से पीड़ित व्यक्ति अक्सर अपने हाव-भाव, आवाज और चाल-चलन की इतनी सटीक नकल करता है कि मृतक के रिश्तेदार फूट-फूट कर रोने लगते हैं। लेकिन तथाकथित अर्ध-प्रेतबाधा—वे मामले जो अंततः धोखाधड़ी, व्यामोह और उन्माद के रूप में सामने आते हैं—को छोड़कर, समस्या हमेशा से इस घटना की व्याख्या करने में रही है। सबसे पुरानी व्याख्या प्रेतवादन विशेषज्ञ की है, और यह धारणा इस तथ्य से और भी मजबूत होती है कि प्रेतबाधा से पीड़ित व्यक्ति की उपलब्धियाँ मूल प्रेतबाधा से बिल्कुल भिन्न हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, प्रेतवाधित होने के राक्षसी रूप में, "राक्षस" उन भाषाओं में बोल सकता है जो मूल व्यक्तित्व को ज्ञात नहीं होती हैं।
देखो! रीगन की बेतुकी बातें! क्या यह किसी भाषा को बनाने की कोशिश है? क्रिस ने जल्दी से आगे पढ़ा:
...या विभिन्न अलौकिक घटनाओं को प्रकट करना, जैसे कि टेलीकिनेसिस, उदाहरण के लिए: भौतिक बल के प्रयोग के बिना वस्तुओं की गति।
वो चीख-पुकार? बिस्तर पर इधर-उधर उछलना-कूदना?
...मृत आत्माओं के वश में होने के मामलों में, ओस्टर्रेच के उस वर्णन जैसी अभिव्यक्तियाँ देखने को मिलती हैं, जिसमें एक भिक्षु, आत्मा के वश में होने के दौरान

अचानक एक प्रतिभाशाली और कुशल नर्तक बन गया, जबकि आत्मा के वश में होने से पहले उसने कभी नृत्य का एक कदम भी नहीं उठाया था। ये अभिव्यक्तियाँ कभी-कभी इतनी प्रभावशाली होती हैं कि मनोचिकित्सक जंग, एक मामले का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के बाद, इस बात की केवल आंशिक व्याख्या ही दे सके कि वे निश्चित रूप से इसे "धोखाधड़ी नहीं" कह सकते थे...
क्रिस ने frowning किया। इसका लहजा चिंताजनक था।
...और विलियम जेम्स, जो अमेरिका के अब तक के सबसे महान मनोवैज्ञानिक हैं, ने इलिनोइस के वातसेका में रहने वाली तथाकथित "वातसेका वंडर" नामक किशोरी का गहन अध्ययन करने के बाद "इस घटना की अध्यात्मवादी व्याख्या की संभावना" पर विचार किया। यह किशोरी व्यक्तित्व में उस लड़की से बिल्कुल अलग नहीं रह गई थी जिसका नाम मैरी रॉफ था और जिसकी मृत्यु प्रेतबाधा से बारह साल पहले एक सरकारी पागलखाने में हो गई थी।
क्रिस इतना मग्न था कि उसने न तो दरवाजे की घंटी सुनी और न ही शैरन को टाइपिंग बंद करके दरवाजे की ओर जाते हुए सुना।
भूत-प्रेत के प्रभाव को आमतौर पर प्रारंभिक ईसाई धर्म से जोड़ा जाता है; लेकिन वास्तव में भूत-प्रेत का प्रभाव और उसे दूर भगाने की प्रथा ईसा मसीह से पहले की है। प्राचीन मिस्रवासी और टाइग्रिस एवं यूफ्रेट्स नदियों की सबसे पुरानी सभ्यताओं का मानना था कि शारीरिक और आध्यात्मिक विकार शरीर में राक्षसों के आक्रमण के कारण होते हैं। उदाहरण के लिए, प्राचीन मिस्र में बच्चों की बीमारियों को दूर भगाने के लिए निम्नलिखित विधि प्रचलित थी: "अंधकार में आने वाले, जिसकी नाक पीछे की ओर मुड़ी हुई है, जिसका चेहरा उल्टा है, यहाँ से चले जाओ। क्या तुम इस बच्चे को चूमने आए हो? मैं तुम्हें ऐसा करने नहीं दूँगा..."
"क्रिस?"
"शार, मैं व्यस्त हूँ।"
"हत्या के मामले की जांच करने वाला एक जासूस आपसे मिलना चाहता है।"
"अरे बाप रे, शेरोन, उससे कहो कि—" अचानक क्रिस रुक गया, फिर ऊपर देखकर बोला, "ओह। हाँ, ज़रूर, शेरोन। उससे कहो कि अंदर आ जाए। उसे अंदर आने दो।"
शेरोन चली गई और क्रिस किताब के पन्नों को देखता रहा, जैसे कुछ देख ही नहीं पा रहा हो, किसी अस्पष्ट लेकिन बढ़ते हुए डर के पूर्वाभास से जकड़ा हुआ। दरवाज़ा बंद होने की आवाज़। इधर आने की आवाज़। इंतज़ार का एहसास। इंतज़ार? किस चीज़ का? उस जीवंत सपने की तरह जिसे कोई कभी याद नहीं रख पाता, क्रिस को एक ऐसी उम्मीद महसूस हुई जो जानी-पहचानी सी थी, फिर भी अपरिभाषित।
टोपी का किनारा हाथों में मसलते हुए, वह शेरोन के साथ हांफते, लड़खड़ाते और विनम्रता से अंदर आया। पास आते हुए किंडरमैन ने कहा, "मुझे सच में बहुत खेद है। हां, आप व्यस्त हैं। मैं देख सकता हूं। मैं आपको परेशान कर रहा हूं।"
"दुनिया कैसी चल रही है?" क्रिस ने उससे पूछा।
"बहुत बुरा हाल है। और आपकी बेटी कैसी है?"
"कोई परिवर्तन नहीं होता है।"
"मुझे बहुत अफ़सोस है।" नाक से भारी आवाज़ में सांस लेते हुए किंडरमैन अब मेज़ के पास खड़ा था, उसकी झुकी हुई बीगल जैसी आँखें चिंता से नम थीं। "देखिए, मैं तो परेशान भी नहीं होता; मतलब, आपकी बेटी; यह चिंता की बात है। भगवान जाने, जब

मेरी छोटी बेटी जूली बीमार पड़ी थी—क्या, अब? क्या हुआ था? याद नहीं आ रहा। वो —"
"तुम बैठ क्यों नहीं जाते," क्रिस ने बीच में ही टोकते हुए कहा।
"ओह, जी हाँ, बहुत-बहुत धन्यवाद," जासूस ने कृतज्ञतापूर्वक साँस छोड़ते हुए शैरन के सामने वाली कुर्सी पर अपना भारी-भरकम शरीर टिकाया, जो मानो बेखबर होकर टाइप करना जारी रखे हुए थी।
"माफ़ कीजिए। आप क्या कह रहे थे?" क्रिस् ने पूछा।
"अच्छा, मेरी बेटी, वो—ओह, नहीं। छोड़ो। मैं शुरू करती हूँ, मैं तुम्हें अपनी पूरी जीवन कहानी सुना दूँगी, तुम शायद इस पर एक फिल्म बना सकती हो। नहीं, सच में! ये अविश्वसनीय है! अगर तुम्हें मेरे परिवार में होने वाली आधी अजीबोगरीब बातें भी पता होतीं, तो तुम—नहीं। नहीं, छोड़ो। ठीक है, एक! मैं एक बताती हूँ! जैसे मेरी माँ, हर शुक्रवार को हमारे लिए गेफिल्टे फिश बनाती थीं, ठीक है? लेकिन पूरे हफ्ते—पूरे हफ्ते —कोई नहा नहीं पाता था क्योंकि मेरी माँ ने बाथटब में कार्प मछली रखी होती थी, वो इधर-उधर तैरती रहती थी, क्योंकि मेरी माँ कहती थीं कि इससे उसके शरीर का ज़हर निकल जाता है। मतलब, सच में, किसे पता था! किसे पता था कि कार्प मछलियाँ हर समय ये भयानक और दुष्ट, प्रतिशोधी विचार सोचती रहती हैं! ओह, बस अब बहुत हो गया। सच में। बस कभी-कभार हँसी-मज़ाक कर लेते हैं ताकि हम रो न पड़ें।"
क्रिस उसे गौर से देख रहा था। प्रतीक्षा कर रहा था।
"अरे वाह, आप पढ़ रहे हैं!" जासूस जादू-टोने की किताब पर नज़र गड़ाए हुए था। "किसी फिल्म के लिए?"
नहीं, बस समय बिता रहा हूँ।
"अच्छी है?"
मैंने अभी-अभी इसकी शुरुआत की है।
"जादू टोना," किंडरमैन ने गुनगुनाते हुए कहा, पृष्ठ के शीर्ष पर पुस्तक का शीर्षक पढ़ते हुए उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था।
"तो अब ठीक है, क्या चल रहा है?" क्रिस् ने पूछा।
"जी हाँ, मुझे खेद है। आप व्यस्त हैं। मैं इसे पूरा कर लूँगा। जैसा कि मैंने कहा, मैं आपको परेशान नहीं करता, सिवाय इसके कि..."
"लेकिन क्या नहीं?"
अचानक गंभीर होते हुए, जासूस ने पॉलिश की हुई पाइन की मेज पर अपने हाथ जोड़ लिए। "खैर, ऐसा लगता है कि बर्क—"
"धत् तेरे की!" शैरन ने चिढ़कर कहा और टाइपराइटर के प्लैटन से एक चिट्ठी फाड़कर हाथों में मसल दी और फिर उसे लापरवाही से किंडरमैन के पैरों के पास रखे कूड़ेदान में फेंक दिया। किंडरमैन और क्रिस ने उसकी तरफ़ मुड़कर देखा, और जब सेक्रेटरी ने उन्हें देखा, तो उसने कहा, "ओह, मुझे बहुत खेद है! मुझे तो पता ही नहीं था कि आप लोग यहाँ हैं!"
"आप मिस फेनस्टर हैं?" किंडरमैन ने पूछा।
"स्पेंसर," शेरोन ने उसे सुधारते हुए अपनी कुर्सी पीछे सरकाई और फर्श से मुड़ा हुआ पत्र उठाने के लिए उठी, और धीमी आवाज़ में बोली, "मैंने कभी नहीं कहा कि मैं जूलियस इरविंग हूँ।"

"कोई बात नहीं, कोई बात नहीं," जासूस ने उससे कहा और अपने पैर के पास फर्श पर पड़े उस मुड़े हुए पन्ने को उठा लिया।
“ओह, धन्यवाद।” शैरन रुकी और अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गई।
"माफ़ कीजिए—आप सचिव हैं?" किंडरमैन ने उनसे पूछा।
“शेरोन, ये तो—” क्रिस किंडरमैन की ओर मुड़ा। “माफ़ कीजिए,” उसने उससे कहा। “आपका नाम फिर से बताइए?”
“किंडरमैन। विलियम एफ. किंडरमैन।”
“यह शेरोन हैं; शेरोन स्पेंसर।”
विनम्रतापूर्वक सिर झुकाते हुए जासूस ने शेरोन से कहा, "आपसे मिलकर खुशी हुई।" शेरोन अब आगे की ओर झुकी हुई थी, उत्सुकता से उसे देख रही थी, उसकी ठुड्डी टाइपराइटर पर मुड़ी हुई बाँहों पर टिकी हुई थी। जासूस ने आगे कहा, "और शायद आप मेरी मदद कर सकें।"
अपनी बाहों को अभी भी मोड़े हुए, शेरोन उठकर बैठ गई और बोली, "मैं?"
"हां, शायद। श्री डेनिंग्स की मृत्यु वाली रात, आप एक दवा की दुकान पर गए थे और उन्हें घर में अकेला छोड़ दिया था, क्या मैं सही कह रहा हूं?"
"खैर, बिलकुल नहीं। रीगन यहाँ थीं।"
“वह मेरी बेटी है,” क्रिस ने स्पष्ट किया।
"वर्तनी?"
“रेगन,” क्रिस ने उससे कहा।
“बहुत प्यारा नाम,” किंडरमैन ने कहा।
"धन्यवाद।"
जासूस ने शेरोन की ओर मुड़कर पूछा, "क्या डेनिंग्स उस रात श्रीमती मैकनील से मिलने यहाँ आया था?"
"हाँ यह सही है।"
"क्या वह जल्द ही उसके आने की उम्मीद कर रहा था?"
"हां, मैंने उनसे कहा था कि मुझे उम्मीद है कि वह जल्द ही वापस आ जाएंगी।"
“बहुत बढ़िया। और आप किस समय निकले थे? आपको याद है?”
“चलिए देखते हैं। मैं समाचार देख रहा था, तो शायद—अरे नहीं, रुकिए—हाँ, सही कहा। मुझे याद है कि मैं परेशान हो गया था क्योंकि फार्मासिस्ट ने कहा था कि डिलीवरी बॉय घर चला गया है और मैंने कहा, ‘अरे, रहने दो’ या कुछ ऐसा कहा कि अभी तो सिर्फ साढ़े छह बजे ही बजे थे। फिर उसके ठीक दस-बीस मिनट बाद बर्क आ गया।”
“तो, माध्यिका के अनुसार,” जासूस ने निष्कर्ष निकाला, “उसकी लंबाई छह फुट पैंतालीस होनी चाहिए थी। है ना?”
"तो आखिर यह सब क्या है?" क्रिस ने उससे पूछा।
उसके मन में व्याप्त अस्पष्ट तनाव और भी बढ़ गया था।
“खैर, इससे एक सवाल उठता है, श्रीमती मैकनील। सुबह पौने सात बजे घर पहुंचना और सिर्फ बीस मिनट बाद निकल जाना...”
क्रिस ने कंधे उचकाते हुए कहा, "अच्छा, वो तो बर्क ही था। बिलकुल उसी की तरह।"
किंडरमैन ने पूछा, "क्या उसकी आदत ही ऐसी थी कि वह एम स्ट्रीट पर स्थित बारों में अक्सर जाया करता था?"

“नहीं। बिलकुल नहीं। जहाँ तक मुझे पता है, ऐसा नहीं है।”
“नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगा। मैंने थोड़ा पता लगाया। इसलिए उस रात यहाँ से जाने के बाद आपके घर के बगल वाली सीढ़ियों पर होने का उसके पास कोई कारण नहीं था। और क्या टैक्सी से यात्रा करना उसकी आदत नहीं थी? क्या वह आपके घर से निकलते समय टैक्सी नहीं बुलाता?”
“हां, वह ऐसा करता था। कम से कम, वह हमेशा ऐसा ही करता था।”
“तब मन में सवाल उठता है—है ना?—कि वह उस रात वहाँ कैसे और क्यों पहुँचा। और मन में यह भी सवाल उठता है कि टैक्सी कंपनियों के पास उस रात इस घर से की गई कॉलों का कोई रिकॉर्ड क्यों नहीं है, सिवाय उस कॉल के जिसने आपकी मिस स्पेंसर को ठीक छह बजकर सैंतालीस मिनट पर यहाँ से उठाया था।”
उसकी आवाज में रंगत फीकी पड़ गई, क्रिस ने धीरे से कहा, "मुझे नहीं पता।"
“नहीं, मुझे इस बात पर संदेह था,” जासूस ने उससे कहा। “इस बीच, मामला अब कुछ गंभीर हो गया है।”
क्रिस की सांसें धीमी चल रही थीं। "किस तरह से?"
किंडरमैन ने बताया, "पैथोलॉजिस्ट की रिपोर्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि डेनिंग्स की मौत दुर्घटना से होने की संभावना अभी भी बहुत अधिक है। हालांकि..."
"क्या आप कह रहे हैं कि उसकी हत्या की गई थी?"
“खैर, ऐसा लगता है कि स्थिति...” किंडरमैन हिचकिचाया। “मुझे खेद है,” उसने कहा; “यह कष्टदायक होगा।”
"आगे बढ़ो।"
“डेनिंग्स के सिर की स्थिति और गर्दन की मांसपेशियों में एक निश्चित खिंचाव से—”
आंखें बंद करते हुए, क्रिस ने मुंह फुलाकर कहा, "हे भगवान!"
“हाँ, जैसा मैंने कहा, बहुत दर्द हो रहा है। मुझे बहुत अफ़सोस है। सचमुच। लेकिन देखिए, यह स्थिति—मुझे लगता है कि हम शायद ज़्यादा विस्तार से बात न करें—ऐसा तभी हो सकता था जब श्री डेनिंग्स सीढ़ियों से टकराने से पहले कुछ दूरी से गिरे होते; उदाहरण के लिए, शायद बीस-तीस फीट पहले जब वे लुढ़कते हुए नीचे गिरे। तो साफ़ तौर पर एक संभावना यही है कि शायद...” किंडरमैन ने शेरोन की ओर रुख किया। अपनी बाहों को छाती पर बांधे, वह मंत्रमुग्ध होकर और आँखें फाड़कर सुन रही थी।
“अच्छा, अब, पहले मुझे आपसे कुछ पूछना है, मिस स्पेंसर। जब आप निकलीं, तो श्री डेनिंग्स कहाँ थे? बच्चे के साथ?”
नहीं, वह नीचे स्टडी रूम में ड्रिंक बना रहा था।
“क्या आपकी बेटी को याद होगा”—वह क्रिस की ओर मुड़ा—“कि क्या उस रात मिस्टर डेनिंग्स उसके कमरे में थे?”
"तुम क्यों पूछ रहे हो?"
"क्या आपकी बेटी को याद होगा?"
“वह ऐसा कैसे कर सकती थी? जैसा कि मैंने आपको बताया, उसे बहुत अधिक बेहोशी की दवा दी गई थी और—”
"हां, हां, आपने मुझे बताया था; यह सच है; मुझे याद है; लेकिन शायद वह जाग गई थी।"
“नहीं, उसने ऐसा नहीं किया,” क्रिस ने उसे बताया।
"जब हमने आखिरी बार बात की थी तब भी वह बेहोश थी?"

"हां, वह थी।"
मुझे लगा कि मैंने उसे उस दिन उसकी खिड़की पर देखा था।
"खैर, आप गलत हैं।"
“ऐसा हो सकता है। शायद हाँ। मुझे पक्का नहीं पता।”
"सुनो, तुम ये सब क्यों पूछ रहे हो?"
“अच्छा, जैसा कि मैं कह रहा था, एक स्पष्ट संभावना यह है कि मृतक इतना नशे में था कि वह लड़खड़ाकर आपकी बेटी के बेडरूम की खिड़की से गिर गया। क्या ऐसा नहीं है?”
“बिल्कुल नहीं। पहली बात तो यह कि वह खिड़की हमेशा बंद रहती थी, और वैसे भी, बर्क हमेशा नशे में रहता था, लेकिन वह कभी बेकाबू नहीं होता था। बर्क नशे में भी निर्देशन करता था। भला वह लड़खड़ाकर खिड़की से कैसे गिर सकता था?”
"क्या आप उस रात यहाँ किसी और के आने की उम्मीद कर रहे थे?"
“कोई और? नहीं, मैं नहीं था।”
"क्या आपके ऐसे दोस्त हैं जो बिना फोन किए ही आपसे मिलने आ जाते हैं?"
“केवल बर्क।”
जासूस ने अपना सिर झुकाया और हिलाया। "कितना अजीब है," उसने थकी हुई आवाज़ में कहा। "अजीब।" फिर उसने क्रिस की ओर देखा। "मृतक मिलने आता है, सिर्फ़ बीस मिनट रुकता है, तुम्हें देखे बिना, और यहाँ एक बहुत बीमार लड़की को अकेला छोड़कर चला जाता है? और साफ़-साफ़ कहूँ तो, जैसा कि तुम खुद कहते हो, उसके खिड़की से गिरने की संभावना नहीं है। इसके अलावा, गिरने से उसकी गर्दन का वह हाल नहीं हो सकता जो हमें मिला, शायद सौ में एक बार, हज़ार में एक बार ही हो।" उसने जादू-टोने की किताब की ओर इशारा किया। "तुमने उस किताब में रस्मों के तहत हत्या के बारे में पढ़ा है?"
उसकी अनिश्चित आशंका बढ़ती जा रही थी, क्रिस ने धीरे से कहा, "नहीं।"
“शायद उस किताब में नहीं,” किंडरमैन ने कहा। “लेकिन—मुझे माफ़ करना; मैं इसका ज़िक्र सिर्फ़ इसलिए कर रहा हूँ ताकि शायद आप थोड़ा और गहराई से सोचें—श्रीमती मैकनील, बेचारे श्री डेनिंग्स का शव इस हालत में मिला था कि उनकी गर्दन को रस्मों के तहत मरोड़ दिया गया था, मानो किसी शैतान ने उनकी हत्या की हो।”
क्रिस के चेहरे का रंग स्पष्ट रूप से पीला पड़ गया।
“किसी पागल ने मिस्टर डेनिंग्स की हत्या कर दी और—” किंडरमैन रुक गया। “कुछ गड़बड़ है?” उसने पूछा। उसने उसकी आँखों में तनाव और अचानक पीलापन देखा था।
“नहीं, कुछ भी गलत नहीं है। आप आगे बढ़ सकते हैं।”
“मैं आपका आभारी हूँ। पहले तो मैंने आपको इसलिए नहीं बताया ताकि आपको दुख न हो। और वैसे भी, तकनीकी रूप से यह एक दुर्घटना हो सकती है। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। मेरा अनुमान? मेरी राय? मेरा मानना है कि उसकी हत्या किसी ताकतवर आदमी ने की थी: पहला बिंदु; और उसकी खोपड़ी का टूटना—दूसरा बिंदु—साथ ही मैंने जिन बातों का ज़िक्र किया है, उनसे यह बहुत संभव लगता है—संभव, निश्चित नहीं—कि आपके निर्देशक की हत्या की गई और फिर उन्हें आपकी बेटी की खिड़की से धक्का दे दिया गया। लेकिन यहाँ आपकी बेटी के अलावा कोई नहीं था। तो फिर यह कैसे हो सकता है? खैर, एक तरीका हो सकता है: अगर मिस स्पेंसर के जाने और

आपके लौटने के बीच कोई आया हो। ऐसा नहीं है? अब मैं आपसे फिर पूछता हूँ, कृपया: कौन आया होगा?"
क्रिस ने अपना सिर नीचे कर लिया। "यहूदा पुजारी, बस एक सेकंड!"
“हाँ, मुझे खेद है। यह दर्दनाक है। और शायद मैं पूरी तरह गलत हूँ। लेकिन अब आप सोचेंगे? कौन आ सकता था, कृपया?”
सिर झुकाए हुए क्रिस कुछ देर तक सोच में डूबा रहा, फिर उसने ऊपर देखा। "नहीं, मुझे माफ़ करना। मुझे अभी कोई याद नहीं आ रहा है।"
किंडरमैन ने शेरोन की ओर देखा। "शायद आप ही हों, मिस स्पेंसर? कोई आपसे मिलने आया है?"
"अरे नहीं, कोई नहीं।"
“क्या घुड़सवार को पता है कि तुम कहाँ काम करती हो?” क्रिस ने उससे पूछा।
किंडरमैन की भौंहें तन गईं। “घुड़सवार?”
“शेरोन का बॉयफ्रेंड,” क्रिस ने समझाया।
शेरोन ने सिर हिलाया। "वह कभी यहाँ नहीं आया," उसने कहा। "और वैसे भी, वह उस रात बोस्टन में किसी सम्मेलन में था।"
“क्या वह सेल्समैन है?” किंडरमैन ने पूछा।
“एक वकील।”
“आह।” जासूस क्रिस की ओर मुड़ा। “नौकर? उनके यहाँ मेहमान आए हैं?” उसने पूछा।
“नहीं, कभी नहीं। बिलकुल भी नहीं।”
“क्या आपको उस दिन किसी पैकेज की उम्मीद थी? कोई डिलीवरी की?”
"क्यों?"
“श्री डेनिंग्स—मृत व्यक्ति के बारे में बुरा न कहें तो—लेकिन जैसा कि आपने कहा, नशे में वे कुछ हद तक—ठीक है, इसे चिड़चिड़ा स्वभाव कह सकते हैं, और निस्संदेह बहस या क्रोध भड़काने में सक्षम थे, और इस मामले में शायद किसी डिलीवरी वाले को भी गुस्सा दिला सकते थे जो कोई पैकेज लेकर आया था। तो क्या आप किसी चीज़ की उम्मीद कर रहे थे? ड्राई क्लीनिंग, शायद? किराने का सामान? शराब? कोई पैकेज?”
मुझे नहीं पता। कार्ल ही ये सब संभालता है।
“हाँ, बिल्कुल।”
“क्या आप उससे पूछना चाहते हैं? पूछ लीजिए।”
जासूस ने उदास होकर आह भरी। मेज से पीछे झुकते हुए, उसने अपने हाथ कोट की जेबों में डाल लिए और जादू-टोने की किताब पर एक गंभीर नज़र डाली। "छोड़ो, छोड़ो; यह बहुत दूर की बात है। तुम्हारी बेटी बहुत बीमार है, और—बस, अब बहुत हो गया।" उसने बात खत्म करने का इशारा किया। "बस। बैठक यहीं समाप्त होती है।"
वह खड़ा हो गया। "आपके समय के लिए धन्यवाद," उसने क्रिस से कहा, और फिर शेरोन से, "आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा, मिस स्पेंसर।"
"मेरी भी यही हालत है," शेरोन ने दूर से जवाब दिया। वह खाली जगह को घूर रही थी।
“अजीब बात है,” किंडरमैन ने सिर हिलाते हुए कहा। “कितना अजीब; बहुत ही अजीब।” वह किसी विचार में डूबा हुआ था। फिर उसने क्रिस की ओर देखा जो अपनी

कुर्सी से उठी थी। “खैर, मुझे माफ़ करना। मैंने तुम्हें बेवजह परेशान किया,” उसने कहा।
"लो, मैं तुम्हें दरवाजे तक छोड़ देता हूँ," क्रिस ने उससे कहा।
उसके चेहरे के भाव और आवाज दोनों ही दबे हुए थे।
अरे, कृपया परेशान न हों!
इसमें कोई परेशानी नहीं है।
"यदि आप जोर दे रहे हैं।"
“वैसे, संयोगवश,” जासूस ने कहा, जब वह और क्रिस रसोई से बाहर निकल रहे थे, “मुझे पता है, इसकी संभावना लाखों में एक है, लेकिन क्या आप अपनी बेटी से पूछ सकते हैं कि क्या उसने उस रात मिस्टर डेनिंग्स को अपने कमरे में देखा था?”
"देखिए, वैसे भी उसके पास वहां ऊपर होने का कोई कारण नहीं था।"
“हाँ, मुझे पता है; मैं समझता हूँ कि यह सच है; लेकिन अगर कुछ ब्रिटिश डॉक्टरों ने कभी यह सवाल नहीं पूछा होता, ‘यह कवक क्या है?’ तो आज हमारे पास पेनिसिलिन नहीं होती। क्या मैं सही कह रहा हूँ? कृपया पूछिए। आप पूछेंगे ही?”
"जब वह ठीक हो जाएगी, हाँ; मैं पूछूंगा।"
इससे कोई नुकसान नहीं होगा।
वे घर के मुख्य द्वार पर पहुंच चुके थे।
“इस बीच...,” जासूस ने बोलना जारी रखा। लेकिन वह रुक गया, और अपनी दो उंगलियों को होठों से छूते हुए उसने गंभीरता से कहा, “देखिए, मुझे आपसे यह पूछते हुए बहुत दुख हो रहा है। कृपया मुझे क्षमा करें।”
किसी नए झटके की आशंका से क्रिस तनावग्रस्त हो गई और उसे फिर से अपने रक्त प्रवाह में पूर्वाभास का अनुभव हुआ। उसने कहा, "क्या?"
“मेरी बेटी के लिए... क्या आप ऑटोग्राफ दे सकती हैं?” जासूस के गाल लाल हो गए थे। कुछ पल हैरानी के बाद, क्रिस राहत की हंसी हंस पड़ी: खुद पर, निराशा पर और मानवीय स्थिति पर।
“अरे हाँ, बिल्कुल! पेन कहाँ है?”
“यहीं पर!” किंडरमैन ने तुरंत जवाब दिया और अपने कोट की जेब से एक पेन निकालते हुए दूसरे हाथ से जैकेट की जेब में एक विजिटिंग कार्ड निकाला। उसने ये कार्ड क्रिस को दे दिए। “उसे ये बहुत पसंद आएगा।”
“उसका नाम क्या है?” क्रिस ने कार्ड को दरवाजे पर दबाते हुए पूछा, और लिखने के लिए कलम को तैयार रखा। उसके पीछे से केवल घरघराहट की आवाज सुनाई दी, जिससे वह कुछ देर के लिए झिझक गई। उसने चारों ओर देखा, और किंडरमैन की आँखों और लाल होते चेहरे में उसे किसी गहरे आंतरिक संघर्ष का तनाव दिखाई दिया।
“मैंने झूठ बोला,” उसने अंत में कहा, उसकी आँखों में हताशा और चुनौती दोनों झलक रही थी। “यह ऑटोग्राफ मेरे लिए है। इस पर ‘विलियम को – विलियम एफ. किंडरमैन’ लिख देना – पीछे यही लिखा है।”
क्रिस ने उसे फीकी और अप्रत्याशित स्नेह भरी निगाहों से देखा, उसके नाम की वर्तनी जाँची और लिखा, "विलियम एफ. किंडरमैन, मैं तुमसे प्यार करता हूँ! क्रिस मैकनील," और फिर उसे कार्ड दे दिया, जिसे उसने बिना पढ़े ही अपनी जेब में रख लिया।
"आप बहुत अच्छी महिला हैं," उसने शरमाते हुए क्रिस से कहा।

“धन्यवाद। आप बहुत अच्छे इंसान हैं।”
उसका चेहरा और भी लाल हो गया। “नहीं, मैं नहीं हूँ। मैं तो बस एक परेशानी हूँ।” वह दरवाज़ा खोल रहा था। “मैंने आज यहाँ जो कुछ भी कहा, उसे भूल जाइए। अपनी बेटी पर ध्यान दीजिए। आपकी बेटी!”
क्रिस ने सिर हिलाया, उसकी उदासी फिर लौट आई जब किंडरमैन एक चौड़े और नीचे, काले लोहे के गेट वाले बरामदे पर कदम रखा। वह मुड़ा, और दिन के उजाले में उसे फिल्म स्टार की आंखों के नीचे के काले घेरे ज़्यादा स्पष्ट दिखाई दिए। उसने अपनी टोपी पहनी। "लेकिन तुम उससे पूछोगी?" उसने याद दिलाया, और "मैं पूछूंगी," उसने कहा। "मैं वादा करती हूं।"
अच्छा, तो फिर अलविदा। और अपना ख्याल रखना।
"आप भी।"
क्रिस ने दरवाजा बंद किया और फिर उस पर पीछे की ओर झुककर अपनी आँखें बंद कर लीं, लेकिन जैसे ही उसने दरवाजे की घंटी सुनी, उसने तुरंत आँखें खोल दीं। वह मुड़ी और दरवाजा खोला, सामने किंडरमैन खड़ा था। उसने माफी मांगते हुए मुंह बनाया।
“मैं परेशानी का कारण हूँ। मुझे बहुत खेद है। मैं अपना पेन भूल गया था।”
क्रिस ने नीचे देखा तो पाया कि पेन अभी भी उसके हाथ में है। उसने हल्की सी मुस्कान बिखेरी और पेन जासूस को सौंप दिया।
“और एक और बात,” उन्होंने कहा। “हाँ, यह बेकार है, मुझे पता है; लेकिन मुझे पता है कि अगर मैं हर छोटी-मोटी बात को नज़रअंदाज़ करता रहा, तो आज रात मुझे नींद नहीं आएगी, ये सोचकर कि कहीं कोई पागल या नशाखोर तो नहीं घूम रहा है। क्या आपको लगता है कि मैं—नहीं, नहीं, ये बेवकूफी है—हाँ; हाँ, मुझे माफ़ करना, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे सच में ऐसा करना चाहिए। क्या मैं मिस्टर एंगस्ट्रॉम से बात कर सकता हूँ, आपको क्या लगता है? ये डिलीवरी का मामला है, डिलीवरी का सवाल।”
क्रिस ने दरवाजा और चौड़ा खोल दिया। "ज़रूर, अंदर आ जाइए। आप उनसे स्टडी रूम में बात कर सकते हैं।"
नहीं, आप व्यस्त हैं। आप बहुत दयालु हैं, लेकिन बस बहुत हो गया। मैं उनसे यहीं बात कर सकता हूँ। यह ठीक है। यहाँ ठीक है।
वह पीछे की ओर झुक गया था और सीढ़ियों की लोहे की रेलिंग पर आराम कर रहा था।
“अगर तुम ज़िद कर रहे हो,” क्रिस ने हल्की सी मुस्कान के साथ उससे कहा। “मुझे लगता है वो रीगन के साथ ऊपर है। मैं उसे तुरंत नीचे भेज देता हूँ।”
मैं आभारी हूँ।
क्रिस ने दरवाजा बंद कर दिया और कुछ देर बाद कार्ल ने उसे खोल दिया। वह दरवाजे की मूठ पर हाथ रखे, दरवाजा थोड़ा खुला रखते हुए, सीढ़ियों पर उतर आया। सीधा खड़ा होकर, उसने साफ़ और शांत आँखों से सीधे किंडरमैन की ओर देखा। "जी?" उसने बिना किसी भाव के पूछा।
“आपको चुप रहने का अधिकार है,” किंडरमैन ने कार्ल को संबोधित करते हुए कहा, उसकी आँखें अब कठोर थीं और कार्ल पर टिकी हुई थीं। “अगर आप चुप रहने के अधिकार को छोड़ देते हैं,” उसने सपाट और घातक स्वर में तेज़ी से कहा, “आप जो कुछ भी कहेंगे, उसे अदालत में आपके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सकता है।

आपको वकील से बात करने और पूछताछ के दौरान वकील को उपस्थित रखने का अधिकार है। यदि आप चाहें, और वकील का खर्च वहन नहीं कर सकते, तो पूछताछ से पहले आपके लिए नि:शुल्क एक वकील नियुक्त किया जाएगा। क्या आप मेरे द्वारा बताए गए इन सभी अधिकारों को समझते हैं?"
घर के बगल में स्थित एल्डर के पेड़ की शाखाओं में पक्षी मधुरता से चहचहा रहे थे, और एम स्ट्रीट की यातायात की आवाजें उन तक ऐसे धीरे-धीरे पहुंच रही थीं जैसे दूर किसी घास के मैदान में मधुमक्खियों की भिनभिनाहट।
कार्ल की निगाहें जरा भी नहीं हटीं और उसने जवाब दिया, "हां।"
क्या आप चुप रहने के अधिकार को छोड़ना चाहते हैं?
"हाँ।"
"क्या आप किसी वकील से बात करने और पूछताछ के दौरान उसे उपस्थित रखने के अधिकार को छोड़ना चाहते हैं?"
"हाँ।"
"क्या आपने पहले कहा था कि 28 अप्रैल की रात, ब्रिटिश निर्देशक बर्क डेनिंग्स की मृत्यु के दिन, आपने ललित कला रंगमंच में दिखाई जा रही एक फिल्म देखी थी?"
“मैंने किया।”
और आप थिएटर में किस समय दाखिल हुए थे?
"मुझे याद नहीं आ रहा है।"
आपने पहले बताया था कि आप शाम छह बजे वाला शो देखने गए थे। क्या इससे आपको याद रखने में मदद मिलेगी?
“हां, छह बजे वाला शो। मुझे याद आ रहा है।”
“और आपने वो तस्वीर—वो फिल्म—शुरू से देखी?”
“मैंने किया।”
“और आप फिल्म के अंत में ही चले गए?”
“मैंने किया।”
"इससे पहले नही?"
नहीं, मैं पूरी फिल्म देखता हूँ।
“और थिएटर से निकलने के बाद, आपने थिएटर के सामने से डी.सी. ट्रांजिट बस पकड़ी और लगभग रात नौ बजकर बीस मिनट पर एम स्ट्रीट और विस्कॉन्सिन एवेन्यू पर उतरे?”
"हाँ।"
“और पैदल घर गए?”
मैं पैदल घर जाता हूँ।
“और हम रात के लगभग साढ़े नौ बजे इस घर में वापस आ गए थे?”
“मैं ठीक साढ़े नौ बजे वापस आ जाऊंगा,” कार्ल ने जवाब दिया।
आपको पूरा यकीन है।
“हां, मैं अपनी घड़ी देखता हूं। मैं सकारात्मक हूं।”
“और आपने पूरी फिल्म अंत तक देखी?”
“हां, मैंने यही कहा था।”
“श्री एंगस्ट्रॉम, आपके उत्तर इलेक्ट्रॉनिक रूप से रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। इसलिए, मैं चाहता हूं कि आप पूरी तरह से सकारात्मक रहें।”

"मैं हूँ।"
"क्या आपको फिल्म के आखिरी पांच मिनट में एक कर्मचारी और एक नशे में धुत दर्शक के बीच हुई झड़प के बारे में पता है?"
"हाँ मैं मुझे याद है।"
क्या आप मुझे इसका कारण बता सकते हैं?
वह आदमी नशे में था और हंगामा कर रहा था।
और अंत में उन्होंने उसके साथ क्या किया?
“बाहर। उन्होंने उसे बाहर फेंक दिया।”
“ऐसी कोई गड़बड़ी नहीं हुई थी। क्या आपको यह भी पता है कि शाम छह बजे के शो के दौरान लगभग पंद्रह मिनट तक तकनीकी खराबी के कारण फिल्म का प्रदर्शन बाधित हुआ था?”
"मैं नहीं हूँ।"
"आपको याद है कि दर्शकों ने हूटिंग की थी?"
“नहीं, कुछ नहीं। कोई खराबी नहीं।”
“क्या आपको यकीन है?”
"वहाँ कुछ भी नहीं था।"
प्रोजेक्शनिस्ट की लॉगबुक में दर्ज जानकारी के अनुसार, फिल्म उस रात साढ़े आठ बजे नहीं, बल्कि लगभग साढ़े आठ बजे समाप्त हुई थी। इसका मतलब यह है कि थिएटर से सबसे पहली बस आपको एम स्ट्रीट और विस्कॉन्सिन पर साढ़े नौ बजे नहीं, बल्कि साढ़े नौ बजे पहुंचाएगी। इसलिए, आप घर पर साढ़े नौ बजे नहीं, बल्कि लगभग पौने पांच बजे ही पहुंच सकते थे, जैसा कि श्रीमती मैकनील ने भी बताया है। क्या आप इस पेचीदा विसंगति पर कुछ टिप्पणी करना चाहेंगे?
एक पल के लिए भी कार्ल ने अपना संयम नहीं खोया था और अब भी उसने शांत भाव से जवाब देते हुए कहा, "नहीं। मैं ऐसा नहीं करूंगा।"
जासूस उसे चुपचाप देखता रहा, फिर आह भरी और अपनी कोट की अस्तर में रखे मॉनिटर कंट्रोल को बंद करते हुए नीचे देखने लगा। उसने कुछ पल के लिए अपनी निगाहें नीचे टिकाए रखीं, फिर कार्ल की ओर देखा। "श्रीमान एंगस्ट्रॉम...", उसने थकी हुई और समझदारी भरी आवाज़ में कहना शुरू किया। “एक गंभीर अपराध हुआ हो सकता है। आप संदेह के घेरे में हैं। श्री डेनिंग्स ने आपका यौन शोषण किया। मुझे यह जानकारी अन्य सूत्रों से मिली है। और ऐसा लगता है कि आपने उनकी मृत्यु के समय अपनी उपस्थिति के बारे में झूठ बोला है। अब कभी-कभी ऐसा हो जाता है—हम इंसान हैं; क्यों नहीं?—कि एक विवाहित पुरुष कभी-कभी ऐसी जगह पर होता है जहाँ वह होने का दावा नहीं करता। आपने ध्यान दिया होगा कि मैंने यह व्यवस्था की है कि हम अकेले में बात करें? दूसरों से दूर? आपकी पत्नी से दूर? मैं अब रिकॉर्डिंग नहीं कर रहा हूँ। यह बंद है। आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। अगर उस रात आप अपनी पत्नी के अलावा किसी और महिला के साथ थे, तो आप मुझे बता सकते हैं, मैं इसकी जाँच करवा लूँगा, आप इस मुसीबत से बच जाएँगे और आपकी पत्नी को पता भी नहीं चलेगा। तो अब मुझे बताइए, डेनिंग्स की मृत्यु के समय आप कहाँ थे?”
कार्ल की आंखों की गहराई में कुछ चमक उठा, लेकिन फिर वह चमक फीकी पड़ गई जब उसने सिकुड़े होंठों से जोर देकर कहा, "फिल्मों में!"

जासूस उसे लगातार देखता रहा, वह बिना हिले-डुले, बस उसकी घरघराहट की आवाज़ निकालता रहा, जैसे-जैसे सेकंड बीतते गए। फिर, "क्या आप मुझे गिरफ्तार करने वाले हैं?" कार्ल ने कांपती हुई आवाज़ में पूछा।
जासूस ने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि बिना पलक झपकाए उसे देखता रहा। जब कार्ल फिर से कुछ बोलने ही वाला था, तो जासूस अचानक रेलिंग से हटकर अपनी खड़ी पुलिस कार और ड्राइवर की ओर बढ़ा। उसके हाथ जेब में थे और वह धीरे-धीरे चल रहा था, मानो शहर में आया कोई जिज्ञासु पर्यटक हो। सीढ़ियों से कार्ल देखता रहा, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। किंडरमैन ने पुलिस कार का दरवाज़ा खोला, डैशबोर्ड पर लगे क्लीनेक्स के डिब्बे में हाथ डाला, एक टिश्यू निकाला और नाक पोंछी, साथ ही नदी के उस पार यूं ही देखता रहा, मानो सोच रहा हो कि मैरियट हॉट शॉप में दोपहर का खाना खाए या नहीं। फिर वह बिना पीछे मुड़े पुलिस कार में बैठ गया।
जैसे ही कार आगे बढ़ी और पैंतीसवीं स्ट्रीट के कोने पर मुड़ी, कार्ल ने उस हाथ की ओर देखा जो दरवाजे के हैंडल पर नहीं था।
वह कांप रहा था।
जब उसने सामने का दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ सुनी, तो क्रिस स्टडी रूम के बार में बैठी सोच में डूबी हुई थी और बर्फ़ के साथ वोदका का गिलास भर रही थी। कदमों की आहट। कार्ल सीढ़ियों से ऊपर जा रहा था। क्रिस ने अपना गिलास उठाया, एक घूंट लिया और फिर अपनी तर्जनी उंगली से गिलास को हिलाते हुए, खोई-खोई नज़रों से धीरे-धीरे रसोई की ओर चल पड़ी। कुछ तो बहुत गलत था। जैसे कहीं दूर किसी अंधेरे गलियारे में दरवाजे के नीचे से रोशनी रिस रही हो, वैसे ही आने वाले डर की चमक उसके मन में धीरे-धीरे गहरी होती जा रही थी। दरवाजे के पीछे क्या था?
उसे इसे खोलकर देखने में डर लग रहा था।
वह रसोई में दाखिल हुई, मेज पर बैठी, अपने पेय की चुस्की ली और उदास मन से सोचने लगी, "मुझे लगता है कि उसे किसी ताकतवर आदमी ने मारा था।" उसने अपनी नज़र जादू-टोने की किताब पर डाली। उसमें या उसके बारे में कुछ लिखा था। क्या?
तभी नीचे से हल्के कदमों की आहट सुनाई दी, शैरन रीगन के शयनकक्ष से लौट रही थी। अंदर आकर, मेज पर बैठी और आईबीएम टाइपराइटर के रोलर पर नए स्टेशनरी पेपर लगाने लगी। "काफी डरावना," उसने धीरे से कहा, उसकी उंगलियां कीबोर्ड पर हल्की सी टिकी थीं और उसकी नज़र बगल में रखे स्टेनोग्राफर के नोट्स पर थी।
क्रिस बेसुध होकर अपनी ड्रिंक की चुस्की ले रही थी, फिर उसे नीचे रख दिया और अपनी नजरें किताब के कवर पर वापस टिका दीं।
कमरे में बेचैनी का माहौल छाया हुआ था।
अपनी नोट्स पर नज़रें गड़ाए, शेरोन ने तनाव भरी, धीमी आवाज़ में चुप्पी को कुरेदते हुए पूछा, “एम स्ट्रीट और विस्कॉन्सिन के आस-पास हिप्पियों के बहुत सारे अड्डे हैं। बहुत सारे गांजा पीने वाले, तांत्रिक और ऐसे ही लोग। पुलिस उन्हें ‘नरक के कुत्ते’ कहती है। मुझे लगता है कि बर्क ने शायद—”
“अरे यार, शार!” क्रिस अचानक भड़क उठा। “बस इसे भूल जाओ, प्लीज़? मैं रैग्स के बारे में ही सोच रहा हूँ! क्या तुम्हें कोई आपत्ति है?”
कुछ देर का सन्नाटा छा गया, फिर शैरन तेज़ी से टाइप करने लगी जबकि क्रिस ने अपनी कोहनियाँ मेज़ पर टिका दीं और अपना चेहरा हाथों में छिपा लिया। अचानक

शैरन ने लकड़ी पर लकड़ी रगड़ने की आवाज़ के साथ अपनी कुर्सी पीछे धकेली, झटके से उठी और रसोई से बाहर निकल गई। "क्रिस, मैं टहलने जा रही हूँ!" उसने ठंडे स्वर में कहा।
“अच्छा! और एम स्ट्रीट से बिल्कुल दूर रहना!” क्रिस ने गुस्से में उसके हाथों में मुंह छिपा लिया।
"मैं करूँगा!"
और एन!
क्रिस ने सामने का दरवाज़ा खुलते और फिर बंद होते सुना, और आह भरते हुए उसने अपने हाथ नीचे कर लिए और ऊपर देखा। उसे अफ़सोस हुआ। भावनाओं के उथल-पुथल ने तनाव को कम कर दिया था। लेकिन पूरी तरह से नहीं: हालाँकि धुंधला सा, उसकी चेतना के किनारे पर, वह अशुभ चमक अभी भी मौजूद थी। इसे दूर भगाओ! क्रिस ने गहरी साँस ली और किताब पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। उसने अपना पृष्ठ ढूँढ़ा और अधीर होकर, जल्दी-जल्दी पन्ने पलटने लगी, रीगन के लक्षणों से मेल खाने वाले विशिष्ट विवरणों को खोजने लगी। "...शैतानी कब्जे का सिंड्रोम... एक आठ साल की बच्ची का मामला... असामान्य... उसे रोकने के लिए चार ताकतवर आदमी..."
एक पन्ना पलटते ही क्रिस थम गया।
फिर आवाज आती है: विली किराने का सामान लेकर रसोई में प्रवेश करता है।
"विली?" क्रिस ने भावहीनता से उसे पुकारा, उसकी आँखें किताब पर टिकी हुई थीं।
“जी मैडम। मैं यहीं हूँ,” विली ने जवाब दिया। वह किराने के सामान से भरे थैले सफेद टाइलों वाले काउंटर पर रख रही थी। बेजान आँखों और भावहीन, सपाट आवाज़ में, और कांपती उंगलियों से अपनी जगह को थामे हुए, क्रिस ने आधी बंद जादू-टोने की किताब को ऊपर उठाते हुए पूछा, “विली, क्या तुमने ही यह किताब स्टडी रूम में रखी थी?”
विली कुछ कदम और करीब आई, किताब को ध्यान से देखा, संक्षेप में सिर हिलाया, और जैसे ही वह मुड़कर किराने के सामान की ओर वापस जाने लगी, उसने उत्तर दिया, "जी मैडम। जी हाँ। जी हाँ, मैंने इसे रख दिया है।"
"विली, तुम्हें यह कहाँ मिला?" क्रिस ने बेजान आवाज में पूछा।
"ऊपर बेडरूम में," विली ने जवाब दिया और साथ ही उसने किराने का सामान बैग से निकालकर किचन काउंटर पर रखना शुरू कर दिया।
क्रिस ने किताब के पन्नों को टकटकी लगाकर देखा, जो अब वापस मेज पर रखे थे और उसके पृष्ठ पर खुले हुए थे। "कौन सा कमरा, विली?"
"मिस रीगन के बेडरूम में, मैडम। सफाई करते समय मुझे यह बिस्तर के नीचे मिला।"
उसकी आवाज सुन्न थी, उसकी आंखें चौड़ी और टकटकी लगाए घूर रही थीं, क्रिस ने ऊपर देखा और कहा, "तुम्हें यह कब मिला?"
"आखिरकार अस्पताल जाओ, मैडम; जब मैं रीगन के बेडरूम में वैक्यूम क्लीनर चलाती हूँ।"
"विली, क्या तुम बिल्कुल निश्चित हो?"
"मुझे यकीन है।"

क्रिस ने किताब के पन्नों पर नज़र डाली और कुछ पल के लिए हिली-डुली नहीं, पलकें नहीं झपकाईं, सांस भी नहीं ली, क्योंकि डेनिंग्स की दुर्घटना वाली रात रीगन के बेडरूम की खुली खिड़की की छवि उसके दिमाग में ऐसे कौंध गई जैसे कोई शिकारी पक्षी उसका नाम जानता हो; जैसे उसने उस दृश्य को पहचाना जो इतना सुन्न कर देने वाला परिचित था; जैसे वह खुली किताब के दाहिने पन्ने को घूर रही थी, जिसके किनारे से एक पतली पट्टी कटी हुई थी।
क्रिस ने अपना सिर झटक कर ऊपर उठाया। रीगन के बेडरूम में कुछ हलचल थी: खटखटाहट की तेज़ और ज़ोरदार आवाज़, एक भयानक गूंज के साथ जो बहुत बड़ी थी फिर भी किसी तरह दबी हुई थी, जैसे किसी प्राचीन मकबरे के अंदर चूना पत्थर की दीवार पर हथौड़ा मारा जा रहा हो।
रीगन पीड़ा से चीख रही थी; आतंक से; गिड़गिड़ा रही थी!
कार्ल गुस्से से, डरते हुए, रीगन पर चिल्ला रहा था!
क्रिस रसोई से भाग निकला।
हे भगवान! ये क्या हो रहा है? क्या!
घबराई हुई क्रिस सीढ़ियों की ओर भागी, दूसरी मंजिल पर दौड़ी और फिर रीगन के बेडरूम की ओर बढ़ी, तभी उसे एक जोरदार आवाज सुनाई दी, किसी के लड़खड़ाने की आवाज, किसी के फर्श पर गिरने की आवाज और उसकी बेटी के रोने की आवाज, "नहीं! ओह, नहीं, मत करो! ओह, नहीं, कृपया!" और कार्ल की दहाड़! नहीं! नहीं, कार्ल नहीं! कोई और, भारी, धमकी भरी और गुस्से से भरी आवाज में!
क्रिस गलियारे से नीचे भागा और बेडरूम में घुस गया, फिर ज़ोरदार दस्तक की आवाज़ से हांफने लगा और दीवारों में कंपन होने पर सदमे से जड़वत खड़ा रह गया; कार्ल दराज के पास फर्श पर बेहोश पड़ा था और रीगन अपने पैरों को फैलाकर एक ऐसे बिस्तर पर लेटी थी जो बुरी तरह हिल रहा था, उसकी आंखें डर से चौड़ी हो गई थीं और चेहरा खून से सना हुआ था जो उसकी नाक से टपक रहा था जहां से नासोगैस्ट्रिक ट्यूब को जबरदस्ती निकाल दिया गया था, उसकी आंखें डर से चौड़ी हो गई थीं और वह एक हड्डी जैसे सफेद क्रूस को घूर रही थी जो हवा में उसके ठीक ऊपर थाम कर रखा था और सीधे उसकी योनि की ओर निशाना साध रहा था। "ओह, कृपया! ओह, नहीं, कृपया!" वह चीख रही थी और उसके हाथ क्रूस को और करीब ला रहे थे जबकि वह उसे रोकने की पूरी कोशिश कर रही थी।
"तुम वही करोगे जो मैं तुमसे कहूँ, गंदे! तुम वही करोगे!"
धमकी भरी दहाड़, वो शब्द, रीगन की कर्कश, गहरी और विष से भरी आवाज में निकले, और पल भर में ही उसके चेहरे और हाव-भाव भयानक रूप से उस जंगली, राक्षसी व्यक्तित्व में बदल गए जो सम्मोहन के दौरान प्रकट हुआ था, और क्रिस ने स्तब्ध होकर देखा कि चेहरे और आवाजें तेजी से बदल रही थीं:
"नहीं!"
तुम कर लोगे!
नहीं! कृपया नहीं!
"तुम ऐसा करोगी, कमीनी, वरना मैं तुम्हें मार डालूंगा!"
और अब दृश्य रीगन की ओर लौटता है, उसकी आँखें चौड़ी और घूरती हुई हैं, मानो किसी भयानक अंत के आवेग से काँप रही हों, उसका मुँह खुला हुआ है और वह चीख रही है, जब तक कि एक बार फिर शैतानी व्यक्तित्व उस पर हावी नहीं हो जाता, उसे

भर नहीं देता, कमरा अचानक नाक में दुर्गंध से भर जाता है, दीवारों से रिसती हुई बर्फीली ठंडक महसूस होती है, जैसे ही खटखटाहट की आवाज़ें बंद होती हैं और रीगन की आतंक भरी चीख एक कर्कश, चीखती हुई द्वेषपूर्ण हँसी में बदल जाती है, जबकि वह क्रूस को अपनी योनि में बार-बार डालती है, और उससे ज़ोर-ज़ोर से हस्तमैथुन करती है, अपनी गहरी, कर्कश, बहरा कर देने वाली आवाज़ में दहाड़ते हुए कहती है, "अब तू मेरी है, कुतिया, बदबूदार गाय! हाँ, यीशु तुझे चोदे, चोदे, चोदे!"
क्रिस भय से जड़वत फर्श पर खड़ी रह गई, उसके हाथ उसके गालों पर कसकर दबे हुए थे क्योंकि एक बार फिर राक्षसी, तेज हंसी खुशी से गूंज उठी, रीगन की योनि से खून बहकर सफेद चादरों पर फैल गया, और फिर अचानक, उसके गले से एक कर्कश और चीरती हुई चीख निकली, क्रिस बिस्तर की ओर दौड़ी, अंधाधुंध क्रूस को पकड़ने की कोशिश की, जबकि, उसके चेहरे पर भयानक क्रोध छाया हुआ था, रीगन उस पर क्रोधित होकर भड़क उठी और एक हाथ बढ़ाकर क्रिस के बालों को पकड़ लिया और, उसका सिर नीचे की ओर जोर से खींचते हुए, क्रिस का चेहरा अपनी योनि से कसकर दबा दिया, जिससे वह खून से लथपथ हो गई, और रीगन ने अपने कूल्हों को हिलाया।
“आह्ह्ह, नन्ही सुअर माँ!” रीगन ने कर्कश कामुकता से भरी आवाज़ में कहा। “मुझे चाटो, मुझे चाटो, मुझे चाटो! आह्ह्ह्ह!” तभी जिस हाथ से उसने क्रिस का सिर नीचे दबा रखा था, उसने उसे झटके से ऊपर की ओर उछाला, जबकि दूसरे हाथ ने उसकी छाती पर ज़ोरदार प्रहार किया जिससे क्रिस कमरे में इधर-उधर लुढ़कती हुई दीवार से जा टकराई और रीगन उपहास भरी हंसी हंसने लगी।
क्रिस दहशत से व्याकुल होकर फर्श पर गिर पड़ी, कमरे में छवियों और आवाजों का एक बवंडर उमड़ रहा था, उसकी दृष्टि धुंधली, अस्पष्ट और विचलित हो रही थी, उसके कान अव्यवस्थित विकृतियों से गूंज रहे थे। उसने कमजोरी से खुद को उठाने की कोशिश की, फर्श पर हाथों से जोर लगाते हुए, और लड़खड़ाते हुए बिस्तर की ओर, रीगन की ओर देखा, जिसकी पीठ उसकी ओर थी, जो क्रूस को धीरे से और कामुकता से अपनी योनि में डाल रही थी, फिर बाहर, फिर अंदर, अपनी गहरी, भारी आवाज में गुनगुनाते हुए, "आह, ये रही मेरी सुअरनी, हाँ, मेरी प्यारी हनी पिगलेट, मेरी—"
क्रिस दर्द से कराहते हुए बिस्तर की ओर रेंगने लगी, उसका चेहरा खून से सना हुआ था, उसकी आँखें अभी भी धुंधली थीं, उसके अंग दर्द कर रहे थे, और फिर वह डर के मारे कांप उठी, अविश्वास से पीछे हट गई क्योंकि उसे धुंधला सा दिखाई दिया, मानो लहराते कोहरे में, उसकी बेटी का सिर एक गतिहीन धड़ पर धीरे-धीरे और लगातार पूरी तरह घूम रहा था, जब तक कि अंत में क्रिस सीधे बर्क डेनिंग्स की लोमड़ी जैसी, गुस्से वाली आँखों में नहीं देख रही थी।
"क्या तुम्हें पता है तुम्हारी उस कमीनी बेटी ने क्या किया?"
क्रिस तब तक चीखती रही जब तक वह बेहोश नहीं हो गई।

खाई

उन्होंने कहा, “आप हमें कौन सा संकेत दिखा सकते हैं, जिससे हम विश्वास कर सकें।”
यूहन्ना 6:30-31

"तुमने देखा तो है, लेकिन विश्वास नहीं करते।"
यूहन्ना 6:36–37

अध्याय एक

वह की ब्रिज के फुटपाथ पर खड़ी थी, बाहें रेलिंग पर रखे, बेचैनी से इंतज़ार कर रही थी, जबकि उसके पीछे घर की ओर जाने वाले वाहनों का शोरगुल छाया हुआ था। रोज़मर्रा की चिंताओं में डूबे ड्राइवर हॉर्न बजा रहे थे और गाड़ियाँ बेपरवाही से एक-दूसरे से टकरा रही थीं। वह मैरी जो तक पहुँच चुकी थी। उसने उससे झूठ बोला था।
“रीगन ठीक है। वैसे, मैं एक और छोटी डिनर पार्टी के बारे में सोच रही थी। उस जेसुइट मनोचिकित्सक का नाम क्या था? मैंने सोचा कि शायद मैं उसे भी शामिल कर लूँ...”
नीचे से हंसी की आवाज़ आई: नीली जींस पहने एक युवा जोड़ा किराए की नाव में था। उसने घबराते हुए जल्दी से अपनी सिगरेट की राख झाड़ी, जो उसके पैकेट में आखिरी थी, और पुल के फुटपाथ पर ज़िले की ओर देखा। कोई उसकी ओर तेज़ी से आ रहा था: खाकी पैंट और नीला स्वेटर; कोई पादरी नहीं; वह नहीं। उसने फिर से नदी की ओर देखा, चमकीली लाल नाव के पीछे अपनी बेबसी को उमड़ते हुए देखा। वह नाव के किनारे पर लिखा नाम पढ़ सकी: कैप्रीस।
कदमों की आहट: चिनो पैंट और स्वेटर पहने वह आदमी करीब आ रहा था, उसके पास पहुँचते ही उसकी चाल धीमी हो गई। उसने किनारे से देखा कि उसने अपना एक हाथ दीवार की चौखट पर टिका दिया है और उसने तुरंत अपनी नज़र वर्जीनिया की ओर घुमा ली। कोई और ऑटोग्राफ मांगने वाला? या इससे भी बुरा?
“क्रिस मैकनील?”
क्रिस ने सिगरेट का टुकड़ा नदी में फेंकते हुए ठंडे स्वर में कहा, "चलते रहो, वरना कसम से, मैं पुलिस को बुला लूंगी!"
“मिस मैकनील? मैं फादर कैरेस हूँ।”

क्रिस चौंक गई, फिर उसका चेहरा लाल हो गया और वह झट से उस खुरदुरे, बिखरे चेहरे की ओर मुड़ गई। "हे भगवान! ओह, मुझे बहुत अफ़सोस है!" वह घबराई हुई अपनी धूप का चश्मा खींच रही थी, फिर जैसे ही उस उदास, गहरी आँखों ने उसकी आँखों में देखा, उसने तुरंत उसे वापस लगा लिया।
मुझे आपको बता देना चाहिए था कि मैं वर्दी में नहीं रहूंगा।
आवाज उसे सुकून दे रही थी, उसके बोझ को उतार रही थी। पादरी ने अपने हाथ दीवार की चौखट पर जोड़ रखे थे, उनकी नसें उभरी हुई थीं, संवेदनशील और विशाल। "मुझे लगा था कि यह इतना ध्यान खींचने वाला नहीं होगा," उन्होंने आगे कहा। "तुम इसे चुपचाप रखने के लिए बहुत चिंतित लग रही थीं।"
“मुझे लगता है कि मुझे इस बात की चिंता करनी चाहिए थी कि मैं खुद को इतना बेवकूफ न बना लूँ,” क्रिस ने पलटवार किया। “मुझे तो बस लगा था कि तुम—”
“इंसान?” कैरस ने हल्की, व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ बात खत्म की।
क्रिस ने उसे गौर से देखा, और फिर सिर हिलाते हुए और मुस्कुराते हुए कहा, "हाँ। हाँ, मुझे यह पहली बार में ही पता चल गया था जब मैंने तुम्हें देखा था।"
"वह कब था?"
“एक दिन कैंपस में शूटिंग के दौरान, पिताजी, क्या आपके पास सिगरेट है?”
कैरास ने अपनी कमीज की जेब में हाथ डाला।
"क्या आप बिना फिल्टर वाला विकल्प चुन सकते हैं?"
"अभी तो मैं रस्सी का धुआँ भी पी सकता हूँ।"
"मुझे जो भत्ता मिलता है, उससे मैं अक्सर ऐसा करता हूं।"
क्रिस ने हल्की मुस्कान के साथ सिर हिलाया। "हाँ, ठीक है। गरीबी की प्रतिज्ञा," उसने बुदबुदाते हुए कहा और पादरी द्वारा दिए गए पैकेट से एक सिगरेट निकाल ली। कैरस ने माचिस के लिए अपनी पतलून की जेब में हाथ डाला।
उन्होंने कहा, "गरीबी का व्रत लेने के भी अपने फायदे हैं।"
“ओह हाँ? मतलब क्या?”
“इससे रस्सी का स्वाद बेहतर हो जाता है।” क्रिस के हाथ में सिगरेट थी, उसे देखते हुए उसके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ गई। उसका हाथ कांप रहा था, सिगरेट तेज़ी से और अनियमित रूप से हिल रही थी। बिना रुके उसने क्रिस की उंगलियों से सिगरेट छीन ली, उसे अपने मुंह तक ले गया और माचिस को हाथों में लेकर सिगरेट जलाई, एक कश लिया और फिर क्रिस को वापस देते हुए कहा, “इन गाड़ियों के आने-जाने से बहुत तेज़ हवा चल रही है।”
क्रिस ने कृतज्ञता और आशा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। वह जानती थी कि उसने क्या किया है। "धन्यवाद, पिताजी," उसने कहा, और फिर उसने देखा कि उसने अपने लिए एक सिगरेट जलाई। वह अपने हाथों को कप की तरह ढकना भूल गया। जैसे ही उसने साँस छोड़ी, दोनों ने अपनी-अपनी कोहनी दीवार पर टिका दी।
“आप कहाँ से हैं, फादर कैरस? मेरा मतलब है, मूल रूप से कहाँ से हैं?”
उन्होंने कहा, "न्यूयॉर्क।"
मैं भी। लेकिन मैं कभी वापस नहीं जाऊँगा। क्या आप जाएँगे?
कैरास ने गले में अटके हुए स्वर को बड़ी मुश्किल से दबाया। "नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा।" उसने हल्की सी मुस्कान बिखेरी। "लेकिन मुझे ये फैसले लेने की ज़रूरत नहीं है।"

क्रेस ने अपना सिर हिलाया और दूसरी तरफ देखने लगी। "हे भगवान, मैं कितनी बेवकूफ हूँ," उसने कहा। "आप एक पुजारी हैं। आपको वहीं जाना होगा जहाँ वे आपको भेजें।"
"यह सही है।"
एक मनोचिकित्सक भला पुजारी कैसे बन सकता है?
वह यह जानने के लिए बेचैन था कि घर पर फोन करते समय उसने जिस अहम समस्या का जिक्र किया था, वह क्या थी। उसे लगा कि वह किसी नतीजे पर पहुंचने की कोशिश कर रही थी—लेकिन किस ओर? उसे ज्यादा पूछना नहीं चाहिए था। जवाब अपने आप मिल जाएगा। "बात इसके उलट है," उसने धीरे से उसे सुधारा। "समाज—"
"कौन?"
“सोसाइटी ऑफ जीसस। जेसुइट इसका संक्षिप्त रूप है।”
"ओह, मैं समझा।"
"इस संस्था ने मुझे मेडिकल स्कूल और मनोचिकित्सा प्रशिक्षण के लिए भेजा।"
"कहाँ?"
"अच्छा, ठीक है, हार्वर्ड; जॉन्स हॉपकिंस। इस तरह की जगहें।"
उसे अचानक एहसास हुआ कि वह उसे प्रभावित करना चाहता है। क्यों? उसने सोचा; और तुरंत ही उसे अपने बचपन की झुग्गियों में, लोअर ईस्ट साइड के सिनेमाघरों की बालकनियों में इसका जवाब मिल गया। लिटिल डिम्मी एक फिल्म स्टार के साथ।
क्रिस ने सहमति में सिर हिलाया। "बुरा नहीं है," उसने कहा।
हम मानसिक अभाव की प्रतिज्ञा नहीं लेते हैं।
उसे थोड़ी झुंझलाहट महसूस हुई; उसने कंधे उचकाए; फिर सामने मुड़कर नदी की ओर देखने लगी। “देखो, बात बस इतनी सी है कि मैं तुम्हें जानती नहीं, और...” उसने सिगरेट का लंबा कश लिया, फिर धुआं छोड़ते हुए सिगरेट का टुकड़ा दीवार पर कुचल दिया और नदी में फेंक दिया, “तुम फादर डायर के दोस्त हो, है ना?”
"हाँ मैं हूँ।"
"काफी हद तक सही?"
"काफी हद तक सही।"
क्या उन्होंने पार्टी के बारे में बात की?
“आपके घर पर?”
मेरे घर पर।
"हां, उसने कहा कि तुम इंसान जैसे दिखते हो।"
उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया; या इसे अनदेखा कर दिया। "क्या उसने मेरी बेटी के बारे में बात की?"
नहीं, मुझे नहीं पता था कि आपके पास एक है।
“वह बारह साल की है। उसने उसका ज़िक्र तक नहीं किया?”
"नहीं।"
"उसने आपको यह नहीं बताया कि उसने क्या किया?"
उन्होंने कभी उसका जिक्र नहीं किया।
तो फिर पुजारी लोग काफी कम बोलते हैं; क्या यह सही है?
“यह इस पर निर्भर करता है,” कैरस ने उत्तर दिया।
“किस पर?”

“पुजारी पर।”
जेसुइट के ध्यान के हाशिये पर पुजारियों के प्रति विक्षिप्त आकर्षण रखने वाली महिलाओं के बारे में एक चेतावनी मंडरा रही थी, ऐसी महिलाएं जो अचेतन रूप से और किसी अन्य समस्या के बहाने, अप्राप्य को लुभाने की इच्छा रखती थीं।
"देखो, मेरा मतलब है जैसे कबूलनामा। तुम्हें इसके बारे में बात करने की इजाज़त नहीं है, है ना?"
"हाँ यह सही है।"
“और कबूलनामे के अलावा?” उसने उससे पूछा। “मेरा मतलब है, अगर कोई...” उसके हाथ अब बेचैन थे; फड़फड़ा रहे थे। “मुझे जिज्ञासा है। मैं... नहीं। नहीं, मैं सच में जानना चाहती हूँ। मेरा मतलब है, मान लीजिए, कोई व्यक्ति अपराधी हो, जैसे शायद कोई हत्यारा या कुछ और? अगर वह मदद के लिए आपके पास आए, तो क्या आपको उसे पुलिस के हवाले करना पड़ेगा?”
क्या वह मार्गदर्शन की तलाश में थी? क्या वह धर्म परिवर्तन के मार्ग में अपने संदेह दूर कर रही थी? कैरस जानता था कि कुछ लोग मोक्ष को ऐसे देखते हैं मानो वह किसी खाई के ऊपर लटके हुए एक कमज़ोर पुल के अंत में हो। "अगर वह आध्यात्मिक सहायता के लिए मेरे पास आता, तो मैं कहता, नहीं," उसने उत्तर दिया।
"तुम उसे पुलिस के हवाले नहीं करोगे?"
“नहीं, मैं ऐसा नहीं करूंगा। लेकिन मैं उसे आत्मसमर्पण करने के लिए मनाने की कोशिश करूंगा।”
और भूत भगाने की प्रक्रिया कैसे की जाती है?
कैरास के घूरते रहने के दौरान कुछ देर का सन्नाटा छा गया।
"क्षमा करें?" उसने अंत में कहा।
"अगर कोई व्यक्ति किसी प्रकार के भूत-प्रेत से ग्रसित है, तो आप भूत भगाने की प्रक्रिया कैसे करवाते हैं?"
कैरास ने इधर-उधर देखा, गहरी सांस ली, फिर उसकी ओर मुड़ी। "अच्छा, तो पहले आपको उसे एक टाइम मशीन में बिठाकर सोलहवीं सदी में वापस भेजना होगा।"
क्रिस असमंजस में पड़ गया और उसने भौंहें चढ़ा लीं। "तुम्हारा क्या मतलब है?"
"खैर, अब ऐसा होता ही नहीं है।"
"अरे, सच में? कब से?"
“कब से? जब से हमने मानसिक बीमारी, सिज़ोफ्रेनिया और स्प्लिट पर्सनैलिटी के बारे में सीखा; वो सारी चीजें जो मुझे हार्वर्ड में सिखाई गईं।”
क्या तुम मजाक कर रहे हो?
क्रिस की आवाज़ लड़खड़ा गई थी, असहाय और भ्रमित लग रही थी, और कैरस को तुरंत अपने इस हल्के-फुल्के व्यवहार पर पछतावा हुआ। यह कहाँ से आया? उसने सोचा। यह अनायास ही उसकी ज़बान पर आ गया था।
उन्होंने नरम स्वर में कहा, "कई शिक्षित कैथोलिक अब शैतान में विश्वास नहीं करते; और जहां तक भूत-प्रेत के प्रभाव की बात है, जिस दिन से मैं जेसुइट्स में शामिल हुआ हूं, मैंने अपने जीवन में कभी किसी ऐसे पादरी से मुलाकात नहीं की जिसने भूत-प्रेत भगाने का अनुष्ठान किया हो। एक भी नहीं।"
“ओह, क्या आप सच में पादरी हैं या सेंट्रल कास्टिंग से आए हैं?” क्रिस ने अचानक कड़वे, निराश लहजे में कहा। “मेरा मतलब है, बाइबल में ईसा मसीह द्वारा दुष्ट

आत्माओं को भगाने की कहानियों का क्या हुआ?”
कैरास ने गुस्से में आकर तुरंत जवाब दिया, "देखिए, अगर ईसा मसीह ने कहा होता कि जिन लोगों पर भूत-प्रेत का साया था, उन्हें सिज़ोफ्रेनिया था, जैसा कि मुझे लगता है कि उन्होंने कहा होगा, तो शायद उन्हें तीन साल पहले ही सूली पर चढ़ा दिया गया होता।"
“ओह, सच में?” क्रिस ने कांपते हाथों से अपने धूप के चश्मे को छुआ और खुद पर काबू पाने की कोशिश में अपनी आवाज़ को भारी कर लिया। “जी हां, फादर कैरस, मेरे किसी बहुत करीबी पर शायद भूत-प्रेत का साया है और उसे झाड़-फूंक की ज़रूरत है। क्या आप यह करेंगे?”
कैरास को अचानक सब कुछ अवास्तविक सा लगने लगा: की ब्रिज; गाड़ियों का आवागमन; नदी के उस पार, हॉट शॉप में फ्रोजन मिल्कशेक और उसके बगल में एक फिल्म स्टार भूत भगाने की गुहार लगा रही थी। जब वह उसे घूर रहा था, जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहा था, तभी उसने अपने बड़े आकार के काले चश्मे उतार दिए और कैरास को उसकी लालिमा और थकी हुई आँखों में छिपी बेबसी भरी विनती देखकर गहरा सदमा लगा। और अचानक उसे एहसास हुआ कि वह महिला सच में गंभीर थी।
"फादर कैरास, यह मेरी बेटी है," उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। "मेरी बेटी!"
“तो फिर भूत भगाने का विचार छोड़ देने का और भी अधिक कारण है,” उसने उसे दिलासा देते हुए कहा, “और—”
“क्यों?” क्रिस अचानक कांपती, कर्कश और व्याकुल आवाज में चिल्लाया। “मुझे बताओ क्यों! हे भगवान, मुझे समझ नहीं आ रहा!”
कैरास ने उसे शांत करने के प्रयास में उसकी कलाई पकड़ ली। उसने उससे कहा, "सबसे पहले तो, इससे स्थिति और बिगड़ सकती है।"
अविश्वास से भरी क्रिस ने अपना चेहरा सिकोड़ते हुए कहा, "और भी बुरा?"
“हाँ, और भी बुरा। बिल्कुल सही। क्योंकि भूत भगाने की रस्म खतरनाक रूप से भ्रामक होती है। यह किसी ऐसी जगह पर भूत-प्रेत के प्रभाव का विचार पैदा कर सकती है जहाँ वह पहले मौजूद नहीं था, या यदि मौजूद भी था, तो उसे और मजबूत कर सकती है।”
"लेकिन-"
“और दूसरी बात,” कैरस ने उसकी बात काटते हुए कहा, “कैथोलिक चर्च किसी भूत-प्रेत भगाने की प्रक्रिया को मंजूरी देने से पहले यह जांच करता है कि क्या यह उचित है, और इसमें समय लगता है। इस बीच, आपका—”
“क्या तुम इसे खुद नहीं कर सकती थीं?” क्रिस का निचला होंठ अब थोड़ा कांप रहा था, उसकी आँखों में आंसू भर आए थे।
“देखिए, हर पुजारी के पास भूत भगाने की शक्ति होती है, लेकिन उसे चर्च की मंजूरी लेनी पड़ती है, और सच कहूं तो, यह शायद ही कभी दी जाती है, इसलिए—”
क्या तुम उसकी तरफ देख भी नहीं सकते?
“खैर, एक मनोचिकित्सक के तौर पर, हाँ, मैं कर सकता हूँ, लेकिन—”
“उसे एक पादरी की ज़रूरत है!” क्रिस अचानक चिल्लाई, उसके चेहरे पर क्रोध और भय के भाव उभर आए थे। “मैं उसे दुनिया के हर डॉक्टर, हर मनोचिकित्सक के पास ले जा चुकी हूँ और उन्होंने मुझे तुम्हारे पास भेजा; अब तुम मुझे उनके पास भेज रहे हो?”
लेकिन तुम्हारा—

“हे यीशु मसीह, क्या कोई मेरी मदद नहीं करेगा?”
दिल दहला देने वाली चीख नदी के ऊपर गूंज उठी, जिससे किनारे पर उगे पक्षियों के झुंड कांव-कांव करते हुए और हजारों पंख फड़फड़ाते हुए हवा में उड़ गए। "हे भगवान, कोई मेरी मदद करो!" क्रिस कराहते हुए, सिसकते हुए कैरस की छाती पर गिर पड़ी। "ओह, कृपया मेरी मदद करो! कृपया! कृपया, मेरी मदद करो!"
जेसुइट ने उसकी ओर नीचे देखा, और फिर सांत्वना भरे हाथों से उसके सिर को छुआ, जबकि ट्रैफिक जाम में फंसी कारों में सवार लोग खिड़कियों से बाहर झांककर उन्हें क्षणिक उदासीनता से देख रहे थे।
“सब ठीक है,” कैरस ने उससे कहा। वह बस उसे शांत करना चाहता था; उसकी घबराहट को रोकना चाहता था। “मेरी बेटी?” नहीं, उसे लगता था कि क्रिस को मानसिक सहायता की ज़रूरत है। “सब ठीक है। मैं उससे मिलने जाता हूँ,” उसने उससे कहा। “मैं अभी उससे मिलने जाता हूँ। चलो, चलते हैं।”
वास्तविकता का वह एहसास अभी भी मन में बसा हुआ था, कैरस चुपचाप उसे घर तक ले जाने देता था और उसके मन में जॉर्जटाउन मेडिकल स्कूल में अगले दिन होने वाले व्याख्यान के विचार चल रहे थे। उसे अभी भी अपने नोट्स तैयार करने थे।
जैसे ही वे सामने की सीढ़ियों पर चढ़े, कैरस ने अपनी घड़ी देखी। छह बजने में दस मिनट बाकी थे। उन्होंने सड़क पर स्थित जेसुइट छात्रावास की ओर देखा और महसूस किया कि अब वे रात का खाना नहीं खा पाएंगे। "फादर कैरस?" पादरी ने क्रिस की ओर मुड़कर देखा। सामने के दरवाजे के ताले में चाबी घुमाने ही वाली थी कि वह झिझकी और उनकी ओर मुड़ी। "क्या आपको लगता है कि आपको अपने पादरी के वस्त्र पहनने चाहिए?" उसने कहा।
कैरास ने उसे दया भरी निगाहों से देखा, जिसे वह छिपाने की कोशिश कर रहा था। उसका चेहरा और उसकी आवाज़: कितनी मासूम और भोली थी। "बहुत खतरनाक," उसने उससे कहा।
"ठीक है।"
क्रिस पीछे मुड़ा और दरवाजा खोलने लगा, और तभी कैरस को वह एहसास हुआ: एक ठंडी, चुभती हुई चेतावनी। यह बर्फ के कणों की तरह उसके रक्त में फैल गई।
“फादर कैरस?”
उसने ऊपर देखा। क्रिस अंदर आ चुका था।
एक पल के लिए पुजारी हिचकिचाते हुए स्थिर खड़ा रहा; फिर धीरे-धीरे और जानबूझकर, मानो उसने ऐसा करने का फैसला कर लिया हो, वह आगे बढ़ा और एक अजीब से अंत के अहसास के साथ घर में कदम रखा।
कैरस ने शोर सुना। ऊपर से। एक गहरी, गूंजती हुई आवाज़ में गालियाँ गूँज रही थीं, जो गुस्से, नफ़रत और हताशा से भरी धमकी दे रही थी। चौंककर उसने हैरानी से क्रिस की ओर देखा। वह उसे चुपचाप घूर रही थी। फिर वह आगे बढ़ गई। वह उसके पीछे-पीछे ऊपर गया और एक गलियारे से होते हुए वहाँ पहुँचा जहाँ कार्ल रीगन के शयनकक्ष के दरवाज़े के ठीक सामने, सिर झुकाए बाहें मोड़े खड़ा था। इतनी नज़दीक से शयनकक्ष से आ रही आवाज़ इतनी तेज़ थी कि मानो इलेक्ट्रॉनिक रूप से बढ़ाई गई हो। जैसे ही कार्ल ने उनकी ओर देखा, पुजारी ने उसकी आँखों में हैरानी और डर देखा और भयभीत होकर काँपती हुई आवाज़ में क्रिस से कहा, "इसे पट्टियों की ज़रूरत नहीं है।"

क्रेस ने कैरस की ओर देखा। "मैं एक पल में वापस आती हूँ," उसने थकी हुई सी आवाज़ में कहा। कैरस उसे देखती रही जब वह मुड़ी और गलियारे से होते हुए अपने बेडरूम में चली गई। उसने दरवाज़ा खुला छोड़ दिया।
कैरास ने कार्ल की ओर देखा। नौकर उसे ध्यान से देख रहा था। "क्या आप पुजारी हैं?" उसने पूछा।
कैरास ने सिर हिलाया, फिर जल्दी से रीगन के बेडरूम के दरवाजे की ओर देखा। गुस्से भरी आवाज़ अचानक किसी जानवर की तेज़, कर्कश आवाज़ में बदल गई, जो शायद एक बैल था। कोई चीज़ कैरास के हाथ को कुरेद रही थी। उसने नीचे देखा।
"यह वही है," क्रिस कह रहा था; "यह रीगन है।" वह उसे एक तस्वीर दे रही थी और उसने उसे ले लिया। एक जवान लड़की। बहुत सुंदर। प्यारी मुस्कान।
“ये तस्वीर चार महीने पहले ली गई थी,” क्रिस ने स्वप्निल स्वर में कहा। उसने तस्वीर वापस ली और बेडरूम के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। “अब तुम जाकर उसे देख लो।” क्रिस कार्ल के बगल में दीवार से टेक लगाकर खड़ी हो गई, और नज़रें नीचे झुकाए, सीने पर हाथ बांधे हुए, उसने निराशा से धीमी आवाज़ में कहा, “मैं यहीं इंतज़ार करूंगी।”
“उसके साथ अंदर कौन है?” कैरस ने पूछा।
क्रिस ने भावहीन होकर उसकी ओर देखा। "कोई नहीं।"
पुजारी ने उसकी भयभीत निगाहों को थामे रखा और फिर भौंहें चढ़ाकर शयनकक्ष के दरवाजे की ओर मुड़ा, और जैसे ही उसने दरवाज़े की कुंडी पकड़ी, अंदर से आवाज़ें अचानक बंद हो गईं। उस सन्नाटे में, कैरस हिचकिचाया, फिर धीरे से कमरे में दाखिल हुआ, सड़ते हुए मल की तीखी दुर्गंध से लगभग पीछे हटते हुए, जो उसके चेहरे और नाक पर एक ज़ोरदार झटके की तरह लगी। अपनी घृणा को काबू में रखते हुए, उसने दरवाजा बंद किया और फिर उसकी आँखें स्तब्ध होकर रीगन पर टिक गईं, उस प्राणी पर जो बिस्तर पर पीठ के बल लेटा हुआ था, सिर तकिए पर टिका हुआ था, जबकि उसकी खोखली आँखों में पागलपन भरी चालाकी और जलती हुई बुद्धि, रुचि और द्वेष झलक रहा था, जैसे ही वे उस पर टिकीं; जैसे ही वे उसे ध्यान से देख रही थीं, एक कंकालनुमा मुखौटे में बनी अकल्पनीय दुर्भावना से भरी शक्ल में उबल रही थीं। कैरस ने अपनी निगाहें उलझे हुए और घने बालों पर डालीं; उसकी कमजोर बाहों और टांगों और विकृत रूप से बाहर निकले हुए फूले हुए पेट पर; फिर नज़रें उसकी आँखों पर टिक गईं: वे उसे घूर रही थीं... उसे जकड़े हुए थीं... अब जैसे ही वह बड़ी खिड़की के पास एक डेस्क और कुर्सी की ओर बढ़ा, वे उसका पीछा करने लगीं। कैरस ने शांत, यहाँ तक कि गर्मजोशी और दोस्ताना लहजे में बोलने की कोशिश की। "हैलो, रेगन," उसने कहा। उसने कुर्सी उठाई और उसे बिस्तर के पास रख दिया। "मैं तुम्हारी माँ का दोस्त हूँ," उसने कहा, "और उन्होंने मुझे बताया है कि तुम बहुत बीमार हो।" कैरस बैठ गया। "क्या तुम मुझे बताना चाहोगी कि तुम्हें क्या हुआ है?" उसने पूछा। "मैं तुम्हारी मदद करना चाहता हूँ।"
रीगन की आंखें बिना पलक झपकाए भयंकर रूप से चमक रही थीं, उसके मुंह के एक कोने से पीली लार टपक रही थी, और उसके होंठ एक जंगली, धनुषाकार मुंह वाली उपहासपूर्ण मुस्कान में खिंचे हुए थे।
“वाह वाह वाह,” उसने व्यंग्य से कहा और उसकी गहरी, दमदार और धमकी भरी आवाज़ सुनकर कैरस के रोंगटे खड़े हो गए। “तो ये तुम हो... इन्होंने तुम्हें भेजा है!”

उसने प्रसन्नता से कहा। “खैर, हमें तुमसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं है।”
“हां, बिल्कुल सही,” कैरस ने जवाब दिया; “मैं आपका दोस्त हूं और मैं आपकी मदद करना चाहता हूं।”
“तो फिर इन पट्टियों को ढीला कर लो,” रीगन ने कर्कश आवाज में कहा। उसने अपनी कलाइयों को ऊपर खींच लिया था, जिससे कैरस को अब पता चला कि वे चमड़े की दोहरी पट्टियों से बंधी हुई थीं।
"क्या ये पट्टियाँ आपके लिए असुविधाजनक हैं?"
“बेहद। वे एक उपद्रव हैं। एक घिनौना उपद्रव।”
उनकी आँखों में गुप्त आनंद की एक शरारती चमक थी।
कैरास ने रीगन के चेहरे पर खरोंच के निशान देखे; उसके होंठों पर कटे हुए निशान थे, जिनसे लग रहा था कि उसने उन्हें काट लिया था। "मुझे डर है कि तुम खुद को चोट पहुँचा सकती हो, रीगन," उसने उससे कहा।
“मैं रीगन नहीं हूँ,” उसने गरजते हुए कहा, उसके चेहरे पर अभी भी वही कसी हुई और भयानक मुस्कान थी, जिसे कैरस अब उसका स्थायी भाव समझ बैठा था। उसके दाँतों पर लगे ब्रेसेस कितने बेमेल लग रहे थे, उसने सोचा। “ओह, मैं समझ गया,” उसने सिर हिलाते हुए कहा। “अच्छा, तो शायद हमें अपना परिचय देना चाहिए। मैं डेमियन कैरस हूँ। आप कौन हैं?”
"मैं शैतान हूं!"
“अहा, अच्छा।” कैरस ने सहमति में सिर हिलाया। “अब हम बात कर सकते हैं।”
“थोड़ी बातचीत करें?”
"यदि आप चाहते हैं।"
“हाँ, मुझे यह अच्छा लगेगा,” रीगन ने मुँह के कोने से थोड़ी लार टपकाते हुए कहा। “लेकिन आपको पता चलेगा कि इन पट्टियों से बंधे होने पर मैं खुलकर बात नहीं कर सकती। जैसा कि आप जानते हैं, मैंने अपना अधिकांश समय रोम में बिताया है और मुझे इशारों से बात करने की आदत है, कैरस। तो अब, कृपया इन पट्टियों को खोल दीजिए।”
कैरास ने सोचा, "भाषा और विचार की कितनी अद्भुत प्रतिभा है!" वह आश्चर्य और पेशेवर रुचि के मिश्रण से अपनी कुर्सी पर आगे झुक गया। उसने पूछा, "तुम कहते हो कि तुम शैतान हो?"
मैं आपको आश्वस्त करता हूँ।
"तो फिर आप पट्टियों को गायब क्यों नहीं कर देते?"
“अरे, ये तो शक्ति प्रदर्शन का बहुत ही भद्दा तरीका है। आखिर मैं राजकुमार हूँ! ‘इस दुनिया का राजकुमार,’ जैसा कि किसी अजीब से व्यक्ति ने मेरे बारे में कहा था। ठीक से याद नहीं आ रहा कि किसने कहा था।” हल्की सी हंसी। फिर, “मुझे समझाना-बुझाना ज्यादा पसंद है, कैरस; साथ मिलकर काम करना; सामुदायिक भागीदारी। और अगर मैं खुद ही पट्टियाँ ढीली कर दूँ, तो मैं तुम्हें परोपकारी कार्य करने का अवसर छीन लूँगा।”
अविश्वसनीय! कैरस ने सोचा। “लेकिन परोपकारी कार्य,” उसने बात टालते हुए कहा, “सद्गुण है और शैतान तो यही रोकना चाहेगा; इसलिए अगर मैंने पट्टियाँ न खोली होतीं तो मैं अभी आपकी मदद कर रहा होता। जब तक कि—कैरस ने कंधे उचकाते

हुए कहा—“जब तक कि आप सचमुच शैतान न हों, और उस स्थिति में शायद मैं उन्हें खोल ही देता।”
“कैरास, तुमने तो बड़ी चालाकी दिखाई। काश प्यारे हेरोड भी यहाँ होते और इसका आनंद लेते।”
कैरास ने आंखें सिकोड़कर और गहरी दिलचस्पी से देखा। क्या वह हेरोदेस को "लोमड़ी" कहने पर ईसा मसीह के शब्दों में व्यंग्य कर रही थी? "कौन सा हेरोदेस?" उसने पूछा। "दो हेरोदेस थे। क्या तुम यहूदिया के राजा की बात कर रही हो?"
“नहीं, मैं गलीली के टेट्रार्क की बात कर रही हूँ!” रीगन ने कैरस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए, उसे घोर तिरस्कार से भर दिया; फिर अचानक वह फिर से मुस्कुरा उठी और अपनी कोमल और रहस्यमयी आवाज़ में धीरे से बोली, “देखो, इन लानतों ने मुझे कितना परेशान कर दिया है? इन्हें खोल दो। इन्हें खोल दो और मैं तुम्हें भविष्य बता दूँगी।”
"अत्यंत उत्तेजक।"
“मेरी खासियत।”
"लेकिन फिर मुझे कैसे पता चलेगा कि आप सचमुच भविष्य पढ़ सकते हैं?"
"क्योंकि मैं शैतान हूँ, बेवकूफ!"
"हां, आप ऐसा कहते हैं, लेकिन आप मुझे सबूत नहीं देंगे।"
“तुम्हें विश्वास नहीं है।”
कैरास अकड़ गया। रुका। "किस बात पर विश्वास नहीं?"
“क्यों मुझमें, मेरे प्यारे कैरस; मुझमें!” उन आँखों में कुछ व्यंग्यपूर्ण और द्वेषपूर्ण भाव छिपे हुए थे। “ये सारे प्रमाण, ये सारे संकेत आकाश में!”
कैरास ने बड़ी मुश्किल से अपनी भावनाओं पर काबू रखते हुए जवाब दिया, "अच्छा, तो फिर, कुछ बहुत ही सरल बात भी ठीक रहेगी। उदाहरण के लिए, शैतान सब कुछ जानता है, है ना?"
“नहीं, असल में मुझे लगभग सब कुछ पता है, कैरस। देखा? लोग कहते रहते हैं कि मैं घमंडी हूँ। मैं नहीं हूँ। अब बताओ क्या कर रहे हो, चालाक लोमड़ी? साफ-साफ बताओ!”
"खैर, मैंने सोचा कि हम आपके ज्ञान की सीमा का परीक्षण कर लें।"
“बहुत अच्छा, तो फिर। कैसा रहेगा ये? दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी झील,” रीगन नाम की उस महिला ने मज़ाक उड़ाते हुए कहा, उसकी आँखें व्यंग्यपूर्ण खुशी से फूली हुई थीं, “पेरू में टिटिकाका झील है! क्या इससे काम चल जाएगा?”
"नहीं, मुझे कुछ ऐसा पूछना पड़ेगा जो केवल शैतान को ही पता हो।"
“अच्छा, मैं समझ गया। जैसे कि क्या?”
“रीगन कहाँ है?”
"वह यहां है।"
"कहाँ है यह'?"
“सूअर के बच्चे में।”
मुझे उसे देखने दो।
“क्यों, कैरस? क्या तुम उसके साथ संभोग करना चाहते हो? इन पट्टियों को ढीला करो और मैं तुम्हें करने दूँगी!”
मैं देखना चाहता हूँ कि तुम सच कह रहे हो या नहीं। मुझे उसे देखने दो।

“बहुत ही रसीली यौने,” रीगन ने घूरते हुए कहा, उसकी रोएँदार और लटकती जीभ सूखे, फटे होंठों पर थूक चाट रही थी। “पर तुम बातचीत करने में बहुत बुरी हो, मेरे दोस्त। मैं तुम्हें सलाह देती हूँ कि मेरे साथ ही रहो।”
“खैर, यह तो स्पष्ट है कि आपको नहीं पता कि वह कहाँ है”—कैरास ने कंधे उचकाते हुए कहा—“तो जाहिर है कि आप शैतान नहीं हैं।”
“मैं हूँ!” रीगन अचानक झटके से आगे की ओर झुकी और गुस्से से उसका चेहरा लाल हो गया। कैरस कांप उठा जब उसकी भयानक आवाज़ कमरे की दीवारों से टकराकर गूंजी। “मैं हूँ!”
"अच्छा, तो फिर मुझे रीगन से मिलने दीजिए। इससे यह साबित हो जाएगा।"
“इससे कहीं बेहतर तरीके हैं! मैं तुम्हें दिखाऊंगा! मैं तुम्हारा मन पढ़ लूंगा!” रीगन नाम का प्राणी गुस्से से भड़क उठा। “एक से सौ के बीच कोई संख्या सोचो!”
“नहीं, इससे कुछ भी साबित नहीं होगा। मुझे रीगन से मिलना होगा।”
अचानक वह खिलखिलाकर हंस पड़ा और सोफे के हेडबोर्ड से टेक लगाकर बैठ गया।
“नहीं, कैरस, इससे तुम्हें कुछ भी साबित नहीं होगा। इसीलिए तो मुझे सभी समझदार लोग पसंद हैं। कितना शानदार! वाकई कितना शानदार! इस बीच, हम तुम्हें ठीक से बहलाने की कोशिश करेंगे। आख़िरकार, अब हम तुम्हें खोना नहीं चाहेंगे।”
“‘हम’ कौन हैं?” कैरस ने तत्परता और सतर्कता से पूछा।
“हम सूअर के बच्चे के बीच में काफी छोटा समूह हैं,” जवाब आया।
“अरे हाँ, काफी भीड़ है। बाद में मैं चुपके से परिचय करवाने की कोशिश करूँगा। फिलहाल, मुझे एक असहनीय खुजली हो रही है जिसे मैं छू नहीं पा रहा हूँ। क्या आप एक पल के लिए एक पट्टा ढीला कर देंगे? बस एक?”
"नहीं, बस मुझे बता दो कि कहाँ खुजली हो रही है और मैं खुजली कर लूंगा।"
“अरे वाह, कितना चालाक है!”
“मुझे रीगन दिखाओ, शायद मैं एक पट्टा खोल दूँ,” कैरस ने कहा। “लेकिन यह तभी संभव है जब वह—”
अचानक पुजारी सदमे से कांप उठा जब उसने खुद को आतंक से भरी आँखों और मदद के लिए एक खामोश चीख से खुले मुँह के सामने पाया; लेकिन फिर जल्दी ही रीगन की पहचान धुंधली होती हुई चेहरे की विशेषताओं में तेजी से बदलाव के साथ गायब हो गई, "परमेश्वर के लिए, क्या आप कृपया इन कमीने पट्टियों को नहीं हटाएँगे?" एक चालाक आवाज ने ब्रिटिश लहजे में पूछा, और फिर पलक झपकते ही शैतानी व्यक्तित्व लौट आया। "क्या आप एक बूढ़े वेदी सेवक की मदद कर सकते हैं, फादर?" उसने कर्कश आवाज में कहा, और फिर उसने अपना सिर पीछे की ओर झुकाकर बेतहाशा और ऊँची आवाज में हँसा।
स्तब्ध होकर, कैरस पीछे की ओर झुक गया, क्योंकि उसने अपनी गर्दन के पिछले हिस्से पर फिर से बर्फीले हाथों का स्पर्श महसूस किया, जो अब अधिक स्पष्ट थे, और पहले से कहीं अधिक गंभीर थे।
रीगन जैसी दिखने वाली उस शख्स ने अपनी हंसी रोकी और उसे चिढ़ाती निगाहों से घूरने लगी। "ठंडे हाथ महसूस हो रहे हैं? वैसे, तुम्हारी मां भी यहीं हमारे साथ हैं, कैरस। क्या तुम कोई संदेश छोड़ना चाहोगे? मैं देख लूंगी कि उन्हें मिल जाए।" मज़ाकिया

हंसी। और फिर अचानक कैरस उल्टी की तेज़ धार से बचने के लिए अपनी कुर्सी से उछल पड़ा। उल्टी उसके स्वेटर के एक हिस्से और एक हाथ पर लगी।
चेहरे का रंग उड़ गया, पादरी ने बिस्तर की ओर देखा; रीगन खुशी से खिलखिला रहा था और उसके हाथ से उल्टी कालीन पर टपक रही थी। "अगर यह सच है," उसने सुन्न स्वर में कहा, "तो आपको मेरी माँ का पहला नाम जरूर पता होगा।"
"ओह मेरे पास है।"
"अच्छा, यह क्या है?"
रेगन जैसी दिखने वाली उस चीज ने उस पर फुफकारा, उसकी पागल आंखें चमक रही थीं, और उसका सिर कोबरा की तरह धीरे-धीरे अगल-बगल हिल रहा था।
“क्या बात है?” कैरस ने दोहराया।
आँखें ऊपर की ओर घुमाते हुए, रीगन ने बैल की तरह गुस्से में दहाड़ मारी, जिसकी आवाज़ खिड़कियों के शटर से होते हुए बड़ी खिड़की के शीशे तक पहुँच गई। कुछ देर तक कैरस उस दहाड़ को सुनता रहा; फिर उसने अपने हाथ की ओर देखा और कमरे से बाहर चला गया।
क्रिस ने दीवार से खुद को तेजी से दूर धकेला और जेसुइट के स्वेटर पर चिंता भरी नजर डाली। "क्या हुआ? क्या उसने उल्टी की?"
“क्या तुम्हारे पास तौलिया है?” कैरस ने उससे पूछा।
“बाथरूम यहीं है!” क्रिस ने जल्दी से गलियारे के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा। “कार्ल, अंदर जाओ और उसे देखो!” उसने पीछे मुड़कर निर्देश दिया और पादरी के पीछे बाथरूम की ओर चल पड़ी। “मुझे बहुत अफ़सोस है!” उसने कहा।
जेसुइट व्यक्ति वॉशबेसिन की ओर बढ़ा।
“क्या आपने उसे शांत करने वाली दवाइयां दी हैं?” उसने पूछा।
क्रिस ने पानी के नल चालू किए और जवाब दिया, "हां, लिब्रियम। लो, वो स्वेटर उतार दो, फिर तुम नहा सकती हो।"
“कितनी मात्रा?” कैरस ने अपने साफ बाएं हाथ से स्वेटर को खींचते हुए पूछा।
“लो, मैं तुम्हारी मदद करता हूँ।” क्रिस ने स्वेटर को नीचे से खींचते हुए कहा। “आज तो उसने चार सौ मिलीग्राम दवा ली है, पिताजी।”
“चार सौ?”
क्रिस ने स्वेटर को अपनी छाती तक खींच रखा था। "हाँ, इसी तरह हमने उसे उन पट्टियों में डाला। हम सबको मिलकर ही यह करना पड़ा—"
"क्या आपने अपनी बेटी को एक ही बार में चार सौ मिलीग्राम दवा दे दी?"
“वह इतनी मजबूत है कि आप यकीन नहीं कर सकते। अपने हाथ ऊपर उठाओ, पिताजी।”
"ठीक है।"
उसने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और क्रिस ने स्वेटर उतारकर शावर का पर्दा हटाया और स्वेटर को बाथटब में फेंक दिया। “मैं विली से इसे धुलवा दूँगी, पिताजी।” वह उदास होकर बाथटब के किनारे बैठ गई और तौलिया टांगने वाली रॉड से एक गुलाबी तौलिया सरकाया, उसका हाथ अनजाने में गहरे नीले रंग में कढ़ाई किए हुए 'रीगन' शब्द पर पड़ गया। “मुझे बहुत खेद है,” उसने कहा।
“छोड़ो कोई बात नहीं। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।” कैरस ने अपनी कड़क सफेद कमीज की दाहिनी आस्तीन खोली और उसे ऊपर की ओर मोड़ दिया, जिससे उसकी

मजबूत मांसपेशियों वाली बांह पर घने भूरे बाल दिखाई दिए। उसने पूछा, “क्या वह कुछ खा-पी रही है?” उसने उल्टी साफ करने के लिए अपना हाथ गर्म पानी के नल के नीचे रखा।
“नहीं, पिताजी। जब वह सो रही हो तो उसे सस्टाजेन दे देना। लेकिन उसने पाइप फाड़ दिया।”
“उसे उखाड़ दिया? कब?”
"आज।"
परेशान होकर, कैरस ने अपने हाथों को साबुन से धोया और कुछ देर सोचने के बाद गंभीरता से कहा, "आपकी बेटी को वास्तव में अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत है।"
क्रिस ने अपना सिर नीचे कर लिया। "मैं ऐसा नहीं कर सकती, पिताजी," उसने धीमी, सपाट और भावहीन आवाज में कहा।
आप ऐसा क्यों नहीं कर सकते?
“मैं ऐसा नहीं कर सकता,” क्रिस ने धीमी, बेजान आवाज़ में दोहराया। “उसने... उसने कुछ किया है, पिताजी, और मैं यह जोखिम नहीं उठा सकता कि किसी और को पता चले। न डॉक्टर को... न नर्स को... न किसी और को।”
कैरास ने भौंहें चढ़ाते हुए पानी के नल बंद कर दिए। "अगर कोई व्यक्ति, मान लीजिए, अपराधी हो तो क्या होगा?" परेशान होकर उसने वॉशबेसिन की ओर देखा और उसके किनारों को पकड़ लिया। "उसे सस्टाजेन, लिब्रियम या उसकी दवाइयाँ कौन दे रहा है?"
“हम कर रहे हैं। उनके डॉक्टर ने हमें बताया कि कैसे करना है।”
आपको प्रिस्क्रिप्शन की आवश्यकता है।
"अच्छा, आप भी ऐसा कुछ कर सकते हैं, है ना, पिताजी?"
अब उसके विचार तेज़ी से घूमने लगे थे, कैरस उसकी ओर मुड़ा, उसके हाथ ऊपर उठे हुए थे, और उसकी नज़र क्रिस की हताश और हताश निगाहों से मिली। उसने उसके हाथों में पकड़े तौलिए की ओर इशारा करते हुए कहा, "कृपया।"
क्रिस ने उसे खाली निगाहों से देखा और कहा, "क्या?"
“तौलिया दीजिए,” कैरस ने धीरे से कहा।
“ओह, मुझे माफ़ करना!” क्रिस ने बड़ी जल्दी से घबराकर उसे यह बात बताई, और जैसे ही जेसुइट ने अपने हाथ पोंछे, उसने बड़ी उत्सुकता से उससे पूछा, “तो अब, फादर, यह कैसा दिखता है? क्या आपको लगता है कि वह प्रेतबाधित है?”
"देखो, तुम्हें अधिकार के बारे में कितना पता है?"
"मैंने बस थोड़ा बहुत पढ़ा है और कुछ बातें डॉक्टरों ने मुझे बताई हैं।"
“कौन से डॉक्टर?”
“बैरिंजर क्लिनिक में।”
“ठीक है,” कैरस ने धीरे से सिर हिलाते हुए कहा। उन्होंने तौलिया मोड़कर उसे सावधानीपूर्वक तौलिया टांगने वाले डंडे पर वापस रखते हुए पूछा, “मिस मैकनील, क्या आप कैथोलिक हैं?”
"नहीं, मैं नहीं हूँ।"
"और तुम्हारी बेटी?"
“वो भी नहीं।”

तो फिर कौन सा धर्म?
"कोई नहीं।"
कैरास ने उसे संदेह भरी निगाहों से देखा।
“तो फिर तुम मेरे पास क्यों आए?” उसने पूछा।
“क्योंकि मैं बहुत बेताब था!” क्रिस ने कांपती हुई आवाज में कहा।
"मुझे लगा आपने कहा था कि मनोचिकित्सकों ने आपको मेरे पास आने की सलाह दी थी।"
"अरे, मुझे नहीं पता मैं क्या बोल रहा था! मैं तो बिल्कुल होश में नहीं था!"
कैरास मुड़ा और अपनी बाहें मोड़कर, वॉशबेसिन के सफेद संगमरमर के काउंटर पर अपना भार टिकाते हुए, क्रिस की ओर देखा और संयमित लहजे में उससे कहा, "देखो, मुझे सिर्फ तुम्हारी बेटी के भले की चिंता है। लेकिन मैं तुम्हें अभी बता देता हूँ कि अगर तुम किसी भूत-प्रेत भगाने को आत्म-सुझावात्मक इलाज के रूप में देख रही हो, तो बेहतर होता कि तुम सेंट्रल कास्टिंग को बुला लेती, मिस मैकनील, क्योंकि कैथोलिक चर्च के अधिकारी इसे नहीं मानेंगे और तुमने अपना कीमती समय बर्बाद किया है।"
कैरास को अपने हाथों में हल्की सी कंपकंपी महसूस हुई।
मुझे क्या हो गया है? उसने सोचा। आखिर क्या हो रहा है?
“वैसे, उनका नाम मिसेज मैकनील है,” क्रिस ने तीखे लहजे में उन्हें टोकते हुए कहा।
कैरास ने अपनी आवाज़ नरम करते हुए कहा, “माफ़ कीजिएगा। देखिए, चाहे यह कोई शैतान हो या मानसिक विकार, मैं आपकी बेटी की मदद के लिए हर संभव कोशिश करूँगा। लेकिन मुझे सच जानना है, पूरा सच। यह ज़रूरी है। यह रीगन के लिए ज़रूरी है। श्रीमती मैकनील, इस समय मैं व्याकुल हूँ। आपकी बेटी के कमरे में मैंने जो देखा और सुना है, उससे मैं पूरी तरह से व्याकुल हूँ। चलिए अब हम दोनों इस बाथरूम से बाहर निकलकर नीचे चलते हैं, जहाँ हम बात कर सकते हैं।” आश्वासन भरी हल्की, गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ, कैरास ने क्रिस को उठने में मदद करने के लिए अपना हाथ बढ़ाया। “मुझे एक कप कॉफ़ी चाहिए।”
"मुझे चट्टानों पर 'सी एंड स्की' की जरूरत है।"
जब कार्ल और शेरोन रीगन की देखभाल कर रहे थे, तब कैरस और क्रिस अध्ययन कक्ष में बैठे थे। क्रिस सोफे पर और कैरस चिमनी के पास कुर्सी पर बैठे थे। क्रिस रीगन की बीमारी का पूरा इतिहास बता रही थी, हालांकि उसने डेनिंग्स से जुड़ी किसी भी घटना का ज़िक्र नहीं किया। पादरी चुपचाप सुन रहे थे और ज़्यादा कुछ नहीं बोल रहे थे: कभी-कभार कोई सवाल, सिर हिलाना या भौंहें चढ़ाना। क्रिस ने माना कि पहले तो उसने भूत भगाने को एक तरह का उपचार समझा था। "लेकिन अब मुझे नहीं पता," उसने कहा। सिर हिलाते हुए उसने अपनी झुर्रीदार, आपस में जुड़ी उंगलियों को देखा जो उसकी गोद में धीरे-धीरे फड़क रही थीं। "मुझे नहीं पता।" उसने असहाय नज़र से पादरी की ओर देखा। "आप क्या सोचते हैं, फादर कैरस?"
अपना सिर झुकाकर, पुजारी ने एक गहरी सांस ली, सिर हिलाया और धीरे से कहा, "मुझे भी नहीं पता। शायद अपराधबोध से उत्पन्न बाध्यकारी व्यवहार, साथ ही दोहरी व्यक्तित्व की समस्या।"
“क्या?” क्रिस चौंक गया। “पिताजी, आपने अभी-अभी ऊपर जो कुछ देखा है, उसके बाद आप ऐसा कैसे कह सकते हैं!”

कैरास ने उसकी ओर देखा। “अगर तुमने मेरी तरह मनोरोग वार्डों में इतने मरीज़ देखे होते, तो तुम ये बात आसानी से कह सकती थी,” उसने कहा। “अरे, अब बस करो! भूतों का कब्ज़ा? ठीक है, सुनो: मान लेते हैं कि ये सच है और कभी-कभी ऐसा होता है। लेकिन तुम्हारी बेटी ये नहीं कहती कि वो भूत है; वो तो ये ज़िद करती है कि वो खुद शैतान है, और ये तो वही बात है जैसे खुद को नेपोलियन बोनापार्ट कहना!”
"तो फिर उन सभी रैपिंग और अन्य चीजों की व्याख्या करो।"
मैंने उन्हें नहीं सुना है।
"खैर, उन्होंने उन्हें बैरिंगर में सुना था, पिताजी, इसलिए यह सिर्फ यहीं घर में नहीं हुआ था।"
"हो सकता है, लेकिन हमें उन्हें समझाने के लिए किसी शैतान की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।"
तो उन्हें समझाओ!
"अच्छा, शायद मनोगतिशीलता हो सकती है।"
"क्या?"
आपने भूत-प्रेत की घटनाओं के बारे में तो सुना ही होगा, है ना?
“भूत बर्तन फेंक रहे हैं और बदतमीजी कर रहे हैं?”
“यह कोई असामान्य बात नहीं है और आमतौर पर भावनात्मक रूप से परेशान किशोरों के साथ ऐसा होता है। ऐसा लगता है कि मन का अत्यधिक आंतरिक तनाव कभी-कभी किसी अज्ञात ऊर्जा को जन्म दे सकता है जो दूर की वस्तुओं को हिलाती हुई प्रतीत होती है। लेकिन इसमें कुछ भी अलौकिक नहीं है। रीगन की असामान्य शक्ति के साथ भी ऐसा ही है—रोग विज्ञान में यह आम बात है। आप इसे मन की शक्ति कह सकते हैं, लेकिन किसी भी मामले में यह प्रेतबाधा के बिना होता है।”
क्रिस ने नज़रें फेर लीं और हल्के से सिर हिलाया। "वाह, यह कितना खूबसूरत है!" उसने थकी हुई व्यंग्यात्मकता से कहा। "मैं नास्तिक हूँ और तुम पादरी हो और—"
कैरास ने धीरे से बीच में टोकते हुए कहा, "किसी भी घटना की सबसे अच्छी व्याख्या हमेशा सबसे सरल व्याख्या होती है जो सभी तथ्यों को समाहित करती है।"
“ओह, सच में?” क्रिस ने लाल नसों वाली आँखों में विनती, निराशा और उलझन का भाव लिए पलटकर कहा। “ठीक है, शायद मैं बेवकूफ हूँ, फादर कैरस, लेकिन किसी के दिमाग में मौजूद कोई अनजान यंत्र दीवार पर बर्तन फेंकता है, यह बात मुझे और भी बेवकूफी भरी लगती है! तो आखिर यह क्या है? क्या आप मुझे बता सकते हैं कि यह क्या है? और ‘स्प्लिट पर्सनैलिटी’ आखिर है क्या? आप बोलिए, मैं सुन रही हूँ। यह क्या है? क्या मैं सच में इतनी बेवकूफ हूँ? क्या आप मुझे इसे ऐसे समझाएँगे कि मैं इसे अच्छी तरह समझ सकूँ?”
“देखिए, ऐसा कोई नहीं है जो इसे समझने का दावा करता हो। हम बस इतना जानते हैं कि यह होता है, और इस घटना से परे कुछ भी कहना केवल अटकलबाजी है। लेकिन अगर आप चाहें तो इसे इस तरह से समझ सकते हैं।”
"हां आगे बढ़ो।"
मानव मस्तिष्क में लगभग सत्रह अरब कोशिकाएँ होती हैं, और जब हम उन्हें देखते हैं तो पाते हैं कि वे लगभग एक सौ मिलियन संवेदनाओं को संभालती हैं जो हर सेकंड हमारे मस्तिष्क पर हावी होती हैं। हमारा मस्तिष्क न केवल इन सभी संदेशों को एकीकृत करता है, बल्कि वे इसे कुशलतापूर्वक करते हैं—वे बिना किसी रुकावट या

एक-दूसरे के मार्ग में आए ऐसा करते हैं। तो फिर, वे बिना किसी प्रकार के संचार के ऐसा कैसे कर सकते हैं? खैर, वे नहीं कर सकते, इसलिए जाहिर है कि इनमें से प्रत्येक कोशिका की अपनी चेतना है, शायद। क्या आप मेरी बात समझ रहे हैं?
क्रिस ने सिर हिलाया। "हाँ, थोड़ा बहुत।"
अच्छा। अब कल्पना कीजिए कि मानव शरीर एक विशालकाय समुद्री जहाज है, और आपके मस्तिष्क की सभी कोशिकाएँ उसके चालक दल हैं। अब इनमें से एक कोशिका ब्रिज पर है। वह कप्तान है। लेकिन उसे ठीक-ठीक पता नहीं होता कि नीचे डेक पर बाकी चालक दल क्या कर रहा है; उसे बस इतना पता है कि जहाज सुचारू रूप से चल रहा है और काम हो रहा है। अब कप्तान आप हैं—यह आपकी जागृत चेतना है। और दोहरी व्यक्तित्व की स्थिति में—शायद—यह होता है कि नीचे डेक पर मौजूद चालक दल की एक कोशिका ब्रिज पर आकर जहाज की कमान संभाल लेती है। दूसरे शब्दों में, विद्रोह। क्या इससे आपको समझ में आया?
क्रिस अविश्वास भरी निगाहों से देखता रहा। "पिताजी, यह तो इतना अविश्वसनीय है कि मुझे लगता है कि शैतान पर विश्वास करना कहीं ज़्यादा आसान है!"
"मैं-"
“देखिए, मुझे इन सब सिद्धांतों और बातों के बारे में कुछ नहीं पता,” क्रिस ने धीमी, गंभीर आवाज़ में उन्हें रोकते हुए कहा; “लेकिन मैं आपको एक बात बताती हूँ, फादर: आप मुझे रीगन की हमशक्ल जुड़वाँ दिखा दीजिए—एक जैसा चेहरा, एक जैसी आवाज़, एक जैसी गंध, यहाँ तक कि उसके लिखने का तरीका भी—और फिर भी मैं एक पल में जान जाऊँगी कि वह मेरी बेटी नहीं है! मैं बस जान जाऊँगी, मुझे अंदर से महसूस होगा, और मैं आपको बता रही हूँ कि ऊपर जो कुछ भी है वह मेरी बेटी नहीं है! अब आप मुझे बताइए कि मुझे क्या करना चाहिए,” उसने कहा, उसकी आवाज़ धीरे-धीरे ऊँची होती गई और भावनाओं से काँपने लगी। “आप मुझे बताइए कि आपको पक्का पता है कि मेरी बेटी में दिमागी गड़बड़ी के अलावा और कुछ भी गलत नहीं है; आपको पक्का पता है कि उसे भूत भगाने की ज़रूरत नहीं है और आपको पूरा यकीन है कि इससे उसे कोई फ़ायदा नहीं होगा! बताइए! आप मुझे बताइए, फादर! आप बताइए!”
अंत में, यह लगभग एक चीख थी।
कैरास ने एक तरफ देखा और कुछ देर तक सोच में डूबा रहा। फिर उसने क्रिस की ओर एक गहरी नज़र डाली। "क्या रीगन की आवाज़ धीमी है?" उसने धीरे से पूछा।
"मेरा मतलब है, आम तौर पर।"
नहीं। वास्तव में, मैं कहूंगा कि यह बहुत हल्का है।
"क्या आप उसे विलक्षण प्रतिभा वाली मानेंगे?"
"बिल्कुल नहीं।"
“उसका आईक्यू?”
"औसत के बारे में।"
"पढ़ने की आदतें?"
"नैन्सी ड्रू और कॉमिक किताबें, ज्यादातर।"
और इसी समय उनकी बोलने की शैली: आप इसे सामान्य शैली से कितना अलग कहेंगे?
बिल्कुल। उसने इनमें से आधे शब्द भी कभी नहीं बोले।

"मेरा मतलब उनके भाषण की विषयवस्तु से नहीं है; मेरा मतलब शैली से है।"
"शैली?"
"जिस तरह से वह शब्दों को जोड़ती है।"
क्रिस की भौंहें तन गईं। "मुझे अभी भी ठीक से समझ नहीं आया कि आपका क्या मतलब है।"
“क्या आपके पास उसके लिखे हुए कोई पत्र हैं? रचनाएँ? उसकी आवाज़ की रिकॉर्डिंग भी काम आएगी—”
“जी हाँ। जी हाँ, उसके पिता से उसकी बातचीत की एक टेप है। वह इसे पत्र के रूप में उन्हें भेजने के लिए बना रही थी, लेकिन वह इसे पूरा नहीं कर पाई। क्या आप इसे चाहते हैं?”
“हां, मुझे चाहिए। और मुझे उसके मेडिकल रिकॉर्ड की भी जरूरत होगी, खासकर बैरिंगर वाली फाइल की।”
क्रिस ने बगल में देखा और सिर हिलाया। "ओह, पिताजी, मैं उस रास्ते से गुज़र चुकी हूँ और मैं—"
“हां। हां, मुझे पता है, लेकिन मुझे खुद रिकॉर्ड देखने होंगे।”
तो आप अब भी भूत भगाने के खिलाफ हैं?
नहीं। मैं सिर्फ इस बात के खिलाफ हूं कि इससे आपकी बेटी को फायदे से ज्यादा नुकसान हो सकता है।
"लेकिन आप अभी पूरी तरह से मनोचिकित्सक के तौर पर बात कर रहे हैं, है ना?"
“नहीं, मैं अब एक पादरी के रूप में भी बात कर रहा हूँ। अगर मैं चांसरी कार्यालय जाता हूँ, या जहाँ भी मुझे भूत भगाने की अनुमति लेने जाना पड़ता है, तो सबसे पहले मुझे इस बात का ठोस सबूत चाहिए होगा कि आपकी बेटी की हालत केवल मानसिक समस्या नहीं है, साथ ही ऐसे सबूत भी चाहिए होंगे जिन्हें चर्च प्रेतबाधा के संकेत के रूप में स्वीकार करे।”
"कैसा?"
मुझे नहीं पता। मुझे जाकर इसके बारे में पता लगाना होगा।
“क्या तुम मजाक कर रहे हो? मुझे लगा था कि तुम तो विशेषज्ञ हो।”
“कोई विशेषज्ञ नहीं हैं। आप शायद अभी भूत-प्रेत के बारे में अधिकांश पुजारियों से ज़्यादा जानते हैं। अब, आप मुझे बैरिंगर के वो रिकॉर्ड कितनी जल्दी दिलवा सकते हैं?”
अगर जरूरत पड़ी तो मैं एक विमान किराए पर ले लूंगा!
और वो टेप?
क्रिस खड़ा हो गया। "मैं जाकर देखता हूँ कि क्या मुझे वह मिल सकता है।"
और बस एक और बात।
"क्या?"
"आपने जिस किताब का जिक्र किया था, जिसमें प्रेतबाधा पर एक खंड है: क्या आपको याद है कि रीगन ने बीमारी शुरू होने से पहले उसे पढ़ा होगा?"
नीचे देखते हुए क्रिस ने ध्यान केंद्रित किया। "अरे, मुझे याद आ रहा है कि उसने गड़बड़ शुरू होने से ठीक एक दिन पहले कुछ पढ़ा था, लेकिन मैं पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हूँ। पर उसने पढ़ा तो था, मुझे लगता है। मतलब, मुझे पूरा यकीन है। लगभग यकीन है।"
मैं इसे देखना चाहूंगा।

क्रेस चलने लगा। “ज़रूर, मैं आपके लिए ले आता हूँ, पिताजी। और टेप भी। मुझे लगता है वो तहखाने में है। मैं जाकर देखता हूँ।”
कैरास ने अनमने ढंग से सिर हिलाया, एक पूर्वी शैली के कालीन पर बने पैटर्न को घूरते हुए, और फिर कई मिनटों के बाद वह उठा और धीरे-धीरे प्रवेश कक्ष की ओर चला गया, जहाँ अपने हाथों को अपनी पतलून की जेबों में डाले, वह अंधेरे में गतिहीन खड़ा रहा, मानो किसी अन्य आयाम में हो, और ऊपर से आती हुई सूअर की गुर्राहट, फिर सियार की चीख, और फिर हिचकी और सांप जैसी फुफकार सुनता रहा।
“अरे, तुम यहाँ हो! मैं अध्ययन कक्ष में तुम्हें ढूंढ रहा था।”
कैरास ने मुड़कर देखा तो क्रिस प्रवेश कक्ष की बत्तियाँ जला रहा था। "क्या तुम जा रहे हो?" उसने जादू-टोने की किताब और रीगन द्वारा अपने पिता को लिखे गए टेप-रिकॉर्डेड पत्र के साथ आगे आते हुए पूछा।
“हां, मुझे जाना ही होगा। मुझे कल के लेक्चर की तैयारी करनी है।”
"अरे कहाँ?"
“मेडिकल स्कूल में,” कैरस ने क्रिसु के हाथों से किताब और टेप लेते हुए जवाब दिया। “मैं कल दोपहर या शाम को यहाँ आने की कोशिश करूँगा। इस बीच, अगर कोई ज़रूरी बात हो, तो मुझे ज़रूर फ़ोन करना, चाहे जो भी समय हो। मैं स्विचबोर्ड पर संदेश छोड़ दूँगा ताकि आप कॉल कर सकें। सुनो, तुम्हारी दवाइयों का क्या हाल है?”
“हम ठीक हैं। उन सभी के पास रिफिल होने वाले प्रिस्क्रिप्शन हैं।”
"क्या आप अपने डॉक्टर को दोबारा नहीं बुलाएंगे?"
अभिनेत्री ने अपना सिर नीचे कर लिया। "मैं नहीं कर सकती," उसने लगभग फुसफुसाते हुए कहा; "मैं बिल्कुल नहीं कर सकती।"
“आपको पता है, मैं एक सामान्य चिकित्सक नहीं हूं,” कैरस ने चेतावनी दी।
"कोई बात नहीं।"
क्रिस ने अभी तक ऊपर नहीं देखा था और कैरस उसे ध्यान से और चिंता से देख रहा था। वह लगभग उसकी घबराहट को महसूस कर सकता था। "खैर, अब, देर-सवेर," उसने उससे धीरे से कहा, "मुझे अपने किसी वरिष्ठ अधिकारी को बताना ही होगा कि मैं क्या कर रहा हूँ, खासकर अगर मुझे रात के अलग-अलग समय पर यहाँ आना पड़े।"
क्रिस ने चिंता से भौंहें चढ़ाते हुए उसकी ओर देखा।
क्या आपको बताना ही पड़ेगा? मतलब, उन्हें बताना ही पड़ेगा?
"अच्छा, अगर मैं ऐसा नहीं करता, तो क्या आपको नहीं लगता कि यह थोड़ा अजीब लगेगा?"
क्रिस ने फिर से नीचे देखा और सिर हिलाया। "हाँ, मैं समझ गई कि तुम क्या कहना चाहती हो," उसने उदास स्वर में कहा।
“क्या आपको कोई आपत्ति है? मैं उन्हें केवल वही बताऊँगा जो मुझे बताना होगा। और चिंता मत करो, यह बात किसी को पता नहीं चलेगी।”
उसने असहाय, पीड़ा से भरे चेहरे को उन मजबूत, उदास आँखों की ओर उठाया। उसने उनमें शक्ति देखी। उसने उनमें दर्द देखा। "ठीक है," उसने कमजोर स्वर में कहा।
उसे दर्द पर भरोसा था।
“हम बात करेंगे,” कैरस ने उससे कहा।

वह बाहर जाने लगा, लेकिन फिर दरवाजे पर ही रुक गया, सिर झुकाए, मुट्ठी का पिछला हिस्सा होठों पर रखे, मानो कुछ सोच रहा हो; फिर उसने क्रिस की ओर देखा।
"क्या तुम्हारी बेटी को पता था कि आज रात यहाँ एक पादरी आने वाला है?"
"नहीं, मेरे अलावा किसी को नहीं पता था।"
“क्या आपको पता था कि मेरी माँ का हाल ही में निधन हो गया है?”
“जी हां। मुझे बहुत खेद है।”
क्या रीगन को इसकी जानकारी है?
"क्यों?"
क्या उसे इसकी जानकारी है?
“नहीं, बिलकुल नहीं। आप क्यों पूछ रहे हैं?”
कैरास ने कंधे उचकाते हुए कहा, "यह ज़रूरी नहीं है; मैं बस ऐसे ही सोच रहा था।"
उन्होंने थोड़ी चिंता भरी नज़रों से क्रिस के चेहरे को देखा। "क्या तुम्हें नींद आ रही है?"
"अच्छा, ठीक है, कुछ तो हैं।"
“तो गोलियां ले लो। क्या तुम लिब्रियम ले रहे हो?”
"हाँ।"
"कितना?"
"दस मिलीग्राम, दिन में दो बार।"
“बीस दिन कर दो। इस बीच, अपनी बेटी से दूर रहने की कोशिश करो। जितना ज़्यादा तुम उसके व्यवहार को देखोगे, उतना ही ज़्यादा तुम्हारे मन में उसके लिए स्थायी रूप से आहत होने की संभावना बढ़ जाएगी। उससे दूर रहो। और थोड़ा धीमे चलो। अगर रीगन को मानसिक आघात पहुँच जाए तो तुम उसकी कोई मदद नहीं कर पाओगे।”
क्रिस ने अपना सिर और आंखें नीचे झुका लीं और निराशा से सिर हिलाया।
“अब सोने जाओ,” कैरस ने उससे कहा। “क्या तुम अभी सो जाओगी?”
“हाँ, ठीक है,” क्रिस ने धीरे से कहा; “मैं वादा करता हूँ।” उसने स्नेह और हल्की सी मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा। “शुभ रात्रि, फादर कैरस। और धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।”
एक पल के लिए कैरस ने उसे फिर से ध्यान से देखा, फिर बोला, "ठीक है, अब शुभ रात्रि," और फिर मुड़कर तेज़ी से चला गया। क्रिस दरवाजे पर खड़ी उसे देखती रही। जैसे ही वह सड़क पार कर रहा था, उसे लगा कि शायद उसने रात का खाना नहीं खाया होगा, और फिर उसे चिंता हुई कि कहीं उसे ठंड तो नहीं लग रही: वह अपनी कमीज़ की आस्तीन नीचे कर रहा था। 1789 रेस्टोरेंट के पास से गुजरते हुए, उससे कुछ गिर गया, शायद जादू-टोने की किताब या रीगन की आवाज़ की टेप। वह उसे उठाने के लिए झुका, और छत्तीसवीं गली और पी के कोने पर, वह बाईं ओर मुड़ा और उसकी नज़रों से ओझल हो गया। क्रिस को अचानक हल्कापन महसूस हुआ।
उसने किंडरमैन को बिना नंबर प्लेट वाली कार में अकेले बैठे हुए नहीं देखा।
आधे घंटे बाद, डेमियन कैरस जॉर्जटाउन कैंपस लाइब्रेरी की अलमारियों से कई किताबें और पत्रिकाएँ लेकर जेसुइट रेजिडेंस हॉल में अपने कमरे में जल्दी से वापस आया। उसने उन्हें जल्दबाजी में अपनी डेस्क पर रख दिया और फिर सिगरेट का पैकेट ढूंढने के लिए दराजों में हाथ-पैर मारे। उसे बासी कैमल्स का आधा खाली पैकेट मिला, उसने एक सिगरेट जलाई, एक कश लिया और धुएं को अपने फेफड़ों में रोक लिया, उसका दिमाग रीगन की ओर चला गया। उसने सोचा, हिस्टीरिया; यही होना

चाहिए। उसने धुआं बाहर निकाला, अपने अंगूठे बेल्ट में फंसाए और किताबों की ओर देखा। उसके पास ओस्टर्रेच की 'पोज़ेशन'; हक्सले की 'द डेविल्स ऑफ लाउडुन'; सिगमंड फ्रायड के हैज़मैन केस में पैराप्रैक्सिस; मैक्कलैंड की 'डेमन पोज़ेशन एंड एक्सॉर्सिज्म इन अर्ली क्रिश्चियनिटी इन द लाइट ऑफ मॉडर्न व्यूज ऑफ मेंटल इलनेस' थीं। और फ्रायड की "17वीं शताब्दी में राक्षसी कब्जे का एक न्यूरोसिस" और "आधुनिक मनोचिकित्सा का दानव विज्ञान" नामक मनोरोग पत्रिकाओं से उद्धरण।
"क्या आप एक बूढ़े वेदी सेवक की मदद कर सकते हैं, फादर?"
जेसुइट ने अपने माथे पर हाथ फेरा, फिर अपनी उंगलियों पर चिपचिपा पसीना देखा। तभी उन्हें याद आया कि उन्होंने अपना दरवाजा खुला छोड़ दिया था। वे कमरे के उस पार गए और दरवाजा बंद किया, फिर अपनी लाल जिल्द वाली रोमन रिचुअल की प्रति लेने के लिए शेल्फ की ओर बढ़े, जो अनुष्ठानों और प्रार्थनाओं का एक संग्रह था। सिगरेट को होठों के बीच दबाकर, उन्होंने धुएं के बीच से आंखें सिकोड़ते हुए भूत भगाने वालों के लिए "सामान्य नियम" वाले पृष्ठ को खोला, जिसमें वे प्रेतवाधित होने के संकेतों की तलाश कर रहे थे। उन्होंने पहले उसे सरसरी तौर पर पढ़ा और फिर धीरे-धीरे पढ़ना शुरू किया:
भूत-प्रेत भगाने वाले को किसी व्यक्ति के भूतग्रस्त होने का आसानी से अनुमान नहीं लगाना चाहिए; बल्कि उसे उन लक्षणों का पता लगाना चाहिए जिनसे भूतग्रस्त व्यक्ति को किसी बीमारी, विशेषकर मानसिक बीमारी से पीड़ित व्यक्ति से अलग पहचाना जा सके। भूत-प्रेत के लक्षण निम्नलिखित हो सकते हैं: किसी अपरिचित भाषा में आसानी से बोलने की क्षमता या किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा बोली जाने वाली भाषा को समझने की क्षमता; भविष्य की और छिपी हुई घटनाओं को प्रकट करने की क्षमता; अपनी उम्र और शारीरिक स्थिति से परे शक्तियों का प्रदर्शन; और कई अन्य लक्षण, जो समग्र रूप से मिलकर भूत-प्रेत के होने का प्रमाण बनाते हैं।
कुछ देर तक कैरस सोचता रहा, फिर वह किताबों की अलमारी से टिककर निर्देशों के शेष भाग को पढ़ने लगा। जब उसने पढ़ना समाप्त कर लिया, तो उसने निर्देश संख्या 8 पर एक नज़र फिर से डाली:
कुछ मामलों में घटित अपराध का खुलासा होता है।
दरवाजे पर हल्की सी दस्तक हुई। "डेमियन?"
कैरास ने ऊपर देखा और कहा, "अंदर आ जाओ।"
यह डायर था। कमरे में प्रवेश करते हुए उसने कहा, "हे, क्रिस मैकनील आपसे संपर्क करने की कोशिश कर रही थी। क्या उसने आपसे बात कर पाई?"
“कब? मतलब, आज रात?”
नहीं, दोपहर के शुरुआती समय में।
“ओह, जी हाँ, जो। धन्यवाद। हाँ, मैंने उससे बात की थी।”
"अच्छा। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता था कि आपको संदेश मिल गया है।"
वह चंचल स्वभाव का पादरी कमरे में इधर-उधर ऐसे घूम रहा था मानो कुछ खोज रहा हो। "तुम्हें क्या चाहिए, जो?" कैरस ने पूछा।
“क्या आपके पास लेमन ड्रॉप्स हैं? मैंने पूरे हॉल में ढूंढा लेकिन किसी के पास नहीं हैं और यार, मुझे एक-दो खाने का बहुत मन कर रहा है,” डायर उदास स्वर में बोला, अभी भी इधर-उधर घूम रहा था। “मैंने एक साल बच्चों के कबूलनामे सुनने में बिताया था, और मैं लेमन ड्रॉप्स का आदी हो गया। ये छोटे बदमाश गांजे के साथ-साथ लेमन

ड्रॉप्स की खुशबू भी फैलाते रहते हैं और इन दोनों की वजह से मुझे लगता है कि इसकी लत लग जाती है।" डायर ने पिस्ता से आधे भरे पाइप-तंबाकू के ह्यूमिडोर का ढक्कन उठाया। "ये क्या हैं?" उसने पूछा। "मरे हुए मैक्सिकन जंपिंग बीन्स?"
कैरास ने किताबों की अलमारी की ओर रुख किया और एक किताब का शीर्षक ढूंढने लगा। "सुनो, जो, मैं अभी थोड़ा व्यस्त हूँ और—"
"अरे, क्रिस कितनी प्यारी है ना?" डायर ने बीच में टोकते हुए कहा और कैरस के पलंग पर लेट गया, अपने हाथों को सिर के पीछे आराम से बांधकर पूरी तरह से अंगड़ाई ले ली। "शानदार महिला। क्या आप उससे मिले हैं? मेरा मतलब है, उसे सामने से देखा है?"
"हमने बात कर ली है," कैरस ने जवाब दिया और उसने हरे रंग की जिल्द वाली एक किताब निकाली जिसका शीर्षक था 'शैतान', जो विभिन्न फ्रांसीसी धर्मशास्त्रियों द्वारा लिखे गए लेखों और कैथोलिक दृष्टिकोण पत्रों का संग्रह था। वह उसे अपने साथ अपनी मेज की ओर ले गया। "अब सुनो—"
"साधारण। ज़मीन से जुड़ी हुई। स्वाभाविक," डायर कमरे की ऊंची छत को घूरते हुए बेखबर होकर सोच रहा था। "जब हम दोनों पादरी का पद छोड़ देंगे, तो वह मेरी योजना में हमारी मदद कर सकती है।"
कैरास ने डायर की ओर तीखी नजरों से देखा। "पुजारी पद कौन छोड़ रहा है?"
"समलैंगिक। भारी संख्या में। मूल अश्वेत लोगों का चलन खत्म हो गया है।"
कैरास ने अपनी मेज पर किताबें रखते हुए हैरानी और असहमति जताते हुए सिर हिलाया। "अरे, चलो भी, जो," कैरास ने उसे डांटते हुए कहा, "इसे लेकर वेगास के किसी लाउंज में जाकर परफॉर्म करो। चलो, निकलो! मुझे कल के लेक्चर की तैयारी करनी है।"
"सबसे पहले हम क्रिस मैकनील के पास जाएंगे," युवा पादरी ने जोर देकर कहा, "संत इग्नेशियस लोयोला के जीवन पर आधारित पटकथा के लिए मेरे पास जो विचार है, उसे मैं फिलहाल 'बहादुर जेसुइट्स मार्चिंग' कह रहा हूं।"
कैरस ने ऐशट्रे में अपनी सिगरेट बुझाते हुए, गुस्से से डायर की ओर सिर उठाया। "जो, क्या तुम यहाँ से जाओगे? मुझे कुछ ज़रूरी काम करना है।"
तो आपको कौन रोक रहा है?
"तुम!" कैरस ने अपनी कमीज के बटन खोलना शुरू कर दिया। "मैं नहाने जा रहा हूँ और जब मैं वापस आऊँगा तो उम्मीद करता हूँ कि तुम यहाँ से जा चुके होगे।"
"खैर," डायर ने अनिच्छा से बड़बड़ाते हुए कहा और उठकर अपने पैर घुमाकर बिस्तर के किनारे पर बैठ गया। "वैसे, मैंने तुम्हें रात के खाने पर नहीं देखा। तुमने कहाँ खाना खाया था?"
मैंने नहीं किया।
"ये तो बेवकूफी है। जब सिर्फ़ फ्रॉक ही पहननी हो तो डाइट करने की क्या जरूरत?"
"क्या हॉल में कोई टेप रिकॉर्डर है?"
"इस हॉल में एक लेमन ड्रॉप भी नहीं है। लैंग्वेज लैब का इस्तेमाल करें।"
"चाबी किसके पास है? राष्ट्रपति महोदय के पास?"
"नहीं। फादर जेनिटर। क्यों आपको इसकी आज रात ज़रूरत है?"
"हाँ, मुझे पता है," कैरस ने अपनी कमीज़ को डेस्क की कुर्सी के पीछे टांगते हुए जवाब दिया। "मैं उसे कहाँ ढूँढूँ?"

"क्या मैं इसे तुम्हारे लिए ला दूं, डोमेयन?"
“क्या तुम मेरी मदद करोगे, जो? मैं सचमुच मुश्किल में हूँ।”
डायर खड़ा हो गया।
"पसीनारहित!"
कैरास ने नहाया और फिर टी-शर्ट और ट्राउजर पहन लिए। अपनी डेस्क पर बैठते ही उसे कैमल नॉन-फिल्टर सिगरेट का एक डिब्बा मिला, और उसके बगल में एक चाबी थी जिस पर 'लैंग्वेज लैब' और दूसरी पर 'रेफेक्टरी रेफ्रिजरेटर' लिखा था। दूसरी चाबी के साथ एक नोट लगा था: चूहों और डोमिनिकन बिल्ली चोरों से तो तुम ही बेहतर हो। कैरास ने हस्ताक्षर देखकर मुस्कुराया: 'द लेमन ड्रॉप किड'। उसने नोट को एक तरफ रख दिया, फिर अपनी घड़ी खोली और उसे डेस्क पर अपने सामने रख दिया। समय था रात के 10:58।
वह पढ़ रहा था। पहले फ्रायड; फिर मैक्कलैंड; शैतान के कुछ अंश; ओर्स्टरेच के विस्तृत अध्ययन के कुछ अंश, और सुबह 4 बजे के कुछ देर बाद, उसने पढ़ना समाप्त कर लिया था और अपने चेहरे और आँखों को मल रहा था: उनमें जलन हो रही थी और हवा में धुएँ का घना गुबार छाया हुआ था, जबकि कैरस की मेज पर ऐशट्रे राख और सिगरेट के मुड़े हुए टुकड़ों से भरी हुई थी। वह उठा और थके हुए कदमों से एक खिड़की तक गया, उसे खोला, नम सुबह की ठंडी हवा में गहरी साँस ली और फिर वहीं खड़े होकर रीगन के बारे में सोचने लगा। हाँ, उसमें प्रेतबाधा के शारीरिक लक्षण थे। इस बारे में उसे कोई संदेह नहीं था। हर मामले में, भूगोल या इतिहास के कालखंड की परवाह किए बिना, प्रेतबाधा के लक्षण लगभग एक जैसे ही होते थे। इनमें से कुछ लक्षण रीगन ने अभी तक नहीं दिखाए थे: स्टिग्माटा या अरुचिकर भोजन की इच्छा, या दर्द के प्रति असंवेदनशीलता, साथ ही बार-बार तेज और अनियंत्रित हिचकी; लेकिन कुछ अन्य लक्षण उसने स्पष्ट रूप से प्रकट किए थे: अनैच्छिक शारीरिक उत्तेजना; मुँह से दुर्गंध; जीभ पर सफ़ेद परत; शरीर का क्षय होना; पेट का फूलना; त्वचा और श्लेष्म झिल्ली में जलन; और सबसे महत्वपूर्ण रूप से मौजूद थे वे बुनियादी लक्षण जो उन मामलों के मूल में पाए जाते हैं जिन्हें ओर्स्टरेइच ने "वास्तविक" प्रेतबाधा के रूप में वर्णित किया था: आवाज और चेहरे की विशेषताओं में उल्लेखनीय परिवर्तन, साथ ही एक नए व्यक्तित्व का प्रकटीकरण।
खिड़की से कैरस उदास निगाहों से सड़क की ओर देख रहा था। पेड़ों की शाखाओं के बीच से उसे मैकनील का घर और रीगन के शयनकक्ष की बड़ी खाड़ी वाली खिड़की दिखाई दे रही थी। अपने अध्ययन से उसने सीखा था कि जब आत्मा का प्रवेश स्वेच्छा से होता है, जैसे कि माध्यमों के मामले में, तो नया व्यक्तित्व अक्सर सौम्य होता है। कैरस मन ही मन सोच रहा था, टिया की तरह, एक ऐसी महिला की आत्मा जिसने एक पुरुष, एक मूर्तिकार, को कुछ समय के लिए और एक बार में केवल एक घंटे के लिए अपने वश में कर लिया था, जब तक कि मूर्तिकार का एक दोस्त टिया के प्यार में बुरी तरह पड़ गया और उसने मूर्तिकार से विनती की कि वह उसे स्थायी रूप से अपने शरीर में रहने की अनुमति दे दे। लेकिन रीगन में, टिया जैसी कोई आत्मा नहीं है, पुजारी ने गंभीर भाव से सोचा, क्योंकि प्रतीत होने वाला "घुसपैठिया" दुर्भावनापूर्ण था और राक्षसी वशीकरण के मामलों का विशिष्ट उदाहरण था जहाँ नया व्यक्तित्व अपने मेजबान के शरीर को नष्ट करना चाहता है।
और अक्सर वे इसमें सफल भी होते थे।

उदास मन से जेसुइट अपने डेस्क पर वापस गए, सिगरेट का एक पैकेट उठाया और एक सिगरेट जलाई। ठीक है, उसे दैवीय आवेश के शारीरिक लक्षण हैं। अब इसका इलाज कैसे करें? उन्होंने माचिस बुझाई। यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसका कारण क्या है। वे अपने डेस्क के किनारे पर बैठ गए और सत्रहवीं शताब्दी के आरंभिक फ्रांस के लिले के कॉन्वेंट की ननों के मामले पर विचार करने लगे। कथित तौर पर दैवीय आवेश से ग्रसित, उन्होंने अपने तांत्रिकों के सामने "स्वीकार" किया था कि दैवीय आवेश की स्थिति में असहाय होने के बावजूद, वे नियमित रूप से शैतानी सामूहिक यौन क्रियाओं में भाग लेती थीं, जिनमें वे अपनी कामुक गतिविधियों को बदलती रहती थीं: सोमवार और मंगलवार को विषमलिंगी संभोग; गुरुवार को समलैंगिक साथियों के साथ गुदा मैथुन, मुख मैथुन और योनि मैथुन; शनिवार को पालतू जानवरों और ड्रैगन के साथ पशु मैथुन। और ड्रैगन? जेसुइट ने खेदपूर्वक अपना सिर हिलाया। लिले की तरह, उनका मानना था कि कई दैवीय आवेशों के कारण धोखे और मिथकवाद का मिश्रण थे, जबकि अन्य मानसिक बीमारी के कारण थे: व्यामोह; सिज़ोफ्रेनिया; न्यूरोस्थेनिया; साइकोस्थेनिया; और यही कारण था, जैसा कि वह जानता था, कि चर्च ने वर्षों से यह सलाह दी थी कि भूत भगाने वाले के साथ अनुष्ठान के दौरान एक मनोचिकित्सक या न्यूरोलॉजिस्ट उपस्थित रहे। फिर भी, हर प्रेतबाधा का कारण इतना स्पष्ट नहीं होता था। कई मामलों में ओस्टरेच ने प्रेतबाधा को एक अलग विकार के रूप में परिभाषित किया; मनोचिकित्सा के व्याख्यात्मक "विभाजित व्यक्तित्व" लेबल को "राक्षस" और "मृत आत्मा" की अवधारणाओं के समान ही रहस्यमय प्रतिस्थापन के रूप में खारिज कर दिया।
कैरास ने अपनी तर्जनी उंगली के किनारे को अपनी नाक के पास की सिलवट पर रगड़ा। क्रिस ने उसे बताया था कि बैरिंगर के संकेतों से पता चलता है कि रीगन का विकार सुझाव के कारण हो सकता है; किसी ऐसी चीज़ के कारण जो किसी न किसी तरह हिस्टीरिया से संबंधित हो। और कैरास को भी ऐसा ही लगा। उसका मानना था कि उसने जिन मामलों का अध्ययन किया था, उनमें से अधिकांश इन्हीं दो कारकों के कारण हुए थे। एक तो, यह ज्यादातर महिलाओं को प्रभावित करता है। दूसरा, प्रेतबाधा की वे तमाम घटनाएं। और फिर वे भूत भगाने वाले... कैरास ने माथे पर शिकन डाली। भूत भगाने वाले खुद भी कभी-कभी प्रेतबाधा के शिकार हो जाते थे, जैसा कि 1634 में फ्रांस के लाउडुन में उर्सुलिन ननों के कॉन्वेंट में हुआ था। भूत-प्रेत के प्रकोप से निपटने के लिए वहाँ भेजे गए चार जेसुइट तांत्रिकों में से तीन—फादर लुकास, लैक्टेंस और टैंक्रिल—न केवल भूत-प्रेत से ग्रसित प्रतीत हुए, बल्कि निरंतर प्रचंड मनोगतिकी (क्रोध में लगातार गाली-गलौज और चीखना, बिस्तर पर लगातार छटपटाना) के कारण हृदय गति रुकने से जल्द ही उनकी मृत्यु हो गई। वहीं चौथे, पेरे सुरिन, जो भूत-प्रेत के प्रकोप के समय तैंतीस वर्ष के थे और यूरोप के अग्रणी बुद्धिजीवियों में से एक थे, पागल हो गए और अपने जीवन के अगले पच्चीस वर्षों तक एक मानसिक अस्पताल में रहे। कैरस ने उदास भाव से सिर हिलाया। यदि रीगन का विकार उन्माद में निहित था और भूत-प्रेत के लक्षणों की शुरुआत सुझाव का परिणाम थी, तो सुझाव का एकमात्र संभावित स्रोत जादू-टोने की पुस्तक में भूत-प्रेत पर अध्याय था। उन्होंने उसके पन्ने पलटे। क्या रीगन ने उसे पढ़ा था? क्या उसके किसी विवरण और रीगन के व्यवहार के बीच कोई उल्लेखनीय समानता थी? उन्होंने कुछ सहसंबंध पाए:

... आठ साल की एक लड़की का मामला, जिसका वर्णन अध्याय में "एक बैल की तरह गर्जना करती हुई, गहरी बेस आवाज में" के रूप में किया गया था। रीगन एक सांड की तरह रंभा रही थी।
हेलेन स्मिथ का मामला, जिनका इलाज महान मनोवैज्ञानिक फ्लोरनोई ने किया था; उनके द्वारा हेलेन की आवाज़ और चेहरे के भावों में "बिजली की गति से" विभिन्न व्यक्तित्वों में बदलने का वर्णन। उन्होंने मेरे साथ भी ऐसा ही किया। ब्रिटिश लहजे में बोलने वाली शख्सियत। झटपट बदलाव। पल भर में।
दक्षिण अफ्रीका में एक घटना, जिसका प्रत्यक्ष विवरण प्रख्यात नृवंशविज्ञानी जूनोड ने दिया था; उन्होंने एक महिला का वर्णन किया जो एक रात अपने घर से गायब हो गई और अगली सुबह एक बहुत ऊंचे पेड़ की "चोटी" पर "पतली लताओं" से बंधी हुई मिली, और फिर "पेड़ से नीचे सरकती हुई, सिर नीचे, फुफकारती हुई और सांप की तरह अपनी जीभ को तेजी से अंदर-बाहर करती हुई" पाई गई। वह कुछ देर तक वहीं लटकी रही और फिर एक ऐसी भाषा में बोलने लगी जिसे किसी ने पहले कभी नहीं सुना था।" रीगन, शेरोन का पीछा करते हुए सांप की तरह सरक रही थी। वह निरर्थक भाषा। क्या यह किसी "अज्ञात भाषा" को बोलने का प्रयास था?
... आठ और दस साल के जोसेफ और थिबाउट बर्नर का मामला; उनके बारे में वर्णन है कि वे "अपनी पीठ के बल लेटे हुए थे और अचानक अत्यंत तेज़ी से लट्टू की तरह घूमने लगे।" यह या तो पूरी तरह से मनगढ़ंत लगता है या बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है, लेकिन रीगन के दरवेश की तरह घूमने से काफी मिलता-जुलता है।
अन्य समानताएँ भी थीं, और सुझाव पर संदेह करने के अन्य कारण भी थे: असामान्य शक्ति और अश्लील भाषा का उल्लेख, साथ ही सुसमाचारों में प्रेतबाधा के वर्णन, जो शायद बैरिंगर क्लिनिक में रीगन के प्रलापों की विचित्र धार्मिक सामग्री का आधार थे, जैसा कि कैरस ने अनुमान लगाया था। इसके अलावा, अध्याय में प्रेतबाधा की शुरुआत के चरणों का उल्लेख था: "...पहला चरण, संक्रमण, पीड़ित के परिवेश के माध्यम से हमले से मिलकर बनता है: शोर, गंध, बिना किसी प्रत्यक्ष कारण के वस्तुओं का विस्थापन; और दूसरा चरण, जुनून, पीड़ित पर एक व्यक्तिगत हमला है जिसका उद्देश्य उस तरह की चोट के माध्यम से आतंक पैदा करना है जो एक व्यक्ति दूसरे को मुक्कों और लातों से पहुँचा सकता है।" खटखटाहट। फेंकना। कैप्टन हाउडी द्वारा हमले।
ठीक है, शायद... शायद उसने इसे पढ़ा हो, कैरस ने सोचा। लेकिन उसे यकीन नहीं था। बिलकुल नहीं! और क्रिस भी। वह तो इसके बारे में बहुत अनिश्चित लग रही थी।
कैरास फिर खिड़की के पास गया। तो फिर जवाब क्या है? सचमुच किसी आत्मा का कब्ज़ा? कोई दानव? उसने नीचे देखा और सिर हिलाया। अरे, बिलकुल नहीं! लेकिन अलौकिक घटनाएँ? ज़रूर। क्यों नहीं? कई काबिल पर्यवेक्षकों ने इनके बारे में बताया है। डॉक्टर। मनोचिकित्सक। जूनोड जैसे लोग। लेकिन समस्या यह है कि इन घटनाओं की व्याख्या कैसे की जाए? उसे साइबेरिया के अल्ताई में रहने वाले एक तांत्रिक के बारे में ओस्टर्रेच की बात याद आई, जिसने "जादुई करतब" करने के लिए जानबूझकर किसी आत्मा के कब्ज़े को आमंत्रित किया था। हवा में उड़ने का करतब करने से ठीक पहले एक क्लिनिक में उसकी जाँच की गई, तो उसकी नाड़ी की गति बढ़कर सौ हो गई, और फिर बाद में आश्चर्यजनक रूप से दो सौ तक पहुँच गई, साथ ही उसके शरीर के तापमान और श्वसन में भी उल्लेखनीय परिवर्तन हुए थे। तो उसकी अलौकिक क्रिया

शरीर विज्ञान से जुड़ी थी! यह किसी शारीरिक ऊर्जा या बल के कारण हुई थी! लेकिन कैरस को पता चला था कि किसी पर कब्ज़ा होने के सबूत के तौर पर चर्च को स्पष्ट और बाहरी तौर पर सत्यापित होने योग्य ऐसी घटनाओं की ज़रूरत होती है जो संकेत दें... उसे शब्द याद नहीं थे, लेकिन अपनी मेज़ पर पड़ी शैतान की किताब के पन्ने पर उंगली फेरते हुए कैरस को वो शब्द मिल गए: "...सत्यापित होने योग्य बाहरी घटनाएँ जो यह संकेत देती हैं कि वे मनुष्य के अलावा किसी बुद्धिमान शक्ति के असाधारण हस्तक्षेप के कारण हैं।" क्या यह बात उस तांत्रिक के मामले में भी लागू होती थी? नहीं, ज़रूरी नहीं। और रीगन के बारे में क्या? क्या उसके मामले में भी यही बात लागू होती है?
कैरास ने रोमन रिचुअल की अपनी प्रति में पेंसिल से ब्रैकेट में लगाए गए एक अंश की ओर रुख किया: "भूत भगाने वाला बस इस बात का ध्यान रखेगा कि रोगी के किसी भी लक्षण का हिसाब न छूट जाए।" कैरास ने सोच-समझकर सिर हिलाया। ठीक है, तो चलिए देखते हैं। टहलते हुए, उसने रीगन के विकार के लक्षणों और उनके संभावित स्पष्टीकरणों पर विचार किया। उसने मन ही मन एक-एक करके उन पर निशान लगाया:
रीगन के चेहरे में आया चौंकाने वाला बदलाव।
आंशिक रूप से उसकी बीमारी और आंशिक रूप से कुपोषण के कारण, हालांकि उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि ज्यादातर यह इस तथ्य के कारण था कि शारीरिक बनावट किसी व्यक्ति की मानसिक संरचना की अभिव्यक्ति होती है।
रीगन की आवाज में आया चौंकाने वाला बदलाव।
कैरास ने सोचा कि उसने अभी तक उसकी "असली" आवाज़ नहीं सुनी थी। और अगर उसकी माँ के बताए अनुसार आवाज़ हल्की भी होती, तो लगातार चीखने से स्वर रज्जु मोटे हो जाते और परिणामस्वरूप आवाज़ गहरी हो जाती। यहाँ समस्या केवल उस आवाज़ की अस्पष्ट गड़गड़ाहट थी, क्योंकि स्वर रज्जु मोटे होने पर भी यह शारीरिक रूप से असंभव प्रतीत होता। फिर भी, उसने सोचा, चिंता या मानसिक बीमारी की स्थिति में, मांसपेशियों की क्षमता से अधिक असाधारण शक्ति का प्रदर्शन आम बात होती है। क्या स्वर रज्जु और स्वरयंत्र भी इसी रहस्यमय प्रभाव से प्रभावित नहीं होते?
रीगन की शब्दावली और ज्ञान में अचानक विस्तार हो गया।
क्रिप्टोम्नेसिया: बचपन में भी जिन शब्दों और जानकारियों से वह परिचित रही हो, उनकी दबी हुई यादें। नींद में चलने वाले लोगों में—और अक्सर मृत्यु के करीब पहुंच चुके लोगों में—दबी हुई जानकारियाँ लगभग फोटोग्राफिक सटीकता के साथ सामने आ जाती हैं।
रीगन द्वारा उन्हें एक पुजारी के रूप में मान्यता देना।
अच्छा अनुमान है। अगर उसने प्रेतबाधा पर अध्याय पढ़ा होता, तो शायद उसे किसी पुजारी के आने की उम्मीद होती। और जंग के अनुसार, हिस्टीरिया के रोगियों की अवचेतन जागरूकता और संवेदनशीलता कभी-कभी सामान्य से पचास गुना अधिक हो सकती है, जिसके बारे में जंग का मानना था कि यह माध्यमों द्वारा मेज पर हाथ फेरकर किए जाने वाले प्रतीतिक रूप से प्रामाणिक "विचार-पठन" का कारण है, क्योंकि वास्तव में माध्यम का अवचेतन मन मेज पर उस व्यक्ति के हाथों से उत्पन्न कंपन और कंपकंपी को "पढ़" रहा होता है जिसके विचार पढ़े जा रहे होते हैं। ये कंपन अक्षरों या संख्याओं का एक पैटर्न बनाते हैं। इस प्रकार, रीगन ने संभवतः केवल उसके

हावभाव से या उसके हाथों पर लगे पवित्र तेलों की गंध से ही उसकी पहचान "पढ़" ली होगी।
रीगन को अपनी मां की मृत्यु की जानकारी थी।
एक और अच्छा अनुमान। उनकी उम्र छियालीस वर्ष थी।
"क्या आप एक बूढ़े वेदी सेवक की मदद कर सकते हैं, फादर?"
कैथोलिक मदरसों में इस्तेमाल होने वाली पाठ्यपुस्तकों में टेलीपैथी को एक वास्तविकता और एक प्राकृतिक घटना दोनों के रूप में स्वीकार किया गया था।
रीगन की असाधारण बौद्धिक क्षमता।
इन सबमें से इसे समझाना सबसे कठिन था। लेकिन कथित तांत्रिक घटनाओं से जुड़े बहुव्यक्तित्व के एक मामले का व्यक्तिगत रूप से अवलोकन करते हुए, मनोचिकित्सक जंग ने निष्कर्ष निकाला कि उन्मादपूर्ण नींद में चलने की अवस्था में न केवल इंद्रियों की अचेतन अनुभूतियाँ तीव्र हो जाती हैं, बल्कि बुद्धि की कार्यप्रणाली भी तेज हो जाती है, क्योंकि इस मामले में नया व्यक्तित्व पहले वाले की तुलना में स्पष्ट रूप से अधिक बुद्धिमान प्रतीत होता था। लेकिन क्या मात्र इस घटना की रिपोर्ट करने से ही इसका स्पष्टीकरण हो जाता है?
वह अचानक टहलना बंद करके अपनी मेज के पास रुक गया, एकदम ठहर गया, क्योंकि उसे अचानक एहसास हुआ कि हेरोदेस पर रीगन का व्यंग्य जितना पहली नजर में लग रहा था, उससे कहीं ज्यादा जटिल था। जेसुइट को याद आया कि जब फरीसियों ने हेरोदेस की धमकियों के बारे में मसीह को बताया था, तो मसीह ने जवाब दिया था: "जाओ और उस लोमड़ी से कहो कि मैं दुष्ट आत्माओं को निकालता हूँ!"
कैरास ने रीगन की आवाज़ की टेप पर एक नज़र डाली, और फिर थके हुए अंदाज़ में डेस्क पर बैठ गया। उसने एक और सिगरेट जलाई और नीले-भूरे रंग के धुएं का एक बेतरतीब गुच्छा उड़ाया। वह एक बार फिर बर्नर लड़कों और उस आठ साल की बच्ची के मामले के बारे में सोचने लगा, जिसमें भूत-प्रेत के पूर्ण लक्षण दिखाई दिए थे। उस बच्ची ने कौन सी किताब पढ़ी थी जिससे उसके अवचेतन मन ने भूत-प्रेत के लक्षणों को इतनी सटीकता से अनुकरण कर लिया था? और चीन में पीड़ितों का अवचेतन मन साइबेरिया, जर्मनी, अफ्रीका और हर जगह, हर संस्कृति और समय में, भूत-प्रेत से ग्रसित लोगों के विभिन्न अवचेतन मनों तक उन लक्षणों को कैसे पहुंचाता है, जिससे लक्षण हमेशा एक जैसे होते हैं?
"वैसे, आपकी मां भी हमारे साथ यहीं हैं, कैरस।"
जेसुइट पादरी सीधे आगे घूर रहा था, मानो कुछ देख ही नहीं रहा हो। उसकी उंगलियों के बीच पकड़ी सिगरेट से धुएँ के गुच्छे उठकर जीवन में प्रवेश करते और फिर क्षणिक मृत्यु में तब्दील हो जाते, जैसे गलत पहचान और सपनों की यादें। उसने अपनी मेज के बाईं ओर के निचले दराज की ओर देखा, कुछ क्षणों तक चुपचाप और स्थिर रहा, फिर अंत में झुककर दराज खोला और एक फीकी पड़ चुकी अंग्रेजी भाषा की अभ्यास पुस्तिका निकाली, जो वयस्क शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए थी। उसकी माँ की। उसने उसे मेज पर रखा, कुछ देर रुका और फिर बड़ी सावधानी से पन्ने पलटे। पहले वर्णमाला के अक्षर, बार-बार। फिर सरल अभ्यास।

पाठ VI
मेरा पूरा पता

पन्नों के बीच, एक पत्र लिखने का प्रयास:

प्रिय डिम्मी,
मैं प्रतीक्षारत हूं
फिर एक नई शुरुआत। अधूरी। उसने नज़रें फेर लीं। खिड़की पर उसकी आँखें देखीं... इंतज़ार करती हुई...
“ ‘प्रभु, मैं योग्य नहीं हूँ।’ ”
आंखें रीगन की हो गईं।
“ ‘बस एक शब्द बोलो...’ ”
कैरास ने एक बार फिर रीगन की आवाज की टेप पर नजर डाली।
वह कमरे से बाहर निकला और टेप लेकर कैंपस की एक भाषा प्रयोगशाला में गया, वहाँ उसे एक टेप रिकॉर्डर मिला और वह बैठ गया। उसने टेप को खाली रील में सावधानी से डाला, ईयरफ़ोन लगाए, स्विच को ऑन किया और फिर, थका हुआ और बेचैन, वह आगे झुककर सुनने लगा। कुछ देर तक, सिर्फ़ टेप की सरसराहट सुनाई दी। मशीन की चरमराहट। अचानक, चालू होने की एक ज़ोरदार आवाज़। शोर। "हैलो?" फिर एक धीमी प्रतिक्रिया। क्रिस मैकनील, धीमी आवाज़ में, पृष्ठभूमि में: "माइक्रोफ़ोन के इतने पास मत आओ, जान। थोड़ा दूर रहो।" "ऐसे?" "नहीं, और दूर।" "ऐसे?" "हाँ, ठीक है। अब बोलो।" खिलखिलाहट। माइक्रोफ़ोन का मेज़ से टकराना। फिर रीगन मैकनील की मीठी, साफ़ आवाज़:
“हेलो, पापा? मैं हूँ। उम्म...” खिलखिलाते हुए; फिर धीरे से फुसफुसाते हुए बोली: “मम्मी, मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूँ!” “अरे, बस उन्हें बता दो कि तुम कैसी हो, बेटा। उन्हें बताओ कि तुम क्या-क्या कर रही हो।” फिर खिलखिलाते हुए। “उम्म, पापा... देखिए... मतलब, मुझे उम्मीद है कि आप मुझे ठीक से सुन पा रहे हैं, और, उम्म —अच्छा, चलिए देखते हैं। उम्म, अच्छा, पहले हम—नहीं, रुकिए! देखिए, पहले हम वाशिंगटन में हैं, पापा, आपको पता है ना? यहीं राष्ट्रपति रहते हैं, और यह घर— आपको पता है ना, पापा?—यह—धत्! पापा, रुकिए, अब; मुझे फिर से शुरू करना होगा। देखिए, पापा, यहाँ...”
कैरास ने बाकी बातें धुंधली-धुंधली और मानो दूर से, और कानों में खून की गर्जना के बीच से सुनीं, मानो वहाँ उसकी उपस्थिति से एक जबरदस्त अंतर्ज्ञान उमड़ रहा हो:
मैंने उस कमरे में जो देखा, वह रीगन नहीं थी!
कैरास जेसुइट निवास हॉल में लौट आए, जहाँ उन्हें एक खाली कमरा मिला और उन्होंने सुबह की भीड़ से पहले अपनी प्रार्थना की। जब उन्होंने पवित्र रोटी को उठाया, तो वह उनकी उंगलियों में एक ऐसी आशा से कांप उठी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी, जिससे वे अपनी इच्छाशक्ति के हर कण और रेशे से लड़ रहे थे। “ ‘क्योंकि यह—मेरा—शरीर है,’ ” उन्होंने धीमी, गंभीर स्वर में कहा।
नहीं, ये तो रोटी है! ये तो सिर्फ रोटी है!
वह दोबारा प्यार करने और उसे खोने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था। वह नुकसान बहुत बड़ा था, वह दर्द असहनीय था। उसके संदेह और शंकाओं का कारण, रीगन के कथित प्रेतबाधा के मामले में प्राकृतिक कारणों को नकारने के उसके प्रयासों का कारण, विश्वास करने की उसकी तीव्र इच्छा थी। उसने अपना सिर झुकाया और पवित्र रोटी अपने मुँह में रखी, जहाँ कुछ ही पलों में वह उसके गले की रूखीपन में अटक जाएगी। और उसके विश्वास में भी।

प्रार्थना सभा के बाद, उन्होंने नाश्ता छोड़ दिया और अपने व्याख्यान के लिए नोट्स बनाए, फिर जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के मेडिकल स्कूल में अपनी कक्षा से मिले, जहाँ उन्होंने किसी तरह लड़खड़ाती हुई आवाज़ में अपना अधूरा व्याख्यान दिया: "...और उन्मादपूर्ण मनोदशा विकारों के लक्षणों पर विचार करते हुए, आप..."
“पापा, ये मैं हूँ... ये मैं हूँ...”
लेकिन "मैं" कौन था?
कैरास ने क्लास जल्दी खत्म की और अपने कमरे में लौट आए, जहाँ वे तुरंत अपनी डेस्क पर बैठ गए और शैतानी कब्ज़े के अलौकिक संकेतों पर चर्च के रुख का गहनता से पुनर्मूल्यांकन करने लगे। क्या मैं कुछ ज़्यादा ही कठोर हो रहा था? उन्होंने सोचा। उन्होंने शैतान के बारे में लिखी मुख्य बातों का बारीकी से अध्ययन किया: “टेलीपैथी... प्राकृतिक घटनाएँ... यहाँ तक कि टेलीकिनेसिस, यानी दूर से वस्तुओं का हिलना... हमारे पूर्वज... विज्ञान... आजकल हमें ज़्यादा सतर्क रहना चाहिए, भले ही अलौकिक साक्ष्य कितने भी स्पष्ट क्यों न हों।” आगे की बात पर आते ही कैरास ने अपनी पढ़ने की गति धीमी कर दी: “रोगी के साथ हुई सभी बातचीत का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया जाना चाहिए, क्योंकि यदि उनमें विचारों के जुड़ाव और तार्किक आदतों की वही प्रणाली दिखाई देती है जो वह अपनी सामान्य अवस्था में प्रदर्शित करता है, तो कब्ज़े को संदिग्ध माना जाना चाहिए।”
कैरास ने धीरे से अपना सिर हिलाया। बात नहीं बनी। उसने सामने वाले पन्ने पर रखी प्लेट पर नज़र डाली। एक राक्षस। उसकी निगाहें यूँ ही कैप्शन पर टिक गईं: "पज़ूज़ू।" कैरास ने अपनी आँखें बंद कर लीं और भूत भगाने वाले फादर टैंक्विल की मृत्यु की कल्पना करने लगा: अंतिम पीड़ाएँ: चीखना, फुफकारना और उल्टी करना, उसके "राक्षसों" द्वारा उसे बिस्तर से ज़मीन पर पटकना, जो क्रोधित थे क्योंकि जल्द ही वह मर जाएगा और उनके कष्टों से मुक्त हो जाएगा। और फिर लुकास! हे भगवान! फादर लुकास! लुकास मरते हुए टैंक्विल के बिस्तर के पास घुटनों के बल बैठा प्रार्थना कर रहा था, और उसकी मृत्यु के क्षण में, लुकास ने तुरंत टैंक्विल के राक्षसों का रूप धारण कर लिया और अभी भी गर्म शव पर, मल और उल्टी की दुर्गंध से त्रस्त, खरोंचे हुए शरीर पर बेरहमी से लात मार रहा था, जबकि चार बलवान पुरुष उसे रोकने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि बताया जाता है कि वह तब तक नहीं रुका जब तक शव को कमरे से बाहर नहीं ले जाया गया। क्या यह सच हो सकता है? कैरास सोचने लगा। क्या रीगन के लिए एकमात्र उम्मीद भूत भगाने की रस्म ही थी? क्या उसे अपने सारे दर्दों का पिटारा खोलना ही होगा? वह इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था और न ही इसे अनदेखा कर सकता था। उसे जानना ही होगा। और फिर कैसे? कैरास ने अपनी आँखें खोलीं। "...मरीज से बातचीत बहुत सावधानी से करनी होगी..." हाँ। हाँ, क्यों नहीं? अगर रीगन और उस "राक्षस" के बोलने का तरीका बिल्कुल अलग निकला, तो प्रेतबाधा की संभावना बनी रहेगी, जबकि अगर तरीका एक जैसा हुआ, तो इसे पूरी तरह खारिज कर दिया जाएगा।
कैरास खड़ा हुआ और कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। और क्या? और क्या? कुछ जल्दी से। वह—एक मिनट रुको! कैरास अचानक रुक गया और सोच में डूब गया। जादू-टोने की किताब का वह अध्याय। क्या उसमें इसका ज़िक्र था...? हाँ! हाँ, था! उसमें लिखा था कि जब भी राक्षसों का सामना पवित्र रोटी या पवित्र अवशेषों से होता है, तो वे हमेशा क्रोध से भर उठते हैं... कैरास ने अपना सिर उठाया और अचानक उसे

कुछ याद आया: और पवित्र जल से भी! ठीक है! इससे बात पक्की हो सकती है! वह तेज़ी से अपने काले सूटकेस में खोजने लगा। वह पवित्र जल की शीशी ढूंढ रहा था।
विली ने उसे घर में प्रवेश दिया, और प्रवेश द्वार पर उसने रीगन के शयनकक्ष की ओर देखा। चीखें। गालियाँ। लेकिन फिर भी उस राक्षस की गहरी, कर्कश आवाज़ में नहीं। बहुत हल्की। खुरदरी। एक चौड़ी ब्रिटिश... हाँ! यह वही अभिव्यक्ति थी जो क्षण भर के लिए तब प्रकट हुई थी जब कैरस ने आखिरी बार रीगन को देखा था।
कैरास ने प्रतीक्षा कर रहे विली की ओर देखा। वह गोल रोमन कॉलर और पुरोहितों के वस्त्रों को देखकर अचंभित थी।
"श्रीमती मैकनील कहाँ हैं, कृपया?"
विली ने उसे ऊपर जाने का इशारा किया।
"धन्यवाद।"
कैरास सीढ़ियों की ओर बढ़ा। ऊपर चढ़ा। हॉल में क्रिस को देखा। वह रीगन के शयनकक्ष के पास एक कुर्सी पर सिर झुकाए, हाथ सीने पर बांधे बैठी थी। जैसे ही जेसुइट पास आया, उसने उसके वस्त्रों की सरसराहट सुनी, मुड़कर उसे देखा और झट से खड़ी हो गई। "नमस्कार, फादर।"
कैरास ने भौंहें चढ़ाईं। उसकी आंखों के नीचे नीले रंग की थैलीनुमा संरचनाएं थीं।
“क्या तुम सोए थे?” उसने चिंता से पूछा।
"ओह, थोड़ा सा।"
कैरास ने फटकार लगाते हुए अपना सिर हिलाया। "क्रिस।"
“खैर, मैं नहीं कर सकी,” क्रिस ने रीगन के बेडरूम के दरवाजे की ओर इशारा करते हुए कहा। “वह पूरी रात यही कर रही है।”
"क्या उल्टी हुई?"
“नहीं।” क्रिस ने उसे अपने साथ ले जाने के इरादे से उसके चोगे की आस्तीन पकड़ ली। “चलो, नीचे चलते हैं जहाँ हम—”
“नहीं, मैं उससे मिलना चाहूंगा,” कैरस ने दृढ़ता से कहा।
"अभी?"
कैरास ने सोचा, "यहाँ कुछ गड़बड़ है।" क्रिस तनावग्रस्त और डरा हुआ लग रहा था। उसने पूछा, "क्यों नहीं?"
उसने चुपके से रीगन के बेडरूम के दरवाजे की तरफ देखा। अंदर से कर्कश, पागल ब्रिटिश आवाज चीखी: “लानत है नाज़ी! नाज़ी कमीने!” क्रिस ने नीचे और बगल में देखा। “ठीक है,” उसने धीरे से कहा। “अंदर जाओ।”
“क्या आपके घर में कोई टेप रिकॉर्डर है? मतलब, कोई छोटा सा; पोर्टेबल वाला?” कैरस ने पूछा।
क्रिस ने ऊपर देखा। "हाँ, हम करते हैं, पिताजी। क्यों?"
"क्या आप कृपया इसे एक खाली टेप रील के साथ कमरे में मंगवा सकते हैं?"
अचानक, क्रिस ने थोड़ी घबराहट के साथ भौंहें सिकोड़ीं। "किसलिए? अरे, एक मिनट रुको। तुम्हारा मतलब है, तुम रीगन की रिकॉर्डिंग करना चाहते हो?"
“यह महत्वपूर्ण है।”
“बिल्कुल नहीं, पिताजी! बिलकुल नहीं!”
“देखो, मुझे बोलने के तरीकों की तुलना करनी है,” कैरस ने उससे गंभीरता से कहा। “इससे चर्च के अधिकारियों को यह साबित हो सकता है कि तुम्हारी बेटी सचमुच

प्रेतबाधित है!”
दोनों अचानक तेज आवाज़ की ओर मुड़े, जब नौकर ने रीगन के बेडरूम का दरवाजा खोला और गंदे डायपर और बिस्तर से भरा एक थैला लेकर बाहर आया, तो कार्ल पर गालियों की बौछार होने लगी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, उसने दरवाजा बंद कर दिया, जिससे गालियों की बौछार बंद हो गई।
“कार्ल, क्या तुम उस पर एक नया हमला करोगे?” क्रिस ने पूछा।
नौकर की भयभीत निगाहें पहले कैरस पर पड़ीं, फिर क्रिस पर। उसने संक्षिप्त स्वर में कहा, "वे तैयार हैं।" वह मुड़ा और तेज़ी से गलियारे से होते हुए सीढ़ियों की ओर चल पड़ा। क्रिस उसके तेज़ कदमों की आवाज़ सुनता रहा, और जब आवाज़ें शांत हो गईं, तो क्रिस कैरस की ओर मुड़ा, और कंधे झुकाए, उदास नज़र से उसने धीरे से और विनम्रतापूर्वक कहा, "ठीक है, पिताजी। मैं इसे ऊपर भिजवा दूँगी।"
और अचानक वह गलियारे से तेजी से चली गई।
कैरास उसे देखता रहा। वह क्या छिपा रही थी? उसने सोचा। कुछ तो छिपा रही थी। फिर अचानक सन्नाटा छा गया, तो वह बेडरूम के दरवाजे की ओर बढ़ा, उसे खोला, अंदर गया, चुपचाप दरवाजा बंद किया और सामने मुड़ गया। और घूरने लगा। उस भयानक दृश्य को; बिस्तर पर लेटी उस दुबली-पतली, कंकाल जैसी आकृति को, जो व्यंग्य भरी आँखों से घूर रही थी, जिनमें धूर्तता और घृणा भरी थी, और सबसे परेशान करने वाली बात यह थी कि उसका हावभाव एक शक्तिशाली सत्ता का प्रतीक था।
कैरास धीरे-धीरे बिस्तर के निचले हिस्से तक गया, जहाँ वह रुका और फिर प्लास्टिक की पैंट में दस्त के कारण हो रहे मल त्याग की धीमी गड़गड़ाहट को सुनने लगा।
“अरे, नमस्कार, कैरस!” रीगन ने उनका सौहार्दपूर्वक अभिवादन किया।
“नमस्कार,” पुजारी ने शांत भाव से उत्तर दिया। “बताइए, आप कैसा महसूस कर रहे हैं?”
“इस समय, तुम्हें देखकर बहुत खुशी हुई। जी हाँ। बहुत प्रसन्न हूँ।” और अब मुँह से एक लंबी, रोएँदार जीभ बाहर लटक रही थी, जबकि आँखें खुलेआम अभिमान से कैरस को परख रही थीं। “लगता है तुम अपनी असली रंगत दिखा रहे हो। बहुत बढ़िया।” एक और गड़गड़ाहट। “तुम्हें थोड़ी सी बदबू से कोई दिक्कत तो नहीं है, कैरस?”
"बिल्कुल नहीं।"
“कितना बड़ा झूठा है!”
क्या झूठ बोलना आपको परेशान करता है?
"हल्के से।"
लेकिन शैतान को झूठ बोलने वाले पसंद होते हैं।
“सिर्फ अच्छे लोग, मेरे प्यारे कैरस; सिर्फ अच्छे लोग। और वैसे भी, तुम्हें किसने बताया कि मैं शैतान हूँ?”
“क्या तुमने नहीं किया?”
"ओह, शायद मैंने किया हो। शायद। मेरी तबीयत ठीक नहीं है। वैसे, क्या आपने मेरी बात पर विश्वास किया?"
"ओह, मैंने किया।"
अगर मैंने आपको गुमराह किया हो तो माफ़ी चाहता हूँ। असल में, मैं तो बस एक बेचारा संघर्षरत दानव हूँ। एक शैतान। यह एक सूक्ष्म अंतर है, लेकिन नरक में हमारे

पेता को यह पूरी तरह से समझ में आ गया है। यह कितना बुरा शब्द है - नरक। मैं कहता रहा हूँ कि हमें इसका नाम बदलकर स्कॉटिश आयाम रख देना चाहिए, लेकिन वह कभी सुनते ही नहीं। कैरस, तुम मेरी ज़बान फिसलने की बात उनसे नहीं कहोगे, है ना? जब तुम उनसे मिलोगे?
“उसे देखो? क्या वह यहाँ है?”
“सूअर के बच्चे में? ऐसी किस्मत नहीं। हम तो बस भटकती आत्माओं का एक छोटा सा गरीब परिवार हैं। वैसे, आप हमें यहाँ होने के लिए दोष तो नहीं देंगे, है ना? आखिर हमारे पास जाने के लिए कोई जगह नहीं है। कोई घर नहीं है।”
और आप कितने दिन रुकने की योजना बना रहे हैं?
अचानक गुस्से से चेहरा बिगड़ते हुए, रीगन तकिए से उछल पड़ी और क्रोध में चिल्लाई, "जब तक वह सुअर का बच्चा मर नहीं जाता!" और फिर उतनी ही अचानक, मोटे होंठों और लार टपकती मुस्कान के साथ वापस तकिए पर लेट गई और बोली, "वैसे, भूत भगाने के लिए कितना बढ़िया दिन है!"
किताब! उसने यह किताब में ही पढ़ा होगा!
व्यंग्यपूर्ण निगाहें भेदक ढंग से घूर रही थीं।
“इसे जल्द ही शुरू करो, कैरस। बहुत जल्द।”
"आपको पसंद आएगा?"
"तीव्रतापूर्वक।"
"लेकिन क्या इससे आप रीगन से दूर नहीं हो जाएंगे?"
"इससे हम एक साथ आ सकेंगे।"
“आप और रीगन?”
“तुम और हम, मेरे प्यारे टुकड़े। तुम और हम।”
कैरास घूर रहा था। उसकी गर्दन के पीछे, उसे बर्फीले ठंडे हाथों का हल्का स्पर्श महसूस हुआ। और फिर अचानक वे हाथ गायब हो गए। डर के कारण? कैरास ने सोचा। किस बात का डर?
“हाँ, तुम हमारे छोटे से परिवार में शामिल हो जाओगे,” रीगन ने आगे कहा। “देखो, आकाश में चमत्कारों की समस्या यह है कि एक बार उन्हें देख लेने के बाद कोई बहाना नहीं बचता। क्या तुमने गौर किया है कि आजकल कितने कम चमत्कार देखने को मिलते हैं? इसमें हमारी कोई गलती नहीं है, प्यारे कैरस। हम कोशिश करते हैं!”
अचानक तेज़ धमाके की आवाज़ सुनकर कैरस चौंक गया। एक दराज खुल कर पूरी लंबाई में बाहर आ गई थी, और पुजारी को उसे अचानक बंद होते देखकर एक अजीब सी सिहरन महसूस हुई। बस! एक पुष्ट, अलौकिक घटना! और फिर अचानक ही, पुजारी को मनोगति और उसके विभिन्न प्राकृतिक स्पष्टीकरण याद आ गए, और उसकी भावना एक प्राचीन पेड़ की सड़ी हुई छाल की तरह गायब हो गई। धीमी, लगातार हंसी की आवाज़ सुनकर वह रीगन की ओर मुड़ा। वह मुस्कुरा रही थी।
"आपसे बात करके कितना अच्छा लगा, कैरस," उसने अपनी कर्कश आवाज़ में कहा; "मैं आज़ाद महसूस कर रही हूँ। एक व्यभिचारी की तरह, मैं अपने विशाल पंख फैला रही हूँ। वास्तव में, मेरा आपको यह बताना भी आपके अभिशाप को और बढ़ाएगा, मेरे डॉक्टर, मेरे प्यारे और अकीर्तिमान चिकित्सक।"
“क्या तुमने ऐसा किया? क्या तुमने अभी-अभी अलमारी का दराज हिलाया?”

रीगन नाम का प्राणी सुन नहीं रहा था। उसने दरवाजे की ओर देखा, किसी के तेजी से गलियारे से आने की आवाज सुनकर, और अब उसके चेहरे पर वही भाव उभर आए जो पहले प्रकट हुए थे। "लानत है कसाई कमीने!" वह अपनी कर्कश, ब्रिटिश लहजे वाली आवाज में चीखा। "गाली देने वाला हूण!"
दरवाजे से कार्ल अंदर आया, टेप रिकॉर्डर लिए तेज़ी से आगे बढ़ रहा था। बिस्तर से नज़रें हटाकर उसने टेप रिकॉर्डर कैरस को सौंप दिया और फिर पीला पड़ा चेहरा लिए तेज़ी से कमरे से बाहर निकल गया।
“हिमलर, निकल जाओ! मेरी नज़रों से दूर हो जाओ! जाओ और अपनी लंगड़ी बेटी से मिलो! उसके लिए गोभी का सूप ले आओ! गोभी का सूप और हेरोइन, थॉर्नडाइक! उसे बहुत पसंद आएगा! उसे बहुत पसंद आएगा—!”
कार्ल ने दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया था, और अब अचानक रीगन के भीतर की भावनाएँ शांत हो गईं। "ओह, जी हाँ, हैलो हैलो हैलो! क्या हालचाल है?" उसने खुशी से कहा, जब उसने कैरस को बिस्तर के बगल में एक छोटी गोल मेज पर टेप रिकॉर्डर रखते हुए देखा। "क्या हम कुछ रिकॉर्ड करने वाले हैं, पादरी जी? कितना मज़ा आएगा! ओह, मुझे अभिनय करना बहुत पसंद है, आप जानते हैं! ओह, हाँ, बहुत ज़्यादा!"
“ओह, बढ़िया!” कैरस ने अपनी तर्जनी उंगली से टेप रिकॉर्डर के लाल रिकॉर्ड बटन को दबाते हुए जवाब दिया, जिससे एक छोटी सी लाल बत्ती जल उठी। “वैसे, मैं डेमियन कैरस हूँ। और आप कौन हैं?”
“अब मुझसे मेरी उपलब्धियों के बारे में पूछ रहे हो, बत्तखों?” उसने हंसते हुए कहा। “ओह, अच्छा, मैंने जूनियर क्लास के नाटक में पक का किरदार निभाया था।” उसने चारों ओर नज़र घुमाई। “वैसे, पीने के लिए कुछ है क्या? मुझे बहुत प्यास लगी है।”
अगर आप मुझे अपना नाम बता देंगे, तो मैं किसी को ढूंढने की कोशिश करूंगा।
“हाँ, बिल्कुल,” उसने फिर से हंसते हुए कहा। “और फिर शायद तुम इसे सारा खुद ही पी जाओगे।”
“अपना नाम क्यों नहीं बता रही?” कैरस ने पूछा।
“साला लुटेरा!”
इसके साथ ही, ब्रिटिश लहजे वाली पहचान गायब हो गई और उसकी जगह तुरंत ही शैतानी रेगन ने ले ली। "तो अब हम क्या कर रहे हैं, कैरस? ओह, मैं समझ गया। हम रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। कितना अजीब है!"
कैरास ने बिस्तर के बगल में एक कुर्सी खींची और बैठ गया।
“क्या आपको कोई आपत्ति है?” उसने कहा।
“बिल्कुल नहीं। मिल्टन को पढ़ो और तुम्हें पता चलेगा कि मुझे नरक की मशीनें पसंद हैं। वे ‘उसके’ सभी बेतुके संदेशों को रोक देती हैं।”
"उसे जो है'?"
उस प्राणी ने जोर से पाद मारी। "यही तुम्हारा जवाब है।"
अचानक कैरस को एक भयानक दुर्गंध ने घेर लिया। यह एक ऐसी गंध थी जैसे...
“साकरक्राउट, कैरस? क्या तुमने ध्यान दिया है?”
जेसुइट ने हैरानी जताते हुए कहा, "सच में इसमें साउरक्रॉट जैसी गंध आ रही है। ऐसा लग रहा था जैसे यह बिस्तर से, रीगन के शरीर से आ रही हो, और फिर अचानक गायब हो गई, उसकी जगह पहले वाली सड़ी हुई बदबू आ गई।" कैरस ने माथे पर

शिकन डाली। क्या मैंने यह सब कल्पना की थी? क्या यह स्वतःस्फूर्तता थी? कैरस ने पूछा, "मैं पहले किससे बात कर रहा था?"
“परिवार का सिर्फ एक सदस्य।”
“एक दानव?”
“आप उसे जरूरत से ज्यादा श्रेय दे रहे हैं। दानव शब्द का अर्थ है ‘बुद्धिमान’। वह मूर्ख है।”
जेसुइट एकदम सतर्क हो गया। "ओह, सच में? किस भाषा में दानव का अर्थ 'बुद्धिमान' होता है?" उसने पूछा।
“क्यों, यूनानी भाषा में।”
"क्या आप ग्रीक बोलते हैं?"
"बहुत धाराप्रवाह तरीके से।"
एक संकेत! कैरस ने उत्साह से सोचा। एक अनजान भाषा में बोलना! यह उसकी उम्मीद से कहीं बढ़कर था। "Pos egnokas hoti piesbyteros eimi?" उसने जल्दी से शास्त्रीय ग्रीक में पूछा।
"अभी मेरा मूड नहीं है, कैरस।"
“ओह, मैं समझ गया। तो फिर आप सचमुच ऐसा नहीं कर सकते—”
मैंने कहा, मेरा मूड नहीं है!
कैरास ने एक तरफ देखा, फिर वापस देखा और सौहार्दपूर्ण ढंग से पूछा, "क्या यह आप ही थे जिसने दराज को बाहर खिसकाया?"
"हाँ, बिल्कुल, कैरस।"
कैरस ने सिर हिलाया। "अत्यंत प्रभावशाली। तुम अवश्य ही बहुत शक्तिशाली दानव होगे।"
“ओह, मैं हूँ, मेरे प्यारे टुकड़े; मैं हूँ। वैसे, क्या तुम्हें अच्छा लगता है कि कभी-कभी मेरी आवाज़ बिल्कुल मेरे बड़े भाई स्क्रूटेप जैसी लगती है?” तेज़ ठहाकों और कर्कश हँसी का एक ज़ोरदार धमाका हुआ। कैरस ने उसके शांत होने का इंतज़ार किया। “हाँ, मुझे यह दिलचस्प लगता है,” उसने कहा; “लेकिन इस बीच, दराज वाली तरकीब?”
"इसके बारे में क्या है?"
“यह तो अविश्वसनीय है! मैं सोच रहा था कि क्या आप इसे दोबारा करेंगे।”
"समय के भीतर।"
"क्यों नहीं अभी?"
“क्यों, हमें आपको संदेह का कोई कारण देना ही होगा! जी हाँ, बस इतना ही कि अंतिम परिणाम सुनिश्चित हो जाए।” उस शैतानी व्यक्तित्व ने शरारती हंसी हंसते हुए कहा। “वाह, सच्चाई के माध्यम से हमला करने का कितना अनोखा तरीका है! जी हाँ, ‘खुशी से आश्चर्यचकित’, बिल्कुल सही!”
कैरास घूर रहा था, उसकी बर्फीली उंगलियां एक बार फिर उसकी गर्दन के पिछले हिस्से को हल्के से छू रही थीं। फिर से डर क्यों? उसने सोचा। क्यों?
भयानक मुस्कान के साथ, रीगन ने कहा, "मेरी वजह से।"
कैरास ने हैरानी से देखते हुए एक बार फिर आश्चर्य का अनुभव किया और फिर तुरंत अपने विचार को संक्षेप में व्यक्त किया: इस अवस्था में, वह शायद टेलीपैथिक हो सकती है।
"क्या तुम मुझे बता सकते हो कि मैं अभी क्या सोच रहा हूँ, शैतान?"

"मेरे प्यारे कैरस, तुम्हारे विचार इतने नीरस हैं कि उन पर ध्यान देने का कोई मतलब नहीं है।"
"ओह, तो फिर आप मेरे मन की बात नहीं जान सकते। क्या आपका यही मतलब है?"
रीगन ने नज़रें फेर लीं, उसका हाथ बेमन से चादर को कुरेद रहा था, वह लापरवाही से एक छोटे से लिनेन के शंकु को उठाती और फिर नीचे रख देती थी। फिर उसने नीरस स्वर में कहा, "आप इसे जैसे चाहें रख सकते हैं; जैसे आप चाहें।"
फिर सन्नाटा छा गया। कैरस ने टेप-रिकॉर्डर की चरमराहट, रीगन की कांपती, सीटी जैसी और भारी साँसों को सुना। उसे लगा कि इस हालत में उसकी बातों का और नमूना सुनने की ज़रूरत है, इसलिए वह आगे झुका, कमर झुकाकर, मानो गहरी दिलचस्पी से। "तुम कितनी दिलचस्प इंसान हो," उसने स्नेह से कहा।
रीगन ने उसकी ओर मुड़कर व्यंग्य करते हुए कहा, "तुम मजाक कर रहे हो!"
“अरे नहीं, सच में! मैं आपके बारे में और जानना चाहूंगी। आपने तो मुझे कभी बताया ही नहीं कि आप कौन हैं।”
“क्या तुम बहरे हो? मैंने तुम्हें बताया है! मैं एक शैतान हूँ!”
“हाँ, मुझे पता है, लेकिन कौन सा शैतान? तुम्हारा नाम क्या है?”
"अरे, नाम में क्या रखा है, कैरस? सच में! लेकिन ठीक है, अगर आपको इससे ज़्यादा आराम महसूस होता है तो मुझे हाउडी कहिए।"
“अरे, समझ में आया! आप कैप्टन हाउडी हैं, रीगन के दोस्त!”
"उनकी बहुत करीबी दोस्त, कैरस।"
"अरे, सच में? लेकिन फिर तुम उसे क्यों सताते हो?"
“क्योंकि मैं उसकी दोस्त हूँ! सुअर के बच्चे को यह पसंद है!”
"कैप्टन हाउडी, यह बात समझ में नहीं आती। रीगन को यातना सहना क्यों पसंद आएगा?"
उससे पूछो!
"क्या आप उसे जवाब देने की अनुमति देंगे?"
"मैं नहीं कर पाया!"
"तो फिर मेरे पूछने का क्या फायदा होगा?"
“बिल्कुल नहीं!” उनकी आँखों में उपहास और द्वेष की चमक थी।
“मैं थोड़ी देर पहले किससे बात कर रहा था?” कैरस ने पूछा।
"अरे, तुमने मुझसे यह सवाल पहले भी पूछा है।"
"हां, मुझे पता है, लेकिन आपने कभी जवाब नहीं दिया।"
"प्यारे हनी पिगलेट का एक और अच्छा दोस्त।"
"क्या मैं इस व्यक्ति से बात कर सकता हूँ?"
“नहीं। वो तुम्हारी माँ के साथ व्यस्त है। वो उसका लिंग जड़ तक चूस रही है, कैरस! जड़ तक!” धीमी और गहरी हँसी; और फिर, “शानदार जीभ। मुलायम होंठ।”
कैरास के भीतर क्रोध की लहर दौड़ गई, और फिर अचानक उसे एहसास हुआ कि उसका क्रोध रीगन पर नहीं, बल्कि उस दानव पर निर्देशित था! उस दानव पर! उसने शांति को कंधों से कसकर पकड़ा, गहरी सांस ली और फिर खड़े होकर उसने अपनी जेब से एक पतली कांच की शीशी निकाली और उसका ढक्कन खोला।
रीगन ने उसे संदेह भरी निगाहों से देखा। "तुम्हारे हाथ में क्या है?" उसने कर्कश स्वर में पूछा, सख्ती से पीछे हटते हुए, उसकी आँखों में आशंका थी।

“क्या तुम्हें नहीं पता? अरे, ये तो पवित्र जल है, शैतान!” कैरस ने जवाब दिया, और जैसे ही रीगन सिसकने लगी और अपनी पट्टियों से छूटने के लिए ज़ोर लगाने लगी, उसने शीशी के अंदर के तरल पदार्थ की बूँदें उस पर फेंकनी शुरू कर दीं। “ओह, ये जल रहा है! ये जल रहा है!” रीगन दर्द से कराहते हुए, चीखी। “इसे रोको, इसे रोको, पादरी कमीने!” वह रोई। “इसे रोको!”
खाली निगाहों से घूरते हुए, कैरस का शरीर और आत्मा दोनों ही शिथिल पड़ गए। उसने पानी छिड़कना बंद कर दिया और उसका हाथ और शीशी धीरे-धीरे और बेजान होकर उसके बंगल में गिर पड़े। उन्माद। सुझाव। उसने किताब पढ़ी थी! उसने टेप रिकॉर्डर पर एक नज़र डाली, फिर अपना सिर नीचे करके हिलाया। क्यों परेशान होना? लेकिन अब उसने सन्नाटे को महसूस किया, इतना हवाहीन, इतना गहरा, और उसने रीगन की ओर देखा और तुरंत उसकी भौहें हैरानी से सिकुड़ गईं। यह क्या है? उसने सोचा। क्या हो रहा है? राक्षसी व्यक्तित्व गायब हो गया था और उसकी जगह दूसरे लक्षण आ गए थे, जो मिलते-जुलते थे, फिर भी अलग थे, आँखें अब ऊपर की ओर धंसी हुई थीं, जिससे केवल सफेद भाग ही दिखाई दे रहा था। होंठ हिल रहे थे। बुखार में बड़बड़ाहट। कैरस बिस्तर के किनारे आया और सुनने के लिए झुक गया। यह कुछ नहीं है, बस निरर्थक शब्द हैं, उसने सोचा; और फिर भी इसमें लय है, जैसे कोई भाषा हो। क्या यह संभव है? कैरस ने सोचा। आशा की। उसे अपने सीने में पंखों की फड़फड़ाहट महसूस हुई। उसने झट से उन्हें पकड़ लिया। उन्हें थामे रखा। अरे, बेवकूफ मत बनो, डेमियन!
और अभी तक...
उसने टेप रिकॉर्डर का वॉल्यूम मॉनिटर चेक किया, एम्प्लीफिकेशन नॉब को घुमाया और रीगन के होठों के ऊपर कान लगाकर ध्यान से सुन रहा था कि अचानक बड़बड़ाहट बंद हो गई और उसकी जगह भारी, कर्कश और गहरी साँसें सुनाई देने लगीं। कुछ नया। नहीं। कोई नया। कैरस सीधा खड़ा हुआ और चुपचाप हैरानी से रीगन को देखने लगा। आँखों का सफेद भाग। पलकें फड़फड़ा रही थीं। "तुम कौन हो?" उसने पूछा।
“नोवोनमाई,” दर्द से कराहती हुई फुसफुसाहट में किसी ने जवाब दिया। “नोवोनमाई। नोवोनमाई।” वह कर्कश, साँस फूलती हुई आवाज़ दूर से आती हुई प्रतीत हुई, मानो किसी अँधेरे, एकांत स्थान से आ रही हो, दुनिया के छोर से परे, समय से परे, आशा से परे, यहाँ तक कि त्याग और निराशा के सुकून से भी परे।
कैरास ने भौंहें चढ़ा लीं। "क्या यही आपका नाम है?"
होंठ हिले। तीव्र स्वर। धीमे। अस्पष्ट।
और फिर अचानक वे बंद हो गए।
“क्या आप मुझे समझ पा रहे हैं?” कैरस ने पूछा।
सन्नाटा। सिर्फ़ साँसें, लंबी और गहरी। अस्पताल के वेंटिलेटर पर नींद की आवाज़। कैरस इंतज़ार करता रहा। और ज़्यादा की उम्मीद करता रहा।
कुछ नहीं आया।
कैरास ने टेप रिकॉर्डर उठाया, रीगन को आखिरी बार गौर से देखा और फिर कमरे से निकलकर नीचे चला गया।
उसने क्रिस को रसोई में शैरन के साथ मेज पर कॉफी पीते हुए उदास बैठे पाया। जैसे ही उन्होंने उसे पास आते देखा, दोनों महिलाओं ने उत्सुकता और जिज्ञासा भरी निगाहों

से उसकी ओर देखा। क्रिस ने शैरन से धीरे से कहा, "रीगन को जाकर देख लेना बेहतर होगा।"
“हाँ, ज़रूर।” शैरन ने कॉफ़ी का आखिरी घूंट लिया, कैरस को हल्की सी मुस्कान दी और चली गई। कैरस उसे देखता रहा और उसके जाने के बाद मेज पर बैठ गया।
क्रिस ने चिंता से उसकी आँखों में देखते हुए पूछा, "तो क्या चल रहा है?" जवाब देने ही वाला था कि कैरस हिचकिचा गया क्योंकि कार्ल चुपचाप पेंट्री से अंदर आया और बर्तन साफ़ करने के लिए सिंक की ओर चला गया।
“कोई बात नहीं,” क्रिस ने धीरे से कहा। “आगे बढ़िए, फादर कैरस। तो ऊपर क्या हुआ? आपको क्या लगता है?”
कैरास ने मेज पर अपने हाथ जोड़ लिए। उसने कहा, “दो व्यक्तित्व थे; एक जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था और दूसरा जिसकी झलक मुझे शायद पहले कभी मिली थी। वयस्क पुरुष। ब्रिटिश जैसा लगता है। क्या आप इनमें से किसी को जानते हैं?”
क्या यह महत्वपूर्ण है?
एक बार फिर कैरस ने क्रिस के चेहरे पर अचानक तनाव देखा। "हाँ, मुझे ऐसा लगता है," उसने कहा। "हाँ, यह महत्वपूर्ण है।"
क्रिस ने मेज पर रखे नीले चीनी मिट्टी के बर्तन पर नजर डाली। फिर, "हाँ," उसने कहा; "मैं उसे जानती थी।"
"जानता था?"
क्रिस ने ऊपर देखा और धीरे से कहा, "बर्क डेनिंग्स।"
“निर्देशक?”
"हाँ।"
“वह निर्देशक जो—”
"हाँ।"
अपने जवाब पर विचार करते हुए, कैरस ने अपने हाथों की ओर देखा। क्रिस की बाईं तर्जनी उंगली थोड़ी फड़क रही थी।
“क्या आपको कॉफी या कुछ और नहीं चाहिए, पिताजी?” कैरस ने ऊपर देखा। “नहीं, मैं ठीक हूँ,” उसने कहा। “मैं बिल्कुल ठीक हूँ,” और फिर, अपनी बाहों को मोड़कर मेज पर टिकाते हुए, वह आगे झुका। “तो क्या रीगन उसे जानती थी?” उसने पूछा।
"आपका मतलब बर्क से है?"
“जी हां, डेनिंग्स।”
"कुंआ-"
अचानक एक तेज़ आवाज़ आई, ज़ोरदार खड़खड़ाहट। चौंककर क्रिस सहम गया, फिर उसने देखा कि कार्ल ने एक रोस्टिंग पैन ज़मीन पर गिरा दिया था, और जैसे ही वह उसे उठाने के लिए झुका, उसने उसे फिर से गिरा दिया।
हे भगवान! कार्ल!
“माफ़ कीजिए, महोदया! माफ़ कीजिए!”
"चलो, यहाँ से निकलो, कार्ल! थोड़ा आराम करो! जाकर कोई फिल्म देखो या कुछ और करो!"
नहीं, महोदया, शायद बेहतर होगा अगर—
“कार्ल, मैं सच कह रहा हूँ!” क्रिस ने चिढ़कर उससे कहा। “निकल जाओ! थोड़ी देर के लिए इस घर से बाहर निकल जाओ! हम सबको यहाँ से निकलना होगा! अब जाओ!”

“हॉ, तुम जाओ!” विली ने अंदर आते ही यही आवाज़ दोहराई और कार्ल के हाथ से बर्तन छीन लिया। उसने चिढ़कर उसे पेंट्री की ओर धकेल दिया।
कार्ल ने कैरस और क्रिस पर एक संक्षिप्त नजर डाली और फिर चला गया।
“माफ़ कीजिए पिताजी,” क्रिस ने धीमी आवाज़ में कहा। उसने सिगरेट निकालने के लिए हाथ बढ़ाया। “उन्हें आजकल बहुत ज़्यादा सिगरेट पीनी पड़ रही है।”
“तुम सही कह रही थी,” कैरस ने नरमी से कहा। उसने माचिस का पैकेट उठाया। “तुम सबको घर से बाहर निकलने की कोशिश करनी चाहिए।” उसने उसकी सिगरेट जलाई, माचिस बुझाई और उसे ऐशट्रे में रखते हुए कहा, “तुम भी।”
“हाँ, मुझे पता है। और ये बर्कथिंग—जो भी हो—मेरा मतलब है, उसमें क्या लिखा था?”
क्रिस पादरी को ध्यान से देख रहा था।
कैरास ने कंधे उचकाते हुए कहा, "बस गालियां।"
"बस इतना ही?"
पुजारी ने उसकी आवाज़ में डर की हल्की सी झलक महसूस की। "लगभग," उन्होंने जवाब दिया। फिर उन्होंने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए पूछा, "वैसे, क्या कार्ल की कोई बेटी है?"
“बेटी? नहीं, जहाँ तक मुझे पता है नहीं। या अगर है भी, तो उसने कभी इसका ज़िक्र नहीं किया।”
“क्या आपको यकीन है?”
क्रिस ने सिंक साफ कर रहे विली की ओर मुड़कर कहा, "सुनो, विली, तुम्हारी कोई बेटी तो नहीं है ना?"
विली ने शांत भाव से सफाई करते हुए उत्तर दिया, "जी मैडम, लेकिन वह बहुत पहले ही मर जाएगी।"
"ओह, मुझे माफ करना, विली।"
"धन्यवाद।"
क्रिस ने कैरस की ओर मुड़कर कहा, "मैंने उसके बारे में पहली बार सुना है।" कैरस ने फुसफुसाते हुए कहा, "तुमने क्यों पूछा? तुम्हें कैसे पता चला?"
"रीगन ने इसका जिक्र किया था।"
क्रिस ने अविश्वास भरी निगाहों से उसकी ओर देखा और फुसफुसाते हुए कहा, "क्या?"
“उसने ऐसा किया। क्या उसने पहले कभी ईएसपी होने के लक्षण दिखाए हैं?”
“ईएसपी, पिताजी?”
"हाँ।"
झिझकते हुए, क्रिस ने भौंहें चढ़ाकर एक तरफ देखा। "मुझे नहीं पता। मैं निश्चित नहीं हूँ। मेरा मतलब है, कई बार ऐसा हुआ है जब ऐसा लगता है कि वह भी वही सोच रही है जो मैं सोच रहा हूँ, लेकिन क्या करीबी लोगों के साथ ऐसा नहीं होता?"
कैरास ने सिर हिलाया और कहा, "हाँ। हाँ, ऐसा ही है। अब यह दूसरी शख्सियत, तीसरी शख्सियत जिसका मैंने जिक्र किया था—वही शख्सियत है जो तब सामने आई जब उसे सम्मोहित किया गया था?"
“बकवास बातें करता है?”
“बेतुकी बातें कर रहा है। कौन है ये?”
"मुझें नहीं पता।"
"यह बिल्कुल भी परिचित नहीं है?"

"नहीं।बिलकुल नहीं।"
"क्या आपने रीगन के मेडिकल रिकॉर्ड मंगवाए हैं?"
“वे आज दोपहर यहाँ होंगे। वे सीधे आपके पास आ रहे हैं, फादर। उन्हें छुड़ाने का यही एकमात्र तरीका था, और इसके लिए भी मुझे काफी हंगामा करना पड़ा।”
"हां, मुझे लगा था कि कुछ गड़बड़ हो सकती है।"
“पहले थे। लेकिन वे आ रहे हैं।”
"अच्छा।"
अपनी बाहों को छाती पर मोड़कर, क्रिस कुर्सी पर पीछे झुक गई और गंभीरता से कैरस को घूरने लगी। "ठीक है, पिताजी, तो अब हम कहाँ हैं? असल बात क्या है?"
“अच्छा, आपकी बेटी—”
“नहीं, तुम समझ रहे हो ना मेरा मतलब,” क्रिस ने बीच में ही टोकते हुए कहा। “मेरा मतलब है, भूत भगाने की अनुमति लेने के बारे में क्या?”
कैरास ने अपनी निगाहें नीचे झुका लीं और धीरे से सिर हिलाया। "मुझे इस बात की बहुत कम उम्मीद है कि मैं इसे बिशप को बेच पाऊंगा।"
“तुम्हारा मतलब क्या है, ‘बहुत उम्मीद नहीं’? ऐसा क्यों?”
कैरास ने अपनी जेब में हाथ डाला, पवित्र जल की शीशी निकाली और क्रिस को दिखाते हुए पूछा, "इसे देखो?"
"इसके बारे में क्या है?"
कैरास ने धीमी आवाज़ में कहा, "मैंने रीगन से कहा कि यह पवित्र जल है, और जब मैंने इसे उस पर छिड़कना शुरू किया, तो उसने बहुत हिंसक प्रतिक्रिया दी।"
“ओह, वाह, यह तो अच्छी बात है, पिताजी। है ना?”
“नहीं। यह सचमुच पवित्र जल नहीं है। यह तो बस साधारण नल का पानी है।”
“तो? तो फिर क्या फर्क है, पिताजी?”
“पवित्र जल को आशीर्वाद दिया गया है।”
“ओह, अच्छा, मुझे तो खुशी है, पिताजी! सचमुच!” क्रिस ने बढ़ती झुंझलाहट और चिड़चिड़ाहट के साथ जवाब दिया। “तो शायद कुछ राक्षस बेवकूफ होते हैं!”
"क्या आपको सच में लगता है कि उसके अंदर कोई शैतान है?"
“मुझे लगता है कि उसके अंदर कुछ ऐसा है जो उसे मारना चाहता है, और चाहे उसे पेशाब और सेवन-अप में फर्क पता हो या न हो, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्या आपको भी ऐसा नहीं लगता, फादर कैरस? मतलब, माफ कीजिए, लेकिन आपने मेरी राय पूछी थी!” क्रिस ने चिढ़कर अपनी सिगरेट ऐशट्रे में बुझाई। “तो अब आप मुझे क्या बता रहे हैं—कोई झाड़-फूंक नहीं?”
“देखो, मैंने तो अभी-अभी इस मामले की छानबीन शुरू की है,” कैरस ने क्रिस की तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा। “लेकिन चर्च के कुछ मापदंड हैं जिनका पालन करना ज़रूरी है और इसके पीछे बहुत अच्छे कारण हैं, जैसे कि भलाई से ज़्यादा हानि न करना, साथ ही उन अंधविश्वासों से दूर रहना जो लोग हर साल हम पर थोपते रहते हैं! उदाहरण के लिए, ‘हवा में उड़ने वाले पादरी’ और धन्य माता की मूर्तियाँ जो कथित तौर पर गुड फ्राइडे और अन्य पर्वों पर खून के आँसू बहाती हैं! अब मुझे लगता है कि मैं इन सब बातों में योगदान दिए बिना जी सकता हूँ!”
"क्या आप थोड़ा सा लिब्रियम लेना चाहेंगे, पिताजी?"
मुझे खेद है, लेकिन आपने मेरी राय पूछी थी।

मुझे लगता है कि मुझे लगभग सब कुछ समझ आ गया है।
कैरास ने सिगरेट का पैकेट उठाया।
“मैं भी,” क्रिस ने कहा।
कैरस ने सिगरेट का पैकेट आगे बढ़ाया। क्रिस ने एक सिगरेट ली, फिर कैरस ने, जिसने दोनों को जलाया और साथ में धुआं छोड़ते हुए शांति और सुकून की वापसी पर राहत की सांस ली।
"मुझे बहुत खेद है," कैरस ने मेज़ की ओर देखते हुए कहा।
"हाँ, वो बिना फिल्टर वाली सिगरेटें आपको मार डालेंगी।"
उसके बाद सन्नाटा छा गया, क्रिस बगल में फर्श से छत तक फैली खिड़की से की ब्रिज पर यातायात को देख रहा था। तभी किसी चीज़ के धीरे-धीरे और रुक-रुक कर थपथपाने की आवाज़ आई। क्रिस मुड़ा और देखा कि कैरस सिगरेट के पैकेट को घूर रहा था और उसे धीरे-धीरे पलट रहा था। अचानक उसने ऊपर देखा और क्रिस की नम और जिज्ञासु निगाहों से उसका सामना हुआ। "ठीक है, सुनो," उसने कहा; "मैं तुम्हें वे संकेत देने जा रहा हूँ जिन्हें चर्च भूत भगाने की औपचारिक रस्म को मंजूरी देने से पहले स्वीकार कर सकता है।"
“हाँ, अच्छा है। मैं उन्हें सुनना चाहता हूँ।”
“एक तो ऐसी भाषा में बात करना है जिसे विषय ने पहले कभी नहीं जाना; कभी पढ़ा नहीं। मैं उस पर काम कर रहा हूँ। देखते हैं क्या होता है। उसके बाद अंतर्ज्ञान की बात आती है, हालाँकि आजकल इसे केवल टेलीपैथी या ईएसपी कहकर खारिज किया जा सकता है।”
“क्या आप इन सब बातों पर विश्वास करते हैं?”
कैरास ने उसे गौर से देखा, अविश्वास से भरी उसकी मुस्कराहट और भौंहें तन गईं। उसने तय किया कि वह गंभीर थी। "आजकल यह निर्विवाद है," उसने उससे कहा, "हालांकि, जैसा कि मैंने कहा, यह बिल्कुल भी अलौकिक नहीं है।"
“हे भगवान, चार्ली ब्राउन!”
"ओह, तो आपमें भी संशयवादी पक्ष है।"
“अन्य लक्षण क्या हैं?”
"खैर, चर्च शायद ही कभी इस बात को स्वीकार करेगा कि—उद्धरण—‘उसकी क्षमता और उम्र से परे शक्तियां’। यह एक व्यापक परिभाषा है; इसका मतलब है कुछ भी अस्पष्ट रूप से अलौकिक या रहस्यमय।"
"ओह, सच में? अच्छा, तो फिर दीवार पर हो रही उन तेज़ आवाज़ों और बिस्तर पर उसके उछल-कूद करने के बारे में क्या?"
"अपने आप में, इनका कोई महत्व नहीं है।"
"तो फिर, उसकी त्वचा पर उन चीजों के बारे में क्या?"
"क्या चीजें?"
“मैंने आपको नहीं बताया?”
"मुझे क्या बताओ?"
“ओह, ये बैरिंगर क्लिनिक में हुआ था,” क्रिस ने बताया। “वहाँ...” उसने अपनी उंगली से अपनी छाती पर निशान बनाया। “पता है, जैसे कुछ लिखा हो? बस अक्षर। वो उसकी छाती पर दिखते थे, फिर गायब हो जाते थे। बस यूँ ही।”
कैरास ने भौंहें चढ़ाईं। "आपने 'अक्षर' कहा था, शब्द नहीं?"

“नहीं, कोई शब्द नहीं। बस एक या दो बार 'एम'। फिर एक 'एल'।”
“और तुमने यह देखा?” कैरस ने उससे पूछा।
"नहीं, ऐसा नहीं है। लेकिन उन्होंने मुझे बताया था।"
"तुमसे किसने कहा?"
“धत् तेरे की, क्लिनिक के डॉक्टर!” क्रिस ने चिड़चिड़ाते हुए कहा। फिर, “ठीक है, माफ़ कीजिए,” उसने कहा। “देखिए, आपको रिकॉर्ड में दिख जाएगा। ये सच है।”
"लेकिन यह भी एक प्राकृतिक घटना हो सकती है।"
“कहाँ? ट्रांसिल्वेनिया में?” क्रिस अविश्वास से फिर से चौंक उठा।
कैरास ने सिर हिलाया। “देखिए, मैंने पत्रिकाओं में ऐसे मामले पढ़े हैं और बिशप इसे हमारे खिलाफ इस्तेमाल कर सकते हैं। मुझे याद है, एक मामला था जिसमें एक जेल मनोचिकित्सक ने बताया था कि उनका एक मरीज—एक कैदी—स्वयं को सम्मोहन की अवस्था में ले जा सकता था और अपनी त्वचा पर राशि चक्र के चिह्न प्रकट कर सकता था।” उन्होंने अपनी छाती की ओर इशारा करते हुए कहा। “त्वचा को ऊपर उठा सकता था।”
"लड़के, तुम्हारे साथ चमत्कार आसानी से नहीं होते, है ना?"
“मैं आपको क्या बताऊं? देखिए, एक बार एक प्रयोग हुआ था जिसमें एक व्यक्ति को सम्मोहित करके बेहोश किया गया था; फिर उसकी दोनों भुजाओं में शल्यक्रिया द्वारा चीरे लगाए गए। उसे बताया गया कि उसकी बाईं भुजा से खून बहेगा, लेकिन दाहिनी भुजा से नहीं। खैर, बाईं भुजा से खून बहा और दाहिनी भुजा से नहीं।”
वाह!
“हाँ, वाह! मन की शक्ति ने रक्त प्रवाह को नियंत्रित किया। कैसे? कौन जानता है। लेकिन ऐसा होता है। तो घावों के मामलों में—जैसे उस कैदी के मामले में जिसका मैंने ज़िक्र किया, या शायद रीगन के मामले में भी—अचेतन मन त्वचा में रक्त प्रवाह के अंतर को नियंत्रित करता है, उन हिस्सों में अधिक रक्त भेजता है जिन्हें वह उभारना चाहता है। और फिर आपको अक्षर, या चित्र, शायद शब्द भी दिखाई देते हैं। यह रहस्यमय है, लेकिन अलौकिक तो बिलकुल नहीं।”
"आप वाकई एक पेचीदा मामला हैं, फादर कैरस, क्या आप यह जानते हैं?"
"नियम बनाने वाला मैं नहीं हूं।"
"वाह, आपने तो इन्हें लागू करवाने में अपना पूरा दिल लगा दिया है।"
सोच में डूबे हुए पुजारी ने अपना सिर झुकाया और अंगूठे के सिरे को होठों से छुआ; फिर उन्होंने अंगूठा नीचे किया और क्रिस की ओर देखा। “सुनो, शायद इससे तुम्हें समझने में मदद मिलेगी,” उन्होंने धीरे और कोमल स्वर में कहा। “चर्च ने—मैंने नहीं; चर्च ने—एक बार भूत भगाने की इच्छा रखने वालों के लिए एक चेतावनी प्रकाशित की थी। मैंने उसे कल रात पढ़ा था। उसमें लिखा था कि ज़्यादातर लोग जो सोचते हैं कि उन पर भूत का साया है या जिनके बारे में माना जाता है कि उन पर भूत का साया है—और मैं शब्दशः उद्धृत कर रहा हूँ—‘उन्हें पुजारी से कहीं ज़्यादा डॉक्टर की ज़रूरत है।’ अब क्या तुम अनुमान लगा सकते हो कि वह चेतावनी कब जारी की गई थी?”
"नहीं, कब?"
“वर्ष पंद्रह सौ तिरासी।”
क्रिस पहले तो हैरानी से देखती रही, फिर नज़रें झुकाकर बुदबुदाई, "हाँ, वह वाकई एक भयानक साल था।" उसने पादरी को अपनी कुर्सी से उठते हुए सुना। पादरी ने

उससे कहा, "मुझे क्लिनेक के रिकॉर्ड देखने दीजिए, और इस बीच मैं रीगन के पिता को लिखे पत्र की टेप और अभी-अभी बनाई गई टेप को जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के भाषा एवं भाषाविज्ञान संस्थान में ले जा रहा हूँ। हो सकता है यह बेतुकी बातें किसी भाषा की हों। मुझे शक है, लेकिन मुमकिन है। इस बीच, रीगन की सामान्य अवस्था में बोलने के तरीके की तुलना अभी-अभी रिकॉर्ड की गई टेप से करने पर बहुत कुछ पता चल सकता है। अगर दोनों एक जैसी हैं, तो आपको पक्का पता चल जाएगा कि उस पर किसी बुरी आत्मा का कब्ज़ा नहीं है।"
“और फिर क्या?” क्रिस ने उससे पूछा।
पुजारी ने उसकी आँखों में गहरी नज़र डाली। वे उथल-पुथल से भरी हुई थीं। हे भगवान, कैरस ने सोचा, उसे चिंता है कि कहीं उसकी बेटी पर भूत-प्रेत का साया तो नहीं है! किसी गहरी समस्या, किसी छिपी हुई बात का उसका डर फिर से जाग उठा था। "क्या मैं कुछ देर के लिए आपकी कार उधार ले सकता हूँ?" उसने पूछा।
क्रिस ने उदास निगाहों से एक तरफ देखा। "तुम मेरी जिंदगी कुछ समय के लिए उधार ले सकते हो। बस गुरुवार तक वापस कर देना। क्या पता; मुझे इसकी जरूरत पड़ जाए।"
दर्द से कर्रास झुके हुए और असहाय सिर को घूर रहा था। वह क्रिस का हाथ थामकर उसे आश्वस्त करना चाहता था कि सब ठीक हो जाएगा। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका। उसे इस बात पर विश्वास नहीं था।
क्रिस खड़ा हो गया। "मैं तुम्हारे लिए चाबियां ले आता हूँ।"
वह एक हताश प्रार्थना की तरह दूर चली गई।
कैरास वापस हॉस्टल में अपने कमरे में गए, जहाँ उन्होंने क्रिस का टेप रिकॉर्डर छोड़ा था। उन्होंने रीगन की आवाज़ वाला टेप उठाया और फिर सड़क पार करके क्रिस की खड़ी कार के पास गए। जैसे ही वे ड्राइवर सीट पर बैठे, उन्होंने क्रिस के घर के दरवाज़े से कार्ल एंगस्ट्रॉम की आवाज़ सुनी: “फादर कैरास!” कैरास ने देखा। कार्ल सीढ़ियों से नीचे भाग रहे थे। वे एक काली चमड़े की जैकेट पहन रहे थे और हाथ हिला रहे थे।
“फादर कैरास! बस एक पल रुकिए!” उन्होंने क्रिस की कार की ओर दौड़ते हुए कहा।
कैरास ने झुककर यात्री तरफ की खिड़की नीचे कर दी, जहाँ कार्ल झुककर कैरास की ओर देखने लगा और पूछा, "आप किस तरफ जा रहे हैं, फादर कैरास?"
“ड्यूपॉन्ट सर्कल।”
“अरे हाँ, अच्छा! क्या आप मुझे नीचे उतार सकते हैं, पिताजी? क्या आपको कोई आपत्ति होगी?”
“मुझे खुशी है, कार्ल। अंदर आ जाओ।”
“धन्यवाद, पिताजी!”
कार्ल कार में बैठा और दरवाजा बंद कर लिया। कैरस ने इंजन स्टार्ट किया। "श्रीमती मैकनील बिल्कुल सही कह रही हैं, कार्ल," उसने कहा। "तुम्हारे लिए बाहर निकलना अच्छा रहेगा।"
“हां, मुझे ऐसा लगता है। मैं फिल्म देखने जाता हूँ, पिताजी।”
"उत्तम।"
कैरास ने कार को गियर में डाला और उसे लेकर आगे बढ़ गया।
कुछ देर तक वे चुपचाप गाड़ी चलाते रहे; कैरस गहरी सोच में डूबा हुआ था, जवाबों की तलाश में। क्या किसी पर कब्ज़ा हो गया था? असंभव! पवित्र जल!

लेकिन अभी भी...
“कार्ल, तुम मिस्टर डेनिंग्स को अच्छी तरह जानते थे?”
सीधे खड़े होकर और विंडशील्ड से सीधे आगे देखते हुए कार्ल ने कहा, "हां। हां, मैं उसे जानता हूं।"
"जब रीगन—मेरा मतलब है, जब वह डेनिंग्स जैसी दिखती है—तो क्या आपको यह आभास होता है कि वह वास्तव में डेनिंग्स ही है?"
एक गहन मौन।
और फिर एक सपाट और भावहीन "मैं सहमत हूँ।"
कैरास ने सिर हिलाया और धीरे से कहा, "मैं समझ गया।"
उसके बाद, ड्यूपॉन्ट सर्कल पहुँचने तक कोई बातचीत नहीं हुई, जहाँ वे एक ट्रैफिक सिग्नल पर रुके। कार्ल ने अपना दरवाज़ा खोला। "मैं यहीं उतरता हूँ, फादर कैरस।"
“सचमुच? यहाँ?”
“जी हाँ, मैं यहां से बस लूंगा।” वह कार से बाहर निकला और खुले दरवाजे के किनारे को हाथ से पकड़कर नीचे झुकते हुए बोला, “धन्यवाद, फादर कैरस। बहुत-बहुत धन्यवाद।”
“क्या आपको यकीन है कि मैं आपको पूरी तरह से नहीं ले जा सकता? मेरे पास समय है।”
“नहीं, नहीं, पिताजी! यह अच्छा है! बहुत अच्छा!”
“ठीक है। फिल्म का आनंद लीजिए।”
“जी पिताजी, मैं ऐसा ही करूंगा! धन्यवाद!”
कार्ल ने कार का दरवाजा बंद किया और एक सुरक्षित जगह पर खड़ा हो गया, जहाँ उसने ट्रैफिक लाइट के हरे होने का इंतजार किया। जैसे ही कैरस ने गाड़ी चलाई, वह शांत भाव से उस चमकीली लाल जगुआर कूप को देखता रहा, जब तक कि वह आखिरकार मैसाचुसेट्स एवेन्यू के मोड़ पर ओझल नहीं हो गई। कार्ल ने ट्रैफिक लाइट की ओर देखा। लाइट बदल चुकी थी और वह एक बस की ओर भागा जो अब एक बस स्टॉप पर आ रही थी। वह बस में चढ़ा, दूसरी बस बदली, फिर आखिरकार शहर के उत्तर-पूर्वी इलाके में एक झुग्गी बस्ती में उतरा, जहाँ वह तीन ब्लॉक पैदल चला और फिर एक जर्जर अपार्टमेंट इमारत में घुस गया। एक अंधेरी सीढ़ी के नीचे, वह रुका, उसे छोटे रसोईघरों से तीखी गंध आ रही थी, ऊपर से कहीं से एक बच्चे के रोने की हल्की आवाज़ सुनाई दी, एक तिलचट्टा तेजी से बेस बोर्ड से निकलकर टेढ़े-मेढ़े तरीके से भागा, और उस क्षण, उस मज़बूत, शांत स्वभाव वाले गृहस्वामी का पूरा अस्तित्व मानो बिखर गया और झुक गया; लेकिन फिर, खुद को संभालते हुए, वह एक सीढ़ी की ओर बढ़ा, रेलिंग पर हाथ रखा और धीरे-धीरे चरमराती और कराहती पुरानी लकड़ी की सीढ़ियों पर चढ़ने लगा। उसके कानों में हर कदम एक फटकार की तरह लग रहा था।
दूसरी मंजिल पर, कार्ल एक धुंधले से हिस्से में एक दरवाजे तक गया और एक पल के लिए दरवाजे के फ्रेम पर हाथ रखकर वहीं खड़ा रहा। उसने दीवार पर नज़र डाली: उखड़ा हुआ पेंट; भित्तिचित्र; पेंसिल से टेढ़ी-मेढ़ी लिखावट में पेटी और शार्लेट, और उसके नीचे एक तारीख और एक दिल का चित्र, जो प्लास्टर की पतली, टेढ़ी-मेढ़ी रेखा से दो हिस्सों में बंटा हुआ था। कार्ल ने घंटी दबाई और सिर झुकाए इंतज़ार करने लगा। अपार्टमेंट के अंदर से, पलंग के स्प्रिंग की चरमराहट सुनाई दी। धीमी आवाज़ में कुछ

बुदबुदाहट। फिर किसी के आने की आवाज़ आनेयामेत थी—जैसे किसी ऑथोपेडिक जूते के घिसटने की आवाज़—और अचानक दरवाजा थोड़ा सा खुल गया, सुरक्षा कुंडी की चेन ज़ोर से खड़खड़ाने लगी, तभी गुलाबी रंग की पैस्ले प्रिंट वाली स्लिप पहने एक महिला गुस्से से बाहर निकली, उसके मुँह के कोने में एक सिगरेट लटक रही थी।
“ओह, तुम हो,” उसने भारी आवाज़ में कहा। उसने जंजीर खोल दी।
कार्ल की नज़रें उन आँखों से मिलीं जो कठोरता से भरी थीं, दर्द और दोष के गहरे कुएँ जैसी थीं; उसने एक पल के लिए होठों के व्यथित झुकाव और एक ऐसे युवक और सुंदरी के तबाह चेहरे की झलक देखी जो हजारों मोटल कमरों में, हजारों बेचैन नींद से जागने के बाद याद की गई कृपा के लिए दबी हुई चीख के साथ जिंदा दफन हो चुकी थी।
"चलो, उसे कहो कि दफ़ा हो जाए!"
अपार्टमेंट के अंदर से एक कर्कश पुरुष की आवाज आई।
लड़खड़ाती आवाज़ में। प्रेमी।
लड़की ने अपना सिर घुमाया। "चुप रहो, बेवकूफ, ये पापा हैं!" उसने डांटते हुए कहा और फिर कार्ल की ओर मुड़ गई। "सुनो, पापा नशे में हैं। बेहतर होगा कि तुम अंदर न आओ।"
कार्ल ने सिर हिलाया।
लड़की की धंसी हुई आँखें उसके हाथ पर टिक गईं, जो बटुआ निकालने के लिए उसकी पतलून की पिछली जेब में जा रहा था। "माँ कैसी हैं?" उसने सिगरेट का कश लेते हुए उससे पूछा, उसकी निगाहें अब बटुए में हाथ डालकर दस-दस डॉलर के नोट गिनने वाले हाथों पर टिकी थीं।
“वह ठीक है।” कार्ल ने संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया। “तुम्हारी माँ ठीक है।”
जैसे ही उसने लड़की को पैसे दिए, वह ज़ोर-ज़ोर से खांसने लगी। उसने अपना हाथ मुंह पर रख लिया। "ये सिगरेट!" उसने घुटते हुए कहा; "मुझे छोड़नी ही पड़ेगी, धिक्कार है!" कार्ल उसकी बांह पर बने घावों को देखता रहा, और महसूस किया कि दस-दस डॉलर के नोट उसकी उंगलियों से फिसल रहे हैं।
"धन्यवाद, पिताजी।"
"हे भगवान, जल्दी करो!" अंदर से प्रेमी गुर्राया।
"सुनो पापा, हमें इसे यहीं खत्म करना चाहिए। ठीक है? आप जानते हैं कि वह कभी-कभी कैसे हो जाते हैं।"
“एलविरा...!” कार्ल ने अचानक दरवाजे के छेद से हाथ बढ़ाकर उसकी कलाई पकड़ ली। “न्यूयॉर्क में अब क्लिनिक है!” उसने गिड़गिड़ाते हुए फुसफुसाया, जबकि वह दर्द से कराह रही थी और कार्ल की पकड़ से छूटने के लिए संघर्ष कर रही थी। “पॉप, छोड़ दो!”
मैं तुम्हें भेजूंगा! वे तुम्हारी मदद करेंगे! तुम जेल नहीं जाओगे! यह—”
“हे भगवान, जल्दी करो, पापा!” एल्विरा चीखी और खुद को छुड़ाने की कोशिश करने लगी।
नहीं, नहीं, कृपया!
उसकी बेटी ने दरवाजा जोर से बंद कर दिया।
अपनी आशाओं की नम, भित्तिचित्रों से भरी कब्र में चुपचाप और गतिहीन खड़ा स्विस नौकर लंबे समय तक बिना देखे घूरता रहा, अंततः उसने धीरे-धीरे शोक में अपना सिर

नीचे कर लिया।
अपार्टमेंट के अंदर से उसे धीमी आवाज़ में बातचीत सुनाई दी, जो एक व्यंग्यपूर्ण, कर्कश महिला की हंसी के साथ समाप्त हुई। इसके बाद लगातार खांसी की आवाजें आईं। कार्ल ने मुंह फेर लिया।
और अचानक सदमे का एक तेज़ झटका लगा।
“शायद अब हम बात कर सकते हैं,” किंडरमैन ने धीमी आवाज़ में कहा, उसके हाथ कोट की जेबों में थे और उसकी आँखों में उदासी थी। “हाँ, मुझे लगता है कि शायद अब हम बात कर सकते हैं।”

अध्याय दो

कैरास ने भाषा एवं भाषाविज्ञान संस्थान के गोल-मटोल, सफ़ेद बालों वाले निदेशक फ्रैंक मिरांडा के कार्यालय में मेज पर रखी एक खाली रील में टेप लगाया। दोनों टेपों के कुछ हिस्सों को अलग-अलग रीलों पर संपादित करने के बाद, कैरास ने टेप रिकॉर्डर चालू किया और दोनों व्यक्ति हेडफ़ोन लगाकर उस कर्कश, बेतुकी आवाज़ को सुनने लगे। जब यह समाप्त हुआ, तो कैरास ने हेडफ़ोन अपने कंधों पर रख लिए और पूछा, "फ्रैंक, यह क्या है? क्या यह कोई भाषा हो सकती है?"
मिरांडा ने अपने इयरफ़ोन भी उतार रखे थे और डेस्क के किनारे पर बैठा था, हाथ बांधे ज़मीन की ओर देखते हुए वह उलझन में भौंहें चढ़ा रहा था। "मुझे नहीं पता," उसने सिर हिलाते हुए कहा। "काफ़ी अजीब है।" उसने कैरस की ओर देखा। "यह तुम्हें कहाँ से मिला?"
मैं दोहरे व्यक्तित्व के एक मामले पर काम कर रहा हूँ।
“मज़ाक कर रहे हो! एक पादरी?”
मैं कुछ नहीं कह सकता।
“जी हां, बिल्कुल। मैं समझ गया।”
“तो फिर, फ्रैंक, क्या कहते हो? तुम करोगे?”
सोच में डूबे हुए मिरांडा ने अपने कछुए के खोल जैसे रंग के चश्मे को धीरे से उतारा और अनमने ढंग से मोड़कर अपनी सीरसकर जैकेट की पतली जेब में रख लिया। "नहीं, मैंने ऐसी कोई भाषा नहीं सुनी है," उसने कहा। "लेकिन..." थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए उसने कैरस की ओर देखा। "क्या तुम इसे फिर से खेलना चाहोगे?"
कैरास ने टेप को रिवाइंड किया, उसे दोबारा चलाया, रिकॉर्डर बंद किया और कहा, "कोई सुझाव है?"
"खैर, मुझे कहना होगा कि इसमें बोलने की लय तो है ही।"
जेसुइट के मन में अचानक आशा की एक लहर दौड़ गई, जिससे उसकी आँखें एक पल के लिए चमक उठीं, और फिर जैसे ही उसने सहज रूप से उस आशा को दबाने की कोशिश की, वह चमक फीकी पड़ गई।
“लेकिन मैं इसे पहचान नहीं पा रहा हूँ, पिताजी,” निर्देशक ने आगे कहा। “यह प्राचीन है या आधुनिक?” उन्होंने पूछा।
"मुझे नहीं पता।"
“अच्छा, पिताजी, इसे मेरे भरोसे क्यों नहीं छोड़ देते? मैं कुछ लड़कों से इसकी और भी अच्छी तरह से जाँच करवा लूँगा। शायद उनमें से कोई जानता हो कि यह क्या है।”

“क्या आप इसकी एक प्रति बना सकते हैं, फ्रैंक? मैं मूल प्रति अपने पास रखना चाहता हूँ।”
"ओह, ठीक है, ज़रूर।"
“इस बीच, मेरे पास एक और टेप है। क्या आपके पास समय है?”
“जी हां, बिल्कुल। किस चीज़ की टेप?”
"पहले मुझे आपसे कुछ पूछना है।"
"ज़रूर, क्या बात है?"
"फ्रैंक, अगर मैं तुम्हें दो अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा बोली गई सामान्य भाषा के नमूने दूं, तो क्या तुम शब्दार्थ विश्लेषण के आधार पर बता सकते हो कि क्या एक ही व्यक्ति दोनों प्रकार की भाषा बोलने में सक्षम हो सकता है?"
“ओह, मुझे लगता है ऐसा ही है। हाँ। ओह, ठीक है, ज़रूर। मुझे लगता है कि ‘टाइप-टोकन’ अनुपात इसे पता लगाने का एक अच्छा तरीका होगा, और एक हज़ार या उससे अधिक शब्दों के नमूनों के साथ, आप विभिन्न प्रकार के शब्दों की आवृत्ति की जाँच कर सकते हैं।”
"और क्या आप इसे निर्णायक मानेंगे?"
“लगभग। देखिए, इस तरह का परीक्षण बुनियादी शब्दावली में किसी भी बदलाव को नज़रअंदाज़ कर देगा। बात शब्दों की नहीं, बल्कि शब्दों की अभिव्यक्ति की है; शैली की। हम इसे ‘विविधता सूचकांक’ कहते हैं। आम आदमी के लिए यह बहुत उलझन भरा है, और ज़ाहिर है, यही तो हम चाहते हैं।” निर्देशक ने व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ कहा। फिर उन्होंने कैरस के हाथों में मौजूद टेप की ओर इशारा करते हुए सिर हिलाया। “तो उस टेप में दूसरे व्यक्ति की आवाज़ है?”
"बिल्कुल नहीं।"
"बिल्कुल नहीं?"
"दोनों टेपों पर सुनाई देने वाली आवाजें और शब्द एक ही व्यक्ति के मुख से निकले थे।"
निर्देशक की भौंहें तन गईं। "वही व्यक्ति?"
“जी हाँ। जैसा कि मैंने कहा, यह दोहरी शख्सियत का मामला था। क्या आप मेरे लिए उनकी आपस में तुलना कर सकते हैं, फ्रैंक? मेरा मतलब है, आवाज़ें बिल्कुल अलग लगती हैं, लेकिन मैं फिर भी देखना चाहूँगा कि तुलनात्मक विश्लेषण से क्या पता चलता है।”
निर्देशक उत्सुक और प्रसन्न दिखे। उन्होंने कहा, “बहुत दिलचस्प! जी हाँ। जी हाँ, हम विश्लेषण करेंगे। मैं सोच रहा हूँ कि शायद अब इसे पॉल को दे दूँ, वह मेरे सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक हैं। प्रतिभाशाली दिमाग वाले। मुझे लगता है कि वह भारतीय सांकेतिक भाषा में सपने देखते हैं।”
“एक और मदद। यह बहुत बड़ी मदद है।”
"क्या?"
"अगर आप खुद तुलना करें तो मुझे बेहतर लगेगा।"
"ओह?"
“जी हां। और जितनी जल्दी हो सके, कृपया?”
निर्देशक ने कैरस की आवाज और आंखों में बेचैनी को भांप लिया। "ठीक है," उन्होंने सिर हिलाते हुए कहा। "मैं इस पर काम शुरू कर देता हूँ।"

जेसुइट रेजिडेंस हॉल में अपने कमरे में लौटते ही कैरस को अपने दरवाजे के नीचे एक पर्ची मिली: बैरिंगर क्लिनिक से रीगन के रिकॉर्ड आ गए थे। कैरस जल्दी से रिसेप्शन पर गए, पैकेज पर हस्ताक्षर किए, फिर अपने कमरे में लौट आए, अपनी डेस्क पर बैठ गए और उत्सुकता से पढ़ने लगे, लेकिन अंत में, जैसे ही उन्होंने क्लिनिक की मनोरोग टीम का निष्कर्ष पढ़ा, उनकी आशा भरी उम्मीद निराशा और हार में बदल गई: "...अपराधबोध के संकेत, जिसके परिणामस्वरूप हिस्टीरिकल-सोम्नैम्बुलिस्टिक स्थिति उत्पन्न हुई..." और अधिक पढ़ने की आवश्यकता न होने पर, कैरस रुक गए, अपनी कोहनियों को डेस्क पर टिकाया और एक गहरी सांस लेते हुए धीरे-धीरे अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया। हार मत मानो। संदेह की गुंजाइश है। व्याख्या की गुंजाइश है। लेकिन रीगन की त्वचा पर बने निशानों के मामले में, जो रिकॉर्ड के अनुसार, बैरिंगर में निगरानी के दौरान बार-बार उभरते रहे थे, क्लिनिक के संक्षिप्त विश्लेषण में यह बात सामने आई थी कि रीगन की त्वचा अतिसंवेदनशील थी और वह स्वयं ही इन रहस्यमय अक्षरों को अपनी त्वचा पर उंगली से बनाकर प्रकट होने से कुछ समय पहले ही बना सकती थी, जिसे डर्मेटोग्राफिया नामक प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है। इस सिद्धांत को इस तथ्य से बल मिलता है कि जैसे ही रीगन के हाथों को पट्टियों से बांधकर स्थिर किया गया, रहस्यमय घटनाएँ बंद हो गईं।
कैरास ने अपना सिर उठाया और टेलीफोन पर नज़र डाली। फ्रैंक। क्या अब टेपों पर मौजूद आवाज़ों की तुलना करने का कोई मतलब था? उसे बुला लेना चाहिए? हाँ, मुझे बुलाना चाहिए, पादरी ने निष्कर्ष निकाला। उसने रिसीवर उठाया। डायल किया। कोई जवाब नहीं। उसने संस्थान के निदेशक को फोन करने के लिए कहा, और फिर, थका हुआ, वह उठा और धीरे-धीरे अपने बाथरूम की ओर चला गया, जहाँ उसने अपने चेहरे पर ठंडा पानी डाला। "भूत भगाने वाला बस इस बात का ध्यान रखेगा कि मरीज़ के किसी भी लक्षण का स्पष्टीकरण न रह जाए।" कैरास ने चिंता से आईने में खुद को देखा। क्या उससे कुछ छूट गया था? क्या? साउरक्रॉट की गंध? वह मुड़ा और रैक से एक तौलिया निकालकर अपना चेहरा पोंछा। नहीं, आत्म-सुझाव इसे समझा सकता है, उसे याद आया, साथ ही उन रिपोर्टों से भी कि, कुछ मामलों में, मानसिक रूप से बीमार लोग अनजाने में अपने शरीर से कई तरह की गंध निकालने में सक्षम प्रतीत होते हैं।
कैरस ने अपने हाथ पोंछे। धड़धड़ाहट। दराज का खुलना और बंद होना। क्या यह मनोगतिकी थी? सचमुच? "तुम इन सब बातों पर विश्वास करते हो?" अचानक यह महसूस करते हुए कि वह ठीक से सोच नहीं पा रहा है, कैरस ने गीले तौलिए को वापस उसकी जगह पर रख दिया। थका हुआ। बहुत थका हुआ। फिर भी उसके भीतरी भाग ने हार मानने से इनकार कर दिया, इस बच्चे को पेचीदा सिद्धांतों और अटकलों के हवाले करने से, मानव मन के विश्वासघात के रक्तरंजित इतिहास के हवाले करने से इनकार कर दिया।
वह छात्रावास से निकला और प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट पर तेज़ी से चलकर जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के लॉइंगर पुस्तकालय की धूसर पत्थर की दीवारों के पास पहुँचा। अंदर जाकर उसने पत्रिका साहित्य की मार्गदर्शिका में 'P' से शुरू होने वाले विषयों पर उंगली फेरते हुए खोजना शुरू किया। जो वह खोज रहा था, उसे पाने के बाद वह एक लंबी, ओक की लकड़ी की पढ़ने की मेज पर बैठ गया। उसके हाथ में एक वैज्ञानिक पत्रिका थी जिसमें प्रख्यात जर्मन मनोचिकित्सक डॉ. हंस बेंडर द्वारा लिखित भूत-प्रेत

की घटनाओं पर एक लेख था। लेख पढ़ने के बाद जेसुइट ने निष्कर्ष निकाला कि इसमें कोई संदेह नहीं है: कई वर्षों से मनोचिकित्सा क्लीनिकों में इसका गहन दस्तावेजीकरण, फिल्मांकन और अवलोकन किया जा चुका है, इसलिए मनोगतिज घटनाएँ वास्तविक थीं। लेकिन! लेख में वर्णित किसी भी मामले में किसी भी प्रकार का संबंध दैवीय कब्ज़े से नहीं था; बल्कि, इस घटना को समझाने वाली सबसे प्रचलित परिकल्पना थी "मन द्वारा निर्देशित ऊर्जा" जो अचेतन रूप से उत्पन्न होती है और आमतौर पर - और महत्वपूर्ण रूप से, जैसा कि कैरस ने उल्लेख किया - किशोरों द्वारा "अत्यधिक उच्च आंतरिक तनाव, क्रोध और निराशा" की अवस्था में उत्पन्न होती है।
कैरास ने अपनी नम और थकी हुई आँखों के कोनों पर अपनी उंगलियों के पोरों को हल्के से रगड़ा, और अब भी कुछ भूल महसूस करते हुए, उसने रीगन के लक्षणों पर फिर से गौर किया, जैसे कोई स्कूली बच्चा सफेद बाड़ पर चलते हुए हर एक पट्टी को छूकर देखता है। कैरास सोच रहा था कि उससे कौन सा लक्षण छूट गया है।
थके-हारे स्वर में उसने निष्कर्ष निकाला कि इसका उत्तर 'कोई नहीं' था।
वह मैकनील के घर वापस गया, जहाँ विली ने उसे अंदर आने दिया और उसे अध्ययन कक्ष के दरवाजे तक ले गई। दरवाजा बंद था। विली ने दस्तक दी। "फादर कैरस," उसने कहा, और अंदर से कैरस ने धीमी आवाज़ में "अंदर आइए" सुना।
कैरस अंदर आया और उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर लिया। क्रिस उसकी ओर पीठ करके खड़ी थी, उसकी एक कोहनी बार के ऊपरी हिस्से पर टिकी थी और उसका माथा एक हाथ में झुका हुआ था। बिना मुड़े, उसने भारी, फिर भी कोमल और निराशा भरी आवाज़ में उसे नमस्कार किया, "हैलो, पिताजी।"
चिंतित होकर पुजारी उसके पास गया। "तुम ठीक हो?"
“जी हां, मैं ठीक हूं, पिताजी। सचमुच।”
कैरास ने भौंहें चढ़ाईं, उसकी चिंता और गहरी हो गई: क्रिस की आवाज़ में तनाव था, और जिस हाथ से उसने अपना चेहरा ढका हुआ था, वह कांप रहा था। अपना हाथ नीचे करके, वह मुड़ी और कैरास की ओर देखा, जिससे उसका थका हुआ, आँसुओं से भीगा चेहरा दिखाई दिया। "तो क्या चल रहा है?" उसने कहा। "क्या नया है?"
कैरास ने जवाब देने से पहले उसे गौर से देखा और फिर कहा, "खैर, ताजा खबर यह है कि मैंने बैरिंगर क्लिनिक के रिकॉर्ड देखे हैं और—"
“जी?” क्रिस ने तनाव भरे स्वर में बीच में टोकते हुए कहा।
“खैर, मेरा मानना है...”
“आप किस बात पर विश्वास करते हैं, फादर कैरस? क्या?”
"मेरी ईमानदारी से राय यह है कि रीगन को गहन मनोरोग देखभाल से सबसे अच्छी मदद मिल सकती है।"
क्रिस चुपचाप कैरस को देखती रही और उसकी आँखें थोड़ी चौड़ी हो गईं, साथ ही वह धीरे-धीरे अपना सिर आगे-पीछे हिलाती रही। "बिल्कुल नहीं!"
“उसके पिता कहाँ हैं?” कैरस ने उससे पूछा।
“यूरोप में।”
"क्या आपने उसे बताया है कि क्या हो रहा है?"
"नहीं।"
"खैर, मुझे लगता है कि अगर वह यहाँ होता तो मदद मिलती।"

"सुनो, जो चीज़ नज़र से ओझल है, उसके अलावा और कुछ भी काम नहीं आएगा!" क्रिस ऊँची और कांपती हुई आवाज़ में चिल्लाया।
मुझे लगता है कि आपको उसे बुलवाना चाहिए।
"क्यों?"
"यह होगा-"
“मैंने तुमसे एक भूत को भगाने को कहा था, धिक्कार है, किसी दूसरे को अंदर बुलाने को नहीं!” क्रिस चीख पड़ी, उसके चेहरे पर पीड़ा के भाव थे। “अचानक भूत भगाने का काम कहाँ चला गया?”
"देखना-"
मुझे हॉवर्ड से आखिर क्या चाहिए?
हम इस बारे में बाद में बात कर सकते हैं जब—”
“अभी इसके बारे में बात करो, धिक्कार है! इस समय हॉवर्ड का क्या भला है?”
“खैर, इस बात की प्रबल संभावना है कि रीगन की मानसिक बीमारी की जड़ अपराधबोध में निहित है—”
"किस बात का अपराधबोध?" क्रिस चीखी, उसकी आँखें गुस्से से लाल थीं।
"यह हो सकता है-"
“तलाक की वजह से? वो सब मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बकवास?”
"अब-"
“रीगन को अपराधबोध हो रहा है क्योंकि उसने बर्क डेनिंग्स को मार डाला!” क्रिस चीखी, मुट्ठियाँ बनाकर कनपटी पर दबाए। “उसने उसे मार डाला! उसने उसे मार डाला और वे उसे जेल में डाल देंगे; वे उसे जेल में डालने वाले हैं! हे भगवान, हे भगवान...”
जब वो सिसकते हुए ज़मीन पर गिर पड़ी, तो कैरस ने उसे सहारा दिया और सोफे की ओर ले गया। “सब ठीक है,” वो धीरे से उससे कहता रहा, “सब ठीक है...”
“नहीं, वे उसे... जेल में डाल देंगे,” क्रिस लगातार रोते हुए बोली। “वे उसे... जेल में डाल देंगे...!”
"ठीक ठाक है।"
कैरास ने क्रिस को नीचे उतारा और सोफे पर लेटने में उसकी मदद की, फिर वह खुद सोफे के किनारे पर बैठ गया और दोनों हाथों से उसका हाथ पकड़ लिया। अब उसके मन में तरह-तरह के विचार उमड़ रहे थे। किंडरमैन के बारे में। डेनिंग्स के बारे में। क्रिस के रोने के बारे में। अवास्तविकता के बारे में। "ठीक है... सब ठीक है... शांत हो जाओ... सब ठीक हो जाएगा..."
थोड़ी देर में रोना बंद हो गया और उसने उसे बैठने में मदद की। वह उसके लिए पानी और टिशू का एक डिब्बा लाया जो उसे बार के पीछे एक शेल्फ पर मिला था, और फिर वह उसके बगल में बैठ गया।
"ओह, मुझे खुशी है," क्रिस ने कहा, और अपनी नाक पोंछते हुए और सूँघते हुए बोली।
“तुम्हें खुशी है?”
"हां, मुझे खुशी है कि मैंने इसे बाहर निकाल दिया।"
"ओह, अच्छा, हाँ—हाँ—हाँ, यह अच्छा है।"
और अब एक बार फिर जेसुइट के कंधों पर भारी बोझ आ गया। बस करो! और कुछ मत कहो! उसने खुद को समझाने की कोशिश की, फिर भी "क्या तुम मुझे और कुछ

बताना चाहते हो?" उसने क्रिस से धीरे से पूछा।
क्रिस ने चुपचाप सिर हिलाया, और फिर कमजोर स्वर में बोली, "हाँ। हाँ, मैं करती हूँ।" उसने अपनी एक आँख पोंछी और रुक-रुक कर, लड़खड़ाते हुए बोलना शुरू किया: किंडरमैन के बारे में; जादू-टोने की किताब के किनारों से फाड़ी गई पतली पट्टियों के बारे में; और इस बात के अपने यकीन के बारे में कि जिस रात रेगन की मृत्यु हुई थी, उस रात डेनिंग्स उसके बेडरूम में था; रेगन की असाधारण ताकत के बारे में; और डेनिंग्स के उस व्यक्तित्व के बारे में जिसे क्रिस ने अपना सिर पीछे की ओर घुमाए हुए देखा था। बोलते-बोलते थक चुकी, वह कैरस की प्रतिक्रिया का इंतजार करने लगी, और जैसे ही वह उसे अपने मन की बात बताने वाला था, उसने उसकी आँखों में और उसके विनती भरे भावों में देखा, और इसके बजाय कहा, "तुम पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकती कि उसने ही यह किया है।"
“लेकिन बर्क का सिर घूम गया? वो क्या-क्या कहता है?”
“तुमने अपना सिर दीवार से बहुत जोर से टकराया था,” कैरस ने जवाब दिया। “तुम सदमे में भी थे। तुमने यह सब कल्पना की थी।”
कैरास की आँखों में निर्जीव निगाहें डाले हुए क्रिस ने धीमी आवाज़ में कहा, "नहीं। बर्क ने मुझे बताया कि उसने ही किया है। उसने उसे खिड़की से बाहर धकेल दिया और उसकी हत्या कर दी।"
क्षण भर के लिए स्तब्ध होकर, पादरी ने उसे खाली निगाहों से देखा, लेकिन फिर खुद को संभाला। "आपकी बेटी का दिमाग खराब है," उसने कहा, "इसलिए उसके कथनों का कोई अर्थ नहीं है।"
क्रिस ने अपना सिर नीचे झुकाया और हिलाया। "मुझे नहीं पता," उसने लगभग सुनाई न देने वाली आवाज़ में कहा। "मुझे नहीं पता कि मैं सही कर रही हूँ या नहीं। मुझे लगता है कि उसने ही यह किया है और शायद वह किसी और को भी मार सकती है। मुझे नहीं पता।" उसने निराशा और खालीपन भरी निगाहों से कैरस की ओर देखा और भारी, कर्कश आवाज़ में उससे पूछा, "मुझे क्या करना चाहिए?"
कैरास मन ही मन निराश हो गया। बोझ अब जम चुका था, और सूखने के साथ-साथ उसकी पीठ का आकार भी ढल गया था। "तुमने जो करना चाहिए था, कर दिया है," उसने कहा। "तुमने किसी को बता दिया है, क्रिस। तुमने मुझे भी बता दिया है। तो अब बस यह फैसला मुझ पर छोड़ दो कि क्या करना सबसे अच्छा होगा। क्या तुम ऐसा करोगे, प्लीज़? बस इसे मुझ पर छोड़ दो।"
अपनी आंख को हाथ के पिछले हिस्से से पोंछते हुए, क्रिस ने सिर हिलाया और कहा, "हाँ। हाँ, ठीक है। यही सबसे अच्छा रहेगा।" मुस्कुराने की कोशिश करते हुए, उसने कमजोर स्वर में कहा, "धन्यवाद, पिताजी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।"
"अब बेहतर महसूस कर रहा है?"
"हाँ।"
तो क्या आप मेरी एक मदद करेंगे?
“ज़रूर, कुछ भी। क्या?”
बाहर जाओ और फिल्म देखो।
एक पल के लिए क्रिस ने खाली निगाहों से देखा, फिर मुस्कुराई और सिर हिलाया। "नहीं, मुझे ये बिल्कुल पसंद नहीं हैं।"
"तो फिर किसी दोस्त से मिलने जाओ।"

क्रिस ने उसे स्नेहपूर्वक देखा। "मेरा एक दोस्त यहीं पर है।"
“बिल्कुल। अब कृपया आराम कीजिए। क्या आप वादा करेंगे?”
"हाँ मैं वादा करता हूं।"
कैरास के मन में एक विचार आया, एक और सवाल। उसने पूछा, "क्या आपको लगता है कि डेनिंग्स किताब को ऊपर लेकर आया था, या वह पहले से ही वहाँ मौजूद थी?"
मुझे लगता है कि वह वहां था।
थोड़ा इधर-उधर देखते हुए, कैरस ने सिर हिलाया। "ठीक है," उसने धीरे से कहा। फिर अचानक वह खड़ा हो गया। "अच्छा, ठीक है। वैसे, आपको कार वापस चाहिए?"
नहीं, आप इसे रख सकते हैं।
“ठीक है, फिर। मैं आपसे बाद में संपर्क करूंगा।”
अपना सिर झुकाते हुए क्रिस ने धीरे से कहा, "ठीक है।"
कैरास घर से निकला और सड़क पर आ गया, उसके दिमाग में विचारों की बाढ़ सी दौड़ रही थी। क्या रीगन ने डेनिंग्स को मार डाला? ये कैसी पागलपन है! उसने कल्पना की कि रीगन उसे अपने बेडरूम की खिड़की से बाहर धकेल रही है और वो उन लंबी और खड़ी पत्थर की सीढ़ियों से नीचे गिर रहा है, बार-बार लुढ़क रहा है और बेबस होकर हाथ-पैर मार रहा है, जब तक कि उसकी दुनिया अचानक रुक न जाए। नामुमकिन! कैरास ने सोचा। नहीं! और फिर भी क्रिस को लगभग यकीन था कि ऐसा ही हुआ है! उसका उन्माद! और यही तो है! पादरी ने खुद को समझाने की कोशिश की। ये सिर्फ एक उन्मादी कल्पना है! और फिर भी...
कैरास हवा में उड़ते पत्तों की तरह निश्चितताओं के पीछे भागता रहा।
घर के बगल में खड़ी सीढ़ियों से गुज़रते हुए, कैरस को नीचे नदी के किनारे से एक आवाज़ सुनाई दी और वह रुक गया और नीचे सी एंड ओ नहर की ओर देखने लगा। एक हारमोनिका। कोई "रेड रिवर वैली" बजा रहा था, जो बचपन से ही जेसुइट का पसंदीदा गीत था। वह खड़ा होकर सुनता रहा जब तक कि नीचे एक ट्रैफिक लाइट नहीं बदली और उदास धुन एम स्ट्रीट पर फिर से शुरू हो रहे वाहनों की आवाज़ में दब गई, जो उस दुनिया से बेरहमी से चकनाचूर हो गई थी जो अब, इस पल की थी, पीड़ा में थी, मदद के लिए पुकारते हुए धुएं में खून टपका रही थी। सीढ़ियों को अनदेखे से घूरते हुए, कैरस ने अपने हाथ जेब में डाल लिए, क्योंकि एक बार फिर वह क्रिस मैकनील, रेगन और मृत ट्रैंक्विल पर लात मारते हुए लुकास की दुर्दशा के बारे में बेचैनी से सोचने लगा। उसे कुछ करना होगा। क्या? क्या वह बैरिंगर के चिकित्सकों को मात देने की उम्मीद कर सकता था? "ओह, क्या आप सच में पादरी हैं या सेंटल कास्टिंग से आए हैं!" कैरास ने अनमने ढंग से सिर हिलाया, उसे अकिले नाम के एक फ्रांसीसी व्यक्ति के भूत-प्रेत के मामले की याद आ गई, जिसने रीगन की तरह खुद को शैतान कहा था, और रीगन की तरह ही उसकी बीमारी का कारण अपराधबोध था, अकिले के मामले में वैवाहिक बेवफाई का पछतावा। महान मनोवैज्ञानिक जेनेट ने सम्मोहन के माध्यम से पत्नी की उपस्थिति का संकेत देकर उसका इलाज किया था, जो अकिले की मतिभ्रमित आँखों के सामने प्रकट हुई और उसे पूरी श्रद्धा से क्षमा कर दिया। कैरास ने सिर हिलाया। हाँ, संकेत रीगन के लिए काम कर सकता था। हालाँकि सम्मोहन के माध्यम से नहीं। बैरिंगर में उन्होंने यह कोशिश की थी। उनका मानना था कि रीगन के लिए विपरीत संकेत वही था जिस पर उसकी माँ हमेशा से ज़ोर देती रही थी। यह भूत भगाने की रस्म थी। रीगन जानती थी कि यह क्या है और इसका क्या प्रभाव होता है। पवित्र

जूल के प्रांते उसकी प्रांतोक्रेया। उसने यह उस किताब के एक अध्याय से सीखा था और उस अध्याय में सफल भूत भगाने के वर्णन भी थे। यह काम कर सकता था! यह सचमुच कर सकता था! लेकिन फिर चांसरी कार्यालय से अनुमति कैसे प्राप्त की जाए? डेनिंग्स का ज़िक्र किए बिना मामला कैसे खड़ा किया जाए? कैरस बिशप से झूठ नहीं बोल सकता था। तो उसके पास ऐसे कौन से तथ्य थे जो उन्हें यकीन दिला सकते थे? सिरदर्द से उसकी कनपटी फड़कने लगी, कैरस ने अपना हाथ माथे पर रखा। वह जानता था कि उसे नींद की ज़रूरत है। लेकिन वह सो नहीं सकता था। अभी नहीं। कौन से तथ्य? इंस्टीट्यूट में टेप? फ्रैंक को क्या मिलेगा? क्या उसे कुछ मिल सकता था? नहीं। लेकिन कौन जानता है? रीगन को पवित्र जल और नल के पानी में फर्क नहीं पता था। ज़रूर। लेकिन अगर वह मेरा मन पढ़ सकती है, तो उसे इन दोनों में फर्क क्यों नहीं पता था? कैरस ने फिर से अपना हाथ माथे पर रखा। सिरदर्द। उलझन। अरे यार! कोई मर रहा है! उठो!
अपने कमरे में लौटकर कैरस ने इंस्टीट्यूट को फोन किया। फ्रैंक का कोई जवाब नहीं था। उदास होकर उसने रिसीवर नीचे रख दिया। पवित्र जल। नल का पानी। कुछ तो था। उसने अनुष्ठान पुस्तिका खोली और उसमें "भूत भगाने वालों के लिए निर्देश" लिखा था: "... बुरी आत्माएँ ... भ्रामक उत्तर ... ताकि ऐसा लगे कि पीड़ित व्यक्ति पर किसी भी तरह का भूत-प्रेत का साया नहीं है।" क्या यही था? कैरस ने सोचा? लेकिन फिर तुरंत ही वह इस विचार से बेचैन हो गया। आखिर तुम किस बारे में बात कर रहे हो? कौन सी "बुरी आत्मा?"
उसने किताब को ज़ोर से बंद किया और फिर से मेडिकल रिकॉर्ड पढ़े, उन्हें तेज़ी से और बेचैनी से खंगालते हुए, भूत भगाने के लिए कोई भी सबूत ढूंढने की कोशिश की। एक मिला। हिस्टीरिया का कोई इतिहास नहीं। यह कुछ तो है। पर कमज़ोर। उसे याद आया, यहाँ कुछ और भी है; कोई विसंगति। क्या है वो? और फिर उसे याद आया। ज़्यादा कुछ नहीं। फिर भी, कुछ तो है। उसने क्रिस मैकनील को फ़ोन किया। उसकी आवाज़ सुस्त लग रही थी।
"नमस्कार, पिताजी।"
"क्या तुम सो रहे थे? मुझे माफ करना।"
"नहीं, कोई बात नहीं, पिताजी। सचमुच। तो क्या बात है?"
"क्रिस, मुझे यह कहाँ मिलेगा...?" कैरस ने रिकॉर्ड्स पर उंगली फिराई। रुक गया।
"डॉक्टर क्लेन," उसने कहा; "सैमुअल क्लेन।"
"डॉक्टर क्लेन? ओह, वो तो पुल के उस पार हैं। रॉसलिन में।"
"मेडिकल बिल्डिंग में?"
"हाँ, ठीक है। क्या बात है?"
"कृपया उन्हें फोन करके बता दें कि डॉक्टर कैरस आने वाले हैं और मैं रीगन की ईईजी रिपोर्ट देखना चाहती हूँ। उन्हें बता दें कि डॉक्टर कैरस आ रहे हैं।"
"समझ गया।"
फोन रखने के बाद, कैरस ने अपना कॉलर झटककर पादरी का चोगा और काली पतलून उतार दी और झटपट खाकी पैंट और स्वेटर पहन लिया। फिर उसने अपने ऊपर पादरी का काला रेनकोट पहन लिया। लेकिन तभी, दर्पण में खुद को देखते हुए कैरस ने माथे पर शिकन डाली और सोचा, पादरी और पुलिसवाले! उनकी एक ऐसी पहचान होती है जिसे वे छिपा नहीं सकते। कैरस ने रेनकोट उतारा, फिर अपने जूते

उतारे और अपने एकमात्र काले रंग के अलावा दूसरे रंग के जूते पहन लिए - घिसे हुए सफेद ट्रेटोर्न टेनिस शूज़।
क्रिस अपनी कार में तेजी से रॉसलिन की ओर बढ़ा। एम स्ट्रीट पर की ब्रिज के पास सिग्नल बदलने का इंतजार करते हुए, उसने विंडशील्ड से बाईं ओर देखा और कार्ल को डिक्सी लिकर स्टोर के सामने खड़ी एक काली सेडान कार से बाहर निकलते हुए देखा।
कार का चालक किंडरमैन था।
लाइट बदल गई। कैरस ने गाड़ी तेज़ी से आगे बढ़ाई और पुल पर मुड़ गया, फिर शीशे में पीछे देखा। क्या उन्होंने उसे देख लिया था? उसे ऐसा नहीं लगता था। लेकिन वे दोनों साथ में क्या कर रहे थे? क्या इसका रीगन से कुछ लेना-देना था? वह चिंतित हो गया।
रीगन और...?
भूल जाओ! एक बार में एक ही काम करो!
उसने मेडिकल बिल्डिंग के सामने गाड़ी खड़ी की और ऊपर डॉ. क्लेन के दफ्तर में चला गया। डॉक्टर व्यस्त थे, लेकिन एक नर्स ने कैरस को ईईजी रिपोर्ट दी और देखते ही देखते वह एक छोटे से कमरे में खड़ा होकर ग्राफ पेपर की लंबी, पतली पट्टी को अपनी उंगलियों से धीरे-धीरे फिसलते हुए देखने लगा।
क्लेन जल्दी से अंदर आया, उसकी नज़र कैरस की पोशाक पर सरसरी तौर पर पड़ी।
"आप डॉक्टर कैरस हैं?"
"हाँ।"
“सैम क्लेन। आपसे मिलकर खुशी हुई।”
जब उन्होंने हाथ मिलाया, तो क्लेन ने पूछा, "लड़की कैसी है?"
प्रगति हो रही है।
“यह सुनकर खुशी हुई।” कैरस ने ग्राफ की ओर देखा और क्लेन भी उसके साथ ग्राफ को देखने लगा, अपनी उंगली से तरंगों के पैटर्न को छूते हुए। “देखा? यह बिल्कुल नियमित है। इसमें कोई उतार-चढ़ाव नहीं है,” क्लेन ने कहा।
“हां, मुझे दिख रहा है। अजीब बात है।”
“जिज्ञासु? ऐसा क्यों?”
"ठीक है, मान लीजिए कि हम उन्माद से निपट रहे हैं।"
"आपका क्या मतलब है?"
“नहीं, मुझे लगता है कि यह बात ज़्यादा लोगों को पता नहीं है,” कैरस ने जवाब दिया, और लगातार अपने हाथों से कागज़ खींचता रहा, “लेकिन इटेका नाम के एक बेल्जियन वैज्ञानिक ने पाया कि हिस्टीरिया के कारण ग्राफ़ में कुछ अजीब उतार-चढ़ाव आते हैं, एक बहुत ही सूक्ष्म लेकिन हमेशा एक जैसा पैटर्न। मैं यहाँ इसे ढूँढ रहा हूँ, लेकिन मुझे यह नहीं दिख रहा।”
क्लेन ने अनिर्णयपूर्ण ढंग से कहा, "कैसा लगा?"
कैरास ने स्क्रॉल करना बंद कर दिया और उसकी ओर देखा। "जब आपने यह ग्राफ़ बनाया था, तब वह निश्चित रूप से मानसिक रूप से विक्षिप्त थी; क्या यह सही है?"
“हां, मैं यही कहूंगा। हां। हां, वह थी।”
“तो फिर, क्या यह अजीब नहीं है कि उसका परीक्षण इतना सटीक रहा? सामान्य मानसिक स्थिति वाले व्यक्ति भी कम से कम सामान्य सीमा के भीतर अपनी मस्तिष्क

तरंगों को प्रभावित कर सकते हैं, और चूंकि रीगन उस समय विचलित थी, तो क्या यह नहीं लगता कि कुछ उतार-चढ़ाव तो होने ही चाहिए थे। अगर—"
"डॉक्टर साहब, श्रीमती सिमंस अधीर हो रही हैं," एक नर्स ने दरवाजा थोड़ा खोलते हुए बीच में ही बात काट दी।
"ठीक है, मैं आ रहा हूँ," क्लेन ने उससे कहा। नर्स के जल्दी से चले जाने पर, वह गलियारे की ओर एक कदम बढ़ा, लेकिन फिर दरवाजे के किनारे को हाथ से पकड़े हुए मुड़ गया। "हिस्टीरिया की बात हो रही है तो," उसने रूखेपन से कहा। "माफ़ करना। मुझे जाना होगा।"
उसने अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया। कैरस ने उसके कदमों की आहट हॉल में सुनी, फिर एक दरवाजा खुला, और उसके बाद "अच्छा, आज आप कैसी महसूस कर रही हैं, श्रीमती..." दरवाजा बंद होने के साथ ही बाकी की आवाज बंद हो गई। कैरस ग्राफ का अध्ययन करने में वापस लग गया, और जब उसने काम पूरा कर लिया, तो उसने उसे मोड़कर बांध दिया, और फिर रिसेप्शन में नर्स को लौटा दिया। कुछ तो था। कुछ तो था जिसका इस्तेमाल वह बिशप के सामने यह तर्क देने के लिए कर सकता था कि रीगन हिस्टीरिया की मरीज नहीं है और इसलिए संभवतः उस पर किसी आत्मा का कब्ज़ा हो सकता है। फिर भी ईईजी ने एक और रहस्य खड़ा कर दिया था: कोई उतार-चढ़ाव क्यों नहीं, बिल्कुल भी नहीं?
कैरास क्रिस के घर की ओर वापस गाड़ी चला रहा था, लेकिन प्रॉस्पेक्ट और थर्टी-फिफ्थ के कोने पर एक स्टॉप साइन पर रुकते ही वह स्टीयरिंग व्हील पर जम गया: कैरास और जेसुइट रेजिडेंस हॉल के बीच खड़ी एक कार की ड्राइवर सीट पर किंडरमैन बैठा था, उसकी कोहनी खिड़की से बाहर निकली हुई थी और वह सीधे आगे घूर रहा था। हत्या के जासूस के देखने से पहले ही कैरास ने दाईं ओर मोड़ लिया। उसने जल्दी से एक जगह ढूंढी, कार पार्क की और लॉक कर दी, और फिर रेजिडेंस हॉल की ओर जाने के अंदाज़ में कोने से मुड़ गया। क्या वह घर पर नज़र रख रहा है? कैरास चिंतित हो गया। डेनिंग्स का साया फिर से उसे सताने लगा। क्या यह संभव था कि किंडरमैन को लगता था कि रीगन ने...?
आराम से, लड़के! आराम से! धीरे चलो!
वह कार के बगल में आया और यात्री की तरफ वाली खिड़की से अपना सिर अंदर झुकाया। "हैलो, लेफ्टिनेंट," उसने विनम्रता से कहा। "मुझसे मिलने आए हो या बस थोड़ी देर मौज-मस्ती कर रहे हो?"
जासूस ने हैरानी से पीछे मुड़कर देखा और फिर मुस्कुराते हुए बोला, "अरे वाह, फादर कैरस! आप यहाँ हैं! आपको देखकर बहुत खुशी हुई!"
कैरास ने सोचा, "अजीब लग रहा है। ये क्या कर रहा है? उसे पता मत चलने दो कि तुम परेशान हो! शांत रहो!" "क्या तुम्हें पता नहीं कि चालान कटेगा?" कैरास ने एक बोर्ड की ओर इशारा करते हुए पूछा। "हफ़्ते के दिनों में शाम चार से छह बजे के बीच पार्किंग मना है।"
"छोड़ो कोई बात नहीं," किंडरमैन गुर्राया। "मैं एक पादरी से बात कर रहा हूँ। जॉर्जटाउन में हर मीटर मेड कैथोलिक है।"
"तुम कैसे हो?"
"साफ़ शब्दों में कहूँ तो, फादर कैरस, बस ठीक-ठाक। और आप?"
"कोई शिकायत नहीं। क्या आपने वह मामला सुलझाया?"

"कौन सा?"
"पता है, वो फिल्म निर्देशक?"
“ओह, वो वाला।” जासूस ने बात टालने का इशारा किया। “मत पूछो! सुनो, आज रात क्या कर रहे हो? क्या व्यस्त हो? मेरे पास बायोग्राफ के पास हैं। ये ओथेलो है।”
"यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसमें कौन-कौन शामिल है।"
“इसमें कौन-कौन हैं? जॉन वेन, ओथेलो, और डेसडेमोना, डोरिस डे। खुश हो? ये तो मुफ्त है, फादर मार्लन, बेहद नखरेबाज़! ये विलियम एफ. शेक्सपियर हैं! इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन मुख्य भूमिका में है, कौन नहीं! अब, आप आ रहे हैं?”
मुझे अफसोस है कि मुझे इसमें भाग नहीं ले पाऊंगा। मैं बहुत व्यस्त हूं।
“मैं देख सकता हूँ,” जासूस ने उदास स्वर में जेसुइट के चेहरे को देखते हुए कहा। “आप देर रात तक जागते हैं? आप बहुत खराब दिख रहे हैं।”
मैं हमेशा ही बहुत खराब दिखती हूँ।
“आज तो पहले से भी ज़्यादा। चलो, अब! एक रात के लिए कहीं घूमने चलते हैं! तुम्हें मज़ा आएगा!”
कैरास ने जांच करने का फैसला किया; उसकी संवेदनशील नस को छूने का। "क्या आपको यकीन है कि वही चल रहा है?" उसने पूछा। उसकी निगाहें जासूस की आंखों में गहराई से गड़ी हुई थीं। "मुझे पक्का यकीन था कि बायोग्राफ में क्रिस मैकनील की फिल्म चल रही थी।"
जासूस एक पल के लिए स्तब्ध रह गया, और फिर जल्दी से बोला, "नहीं, आप गलत हैं। यह ओथेलो है।"
“ओह। तो फिर आप इस इलाके में क्यों आए हैं?”
“तुम! मैं तो सिर्फ तुम्हें फिल्म देखने के लिए आमंत्रित करने आया था!”
"हां, मुझे लगता है कि गाड़ी चलाना फोन उठाने से ज्यादा आसान है।"
जासूस ने मासूम दिखने की बेहद बनावटी कोशिश में अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। "आपका टेलीफोन व्यस्त था।"
जेसुइट ने चुपचाप और गंभीरता से उसकी ओर देखा।
“तो क्या गड़बड़ है?” किंडरमैन ने पूछा। “क्या?”
कैरास ने कार के अंदर हाथ डालकर किंडरमैन की पलक उठाई और आँख की जाँच की। "मुझे नहीं पता," उसने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। "तुम बहुत खराब दिख रहे हो। कहीं तुम्हें मिथकों का भ्रम तो नहीं हो गया है।"
मुझे नहीं पता इसका क्या मतलब है। क्या यह गंभीर है?
"हां, लेकिन जानलेवा नहीं।"
“यह क्या है? इस सस्पेंस ने मुझे पागल कर दिया है!”
“इसे ढूंढ लो,” कैरस ने उससे कहा।
“सुनो, इतना घमंड मत करो। कभी-कभार तुम्हें भी थोड़ा-बहुत कर देना चाहिए। मैं कानून हूँ। मैं तुम्हें देश से निकाल सकता हूँ, तुम्हें पता है ना?”
“किसलिए?”
“एक मनोचिकित्सक को लोगों को नाराज़ नहीं करना चाहिए, और वैसे भी गैर-यहूदी लोग तो इसे पसंद ही करेंगे। आप उनके लिए परेशानी हैं, फादर। नहीं, सच में, आप उन्हें शर्मिंदा करते हैं। भला किसे इसकी ज़रूरत है? एक ऐसे पादरी की जो स्वेटशर्ट और स्नीकर्स पहनता हो!”

हल्की सी मुस्कान के साथ कैरस ने सिर हिलाया। "मुझे जाना होगा। अपना ख्याल रखना।" विदाई के तौर पर उसने खिड़की के फ्रेम पर दो बार हाथ से थपथपाया, फिर मुड़ा और धीरे-धीरे घर के प्रवेश द्वार की ओर चल पड़ा।
“किसी विश्लेषक से मिलो!” जासूस ने कर्कश स्वर में उसके पीछे से पुकारा। फिर उसकी गर्मजोशी भरी नज़रें गहरी चिंता में बदल गईं। उसने अपनी कार के विंडशील्ड से घर की ओर देखा, फिर इंजन स्टार्ट किया और सड़क पर आगे बढ़ गया। कैरस के पास से गुज़रते हुए उसने हॉर्न बजाया और हाथ हिलाया। कैरस ने भी हाथ हिलाया, और जब किंडरमैन की कार छत्तीसवीं गली के मोड़ पर मुड़ी, तो वह रुक गया और कुछ देर तक बिना हिले-डुले खड़ा रहा, कांपते हाथ से अपने माथे को धीरे से सहलाता रहा। क्या उसने सच में ऐसा किया होगा? क्या रीगन ने बर्क डेनिंग्स की इतनी बेरहमी से हत्या की होगी? बुखार से भरी आँखों से कैरस मुड़ा और रीगन की खिड़की की ओर देखते हुए सोचने लगा, आखिर उस घर में क्या है? और किंडरमैन रीगन से मिलने की मांग कब तक करेगा? क्या उसे डेनिंग्स के व्यक्तित्व को देखने का मौका मिलेगा? उसे सुनने का? रीगन को कब तक किसी मानसिक अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा? या उसकी मौत हो जाएगी?
उन्हें चांसरी के लिए भूत भगाने का मामला तैयार करना था।
वह तेजी से सड़क पार करके क्रिस मैकनील के घर गया, दरवाजे की घंटी बजाई और विली के उसे अंदर आने देने का इंतजार करने लगा।
“मिसेज अभी थोड़ी देर झपकी ले रही हैं,” उसने कहा।
कैरास ने सिर हिलाया। "अच्छा। यह अच्छी बात है।" वह उसके पास से गुज़रा और फिर ऊपर रीगन के बेडरूम में चला गया। वह एक ऐसे ज्ञान की तलाश में था जिसे उसे दिल से थाम लेना था।
वह अंदर आया और उसने कार्ल को खिड़की के पास एक कुर्सी पर बैठे देखा। शांत और घने, गहरे जंगल की तरह मौजूद, वह बाहें मोड़े बैठा था और उसकी निगाहें लगातार रीगन पर टिकी हुई थीं।
कैरास बिस्तर के पास गया और नीचे देखा। आँखों का सफेद भाग दूधिया धुंध जैसा था; अंदर की फुसफुसाहटें किसी दूसरी दुनिया के मंत्रों जैसी लग रही थीं। कैरास धीरे से झुका और रीगन की एक पट्टी खोलने लगा।
“नहीं, पिताजी! नहीं!”
कार्ल दौड़कर मरीज के बिस्तर के पास पहुंचा और जेसुइट पादरी का हाथ ज़ोर से पीछे खींच लिया। "बहुत बुरा हुआ, फादर! बहुत ज़ोर से! बहुत ज़ोर से!"
कार्ल की आँखों में एक डर था जिसे कैरस ने वास्तविक माना। और अब उसे पता चल गया था कि रीगन की असाधारण ताकत एक सच्चाई थी। वह ऐसा कर सकती थी। डेनिंग्स की गर्दन मरोड़ सकती थी। चलो, कैरस! जल्दी करो! कुछ सबूत ढूंढो! सोचो!
और फिर उसके नीचे से एक आवाज़ आई। बिस्तर पर।
"मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ, श्री एंगस्ट्रॉम!"
अचानक मिली एक चौंकाने वाली खोज और उमड़ती उम्मीद के साथ, कैरस ने अपना सिर घुमाया और बिस्तर की ओर देखा तो पाया कि रीगन का शैतानी चेहरा कार्ल पर मुस्कुरा रहा था। "क्या तुम अपनी बेटी को नाचना पसंद करती हो?" उसने ताना मारा और फिर मज़ाकिया हंसी हंसने लगी। जर्मन! उसने पूछा था कि क्या कार्ल की लंगड़ी बेटी को नाचना पसंद है! उत्साहित होकर कैरस कार्ल की ओर मुड़ा और देखा कि

उसके गाल लाल हो रहे थे। मुट्ठी भींचे हुए, वह रोगन को गुस्से से घूर रहा था और हंसी जारी थी।
“कार्ल, बेहतर होगा कि तुम बाहर चले जाओ,” कैरस ने उसे चेतावनी दी।
स्विस नागरिक ने सिर हिलाते हुए कहा, "नहीं, मैं यहीं रुकूंगा!"
“आप जाइए,” जेसुइट ने दृढ़ता से कहा, उनकी निगाहें कार्ल पर टिकी हुई थीं। कुछ क्षणों के प्रतिरोध के बाद, नौकर मुड़ा और कमरे से बाहर निकल गया। दरवाजा बंद होते ही हंसी अचानक रुक गई, और उसकी जगह सन्नाटा छा गया।
कैरास ने अपनी नज़र बिस्तर पर डाली। दानव उसे देख रहा था। वह प्रसन्न लग रहा था। "तो तुम वापस आ गए," उसने कर्कश स्वर में कहा। "मुझे आश्चर्य है। मुझे लगा था कि पवित्र जल को लेकर हुई शर्मिंदगी ने तुम्हें कभी वापस आने से रोक दिया होगा। लेकिन मैं भूल गया था कि एक पुजारी को कोई शर्म नहीं होती।"
कैरास ने गहरी साँसें लीं और खुद को ध्यान केंद्रित करने और स्पष्ट रूप से सोचने के लिए मजबूर किया। वह जानता था कि प्रेतबाधा की भाषा परीक्षा में बुद्धिमान बातचीत की आवश्यकता होती है, जो इस बात का प्रमाण हो कि कही गई बातें दबी हुई भाषाई यादों से जुड़ी नहीं हैं। शांत रहो! धीमे चलो! उस लड़की को याद है? पेरिस की एक किशोरी नौकरानी, जिसके बारे में कहा जाता था कि उस पर प्रेतबाधा है, प्रलाप की अवस्था में चुपचाप एक भाषा बुदबुदा रही थी जिसे अंततः सिरियाई भाषा के रूप में पहचाना गया। कैरास ने खुद को उस घटना से मचे हंगामे के बारे में सोचने के लिए मजबूर किया, कि कैसे अंततः यह पता चला कि वह लड़की एक समय एक गेस्ट हाउस में काम करती थी जहाँ एक किरायेदार धर्मशास्त्र का छात्र था, जो परीक्षा की पूर्व संध्या पर अपने कमरे में इधर-उधर घूमता था और सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे चलते हुए अपने सिरियाई पाठ जोर-जोर से पढ़ता था। और उस लड़की ने उन्हें सुन लिया था।
आराम से रहो। जलने से बचो।
“क्या आप जर्मन बोलते हैं?” कैरस ने पूछा।
"अधिक खेल?"
“क्या आप जर्मन बोलते हैं?” जेसुइट ने दोहराया, उसकी नब्ज़ अभी भी उस दूर की उम्मीद से धड़क रही थी।
“बिल्कुल,” राक्षस ने घूरते हुए उत्तर दिया। “अद्भुत ही कहा, क्या आप सहमत नहीं होंगे?”
जेसुइट का दिल उछल पड़ा। न केवल जर्मन, बल्कि लैटिन भी! और वह भी संदर्भ में!
"क्विड नोमेन मिही एस्ट?" उसने झट से पूछा: मेरा नाम क्या है?
“कैरास।”
और अब पुजारी उत्साह से भर कर आगे बढ़ गया।
“उबी सुम?” मैं कहाँ हूँ?
“इन क्यूबिकुलो।” एक कमरे में।
और कमरा कहाँ है?
“इन डोमो।” घर में।
“Ubi est Burke Dennings?” बर्क डेनिंग्स कहाँ हैं?
“मर गया।” वह मर चुका है।
“उसकी मृत्यु कैसे हुई?” उसकी मृत्यु कैसे हुई?

“Inventus est capite reverso.” वह सिर घुमाए हुए पाया गया।
“उसे किसने मारा?” उसे किसने मारा?
“रीगन।”
“उसने उसे कैसे मारा? मुझे विस्तार से बताओ!” उसने उसे कैसे मारा? मुझे विस्तार से बताओ!
“अच्छा, ठीक है, अभी के लिए इतना रोमांच काफी है,” राक्षस ने मुस्कुराते हुए कहा।
“हाँ, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर काफी है। हालाँकि, मुझे लगता है कि आपको यह बात समझ आ ही गई होगी—मेरा मतलब है, आप तो आप ही हैं—कि जब आप लैटिन में सवाल पूछ रहे थे, तो आप मन ही मन लैटिन में ही जवाब भी सोच रहे थे।” वह हँसा।
“बिल्कुल अचेतन अवस्था में। हाँ, कैरस, अचेतन अवस्था के बिना हम क्या करते? क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कहना चाह रहा हूँ? मुझे लैटिन बिल्कुल नहीं आती! मैंने आपका मन पढ़ लिया! मैंने तो बस आपके दिमाग से जवाब निकाल लिए!”
कैरस को पल भर में निराशा का अनुभव हुआ क्योंकि उसका विश्वास चकनाचूर हो गया; अब वह अपने दिमाग में बैठे उस संवेदनहीन संदेह से परेशान और हताश महसूस कर रहा था।
राक्षस हँस पड़ा। “हाँ, मुझे पता था कि यही तुम्हारे मन में आएगा, कैरस,” उसने कर्कश स्वर में कहा। “इसीलिए मैं तुम्हें इतना पसंद करता हूँ, प्यारे टुकड़े; हाँ, इसीलिए मैं सभी समझदार पुरुषों को प्यार करता हूँ।”
राक्षस का सिर हंसते-हंसते पीछे की ओर झुक गया।
जेसुइट का दिमाग तेजी से, बेचैनी से दौड़ रहा था, ऐसे सवाल बना रहा था जिनका कोई एक जवाब सही नहीं था, बल्कि कई जवाब सही थे। लेकिन शायद मैं उन सभी के जवाब ढूंढ लूँ! उसे एहसास हुआ। फिर उसने सोचा, ऐसा सवाल पूछो जिसका जवाब तुम्हें खुद न पता हो! वह बाद में जवाब की जाँच कर सकता है कि वह सही है या नहीं।
उसने हंसी के थमने का इंतजार किया और फिर बोला:
“क्वाम प्रोफंडस एस्ट इमस ओशनस इंडिकस?” हिन्द महासागर के सबसे गहरे बिन्दु पर इसकी गहराई कितनी है?
राक्षस की आँखें चमक उठीं। "ला प्लूम डे मा तांते।"
"लैटिन में उत्तर दें।"
शुभ दिन! शुभ रात्रि!
"कैसे-"
कैरास की बात बीच में ही रुक गई जब आँखें ऊपर की ओर घूमकर सॉकेट में चली गईं और वह निराकार प्राणी प्रकट हुआ। अधीर और निराश कैरास ने मांग की, "मुझे उस दानव से फिर से बात करने दो!"
कोई जवाब नहीं। बस एक अनजान किनारे से आती सांसों की आवाज।
“तुम कौन हो?” उसने कर्कश और कांपती हुई आवाज में गुस्से से कहा।
केवल सन्नाटा। सांसों की आवाज़।
मुझे बर्क डेनिंग्स से बात करने दीजिए!
एक हिचकी। रुक-रुक कर सांस लेना। एक हिचकी।
मुझे बर्क डेनिंग्स से बात करने दीजिए!
लगातार और दर्दनाक हिचकियाँ आती रहीं। कैरस ने अपना सिर नीचे झुकाया और हिलाया, फिर धीरे-धीरे एक आरामदायक कुर्सी की ओर बढ़ा, जहाँ वह बैठ गया, पीछे

की ओर झुक गया और अपनी आँखें बंद कर लीं। तनावग्रस्त। पीड़ा से भरा। और इंतज़ार करता हुआ...
समय बीतता गया। कैरस को ऊंघ आने लगी। फिर उसने झटके से अपना सिर ऊपर उठाया। जागते रहो! और फिर भारी पलकों के साथ उसने रीगन की ओर देखा। अब उसे हिचकी नहीं आ रही थी। आँखें बंद थीं। क्या वह सो रही थी?
वह उठा, बिस्तर के पास गया, नीचे झुककर रीगन की नब्ज़ जाँची, फिर झुककर उसके होंठ देखे। वे सूखे हुए थे। वह सीधा खड़ा हुआ और थोड़ी देर इंतज़ार किया, फिर आखिरकार कमरे से निकलकर शैरन को ढूँढ़ने रसोई में चला गया। उसने उसे मेज़ पर सूप और सैंडविच खाते हुए पाया। "क्या मैं आपके लिए कुछ खाने को बना दूँ, फादर कैरस?" उसने पूछा। "आपको भूख लगी होगी।"
“नहीं, मैं नहीं हूँ,” कैरस ने जवाब दिया। “धन्यवाद।” बैठते हुए, उसने हाथ बढ़ाकर शैरन के टाइपराइटर के पास रखी पेंसिल और पैड उठा ली। “उसे हिचकी आ रही है,” उसने शैरन से कहा। “क्या आपको कॉम्पाज़ीन की कोई दवा दी गई है?”
"हां, हमारे पास कुछ हैं।"
वह पैड पर लिख रहा था। "तो आज रात उसे पच्चीस मिलीग्राम की सपोसिटरी का आधा हिस्सा दे दो।"
"ठीक है।"
“उसे डिहाइड्रेशन होने लगा है,” कैरस ने आगे कहा, “इसलिए मैं उसे नसों के ज़रिए खाना खिलाना शुरू कर रहा हूं। सुबह सबसे पहले किसी मेडिकल सप्लाई की दुकान पर फ़ोन करके ये तुरंत मंगवा लो।” उसने पैड को टेबल पर सरकाते हुए शेरोन को दे दिया। “इस बीच, वह सो रही है, इसलिए तुम उसे सस्टाजेन देना शुरू कर सकती हो।”
शेरोन ने सिर हिलाया। “ठीक है। मैं करूँगी।” सूप चम्मच में डालते हुए उसने पैड को पलटा और सूची देखी। कैरस उसे देखता रहा। फिर वह ध्यान से भौंहें चढ़ाकर बोला, “तुम उसकी ट्यूटर हो?”
"हाँ यह सही है।"
"क्या आपने उसे लैटिन भाषा सिखाई है?"
“लैटिन? नहीं, मुझे लैटिन नहीं आती। क्यों?”
"क्या कोई जर्मन जानता है?"
“केवल फ्रेंच।”
“किस स्तर का? मेरी चाची की कलम का?”
"बहुत ज्यादा।"
लेकिन जर्मन या लैटिन नहीं।
"नहीं।"
लेकिन क्या एंगस्ट्रॉम्स कभी-कभी जर्मन नहीं बोलते?
"ओह, ठीक है, ज़रूर।"
“रीगन के आसपास?”
खड़े होते हुए शेरोन ने कंधे उचकाए। "खैर, कभी-कभी, शायद।" वह अपनी प्लेटें लेकर रसोई के सिंक की ओर बढ़ने लगी और बोली, "दरअसल, मुझे पूरा यकीन है।"
“क्या आपने कभी लैटिन भाषा का अध्ययन किया है?” कैरस ने उससे पूछा।
शेरोन ने हंसते हुए जवाब दिया, "मैं, लैटिन? नहीं, मैंने नहीं पढ़ी है।"
"लेकिन क्या आप उस सामान्य ध्वनि को पहचान पाएंगे?"

"हॉ मैं अनुमान करता हूँ।"
उसने सूप का कटोरा धोया और उसे रैक में रख दिया।
"क्या उसने कभी आपकी उपस्थिति में लैटिन भाषा बोली है?"
“रीगन?”
“हां। उसकी बीमारी के बाद से।”
"नहीं, कभी नहीं।"
"क्या कोई भी भाषा?"
शेरोन ने नल बंद किया और सोच में डूबी हुई सी दिखने लगी। "खैर, शायद मैंने यह सब कल्पना की हो, लेकिन..."
"क्या पर?"
“खैर, मुझे लगता है...” शैरन ने भौंहें चढ़ाते हुए कहा। “खैर, मुझे पक्का याद है कि मैंने उसे एक बार रूसी में बात करते हुए सुना था।”
कैरास का गला सूख गया था, वह घूर रहा था। "क्या तुम यह भाषा बोलते हो?" उसने पूछा।
"ओह, ठीक-ठाक। मैंने कॉलेज में दो साल इसकी पढ़ाई की थी, बस इतना ही।"
कैरास निराश हो गया। फिर रीगन ने मेरे दिमाग से लैटिन शब्द निकाल लिए! उदास निगाहों से देखते हुए, उसने अपना माथा हाथ में झुका लिया और संदेह में डूब गया: अत्यधिक तनाव की स्थिति में टेलीपैथी अधिक आम होती है: हमेशा कमरे में मौजूद किसी व्यक्ति द्वारा जानी जाने वाली भाषा में बोलना: "...वही सोचता है जो मैं सोच रहा हूँ...": "बॉन जूर...": "ला प्लूम डे मा तांते...": "बोन नुइट..." ऐसे विचारों के साथ, कैरास उदास होकर खून को वापस शराब में बदलते हुए देखता रहा।
क्या करें? थोड़ी देर सो लो। फिर वापस आकर दोबारा कोशिश करो... फिर कोशिश करो... वह उठा और धुंधली आँखों से शैरन को देखा। वह सिंक के सहारे पीठ टिकाए, बाहें मोड़े बैठी थी और सोच-विचार और जिज्ञासा से उसे देख रही थी। "मैं घर जा रहा हूँ," उसने उससे कहा। "रीगन के जागते ही, मुझे एक कॉल चाहिए।"
"हां, मैं आपको फोन करूंगा।"
और कॉम्पाज़ीन। ठीक है? तुम भूलोगे नहीं?
उसने सिर हिलाया। "नहीं, मैं इसे अभी ठीक करवा लूंगी।"
कैरास ने सिर हिलाया और अपने हाथों को कमर की जेबों में डाले हुए नीचे देखने लगा, यह सोचने की कोशिश कर रहा था कि वह शैरन को क्या बताना भूल गया होगा। हमेशा कुछ न कुछ काम बाकी रहता है; और जब सब कुछ हो भी जाता है, तब भी कुछ न कुछ छूट ही जाता है।
“पिताजी, क्या चल रहा है?” सचिव ने गंभीर स्वर में पूछा। “क्या बात है? रैग्स के साथ असल में क्या हो रहा है?”
कैरास ने अपनी आँखों को ऊपर उठाया, जो भयभीत और झुलसी हुई थीं। "मुझे नहीं पता," उसने खाली स्वर में कहा; "मुझे सचमुच नहीं पता।"
वह मुड़ा और रसोई से बाहर चला गया।
जैसे ही वह प्रवेश कक्ष से गुजरा, कैरस ने अपने पीछे तेजी से आते कदमों की आहट सुनी। "फादर कैरस!"
कैरास ने मुड़कर देखा तो कार्ल ने स्वेटर पहना हुआ था।

“बहुत खेद है,” नौकर ने इसे सौंपते हुए कहा। “मैं इसे बहुत पहले ही खत्म करने की सोच रहा था। लेकिन मैं भूल गया।”
उसने स्वेटर कैरस को दे दिया। उल्टी के दाग गायब हो गए थे और उसमें से मीठी खुशबू आ रही थी। “कार्ल, तुमने बहुत अच्छा काम किया,” पादरी ने उससे नरमी से कहा। “धन्यवाद।”
“धन्यवाद, फादर कैरस,” कार्ल ने कांपती हुई आवाज़ में कहा, उसकी आँखें नम थीं। “मिस रीगन की मदद करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।” फिर शर्मिंदगी से सिर झुकाकर कार्ल तेज़ी से वहाँ से चला गया।
कैरास उसे देखते हुए किंडरमैन की कार में उसकी याद करने लगा। क्यों? अब और भी रहस्य और उलझन बढ़ गई। थके हुए कैरास ने मुड़कर दरवाजा खोला। रात हो चुकी थी। हताश होकर वह अंधेरे से निकलकर अंधेरे में कदम रखा।
नींद से बेहाल होकर वह निवास स्थान की ओर बढ़ा, लेकिन डायर के कमरे में रुकने का फैसला किया। उसने दरवाज़ा खटखटाया, अंदर से आवाज़ आई, "आगे बढ़ो और धर्म परिवर्तन करो!" और अंदर जाकर उसने देखा कि डायर अपने आईबीएम सेलेक्ट्रिक कंप्यूटर पर टाइप कर रहा है। युवा जेसुइट डायर के टाइप करते रहने पर कैरस उसके पलंग के किनारे पर लेट गया।
अरे, जो!
“हां, मैं सुन रहा हूँ। क्या बात है?”
क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसने औपचारिक रूप से भूत भगाने की रस्म निभाई हो?
“जो लुईस, मैक्स श्मेलिंग, 22 जून, 1938।”
जो, थोड़ा गंभीर हो जाओ।
“नहीं, आप गंभीर हो जाइए। भूत भगाना? क्या आप मजाक कर रहे हैं?”
कैरास ने कोई जवाब नहीं दिया और कुछ क्षणों तक वह भावहीन होकर डायर को टाइप करते हुए देखता रहा, अंततः वह उठा और दरवाजे की ओर चला गया। "हाँ, जो," उसने कहा, "मैं मज़ाक कर रहा था।"
मुझे भी ऐसा ही लगा था।
"कैंपस में फिर मिलेंगे।"
“और भी मजेदार चुटकुले ढूंढो।”
कैरास गलियारे से नीचे गया और जैसे ही वह अपने कमरे में पहुँचा, उसने नीचे देखा तो उसे फर्श पर एक गुलाबी रंग की पर्ची पड़ी मिली। उसने उसे उठाया। फ्रैंक की ओर से। एक घर का नंबर। "कृपया कॉल करें..."
कैरास ने टेलीफोन उठाया और संस्थान के निदेशक के नंबर पर कॉल लगाने का अनुरोध किया, और प्रतीक्षा करते हुए उसने अपने खाली हाथ, दाहिने हाथ की ओर देखा। वह हाथ बेताब उम्मीद से कांप रहा था।
“हेलो?” पतली सी आवाज़। एक छोटा लड़का।
"क्या मैं आपके पिताजी से बात कर सकता हूँ?"
“जी हाँ। बस एक मिनट।” फ़ोन खटकने की आवाज़ आई। फिर जल्दी से उठाया गया। अभी भी वही लड़का था। “कौन है?”
“फादर कैरस।”
“फादर कारित्स?”

"करास। पिता करास..."
फ़ोन फिर से नीचे गिर गया।
कैरास ने कांपते हुए हाथ को उठाया और अपनी उंगलियों के सिरों को हल्के से अपने माथे से छुआ।
फोन की आवाज।
“फादर कैरस?”
"जी हां, हेलो फ्रैंक। मैं आपसे संपर्क करने की कोशिश कर रहा था।"
"ओह, मुझे माफ करना। मैं घर पर आपकी टेपों पर काम कर रहा था।"
"क्या आपका काम समाप्त हो गया?"
“हां, मैं हूं। वैसे, यह काफी अजीबोगरीब चीज़ है।”
“हां, मुझे पता है,” कैरस ने अपनी आवाज में तनाव को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा। “तो अब तक क्या हुआ है? आपको क्या मिला है?”
"अच्छा, सबसे पहले, यह 'टाइप-टोकन' अनुपात..."
“जी हां, फ्रैंक?”
“मेरे पास सटीक अनुमान लगाने के लिए पर्याप्त नमूने नहीं थे, आप समझ रहे हैं ना, लेकिन मैं कहूंगा कि यह काफी हद तक मिलता-जुलता है, या कम से कम इन चीजों के साथ जितना संभव हो सकता है उतना मिलता-जुलता है। खैर, किसी भी तरह से, टेपों पर मौजूद दो अलग-अलग आवाजें, मेरे हिसाब से, शायद अलग-अलग व्यक्तित्वों की हैं।”
"शायद?"
"खैर, मैं अदालत में इसकी कसम नहीं खाना चाहूंगा; वास्तव में, अंतर बहुत मामूली है।"
“मामूली...,” कैरस ने नीरस स्वर में दोहराया। खैर, खेल तो गया। “और उस निरर्थक भाषा का क्या?” उसने पूछा। “क्या यह किसी प्रकार की भाषा है?”
फ्रैंक मुस्कुराया।
“क्या बात मजेदार है?” जेसुइट ने चिड़चिड़ेपन से पूछा।
"क्या यह सचमुच कोई गुप्त मनोवैज्ञानिक परीक्षण था, पिताजी?"
"आपका क्या मतलब है?"
"अच्छा, मुझे लगता है कि आपने अपने टेप आपस में मिला दिए हैं या कुछ और गड़बड़ हो गई है। यह—"
“फ्रैंक, यह कोई भाषा है या नहीं?” कैरस ने बीच में ही टोकते हुए पूछा।
"हाँ, मैं कहूँगा कि यह एक भाषा ही थी।"
अचंभित होकर कैरस अकड़ गया। "क्या तुम मजाक कर रहे हो?"
"नहीं, मैं नहीं हूँ।"
“यह कौन सी भाषा है?”
“यह अंग्रेज़ी है।”
एक पल के लिए कैरस खाली निगाहों से देखता रहा, और जब उसने बोलना शुरू किया तो उसकी आवाज़ में थोड़ी कड़वाहट थी। "फ्रैंक, लगता है हमारा कनेक्शन बहुत खराब है; या क्या तुम मुझे भी इस मज़ाक के बारे में बताना चाहोगे?"
"क्या आपके पास टेप रिकॉर्डर है?"
यह उसकी मेज पर रखा था। "हाँ, मैं करता हूँ।"

क्या इसमें रिवर्स-प्ले पोजीशन है?
"क्यों?"
"क्या इसमें एक है?"
“बस एक मिनट।” चिढ़कर कैरस ने फ़ोन नीचे रख दिया और टेप रिकॉर्डर का ढक्कन खोलकर उसे चेक किया। “हाँ, इसमें है। फ्रैंक, ये सब क्या चल रहा है?”
"अपनी टेप को मशीन पर रखें और उसे उल्टा चलाएं।"
"क्या?"
“तुम्हारे दिमाग में कुछ गड़बड़ है।” फ्रैंक ने हंसते हुए कहा। “देखो, इसे बजाओ, मैं तुमसे कल बात करूँगा। शुभ रात्रि, पिताजी।”
शुभ रात्रि, फ्रैंक।
"मस्ती करो।"
“हां, बिल्कुल।”
कैरास ने फोन काट दिया। वह हैरान-परेशान दिख रहा था। उसने बेतुकी रिकॉर्डिंग वाली टेप ढूंढी और उसे रिकॉर्डर में डाल दिया। पहले उसने उसे आगे बढ़ाया और सिर हिलाया। कोई गलती नहीं थी। वह बेतुकी रिकॉर्डिंग ही थी।
उसने इसे अंत तक चलने दिया और फिर इसे उल्टा चलाया। उसे अपनी ही आवाज़ उल्टी सुनाई दी। और फिर रीगन की राक्षसी आवाज़: मारिन मारिन कैरस हमें रहने दो, हमें रहने दो...
अंग्रेजी! बेतुका! लेकिन फिर भी अंग्रेजी!
कैरास ने आश्चर्य से पूछा, "आखिर वह ऐसा कैसे कर सकती है?"
उसने सब कुछ सुना, टेप को रिवाइंड किया और फिर से चलाया। और फिर से। और फिर उसे एहसास हुआ कि शब्दों का क्रम उल्टा हो गया है। उसने टेप को रोका, रिवाइंड किया, और हाथ में पेंसिल और लिखने की शीट लेकर डेस्क पर बैठ गया और टेप को शुरू से बजाते हुए शब्दों को लिखने लगा, टेप रिकॉर्डर को लगभग लगातार रोकते और चालू करते हुए, वह बड़ी मेहनत से और लंबे समय तक काम करता रहा। जब आखिरकार यह पूरा हो गया, तो उसने कागज़ की दूसरी शीट पर शब्दों का क्रम उलट कर एक और प्रतिलिपि बनाई। फिर वह पीछे झुक गया और उसे पढ़ा:
... खतरा। अभी नहीं। [अस्पष्ट] मर जाएगा। थोड़ा समय। अब [अस्पष्ट]। उसे मरने दो। नहीं, नहीं, मीठा! शरीर में मीठा है! मुझे महसूस हो रहा है! यहाँ [अस्पष्ट] है। शून्य से बेहतर [अस्पष्ट]। मुझे पुजारी से डर लगता है। हमें समय दो। पुजारी से डरो! वह [अस्पष्ट] है। नहीं, यह वाला नहीं: वह [अस्पष्ट], वह जो [अस्पष्ट]। वह बीमार है। आह, खून, खून को महसूस करो, यह कैसे [गाता है?]।
कैरास ने टेप पर पूछा, "तुम कौन हो?" जिसका जवाब था:
मैं कोई नहीं हूँ। मैं कोई नहीं हूँ।
फिर कैरस ने पूछा: "क्या यही आपका नाम है?" और जवाब मिला:
मेरा कोई नाम नहीं है। मैं कोई नहीं हूँ। अनेक। चलो हम रहें। चलो हम शरीर में गर्माहट महसूस करें। शरीर से शून्य में, शून्य में [अस्पष्ट] मत जाओ। हमें छोड़ दो। हमें छोड़ दो। चलो हम रहें। कैरस। मेरिन। मेरिन।
कैरास बार-बार अपनी लिखी हुई प्रति को पढ़ता रहा, उसकी लय उसे सताती रही, उसे ऐसा लगता रहा जैसे एक से ज़्यादा लोग बोल रहे हों। आख़िरकार बार-बार पढ़ने से शब्द सामान्य लगने लगे और उसने प्रति को नीचे रख दिया और अपने चेहरे, अपनी

आँखों और अपने विचारों को मलने लगा। कोई अनजानी भाषा नहीं थी। और आसानी से उल्टा लिखना कोई असाधारण या असामान्य बात नहीं थी। लेकिन उल्टा बोलना: ध्वनियों को इस तरह से समायोजित और परिवर्तित करना कि उन्हें उल्टा सुना जा सके; क्या ऐसा प्रदर्शन अति-उत्तेजित बुद्धि, जंग द्वारा वर्णित त्वरित अचेतन मन की पहुँच से भी परे नहीं था? नहीं, कुछ... कुछ स्मृति के किनारे पर। फिर उसे याद आया। वह अपनी अलमारियों में एक किताब ढूंढने गया: जंग की 'तथाकथित गुप्त घटनाओं का मनोविज्ञान और विकृति विज्ञान'। कुछ ऐसा ही यहाँ भी है, वह किताब के पन्नों को तेज़ी से पलटते हुए सोच रहा था। यह क्या था?
उन्हें वह मिल गया: स्वचालित लेखन के एक प्रयोग का विवरण जिसमें विषय का अवचेतन मन अपने प्रश्नों का उत्तर एनाग्राम के माध्यम से देने में सक्षम प्रतीत होता था। एनाग्राम!
उसने किताब को मेज पर खोलकर रखा, झुककर प्रयोग के एक हिस्से का विवरण पढ़ा:

तीसरा दिन

मनुष्य क्या है? Tefi hasl esble lies.
क्या यह एक एनाग्राम है? हाँ।
इसमें कितने शब्द हैं? पाँच।
पहला शब्द क्या है? देखो।
दूसरा शब्द क्या है? ईईईई।
देखा? क्या मैं खुद इसकी व्याख्या करूँ? कोशिश करो!
विषय ने यह समाधान निकाला: "जीवन कम सूक्ष्म है।" वह इस बौद्धिक कथन पर चकित रह गया, जो उसे अपने से स्वतंत्र एक बुद्धि के अस्तित्व का प्रमाण प्रतीत हुआ। इसलिए उसने आगे पूछा:
तुम कौन हो? क्लैलिया।
क्या आप महिला हैं? हाँ।
क्या आप पृथ्वी पर रहे हैं? नहीं।
क्या तुम जीवित हो उठोगे? हाँ।
कब? छह साल में।
आप मुझसे बात क्यों कर रहे हैं? ई अगर क्लिलिया एल।
विषय ने इस उत्तर को "मैं, क्लैलिया, महसूस करती हूँ" के लिए एक एनाग्राम के रूप में व्याख्यायित किया।

चौथा दिन

क्या मैं ही सवालों के जवाब देता हूँ? हाँ।
क्या क्लैलिया वहाँ है? नहीं।
तो फिर वहां कौन है? कोई नहीं।
क्या क्लैलिया का अस्तित्व है? नहीं।
तो फिर कल मैं किससे बात कर रहा था? किसी से नहीं।
कैरास ने पढ़ना बंद कर दिया और अपना सिर हिलाया। उसने सोचा, यहाँ कुछ भी अलौकिक नहीं है, बस मन की असीमित क्षमताओं का प्रमाण है। उसने सिगरेट उठाई, बैठ गया और उसे जलाया। "मैं कोई नहीं हूँ। अनेक हूँ।" कैरास ने सोचा, रीगन

के भाषण को यह रहस्यमयी सामग्री कहाँ से आई? क्या यह उसी जगह से आई है जहाँ से क्लिलिया आई थी? क्या ये उभरते व्यक्तित्व हैं?
“मेरिन... मेरिन...” “आह, खून...” “वह बीमार है...”
उसकी आँखों में उदासी छाई हुई थी, कैरस ने अपनी किताब 'सैटन' पर एक नज़र डाली और उदास मन से पहले पन्ने पर यह लिखा हुआ देखा: "अजगर को मेरा नेता न बनने दो..." धुआँ छोड़ते हुए उसने आँखें बंद कर लीं, खाँसते हुए उसने मुट्ठी मुँह पर रखी और अपने गले में जलन और सूजन महसूस करते हुए सिगरेट को ऐशट्रे में बुझा दिया। थका हुआ कैरस धीरे-धीरे और बेढंगे तरीके से उठा, कमरे की बत्ती बंद की, खिड़की के पर्दे गिराए, जूते उतारे और अपने छोटे से पलंग पर औंधा लेट गया। उसके दिमाग में कई बातें घूम रही थीं: रीगन। किंडरमैन। डेनिंग्स। क्या करे? उसे मदद करनी ही होगी! उसे मदद करनी ही थी! लेकिन कैसे? क्या वह बिशप से, जो उसके पास थोड़ा-बहुत है, बात करे? उसे ऐसा नहीं लगता था। वह कभी भी इस मामले को मज़बूती से पेश नहीं कर सकता था।
उसने कपड़े उतारने और कंबल के नीचे जाने के बारे में सोचा।
बहुत थका हुआ। यह बोझ। वह आज़ाद होना चाहता था।
"... हमें हो जाने दो!"
जैसे-जैसे कैरस गहरी नींद में डूबने लगा, उसके होंठ लगभग न के बराबर हिले और बिना आवाज़ के बोले, "मुझे अकेला छोड़ दो।" फिर अचानक उसने अपना सिर उठाया, नाक से आती सांसों और सेलोफ़ेन के मुड़ने की हल्की आवाज़ से जाग उठा। आँखें खोलते ही उसने अपने कमरे में एक अजनबी को देखा - थोड़ा मोटा, अधेड़ उम्र का, चेहरे पर झाइयों वाला एक पादरी, जिसके सिर पर पतले लाल बाल थे जो पीछे की ओर कंघी किए हुए थे और सिर गंजा हो रहा था। एक आरामदायक कोने वाली कुर्सी पर बैठा वह कैरस को देख रहा था और गॉलोइस सिगरेट के पैकेट की सील फाड़ रहा था। पादरी मुस्कुराया। "ओह, नमस्ते।"
कैरास ने अपने पैर घुमाए और बैठ गया।
“हाँ, नमस्कार और अलविदा,” कैरस गुर्राया। “तुम कौन हो और मेरे कमरे में क्या कर रहे हो?”
“देखिए, मुझे माफ़ कीजिए, लेकिन जब मैंने दरवाज़ा खटखटाया और आपने जवाब नहीं दिया, तो मैंने देखा कि दरवाज़ा खुला हुआ है, इसलिए मैंने सोचा कि मैं अंदर आकर इंतज़ार करूँ। और फिर आप वहाँ थे!” पादरी ने कुर्सी के पास दीवार से टिकी हुई बैसाखियों की ओर इशारा किया। “आप जानते हैं, मैं हॉल में ज़्यादा देर इंतज़ार नहीं कर सकता था; मैं कुछ देर खड़ा रह सकता हूँ, लेकिन फिर मुझे बैठना ही पड़ता है। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे माफ़ कर देंगे। वैसे, मेरा नाम एड लुकास है। आपके पादरी ने सुझाव दिया था कि मैं आपसे मिलूँ।”
थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए, कैरस ने अपना सिर एक तरफ झुकाया।
“आपने ‘लुकास’ कहा?”
“जी हाँ, हमेशा लुकास ही होता है,” पादरी ने मुस्कुराते हुए कहा, उनके लंबे और निकोटीन से सने दाँत दिख रहे थे। उन्होंने पैकेट से एक सिगरेट निकाली और लाइटर के लिए जेब में हाथ डाला। “क्या मैं सिगरेट पी सकता हूँ?”
“नहीं, आप ठीक से पीजिए। मैं धूम्रपान करता हूँ।”

“ओह, हाँ,” लुकास ने अपनी कुर्सी के बगल में रखी साइड टेबल पर ऐशट्रे में सिगरेट के बटों के ढेर पर नज़र डालते हुए कहा। पादरी ने सिगरेट का पैकेट कैरस की ओर बढ़ाया। “एक गाउलोइस ट्राई करोगे?”
"धन्यवाद, नहीं। देखिए, आपने कहा था कि टॉम बर्मिंघम ने आपको भेजा है?"
“वाह, टॉम। हाँ, हम पक्के दोस्त हैं। हम रेगिस हाई स्कूल में एक ही कक्षा में थे, और उसके बाद हमने सेंट एंड्रयूज ऑन हडसन में एक साथ टर्शियनशिप की। हाँ, टॉम ने ही मुझे आपसे मिलने की सलाह दी थी, इसलिए मैं न्यूयॉर्क से ग्रेहाउंड बस से आया। मैं फोर्डहम में पढ़ रहा हूँ।”
कैरास का मूड अचानक ठीक हो गया। उसने कहा, "ओह, न्यूयॉर्क! क्या यह मेरे तबादले के अनुरोध के बारे में है?"
“पुनर्स्थापन? नहीं, मुझे इसके बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है। यह एक निजी मामला है,” पादरी ने कहा।
कैरास की उम्मीदों से उसके कंधे झुक गए। "ठीक है, तो फिर," उसने कुछ धीमे स्वर में कहा। वह खड़ा हुआ और अपनी मेज के पीछे रखी सीधी पीठ वाली लकड़ी की कुर्सी की ओर चला, उसे घुमाया, बैठ गया और लुकास को पैनी नजरों से देखने लगा। कैरास को इस नज़दीकी नज़रिए से पादरी का काला सूट सिकुड़ा हुआ और ढीला-ढाला, यहाँ तक कि पुराना सा लग रहा था। कंधों पर रूसी थी। पादरी ने सिगरेट के पैकेट से सिगरेट निकाली और अब उसने उसे ज़िपो लाइटर की तेज़, ऊंची लौ से जलाया, जिसे उसने मानो किसी जादूगर की कलाबाज़ी की तरह चुपके से अपनी जेब से निकाला था, और फिर उदास नीले-भूरे रंग के धुएं की एक धारा उड़ाई, जिसे वह गहरी संतुष्टि के साथ देखता रहा और धीरे से बोला, "आह, नसों को शांत करने के लिए गॉलोइस सिगरेट जैसा कुछ नहीं है!"
"क्या तुम घबराए हुए हो, एड?"
"थोड़ा।"
“अच्छा, तो चलिए शुरू करते हैं। एड, मुझे विस्तार से बताइए। मैं आपकी कैसे मदद कर सकता हूँ?”
ल्यूकस ने चिंता भरी नज़रों से कैरस को देखा। "तुम थके हुए लग रहे हो," उसने कहा। "शायद कल मिलना बेहतर रहेगा। तुम्हारा क्या ख्याल है?" फिर उसने झट से कहा, "जी हाँ! जी हाँ, कल ही! क्या तुम मुझे ये दे सकते हो, प्लीज़?"
उसने बैसाखियों की ओर हाथ बढ़ाया था।
“नहीं, नहीं, नहीं!” कैरस ने उससे कहा। “मैं ठीक हूँ, एड! बिलकुल ठीक हूँ!”
अपने घुटनों के बीच हाथों को जोड़कर आगे झुकते हुए, कैरस ने पादरी के चेहरे को देखते हुए कहा, "टालमटोल को हम अक्सर 'प्रतिरोध' कहते हैं।"
लुकास ने अपनी भौंहें उठाईं, उसकी आँखों में शायद थोड़ी सी हैरानी झलक रही थी। "ओह, क्या ऐसा है?"
“हां, ऐसा ही है।”
कैरास ने अपनी निगाहें लुकास के पैरों पर झुका लीं।
“क्या इससे आपको निराशा होती है?” उसने पूछा।
“तुम्हारा क्या मतलब है? ओह, मेरे पैर! ओह, खैर, कभी-कभी तो ऐसा होता ही है।”
“जन्मजात?”
“नहीं। नहीं, यह गिरने से हुआ।”

एक पल के लिए कैरस ने अपने आगंतुक के चेहरे को गौर से देखा। वह हल्की, रहस्यमयी मुस्कान। क्या उसने उसे फिर से देख लिया था? "यह तो बहुत बुरा हुआ," कैरस ने सहानुभूति से कहा।
“अच्छा, यही तो वो दुनिया है जो हमें विरासत में मिली है, है ना?” लुकास ने प्रतिक्रिया दी, उसके मुँह के कोने में अभी भी गाउलोइस सिगरेट लटक रही थी। उसने दो उंगलियों के बीच से सिगरेट को अपने होठों से उतारा और धुएँ का कश छोड़ते हुए अफसोस जताया, “खैर।”
“तो ठीक है, एड, चलिए शुरू करते हैं। ठीक है? आप न्यूयॉर्क से यहाँ तक सिर्फ मेरे साथ डॉजबॉल खेलने तो नहीं आए हैं, यह तो पक्का है, तो चलिए अब खुलकर बात करते हैं। मुझे सब कुछ बताइए। ठीक है? खुलकर बताइए।”
ल्यूकस ने धीरे से अपना सिर हिलाया और दूसरी तरफ देखने लगा। "खैर, यह तो बहुत लंबी कहानी है," उसने कहना शुरू किया, लेकिन तभी उसे खांसी का एक नया दौरा पड़ा और उसने अपना हाथ मुंह पर रख लिया।
“क्या आप कुछ पीना चाहेंगे?” कैरस ने पूछा।
आँखों में पानी भर आया, पादरी ने सिर हिलाया। "नहीं, नहीं, मैं ठीक हूँ," उसने रुंधे हुए स्वर में कहा, "सचमुच!" जैसे ही ऐंठन थम गई। उसने नीचे देखा और अपनी जैकेट के सामने से सिगरेट की राख झाड़ी। "गंदी आदत!" वह बड़बड़ाया, तभी कैरस ने देखा कि पादरी ने अपनी जैकेट के नीचे जो काली कमीज़ पहनी थी, उस पर उबले अंडे का दाग सा लग रहा था।
“ठीक है, क्या समस्या है?” कैरस ने पूछा।
लुकास ने उसकी ओर देखते हुए कहा, "तुम।"
कैरास ने पलकें झपकाईं। उसने कहा, "मैं?"
"हां, डेमियन, तुम। टॉम तुम्हारे बारे में बहुत चिंतित है।"
कैरास ने लुकास को ध्यान से देखा, मानो उसे कुछ समझ आने लगा हो, क्योंकि उसकी आँखों और आवाज़ में गहरी सहानुभूति झलक रही थी। "एड, तुम फोर्डहम में क्या काम करते हो?" कैरास ने पूछा।
“मैं परामर्श देता हूँ,” पुजारी ने कहा।
आप परामर्श देते हैं।
“हां, डेमियन। मैं एक मनोचिकित्सक हूं।”
कैरास घूरता रहा। "एक मनोचिकित्सक," उसने भावहीनता से दोहराया।
लुकास ने बगल में देखा। “ओह, अब मैं कहाँ से शुरू करूँ?” उसने अनिच्छा से कहा।
“मुझे नहीं पता। यह बहुत पेचीदा है। बहुत पेचीदा। अच्छा, तो चलिए देखते हैं हम क्या कर सकते हैं,” उसने धीरे से कहा, झुककर ऐशट्रे में अपनी सिगरेट बुझाते हुए। “लेकिन फिर भी आप तो माहिर हैं,” उसने ऊपर देखते हुए कहा, “और कभी-कभी सीधे-सीधे बात कर देना ही बेहतर होता है।” पादरी फिर से मुट्ठी में खांसने लगा। “धिक्कार है! मुझे बहुत खेद है! सचमुच!” खांसी रुकी, लुकास ने कर्रास को गंभीरता से देखा। “देखिए, यह सब आपके और मैकनील्स के बीच का पागलपन है।”
कैरास ने हैरानी से कहा, “मैकनील परिवार?” उसने आश्चर्य से पूछा, “सुनो, तुम्हें इसके बारे में कैसे पता चला? टॉम कभी भी यह बात बाहर नहीं बताएगा। बिलकुल नहीं। यह परिवार के लिए हानिकारक होगा।”
“इसके स्रोत मौजूद हैं।”

“स्रोत क्या हैं? जैसे कौन? जैसे क्या?”
“क्या इससे कोई फर्क पड़ता है?” पुजारी ने कहा। “नहीं, बिलकुल नहीं। जो मायने रखता है वो है तुम्हारा स्वास्थ्य और तुम्हारी भावनात्मक स्थिरता, जो स्पष्ट रूप से पहले से ही खतरे में हैं, और मैकनील्स के साथ ये मामला इसे और भी बदतर बना देगा, इसलिए प्रांतीय तुम्हें इसे तोड़ने का आदेश दे रहे हैं। इसे तोड़ दो, कैरस, अपने भले के लिए, साथ ही साथ मठ के भले के लिए भी!” पुजारी की घनी भौहें अंदर की ओर सिकुड़ गई थीं, लगभग छू रही थीं, और उन्होंने अपना सिर नीचे कर लिया था जिससे उनकी निगाहें और चेहरा धमकी भरे लग रहे थे। “इसे तोड़ दो!” उन्होंने चेतावनी दी, “इससे पहले कि यह किसी बड़ी आपदा का कारण बने; इससे पहले कि हालात और भी बदतर हो जाएं, बहुत बदतर! हम अब और कोई अपवित्रता नहीं चाहते, डेमियन, है ना?”
कैरास ने अपने आगंतुक को हैरानी और फिर सदमे से देखा।
“अपमानजनक कृत्यों के बारे में? एड, तुम क्या बात कर रहे हो? मेरी मानसिक सेहत का उनसे क्या लेना-देना है?”
ल्यूकस अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गया। "अरे, हद हो गई!" उसने व्यंग्य से कहा। "तुम जेसुइट्स में शामिल हो जाते हो और अपनी बेचारी माँ को घोर गरीबी में अकेले मरने के लिए छोड़ देते हो? तो फिर इन सब बातों के लिए कोई अनजाने में किससे नफरत करेगा, अगर कैथोलिक चर्च से नहीं!" तभी पादरी फिर से आगे झुक गया, कमर झुकाकर फुसफुसाते हुए बोला, "मूर्ख मत बनो! मैकनील्स से दूर रहो!"
आँखें सिकोड़कर, सिर को संदेह भरी मुद्रा में झुकाकर, कैरस उठा और पुजारी को घूरते हुए कर्कश स्वर में पूछा, "तुम कौन हो, यार? तुम कौन हो?"
कैरास की मेज पर रखे टेलीफोन की हल्की घंटी बजते ही फादर लुकास ने घबराकर उसकी ओर देखा। “शेरोन से सावधान रहना!” उन्होंने कैरास को तीखे स्वर में चेतावनी दी, और फिर अचानक फोन इतनी ज़ोर से बजने लगा कि कैरास जाग गया और उसे एहसास हुआ कि वह सपना देख रहा था। नींद में ही वह अपने पलंग से उठा, लड़खड़ाते हुए लाइट के स्विच तक गया, उसे चालू किया, और फिर मेज पर जाकर फोन उठाया। शेरोन का फोन था। उसने उससे पूछा, “कितने बजे हैं?” शेरोन ने जवाब दिया, “तीन बजने के कुछ देर बाद। क्या वह अभी घर आ सकता है?” हे भगवान! कैरास मन ही मन कराह उठा, और फिर भी, “हाँ,” उसने कहा। हाँ। वह आएगा। और एक बार फिर उसे लगा जैसे वह फँस गया हो; घुट रहा हो; उलझ गया हो।
वह लड़खड़ाते हुए अपने सफेद टाइलों वाले बाथरूम में गया, जहाँ उसने अपने चेहरे पर ठंडा पानी डाला और खुद को सुखाते हुए, उसे अचानक फादर लुकास और सपने की याद आ गई। इसका क्या मतलब था? शायद कुछ नहीं। वह इसके बारे में बाद में सोचेगा। अपने कमरे से बाहर निकलते समय, दरवाजे पर कैरस रुका, मुड़ा और एक काला ऊनी स्वेटर लेने वापस आया, उसे अपने सिर पर पहना और जैसे ही उसने उसे नीचे खींचा, वह अचानक रुक गया, कोने वाली कुर्सी के पास रखी मेज को सुन्न होकर घूरने लगा। एक गहरी सांस लेकर और फिर धीरे से एक कदम आगे बढ़ाते हुए, उसने ऐशट्रे तक हाथ बढ़ाया, एक सिगरेट का टुकड़ा उठाया और फिर कुछ देर तक बिना हिले-डुले खड़ा रहा, उसे अपने स्तब्ध अनुमान के सामने पकड़े हुए। यह एक गौलोइस सिगरेट थी। विचारों की दौड़। अटकलें। एक ठंडक। फिर एक बेचैनी: "शेरोन से सावधान रहो!" कैरस ने गौलोइस का टुकड़ा वापस ऐशट्रे में रखा, अपने कमरे से

बाहर निकला, हॉल से होते हुए प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट पर पहुंचा, जहाँ हवा पतली, शांत और नम थी। वह सीढ़ियाँ पार करके तिरछे दूसरी तरफ गया और उसने देखा कि शेरोन मैकनील के घर के खुले दरवाजे पर उसका इंतज़ार कर रही थी। डरी हुई और घबराई हुई सी दिख रही शेरोन के एक हाथ में टॉर्च थी और दूसरे हाथ से उसने अपने कंधों पर लिपटे कंबल के किनारों को पकड़ रखा था। जैसे ही जेसुइट पादरी घर में दाखिल हुआ, शेरोन ने धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए कहा, "माफ़ कीजिए, फादर, लेकिन मुझे लगा कि आपको यह देखना चाहिए।"
"देखो क्या?"
शेरोन ने चुपचाप दरवाजा बंद कर दिया। “मुझे आपको दिखाना होगा,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “अब चुप रहो। मैं क्रिस को जगाना नहीं चाहती। उसे यह नहीं देखना चाहिए।” उसने इशारा किया और कैरस उसके पीछे-पीछे दबे पांव सीढ़ियों से होते हुए रीगन के शयनकक्ष की ओर गया। अंदर पहुँचते ही जेसुइट को ठंड लग गई। कमरा बर्फीला था। भौंहें चढ़ाकर उसने शेरोन की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि डाली, और उसने सिर हिलाकर फुसफुसाते हुए कहा, “जी फादर। जी। हीटर चालू है।” वे मुड़े और रीगन को घूरने लगे, उसकी आँखों का सफेद भाग मंद रोशनी में अजीब तरह से चमक रहा था। वह कोमा में लग रही थी। भारी साँसें। गतिहीन। नासोगैस्ट्रिक ट्यूब लगी हुई थी और सस्टाजेन धीरे-धीरे उसके शरीर में समा रहा था।
शेरोन चुपचाप बिस्तर की ओर बढ़ी। कैरस भी ठंड से लड़खड़ाते हुए उसके पीछे-पीछे गया। जब वे बिस्तर के पास खड़े हुए, तो उसने रीगन के माथे पर पसीने की बूँदें देखीं; नीचे देखा तो पाया कि उसकी कलाइयाँ चमड़े की पट्टियों में कसकर जकड़ी हुई थीं। शेरोन बिस्तर पर झुकी और धीरे से रीगन के गुलाबी और सफेद पजामे के ऊपरी हिस्से को चौड़ा किया, और उसकी सूजी हुई छाती, उभरी हुई पसलियों को देखकर कैरस को अथाह दया आ गई, जहाँ कोई उसके जीवन के बचे हुए कुछ सप्ताह या दिन गिन सकता था। उसने महसूस किया कि शेरोन की उदास निगाहें उस पर टिकी हैं।
"मुझे नहीं पता कि यह रुका है या नहीं," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "लेकिन देखो: बस उसकी छाती को देखते रहो।"
शेरोन ने टॉर्च जलाई और रीगन की नंगी छाती पर रोशनी डाली, और जेसुइट अचंभित होकर उसकी नज़र का पीछा करने लगा। फिर सन्नाटा छा गया। रीगन की हल्की सीटी जैसी साँसें सुनाई दे रही थीं। सब देख रहे थे। ठंड लग रही थी। तभी जेसुइट की भौंहें तन गईं जब उसने रीगन की छाती की त्वचा में कुछ बदलाव देखा: हल्की लालिमा, लेकिन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। उसने और करीब से देखा।
“देखो, वो आ रहा है!” शैरन ने फुसफुसाते हुए तीखी आवाज में कहा।
अचानक कैरस के हाथों पर आए रोंगटे कमरे की बर्फीली ठंड से नहीं, बल्कि रीगन की छाती पर जो वह देख रहा था, उससे खड़े हो गए; उभरी हुई और खून जैसी लाल त्वचा पर साफ अक्षरों में उकेरी गई नक्काशी से। दो शब्द:

मेरी सहायता करो

शेरोन की निगाहें उन शब्दों पर टिकी हुई थीं, उसकी सांसें ठंडी पड़ गईं और उसने फुसफुसाते हुए कहा, "यह उसकी लिखावट है, पिताजी।"
उस सुबह 9:00 बजे, कैरस जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष के पास गए और भूत-प्रेत भगाने की अनुमति मांगी। उन्हें अनुमति मिल गई, और उसके तुरंत बाद वे धर्मप्रांत

के बिशप के पास गए, जिन्होंने कैरस की सारी बातें ध्यान से सुनीं। अंत में बिशप ने पूछा, "क्या आपको पूरा यकीन है कि यह सच है?"
“खैर, मैंने विवेकपूर्ण निर्णय लिया है कि यह अनुष्ठान में निर्धारित शर्तों को पूरा करता है,” कैरस ने टालमटोल भरे लहजे में उत्तर दिया। उसे अब भी विश्वास करने की हिम्मत नहीं हो रही थी। उसका दिमाग नहीं, बल्कि उसका दिल उसे इस क्षण तक खींच लाया था: दया और सुझाव के माध्यम से इलाज की आशा।
"क्या आप स्वयं भूत भगाने की रस्म करना चाहेंगे?"
कैरास को प्रफुल्लता का अनुभव हुआ; उसने देखा कि दरवाज़ा खेतों की ओर खुल रहा है, चिंताओं के भारी बोझ से मुक्ति पाने का, और हर शाम अपने विश्वास की परछाई से मिलने से बचने का। फिर भी, उसने उत्तर दिया, "जी, महाराज।"
आपका स्वास्थ्य कैसा है?
“महामहिम, मेरा स्वास्थ्य ठीक है।”
"क्या आप पहले कभी इस तरह की चीजों में शामिल रहे हैं?"
नहीं, मैंने नहीं किया है।
“देखते हैं। शायद अनुभवी व्यक्ति को रखना बेहतर होगा। आजकल अनुभवी लोग ज़्यादा नहीं हैं, लेकिन शायद कोई विदेशी मिशन से लौटा हो तो ठीक रहेगा। देखते हैं कौन-कौन उपलब्ध है। तब तक, जैसे ही हमें पता चलेगा, मैं आपको बता दूंगा।”
जब कैरस वहां से चला गया, तो बिशप ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के अध्यक्ष को फोन किया, और उन्होंने उस दिन दूसरी बार कैरस के बारे में बात की।
“खैर, उन्हें पृष्ठभूमि की जानकारी तो है,” राष्ट्रपति ने बातचीत के दौरान कहा। “मुझे नहीं लगता कि सिर्फ उनकी मदद लेने में कोई खतरा है। वैसे भी, एक मनोचिकित्सक का मौजूद होना जरूरी है।”
“और भूत भगाने वाले के बारे में क्या? कोई विचार? मुझे कुछ याद नहीं।”
"अच्छा, अब तो लैंकेस्टर मेरिन आसपास ही है।"
“मेरिन? मुझे लगा था कि वह इराक में है। मुझे लगता है मैंने पढ़ा था कि वह नीनवे के आसपास खुदाई के काम में लगा हुआ था।”
“हां, मोसुल के नीचे। बिल्कुल सही। लेकिन उसने अपना काम खत्म किया और लगभग तीन-चार महीने पहले वापस आ गया, माइक। वह वुडस्टॉक में है।”
“शिक्षण?”
नहीं, वह दूसरी किताब पर काम कर रहे हैं।
हे भगवान! क्या आपको नहीं लगता कि वह बहुत बूढ़ा है? उसका स्वास्थ्य कैसा है?
"खैर, सब ठीक ही होगा, वरना वह अब भी कब्रें खोदने में लगा रहता, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
"हां, मुझे लगता है ऐसा ही है।"
और वैसे भी, माइक को अनुभव है।
मुझे यह बात पता नहीं थी।
"खैर, कम से कम यही कहा जा रहा है।"
और यह कब हुआ था? मेरा मतलब इस अनुभव से है।
"ओह, शायद दस या बारह साल पहले, मुझे लगता है, अफ्रीका में। कहा जाता है कि भूत भगाने की प्रक्रिया महीनों तक चली थी। मैंने सुना है कि इससे उसकी जान जाते-जाते बची थी।"

"खैर, उस स्थिति में, मुझे संदेह है कि वह दूसरा करना चाहेगा।"
“हम यहाँ वही करते हैं जो हमें कहा जाता है, माइक। सारे विद्रोही तुम्हारे जैसे धर्मनिरपेक्ष लोगों के साथ वहीं हैं।”
"याद दिलाने के लिए धन्यवाद।"
"आप क्या सोचते हो?"
"देखिए, मैं यह फैसला आप पर और प्रांतीय अधिकारी पर छोड़ता हूं।"
उस शांत शाम के शुरुआती दौर में, पुरोहित बनने की तैयारी कर रहा एक युवा विद्वान मैरीलैंड के वुडस्टॉक सेमिनरी के परिसर में घूम रहा था। वह एक दुबले-पतले, सफ़ेद बालों वाले बूढ़े जेसुइट पादरी की तलाश में था। उसने उन्हें एक पगडंडी पर एक उपवन में टहलते हुए पाया। उसने उन्हें एक टेलीग्राम दिया। शांत स्वभाव वाले उस बूढ़े पादरी ने उसे धन्यवाद दिया और फिर अपने चिंतन में लीन हो गए, उस प्रकृति में अपनी सैर जारी रखी जिसे वे प्यार करते थे। बीच-बीच में वे रुककर रॉबिन पक्षी का गीत सुनते, किसी शाखा पर बैठी चमकीली तितली को देखते। उन्होंने टेलीग्राम खोला और पढ़ा नहीं। वे जानते थे कि उसमें क्या लिखा है। उन्होंने उसे नीनवे के मंदिरों की धूल में पढ़ा था। वे तैयार थे।
उन्होंने विदाई का सिलसिला जारी रखा।

और मेरी पुकार तुझ तक पहुंचे...

जो प्रेम में स्थिर रहता है, वह ईश्वर में स्थिर रहता है, और ईश्वर उसमें स्थिर रहता है...
-संत जॉन

अध्याय एक

अपने शांत कार्यालय के धुंधले अंधेरे में, किंडरमैन अपनी डेस्क पर सोच में डूबे हुए थे। उन्होंने डेस्क लैंप की रोशनी को थोड़ा सा समायोजित किया। उनके नीचे रिकॉर्ड, प्रतिलिपियाँ, साक्ष्य; पुलिस फाइलें; अपराध प्रयोगशाला रिपोर्टें; और लिखे हुए नोट्स थे। गंभीर मनोदशा में, उन्होंने उन्हें बड़े ध्यान से गुलाब के आकार में एक कोलाज में पिरोया था, मानो उस भयावह निष्कर्ष को झुठलाने के लिए, जिस पर वे उन्हें ले गए थे; जिसे वे स्वीकार नहीं कर सकते थे।

इंगस्ट्रॉम निर्दोष था। डेनिंग्स की मृत्यु के समय, वह अपनी बेटी से मिलने गया था और उसे ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे दे रहा था। उसने उस रात अपने ठिकाने के बारे में झूठ बोला था ताकि वह अपनी बेटी और उसकी माँ को बचा सके, जो मानती थी कि एल्विरा मर चुकी है और अब उसे कोई नुकसान या अपमान नहीं हो सकता।
किंडरमैन को यह बात कार्ल से नहीं पता चली थी। एल्विरा के गलियारे में हुई उनकी मुलाकात की रात, नौकर ने हठपूर्वक चुप्पी साधे रखी थी। जब किंडरमैन ने बेटी को उसके पिता के डेनिंग्स मामले में संलिप्तता के बारे में बताया, तभी उसने सच्चाई बताई। गवाह भी मौजूद थे जो इसकी पुष्टि करते थे। एंगस्ट्रॉम निर्दोष था। मैकनील परिवार से जुड़े मामलों में वह निर्दोष और चुप रहा।
किंडरमैन ने कोलाज को देखकर भौंहें चढ़ाईं: रचना में कुछ गड़बड़ थी। उन्होंने एक पंखुड़ी के कोने को थोड़ा नीचे और दाईं ओर खिसकाया।
गुलाब। एल्विरा। उसने उसे सख्त चेतावनी दी थी कि अगर वह दो हफ्तों के भीतर किसी क्लिनिक में भर्ती नहीं हुई, तो वह वारंट लेकर उसका पीछा करेगा जब तक कि उसे गिरफ्तार करने के लिए सबूत न मिल जाएं। फिर भी उसे विश्वास नहीं था कि वह जाएगी। कई बार वह कानून को इस तरह घूरता था जैसे दोपहर के सूरज को, इस उम्मीद में कि वह उसे कुछ देर के लिए अंधा कर दे ताकि कोई शिकार भाग सके। एंगस्ट्रॉम निर्दोष था। अब क्या बचा था? धीरे से हांफते हुए, जासूस ने अपना वजन बदला और आंखें बंद करके कल्पना की कि वह साबुन के झाग वाले गर्म पानी में नहा रहा है। मानसिक क्लोजआउट सेल! उसने खुद से कहा: नए निष्कर्षों की ओर बढ़ो! सब कुछ बिकना चाहिए! फिर, सकारात्मक रूप से! उसने सख्ती से कहा, और इसके साथ ही जासूस ने अपनी आंखें खोलीं और उलझन भरे आंकड़ों का फिर से विश्लेषण किया।
विषय: निर्देशक बर्क डेनिंग्स की मृत्यु का संबंध होली ट्रिनिटी में हुई अपवित्रता की घटनाओं से प्रतीत होता है। दोनों घटनाओं में जादू-टोना शामिल था और अज्ञात अपवित्रताकर्ता ही डेनिंग्स का हत्यारा हो सकता है।
विषय: जादू टोना के विशेषज्ञ, एक जेसुइट पादरी को मैकनील परिवार के घर आते-जाते देखा गया था।
वस्तु: होली ट्रिनिटी में मिले ईशनिंदा वाले वेदी कार्ड के पाठ वाले टाइप किए हुए कागज की जांच गुप्त उंगलियों के निशानों के लिए की गई थी। दोनों तरफ निशान पाए गए थे। कुछ निशान डेमियन कैरस द्वारा बनाए गए थे। लेकिन कुछ अन्य निशान भी मिले थे, जो आकार के आधार पर, बहुत छोटे हाथों वाले व्यक्ति, संभवतः एक बच्चे के होने का अनुमान लगाया गया था।
विषय: वेदी कार्ड पर की गई टाइपिंग का विश्लेषण किया गया और उसकी तुलना उस अधूरे पत्र पर छपी हुई छाप से की गई, जिसे शेरोन स्पेंसर ने अपने टाइपराइटर से निकाला, मोड़कर कूड़ेदान में फेंक दिया, लेकिन वह उसमें नहीं गिरा, जबकि किंडरमैन क्रिस से पूछताछ कर रहा था। उसने उसे उठाया और चुपके से घर से बाहर ले गया। इस पत्र और वेदी कार्ड पर की गई टाइपिंग एक ही मशीन पर की गई थी। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, टाइपिस्टों की लिखावट अलग-अलग थी। ईशनिंदा वाले पाठ को टाइप करने वाले व्यक्ति की लिखावट शेरोन स्पेंसर की तुलना में कहीं अधिक भारी थी। इसके अलावा, चूंकि पहले वाले पाठ की टाइपिंग "ढेरों-ढूंढकर" नहीं की गई

थी, बल्कि कुशलता से की गई थी, इससे पता चलता है कि वेदी कार्ड पर पाठ टाइप करने वाला अज्ञात व्यक्ति असाधारण रूप से शक्तिशाली था।
विषय: बर्क डेनिंग्स—यदि उनकी मृत्यु एक दुर्घटना नहीं थी—तो उनकी हत्या असाधारण रूप से शक्तिशाली व्यक्ति द्वारा की गई थी।
आइटम: एंगस्ट्रॉम अब संदिग्ध नहीं था।
विषय: घरेलू एयरलाइन आरक्षण की जाँच से पता चला कि क्रिस मैकनील अपनी बेटी को डेटन, ओहियो ले गई थीं। किंडरमैन को पता था कि बेटी बीमार है और उसे एक क्लिनिक में ले जाया जा रहा है। लेकिन डेटन का वह क्लिनिक बैरिंगर ही होना चाहिए। किंडरमैन ने जाँच की और क्लिनिक ने पुष्टि की कि बेटी को निगरानी में रखा गया था। हालाँकि क्लिनिक ने बीमारी की प्रकृति बताने से इनकार कर दिया, लेकिन यह स्पष्ट था कि यह एक गंभीर मानसिक विकार था।
विषय: गंभीर मानसिक विकार कभी-कभी असाधारण शक्ति का कारण बनते हैं।
किंडरमैन ने आह भरी, आँखें बंद कीं और सिर हिलाया। वह फिर से उसी निष्कर्ष पर पहुँच गया था। फिर उसने आँखें खोलीं और कागज़ के ढेर के बीचोंबीच टकटकी लगाई: एक पुरानी, धुंधली राष्ट्रीय समाचार पत्रिका की प्रति। मुखपृष्ठ पर क्रिस और रीगन थे। उसने बेटी को गौर से देखा: उसका प्यारा, झाइयों वाला चेहरा, रिबन से बंधी चोटी, और मुस्कान में टूटा हुआ सामने का दाँत। उसने खिड़की से बाहर अँधेरे में देखा, जहाँ हल्की-हल्की बारिश शुरू हो गई थी।
वह गैराज में गया, बिना नंबर वाली काली सेडान में बैठा और फिर बारिश से भीगी, लेकिन चमकती सड़कों से होते हुए जॉर्जटाउन की ओर चला गया। वहाँ उसने प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट के पूर्वी किनारे पर गाड़ी खड़ी की और कुछ मिनटों तक चुपचाप रीगन की खिड़की की ओर देखता रहा। क्या उसे दरवाज़ा खटखटाकर उससे मिलने की मांग करनी चाहिए? उसने अपना सिर नीचे किया और माथे पर हाथ फेरा। विलियम एफ. किंडरमैन, तुम बीमार हो! उसने सोचा। तुम बीमार हो! घर जाओ! दवा लो! सो जाओ! जल्दी ठीक हो जाओ! उसने फिर से खिड़की की ओर देखा और अफ़सोस से सिर हिलाया। उसकी परेशान करने वाली सोच उसे यहीं ले आई थी। उसने अपनी नज़र हटाई जब एक टैक्सी घर के सामने आकर रुकी। उसने इंजन स्टार्ट किया और विंडशील्ड वाइपर चालू किए, तभी उसने देखा कि एक लंबा-सा बूढ़ा आदमी टैक्सी से बाहर निकल रहा है। उसने ड्राइवर को किराया दिया, फिर मुड़ा और धुंधली स्ट्रीटलाइट की रोशनी में बिना हिले-डुले खड़ा रहा, घर की खिड़की की ओर ऐसे देखता रहा जैसे कोई उदास यात्री समय में ठहर गया हो। जैसे ही टैक्सी चली और छत्तीसवीं गली के मोड़ पर मुड़ी, किंडरमैन तुरंत उसका पीछा करने के लिए निकल पड़ा। मोड़ पर मुड़ते ही उसने अपनी हेडलाइट्स झपकाकर टैक्सी को रुकने का इशारा किया, जबकि उसी समय मैकनील के घर के अंदर कैरस और कार्ल, रीगन की कमजोर बाहों को पकड़े हुए थे और शैरन उसे लिब्रियम का इंजेक्शन लगा रही थी, जिससे पिछले दो घंटों में कुल इंजेक्शन की मात्रा चार सौ मिलीग्राम हो गई थी, जो कैरस जानता था कि बहुत अधिक थी; लेकिन कई घंटों की शांति के बाद, राक्षसी व्यक्तित्व इतने उग्र क्रोध के साथ जागृत हो गया कि रीगन का दुर्बल शरीर इसे ज्यादा देर तक सहन नहीं कर सका।
कैरास बहुत थका हुआ था। उस सुबह चांसरी कार्यालय जाने के बाद, वह घर लौटकर क्रिस को घटना के बारे में बताने गया और रीगन के लिए नर्सों के ज़रिए भोजन की

व्यवस्था करने के बाद, वह जेसुइट निवास हॉल में अपने कमरे में वापस चला गया, जहाँ वह औंधा अपने बिस्तर पर गिर पड़ा और तुरंत गहरी नींद में सो गया। लेकिन लगभग दो घंटे बाद, उसके टेलीफोन की तेज़ घंटी ने उसे झकझोर कर जगा दिया। शेरोन। रीगन अभी भी बेहोश थी और उसकी नाड़ी धीरे-धीरे कम होती जा रही थी। कैरास तब अपना मेडिकल बैग लेकर घर भागा और रीगन की एड़ी की नस को चुटकी से दबाकर दर्द की प्रतिक्रिया देखने की कोशिश की। कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। उसने उसकी एक उंगली के नाखून पर ज़ोर से दबाया। फिर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। कैरास घबरा गया: हालाँकि वह जानता था कि हिस्टीरिया और कुछ विशेष प्रकार की बेहोशी की अवस्थाओं में कभी-कभी दर्द के प्रति असंवेदनशीलता होती है, लेकिन अब उसे कोमा का डर सता रहा था, एक ऐसी अवस्था जिससे रीगन बहुत आसानी से मृत्यु की ओर जा सकती थी। उसने उसका रक्तचाप जाँचा: नब्बे/साठ; फिर उसकी नाड़ी की दर साठ थी। वह कमरे में ही रुका रहा और डेढ़ घंटे तक हर पंद्रह मिनट में उसकी नाड़ी की जाँच करता रहा, जब तक कि उसे यह तसल्ली नहीं हो गई कि उसका रक्तचाप और नाड़ी की दर स्थिर हो गई है, यानी रीगन सदमे में नहीं थी, बल्कि बेहोशी की हालत में थी। शैरन को निर्देश दिया गया कि वह रीगन की नाड़ी की जाँच हर घंटे करती रहे। फिर कैरस अपने कमरे में लौट गया और सो गया। लेकिन तभी एक बार फिर बजते हुए टेलीफ़ोन ने उसे जगा दिया। चांसरी कार्यालय ने उसे बताया कि भूत भगाने वाला लैंकेस्टर मेरिन होगा, और कैरस उसकी सहायता करेगा।
इस खबर ने उन्हें स्तब्ध कर दिया था। मेरिन! दार्शनिक-जीवाश्म विज्ञानी! उनकी असाधारण बुद्धि! उनकी पुस्तकों ने चर्च में हलचल मचा दी थी, क्योंकि उनमें उनके विश्वास की व्याख्या ऐसे पदार्थ के संदर्भ में की गई थी जो अभी भी विकसित हो रहा था और अंत में आत्मा बनने के लिए नियत था, जो समय के अंत में मसीह के साथ मिल जाएगा, "ओमेगा बिंदु" कहलाएगा।
कैरास ने तुरंत क्रिस को फोन करके यह खबर दी, लेकिन पता चला कि क्रिस को सीधे बिशप से पता चला था कि मेरिन अगले दिन आ जाएगा। क्रिस ने कहा, "मैंने बिशप से कहा कि वह घर पर रुक सकते हैं। बस एक-दो दिन ही लगेंगे, है ना?" जवाब देने से पहले कैरास थोड़ी देर रुका, फिर धीरे से बोला, "मुझे नहीं पता।" और फिर थोड़ी देर रुककर बोला, "ज़्यादा उम्मीद मत रखना।" क्रिस ने जवाब दिया, "अगर काम बन जाए, तो?" उसकी आवाज़ दबी हुई थी। पादरी ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "मेरा मतलब यह नहीं था कि काम नहीं बनेगा। मेरा मतलब बस इतना था कि इसमें समय लग सकता है।" "कितना समय?" "यह अलग-अलग हो सकता है।" कैरास जानता था कि भूत भगाने में हफ़्ते, यहाँ तक कि महीने भी लग सकते हैं; जानता था कि अक्सर यह पूरी तरह से विफल हो जाता है। उसे बाद वाले की ही उम्मीद थी; उसे उम्मीद थी कि अगर सुझाव से इलाज संभव नहीं हुआ, तो अंत में सारा बोझ उसी पर पड़ेगा। “इसमें कुछ दिन या हफ्ते लग सकते हैं,” उसने तब उससे कहा था, और उसने सुन्न होकर जवाब दिया था, “फादर कैरस, उसके पास कितना समय है?”
फोन रखने के बाद, उसे भारीपन और पीड़ा महसूस हुई; बिस्तर पर लेटे-लेटे उसने मेरिन के बारे में सोचा। मेरिन! उसके भीतर उत्साह और आशा का संचार हुआ, हालांकि साथ ही साथ एक गहरी बेचैनी भी। भूत भगाने के लिए वह स्वयं स्वाभाविक रूप से सबसे उपयुक्त था, फिर भी बिशप ने उसे नज़रअंदाज़ कर दिया। क्यों? क्या इसलिए कि मेरिन ने यह काम पहले भी किया था? आँखें बंद करते हुए उसे याद आया

के भूत भगाने वालों का चयन "पवित्रता" और "उच्च नैतिक गुणों" के आधार पर किया जाता है; मत्ती के सुसमाचार में एक अंश में बताया गया है कि जब शिष्यों ने यीशु से भूत भगाने के प्रयास में उनकी विफलता का कारण पूछा, तो यीशु ने उत्तर दिया, "तुम्हारे अल्प विश्वास के कारण।" प्रांतीय बिशप को उसकी समस्या के बारे में पता था, साथ ही जॉर्जटाउन के अध्यक्ष टॉम बर्मिंघम को भी। क्या उनमें से किसी ने भी बिशप को इसके बारे में बताया था?
कैरस यहाँ अपने बिस्तर पर करवटें बदल रहा था, हताश; खुद को अयोग्य, अक्षम और ठुकराया हुआ महसूस कर रहा था। यह बात उसे चुभ रही थी। बेवजह चुभ रही थी। फिर, आखिरकार, नींद उसके खालीपन में समा गई, उसके दिल के हर कोने को भर दिया।
फिर अचानक उसके फ़ोन की घंटी बजी, क्रिस ने उसे रीगन के अचानक हिंसक व्यवहार के बारे में बताने के लिए फ़ोन किया। घर लौटकर उसने रीगन की नब्ज़ जाँची। वह तेज़ थी। उसने उसे लिब्रियम दिया, फिर दोबारा दिया। और फिर से। आख़िरकार, वह रसोई में गया और क्रिस के साथ नाश्ते की मेज़ पर बैठ गया। क्रिस एक किताब पढ़ रही थी, मेरिन की एक किताब जो उसने घर पर मंगवाई थी। "मेरी समझ से परे है," उसने कैरस से धीरे से कहा; फिर भी वह भावुक और गहरी संवेदना में डूबी हुई लग रही थी। "लेकिन इसमें कुछ अंश बहुत सुंदर हैं—बहुत ही शानदार।" उसने पन्ने पलटकर उस अंश को देखा जिसे उसने चिह्नित किया था, और किताब कैरस को दे दी।
“लो, इसे देखो। क्या तुमने इसे कभी पढ़ा है?”
मुझे नहीं पता। मुझे देखने दो।
कैरास ने किताब उठाई और पढ़ना शुरू किया:
हमारे चारों ओर मौजूद भौतिक जगत की व्यवस्था, स्थिरता और निरंतर नवीनीकरण का हमें सर्वविदित अनुभव है। यद्यपि इसका प्रत्येक भाग नश्वर और क्षणभंगुर है, इसके तत्व अशांत और गतिशील हैं, फिर भी यह स्थिर रहता है। यह स्थायित्व के नियम से बंधा हुआ है, और यद्यपि यह निरंतर मृत्यु की ओर अग्रसर है, फिर भी यह जीवन में पुनः प्रवेश करता है। विघटन से संगठन के नए स्वरूपों का जन्म होता है, और एक मृत्यु हजारों जीवन का जनक है। प्रत्येक क्षण, जैसे-जैसे बीतता है, इस बात का प्रमाण है कि यह विशाल समग्र कितना क्षणभंगुर है, फिर भी कितना सुरक्षित और कितना निश्चित है। यह जल पर बनी एक छवि के समान है, जो जल के निरंतर प्रवाह के बावजूद सदा एक समान रहती है। सूर्य अस्त होकर फिर उदय होता है; दिन रात के अंधकार में समा जाता है, और उससे फिर से जन्म लेता है, मानो कभी बुझा ही न हो। वसंत ग्रीष्म ऋतु में परिवर्तित होता है, और ग्रीष्म और शरद ऋतु से शीत ऋतु में, अपने अंतिम आगमन से और भी निश्चित रूप से उस मृत्यु पर विजय प्राप्त करता है जिसकी ओर वह अपने पहले क्षण से ही दृढ़तापूर्वक अग्रसर हुआ था। हम मई के फूलों के मुरझाने पर शोक मनाते हैं; लेकिन हम जानते हैं कि मई एक दिन नवंबर से अपना बदला जरूर लेगी, उस गंभीर चक्र के निरंतर घूमने से जो कभी नहीं रुकता—जो हमें आशा की ऊँचाइयों में भी संयमी रहना और निराशा की गहराइयों में भी कभी हताश न होना सिखाता है।
"हाँ, यह सुंदर है," कैरस ने धीरे से कहा, और जैसे ही उसने अपने लिए एक कप कॉफी डाली, ऊपर से राक्षस का दहाड़ना और तेज हो गया।

“हरामखोर... नीच... पाखंडी पाखंडी!”
"वह सुबह मेरे काम पर जाने से पहले मेरी प्लेट में एक गुलाब रखा करती थी," क्रिस ने बेरुखी से कहा।
कैरास ने अपनी आँखों में प्रश्न भाव लिए ऊपर देखा, और क्रिस ने उसका उत्तर दिया: "रीगन," उसने उसे बताया।
उसने नीचे देखा। "हाँ, सही कहा। मैं भूल गई थी।"
"क्या भूल जाते हैं?"
मैं भूल जाता हूँ कि तुम उससे कभी नहीं मिले हो।
उसने अपनी नाक साफ की और अपनी आंखों को पोंछा।
"क्या आपको अपनी कॉफी में थोड़ी ब्रांडी चाहिए?"
"धन्यवाद, नहीं।"
“कॉफी का स्वाद फीका है,” क्रिस ने कांपती हुई आवाज़ में फुसफुसाया। “मुझे लगता है मैं थोड़ी ब्रांडी ले आती हूँ। माफ कीजिए।” वह खड़ी हुई और रसोई से बाहर चली गई।
कैरास अकेले बैठे अपनी कॉफ़ी की चुस्की ले रहे थे। अपने चोगे के नीचे पहने स्वेटर में उन्हें गर्माहट महसूस हो रही थी; क्रिस को सांत्वना न दे पाने की अपनी असफलता से वे कमज़ोर महसूस कर रहे थे। तभी बचपन की एक दुखद याद कौंध गई, उनके आवारा कुत्ते रेगी की याद, जो एक जर्जर मकान में एक डिब्बे में कंकाल की तरह दुबला-पतला और सुस्त पड़ा था; रेगी बुखार से कांप रहा था और उल्टी कर रहा था, कैरास उसे तौलिये से ढकने की कोशिश कर रहे थे, उसे गर्म दूध पिलाने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक पड़ोसी आया, रेगी को देखा और सिर हिलाते हुए बोला, “आपके कुत्ते को डिस्टेंपर है। उसे तुरंत इंजेक्शन लगवाने की ज़रूरत है।” फिर एक दोपहर स्कूल से छुट्टी हुई... सड़क पर... दो-दो की कतार में कोने तक... उनकी माँ उनसे मिलने वहाँ थीं... अप्रत्याशित... उदास दिख रही थीं... और फिर उन्होंने उनके हाथ में एक चमकीला आधा डॉलर का सिक्का थमा दिया... खुशी... इतने सारे पैसे! ... फिर उनकी कोमल और मधुर आवाज़ आई, “रेगी मर गया...”
उसने अपने प्याले में उबलती हुई, कड़वी काली चीज़ पर नज़र डाली और महसूस किया कि उसके हाथ आराम या इलाज से खाली हैं।
“... पाखंडी कमीने!”
वह राक्षस। अभी भी उग्र है।
आपके कुत्ते को तुरंत टीके लगवाने की जरूरत थी।
कैरास तुरंत उठा और रीगन के बेडरूम में लौट आया, जहाँ उसने रीगन को थामे रखा जबकि शेरोन ने उसे लिब्रियम का इंजेक्शन लगाया, जिससे कुल खुराक पाँच सौ मिलीग्राम हो गई। शेरोन सुई के घाव को साफ कर रही थी और उस पर पट्टी लगाने की तैयारी कर रही थी, तभी कैरास हैरानी से रीगन को घूर रहा था, क्योंकि उसके मुँह से निकल रही अपशब्द किसी को नहीं, बल्कि किसी अदृश्य व्यक्ति को संबोधित लग रहे थे—या जो वहाँ मौजूद ही नहीं था।
उसने इसे खारिज कर दिया। उसने शेरोन से कहा, "मैं वापस आऊंगा।"
क्रिस की चिंता में वह रसोई में गया, जहाँ उसने उसे फिर से मेज पर अकेले बैठे पाया। वह अपनी कॉफी में ब्रांडी डाल रही थी। "क्या आप वाकई थोड़ी सी नहीं लेना चाहेंगे, पिताजी?" उसने उससे पूछा।

सिर हिलाते हुए वह मेज के पास आया, जहाँ वह थके हुए अंदाज़ में बैठ गया और कोहनियों को हाथों में टिकाकर अपना चेहरा नीचे कर लिया; उसे कॉफी में चम्मच से चलने की हल्की सी आवाज़ सुनाई दी। "क्या तुमने उसके पिता से बात की है?" उसने पूछा।
“हां, उसने फोन किया था,” क्रिस ने कहा। “वह रैग्स से बात करना चाहता था।”
और तुमने उसे क्या बताया?
मैंने उसे बताया कि वह एक पार्टी में गई हुई है।
सन्नाटा। कैरस को अब कोई क्लिक की आवाज़ नहीं सुनाई दी। उसने ऊपर देखा तो क्रिस छत को घूर रहा था। और फिर उसने भी गौर किया: ऊपर से आ रही गालियों की आवाज़ बंद हो गई थी।
उन्होंने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे लगता है कि लिब्रियम का असर हो गया है।"
दरवाजे की घंटी बजी। कैरस ने आवाज़ की तरफ देखा, फिर क्रिस की तरफ, जिसने उसकी शंका भरी नज़र का जवाब सवालिया अंदाज़ में, आशंकित होकर अपनी भौंहें उठाकर दिया। किंडरमैन?
वे बैठे-बैठे सुनते रहे और पल बीतते गए। कोई जवाब देने नहीं आ रहा था; विली अपने कमरे में आराम कर रही थी और शेरोन और कार्ल अभी भी ऊपर थे। तनाव में आकर क्रिस अचानक मेज से उठी और बैठक में गई, जहाँ सोफे पर घुटनों के बल बैठकर उसने पर्दा हटाया और चुपके से खिड़की से अपने बुलाने वाले को देखा। नहीं, किंडरमैन नहीं! भगवान का शुक्र है! वह एक लंबा बूढ़ा आदमी था, जिसने फटा हुआ काला रेनकोट और काली फेल्ट टोपी पहन रखी थी, बारिश में उसका सिर धैर्यपूर्वक झुका हुआ था और उसके बगल में एक काला सूटकेस था। एक पल के लिए, स्ट्रीटलाइट की रोशनी में चांदी का बकल चमक उठा क्योंकि बैग उसकी पकड़ में थोड़ा सा हिल गया था। आखिर यह कौन है?
एक और डोरबेल बजी।
क्रिस असमंजस में पड़कर सोफे से उठी और प्रवेश कक्ष की ओर चली गई। उसने सामने का दरवाजा थोड़ा सा खोला और अंधेरे में बाहर झाँका, जहाँ बारिश की हल्की बूँदें उसकी आँखों को छू रही थीं। आदमी की टोपी के किनारे ने उसका चेहरा छिपा रखा था। "जी हाँ, नमस्कार; क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूँ?"
"श्रीमती मैकनील?" परछाइयों से एक आवाज आई, कोमल और परिष्कृत, फिर भी फुसल की तरह भरपूर।
जैसे ही अजनबी ने अपनी टोपी उतारने के लिए हाथ बढ़ाया, क्रिस अपना सिर हिला रही थी, और फिर अचानक उसकी नज़रें उन आँखों में थीं जिन्होंने उसे अभिभूत कर दिया: वे आँखें बुद्धिमत्ता और दयालु समझ से चमक रही थीं, उनमें से एक ऐसी शांति बह रही थी जैसे किसी गर्म और उपचार करने वाली नदी का पानी, जिसका स्रोत उसमें था और फिर भी किसी तरह उससे परे था; जिसका प्रवाह संयमित था और फिर भी तीव्र और अनंत था।
उन्होंने कहा, "मैं फादर लैंकेस्टर मेरिन हूं।"
एक पल के लिए क्रिस उस दुबले-पतले और तपस्वी चेहरे को, साबुन के पत्थर की तरह तराशी हुई गाल की हड्डियों को, खाली निगाहों से देखती रही; फिर झट से उसने

दरवाजा खोल दिया। "हे भगवान, अंदर आ जाइए! अरे, अंदर आ जाइए! अरे, मैं... सच में! मुझे नहीं पता मेरा..."
वह अंदर गया और उसने दरवाजा बंद कर दिया।
“मेरा मतलब है, मुझे तो कल तक आपकी उम्मीद ही नहीं थी!” क्रिस ने बात खत्म की।
“हां, मुझे पता है,” उसने उसे कहते हुए सुना।
जैसे ही वह उसकी ओर मुड़ी, उसने देखा कि वह अपना सिर एक तरफ झुकाए ऊपर की ओर देख रहा था, मानो वह सुन रहा हो—नहीं, बल्कि महसूस कर रहा हो, उसने सोचा—किसी अदृश्य उपस्थिति को; किसी दूर की जानी-पहचानी कंपन को। क्रिस उलझन में पड़ गई और उसे गौर से देखने लगी। उसकी त्वचा किसी ऐसी धूप से झुलसी हुई लग रही थी जो कहीं और चमक रही थी, कहीं दूर, उसके समय और स्थान से परे।
वह क्या कर रहा है?
"क्या मैं आपके लिए वह थैला ले जा सकता हूँ, पिताजी?"
“सब ठीक है,” उसने धीरे से कहा। अभी भी महसूस कर रहा था। अभी भी जाँच कर रहा था। “यह मेरी बांह के एक हिस्से जैसा है: बहुत पुराना... बहुत जर्जर।” उसने आँखों में एक गर्म, थकी हुई मुस्कान लिए नीचे देखा। “मुझे इस भार की आदत हो गई है। क्या फादर कैरस यहाँ हैं?”
“जी हाँ, वो यहीं हैं। वो रसोई में हैं। क्या आपने खाना खा लिया है, फादर मेरिन?”
मेरिन ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, दरवाजा खुलने की आवाज सुनकर उसने ऊपर की ओर देखा। "हाँ, मेरे पास ट्रेन में कुछ थे।"
"क्या आप वाकई में कुछ और नहीं चाहेंगे?"
कोई जवाब नहीं आया। फिर दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ आई। मेरिन की स्नेह भरी निगाहें क्रिस पर फिर टिक गईं। "नहीं, धन्यवाद," उसने कहा। "आप बहुत दयालु हैं।"
अभी भी घबराया हुआ, "अरे बाप रे, इतनी बारिश!" क्रिस बड़बड़ाया। "अगर मुझे पता होता कि तुम आ रहे हो, तो मैं स्टेशन पर तुमसे मिल सकता था।"
"ठीक ठाक है।"
"क्या आपको टैक्सी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा?"
कुछ मिनट।
“मैं इसे ले लूंगा, पिताजी!”
कार्ल। वह बहुत तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतरा और अब उसने पादरी की ढीली पकड़ से बैग छीन लिया और उसे लेकर गलियारे में चला गया।
“हमने आपके लिए अध्ययन कक्ष में एक बिस्तर लगा दिया है, पिताजी।” क्रिस बेचैन हो रही थी। “यह बहुत आरामदायक है और मुझे लगा कि आपको एकांत पसंद आएगा। मैं आपको दिखाती हूँ कि यह कहाँ है।” वह हिलने लगी, फिर रुक गई। “या आप पिताजी कैरस से मिलना चाहेंगे?”
मैं पहले आपकी बेटी से मिलना चाहूंगा।
“पिताजी, आपका मतलब अभी इसी वक्त से है?” क्रिस ने संदेह से कहा।
मेरिन ने उसी दूरस्थ ध्यान के भाव से एक बार फिर ऊपर की ओर देखा। "हाँ, अब," उसने कहा। "मुझे लगता है अब।"
"अरे, मुझे यकीन है कि वह सो रही होगी।"
मुझे नहीं लगता।

अच्छा, अगर—”
अचानक, ऊपर से आती एक आवाज़ से क्रिस चौंक गया, वह आवाज़ किसी दानव की थी। गूंजती हुई, फिर भी दबी हुई, कर्कश, मानो किसी को दफ़नाने की असमय चीख सुनाई दे रही हो, उसने पुकारा "मेरीइ ...
“हे भगवान!” क्रिस ने अपने पीले पड़े हाथ को सीने से लगाते हुए गहरी साँस ली। स्तब्ध होकर उसने मेरिन की ओर देखा। पादरी टस से मस नहीं हुआ था। वह अब भी ऊपर की ओर टकटकी लगाए था, गंभीर और फिर भी शांत, और उसकी आँखों में आश्चर्य का कोई निशान नहीं था। क्रिस को लगा, यह तो पहचान जैसा था।
एक और जोरदार प्रहार से दीवारें हिल गईं।
“मेरीइ ...
जेसुइट धीरे-धीरे आगे बढ़ा, क्रिस की ओर बेखबर, जो आश्चर्य से देखता रह गया था; कार्ल की ओर भी, जो फुर्ती से और अविश्वास से भरा हुआ अध्ययन कक्ष से बाहर निकला; कैरस की ओर भी, जो भयानक धमाकों और कर्कश आवाजों के बीच रसोई से व्याकुल होकर निकला। मेरिन शांति से सीढ़ियों पर चढ़ गया, उसका पतला, संगमरमर जैसा हाथ रेलिंग पर ऊपर की ओर सरक रहा था। कैरस क्रिस के बगल में आया, और दोनों नीचे से देखते रहे जब मेरिन रीगन के शयनकक्ष में दाखिल हुआ और दरवाजा बंद कर लिया। कुछ देर तक सन्नाटा रहा। फिर अचानक राक्षस भयानक रूप से हँसा और मेरिन तेजी से कमरे से बाहर निकला, दरवाजा बंद किया, फिर तेजी से गलियारे में चला गया, जबकि उसके पीछे शयनकक्ष का दरवाजा फिर से खुला और शेरोन ने अपना सिर बाहर निकाला, अजीब से भाव से उसे घूरती हुई।
मेरिन तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतरा और इंतजार कर रहे कैरस की ओर अपना हाथ बढ़ाया।
“फादर कैरस!”
"नमस्ते पिता।"
मेरिन ने कैरस का हाथ दोनों हाथों से थाम रखा था; वह उसे दबा रहा था और युवा पादरी के चेहरे को गंभीरता और चिंता भरी निगाहों से देख रहा था, जबकि ऊपर से आ रही भयानक हंसी मेरिन पर निर्देशित भयंकर गालियों में बदल गई। "तुम बहुत थके हुए लग रहे हो," मेरिन ने कहा। "क्या तुम सच में थके हुए हो?"
"नहीं।"
“अच्छा। क्या आपके पास आपका रेनकोट है?”
नहीं, मैं नहीं करता।
“अच्छा, तो लो, मेरा ले लो,” सफ़ेद बालों वाले जेसुइट ने बारिश से भीगे कोट के बटन खोलते हुए कहा। “डेमियन, मैं चाहता हूँ कि तुम निवास पर जाओ और मेरे लिए एक चोगा, दो सरप्लस, एक बैंगनी स्टोल, कुछ पवित्र जल और रोमन रिचुअल की दो प्रतियाँ (बड़ी वाली) ले आओ।” उन्होंने अपना रेनकोट हैरान कैरस को देते हुए कहा, “मुझे लगता है कि हमें शुरू करना चाहिए।”
कैरास ने भौंहें चढ़ा लीं। "तुम्हारा मतलब अभी? तुरंत?"
"हां मुझे ऐसा लगता है।"
"क्या आप पहले इस मामले की पृष्ठभूमि नहीं सुनना चाहेंगे?"
"क्यों?"

कैरास को एहसास हुआ कि उसके पास कोई जवाब नहीं है। उसने उन परेशान करने वाली आँखों से अपनी नज़रें हटा लीं। "ठीक है, पिताजी," उसने कहा। वह रेनकोट पहनते हुए मुड़ गया। "मैं जाकर उन्हें ले आता हूँ।"
कार्ल दौड़कर कमरे के उस पार गया, कैरस से आगे निकल गया और उसके लिए सामने का दरवाजा खोल दिया। दोनों ने एक-दूसरे को संक्षिप्त निगाहों से देखा, और फिर कैरस बरसाती रात में बाहर आ गया। मेरिन ने क्रिस की ओर मुड़कर देखा। “मुझे तुमसे पूछना चाहिए था। अगर हम अभी शुरू करें तो तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं?”
वह उन्हें देख रही थी, और घर में सूरज की रोशनी की तरह छाए निर्णय, दिशा और नेतृत्व के भाव से भरी हुई थी, जिससे उसे राहत मिली थी। "नहीं, मुझे खुशी है," उसने कृतज्ञता से कहा। "लेकिन आप बहुत थके हुए होंगे, फादर मेरिन।"
बूढ़े पुजारी ने देखा कि उसकी चिंतित निगाहें राक्षस के उग्र रूप की ओर ऊपर उठी हुई हैं। “क्या आप एक कप कॉफ़ी पीना चाहेंगे?” वह ज़ोरदार और कुछ हद तक विनती भरे स्वर में पूछ रही थी। “यह गरमागरम और ताज़ी बनी है। क्या आप थोड़ी सी लेना चाहेंगे?”
मेरिन ने हाथों को हल्के से जुड़ते और खुलते देखा; उसकी आँखों की गहरी खाइयाँ देखीं। “हाँ, मैं आऊँगा,” उसने गर्मजोशी से कहा। “धन्यवाद।” कोई भारी चीज़ धीरे से हटाई गई थी; इंतज़ार करने को कहा गया था। “अगर आपको यकीन है कि इससे कोई परेशानी नहीं होगी।”
क्रिस उसे रसोई में ले गई और थोड़ी ही देर में वह हाथों में काली कॉफी का मग लिए चूल्हे से टिक गया। क्रिस ने शराब की बोतल उठाई। "क्या इसमें थोड़ी ब्रांडी मिलाओगे, पिताजी?" उसने उससे पूछा।
मेरिन ने अपना सिर झुकाया और बिना किसी भाव के अपनी कॉफी मग में देखने लगा। "खैर, डॉक्टर कहते हैं कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए," उसने कहा, "लेकिन भगवान का शुक्र है, मेरी इच्छाशक्ति कमजोर है।"
क्रिस ने पलकें झपकाईं और खाली निगाहों से घूरती रही, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहना चाहता है, तभी उसने सिर उठाकर अपना मग आगे बढ़ाते हुए उसकी आँखों में मुस्कान देखी। "जी हाँ, धन्यवाद, मैं करूँगा।"
मुस्कुराते हुए क्रिस ने शराब डाली। "तुम्हारा नाम कितना प्यारा है," मेरिन ने डालते हुए उससे कहा। "क्रिस मैकनील। कहीं ये तुम्हारा स्टेज नाम तो नहीं है?"
अपनी कॉफी में थोड़ी-थोड़ी ब्रांडी मिलाते हुए, क्रिस ने अपना सिर हिलाया। "नहीं, मैं सच में सैडी ग्लुट्ज़ नहीं हूँ।"
"भगवान का शुक्र है," मेरिन ने आंखें झुकाते हुए धीरे से कहा।
एक सौम्य, गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ, क्रिस बैठ गया। "और लैंकेस्टर क्या है, पिताजी? यह तो बहुत ही अनोखा नाम है। क्या आपका नाम किसी के नाम पर रखा गया है?"
“शायद कोई मालवाहक जहाज,” मेरिन ने अनमने ढंग से कहीं देखते हुए बुदबुदाया। कॉफी का मग होठों तक उठाते हुए उसने एक घूंट लिया, फिर सोचा, “या फिर कोई पुल। हाँ, मुझे लगता है कि वह एक पुल ही था।” क्रिस की ओर देखते हुए वह उदास भाव से मुस्कुराया। “लेकिन अब ‘डेमियन’,” उसने कहा; “काश मेरा भी ऐसा नाम होता। कितना प्यारा नाम है।”

“पिताजी, यह नाम कहाँ से आया?”
“यह एक पादरी का नाम था जिसने मोलोकाई द्वीप पर कुष्ठ रोगियों की देखभाल में अपना जीवन समर्पित कर दिया था। अंततः उन्हें स्वयं यह बीमारी हो गई।” मेरिन ने बगल में देखते हुए कहा, “प्यारा नाम है।” उन्होंने फिर कहा, “मुझे लगता है कि डेमियन जैसे पहले नाम के साथ, मैं ग्लुट्ज़ उपनाम से भी संतुष्ट हो सकता हूँ।”
क्रिस मुस्कुराई। वह शांत हो गई। उसे राहत महसूस हुई। कुछ मिनटों तक, वह और मेरिन घरेलू बातों, छोटी-छोटी बातों पर चर्चा करते रहे। आखिरकार, शेरोन रसोई में आई, और तभी मेरिन जाने के लिए उठा। ऐसा लगा जैसे वह उसके आने का इंतज़ार कर रहा था, क्योंकि आते ही उसने अपना मग सिंक में ले जाकर धोया और सावधानी से बर्तनों के रैक में रख दिया। "अच्छा था; मुझे यही चाहिए था," उसने कहा।
क्रिस उठी और बोली, "मैं तुम्हें तुम्हारे कमरे तक छोड़ देती हूँ।" मेरिन ने उसे धन्यवाद दिया और उसके पीछे-पीछे अध्ययन कक्ष के दरवाजे तक गई, जहाँ उसने उससे कहा, "पिताजी, अगर आपको किसी भी चीज़ की ज़रूरत हो, तो मुझे बता दीजिएगा।"
उसने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और हल्के से उसे तसल्ली देते हुए दबाया। क्रिस को अपने अंदर एक गर्माहट और शक्ति का प्रवाह महसूस हुआ, साथ ही शांति और एक अजीब सी अनुभूति भी हुई—क्या? उसने सोचा। सुरक्षा? हाँ, कुछ ऐसा ही। "आप बहुत दयालु हैं," उसने कहा। उसकी आँखों में मुस्कान आ गई। उसने कहा, "धन्यवाद।" उसने अपना हाथ हटा लिया और जैसे ही उसने उसे जाते हुए देखा, उसके चेहरे पर अचानक दर्द की एक लहर दौड़ गई। वह अध्ययन कक्ष में गया और दरवाजा बंद कर लिया। अपनी पतलून की जेब से उसने बायर एस्पिरिन का एक डिब्बा निकाला, उसे खोला, नाइट्रोग्लिसरीन की एक गोली निकाली और उसे सावधानी से अपनी जीभ के नीचे रख लिया।
रसोई में प्रवेश करते ही क्रिस दरवाजे के पास रुक गया और शेरोन की ओर देखा। वह चूल्हे के पास खड़ी थी, कॉफी के दोबारा गर्म होने का इंतज़ार करते हुए उसकी हथेली परकोलेटर पर टिकी हुई थी। परेशान दिख रही शेरोन कहीं खोई हुई थी। चिंतित होकर क्रिस उसके पास गया और धीरे से बोला, "अरे, प्यारी, थोड़ी देर आराम क्यों नहीं कर लेती?"
एक पल के लिए कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। फिर शेरोन मुड़ी और क्रिस को खाली निगाहों से घूरने लगी। "मुझे माफ़ करना। क्या तुमने कुछ कहा?"
क्रिस ने उसके चेहरे की तनावग्रस्तता और उदास नज़र को गौर से देखा। "ऊपर क्या हुआ, शेरोन?" उसने पूछा।
“यह घटना कहाँ हुई?”
जब फादर मेरिन रीगन के बेडरूम में दाखिल हुए।
“ओह, हाँ...” थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए, शेरोन ने अपनी दूर की निगाहें संदेह और यादों के बीच के एक बिंदु पर टिका दीं। “हाँ। यह मज़ेदार था।”
"मज़ेदार?"
“अजीब। वे बस...” वह रुक गई। “ठीक है, वे बस कुछ देर तक एक-दूसरे को घूरते रहे, और फिर रीगन—वह चीज़—उसने कहा...”
"क्या?"
“उसने कहा, ‘इस बार तुम हारने वाले हो।’”
क्रिस उसे घूरता रहा, प्रतीक्षा करता रहा। "और फिर?"

“बस यही हुआ,” शेरोन ने जवाब दिया। “वह मुड़ा और कमरे से बाहर चला गया।”
“और वह कैसा दिख रहा था?” क्रिस ने उससे पूछा।
"मज़ेदार।"
“हे भगवान, शैरन, कोई दूसरा शब्द सोचो!” क्रिस झल्लाई और कुछ और कहने ही वाली थी कि उसने देखा कि शैरन ने अपना सिर थोड़ा ऊपर और एक तरफ झुका लिया है, मानो वह कुछ सुन रही हो। उसकी नज़र का पीछा करते हुए, क्रिस ने भी वह सुना: सन्नाटा; राक्षस के प्रचंड क्रोध का अचानक रुक जाना; फिर भी कुछ और... कुछ और... और बढ़ता हुआ।
दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे को तिरछी निगाहों से देखा।
“तुम्हें भी ऐसा ही महसूस हो रहा है?” शेरोन ने पूछा।
क्रिस ने सिर हिलाया। घर में कुछ अजीब सा था। एक तनाव। हवा में धीरे-धीरे कंपन और घनापन बढ़ता जा रहा था, मानो विरोधी ऊर्जाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हों। दरवाजे की घंटियों की मधुर ध्वनि अवास्तविक लग रही थी।
शेरोन ने मुंह फेर लिया। "मैं ले आती हूँ।"
वह प्रवेश कक्ष तक गई और दरवाजा खोला। सामने कैरस था। वह गत्ते का एक कपड़े धोने का डिब्बा लिए खड़ा था।
"फादर मेरिन अध्ययन कक्ष में हैं," शेरोन ने उनसे कहा।
"धन्यवाद।"
कैरास तेजी से अध्ययन कक्ष की ओर बढ़ा, दरवाजे पर हल्के से दस्तक दी और फिर बक्सा लेकर अंदर चला गया। “माफ़ कीजिए पिताजी,” वह कह रहा था, “मुझे थोड़ी सी...”
कैरास एकदम रुक गया। मेरिन, पतलून और टी-शर्ट पहने, किराए के बिस्तर के बगल में प्रार्थना में घुटने टेके हुए था, उसका माथा उसके कसकर जुड़े हाथों पर झुका हुआ था, और एक पल के लिए कैरास जड़वत खड़ा रह गया, मानो वह अनायास ही किसी कोने से मुड़ा हो और अचानक अपने बचपन के उस रूप से मिल गया हो, जो एक वेदी सेवक का चोगा एक हाथ पर लपेटे हुए बिना पहचाने ही तेजी से गुजर रहा था।
कैरास की नज़र खुले हुए कपड़े धोने के डिब्बे पर पड़ी, स्टार्च पर बारिश की बूँदों पर। वह सोफे पर गया, जहाँ उसने चुपचाप डिब्बे का सामान फैलाया, और जब काम पूरा हो गया, तो उसने अपना रेनकोट उतारकर सावधानी से एक कुर्सी पर टांग दिया। मेरिन की ओर देखते हुए, उसने पुजारी को खुद को आशीर्वाद देते हुए देखा और जल्दी से नज़रें हटा लीं। उसने सफेद सूती सरप्लस में से बड़ा वाला उठाया और उसे अपने कसूक के ऊपर पहनने ही वाला था कि उसने मेरिन को उठते और अपनी ओर आते हुए सुना। मेरिन ने अपना सरप्लस नीचे खींच लिया। कैरास उसकी ओर मुड़ा, जब बूढ़ा पुजारी सोफे के सामने रुका, उसकी नज़रें कपड़े धोने के डिब्बे के सामान पर प्यार से टिकी हुई थीं।
कैरास ने स्वेटर उठाते हुए कहा, "मुझे लगा कि आप इसे अपने चोगे के नीचे पहन लेंगे, पिताजी। उसका कमरा कभी-कभी बहुत ठंडा हो जाता है।"
स्वेटर को देखते हुए मेरिन ने अपनी उंगलियों से उसे छुआ। "यह तो तुमने बहुत अच्छा किया, डेमियन। धन्यवाद।"
कैरास ने सोफे से मेरिन का चोगा उठाया और जैसे ही उसने मेरिन को स्वेटर अपने सिर पर से नीचे खींचते हुए देखा, तभी अचानक, इस साधारण, नीरस क्रिया को देखते

हुए, उसे उस व्यक्ति का, उस क्षण का, घर में छाए सन्नाटे का गहरा प्रभाव महसूस हुआ, जो उस पर हावी हो रहा था, उसकी सांसें रोक रहा था और उसकी दुनिया के ठोस और वास्तविक होने के एहसास को भी स्तब्ध कर रहा था। उसके हाथों से चोगा खींचे जाने के एहसास से वह पूरी तरह होश में आया। मेरिन। वह उसे पहन रहा था।
"क्या तुम भूत भगाने से जुड़े नियमों से वाकिफ हो, डेमियन?"
"मैं हूँ।"
मेरिन ने चोगा के बटन लगाने शुरू कर दिए। "खास तौर पर यह चेतावनी महत्वपूर्ण है कि राक्षस से बातचीत करने से बचें।"
कैरस ने सोचा, "राक्षस!"
उसने यह बात इतनी सहजता से कही थी कि उसे यह बात चुभ गई।
“हम प्रासंगिक बातें पूछ सकते हैं,” मेरिन ने आगे कहा। “लेकिन उससे आगे कुछ भी खतरनाक है। बेहद खतरनाक।” उसने कैरस के हाथों से सरप्लस उठाया और उसे कसूक के ऊपर पहनाने लगा। “खास तौर पर, उसकी कोई बात मत सुनना। वह शैतान झूठा है। वह हमें भ्रमित करने के लिए झूठ बोलेगा; लेकिन वह हम पर हमला करने के लिए झूठ को सच के साथ मिलाकर भी बोलेगा। यह हमला मनोवैज्ञानिक है, डेमियन। और बहुत शक्तिशाली है। उसकी बात मत सुनना। यह याद रखना। उसकी बात मत सुनना।”
जब कैरस ने उसे शॉल सौंपा, तो तांत्रिक ने कहा, "क्या अब आप मुझसे कुछ भी पूछना चाहेंगे, डेमियन?"
कैरास ने सिर हिलाया। "नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं आपको रीगन के अलग-अलग व्यक्तित्वों के बारे में कुछ जानकारी दूं तो यह मददगार हो सकता है। अब तक तो तीन व्यक्तित्व दिखाई दे रहे हैं।"
अपने कंधों पर शॉल डालते हुए मेरिन ने धीरे से कहा, "केवल एक ही है।" फिर उसने रोमन रिचुअल की प्रतियाँ उठाईं और एक कैरस को दे दी। "हम संतों की प्रार्थना छोड़ देंगे। क्या तुम्हारे पास पवित्र जल है, डेमियन?"
कैरास ने अपनी जेब से पतली, कॉर्क लगी शीशी निकाली। मेरिन ने उसे लिया और फिर शांति से दरवाजे की ओर इशारा किया। "अगर आप आगे चलें, तो कृपया, डेमियन।"
ऊपर, रीगन के शयनकक्ष के दरवाजे के पास, शेरोन और क्रिस इंतज़ार कर रही थीं। तनाव में। भारी स्वेटर और जैकेट पहने, दरवाजा खुलने की आवाज सुनकर वे मुड़ीं और नीचे देखा तो मेरिन और उसके पीछे कैरस एक गंभीर जुलूस में सीढ़ियों की ओर आ रहे थे। क्रिस ने सोचा, वे कितने आकर्षक लग रहे थे: मेरिन इतनी लंबी, और कैरस का चट्टानों से तराशा हुआ काला चेहरा, जो एक मासूम, वेदी के लड़के जैसे सफेद वस्त्र के ऊपर था। उसने उन्हें लगातार सीढ़ियाँ चढ़ते देखा, और यद्यपि उसका विवेक कहता था कि उनके पास कोई अलौकिक शक्तियाँ नहीं हैं, फिर भी वह अंदर से बहुत प्रभावित हुई, मानो उसकी आत्मा में कुछ फुसफुसा रहा हो कि शायद उनके पास हैं। उसने महसूस किया कि उसका दिल तेजी से धड़कने लगा है।
कमरे के दरवाजे पर जेसुइट रुक गए। कैरस ने क्रिस के स्वेटर और जैकेट को देखकर भौंहें चढ़ाईं। "तुम अंदर आ रहे हो?"
“क्या आपको लगता है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए?”

“कृपया ऐसा मत करो,” कैरस ने उससे आग्रह किया। “ऐसा मत करो। तुम गलती कर रही होगी।”
क्रिस ने प्रश्नवाचक भाव से मेरिन की ओर देखा।
"फादर कैरस को सबसे बेहतर पता है," तांत्रिक ने धीमी आवाज़ में कहा।
क्रिस ने फिर से कैरस की ओर देखा। उसने अपना सिर झुका लिया। "ठीक है," उसने उदास स्वर में कहा। वह दीवार से पीठ टिकाकर खड़ी हो गई। "मैं यहीं बाहर इंतजार करूंगी।"
“आपकी बेटी का मध्य नाम क्या है?” मेरिन ने पूछा।
“यह टेरेसा है।”
“कितना प्यारा नाम है,” बूढ़े पादरी ने स्नेह से कहा। उन्होंने कुछ पल के लिए क्रिस की आँखों में तसल्ली भरी निगाहें डालीं, और जब उन्होंने अपना सिर घुमाकर रीगन के शयनकक्ष के दरवाजे की ओर देखा, तो क्रिस को फिर से वही तनाव, वही गहरा अंधकार महसूस हुआ। शयनकक्ष में।
उस दरवाजे के उस पार।
मेरिन ने सिर हिलाया। "ठीक है," उसने धीरे से कहा।
कैरस ने दरवाजा खोला और दुर्गंध और बर्फीली ठंड के झोंके से लगभग पीछे हट गया। कमरे के एक कोने में, फीकी हरी भेड़ की खाल से बनी शिकार जैकेट में लिपटा हुआ कार्ल कुर्सी पर दुबका बैठा था। उसने उम्मीद भरी निगाहों से कैरस की ओर देखा, जिसने जल्दी से बिस्तर पर लेटे हुए दानव पर अपनी नज़र डाली। उसकी चमकती आँखें उससे परे हॉल की ओर टकटकी लगाए हुए थीं। वे मेरिन पर टिकी हुई थीं।
कैरास बिस्तर के निचले हिस्से की ओर बढ़ा, जबकि लंबा और सीधा खड़ा मेरिन धीरे-धीरे किनारे की ओर चला गया, जहाँ वह रुका और घृणा से नीचे घूरने लगा। अब कमरे में घुटन भरी खामोशी छा गई। फिर रीगन ने अपनी काली, भेड़ियों जैसी जीभ से अपने फटे और सूजे हुए होंठों को चाटा। ऐसा लगा जैसे कोई हाथ से मुड़े हुए कागज को सीधा कर रहा हो। "वाह, घमंडी कमीने!" राक्षसी आवाज कर्कश हुई। "आखिरकार! आखिरकार तुम आ ही गए!"
बूढ़े पुजारी ने अपना हाथ उठाया और पलंग के ऊपर क्रॉस का चिन्ह बनाया, फिर कमरे में मौजूद सभी लोगों की ओर वही इशारा दोहराया। पीछे मुड़कर उन्होंने पवित्र जल की शीशी का ढक्कन उठाया।
“अहा, हाँ! अब पवित्र मूत्र!” राक्षसी आवाज कर्कश होकर बोली। “संतों का वीर्य!”
मेरिन ने शीशी उठाई और राक्षसी चेहरा गुस्से से लाल हो गया और विकृत हो गया, साथ ही आवाज उग्र होकर बोली, "आह, क्या तुम करोगे, कमीने? क्या तुम करोगे?"
मेरिन ने पवित्र जल छिड़कना शुरू कर दिया, और राक्षस ने अपना सिर झटक दिया, क्रोध से उसका मुँह और गर्दन की मांसपेशियाँ काँप रही थीं। “हाँ, छिड़को! छिड़को, मेरिन! हमें भिगो दो! हमें अपने पसीने में डुबो दो! तुम्हारा पसीना पवित्र है, संत मेरिन! झुककर धूप के बादल निकालो! झुककर हमें अपना पवित्र नितंब दिखाओ ताकि हम उसकी पूजा और आराधना कर सकें, मेरिन! उसे चूमो! उसे बनाओ—”
"चुप हो!"
शब्द बिजली की तरह तेज़ी से निकले। कैरस चौंक उठा और आश्चर्य से अपना सिर घुमाकर मेरिन को देखा, जो अब रीगन को घूर रही थी। और दानव चुप था। वह भी

उसे घूर रहा था।
लेकिन अब आंखें संशय में थीं। पलकें झपका रही थीं। सतर्क थीं।
मेरिन ने पवित्र जल की शीशी को नियमित रूप से बंद किया और उसे कैरस को लौटा दिया। मनोचिकित्सक ने उसे अपनी जेब में रख लिया और मेरिन को बिस्तर के पास घुटने टेककर आँखें बंद करके धीरे-धीरे प्रार्थना करते हुए देखा। " 'हे हमारे पिता...' " उसने कहना शुरू किया।
रीगन ने थूका और पीले रंग के बलगम का एक थक्का मेरिन के चेहरे पर मारा। वह धीरे-धीरे तांत्रिक के गाल पर बहने लगा।
" '... तेरा राज्य आए...' " सिर झुकाए हुए मेरिन ने बिना रुके प्रार्थना जारी रखी, और साथ ही अपनी जेब से रूमाल निकालकर धीरे से थूक पोंछा। " '... और हमें प्रलोभन में न डाल,' " उन्होंने विनम्रता से अपनी प्रार्थना समाप्त की।
" 'लेकिन हमें बुराई से बचाओ,' " कैरस ने जवाब दिया।
उसने एक पल के लिए ऊपर देखा। रीगन की आँखें ऊपर की ओर घूम रही थीं, यहाँ तक कि केवल सफेद भाग ही दिखाई दे रहा था। कैरस बेचैन हो गया। उसे लगा जैसे कमरे में कुछ जम रहा है। वह मेरिन की प्रार्थना पढ़ने के लिए वापस अपनी किताब पर लौट आया।
"हे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता, मैं आपके पवित्र नाम का आह्वान करता हूँ, आपसे विनम्रतापूर्वक दया की याचना करता हूँ, कि आप कृपापूर्वक मुझे इस अपवित्र आत्मा के विरुद्ध सहायता प्रदान करें जो अब आपके इस प्राणी को सता रही है; हमारे प्रभु मसीह के नाम से।"
"आमीन," कैरस ने जवाब दिया।
अब मेरिन खड़ी हुई और श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की: " 'हे ईश्वर, मानव जाति के सृष्टिकर्ता और रक्षक, अपनी इस सेविका, रेगन टेरेसा मैकनील पर दया दृष्टि डालिए, जो अब मनुष्य के प्राचीन शत्रु, हमारी जाति के कट्टर शत्रु के चंगुल में फंसी हुई है, जो...' "
रीगन की फुफकार सुनकर कैरस ने ऊपर देखा, उसे सीधी बैठी हुई पाया, उसकी आँखों का सफेद भाग दिखाई दे रहा था, उसकी जीभ तेजी से अंदर-बाहर हो रही थी, उसका सिर कोबरा की तरह धीरे-धीरे आगे-पीछे हिल रहा था, और एक बार फिर उसे बेचैनी का एहसास हुआ। उसने अपनी किताब पर नज़र डाली।
" 'अपने सेवक को बचाओ,' " मेरिन ने खड़े होकर और अनुष्ठान पढ़ते हुए प्रार्थना की।
" 'हे मेरे ईश्वर, तुझ पर कौन भरोसा करता है?' " कैरस ने उत्तर दिया।
" 'हे प्रभु, उसे तुझमें एक मजबूत गढ़ मिल जाए।'"
" शत्रु के सामने।"
जैसे ही मेरिन ने अगली पंक्ति बोलनी शुरू की—"दुश्मन को उस पर कोई अधिकार न हो"—कैरास ने अपने पीछे शेरोन की सिसकी सुनी और तेज़ी से मुड़कर देखा तो वह बिस्तर को स्तब्ध होकर देख रही थी। अचंभित होकर उसने पीछे मुड़कर देखा। और वह स्तब्ध रह गया।
बिस्तर का अगला हिस्सा फर्श से ऊपर उठ रहा था!
कैरास अविश्वास से टकटकी लगाए देखता रहा। चार इंच। आधा फुट। एक फुट। फिर पिछले पैर ऊपर उठने लगे।
"हे भगवान!" कार्ल ने डरते हुए फुसफुसाया। लेकिन कैरस ने न तो उसे सुना और न ही देखा कि उसने बिस्तर के पिछले हिस्से को अगले हिस्से के बराबर उठाते हुए अपने

ऊपर क्रॉस का निशान बनाया।
ऐसा नहीं हो सकता! उसने सोचा।
बिस्तर एक फुट और ऊपर उठा और फिर वहीं रुक गया, धीरे-धीरे हिलता-डुलता रहा मानो किसी स्थिर झील पर तैर रहा हो।
“फादर कैरस?”
रीगन लहरा रही थी और फुफकार रही थी।
“फादर कैरस?”
कैरास मुड़ा। तांत्रिक उसे शांत भाव से देख रहा था, और अब उसने कैरास के हाथों में मौजूद अनुष्ठान की प्रति की ओर इशारा किया। "कृपया उत्तर दीजिए, डेमियन।"
कैरास का चेहरा भावहीन और अबोधपूर्ण लग रहा था, उसे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि शेरोन कमरे से बाहर भाग चुकी है।
“ ‘शत्रु को उस पर कोई अधिकार न रखने दो,’ ” मेरिन ने दोहराया।
कैरास ने जल्दबाजी में पाठ पर एक नजर डाली और धड़कते दिल से जवाब दिया: "और अधर्म का पुत्र उसे हानि पहुंचाने में असमर्थ होगा।"
“ ‘हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनो,’ ” मेरिन ने आगे कहा।
“ ‘और मेरी पुकार तुझ तक पहुँचने दे।’ ”
" 'ईश्वर आप पर कृपा करें।' "
“और आपकी आत्मा के साथ।”
मेरिन ने लंबी प्रार्थना शुरू की और कैरस ने फिर से अपनी निगाहें बिस्तर पर टिका दीं, अपने ईश्वर और उस अलौकिक शक्ति की उम्मीदों पर जो खाली हवा में मंडरा रही थी। उसके पूरे शरीर में खुशी की लहर दौड़ गई। यह रहा! यह रहा! बिल्कुल मेरे सामने! दरवाज़ा खुलने की आवाज़ सुनकर वह अचानक पीछे मुड़ा और शेरोन को क्रिस के साथ अंदर आते देखा। क्रिस अविश्वास से रुक गया और हांफते हुए बोला, "हे भगवान!"
“ ‘सर्वशक्तिमान पिता, शाश्वत ईश्वर...’ ”
भूत भगाने वाले ने सामान्य ढंग से अपना हाथ ऊपर उठाया और अनुष्ठान के पाठ को पढ़ते हुए, बिना किसी हड़बड़ी के, रीगन के माथे पर तीन बार क्रॉस का चिन्ह बनाया:
“ ‘... जिसने अपने इकलौते बेटे को इस दुनिया में उस दहाड़ते हुए शेर को कुचलने के लिए भेजा...’ ”
फुफकारना बंद हो गया और रीगन के मुंह के कसकर फैले हुए 'ओ' आकार से एक बैल की दिल दहला देने वाली रंभाने की आवाज निकली।
“ ‘... विनाश से और दोपहर के शैतान के चंगुल से इस मनुष्य को बचाओ, जिसे तुम्हारी छवि में बनाया गया है, और...’ ”
उसकी कर्कश आवाज तेज होती गई, मानो मांस को चीर रही हो और हड्डियों तक कंपकंपी पैदा कर रही हो।
“ ‘सृष्टि के ईश्वर और स्वामी...’ ” मेरिन नियमित रूप से अपना हाथ ऊपर उठाकर रेगन की गर्दन पर शॉल का एक हिस्सा दबाते हुए प्रार्थना करते रहे: “ ‘...जिसकी शक्ति से शैतान बिजली की तरह स्वर्ग से गिर पड़ा, उस जानवर में भय उत्पन्न करो जो अब तुम्हारे बाग को उजाड़ रहा है...’ ”
चीखना बंद हो गया, और पहले तो सन्नाटा छा गया, फिर रीगन के मुंह से गाढ़ा और सड़ा हुआ हरा रंग का उल्टी धीरे-धीरे और नियमित रूप से निकलने लगा, जो उसके

होंठों से रिसकर पतली लहरों की तरह मेरिन के हाथ पर बहने लगा। लेकिन उसने अपना हाथ नहीं हिलाया। " 'हे प्रभु, इस क्रूर राक्षस को रीगन टेरेसा मैकनील से निकाल दो, जो...' "
कैरास को धुंधला सा एहसास हुआ कि एक दरवाजा खोला गया है और क्रिस कमरे से भाग निकला है।
" 'निर्दोषों के इस उत्पीड़क को बाहर निकालो...' "
बिस्तर पहले धीरे-धीरे हिलने लगा, फिर एकदम से झुकने लगा, और फिर अचानक से वह हिंसक रूप से नीचे-नीचे होने लगा और रीगन के मुंह से लगातार उल्टी निकल रही थी, मेरिन ने शांति से स्थिति को संभाला और शॉल को मजबूती से उसकी गर्दन पर थामे रखा।
" 'अपने सेवकों को साहस से भर दो ताकि वे उस दुष्ट अजगर का साहसपूर्वक विरोध कर सकें, कहीं ऐसा न हो कि वह उन लोगों का तिरस्कार करे जो तुझ पर भरोसा रखते हैं, और...' "
अचानक, हलचल थम गई और कैरस मंत्रमुग्ध होकर देखता रहा, बिस्तर पंख की तरह धीरे-धीरे फर्श पर गिर गया, जहां वह कालीन पर एक नरम सी आवाज के साथ टिक गया।
" 'हे प्रभु, कृपा करके यह...' "
सुन्न होकर, कैरस ने अपनी नज़रें घुमाईं। मेरिन का हाथ। वह उसे देख नहीं पा रहा था। वह ढेर सारी, भाप निकलती हुई उल्टी के नीचे दबा हुआ था।
"डेमियन?"
कैरास ने ऊपर की ओर देखा।
" 'हे प्रभु, मेरी प्रार्थना सुनो,' " तांत्रिक ने कोमल स्वर में कहा।
कैरास मुड़ा। " 'और मेरी पुकार तुझ तक पहुँचने दे।' "
मेरिन ने शॉल उठाया, थोड़ा पीछे हटकर अपनी तीखी आवाज़ से कमरे को झकझोरते हुए आदेश दिया, " 'मैं तुझे, अपवित्र आत्मा, शत्रु की हर शक्ति के साथ! नरक के हर प्रेत के साथ! हर क्रूर साथी के साथ!' " मेरिन के बगल में रखे हाथ से कालीन पर उल्टी टपक रही थी। " 'यह मसीह है जो तुझे आदेश दे रहा है, जिसने एक बार हवा, समुद्र और तूफान को शांत किया था! जिसने...' "
रीगन ने उल्टी करना बंद कर दिया और चुपचाप, बिना हिले-डुले बैठी रही, उसकी आँखों की पुतलियाँ मेरिन को गुस्से से घूर रही थीं। बिस्तर के नीचे से, कैरस उसे ध्यान से देख रहा था, उसका सदमा और उत्तेजना धीरे-धीरे कम हो रही थी, उसका दिमाग तेज़ी से सोचने लगा था, बिना बुलाए, मजबूरी में, तार्किक संदेह के कोनों में गहराई तक घुसने लगा था: भूत-प्रेत; मनोगतिशील क्रिया; किशोरावस्था का तनाव और मन द्वारा निर्देशित बल। उसे कुछ याद आया तो उसकी भौंहें तन गईं। वह बिस्तर के किनारे गया, झुका, और रीगन की कलाई पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। और उसे वही मिला जिसका उसे डर था। साइबेरिया के तांत्रिक की तरह, रीगन की नाड़ी अविश्वसनीय गति से दौड़ रही थी। इस तथ्य ने अचानक उसकी सारी ऊर्जा छीन ली, और अपनी घड़ी पर नज़र डालते हुए, कैरस ने दिल की धड़कनों को गिना, जो अब उसके जीवन के खिलाफ तर्क लग रही थीं।
" 'वही है जिसने तुम्हें आदेश दिया, वही है जिसने तुम्हें स्वर्ग की ऊंचाइयों से सिर के बल नीचे फेंक दिया!' "

मेरिन की शक्तिशाली प्रार्थना कैरस की चेतना की सीमा पर गूंजती हुई, अटूट चोटों की तरह टकरा रही थी, और उसकी नब्ज़ अब तेज़ होती जा रही थी। और तेज़। कैरस ने रीगन की ओर देखा। अभी भी चुप। स्थिर। बर्फीली हवा में, उल्टी से भाप की पतली धुंध एक दुर्गंधयुक्त भेंट की तरह उठ रही थी। फिर कैरस के हाथों के बाल खड़े होने लगे, जैसे किसी भयानक धीमी गति से, एक-एक अंश करके, रीगन का सिर घूम रहा था, किसी पुतले की तरह चक्कर लगा रहा था, और किसी जंग लगे यंत्र की तरह चरमरा रहा था, जब तक कि उसकी भयानक आँखों का खौफ और चमकता सफेद भाग उस पर टिक नहीं गया।
" 'इसलिए, अब डर से कांपो, शैतान...' "
सिर धीरे-धीरे मेरिन की ओर मुड़ा।
" '... तुम न्याय के भ्रष्टकर्ता हो! तुम मृत्यु के जनक हो! तुम राष्ट्रों के विश्वासघाती हो! तुम जीवन के लुटेरे हो! तुम...' "
कैरस ने कमरे की बत्तियाँ टिमटिमाने और मंद पड़ने पर चारों ओर सतर्कता से देखा, और फिर वे एक अजीब, धड़कती हुई सुनहरी रोशनी में तब्दील हो गईं। कैरस काँप उठा। कमरा और भी ठंडा होता जा रहा था।
" '...हत्यारों के राजकुमार! हर तरह की अश्लीलता के जनक! मानव जाति के शत्रु! तुम...' "
कमरे में एक धीमी, गूंजती हुई धड़कन गूंजी। फिर एक और। फिर लगातार, दीवारों, फर्श, छत से होते हुए, कंपकंपी पैदा करती हुई, बिखरती हुई और भारी गति से धड़कती हुई, मानो किसी विशाल और बीमार दिल की धड़कन हो।
" 'दफा हो जा, हे राक्षस! तेरा स्थान एकांत में है! तेरा ठिकाना सांपों के घोंसले में है! नीचे उतर जा और उनके साथ रेंगकर जा! तुझे स्वयं ईश्वर का आदेश है! का रक्त...'"
धमाकों की आवाज तेज होती गई, और भयावह रूप से तेज होती चली गई।
" 'मैं तुम्हें शपथ दिलाता हूँ, प्राचीन सर्प...' "
और भी तेज़...
" '...जीवितों और मृतकों के न्यायाधीश द्वारा, तुम्हारे सृष्टिकर्ता द्वारा, समस्त ब्रह्मांड के सृष्टिकर्ता द्वारा...' "
जैसे-जैसे धड़कनें इतनी तेज़ होती गईं कि कान बहरे हो गए और अचानक उनकी गति बढ़कर एक भयानक लय में बदल गई, शेरोन चीख पड़ी और उसने अपनी मुट्ठियों को अपने कानों पर दबा लिया।
रीगन की नब्ज़ बहुत तेज़ थी। उसकी धड़कन इतनी तेज़ थी कि उसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल था। बिस्तर के उस पार, मेरिन ने शांत भाव से हाथ बढ़ाया और अपने अंगूठे के सिरे से रीगन की उल्टी से सनी छाती पर क्रॉस का निशान बनाया। उसकी प्रार्थना के शब्द धड़कनों में खो गए।
कैरास ने महसूस किया कि नाड़ी की गति अचानक कम हो गई है, और जैसे ही मेरिन ने प्रार्थना की और रीगन के माथे पर क्रॉस का चिन्ह बनाया, भयानक धड़कनें अचानक बंद हो गईं।
" 'हे स्वर्ग और पृथ्वी के ईश्वर, स्वर्गदूतों और प्रधान स्वर्गदूतों के ईश्वर...' " कैरस को अब मेरिन की प्रार्थना सुनाई दे रही थी क्योंकि नाड़ी लगातार धीमी होती जा रही थी...
"घमंडी कमीने, मेरिन! नीच! तू हारेगा! वो मरेगी! वो सूअर मरेगा!"

धुंध धीरे-धीरे तेज़ होती जा रही थी और दानव मोरेन पर घृणा से क्रोधित होकर लौट आया। “घमंडी मोर! प्राचीन विधर्मी जो यह मानने की हिम्मत करता है कि ब्रह्मांड एक दिन ईसा मसीह बन जाएगा! मैं तुझे विनती करता हूँ, मुड़कर मेरी ओर देख! हाँ, मेरी ओर देख, तू नीच!” दानव झटका मारकर आगे बढ़ा और मेरिन के चेहरे पर थूक दिया, फिर कर्कश स्वर में बोला, “इस प्रकार तेरा स्वामी अंधों का इलाज करता है!”
“ ‘सृष्टि के ईश्वर और स्वामी...’ ” मेरिन ने प्रार्थना की, और शांतिपूर्वक अपना रूमाल निकालकर थूक पोंछा।
“अब उसकी शिक्षा का पालन करो, मेरिन! करो! अपने पवित्र मुर्गे को सुअर के बच्चे के मुंह में डालो और उसे शुद्ध करो, उस झुर्रीदार अवशेष से उसे पोंछो और वह ठीक हो जाएगी, संत मेरिन! हाँ, एक चमत्कार! अँ—”
“ ‘...इस सेवक को छुड़ाओ...’ ”
“पाखंडी! तुम्हें उस सुअर की ज़रा भी परवाह नहीं। तुम्हें ज़रा भी परवाह नहीं! तुमने उसे हमारे बीच एक प्रतियोगिता बना दिया है!”
“ ‘... मैं विनम्रतापूर्वक...’ ”
“झूठे! कमीने! बताओ, तुम्हारी विनम्रता कहाँ है, मेरिन? रेगिस्तान में? खंडहरों में? उन कब्रों में जहाँ तू अपने साथी मनुष्यों से बचने के लिए भागा था? अपने से हीन लोगों से, लंगड़े-मस्तिष्क के अपंगों से बचने के लिए? क्या तू मनुष्यों से बात करता है, हे पाखंडी घुन?...”
" '... बाँटना...' "
“मेरिन, तुम्हारा ठिकाना मोरों के घोंसले में है! तुम्हारा स्थान तुम्हारे भीतर ही है! पहाड़ की चोटी पर वापस जाओ और अपने एकमात्र समकक्ष से बात करो!”
गालियों की बौछार के बावजूद मेरिन अनसुनी करते हुए प्रार्थना करती रही। “क्या तुम्हें भूख लगी है, संत मेरिन? लो, मैं तुम्हें अमृत और पवित्र भोजन देता हूँ, मैं तुम्हें तुम्हारे ईश्वर की रोज़ की रोटी देता हूँ!” राक्षस ने व्यंग्य करते हुए कर्कश स्वर में कहा, जबकि रीगन दस्त से पीड़ित थी। “क्योंकि यह मेरा शरीर है! अब इसे पवित्र करो, संत मेरिन!”
घृणा से भर कर, कैरस ने अपना ध्यान पाठ पर केंद्रित किया जब मेरिन ने संत ल्यूक के एक अंश को पढ़ा:
... “मेरा नाम लेगियन है,” उस आदमी ने उत्तर दिया, क्योंकि बहुत से दुष्ट आत्माएँ उसमें प्रवेश कर गई थीं। और उन्होंने यीशु से विनती की कि उन्हें पाताल में जाने का आदेश न दें। तभी पहाड़ की ढलान पर सूअरों का एक झुंड चर रहा था। और दुष्ट आत्माएँ यीशु से बार-बार विनती करती रहीं कि उन्हें उनमें प्रवेश करने दें। और यीशु ने उन्हें अनुमति दे दी। और दुष्ट आत्माएँ उस आदमी से निकलकर सूअरों में प्रवेश कर गईं, और सूअरों का झुंड चट्टान से नीचे झील में गिर गया और डूब गया। और...
“विली, मैं तुम्हारे लिए खुशखबरी लाया हूँ!” राक्षस कर्कश स्वर में बोला। कैरस ने ऊपर देखा तो विली दरवाजे के पास खड़ा था, उसके हाथों में तौलिये और चादरों का ढेर था।
“मैं तुम्हारे लिए मुक्ति की खुशखबरी लाया हूँ!” वह इतराते हुए बोला। “एलविरा ज़िंदा है! वह जीवित है! वह...”
विली सदमे से देखती रही और तभी कार्ल उसकी ओर मुड़ा और चिल्लाकर बोला, "नहीं, विली! नहीं!"
“...विली एक नशेड़ी था, एक हताश इंसान था—”
“विली, मेरी बात मत सुनो!” कार्ल चिल्लाया।

"क्या मैं आपको बताऊं कि वह कहां रहती है?"
“मत सुनो! मत सुनो!” कार्ल विली को कमरे से बाहर भगा रहा था।
“मदर्स डे पर उससे मिलने जाओ, विली! उसे सरप्राइज दो! जाओ और—”
अचानक ही दानव रुका और उसकी निगाहें कैरस पर टिक गईं। उसने रीगन की नब्ज़ दोबारा जाँची और पाया कि वह उसे और लिब्रियम देने के लिए काफ़ी मज़बूत है। वह शैरन के पास जाकर उसे दूसरा इंजेक्शन तैयार करने का निर्देश देने लगा।
“कैरस, क्या तुम उसे चाहते हो?” दानव ने घूरते हुए कहा। “वह तुम्हारी है! हाँ, अस्तबल की वेश्या तुम्हारी है! तुम उस पर जैसे चाहो वैसे सवारी कर सकते हो! अरे, वह तो हर रात तुम्हारे बारे में सपने देखती है, कैरस! हाँ, तुम्हारे और तुम्हारे लंबे, मोटे, पुजारी जैसे लिंग के बारे में!”
जब कैरस ने शैरन को बताया कि रीगन को लिब्रियम देना सुरक्षित है, तो शैरन का चेहरा शर्म से लाल हो गया और उसने अपनी नज़रें फेर लीं। कैरस ने आगे कहा, "और अगर उल्टी ज़्यादा हो तो कॉम्पाज़ीन सपोसिटरी भी दे देना।"
शेरोन ने ज़मीन की ओर सिर हिलाया और अकड़कर चलने लगी। जब वह सिर झुकाए बिस्तर के पास से गुज़री, तो रीगन ने कर्कश आवाज़ में उस पर चिल्लाया, "वेश्या!" और फिर झटके से उठकर उसके चेहरे पर उल्टी कर दी। शेरोन वहीं स्तब्ध और सदमे में खड़ी थी, तभी डेनिंग्स की शख्सियत प्रकट हुई और कर्कश आवाज़ में बोली, "बेशर्म वेश्या! कुतिया!"
शेरोन कमरे से भाग निकली।
डेनिंग्स की शख्सियत ने अब घृणा से मुंह बनाया, चारों ओर देखा और पूछा, "क्या कोई खिड़की खोल देगा? इस कमरे में बहुत बदबू आ रही है! यह बस—नहीं नहीं नहीं, ऐसा मत करो!" फिर उसने बात सुधारी। "नहीं, भगवान के लिए, ऐसा मत करो, वरना कोई और मर सकता है!" और फिर वह खिलखिलाकर हँसा, कैरस को भयानक ढंग से आँख मारी और गायब हो गया।
“ ‘वही है जो तुम्हें निष्कासित करता है...’ ”
"ओह, क्या वो ऐसा करता है, मेरिन? क्या वो ऐसा करता है?"
वह राक्षसी शक्ति लौट आई थी और मेरिन ने मंत्रोच्चार, शॉल का प्रयोग और लगातार क्रॉस का चिन्ह बनाना जारी रखा, जबकि वह शक्ति उसे फिर से अश्लील तरीके से कोड़े मार रही थी।
कैरास को चिंता हुई कि यह बहुत लंबा चल रहा है: दौरा बहुत लंबे समय तक जारी रहा।
“अब सूअरनी आ रही है! सूअर के बच्चे की माँ!”
कैरास ने मुड़कर देखा तो क्रिस एक रुई और डिस्पोजेबल सिरिंज लेकर उसकी ओर आ रही थी। शैतान के अपशब्दों से घिरी होने के बावजूद क्रिस ने अपना सिर नीचे रखा और कैरास भौंहें चढ़ाते हुए उसके पास गई।
“शेरोन अपने कपड़े बदल रही है,” क्रिस ने समझाया, “और कार्ल—”
कैरास ने उसे बीच में ही रोकते हुए रूखेपन से कहा, "ठीक है," और वे दोनों साथ में बिस्तर की ओर बढ़े।
“अरे हाँ, आओ, अपनी कारीगरी देखो, सुअर-माँ! आओ!”
क्रिस ने न सुनने की, न देखने की कोशिश की, जबकि कैरस ने रीगन की निहत्थी बाहों को जकड़ रखा था।

“देखो ये घिनौनी! देखो ये खूनी कुतेया!” राक्षस क्रोधित होकर बोला। “क्या तुम खुश हो? ये तुमने ही किया है! हाँ, तुमने ही तो अपने करियर को सबसे पहले रखा, अपने पति से पहले, उससे पहले, उससे पहले...”
कैरास ने चारों ओर नज़र घुमाई। क्रिस वहीं जम सी गई थी। "आगे बढ़ो!" उसने उसे दृढ़ता से कहा। "मेरी बात मत सुनो! आगे बढ़ो!"
“...तुम्हारा तलाक! क्या तुम पुजारियों के पास जाओगे? पुजारी मदद नहीं करेंगे! वह सुअरनी पागल है! क्या तुम यह नहीं समझते? तुमने उसे पागलपन और हत्या के लिए मजबूर किया है...”
“मैं नहीं कर सकती!” चेहरे पर शिकन लिए क्रिस कांपते हाथों में कांपती हुई सिरिंज को घूर रही थी। उसने सिर हिलाया। “मैं यह नहीं कर सकती!”
कैरास ने अपनी उंगलियों से सिरिंज छीन ली। "ठीक है, इसे साफ करो! बांह को साफ करो! इधर!"
“...उसके ताबूत में, कमीनी, द्वारा...”
“मेरी बात मत सुनो!” कैरस ने क्रिस को फिर से चेतावनी दी, और इस पर उस राक्षसी शक्ति ने अपना सिर झटक दिया, उसकी लाल आँखों में क्रोध झलक रहा था। “और तुम, कैरस! हाँ! तुम्हारे बारे में!”
क्रिस ने रीगन की बांह से स्वैब लिया। "अब, बाहर निकलो!" कैरस ने आदेश दिया और हाइपोडर्मिक सुई को उसकी सूजी के सूखे मांस में चुभो दिया।
क्रिस कमरे से भाग गया।
“हाँ, हम जानते हैं कि तुम माताओं के प्रति दयालु हो, प्रिय कैरस!” राक्षस कर्कश स्वर में बोला। जेसुइट का चेहरा पीला पड़ गया और वह एक पल के लिए स्तब्ध रह गया। फिर धीरे-धीरे उसने सुई निकाली और रीगन की आँखों में देखा, तभी उसके मुँह से एक धीमी, मधुर आवाज़ में, एक बहुत छोटे गायक की तरह, मधुर गीत निकला, “ ‘Tantum ergo sacramentum veneremur cernui...’ ”
यह कैथोलिक प्रार्थना सभा में गाया जाने वाला एक भजन था। कैरस निर्मल भाव से खड़ा रहा, भजन जारी रहा। अजीब और भयावह, वह गायन एक खालीपन जैसा था जिसमें कैरस को उस शाम की भयावहता एक भयानक स्पष्टता के साथ समाहित होती हुई महसूस हुई। उसने ऊपर देखा और मेरिन को हाथों में तौलिया लिए देखा। थके हुए, कोमल भावों से उसने रीगन के चेहरे और गर्दन से उल्टी पोंछी।
“ ‘...और एक प्राचीन दस्तावेज...’ ”
गायन। किसकी आवाज़? कैरस ने सोचा। और फिर कुछ शब्द सुनाई दिए: डेनिंग्स... खिड़की... थका हुआ सा, उसने देखा कि शेरोन कमरे में वापस आई और मेरिन के हाथों से तौलिया ले लिया। “मैं इसे पूरा कर देती हूँ, पिताजी,” उसने कहा। “मैं अब ठीक हूँ। मैं उसे कपड़े बदलना और साफ करना चाहती हूँ, इससे पहले कि मैं उसे कंपैज़ीन दूँ। ठीक है? क्या आप दोनों थोड़ी देर बाहर इंतज़ार कर सकते हैं?”
पुजारी कमरे से बाहर निकलकर हॉल की गर्म और धुंधली रोशनी में आ गए, जहाँ वे दोनों थके हुए अंदाज़ में दीवार से टिक गए, सिर झुकाए और बाहें मोड़े हुए अंदर से आ रही रहस्यमयी, दबी हुई आवाज़ में गाए जा रहे संगीत को सुनने लगे। अंत में कैरस ने उनकी चुप्पी तोड़ी। “आपने—आपने पहले कहा था, फादर, कि हम केवल एक ही सत्ता से निपट रहे हैं।”
"हाँ।"

दबी हुई आवाजें, झुके हुए सिर, सब कुछ स्वीकारोक्ति जैसा था।
“बाकी सब तो हमले के ही तरीके हैं,” मेरिन ने आगे कहा। “एक ही है... केवल एक। वो एक दानव है।” सन्नाटा छा गया। फिर मेरिन ने सीधे-सादे शब्दों में कहा, “मुझे पता है तुम्हें इस पर शक है। लेकिन इस दानव से मैं पहले भी एक बार मिल चुका हूँ। और वो बहुत शक्तिशाली है, डेमियन। बहुत शक्तिशाली।”
सन्नाटा छा गया। फिर कैरस ने दोबारा बोलना शुरू किया।
हम कहते हैं कि शैतान पीड़ित की इच्छाशक्ति को छू नहीं सकता।
“जी हां, ऐसा ही है। इसमें कोई पाप नहीं है।”
“तो फिर अधिकार का उद्देश्य क्या होगा? इसका क्या मतलब है?”
“कौन जान सकता है?” मेरिन ने उत्तर दिया। “कौन सच में जानने की उम्मीद कर सकता है? फिर भी मुझे लगता है कि शैतान का निशाना प्रेतग्रस्त लोग नहीं हैं; बल्कि हम हैं... देखने वाले... इस घर में मौजूद हर व्यक्ति। और मुझे लगता है—मुझे लगता है कि उसका उद्देश्य हमें निराश करना है; हमारी मानवता को नकारना है, डेमियन: हमें अंततः पशुवत, नीच और सड़ा हुआ देखना है; गरिमाहीन; बदसूरत; अयोग्य। और शायद यहीं इसकी जड़ छिपी है: अयोग्यता में। क्योंकि मुझे लगता है कि ईश्वर में विश्वास तर्क का विषय बिल्कुल नहीं है; मुझे लगता है कि अंततः यह प्रेम का विषय है: इस संभावना को स्वीकार करना कि ईश्वर कभी हमसे प्रेम कर सकता है।”
मेरिन थोड़ी देर रुकी, फिर धीरे-धीरे और आत्मनिरीक्षण के भाव से बोली: “फिर, कौन जानता है। लेकिन यह स्पष्ट है—कम से कम मुझे—कि शैतान जानता है कि कहाँ वार करना है। हाँ, वह जानता है। बहुत पहले मैंने अपने पड़ोसी से कभी प्रेम न कर पाने की उम्मीद छोड़ दी थी। कुछ लोग... मुझे घृणास्पद लगते थे। तो मैं उनसे कैसे प्रेम कर सकती थी? मैंने सोचा। इसने मुझे बहुत सताया, डेमियन; इसने मुझे स्वयं से निराश कर दिया और उससे, बहुत जल्द, मेरे ईश्वर से भी निराशा होने लगी। मेरा विश्वास चकनाचूर हो गया।”
आश्चर्यचकित होकर कैरस मुड़ा और दिलचस्पी से मेरिन की ओर देखा। "और क्या हुआ?" उसने पूछा।
“आह, खैर... आखिरकार मुझे एहसास हुआ कि ईश्वर मुझसे वह कभी नहीं मांगेगा जो मनोवैज्ञानिक रूप से असंभव है; कि जिस प्रेम की उन्होंने मुझसे अपेक्षा की वह मेरी इच्छा में था, न कि भावना के रूप में। नहीं। बिलकुल नहीं। वे मुझसे प्रेम से कार्य करने के लिए कह रहे थे; कि मैं दूसरों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करूं; और मुझे विश्वास है कि जो लोग मुझसे घृणा करते हैं, उनके साथ भी प्रेमपूर्ण व्यवहार करना किसी भी अन्य प्रेमपूर्ण कार्य से कहीं अधिक बड़ा प्रेमपूर्ण कार्य था।” मेरिन ने अपना सिर झुकाया और और भी धीमी आवाज़ में बोला, “मुझे पता है कि यह सब तुम्हें बहुत स्पष्ट लग रहा होगा, डेमियन। मुझे पता है। लेकिन उस समय मैं इसे देख नहीं पाया था। अजीब अंधापन। कितने पति-पत्नी,” मेरिन ने उदास होकर कहा, “यह मानते होंगे कि उनका प्रेम समाप्त हो गया है क्योंकि अब उनके दिल अपने प्रियजनों को देखकर धड़कने नहीं लगते। हे भगवान!” उसने अपना सिर हिलाया। और फिर उसने सहमति में सिर हिलाया। “मुझे लगता है, डेमियन... यह अधिकार है; युद्धों में नहीं, जैसा कि कुछ लोग मानते हैं; इतना अधिक नहीं; और यहाँ जैसी असाधारण घटनाओं में तो बहुत ही कम... इस लड़की में... इस बेचारी बच्ची में। नहीं, डेमियन, मैं अधिकार को अक्सर छोटी-छोटी बातों में देखता हूँ: व्यर्थ की, तुच्छ नोकझोंक और गलतफहमियों में; दोस्तों के बीच, प्रेमियों के

बीच, पति-पत्नी के बीच, बिना सोचे समझे ज़बान से निकल जाने वाले क्रूर और चुभने वाले शब्दों में। अगर ये सब काफी हो जाएँ तो हमें अपने युद्धों को संभालने के लिए शैतान की ज़रूरत नहीं पड़ेगी; इन्हें हम खुद ही संभाल लेंगे... खुद ही।"
बेडरूम में मधुर गायन की आवाज़ अभी भी सुनाई दे रही थी, जिससे मेरिन का ध्यान दरवाज़े की ओर गया और वह दूर तक देखती रही। "और फिर भी इस बुराई से भी, अंततः किसी न किसी रूप में अच्छाई निकलेगी; किसी ऐसे रूप में जिसे हम शायद कभी समझ न पाएं या देख भी न पाएं।" मेरिन रुका। "शायद बुराई ही अच्छाई की भट्टी है," वह सोचने लगा। "और शायद शैतान भी—अपनी इच्छा के विरुद्ध भी—किसी न किसी रूप में ईश्वर की इच्छा को पूरा करने में सहायक होता है।"
मेरिन ने और कुछ नहीं कहा, और कुछ देर तक वे चुपचाप खड़े रहे जबकि कैरस सोच-विचार कर रहा था; तभी उसके मन में एक और सवाल आया। उसने पूछा, "एक बार जब शैतान को भगा दिया जाता है, तो उसे वापस आने से कौन रोक सकता है?"
"मुझे नहीं पता," मेरिन ने जवाब दिया। "और फिर भी ऐसा कभी होता नहीं लगता। नहीं, कभी नहीं।" मेरिन ने अपना हाथ अपने चेहरे पर रखा और अपनी आँखों के कोनों को कसकर दबाया। "'डेमियन'... कितना प्यारा नाम है," उसने धीरे से कहा।
कैरस ने उसकी आवाज़ में थकावट महसूस की। और कुछ और भी। कुछ चिंता। जैसे दर्द को दबाना।
अचानक, मेरिन दीवार से दूर हट गया, और अपना चेहरा अभी भी हाथ में छिपाए हुए, उसने बहाना बनाया और जल्दी से गलियारे से होते हुए बाथरूम की ओर चल दिया।
क्या गड़बड़ थी? कैरस ने सोचा। उसे अचानक उस तांत्रिक के मजबूत और सरल विश्वास के लिए ईर्ष्या और प्रशंसा दोनों महसूस हुई। फिर वह दरवाजे की ओर मुड़ा। गाना बंद हो गया था। क्या आखिरकार रात खत्म हो गई थी?
कुछ मिनट बाद, शैरन बिस्तर और कपड़ों का एक बदबूदार गट्ठा लेकर बेडरूम से बाहर आई। उसने कहा, "वह अब सो रही है," और फिर उसने जल्दी से नज़रें फेर लीं और गलियारे में आगे बढ़ गई।
कैरास ने गहरी सांस ली और बेडरूम में वापस दाखिल हुआ। ठंड महसूस हुई। दुर्गंध आई। वह धीरे-धीरे बिस्तर के पास गया। रीगन सो रही थी। आखिरकार। और आखिरकार, कैरास ने सोचा, वह आराम कर सकता था। उसने नीचे झुककर रीगन की पतली कलाई पकड़ी और फिर अपना दूसरा हाथ उठाकर अपनी घड़ी की सेकंड वाली सुई को देखा।
"तुमने मेरे साथ ऐसा क्यों किया, डिम्मी?"
जेसुइट का दिल जम गया।
"तुम ऐसा क्यों करते हो?"
कैरस टस से मस नहीं हुआ, उसने सांस भी नहीं ली, उस उदास आवाज की ओर देखने की हिम्मत भी नहीं की कि क्या वे आंखें सचमुच वहां थीं। इल्जाम लगाने वाली आंखें। अकेली आंखें। उसकी मां की। उसकी मां की!
"तुम मुझे पुजारी बनने दो, डिम्मी; मुझे संस्था भेज दो..."
देखो मत!
"अब तुम मुझे भगा रहे हो?"
यह वह नहीं है!
"तुम ऐसा क्यों करते हो?"

सिर में तेज़ दर्द हो रहा था, दिल ज़ोर से धड़क रहा था, कैरस ने अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं क्योंकि आवाज़ विनती भरी, भयभीत और आँसुओं से भरी होती जा रही थी। “तुम हमेशा अच्छे बच्चे हो, डिम्मी। प्लीज़! मुझे डर लग रहा है! प्लीज़ मुझे बाहर मत भगाओ, डिम्मी! प्लीज़!”
तुम मेरी माँ नहीं हो!
बाहर कुछ नहीं! बस अंधेरा, डिम्मी! अकेला!
“तुम मेरी माँ नहीं हो!” कैरस ने गुस्से से फुसफुसाते हुए कहा।
“डिम्मी, कृपया!”
“तुम मेरी माँ नहीं हो!” कैरस दर्द से चिल्लाई।
अरे, भगवान के लिए, कैरस!
डेनिंग्स का व्यक्तित्व सामने आ चुका था।
“देखो, हमें यहाँ से निकालना बिलकुल भी ठीक नहीं है!” उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “देखो, मैं अपने बारे में कहूँ तो, यहाँ मेरा होना न्यायसंगत है। मैं मानती हूँ। लेकिन उस कुतिया ने मेरा शरीर बर्बाद कर दिया है और मुझे लगता है कि मुझे उसके शरीर में रहने की इजाज़त मिलनी चाहिए, क्या तुम नहीं सोचते? अरे, भगवान के लिए, मेरी तरफ देखो, कैरस, ज़रा? चलो! मेरा मतलब है, मैं अक्सर बाहर आकर अपनी बात नहीं कहती। अब बस मुड़ जाओ। मैं तुम्हें काटूँगी नहीं, न ही उल्टी करूँगी, न ही ऐसी कोई बदतमीज़ी करूँगी। ये मैं हूँ, अब।”
कैरास ने अपनी आंखें खोलीं और डेनिंग्स के व्यक्तित्व को देखा।
“लो, अब ठीक है,” उसने आगे कहा। “देखो, उसने मुझे मार डाला। हमारी सराय की मालकिन नहीं, कैरस—उसने! ओह, जी हाँ!” उसने सहमति में सिर हिलाया। “उसने! मैं बार में अपने काम में लगा हुआ था, तभी मुझे ऊपर उसके कमरे से उसके कराहने की आवाज़ सुनाई दी। खैर, अब मुझे देखना ही था कि उसे क्या हुआ है, इसलिए मैं ऊपर गया और तुम्हें पता है उसने मेरा गला पकड़ लिया, कमीनी!” अब आवाज़ रोने जैसी और दयनीय थी। “हे भगवान, मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी इतनी ताकत नहीं देखी! चिल्लाने लगी कि मैं उसकी माँ के साथ कुछ गलत कर रहा था या कुछ ऐसा ही या तलाक का कारण बना। बात साफ़ नहीं थी। लेकिन मैं तुम्हें बताता हूँ, प्रिय, उसने मुझे खिड़की से बाहर धकेल दिया!” अब आवाज़ फट रही थी और तेज़ हो गई थी। “उसने मुझे जान से मार डाला! ठीक है? अब तुम्हें लगता है कि मुझे उससे बाहर फेंकना सही है? मतलब, सच में, कैरस! क्या तुम्हें ऐसा लगता है?”
कैरास ने घबराकर, फिर कर्कश स्वर में कहा, "अच्छा, अगर आप सचमुच बर्क डेनिंग्स हैं—"
मैं तुम्हें बार-बार कह रहा हूँ कि मैं हूँ! क्या तुम बहरे हो गए हो?
"अच्छा, अगर आप हैं, तो मुझे बताएं कि आपका दिमाग कैसे घूम गया?"
“कमबख्त जेसुइट!” उसने धीमी आवाज़ में बड़बड़ाया।
"वह क्या था?"
उसने अपनी निगाहें इधर-उधर घुमाते हुए टालमटोल की। "ओह, अच्छा, वो सिर वाली बात। अजीब सी बात है। हाँ। बहुत अजीब।"
"यह कैसे हुआ?"
वह मुँह फेरकर बोला, "अरे, सच कहूँ तो, किसे परवाह है? आगे हो या पीछे, सब कुछ अनिश्चित है; बेकार की बातें।"

नीचे देखते हुए, कैरस ने एक बार फिर रीगन की कलाई पकड़ी और उसकी नाड़ी की गति गिनते हुए अपनी घड़ी पर नजर डाली।
“डिम्मी, प्लीज़! प्लीज़ मुझे अकेला मत छोड़ो!”
उसकी माँ।
"अगर तुम पुजारी होने के बजाय डॉक्टर होते, तो मैं अच्छे घर में रहता, डिम्मी, तिलचट्टे के साथ नहीं, उस घटिया अपार्टमेंट में अकेले नहीं!"
घड़ी पर नज़र गड़ाए कैरस ने सब कुछ अनसुना करने की पूरी कोशिश की, तभी उसे फिर से रोने की आवाज़ सुनाई दी। "डिम्मी, प्लीज़!"
“तुम मेरी माँ नहीं हो!”
“ओह, क्या तुम सच्चाई का सामना नहीं करोगे?” यह राक्षस था। गुस्से से उबल रहा था। “तुम मेरिन की बातों पर विश्वास करते हो, मूर्ख? तुम उसे पवित्र और अच्छा मानते हो? खैर, वह ऐसा नहीं है! वह घमंडी और नालायक है! मैं तुम्हें यह साबित कर दूंगा, कैरस! मैं उस सुअर के बच्चे को मारकर यह साबित कर दूंगा! वह मर जाएगी और न तो तुम और न ही मेरिन का भगवान उसे बचा पाएगा! वह मेरिन के घमंड और तुम्हारी नाकामी के कारण मरेगी! नासमझ! तुम्हें उसे लिब्रियम नहीं देना चाहिए था!”
स्तब्ध होकर कैरस ने विजय और तीक्ष्ण द्वेष से चमकती आँखों में देखा, फिर अपनी घड़ी पर नज़र डाली। "क्या तुम उसकी नब्ज़ देख रहे हो, कैरस? क्या हम?"
कैरास ने चिंता से भौंहें सिकोड़ीं। नाड़ी की धड़कन तेज़ थी और...
“कमज़ोर?” राक्षस ने कर्कश स्वर में कहा। “अरे हाँ। फिलहाल तो बस थोड़ा सा। बस मामूली सा।”
कैरास ने रीगन की कलाई छोड़ दी, जल्दी से अपना मेडिकल बैग बिस्तर के पास लाया, उसमें से एक स्टेथोस्कोप निकाला और रेज़ोनेटर को रीगन की छाती पर दबाया, तभी दानव कर्कश स्वर में बोला, "सुनो, कैरास! सुनो! ध्यान से सुनो!"
कैरास ने सुना और उसकी चिंता और भी बढ़ गई: रीगन की हृदय की आवाज दूर और अप्रभावी लग रही थी।
मैं उसे सोने नहीं दूँगा!
ठंड से कांपते हुए, कैरस ने अपनी नजर ऊपर दानव की ओर उठाई।
“हाँ, कैरस!” उसने कर्कश स्वर में कहा। “वह सोएगी नहीं! क्या तुम सुन रहे हो? मैं उस सुअर के बच्चे को सोने नहीं दूँगा!”
जैसे ही राक्षस ने हंसते हुए अपना सिर पीछे किया, कैरस स्तब्ध होकर देखता रहा। उसे मेरिन के कमरे में वापस आने की आवाज़ तब तक नहीं सुनाई दी जब तक कि वह उसके बगल में खड़ी होकर रीगन के चेहरे को ध्यान से और चिंता से नहीं देखने लगी।
"क्या बात है?" मेरिन ने पूछा।
“वह शैतान,” कैरस ने नीरस स्वर में उत्तर दिया; “उसने कहा कि वह उसे सोने नहीं देगा।” उसने हताश निगाहों से मेरिन की ओर देखा। “पिताजी, उसका दिल ठीक से काम नहीं कर रहा है। अगर उसे जल्द आराम नहीं मिला, तो वह हृदय गति रुकने से मर जाएगी।”
मेरिन ने भौंहें चढ़ा लीं, उसका चेहरा गंभीर हो गया। "क्या तुम उसे दवा नहीं दे सकते?" उसने पूछा। "कोई ऐसी दवा जिससे उसे नींद आ जाए?"
“नहीं, यह खतरनाक है। वह कोमा में जा सकती है।” कैरस ने रीगन की ओर देखा। वह मुर्गीखाने में बैठी मुर्गी की तरह कुड़कुड़ा रही थी। “अगर उसका रक्तचाप और

िगेर गया तो...”
पुजारी की आवाज धीरे-धीरे बंद हो गई।
“क्या किया जा सकता है?” मेरिन ने पूछा।
“कुछ नहीं,” कैरस ने जवाब दिया। “कुछ नहीं।” उसकी चिंतित निगाहें फिर से मेरिन पर टिक गईं। “लेकिन मुझे नहीं पता,” उसने कहा। “मैं निश्चित नहीं हो सकता। मेरा मतलब है, हो सकता है हाल ही में कुछ नई प्रगति हुई हो। मैं एक हृदय रोग विशेषज्ञ को बुलाने जा रहा हूँ!”
मेरिन ने सिर हिलाया और कहा, "हाँ। यह अच्छा रहेगा।"
उसने देखा कि कैरस ने अपने पीछे बेडरूम का दरवाजा बंद कर दिया, और फिर बहुत धीमी आवाज में कहा, "और मैं प्रार्थना करूंगा।"
कैरास ने क्रिस को रसोई में निगरानी करते हुए पाया और पेंट्री से सटे कमरे से उसने विली के रोने की आवाज़ सुनी, कार्ल की सांत्वना भरी आवाज़ सुनी जिसमें वह रीगन के खतरे की पूरी जानकारी दिए बिना, परामर्श की तत्काल आवश्यकता समझा रहा था। क्रिस ने उसे अनुमति दे दी, और कैरास ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय मेडिकल स्कूल के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ, अपने एक मित्र को फोन किया, उसे नींद से जगाया और फिर उसे संक्षेप में जानकारी दी।
विशेषज्ञ ने कहा, "मैं अभी आता हूँ।"
आधे घंटे से भी कम समय में वह घर पहुँच गया, जहाँ रीगन के शयनकक्ष में पहुँचते ही उसने ठंड, दुर्गंध और रीगन की हालत देखकर हैरानी, भय और करुणा का भाव व्यक्त किया। जब वह कमरे में दाखिल हुआ, तो रीगन धीमी-धीमी आवाज़ में कुछ बुदबुदा रही थी, और जब वह उसकी जाँच कर रहा था, तो वह कभी गा रही थी तो कभी जानवरों जैसी आवाज़ें निकाल रही थी। तभी डेनिंग्स प्रकट हुआ।
“ओह, ये तो बहुत बुरा है,” उसने विशेषज्ञ से शिकायत करते हुए कहा। “बस भयानक! ओह, मुझे उम्मीद है कि आप कुछ कर सकते हैं! क्या कुछ कर सकते हैं? नहीं तो हमारे पास रहने की कोई जगह नहीं होगी, और ये सब इसलिए... ओह, धिक्कार है इस जिद्दी शैतान पर!” जब विशेषज्ञ रीगन का रक्तचाप लेते हुए आँखें फाड़कर देख रहा था, तो डेनिंग्स ने कैरस की ओर देखा और शिकायत की, “ये क्या कर रहे हो! क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि इस छोटी बच्ची को अस्पताल में होना चाहिए? इसे पागलखाने में होना चाहिए, कैरस! अब तुम्हें पता चल गया! भगवान के लिए, ये सब बकवास क्यों नहीं बंद कर देते! अगर ये मर गई, तो गलती तुम्हारी होगी! हाँ, पूरी तरह तुम्हारी! मेरा मतलब है, सिर्फ इसलिए कि भगवान का खुद को चुना हुआ दूसरा बेटा जिद्दी है, इसका मतलब ये नहीं कि तुम बदतमीजी करो! तुम डॉक्टर हो! तुम्हें बेहतर पता होना चाहिए, कैरस! अब चलो, प्यारे, दया करो। आजकल घरों की बहुत कमी है!”
और अब वह दानव भेड़िये की तरह दहाड़ता हुआ वापस आ गया। भावहीन होकर, विशेषज्ञ ने स्फिग्मोमैनोमीटर की पट्टी खोली और अभी भी थोड़ा हैरान और अचंभित होकर, उसने कैरस को सिर हिलाकर इशारा किया। उसका काम खत्म हो चुका था।
वे हॉल में गए, जहाँ विशेषज्ञ ने बेडरूम के दरवाजे की ओर पीछे मुड़कर देखा और फिर कैरस की ओर मुड़कर पूछा, "अंदर क्या चल रहा है, पिताजी?"
जेसुइट ने अपनी नजरें फेर लीं। उन्होंने धीमी आवाज में कहा, "मैं कुछ नहीं कह सकता।"
“तुम ऐसा नहीं कर सकते या नहीं करोगे?”

कैरास ने अपनी निगाहें वापस उसकी ओर घुमाईं।
“शायद दोनों,” उसने कहा। “तो उसके दिल का क्या हाल है?”
विशेषज्ञ का लहजा गंभीर था। "उसे वह गतिविधि बंद करनी होगी। सोना होगा... रक्तचाप गिरने से पहले सोना होगा।"
"क्या मैं कुछ कर सकता हूँ, माइक?"
"प्रार्थना करना।"
जैसे ही विशेषज्ञ चले गए, कैरस उन्हें देखता रहा, उसकी हर नस और नस आराम, उम्मीद और चमत्कार की गुहार लगा रही थी, हालाँकि उसे पूरा यकीन था कि ऐसा कुछ नहीं होगा। फिर आँखें बंद करके, वह सिहर उठा जब उसे याद आया, "तुम्हें उसे लिब्रियम नहीं देना चाहिए था!" उसने अपने मुँह पर मुट्ठी रख ली, उसके गले से पश्चाताप और आत्म-निंदा की एक धीमी, कंपकंपी भरी आवाज़ निकली। उसने एक गहरी साँस ली, फिर दूसरी, और फिर आँखें खोलकर आगे बढ़ते हुए, उसने रीगन के शयनकक्ष का दरवाज़ा अपने भारी मन से भी हल्के हाथ से खोल दिया।
मेरिन पलंग के पास खड़ा रहा और रीगन को घोड़े की तरह ज़ोर से हिनहिनाते हुए देखता रहा। उसने कैरस को अंदर आते सुना और जिज्ञासा से उसकी ओर देखा, लेकिन कैरस ने गंभीर भाव से सिर हिलाया। मेरिन ने भी सहमति में सिर हिलाया। उसके चेहरे पर उदासी थी; फिर स्वीकृति; और जब वह रीगन की ओर मुड़ा, तो उसके चेहरे पर दृढ़ निश्चय दिखाई दिया।
मेरिन बिस्तर के पास घुटनों के बल बैठ गया। "हे हमारे पिता...", उसने कहना शुरू किया।
रीगन ने उस पर गहरे, बदबूदार पित्त के छींटे मारे और फिर कर्कश स्वर में कहा, "तुम हारोगे! वह मर जाएगी! वह मर जाएगी!"
कैरास ने अपनी 'द रोमन रिचुअल' की प्रति उठाई। उसे खोला। ऊपर देखा और रीगन को घूरने लगा।
“ ‘अपने सेवक को बचाओ,’ ” मेरिन ने प्रार्थना की।
“ शत्रु के सामने।”
सो जाओ, रीगन! सो जाओ! कैरस की वसीयत चिल्लाई।
लेकिन रीगन को नींद नहीं आई।
भोर होने तक नहीं।
दोपहर तक नहीं।
शाम होने तक नहीं।
और रविवार तक भी नहीं, जब उसकी नाड़ी की गति एक सौ चालीस थी और लगातार कमजोर होती जा रही थी, जबकि दौरे लगातार जारी थे, और जबकि कैरस और मेरिन बिना सोए इस प्रक्रिया को दोहराते रहे, कैरस बेचैनी से उपाय ढूंढ रहा था: रीगन की हलचल को कम करने के लिए एक चादर; कुछ समय के लिए सभी को बेडरूम से बाहर रखना ताकि यह देखा जा सके कि उत्तेजना की कमी से दौरे बंद हो सकते हैं या नहीं। दोनों ही तरीके कारगर नहीं हुए। और रीगन की चीखें उसकी हलचलों जितनी ही थका देने वाली थीं। फिर भी रक्तचाप स्थिर रहा। लेकिन कब तक? कैरस व्याकुल था। हे भगवान, उसे मरने मत दो! उसके मन की यह दर्द भरी प्रार्थना इतनी बार दोहराई गई कि यह लगभग एक मंत्र बन गई थी।
उसे मरने मत दो! उसे सोने दो! उसे सोने दो!

उस रविवार शाम लगभग 7 बजे, कैरस बेडरूम में मोरेन के बगल में चुपचाप बैठा था, थका हुआ और शैतान के तीखे हमलों से त्रस्त: उसका अविश्वास; उसकी चिकित्सा संबंधी अक्षमता; प्रतिष्ठा की तलाश में अपनी माँ से भाग जाना। और रीगन! रीगन! उसकी गलती!
आपको उसे लिब्रियम नहीं देना चाहिए था!
पुजारी अभी-अभी अनुष्ठान का एक चक्र पूरा करके आराम कर रहे थे और रेगन को उसी मधुर गायक की आवाज़ में "पानिस एंजेलिकस" गाते हुए सुन रहे थे। वे शायद ही कभी कमरे से बाहर निकलते थे; कैरस एक बार कपड़े बदलने और नहाने के लिए बाहर गया था। लेकिन ठंड में जागते रहना आसान था, यहाँ तक कि उस दुर्गंध में भी जो सुबह से ही सड़ी-गली, गल चुकी लाश की घिनौनी गंध में बदल गई थी।
लाल आँखों से रीगन को घूरते हुए, कैरस को लगा जैसे उसने कोई आवाज़ सुनी हो। कुछ चरमराहट की आवाज़। फिर हर बार पलक झपकाने पर वही आवाज़ सुनाई दी। और फिर उसे एहसास हुआ कि यह आवाज़ उसकी अपनी जमी हुई पलकों से आ रही है। उसने अपना सिर घुमाकर मेरिन की ओर देखा। इतने घंटों में, बूढ़े तांत्रिक ने बहुत कम बोला था: कभी-कभार अपने बचपन की कोई सरल कहानी। पुरानी यादें। छोटी-छोटी बातें। क्लैंसी नाम की एक बत्तख की कहानी जो कभी उसके पास थी। कैरस को उसकी बहुत चिंता थी। उसकी उम्र। नींद की कमी। शैतान के मौखिक हमले। मेरिन के आँखें बंद करके अपनी ठुड्डी सीने पर टिकाने के बाद, कैरस ने रीगन की ओर देखा, और फिर थके हुए कदमों से उठकर बिस्तर की ओर बढ़ा, जहाँ उसने उसकी नब्ज़ जाँची और फिर रक्तचाप मापना शुरू किया। जैसे ही उसने काले स्फिग्मोमैनोमीटर के कपड़े को उसकी बांह पर लपेटा, उसने अपनी दृष्टि में धुंधलापन दूर करने के लिए बार-बार पलकें झपकाईं।
“आज मुद्दिर दिवस है, डिम्मी।”
एक पल के लिए पुजारी हिल नहीं सका, मानो उसका दिल सीने से निकलकर कहीं और चला गया हो; और फिर धीरे-धीरे, बहुत धीरे-धीरे, उसने उन आँखों में देखा जो अब रीगन की नहीं लग रही थीं, बल्कि दुख भरी फटकार से भरी थीं। उसकी माँ की आँखें।
“क्या मैं तुम्हारे लिए अच्छा नहीं था? डिम्मी, तुमने मुझे अकेले मरने के लिए क्यों छोड़ दिया? क्यों? तुमने ऐसा क्यों किया—”
“डेमियन!”
मेरिन का हाथ कैरस की बांह को कसकर पकड़े हुए था। "डेमियन, अब जाकर थोड़ी देर आराम कर लो।"
“डिम्मी, कृपया!”
“मेरी बात मत सुनो, डेमियन! जाओ! अभी जाओ!”
गले में एक सूखी गांठ सी महसूस करते हुए, कैरस मुड़ा और बेडरूम से बाहर निकल गया। कुछ देर तक वह दालान में कमजोर और असमंजस में खड़ा रहा। कॉफी? उसे इसकी बहुत तीव्र इच्छा थी। लेकिन उससे भी ज़्यादा, नहाने की। लेकिन जब वह मैकनील के घर से निकलकर हॉस्टल में अपने कमरे में लौटा, तो बिस्तर पर एक नज़र डालते ही कैरस ने अपनी प्राथमिकताएं बदल दीं। नहाने को भूल जाओ, यार! सोना! आधा घंटा! जैसे ही उसने रिसेप्शन से जगाने के लिए फोन उठाने की कोशिश की, फोन की घंटी बज उठी।

“जी हां, नमस्कार,” कैरस ने ककेश आवाज में उत्तर दिया।
"फादर कैरस, आपसे मिलने कोई आया है: मिस्टर किंडरमैन।"
कैरास ने कुछ पल के लिए अपनी सांस रोकी, और फिर हताशा में सांस छोड़ी। "ठीक है, उसे बता दो कि मैं बस एक मिनट में बाहर आ रहा हूँ," उसने कमज़ोर आवाज में कहा। फोन रखने के बाद, कैरास ने अपनी मेज पर बिना फिल्टर वाली कैमल सिगरेट का एक डिब्बा देखा। उस पर डायर का एक नोट भी लगा हुआ था।
प्लेबॉय क्लब की चाबी पूजा स्थल पर, मन्नत की बत्तियों के सामने घुटने टेकने की जगह पर मिली है। क्या यह आपकी है? आप इसे रिसेप्शन से प्राप्त कर सकते हैं।
जो
स्नेह भरे भाव से कैरस ने नोट नीचे रखा, जल्दी से नए कपड़े पहने और कमरे से बाहर निकलकर रिसेप्शन की ओर चल दिया, जहाँ किंडरमैन टेलीफोन स्विचबोर्ड काउंटर पर खड़े होकर फूलों से भरे गुलदस्ते को बड़ी नज़ाकत से सजा रहे थे। जब उन्होंने मुड़कर कैरस को देखा, तो उनके हाथ में गुलाबी कैमेलिया का फूल था।
“आह, फादर! फादर कैरस!” किंडरमैन ने उनका प्रसन्नतापूर्वक अभिवादन किया, लेकिन जेसुइट के चेहरे पर थकावट देखकर उनका भाव तुरंत चिंता में बदल गया। उन्होंने कैमेलिया का फूल वापस रखा और उनसे मिलने के लिए आगे बढ़े। “आप बहुत बुरे दिख रहे हैं!” उन्होंने कहा। “क्या बात है? क्या ट्रैक पर इतना घूमने का यही नतीजा है? छोड़ दीजिए, फादर, वैसे भी आपको मरना ही है। सुनिए, आइए!” उन्होंने कैरस की कोहनी और बांह को पकड़कर उन्हें सड़क की ओर निकलने वाले द्वार की ओर धकेल दिया। “क्या आपके पास एक मिनट है?” उन्होंने दरवाजे से गुजरते हुए पूछा।
“बस थोड़ा सा ही बचा,” कैरस ने धीरे से कहा। “क्या बात है?”
“थोड़ी सी बातचीत। मुझे सलाह चाहिए, बस सलाह।”
"किस बारे में?"
“बस एक मिनट में। अभी के लिए हम बस टहलेंगे। ताज़ी हवा लेंगे। आनंद लेंगे।” उसने जेसुइट के हाथ में अपना हाथ डाला और उसे सड़क के दूसरी ओर तिरछे ले गया। “अरे वाह, देखो तो ज़रा! कितना सुंदर! कितना खूबसूरत!” वह पोटोमैक नदी पर डूबते सूरज की ओर इशारा कर रहा था, और उस सन्नाटे में अचानक हंसी गूंज उठी, और फिर छत्तीसवीं गली के कोने के पास एक बार के सामने जॉर्जटाउन के अंडरग्रेजुएट छात्रों की आपस में बातचीत शुरू हो गई। एक ने दूसरे की बांह पर ज़ोर से घूंसा मारा, और दोनों दोस्ताना अंदाज़ में कुश्ती करने लगे। “अरे, कॉलेज...,” किंडरमैन ने उदास होकर कहा, जब उसने नौजवानों की उस जीवंत भीड़ पर नज़र डाली। “मैं कभी नहीं गया... लेकिन काश...” कैरस की ओर देखते हुए, उसने चिंता से भौंहें सिकोड़ीं। “मतलब, सच में, तुम बहुत बुरे लग रहे हो,” उसने कहा। “क्या बात है? क्या तुम बीमार थे?”
कैरास ने सोचा, किंडरमैन कब मुद्दे पर आएगा?
“नहीं, बस व्यस्त था,” जेसुइट ने उत्तर दिया।
“तो फिर धीरे बोलो,” किंडरमैन हांफते हुए बोला। “धीरे। वैसे, तुमने वाटरगेट कांड में बोल्शोई बैले देखा था?”
"नहीं।"
नहीं, मुझे भी नहीं। लेकिन काश ऐसा होता। वे कितने सुंदर हैं... कितने प्यारे हैं!

वे कार बाने की नीची पत्थर की दीवार तक आ गए थे, जहाँ से सूर्यास्त का नज़ारा अबाधित था, और वे रुक गए, कैरस ने अपनी एक बांह दीवार पर टिका दी और अपनी नज़र सूर्यास्त से हटाकर किंडरमैन की ओर कर ली।
“ठीक है, तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?” कैरस ने उससे पूछा।
“अरे, पिताजी,” किंडरमैन ने आह भरते हुए कहा। फिर वह मुड़ा, दीवार पर हाथ रखकर आगे की ओर झुक गया और उदास होकर नदी के उस पार देखते हुए बोला, “मुझे लगता है कि मुझे एक समस्या है।”
"पेशेवर?"
"हाँ, कुछ हद तक; केवल कुछ हद तक।"
"यह क्या है?"
“खैर, ज़्यादातर तो—” किंडरमैन हिचकिचाया, फिर बोला: “खैर, ज़्यादातर तो नैतिक मामला है, आप कह सकते हैं, फादर कैरस। एक सवाल—” उसकी आवाज़ धीमी पड़ गई, जासूस मुड़ा और दीवार से पीठ टिकाकर फुटपाथ की ओर देखने लगा और भौंहें चढ़ा लीं। “इस बारे में मैं किसी से बात नहीं कर सकता; खासकर अपने कप्तान से तो बिल्कुल नहीं। मैं बस नहीं कर सकता। मैं उन्हें बता नहीं सकता। इसलिए मैंने सोचा...” यहाँ अचानक, जासूस की आँखें चमक उठीं। “मेरी एक चाची थीं—आपको यह सुनना चाहिए; यह बहुत मजेदार है। वह सालों तक मेरे चाचा से बहुत डरती थीं—बहुत ज्यादा डरती थीं। बेचारी, उनकी हिम्मत कभी उनसे एक शब्द भी बोलने की नहीं हुई—कभी नहीं!—आवाज उठाना तो दूर की बात है। इसलिए जब भी उन्हें किसी बात पर उन पर गुस्सा आता, वह तुरंत अपने कमरे की अलमारी में भाग जातीं, और फिर वहां अंधेरे में —आप विश्वास नहीं करेंगे!—अंधेरे में, अकेले, सारे कपड़े लटके हुए और कीड़े-मकोड़े, वह मेरे चाचा को कोसतीं—कोसतीं!—और उन्हें लगभग बीस मिनट तक अपनी भड़ास निकालतीं! सच में! मतलब, चिल्लातीं! वह बाहर आतीं, उन्हें अच्छा लगता, वह जाकर उनके गाल पर चुंबन करतीं। अब यह क्या है, फादर कैरस? यह अच्छी थेरेपी है या नहीं!”
“यह बहुत अच्छा है,” कैरस ने फीकी, उदास मुस्कान के साथ जवाब दिया। “और अब मैं तुम्हारा राज़दार हूँ? क्या तुम यही कहना चाह रहे हो?”
“एक तरह से,” जासूस ने गंभीरता से जवाब दिया। “लेकिन उससे भी ज्यादा गंभीर। और कोठरी को खुद ही बोलना होगा।”
"क्या आपके पास सिगरेट है?"
किंडरमैन अविश्वास भरी निगाहों से कैरस को घूरता रहा।
"मेरी जैसी हालत में मैं सिगरेट पीऊंगा?"
“नहीं, तुम ऐसा नहीं करोगे,” कैरस ने नदी की ओर मुड़ते हुए धीरे से कहा और अपने हाथों को दीवार पर टिका दिया। ऐसा उसने अपने हाथों को कांपने से रोकने के लिए किया था।
“कैसा डॉक्टर! भगवान न करे, मैं किसी जंगल में बीमार पड़ जाऊं और अल्बर्ट श्वित्जर की जगह सिर्फ आप ही हों! डॉक्टर कैरस, आप तो अब भी मेंढकों से मस्से ठीक करते हैं?”
“ये मेंढक हैं,” कैरस ने दबी हुई आवाज़ में जवाब दिया।
किंडरमैन ने भौंहें चढ़ा लीं। “फादर कैरस, आज आप इतने खुशमिजाज नहीं लग रहे हैं। कुछ गड़बड़ है। अब क्या बात है? बताइए।”

कैरास ने अपना सिर नीचे झुका लिया और चुप रहा। फिर, "ठीक है," उसने धीरे से कहा। "अलमारी से जो चाहो पूछ लो।"
आह भरते हुए जासूस ने नदी की ओर देखा। “मैं कह रहा था...,” उसने बोलना शुरू किया। उसने अपने अंगूठे के नाखून से अपनी भौंहें खुजलाईं, फिर आगे बोला: “मैं कह रहा था—चलिए मान लीजिए, मैं एक मामले पर काम कर रहा हूँ, फादर कैरस। यह एक हत्या का मामला है।”
“डेनिंग्स?”
“नहीं, आप इससे परिचित नहीं होंगे, पिताजी। यह पूरी तरह से काल्पनिक है।”
"समझ गया।"
“यह किसी जादू-टोने से हुई हत्या जैसा लगता है,” जासूस ने गंभीर स्वर में कहा, अपने शब्दों को बहुत सावधानी से और धीरे-धीरे चुनते हुए। “मान लीजिए कि इस घर में—इस काल्पनिक घर में—पांच लोग रहते हैं, और उनमें से एक ही हत्यारा होना चाहिए।” उसने अपने हाथ से ज़ोर देते हुए सपाट, काटने जैसी हरकतें कीं। “अब मुझे यह पता है। मुझे यह पता है—मुझे यह पक्के तौर पर पता है।” फिर वह रुका, धीरे से सांस छोड़ते हुए। “लेकिन फिर समस्या—सारे सबूत—एक बच्ची की ओर इशारा करते हैं, फादर कैरस; एक छोटी बच्ची, शायद दस-बारह साल की... बिलकुल नन्ही सी; वह शायद मेरी बेटी हो सकती है। हाँ, मुझे पता है: अविश्वसनीय लगता है... हास्यास्पद... लेकिन सच है। अब इस घर में, फादर कैरस, एक बहुत प्रसिद्ध कैथोलिक पादरी आते हैं, और यह मामला पूरी तरह से काल्पनिक है, फादर, मुझे अपनी काल्पनिक बुद्धि से पता चला है कि इस पादरी ने एक बार एक बहुत ही खास तरह की बीमारी का इलाज किया था। एक मानसिक बीमारी, वैसे, यह तथ्य मैं आपकी जानकारी के लिए बस यूं ही बता रहा हूं।”
कैरास ने उदास होकर अपना सिर झुकाया और सहमति में सिर हिलाया। "हाँ, आगे बोलो," उसने निराशा से कहा। "और क्या?"
“और क्या? बहुत कुछ। ऐसा लगता है कि इस बीमारी में... खैर, शैतानवाद भी शामिल है, साथ ही ताकत भी... हाँ, अविश्वसनीय ताकत। और यह... मान लीजिए, काल्पनिक लड़की, किसी आदमी का सिर आसानी से घुमा सकती है।” सिर झुकाए, जासूस अब सहमति में सिर हिला रहा था। “हाँ... हाँ, वह कर सकती है। तो सवाल...” रुकते हुए, जासूस ने सोच-विचार करते हुए मुँह बनाया, फिर आगे बोला: “देखिए... देखिए, लड़की ज़िम्मेदार नहीं है, फादर। वह पागल है, फादर, पूरी तरह से विक्षिप्त है और साथ ही एक बच्ची भी है, फादर कैरस! एक बच्ची! और फिर भी उसे जो बीमारी है... वह खतरनाक हो सकती है। वह किसी और को मार सकती है। कौन जाने?” एक बार फिर जासूस मुड़ा और नदी के उस पार आँखें गड़ाकर देखा। “यह एक समस्या है,” उसने धीरे से और उदास होकर कहा। “क्या करें? काल्पनिक रूप से, मेरा मतलब है। बस इसे भूल जाएँ? इसे भूल जाएँ और उम्मीद करें कि वह”—किंडरमैन रुका—“ठीक हो जाए?” उसने एक रुमाल उठाया और नाक पोंछी। “ओह, खैर, मुझे बस नहीं पता। मुझे नहीं पता। यह एक भयानक फैसला है,” उसने रुमाल का एक साफ, अप्रयुक्त हिस्सा ढूंढते हुए कहा। “हाँ, यह बहुत बुरा है। बस बहुत बुरा। भयावह। और मुझे यह फैसला लेने से नफरत है।” उसने फिर से नाक पोंछी, एक नथुने को हल्के से पोंछा, फिर गीले रुमाल को जेब में रख लिया। “पिताजी, ऐसी स्थिति में क्या सही होगा?”

उसने कैरस की ओर मुड़कर पूछा। “मान लीजिए, मेरा मतलब है। आपके अनुसार सही काम क्या होगा?”
एक पल के लिए, कैरस के मन में विद्रोह की लहर दौड़ गई, बोझ पर बोझ बढ़ता जा रहा था, जिससे उसे एक सुस्त, थका देने वाला गुस्सा सता रहा था। उसने इसे शांत होने दिया और जासूस की निगाहों में दृढ़ता से देखते हुए धीरे से उत्तर दिया, "मैं इसे किसी उच्च अधिकारी के हाथों में सौंप दूंगा।"
मुझे विश्वास है कि यह इस समय मौजूद है।
“जी हां। और मैं इसे यहीं छोड़ दूंगा, लैफ्टिनेंट।”
कुछ क्षणों के लिए उनकी निगाहें एक-दूसरे पर टिकी रहीं। फिर किंडरमैन ने सिर हिलाते हुए कहा, “जी पिताजी। जी हाँ। जी हाँ, मुझे पता था कि आप यही कहेंगे।” वह फिर से सूर्यास्त को देखने के लिए मुड़ा। “कितना सुंदर है,” उसने कहा। “तो फिर हम ऐसी चीज़ को सुंदर क्यों मानते हैं जबकि पीसा की झुकी हुई मीनार सुंदर नहीं है? और छिपकलियाँ और आर्माडिलो भी। एक और रहस्य।” उसने अपनी कलाई घड़ी देखने के लिए अपनी आस्तीन पीछे खींची। “अरे, मुझे जाना होगा। किसी भी मिनट, श्रीमती के. चिल्लाने लगेंगी कि खाना ठंडा हो गया है।” वह कैरस की ओर मुड़ा। “धन्यवाद पिताजी। मैं बेहतर महसूस कर रहा हूँ... बहुत बेहतर। ओह, वैसे, क्या आप मेरी एक मदद कर सकते हैं? एक संदेश दे सकते हैं? अगर कभी आपकी मुलाकात एंगस्ट्रॉम उपनाम वाले किसी व्यक्ति से हो जाए, तो कृपया उसे बता देना—मतलब, बस उससे कह देना, ‘एलविरा एक क्लिनिक में है। वह ठीक है।’ वह समझ जाएगा। क्या आप ऐसा करेंगे? मेरा मतलब है, अगर किसी अजीब संयोग से आपकी मुलाकात उससे हो जाए।”
थोड़ा असमंजस में पड़कर कैरस ने उत्तर दिया, "मैं करूँगा।"
“देखिए, क्या हम किसी रात फिल्म नहीं बना सकते, पिताजी?”
कैरास ने अपनी निगाहें नीचे झुका लीं और सिर हिलाते हुए धीरे से कहा, "जल्द ही।"
“आप तो बिल्कुल उस रब्बी की तरह हैं जो मसीहा का ज़िक्र करते हैं: हमेशा ‘जल्द ही’ कहते हैं। सुनिए, क्या आप मेरी एक और मदद कर सकते हैं?” कैरस ने ऊपर देखते हुए पाया कि जासूस बहुत चिंतित लग रहा था। “थोड़ी देर के लिए यह दौड़ना बंद कीजिए। बस चलिए। ठीक है, फादर? ज़रा धीरे चलिए। क्या आप मेरे लिए ऐसा कर सकते हैं?”
कैरास ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, "मैं करूँगा।"
अपने कोट की जेबों में हाथ डाले, जासूस ने हताशा से फुटपाथ की ओर देखा। “हाँ, मुझे पता है,” उसने सिर हिलाते हुए कहा। “जल्द ही। हमेशा जल्द ही।” जैसे ही वह जाने लगा, वह रुका, जेसुइट के कंधे पर हाथ रखकर दबाया और कहा, “आपके निदेशक, एलिया कज़ान, आपको शुभकामनाएं भेज रहे हैं।”
कुछ देर तक कैरस उसे सड़क पर लड़खड़ाते हुए देखता रहा; उसके दिल के जटिल मोड़ों और असंभव मुक्ति को स्नेह और आश्चर्य से देखता रहा। उसने नदी के ऊपर गुलाबी बादलों की ओर देखा, फिर पश्चिम की ओर, जहाँ वे दुनिया के किनारे पर तैर रहे थे, किसी याद किए गए वादे की तरह मंद चमक रहे थे। एक समय था जब वह अक्सर ऐसे दृश्यों में ईश्वर को देखता था, बादलों के रंग में उनकी साँस महसूस करता था, जैसे अब एक कविता की पंक्तियाँ, जिसे वह कभी प्यार करता था, उसे सताने के लिए लौट आई थीं।

रंग-बिरंगी चीजों के लिए ईश्वर की महिमा हो।
चित्तीदार गाय के समान दो रंगों वाले आकाश के लिए;
तैरती हुई ट्राउट मछलियों पर धब्बेदार गुलाबी तिल के लिए;
ताजा जलते कोयले जैसे शाहबलूत गिरते हैं; फिंच पक्षियों के पंख...
वह ऐसे व्यक्ति को जन्म देता है जिसकी सुंदरता अपरिवर्तनीय है।
उसकी स्तुति करो।
कैरास ने अपनी मुट्ठी का किनारा होठों पर दबाया और उदासी और हानि के दर्द को दबाते हुए नीचे देखा, जो उसके गले से आँखों के कोनों तक उमड़ रहा था। उसे एक भजन की पंक्ति याद आई जिसने कभी उसे आनंद से भर दिया था। "हे प्रभु," उसे दर्द भरी याद आई, "मैंने तेरे घर की सुंदरता से प्रेम किया है।"
कैरास इंतजार करता रहा। सूर्यास्त की ओर एक और नजर डालने का जोखिम उठाने की उसकी हिम्मत नहीं हुई।
इसके बजाय, उसने रीगन की खिड़की की ओर देखा।
शेरोन ने उसे अंदर आने दिया और कहा कि कुछ भी नहीं बदला है। वह बदबूदार कपड़ों का एक गट्ठा लिए हुए थी। उसने माफी मांगते हुए कहा, "मुझे इसे वाशिंग मशीन में डालना है।"
कैरास उसे देखता रहा। कॉफी का ख्याल आया। लेकिन तभी उसे मेरिन पर शैतान की कर्कश आवाज सुनाई दी। वह सीढ़ियों की ओर बढ़ा, लेकिन तभी रुक गया जब उसे कार्ल को देने वाला संदेश याद आया। वह कहाँ था? उसने शेरोन से पूछने के लिए मुड़ा और उसे तहखाने की सीढ़ियों से नीचे जाते हुए देखा। वह रसोई में नौकर को ढूंढने गया। वह वहाँ नहीं था। केवल क्रिस थी। कोहनियों को टिकाए और हाथों को कनपटी पर रखे, वह नाश्ते की मेज पर बैठी नीचे देख रही थी... क्या था? कैरास चुपचाप पास गया। रुक गया। एक फोटो एल्बम। कागज के टुकड़े। चिपकी हुई तस्वीरें। क्रिस ने उसे नहीं देखा था।
“माफ़ कीजिए,” कैरस ने धीरे से कहा। “क्या कार्ल अपने कमरे में है?”
क्रिस ने उदास निगाहों से उसकी ओर देखा और सिर हिलाया। "वह किसी काम से गए हैं," उसने धीमी और भारी आवाज़ में जवाब दिया। कैरस ने उसकी सिसकी सुनी। फिर "वहाँ कॉफी है, पिताजी," क्रिस ने धीरे से कहा। "बस एक मिनट में तैयार हो जाएगी।"
जैसे ही कैरस ने परकोलेटर की लाइट पर नज़र डाली, उसने क्रिस को मेज़ से उठते हुए सुना, और जब वह मुड़ा तो उसने देखा कि वह अपना चेहरा दूसरी तरफ़ करके तेज़ी से उसके पास से गुज़र रही है। उसने कांपती हुई आवाज़ में "माफ़ कीजिए" सुना, और पल भर में क्रिस रसोई से बाहर निकल गई। कैरस ने फोटो एल्बम पर नज़र डाली। बिना तैयारी के खींची गई तस्वीरें। एक जवान लड़की। बहुत सुंदर। एक दर्द के साथ, कैरस को एहसास हुआ कि वह रीगन को देख रहा है: यहाँ, व्हिप्ड क्रीम वाले जन्मदिन के केक पर मोमबत्तियाँ बुझाते हुए; यहाँ, झील के किनारे एक घाट पर शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने बैठी, कैमरे की ओर खुशी से हाथ हिलाते हुए। टी-शर्ट के सामने कुछ लिखा हुआ था: कैंप... वह उसे पढ़ नहीं पाया। सामने वाले पृष्ठ पर एक लाइन वाली शीट पर एक बच्चे की लिखावट थी:
अगर सिर्फ मिट्टी के बजाय
मैं सभी सबसे खूबसूरत चीजें ले सकता था
इंद्रधनुष की तरह,

या बादल, या किसी पक्षी के गाने का तरीका,
शायद तब, प्यारी माँ,
अगर मैं उन सबको एक साथ रख दूं,
मैं सचमुच तुम्हारी मूर्ति बना सकता हूँ।
कविता के नीचे: मैं तुमसे प्यार करता हूँ! मातृ दिवस की शुभकामनाएँ! पेंसिल से किए गए हस्ताक्षर रैग्स के थे।
कैरास ने अपनी आँखें बंद कर लीं। वह इस आकस्मिक मुलाकात को सहन नहीं कर सका। वह थके हुए अंदाज़ में मुँह फेरकर कॉफ़ी बनने का इंतज़ार करने लगा। सिर झुकाकर उसने काउंटर को कसकर पकड़ लिया और फिर से अपनी आँखें बंद कर लीं। इसे भुला दो! उसने सोचा; सब कुछ भुला दो! लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका, और जैसे ही उसने कॉफ़ी के उबलने की आवाज़ सुनी, उसके हाथ फिर से काँपने लगे क्योंकि करुणा अचानक और अंधाधुंध रूप से बीमारी और दर्द, बच्चों के कष्ट, शरीर की कमज़ोरी और मृत्यु के भयानक और घिनौने भ्रष्टाचार के प्रति क्रोध में बदल गई।
"अगर सिर्फ मिट्टी की जगह..."
क्रोध धीरे-धीरे दुख और असहाय हताशा में बदल गया।
“...सभी सबसे खूबसूरत चीजें...”
वह कॉफ़ी का इंतज़ार नहीं कर सकता था। उसे जाना ही था। उसे कुछ करना ही था। किसी की मदद करनी थी। कोशिश करनी थी। वह रसोई से निकला और जैसे ही वह बैठक में पहुँचा, उसने खुले दरवाज़े से अंदर देखा और क्रिस को सोफ़े पर ज़ोर-ज़ोर से रोते हुए पाया, जबकि शेरोन उसे सांत्वना देने की कोशिश कर रही थी। उसने नज़रें हटा लीं और सीढ़ियों से ऊपर चला गया, तभी उसने शैतान को मेरिन पर पागलों की तरह दहाड़ते हुए सुना। “...हार जाते! तुम हार जाते और तुम्हें पता था! तुम नीच मेरिन! हरामी! वापस आओ! आओ और...”
कैरास ने इसे नजरअंदाज कर दिया।
“...या जिस तरह कोई पक्षी गाता है।”
जैसे ही कैरस रीगन के बेडरूम में दाखिल हुआ, उसे एहसास हुआ कि वह स्वेटर पहनना भूल गया है। ठंड से कांपते हुए उसने रीगन की ओर देखा। उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था और थोड़ा उससे दूर था, जबकि राक्षसी आवाज लगातार गूंज रही थी।
वह धीरे-धीरे अपनी कुर्सी की ओर बढ़ा और एक कंबल उठाया, और तभी, अपनी थकावट में, उसने मेरिन की अनुपस्थिति पर ध्यान दिया। कुछ क्षण बाद, उसे याद आया कि उसे रीगन का रक्तचाप जांचना है, कैरस थके हुए स्वर में फिर उठा और उसकी ओर लड़खड़ाते हुए बढ़ने लगा कि अचानक वह सदमे से रुक गया। बेजान और असंतुलित, मेरिन बिस्तर के बगल में फर्श पर औंधा पड़ा था। कैरस घुटनों के बल बैठा, उसे पलटा और उसके चेहरे का नीलापन देखकर, उसने तुरंत नब्ज़ टटोली और पीड़ा के एक पल में कैरस को एहसास हुआ कि मेरिन मर चुका है।
“हे भगवान! मर जाओगे क्या? मर जाओगे? कैरस, इसे ठीक कर दो!” राक्षस क्रोधित होकर बोला। “इसे वापस लाओ और हमें काम पूरा करने दो...”
हृदय गति रुक गई। कोरोनरी धमनी में चोट लग गई। “हे भगवान!” कैरस ने धीमी आवाज़ में कराहते हुए कहा। “हे भगवान, नहीं!” उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और अविश्वास और निराशा में अपना सिर हिलाया, और फिर अचानक, दुख के उफान के

साथ, उसने बेरहमी से अपना अंगूठा मेरिन की पीली कलाई में गड़ा दिया, मानो उसकी नसों से जीवन की खोई हुई धड़कन को निचोड़ लेना चाहता हो।
"... धर्मनिष्ठ..."
कैरास पीछे झुक गया और गहरी सांस ली। फिर उसने फर्श पर बिखरी हुई छोटी-छोटी गोलियां देखीं। उसने एक गोली उठाई और दर्द भरी पहचान के साथ देखा कि मेरिन को पता था। नाइट्रोग्लिसरीन। उसे पता था। लाल और आँसुओं से भरी आँखों से कैरास ने मेरिन के चेहरे की ओर देखा। "...जाओ और थोड़ी देर आराम करो, डेमियन।"
“तुम्हारे भ्रष्टाचार को तो कीड़े भी नहीं खाएंगे...!”
राक्षस के शब्दों को सुनकर, कैरस ने ऊपर देखा और अनियंत्रित, हत्यारी क्रोध से स्पष्ट रूप से कांपने लगा।
न सुनें!
“... समलैंगिक...”
मत सुनो! मत सुनो!
कैरास के माथे पर एक नस गुस्से से फड़क रही थी, और जैसे ही उसने मेरिन के हाथों को उठाया और कोमलता से उन्हें उसकी छाती पर क्रॉस के आकार में रखने लगा, उसने राक्षस को कर्कश आवाज में कहते सुना, "अब उसका लिंग उसके हाथों में रखो!" और तभी सड़ी हुई थूक का एक छींटा मृत पुजारी की आंख में जा लगा।
"अंतिम संस्कार!" राक्षस ने उपहास उड़ाते हुए कहा। उसने अपना सिर पीछे किया और बेतहाशा हंसने लगा।
कैरास थूक को बेसुध होकर घूर रहा था। हिला तक नहीं। उसके खून की गर्जना के कारण उसे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था। फिर धीरे-धीरे, कांपते हुए, एक तरफ झुकते झटकों के साथ, उसने ऊपर देखा, उसका चेहरा गुस्से से लाल हो रहा था, नफरत और क्रोध का एक बिजली जैसा झटका। "तू कमीना!" कैरास जलती हुई फुसफुसाहट में बोला, और हालांकि वह हिला नहीं, ऐसा लग रहा था जैसे वह खुल रहा हो, उसकी गर्दन की नसें केबल की तरह खिंच रही हों। राक्षस ने हंसना बंद कर दिया और उसे दुर्भावना से देखा। "तू हार रहा था!" कैरास ने ताना मारा। "तू हारा हुआ है! तू हमेशा से हारा हुआ रहा है!" रीगन ने उस पर उल्टी कर दी। उसने इसे नजरअंदाज कर दिया।
"हाँ, तू बच्चों के साथ बहुत अच्छा है!" उसने दांत पीसते हुए कहा। "छोटी बच्चियों के साथ! चलो, देखते हैं तू कुछ बड़ा करके दिखाता है! चलो!" उसके हाथ बड़े, मांसल हुक की तरह फैले हुए थे, धीरे-धीरे इशारा कर रहे थे, आमंत्रित कर रहे थे। “चलो! चलो, हारे हुए! मुझे आजमाओ! लड़की को छोड़ो और मुझे अपना बनाओ! मेरे अंदर आ जाओ!”
अगले ही पल कैरस का ऊपरी शरीर झटके से सीधा हो गया, उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था और छत की ओर देख रहा था, और फिर ऐंठन के साथ नीचे और आगे की ओर झुक गया, जेसुइट के चेहरे पर अकल्पनीय घृणा और क्रोध का भाव आ गया, जबकि तेज, ऐंठन भरे झटकों के साथ, मानो किसी अदृश्य प्रतिरोध के खिलाफ धक्का दे रहा हो, जेसुइट के बड़े और शक्तिशाली हाथ चीखती हुई रेगन मैकनील का गला पकड़ने के लिए आगे बढ़ रहे थे।
क्रिस और शेरोन ने आवाज़ें सुनीं। वे स्टडी रूम में थीं। क्रिस बार पर बैठी थी जबकि शेरोन उसके पीछे उनके लिए ड्रिंक बना रही थी। तभी दोनों महिलाओं ने छत की ओर

देखा जब उन्हें रीगन के बेडरूम में शोर सुनाई दिया: रीगन डर से चीख रही थी और फिर कैरस की तेज़ आवाज़ आई, "नहीं!" और फिर लड़खड़ाने की आवाज़। फर्नीचर से ज़ोर से टकराने की आवाज़। दीवार से टकराने की आवाज़। एक ज़ोरदार धमाके की आवाज़, कांच टूटने की आवाज़ सुनकर क्रिस चौंक गई और उसका ड्रिंक गिर गया। पलक झपकते ही वह और शेरोन सीढ़ियों से दौड़कर रीगन के बेडरूम के दरवाज़े तक पहुँचीं। अंदर घुसते ही उन्होंने देखा कि खिड़की के शटर ज़मीन पर पड़े थे, कब्ज़ों से उखड़े हुए! और खिड़की! कांच पूरी तरह चकनाचूर हो गया था!
घबराकर वे खिड़की की ओर दौड़े, और जैसे ही वे आगे बढ़े, क्रिस ने मेरिन को बिस्तर के पास ज़मीन पर पड़ा देखा। वह सदमे से हांफते हुए खड़ी रह गई, और फिर दौड़कर उसके पास आई और उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गई। "हे भगवान!" वह सिसकते हुए बोली। "शेरन! शार, इधर आओ! जल्दी आओ—"
शेरोन की चीख ने उसकी बात काट दी। क्रिस ने भावहीन आँखों से ऊपर देखा और शेरोन को खिड़की पर दोनों हाथों से अपने गालों को ढके सीढ़ियों की ओर घूरते हुए पाया।
"शार, क्या बात है?"
“ये कैरस हैं! फादर कैरस!” शैरन हिस्टीरिया में चिल्लाई और कमरे से बाहर भागी। उसका चेहरा पीला पड़ गया था, क्रिस उठी और तेज़ी से खिड़की की ओर बढ़ी। नीचे देखा और उसका दिल बैठ गया। एम स्ट्रीट की सीढ़ियों के नीचे, कैरस खून से लथपथ पड़ा था और उसके चारों ओर भीड़ जमा होने लगी थी।
क्रिस ने अपना हाथ अपने गाल पर रखा और डर से नीचे देखते हुए अपने होंठ हिलाने की कोशिश की। बोलने की कोशिश की। लेकिन वह बोल नहीं पाई।
"माँ?"
उसके पीछे से एक धीमी, मुरझाई हुई आवाज़ रोते हुए पुकार रही थी। क्रिस ने अपना सिर थोड़ा घुमाया, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं, उसे यकीन नहीं हो रहा था कि उसने क्या सुना है। तभी आवाज़ दोबारा आई। रीगन की। “माँ, क्या हो रहा है? इधर आओ! मुझे डर लग रहा है, माँ! ओह, प्लीज़, माँ! प्लीज़! प्लीज़ इधर आओ!”
क्रिस ने मुड़कर देखा तो उसे घबराहट के आंसू दिखाई दिए, और अचानक वह रोते हुए बिस्तर की ओर भागी, “रैग्स! ओह, मेरे प्यारे, मेरे प्यारे! ओह, रैग्स! क्या सच में तुम हो! क्या सच में तुम हो!”
नीचे, शेरोन घर से झट से बाहर निकली और घबराकर जेसुइट छात्रावास की ओर भागी, जहाँ उसने डायर से मिलने की गुहार लगाई। वह तुरंत रिसेप्शन पर आया। उसने उसे सब कुछ बताया। वह हैरानी से उसकी ओर देखने लगा। "क्या तुमने एम्बुलेंस बुलाई?" उसने उससे पूछा।
हे भगवान! नहीं, मैंने ऐसा नहीं किया! मैंने सोचा ही नहीं!
डायर ने झटपट स्विचबोर्ड ऑपरेटर को निर्देश दिए, फिर वह शेरोन के साथ हॉल से बाहर भागा। सड़क पार की। सीढ़ियों से नीचे भागा।
“मुझे जाने दो, प्लीज़! मैं आ रहा हूँ!” भीड़ के बीच से रास्ता बनाते हुए डायर को उदासीनता भरी फुसफुसाहटें सुनाई दीं। “क्या हुआ?” “कोई आदमी सीढ़ियों से गिर गया।” “हाँ, ज़रूर नशे में होगा। उल्टी देखी?” “चलो, प्यारे बच्चों, हमें देर हो रही है।”
अंततः डायर ने रास्ता बनाया, और एक पल के लिए दिल दहला देने वाला पल आया जब कैरस शोक के एक अनंत आयाम में जम गया, एक ऐसी जगह जहाँ साँस लेना भी

असहनीय था। कैरस पीठ के बल, सिर के बल खून के बढ़ते हुए तालाब के बीचोंबीच, बेसुध और मुड़ा हुआ पड़ा था। उसका जबड़ा ढीला था, आँखों में एक अजीब सी चमक थी, वह ऊपर की ओर टकटकी लगाए देख रहा था मानो किसी रहस्यमय क्षितिज के धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करते तारों को देख रहा हो। लेकिन अब उसकी नज़र डायर पर पड़ी। मानो उसकी आँखें किसी परमानंद से चमक रही हों। पूर्णता का, किसी विजय के समान।
और फिर कुछ विनती के साथ। कुछ अत्यावश्यक बात।
“चलो, पीछे हटो! पीछे हटो!” एक पुलिसकर्मी ने कहा। डायर घुटनों के बल बैठा और कोमल हाथों से उस चोटिल, ज़ख्मी चेहरे को सहलाया। इतने सारे घाव। मुँह से खून की एक पतली धार बह रही थी। “डेमियन...” डायर अपने गले की कंपकंपी को रोकने के लिए रुका, क्योंकि कैरस की आँखों में उसने वह हल्की, उत्सुक चमक देखी; वह गर्मजोशी भरी विनती।
डायर ने झुककर पूछा, "क्या आप बात कर सकते हैं?"
धीरे-धीरे कैरस ने अपना हाथ डायर की कलाई तक बढ़ाया। उसने उसे पकड़ा और जोर से दबाया।
आंसुओं को रोकते हुए, डायर थोड़ा और करीब झुका और कैरस के कान के पास अपना मुंह रखकर धीरे से पूछा, "क्या तुम अब अपना गुनाह कबूल करना चाहते हो, डेमियन?"
एक निचोड़।
“क्या आपको अपने जीवन के सभी पापों और सर्वशक्तिमान ईश्वर को नाराज करने के लिए खेद है?”
हाथ धीरे-धीरे छूटता है; और फिर एक ज़ोरदार दबाव।
डायर धीरे-धीरे कैरस के ऊपर क्रॉस का चिन्ह बनाते हुए भावुकता से क्षमादान के शब्द दोहराते रहे: "एगो ते एब्सोल्वो..."
कैरास की आंख के कोने से एक बड़ा सा आंसू लुढ़क गया, और अब डायर को महसूस हुआ कि उसकी कलाई और भी कसकर, लगातार दबाई जा रही है, जैसे ही उसने क्षमादान पूरा किया: "... in nomine Patris, et Filii, et Spiritus Sancti. Amen."
डायर एक बार फिर कैरस के कान के पास झुक गया। इंतज़ार किया। अपने गले की सूजन को दबाते हुए, उसने धीरे से कहा, "क्या तुम...?" डायर अचानक रुक गया। उसकी कलाई पर दबाव एकदम कम हो गया था। उसने अपना सिर पीछे खींचा और देखा कि आँखों में शांति थी; और कुछ और भी: दिल की तड़प के अंत में मिलने वाली खुशी जैसी कोई चीज़। आँखें अब भी टकटकी लगाए देख रही थीं। लेकिन इस दुनिया में किसी चीज़ को नहीं। यहाँ किसी चीज़ को नहीं।
धीरे-धीरे और कोमलता से डायर ने अपनी पलकें झुकाईं। उसे दूर से एम्बुलेंस की आवाज़ सुनाई दी। उसने "अलविदा" कहना शुरू किया, लेकिन पूरा नहीं कर सका। उसने अपना सिर नीचे झुकाया और रोने लगा।
एम्बुलेंस आ गई। उन्होंने कैरस को स्ट्रेचर पर लिटाया, और जब उसे एम्बुलेंस में चढ़ाया जा रहा था, तो डायर भी अंदर चढ़ गया और इंटर्न के बगल में बैठ गया। उसने हाथ बढ़ाकर कैरस का हाथ पकड़ लिया।

“अब आप उसके लिए कुछ नहीं कर सकते, पिताजी,” इंटर्न ने विनम्र स्वर में कहा। “अपने लिए और मुश्किलें मत बढ़ाइए। आप मत आइए।”
उस क्षतिग्रस्त, फटे हुए चेहरे पर टकटकी लगाए हुए, डायर ने धीरे से अपना सिर हिलाया और धीमी आवाज़ में कहा, "नहीं। मैं आ रहा हूँ।"
इंटर्न ने एम्बुलेंस के पिछले दरवाजे की ओर देखा, जहाँ धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा ड्राइवर खड़ा था और प्रश्नवाचक भाव से भौंहें उठाकर अंदर देख रहा था। इंटर्न ने चुपचाप सिर हिलाया और पिछला दरवाजा ऊपर उठकर बंद हो गया।
फुटपाथ से, शेरोन सुन्न होकर एम्बुलेंस को धीरे-धीरे दूर जाते हुए देखती रही। उसने आसपास खड़े लोगों की फुसफुसाहट सुनी।
"क्या हुआ?"
"खैर, कौन जाने।"
नदी के ऊपर रात के सन्नाटे में एम्बुलेंस के सायरन की कर्कश आवाज गूंज उठी। फिर अचानक वह शांत हो गई।
ड्राइवर को याद आ गया था कि अब समय का कोई महत्व नहीं रह गया है।

उपसंहार

जून की हल्की धूप क्रिस के बेडरूम की खिड़की से अंदर आ रही थी। उसने अपने बिस्तर पर रखे सूटकेस के ऊपर एक ब्लाउज मोड़कर रखा और फिर उसे बंद कर दिया। वह तेज़ी से दरवाज़े की ओर बढ़ी। "ठीक है, बस इतना ही है," उसने कार्ल से कहा, और जैसे ही स्विस सूटकेस को लॉक करने के लिए आगे बढ़ा, क्रिस हॉल से बाहर निकलकर रीगन के बेडरूम की ओर चली गई। "हे, रेग्स, कैसी हो?" उसने आवाज़ लगाई।
पुजारियों की मौत को अब छह हफ्ते बीत चुके थे। सदमे के बाद, किंडरमैन द्वारा बंद की गई जांच के बाद। और अब भी कोई जवाब नहीं मिला था। बस डरावनी अटकलें और नींद में बार-बार रोते हुए जागना ही बचा था। मेरिन की मौत कोरोनरी धमनी रोग के कारण हुई थी, लेकिन कैरस के बारे में... "अजीब बात है," लेफ्टिनेंट किंडरमैन ने भारी स्वर में कहा। "नहीं। लड़की ने नहीं किया होगा," उन्होंने फैसला किया। उसने ऐसा नहीं किया था: उसे पट्टियों से कसकर बांधा गया था। इसलिए, कैरस ने शटर तोड़ दिए और खिड़की से कूदकर अपनी जान दे दी। लेकिन क्यों? किसी भयानक चीज़ से बचने की कोशिश? किंडरमैन ने तुरंत इस संभावना को खारिज कर दिया, क्योंकि अगर वह भागना चाहता, तो पुजारी दरवाजे से बाहर जा सकता था। और कैरस वैसे भी भागने वाला आदमी नहीं था। लेकिन फिर वह जानलेवा छलांग क्यों?
किंडरमैन के लिए, डायर के उस बयान से जवाब स्पष्ट होने लगा जिसमें कैरस के भावनात्मक संघर्षों का जिक्र था: अपनी माँ के प्रति अपराधबोध; उनकी मृत्यु; आस्था की समस्या; और जब किंडरमैन ने इनमें कई दिनों तक लगातार नींद की कमी; रीगन की आसन्न मृत्यु को लेकर चिंता और अपराधबोध; अपनी माँ के रूप में राक्षसी हमलों; और अंत में मेरिन की मृत्यु के सदमे को भी जोड़ दिया, तो उन्होंने दुख के साथ निष्कर्ष निकाला कि असहनीय अपराधबोध से चूर होकर, जेसुइट मनोचिकित्सक का दिमाग चकनाचूर हो गया था। इसके अलावा, बर्क डेनिंग्स की रहस्यमय मृत्यु की जांच के दौरान, जासूस ने प्रेतबाधा पर अपने अध्ययन से जाना था कि भूत भगाने वाले स्वयं भी कभी-कभी प्रेतबाधित हो जाते हैं, और परिस्थितियाँ लगभग वैसी ही होती हैं जैसी यहाँ

मौजूद थीं: अपराधबोध की तीव्र भावनाएँ और दंडित होने की आवश्यकता, ये आत्म-सुझाव की शक्ति को बढ़ा देती हैं। कैरस इसके लिए तैयार था। हालाँकि डायर ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। रीगन के स्वास्थ्य लाभ के दौरान वह बार-बार घर लौटकर क्रिस से बात करता था, बार-बार पूछता था कि क्या रीगन को अब याद है कि उस रात बेडरूम में क्या हुआ था, लेकिन जवाब हमेशा सिर हिलाना या 'नहीं' होता था, और अंततः मामला बंद कर दिया गया।
क्रिस ने रीगन के बेडरूम में झाँका। अपने क्लच में दो खिलौने लिए, वह अपने बिस्तर पर रखे खुले और पैक किए हुए सूटकेस को बच्चों जैसी नाराज़गी से घूर रही थी। उन्हें दोपहर की फ्लाइट से लॉस एंजिल्स जाना था, जिसके बाद शेरोन और एंगस्ट्रॉम्स को घर बंद करना था, और फिर कार्ल को लाल जगुआर कार से वापस घर जाना था।
"तुम्हारी पैकिंग कैसी चल रही है, हनी?" क्रिस ने पूछा। रीगन ने अपना चेहरा ऊपर उठाया। थोड़ी मुरझाई हुई, थोड़ी दुबली-पतली, आँखों के नीचे थोड़े काले घेरे। "इसमें जगह ही नहीं है!" उसने भौंहें चढ़ाते हुए और होंठ फुलाते हुए कहा।
“खैर, तुम ये सब तो नहीं ले जा सकतीं, जानम। चलो, इसे यहीं छोड़ दो, विली बाकी सब ले आएगा। चलो, जान। जल्दी करो वरना हमारी फ्लाइट छूट जाएगी।”
ठीक है, माँ।
"वह है मेरा बच्चा।"
क्रिस उसे छोड़कर तेजी से सीढ़ियों से नीचे उतर गई। जैसे ही वह नीचे पहुंची, दरवाजे की घंटी बजी और वह दरवाजे के पास गई और उसे खोल दिया।
“हाय, क्रिस।” फादर डायर का चेहरा उतरा हुआ था। उन्होंने कहा, “बस आपसे मिलने आया था।”
"अंदर आ जाओ। मैं तुम्हें अभी फोन करने ही वाला था।"
"नहीं, कोई बात नहीं, क्रिस; मुझे पता है कि तुम जल्दी में हो।"
उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे अंदर खींच लिया। "अरे, चलो ना! मैं अभी एक कप कॉफी पीने ही वाली थी। मेरे साथ एक कप पी लो।"
"ठीक है, अगर आपको यकीन है तो..."
उसने कहा कि वह ठीक है, और वे रसोई में चले गए, जहाँ वे मेज पर बैठ गए, कॉफी पी और हल्की-फुल्की बातें कीं, जबकि शेरोन और एंगस्ट्रॉम्स इधर-उधर भाग-दौड़ कर रहे थे। क्रिस ने मेरिन के बारे में बताया: उसके अंतिम संस्कार में प्रतिष्ठित व्यक्तियों और विदेशी गणमान्यों को देखकर वह कितनी विस्मित और आश्चर्यचकित थी; फिर कुछ क्षणों के लिए वे दोनों चुप रहे, जबकि डायर अपनी कप में डूबी उदासी में डूबा रहा। क्रिस ने उसके मन की बात समझ ली। "उसे अभी भी याद नहीं है," उसने धीरे से कहा। "मुझे खेद है।"
अभी भी उदास, जेसुइट ने सिर हिलाया। क्रिस ने अपनी नाश्ते की थाली पर नज़र डाली। घबराहट और उत्तेजना के कारण उसने कुछ खाया नहीं था। गुलाब अभी भी वहीं था। उसने उसे उठाया और सोच-विचार करते हुए उसे डंठल से पकड़कर आगे-पीछे घुमाया। "और वह उसे जानता भी नहीं था," उसने धीरे से कहा। फिर उसने गुलाब को स्थिर रखा और डायर की ओर देखा। वह उसे ध्यान से देख रहा था। "तुम्हें क्या लगता है कि वास्तव में क्या हुआ था?" उसने क्रिस से धीरे से पूछा। "मेरा मतलब है, एक नास्तिक के रूप में। क्या तुम्हें लगता है कि वह सचमुच प्रेतबाधित थी?"

क्रिस सोच में पड़ गई, नीचे देखते हुए वह फिर से गुलाब से बेसुध होकर खेलने लगी।
“मुझे नहीं पता, फादर डायर। बस नहीं पता। आप भगवान के पास आते हैं और आपको यह मानना पड़ता है कि अगर कोई है, तो उसे हर रात लाखों साल की नींद चाहिए होगी, नहीं तो वह चिड़चिड़ा हो जाता है। समझ रहे हैं ना? वह कभी बोलता नहीं। लेकिन जब शैतान की बात आती है...” उसने डायर की ओर देखा। “खैर, शैतान तो कुछ और ही है। मैं यह मान सकती हूँ; बल्कि शायद मानती भी हूँ। जानते हैं क्यों? क्योंकि वह कमीना लगातार विज्ञापन करता रहता है।”
डायर ने कुछ पल स्नेह भरी निगाहों से उसे देखा, फिर धीरे से कहा, "लेकिन अगर दुनिया की सारी बुराई तुम्हें यह सोचने पर मजबूर करती है कि शायद कोई शैतान मौजूद है, क्रिस, तो तुम सारी अच्छाई का हिसाब कैसे लगाओगे?"
क्रिस ने डायर की स्थिर निगाहों में देखा। उन शब्दों ने उसे सोचने पर मजबूर कर दिया था, जिससे उसकी आंखें सिकुड़ गईं और माथे पर शिकन आ गई। अंत में उसने नज़रें हटाकर धीरे से सिर हिलाया। "मैंने इसके बारे में कभी सोचा ही नहीं था," उसने बुदबुदाया। "अच्छा सवाल है।" कैरस की मृत्यु का दुख और सदमा उसके मन पर उदासी की धुंध की तरह छा गया था, लेकिन अब उसने आशा और प्रकाश के इस मामूली निमंत्रण पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। उसने डायर की कही बातें याद कीं, जो उसने कैरस के अंतिम संस्कार के बाद परिसर में स्थित जेसुइट कब्रिस्तान में उसकी कार तक छोड़ते समय कही थीं। "क्या आप थोड़ी देर के लिए घर आ सकते हैं?" उसने उससे पूछा था। "ओह, मुझे अच्छा लगेगा, लेकिन मैं दावत में शामिल होना नहीं भूल सकता," उसने जवाब दिया था। वह उलझन में दिखी, इसलिए उसने समझाया, "जब कोई जेसुइट मरता है, तो हम उत्सव की दावत देते हैं। उसके लिए यह एक नई शुरुआत होती है।"
आपने कहा था कि उसे अपने धर्म को लेकर समस्या थी।
डायर ने सिर हिलाया।
क्रिस ने अपना सिर थोड़ा झुकाया और हिलाया। "मुझे विश्वास नहीं हो रहा," उसने भावविभोर होकर उत्तर दिया। "मैंने अपने जीवन में पहले कभी इतना मजबूत विश्वास नहीं देखा।"
“कार आ गई है, मैडम!”
अपनी तल्लीनता से बाहर आते हुए, क्रिस ने पुकारा, “ठीक है, कार्ल! हम आ रहे हैं!” वह और डायर खड़े हो गए। “नहीं, आप यहीं रुकिए, पिताजी। मैं बस ऊपर रेग्स को लेने जा रही हूँ।”
डायर ने अनमने ढंग से सिर हिलाया। "ठीक है।" वह कैरस की रहस्यमयी चीख "नहीं!" और फिर खिड़की से कूदने से पहले सुनाई देने वाली दौड़ती कदमों की आवाज़ के बारे में सोच रहा था। उसे लगा कि वहाँ कुछ तो था। क्या था? क्रिस और शेरोन दोनों की यादें धुंधली थीं। लेकिन अब डायर को कैरस की आँखों में खुशी की वह रहस्यमयी चमक फिर से याद आई। और कुछ और, उसे अब याद आया: एक तेज़ चमकती हुई झलक... क्या? वह नहीं जानता था; लेकिन उसे लगा कि यह जीत जैसी कोई चीज़ थी। विजय जैसी। अजीब तरह से, इस विचार ने उसे हल्का कर दिया। वह हल्का महसूस करने लगा। वह जेब में हाथ डाले प्रवेश कक्ष तक गया, और फिर खुले दरवाजे पर झुककर कार्ल को ड्राइवर को लिमोसिन के ट्रंक में सामान रखने में मदद करते हुए देखने लगा। डायर ने अपना माथा पोंछा - उमस और गर्मी थी। उसने नीचे

आती कदमों की आवाज़ की ओर देखा, क्रिस और रेगन हाथ में हाथ डाले आ रहे थे। वे उसकी ओर आ रहे थे। क्रिस ने उसके गाल पर चुंबन किया, फिर उसने उसका हाथ उसके गाल पर थाम लिया, जबकि वह कोमलता से पादरी की उदास आँखों में देख रही थी।
“कोई बात नहीं, क्रिस। मुझे ऐसा लग रहा है कि सब ठीक है।”
क्रिस ने कहा, "अच्छा।" उसने रीगन की ओर देखा। "बेटी, ये फादर डायर हैं," उसने कहा। "नमस्ते कहो।"
"आपसे मिलकर खुशी हुई, फादर डायर।"
और मुझे भी आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई।
क्रिस ने अपनी घड़ी देखी।
“अब मुझे जाना होगा, पिताजी।”
“सब बढ़िया रहा। अरे नहीं, रुकिए! मैं लगभग भूल ही गया था!” पादरी ने अपने कोट की जेब में हाथ डाला और कुछ निकाला। “यह उसका था,” उन्होंने कहा।
क्रिस ने डायर के खुले और उठे हुए हाथ में पकड़ी हुई पवित्र पदक और माला की ओर देखा। "संत क्रिस्टोफर। मुझे लगा कि शायद आपको यह पसंद आएगा।"
कुछ देर तक चुपचाप क्रिस पदक को निहारती रही, उसकी भौंहें हल्की सी सिकुड़ी हुई थीं मानो वह किसी निर्णय पर विचार कर रही हो; फिर धीरे से उसने हाथ बढ़ाया, पदक उठाया, उसे अपने कोट की जेब में रख लिया और डायर से कहा, “धन्यवाद, फ़ादर। हाँ। हाँ, मैं ऐसा ही करूंगी।” फिर उसने रीगन से कहा, “चलो बेटा,” लेकिन जैसे ही उसने अपनी बेटी का हाथ पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया, क्रिस ने देखा कि रीगन भौंहें चढ़ा रही थी और जेसुइट के गोल रोमन कॉलर को टकटकी लगाकर देख रही थी मानो उसे अचानक कोई भूली हुई चिंता याद आ गई हो। फिर अचानक उसने अपने हाथ पादरी की ओर बढ़ा दिए। आश्चर्यचकित होकर युवा जेसुइट पादरी झुक गया, और रीगन ने अपने हाथ उसके कंधों पर रखकर उसके गाल पर चुंबन किया, और फिर अपने हाथ नीचे करके वह उलझन भरी भौंहों के साथ दूसरी ओर देखने लगी, मानो वह सोच रही हो कि उसने ऐसा क्यों किया।
क्रिस की आँखें अचानक नम हो गईं, उसने कुछ पल के लिए नज़रें फेर लीं, फिर रीगन का हाथ पकड़कर धीरे से और भारी आवाज़ में कहा, "ओह, चलो, अब हमें सच में जाना होगा। चलो, प्यारी। फादर डायर को अलविदा कह दो।"
"अलविदा, पिताजी।"
मुस्कुराते हुए, डायर ने विदाई के तौर पर हाथ की उंगलियां हिलाईं और कहा, "अलविदा। घर की यात्रा सुरक्षित हो।"
“पिताजी, मैं आपको लॉस एंजिल्स से फोन करूंगा,” क्रिस ने उसके कंधे के ऊपर से कहा। बाद में ही उसे समझ आएगा कि “घर” से उसका असल में क्या मतलब था।
अब अपना ख्याल रखना।
"आप भी।"
डायर उन्हें दूर जाते हुए देखता रहा। जैसे ही ड्राइवर ने उनके लिए दरवाज़ा खोला, क्रिस ने मुड़कर हाथ हिलाया और फिर एक फ्लाइंग किस दी। डायर ने भी हाथ हिलाकर जवाब दिया और उसे रीगन के बगल में लिमोसिन की पिछली सीट पर चढ़ते हुए देखा। जैसे ही कार सड़क के किनारे से आगे बढ़ी, रीगन पीछे की खिड़की से

डायर को तब तक देखती रही जब तक कि कार एक मोड़ पर मुड़कर उसकी नज़रों से ओझल नहीं हो गई।
डायर ने मुड़कर बाईं ओर देखा, तभी सड़क के उस पार से उसे ब्रेक लगने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी: एक पुलिस कार। कार से किंडरमैन बाहर निकला, तेज़ी से कार के सामने से घूमकर आया और फिर डायर की ओर बढ़ते हुए हाथ हिलाया और बोला, "मैं अलविदा कहने आया हूँ।"
आप उन्हें बस चूक गए।
हताश होकर जासूस वहीं रुक गया।
“सच में? वे चले गए?”
डायर ने सिर हिलाया।
किंडरमैन ने अफसोस से प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट की ओर देखा, फिर मुड़कर सिर झुकाया और हिलाया। "ओह!" उसने धीरे से कहा। फिर उसने डायर की ओर देखा। वह उसके पास गया और उदास स्वर में पूछा, "लड़की कैसी है?"
वह बिल्कुल ठीक लग रही थी। एकदम ठीक।
“अहा, अच्छा है। यही सबसे ज़रूरी है।” एक हाथ उठाते हुए, जासूस ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। “ठीक है, अब काम पर लग जाओ,” उसने कहा; “काम पर वापस। अब अलविदा, फादर।” वह मुड़ा और पुलिस की गाड़ी की ओर एक कदम बढ़ाया, लेकिन रुककर उसने अपना सिर घुमाकर पादरी की ओर संदेह भरी नज़रों से देखा। “आप फ़िल्में देखते हैं, फादर डायर? आपको पसंद हैं?”
"ओह, ठीक है, ज़रूर।"
किंडरमैन पीछे मुड़ा और डायर के करीब चला गया। उसने गंभीर स्वर में कहा, "मुझे पास मिलते हैं। दरअसल, मुझे कल रात बायोग्राफ के लिए पास मिले हैं। क्या तुम जाना चाहोगे?"
"क्या खेल रहा है?"
"वर्थरिंग हाइट्स।"
इसमें कौन-कौन शामिल है?
“इसमें कौन-कौन हैं?” जासूस ने गुस्से से भौंहें चढ़ाते हुए रूखेपन से जवाब दिया, “हीथक्लिफ, सन्नी बोनो और कैथरीन अर्नशॉ की भूमिका में चेर। आप आ रहे हैं या नहीं?”
"मैंने देखा है।"
जासूस ने बेजान आँखों से जेसुइट पादरी को देखा, फिर नज़रें हटाकर उदास स्वर में बुदबुदाया, "एक और!" फिर मुस्कुराते हुए वह डायर की ओर मुड़ा और फुटपाथ पर चढ़कर पादरी के हाथ में हाथ डालकर धीरे-धीरे सड़क पर चलने लगा। उसने स्नेह से कहा, "मुझे फिल्म 'कैसाब्लांका' की एक पंक्ति याद आ रही है। अंत में हम्फ्री बोगार्ट क्लाउड रेन्स से कहते हैं: 'लुई—मुझे लगता है कि यह एक खूबसूरत दोस्ती की शुरुआत है।'"
"पता है, तुम कुछ-कुछ बोगार्ट जैसे दिखते हो।"
आपने ध्यान दिया।
भूलने की कोशिश में, वे याद करने की कोशिश कर रहे थे।

लेखक के बारे में

देश और फिर दुनिया को झकझोर देने वाली विलियम पीटर ब्लैटी की यह रोमांचक कृति, आस्था और दैवीय आवेश पर आधारित है। चार दशक पहले इसी कृति ने स्तब्ध कर दिया था। अब यह और भी अधिक शक्तिशाली रूप में लौट आई है। अपवित्र और अश्लील, चौंकाने वाली और रोंगटे खड़े कर देने वाली यह कृति अच्छाई और बुराई की एक आधुनिक मिसाल है और शायद अब तक का सबसे भयावह उपन्यास है।
विलियम पीटर ब्लैटी एक लेखक और फिल्म निर्माता हैं। 1971 में लिखी गई उनकी कृति 'द एक्सोरसिस्ट' उनकी सर्वोत्कृष्ट रचना है; उन्होंने इस फिल्म की पटकथा भी लिखी, जिसके लिए उन्हें अकादमी पुरस्कार मिला। उनकी हालिया रचनाओं में उपन्यास 'एल्सव्हेयर' (2009), 'डिमिटर' (2010) और 'क्रेज़ी' (2010) शामिल हैं।
अपने पसंदीदा हार्परकॉलिन्स लेखकों के बारे में विशेष जानकारी के लिए www.AuthorTracker.com पर जाएं।

नोट्स

मैंने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के वर्तमान भूगोल में कुछ बदलाव किए हैं, विशेष रूप से भाषा एवं भाषाविज्ञान संस्थान के स्थान के संबंध में। इसके अलावा, प्रॉस्पेक्ट स्ट्रीट पर स्थित वह घर और जेसुइट छात्रावास, दोनों ही उस स्थान पर मौजूद नहीं हैं जहाँ मैंने उनका वर्णन किया है। अंत में, लैंकेस्टर मेरिन को समर्पित गद्य का अंश मेरी रचना नहीं है, बल्कि कार्डिनल जॉन हेनरी न्यूमैन के "दूसरा वसंत" शीर्षक वाले उपदेश से लिया गया है।

प्रशंसा

आलोचकों की प्रशंसा

द एक्सोरसिस्ट

"हर आधी रात के लिए एक डरावनी कहानी।"

—द बोस्टन ग्लोब

“ऐसे बहुत कम पाठक होंगे जो इससे प्रभावित न हों। साहित्यिक शैली में लिखी गई, 'द एक्सोरसिस्ट' अपनी तरह के अधिकांश अन्य उपन्यासों से वैसी ही अलग है जैसे आइंस्टीन का समीकरण किसी लेखाकार के आंकड़ों के स्तंभ से अलग होता है।”

— न्यूयॉर्क टाइम्स बुक रिव्यू

"बेहद संतोषजनक, यह अपने पाठकों को पो की शैली के अनुरूप एक मजबूत पकड़ में जकड़ कर रखता है।"

— लॉस एंजिल्स टाइम्स

"बेहद रोमांचक।"

—न्यूज़वीक

“बेहद शानदार। ब्लैटी आपको यह सोचने पर मजबूर कर देते हैं कि यह डरावनी कहानी सचमुच घटित हो सकती थी।”

—क्लीवलैंड प्लेन डीलर

"सुबह होने तक मैं 'द एक्सोरसिस्ट' देख रहा था। एक चौंकाने वाली फिल्म... जिसका अंत हिंसक था।"

—कॉस्मोपॉलिटन

“एकदम रोमांचक किताब। पो और मेरी शेली ब्लैटी को प्राकृतिक और अलौकिक के बीच की उनकी अस्पष्ट स्थिति में काम करते हुए पहचान लेंगे... रोंगटे खड़े कर देने वाली।”

-ज़िंदगी

“एक असाधारण उपन्यास... तीव्र गति वाला, सशक्त और पूरी तरह से रोमांचक, नैतिक शिक्षा और अलौकिक जासूसी कहानी का सम्मोहक संयोजन। हमारे समय के लिए एक दृष्टांत, एक अद्भुत उपलब्धि।”

—लंदन संडे एक्सप्रेस

“द एक्सोरसिस्ट को दो बार पढ़ना चाहिए; पहली बार कहानी के जुनून और भयावह तीव्रता के लिए, और दूसरी बार भाषा और वाक्यांशों की बारीकियों का आनंद लेने के लिए... यह एक ऐसा अनुभव है जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे।”

— सेंट लुइस पोस्ट-डिस्पैच

“ऐसा रोमांच जो कभी खत्म नहीं होता!”

— पब्लिशर्स वीकली

"एक शानदार और गहन धार्मिक उपन्यास जो पाठक की आत्मा को झकझोर देगा क्योंकि यह इस दुनिया की उन चीजों को छूता है जिन्हें तर्कसंगत रूप से समझाया नहीं जा सकता।"

—टेक्सास एबिलीन रिपोर्टर-न्यूज़

अन्य रचनाएँ

कल्पना
जैक, मक्का जाने का रास्ता किधर है?
जॉन गोल्डफार्ब, कृपया घर लौट आओ
मैं, बिली शेक्सपियर!
ट्विंकल, ट्विंकल, “किलर” केन
द एक्सोरसिस्ट
नौवां विन्यास
सैन्य टुकड़ी
पांच दानव, भूत भगाने वाले कुछ नहीं
कहीं
दिमितर
पागल
गैर-काल्पनिक कथा
मैं उन्हें बता दूंगा कि मुझे तुम याद हो
विलियम पीटर ब्लैटी ‘द एक्सोरसिस्ट’ पर: उपन्यास से फिल्म तक

क्रेडिट

कवर डिजाइन मिलान बोज़िक द्वारा किया गया है।

कॉपीराइट

इस पुस्तक का हार्डकवर संस्करण 2011 में हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित किया गया था।
द एक्सोरसिस्ट। कॉपीराइट © 1971, 2011 विलियम पीटर ब्लैटी द्वारा।
अंतर्राष्ट्रीय और पैन-अमेरिकन कॉपीराइट समझौतों के तहत सभी अधिकार सुरक्षित हैं। आवश्यक शुल्क के भुगतान पर, आपको इस ई-पुस्तक के पाठ को स्क्रीन पर देखने और पढ़ने का गैर-अनन्य, गैर-हस्तांतरणीय अधिकार प्रदान किया जाता है। हार्परकॉलिन्स ई-बुक्स की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना, इस पाठ का कोई भी भाग पुनरुत्पादित, प्रसारित, डाउनलोड, डीकंपाइल, रिवर्स इंजीनियर या किसी भी सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली में, किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, चाहे इलेक्ट्रॉनिक हो या यांत्रिक, वर्तमान में ज्ञात हो या भविष्य में आविष्कार किया जाए, संग्रहीत या उसमें डाला नहीं जा सकता है।
हार्पर द्वारा प्रकाशित पहला पेपरबैक संस्करण 2011 में प्रकाशित हुआ।
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा अनुरोध करने पर उपलब्ध है।
ISBN 978-0-06-209435-3 (हार्डकवर)
ISBN 978-0-06-209436-0 (पेपरबैक)
ईपब संस्करण © अक्टूबर 2011 ISBN: 9780062094377
संस्करण 02082013
11 12 13 14 15 ओवी/आरआरडी 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

प्रकाशक के बारे में

ऑस्ट्रेलिया
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स (ऑस्ट्रेलिया) प्राइवेट लिमिटेड
25 राइड रोड (डाकघर बॉक्स 321)
पिम्बल, न्यू साउथ वेल्स 2073, ऑस्ट्रेलिया
www.harpercollins.com.au/ebooks
कनाडा
हार्परकॉलिन्स कनाडा
2 ब्लूर स्ट्रीट ईस्ट - 20वीं मंजिल
टोरंटो, ओंटारियो, एम4डब्ल्यू, 1ए8, कनाडा
http://www.harpercollins.ca
न्यूज़ीलैंड
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स (न्यूजीलैंड) लिमिटेड
डाक बॉक्स 1
ऑकलैंड, न्यूजीलैंड
http://www.harpercollins.co.nz
यूनाइटेड किंगडम
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड।
77-85 फुलहम पैलेस रोड
लंदन, W6 8JB, यूके
http://www.harpercollins.co.uk
संयुक्त राज्य अमेरिका
हार्परकॉलिन्स पब्लिशर्स इंक.
10 ईस्ट 53वीं स्ट्रीट
न्यूयॉर्क, एनवाई 10022

http://www.harpercollins.com